पाण्डुलिपि विवरणिका



उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम्
लखनऊ

पाण्डुलिपि विवरणिका

सम्पादक

डॉ. सच्चिदानन्द पाठक

सहायक सम्पादक

जगदानन्द झा



उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान

लखनऊ

प्रकाशक :

डॉ. सच्चिदानन्द पाठक,

निदेशक :

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम्, लखनऊ

प्राप्ति स्थान :

विक्रय विभाग :

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम्, नया हैदराबाद,

लखनऊ - २२६ ००७

फोन : २७८०२५१

वेबसाइट : **www.upsanskritsansthanam.org**

ई-मेल : **nidesans@sify.com**

प्रथम संस्करण :

वि.सं. २०६२ (२००५ ई.)

प्रतियाँ : ३००

मूल्य : रु. ४००/- (चार सौ)

मुद्रक : **शिवम् आर्ट्स,** निशातगंज, लखनऊ। दूरभाष : २७८२३४८, २७८२१७२

आमुख

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के स्थापना के प्रमुख उद्देश्यों में से एक संस्कृत पाण्डुलिपियों का सर्वेक्षण एवं संरक्षण योजना है। संस्थान द्वारा वर्ष १९७७ में पूरे प्रदेश को चार प्रमुख केन्द्रों में विभाजित कर वाराणसी, मथुरा, हरिद्वार एवं गोरखपुर/झांसी में चार योग्य सर्वेक्षकों की नियुक्ति की गयी। इस हेतु विभिन्न क्षेत्रों से विद्वानों के घरों में संग्रहीत तथा मठ-मन्दिरों आदि में संरक्षित पाण्डुलियों का विवरण तैयार कर सर्वेक्षित पाण्डुलिपियों को सूचीबद्ध किया। पाण्डुलिपियों को संस्कृत संस्थान ने संबंधित पाण्डुलिपि संग्रहकर्ताओं से संस्कृत संस्थान को भेंट अथवा विक्रय के माध्यम से उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। प्रदेश शासन द्वारा इस हेतु प्राप्त विशेष अनुदान से लगभग ८००० पाण्डुलिपियों को क्रय किया गया। कुछ विद्वानों ने अपने पाण्डुलिपि संग्रह को भेंटस्वरूप भी दिया है, जिसमें डा. मंगलदेव शास्त्री का संग्रह विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

संस्कृत संस्थान में संग्रहीत पाण्डुलिपियाँ हस्तनिर्मित कागज के अतिरिक्त ताड़पत्र, भोजपत्र आदि पर लिखित हैं। संस्कृत वाङ्मय से सम्बद्ध संग्रह की गयी ये पाण्डुलिपियाँ देवनागरी के अतिरिक्ति शारदा, बंगला, तेलगू, तमिल, गुरुमुखी, ग्रन्थ लिपि जैसी विभिन्न लिपियों में प्रसिद्ध लेखकों द्वारा लिपिबद्ध की गयी हैं।

ये पाण्डुलिपियां १०० वर्ष से तो पुरानी हैं ही, साथ ही साथ कुछ पाण्डुलिपियां १३वीं एवं १४वीं शती की भी हैं, जिन्हें तत्कालीन लिपिकर्ताओं द्वारा रासायनिक प्रक्रिया द्वारा निर्मित स्याही से लिखा गया है, जो स्थायी रूप से ज्यों की त्यों बनी है। कतिपय पाण्डुलिपियाँ विभिन्न रंगों की पक्की स्याही तथा चटकीले रंगें का प्रयोग कर तैयार की गयी हैं, जो सुन्दर चित्रों से सुशोभित हैं।

इन विविध पाण्डुलिपियों के संग्रह एवं संरक्षण की विशेष व्यवस्था वैज्ञानिक विधियों के आधार पर की गयी है। जिसमें इनके रखरखाव, प्रबन्धन, संरक्षक रसायनों का प्रयोग, ताप नियन्त्रण तथा हवा के आवागमन का विशेष रूप से प्रबन्ध किया गया है। इन पाण्डुलिपियों को मौलिक रूप से बनाये रखने के लिए तथा इन्हें बराबर प्रयोग में लाने की दृष्टि से स्कैनिंग तथा डिजिटल रूप में सुरक्षित रखने के उपाय आकारिक संरक्षण के कार्यक्रम के अभिन्न अंग हैं।

संस्कृत संस्थान इन पाण्डुलिपियों को उपयोगिता की दृष्टि से विषयवार जैसे स्तोत्र, वेद, उपनिषद्, पुराण, व्याकरण साहित्य, दर्शन, आयुर्वेद, ज्योतिष, धर्मशास्त्र आदि रूपों में व्यवस्थित किया गया है। साथ ही लेखन माध्यम के अनुसार भी उन्हें आकार क्रम में व्यवस्थित कर रखा गया है, जिससे ये पाण्डुलिपियां संस्कृत के विद्वानों, शोध छात्रों तथा सामान्य संस्कृत प्रेमियों के लिए उपयोगी सिद्ध हो रही हैं। उपयोग किये जाने पर पाण्डुलिपियों की क्षति न हो अतः इन्हें मूल से स्कैन कर सी.डी. के रूप में सुरक्षित रखने का कार्य प्रक्रिया में है। इससे जहां शोधार्थियों की मांग पर सुरक्षित रूप में उपलब्ध कराया जा सकता है, वहीं उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान की वैब साइट के माध्यम से अपलोड करके इन्टरनेट से भी उपलब्ध कराना सुकर होगा।

संस्थान में सुरक्षित ये पाण्डुलिपियाँ विद्वानों द्वारा व्यापक रूप से उपयोग में लायी जा सकें इसलिए पाण्डुलिपियों से संबंधित प्रकाशन की योजना महत्वपूर्ण है। इनमें से अनेक पाण्डुलिपियां दुर्लभ एवं अप्रकाशित हैं, इन्हें चिन्हित कर प्रकाशन की विशेष योजना बनाई गयी है। इसके अन्तर्गत इन्हें विद्वानों द्वारा संपादित करने के साथ-साथ हिन्दी तथा अन्य प्रचलित भाषाओं की व्याख्या के साथ प्रकाशित कराया जायेगा। पाण्डुलिपियों के प्रकाशन के अतिरिक्त इनको सन्दर्भ के रूप में प्रयोग किये जाने की सुविधा भी बार-बार शोधार्थियों एवं विद्वानों द्वारा अनुभव की जाती रही है।

इसमें प्रथम कड़ी के रूप में संस्थान में उपलब्ध वर्गीकृत सूची की आवश्यक होती है, जिससे संदर्भित विषय से जुड़ी मौलिक कृतियों का उपयोग किया जा सके। इसमें इन कृतियों के कतिपय विवरणों की आवश्यकता साहित्य की सूची के साथ दिये जाने की आवश्यकता है।

उक्त परिप्रेक्ष्य में संस्थान द्वारा उपलब्ध पाण्डुलिपियों की सूची को 'पांडुलिपि विवरणिका' के नाम से आवश्यक शीर्षकों सहित प्रकाशित कराकर शीर्षकों के रूप में वर्गीकृत करके प्रकाशित किया जा रहा है। स्वभावतः पाण्डुलिपियां पुरानी हैं। विभिन्न स्रोतों से प्राप्त हुई हैं। एक प्रकार के ग्रन्थों की कई प्रतियां या कई भाग होना स्वाभाविक है, जिसका उक्त सूची में निवेश कर दिया गया है। इन्हें संग्रहकर्ताओं की अपनी सीमाओं तथा लेखन संग्रह तथा संस्थान द्वारा प्राप्त करने के बीच एक लम्बे अन्तराल के कारण अनेक कृतियां अपूर्ण हैं, जिन्हें उपयोगिता की दृष्टि से संकलन संग्रहीत कर

एवं सूचीबद्ध किया गया है, क्योंकि संस्कृत जैसी प्राचीन भाषा में पाठभेदों के कारण किसी भी ग्रन्थ के महत्वपूर्ण संस्करणों की उपादेयता होती है।

पाण्डुलिपि विवरणिका के सम्बन्ध में कुछ बातें विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। पुष्पिका में ग्रन्थकर्ता लिपिकाल, ग्रन्थनाम एवं अन्य विवरण लिखा होता है, उन्हीं को आधार मानकर सूची तैयार की गयी है। जिन पाण्डुलिपियों का ग्रन्थनाम ज्ञात नहीं हो सका, वहाँ विषय का उल्लेख कर दिया गया है। ग्रन्थकार के कोष्ठक में भाष्यकार या टीकाकार का नाम भी दिया गया है। लिपिकार द्वारा ग्रन्थनाम आदि में किये गये वर्तिनी सम्बन्धी अशुद्धियों को परिमार्जित कर शुद्ध वर्तिनी बना दी गयी है। जहाँ ग्रन्थकार एवं काल सम्बन्धी सूचना कथमपि प्राप्त नहीं हो सकी वहाँ-लगाकर छोड़ दिया गया है।

पत्र संख्या विवरण में जिन ग्रन्थों के आनुपूर्वी पत्र उपलब्ध नहीं थे वहाँ पत्रों की गणना कर पत्र सं. और उसके आगे गणनया लिख दिया गया। किन्हीं-किन्हीं ग्रन्थों के बीच के भाग पत्र अपूर्ण थे उसके प्राप्त पत्रों का विवरण ३, १०-१५ इस प्रकार दिया गया है।

पाण्डुलिपि में दिये गये लिपिकाल में सोलहवी शताब्दी तथा उससे प्राचीन पाण्डुलिपियाँ भी हैं। लिपिकाल को जैसा कि मातृकाओं में निर्देशित है तदवत् शक, संवत् आदि संक्षेप में शक, सं. दिया गया है। जहाँ इनका उल्लेख नहीं आया है उसे ई. सन् समझना चाहिए। कुछ लीथो ग्रन्थ भी प्राचीनता के कारण सम्मिलित कर लिये गये हैं। पाण्डुलिपियों का मापन कार्य 'इञ्च' द्वारा किया गया है, जिसे चिह्न रहित प्रदर्शित किया गया है। विवरण को सुगमतया देखा जा सके एतदर्थ दोनों ओर क्रमांक दिया गया है।

लगभग ८००० पाण्डुलिपियों में एक चौथाई से अधिक कर्मकाण्ड विषय से जुड़ी पाण्डुलिपियां हैं। लगभग एक चौथाई स्त्रोतों से संबंधित पाण्डुलिपियां हैं। वेद, दर्शन, व्याकरण, ज्योतिष, तन्त्र, पुराण, साहित्य, धर्मशास्त्र, स्मृतिशास्त्र, नीतिशास्त्र तथा इतिहास की पाण्डुलिपियां हैं, जिन्हें क्रमबद्ध रूप से व्यवस्थित करके उनकी सूची को प्रस्तुत विवरिणका के माध्यम से प्रकाशित कराया गया है।

पाण्डुलिपि विवरणिका की उपादेयता के परिप्रेक्ष्य में कतिपय संस्थानों एवं संग्रहलयों ने अपने यहां उपलब्ध पाण्डुलिपि सूचियां प्रकाशित की हैं। उसी क्रम में संस्थान के विशेष प्रयासों से उपलब्ध इन विविध पाण्डुलिपियों का प्रयोग संस्कृत जगत

के विद्वानों, मनीषियों शोध छात्रों द्वारा किया जा सके, जिसके प्रेरणा स्रोत डा. नागेन्द्र पाण्डेय, पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत संस्थान का आभारी हूं। संस्थान के वर्तमान अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र सिंह पटेल, जी ने इस कार्य के लिये प्रोत्साहित किया, जिससे इस पुस्तक का लोकार्पण सम्भव हो सका। प्रमुख रूप से इस ग्रन्थ के प्रकाशन में समर्पित सहायक निदेशक डा. चन्द्रकान्त द्विवेदी तथा संस्थान में इस कार्यक्रम से जुड़े पूर्व एवं वर्तमान सर्वेक्षकगण, पाण्डुलिपि संरक्षण के कार्य में लगी श्रीमती चन्द्रकला शाक्य एवं विवरणिका तैयार करने में सहयोग के लिये श्री जगदानन्द झा सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष का नाम उल्लेखनीय है। इस सूची के प्रकाशन में लगे अन्य संस्थान के कर्मचारीगण को बधाई देता हूँ। इस ग्रन्थ के प्रूफ संशोधन में विशेष सहयोग करने हेतु डॉ. धनीन्द्र झा एवं डॉ. विजय कुमार कर्ण का संस्कृत संस्थान सदैव ऋणी रहेगा। शिवम् आर्ट्स प्रेस ने इस पुस्तक के मुद्रण में पूरा श्रम किया है इन्हें साधुवाद देता हूँ।

आशा करता हूँ कि संस्थान के प्रकाशन की दिशा में यह विवरणिका मील का पत्थर होगी। इसका उपयोग देश विदेश में फैले शोधार्थियों के साथ संस्कृत के जिज्ञासु एवं विद्वान् संदर्भ के रूप मे कर सकेंगे। अनेक बाधाओं के बावजूद इस प्रकाशन के लिये परमपिता परमेश्वर की असीम प्रेरणा तथा कार्य को अन्तिम रूप तक पहुंचाने के लिए ऐसे आधार भूत संकल्प शक्ति का आभारी हँ। जिसे इसे इस रूप में प्रकाशित किया जा सका।

संस्कृत विद्वानों एवं सुधीजनों से अपेक्षा की जाती हैं कि यदि पूर्ण अपूर्ण तथा विभिन्न स्रोत वाले इन प्रकाशनों के बारे में विवरणिका की व्यवस्था में जो त्रुटियां अनपेक्षित रूप से रह गयी हैं, उनके लिए मुझे क्षमा करेंगे और भविष्य में अपने बहुमूल्य सुझाव देकर हमें कृतार्थ करेंगे।

विनयावनत

रामनवमी वि.सं. २०६२

डा. सच्चिदानन्द पाठक

निदेशक

विषय सूची

स्तोत्र

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
१	५६६	गणपति कवच	–	१-४
२	५६८	बटुक भैरव स्तोत्र	–	१-८
३	६३४	शिव कवच	–	१-८
४	६३१	गंगा लहरी	जगन्नाथ	१-२१
५	६३२	महिम्न स्तोत्र	पुष्पदंताचार्य	१-५, ७-१४
६	६३७	नारायण कवच	–	१-१२
७	६२९	सुमुखी कवच	–	१-३
८	६३३	कार्तवीर्यार्जुन सहस्रनाम	आनंद भैरव	१-८
९	६३५	नृसिंह कवच	–	१-५
१०	६४४	शिव महिम्न स्तोत्र	पुष्पदंत	१-१४
११	६२६	वेंकटेश्वर सहस्रनाम	चित्तखण्डी दत्तात्रेय	१-१६
१२	६३०	श्री हनुमत् सहस्रनाम	–	१-१०
१३	६४२	कार्तवीर्यार्जुन स्तोत्र	–	१-२
१४	४३१	श्री ऋण मोचन स्तोत्र	–	१-३
१५	४३८	रुद्र हृदय स्तोत्र	–	१
१६	४४३	आदित्य हृदय स्तोत्र	–	३-१४
१७	४४५	श्री बटुक भैरव सहस्रनाम		११-२६
१८	६१०	गिरीश स्तुति	दशकंधर (रावण)	१
१९	४४६	शरणागति स्तव	–	१-२
२०	१४२६	विष्णु सहस्रनाम	–	१
२१	८५८	राम हृदय	–	१-२
२२	८०८	भीष्म स्तवराज	–	१-१५

स्तोत्र

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
५ × २.३	६	२३	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		१
७.५× ४	८	२५	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	२
६.४× ४.२	१०	२२	,,	,,	-	पूर्ण	स्कंद पुराण, ब्रह्मोत्तर खण्डोक्त	३
६.५× ४	७	१३	,,	,,	-	पूर्ण		४
६.८× ३.५	६	१६	,,	,,	सं. १८०७	अपूर्ण		५
७× ३.५	५	१८	,,	,,	१९१२	पूर्ण	खण्डित	६
११×४.५	७	३५	,,	,,	-	पूर्ण	गुह्यकालीतन्त्रोक्त	७
९.५× ४	१०	२९	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	८
७.८×३.८	७	२०	,,	,,	१८९४	पूर्ण		९
६.८×३.५	६	१९	,,	,,	-	अपूर्ण		१०
१०.५×४.५	७	३२	,,	,,	-	पूर्ण	दत्तात्रेय संहिता	११
९.५×४.५	९	३६	,,	,,	१८८३	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	१२
१२×४.३	९	४१	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	१३
६.८×३.८	८	२५	,,	,,	-	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	१४
१०.८×४.३	१२	३७	,,	,,	-	पूर्ण	पद्म पुराणोक्त	१५
१०×४.३	८	३१	,,	,,	सं. १८६६	अपूर्ण		१६
११.५×४.४	८	३४	,,	,,	१९४९	अपूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	१७
९.५×३	७	३४	,,	,,	-	पूर्ण		१८
१२×५.२	९	४४	,,	,,	-	पूर्ण		१९
८×३.५	११	२९	,,	,,	-	पूर्ण	विष्णु पुराणोक्त	२०
८×३	१०	३४	,,	,,	-	पूर्ण	आध्यात्म रामायणोक्त	२१
६ × ४.३	९	१९	,,	,,	-	पूर्ण	महाभारत सहस्त्रसंहिता शांतिपर्व विष्णु धर्म अनुशासन से संकलित	२२

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
२३	७२३	अन्नपूर्णा स्तोत्र	शंकराचार्य	१-४
२४	७७५	अपराध स्तोत्र	शंकराचार्य	१-६
२५	८२६	हनुमत् स्तोत्र	विभीषण	१-३
२६	२२८	रामचन्द्र स्तवराज स्तोत्र मंत्र	नारद	१-२०
२७	२२६	गणपति सहस्रनाम		१-७, ६-१७
२८	२४०	गंगाष्टक	शंकराचार्य	१
२६	२६८	पंचमुखी हनुमान कवच	-	१-४
३०	२२७	शिव कवच	-	१-८
३१	२६६	संकटा स्तोत्र	-	१-३
३२	२६७	बटुक हृदय स्तोत्र	-	१-३
३३	२८४	शिव स्तोत्र	रावण	१-५
३४	३१५	गंगा स्तोत्र		१-४
३५	२७६	प्रत्यङ्गिरा स्तोत्र		१-८
३६	३२५	विष्णु सहस्रनाम		१-२०
३७	३१६	कीलकस्तोत्र	मार्कंडेय	१-१६
३८	३०६	वेंकटेश स्तोत्र		१-२
३६	७४२	कीलकंस्तोत्र		१-११
४०	७४३	भवानी कवच		१-६
४१	७६४	बटुक भैरव स्तोत्र		१-७
४२	८७०	ललिता सहस्रनाम	-	१-४७
४३	८८०	शनि स्तोत्र	दशरथ	१-४
४४	८७६	अन्नपूर्णा कवच	-	१-६
४५	६७२	रामदुर्गा स्तोत्र	विश्वामित्र	१-३
४६	८३०	भवानी कवच	-	१-४

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
७ × ३.८	६	२३	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		२३
५.५×३.५	७	१८	,,	,,	-	पूर्ण		२४
६ × ४	६	२२	,,	,,	-	पूर्ण		२५
५.५ × ४	६	१५	,,	,,	-	पूर्ण	सनत्कुमार संहिता के अन्तर्गत	२६
६.५×३.८	७	२०	,,	,,	१८७१	अपूर्ण	देवी रहस्य तन्त्रोक्त	२७
१३ × ३.५	३०	१३	,,	,,	१८८३	पूर्ण		२८
६ × ३.५	८	२६	,,	,,	-	पूर्ण	सुदर्शन संहिता के अन्तर्गत	२९
६.४ ×४.५	१०	१९	,	,,	-	पूर्ण	स्कंद पुराण ब्रह्मोत्तर खण्डोक्त	३०
७.२×३.२	७	१९	,,	,,	१९५९	पूर्ण		३१
६.५ ×४	१३	१९	,,	,,	-	पूर्ण		३२
४.५×२.५	५	२१	,,	,,	-	पूर्ण		३३
५.५×३.५	६	२०	,,	,,	१८९५	पूर्ण	पद्मपुराणोक्त	३४
८.५×३.८	१०	३७	,,	,,	-	पूर्ण		३५
६.५×४	७	२४	,,	,,	-	पूर्ण	महाभारत शांतिपर्व के अन्तर्गत	३६
५.५×३.५	६	१७	,,	,,	१७३२	पूर्ण		३७
६.३×३.५	८	२८	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्मांड पुराणोक्त	३८
६.५×३.५	७	२२	,	,,	-	पूर्ण		३९
४ ×२	५	१२	,,	,,	-	पूर्ण		४०
७ × ३.३	६	२५	,,	,,	१९००	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	४१
६.५×३.३	५	२४	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराण, उत्तरखण्डोक्त	४२
५.२×४.३	१२	१८	,,	,,	-	पूर्ण	अग्निपुराणोक्त	४३
५ ×४	८	१२	,,	,,	-	पूर्ण	भैरव तन्त्रोक्त	४४
५ ×४	७	१०	,,	,,	-	पूर्ण		४५
५.४×४	१०	१७	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	४६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
४७	८२७	शिव महिम्न स्तोत्र	पुष्पदन्त	१-६
४८	७५१	गणेश स्तोत्र	–	१
४६	१४४७	त्रिपुर सुन्दरी	–	६५-८६
५०	६४५	देवी सूक्त	–	१-५
५१	१६२३	शिव कवच	–	१-७
५२	१६२४	सप्तशती न्यास	–	१-७
५३	२३३७	अति मानुष्य स्तव	–	१-६
५४	१६२२	राम सहस्त्रनाम	लछिमन दास	१-१६
५५	१६१६	राम पद्धति	रामानुजाचार्य	१-२१
५६	१६१४	गुरु अष्टक	–	१-२
५७	१६१३	रंगाष्टक	शंकराचार्य	१-३
५८	१६०६	रामचन्द्र स्तवराज	नारद	१-१५
५६	१६०७	जानकी मंगल	–	१-८
६०	१६०८	राम गायत्री	–	१-२
६१	१६०६	अष्टादश नाम स्तोत्र	–	१-३
६२	१६१०	राम द्वादश नाम	–	१
६३	१६११	जानकी सहस्रनाम स्तोत्र	–	१-१६
६४	१६१२	हनुमदष्टकम्	–	१-४
६५	१६३०	पीताम्बरा स्तोत्र	–	१-८
६६	१६३४	राम कवच	–	१-५
६७	१६३५	ललिता सहस्रनाम	–	१-१६
६८	१६३६	कृष्ण अष्टोत्तर शतनाम	–	१-४
६६	१६३६	शिवमहिम्न स्तोत्र	पुष्पदंत	१-१४
७०	३२३८	अष्टोत्तर शतनाम	–	१-२

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
५.५×४.४	१०	१५	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		४७
६.३×३.६	१०	२८	,,	,,	-	पूर्ण	गणेश पुराणोक्त	४८
७.३ ×३.७	७	२७	,,	,,	-	अपूर्ण		४६
७.२×३.५	७	२१	,,	,,	१८६२	पूर्ण	देवी पुराणोक्त	५०
५.५×४	११	२१	,,	,,	शक १७२२	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त ब्रह्मोत्तर खण्डोक्त	५१
५.५×३.४	६	२७	,,	,,	-	अपूर्ण		५२
१०.५×४.५	६	३५	,	,,	-	पूर्ण		५३
६.५×४.५	६	२२	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	५४
६×३.५	७	१६	,,	,,	-	पूर्ण		५५
६×३.५	७	२०	,,	,,	-	पूर्ण		५६
६×३.५	७	२०	,,	,,	-	पूर्ण		५७
६×३.५	७	२१	,,	,,	-	पूर्ण	सनत्कुमार संहिता के अर्न्तगत	५८
६×३.५	७	२०	,,	,,	-	पूर्ण	हिन्दी पाण्डुलिपि	५६
६×३.५	७	२०	,,	,,	-	पूर्ण		६०
६×३.५	७	२०	,,	,,	-	पूर्ण		६१
६×३.५	८	२०	,,	,,	-	पूर्ण	स्कंद पुराण, उत्तरखण्डोक्त	६२
६×३.५	८	२१	,,	,,	सं. १८१६	पूर्ण	सिद्धेश्वर तंत्रोक्त	६३
६×३.५	७	२१	,,	,,	-	पूर्ण		६४
८.२×२.५	४	२८	,,	,,	१६१७	पूर्ण	बगलमुखी वंदना भी है।	६५
५.५×४	११	२२	,,	,,	१६१६	पूर्ण	ब्रह्मयामलोक्त	६६
६×३.५	१०	२०	,,	,,	-	पूर्ण		६७
६×४	६	१७	,,	,,	-	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	६८
६.४×४.३	६	१८	,,	,,	सं. १८७४	पूर्ण		६६
८×३.८	११	२३	,,	,,	-	पूर्ण	सौर पुराणोक्त	७०

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
७१	३२५०	कल्याणी स्तोत्र	ब्रह्म	१-६
७२	३२३५	सहस्रनाम स्तोत्र	-	१७ गणनया
७३	३२५१	शालिग्राम स्तोत्र	-	१-४
७४	३२७१	श्रीराम रक्षा स्तोत्र	-	१-१२
७५	३२६३	स्तोत्र कथन	-	१-६
७६	३२६२	शालिग्राम स्तोत्र मंत्र	-	१-५
७७	३२६४	मृत्युञ्जयस्तवराज	-	१-५
७८	३२६८	षट्चक्र स्तोत्र	शंकराचार्य	१-७
७९	३२६५	मृत्युञ्जय कवच	-	१-४
८०	३२३४	सौन्दर्य लहरी स्तोत्र		१-२, ४-५
८१	३२१९	राम षडाक्षर मंत्र	-	१-२
८२	३२१८	रामचन्द्र नामाष्टोत्तर शतनाम	-	१-५
८३	३२१७	राम सहस्रनामस्तोत्र	-	१-१०
८४	३२१६	हयग्रीव सहस्रनाम	-	१-६
८५	३११०	नक्षत्र माता स्तोत्र	-	१-२
८६	३२०९	गायत्री सहस्रनाम	-	१-१०, १३-१६
८७	३२०७	राजयोग	शंकराचार्य	१-४
८८	३२०६	हस्तामल स्तोत्र	शंकराचार्य	१-५
८९	३२६७	तुलसी स्तोत्र	-	१-४
९०	३२७०	रामचन्द्र स्तवराज स्तोत्र	नारद	१-१३
९१	३२६६	निवार्ण दशक स्तोत्र	शंकराचार्य	१-२

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.८×४	५	२५	दे.ना.	कागज	१६४८	पूर्ण		७१
८×४	१२	१८	”	”	–	अपूर्ण	खण्डित एवं जीर्ण	७२
६.५×४	६	२६	”	”	–	पूर्ण	नृसिंह पुराणोक्त	७३
५.५×४	५	१४	”	”	–	पूर्ण	वाल्मीकि रामायणोक्त	७४
८.८×३.८	१०	३४	”	”	”	पूर्ण	मार्कण्डेय पुराणोक्त	७५
८.५×४	६	२३	”	”	”	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	७६
८.३×३.३	६	२८	”	”	१६२८	पूर्ण		७७
१०×३.८	८	३४	”	”	–	पूर्ण		७८
८×३.४	६	२५	”	”	–	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	७६
८.८×४	६	३०	”	”	–	अपूर्ण		८०
६.५×४	६	४०	”	”	–	पूर्ण	सुंदरी तन्त्रोक्त	८१
६.५×४	१०	३१	”	”	–	पूर्ण	बंधमोचन हिरण्यगर्भ संहिता के अन्तर्गत	८२
६×३.५	१०	३२	”	”	सं. १८७०	पूर्ण	पद्मपुराणोक्त	८३
१०×४	१०	३१	”	”	–	पूर्ण	महादेव रहस्य तन्त्रोक्त	८४
६.८×४	१५	६०	”	”	–	पूर्ण		८५
८×४.५	८	२२	”	”	–	अपूर्ण	विष्णुयामल गायत्री कल्पोक्त	८६
७.५×४	७	२२	”	”	–	पूर्ण		८७
७.५×४	७	२०	”	”	–	पूर्ण		८८
८×४	६	२५	”	”	–	पूर्ण	स्कंद पुराण, रेवा खण्डोक्त	८६
६×४.५	६	१८	’	”	–	पूर्ण		६०
६.५×४	१०	१८	”	”	–	पूर्ण		६१

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
९२	३२५९	शीतला स्तोत्र	–	१-४
९३	३२६०	महिषासुर मर्दिनी स्तोत्र	–	१-५
९४	३२६०	वंदी देवी मोक्षस्तोत्र	विभीषण	१-४
९५	३२८६	पितृ स्तोत्र	–	१-५
९६	३२८७	गणेश दुर्ग	–	१-४
९७	३२८५	क्षमा षोडशी		१-५
९८	३२२१	राघवाष्टक स्तोत्र	शंकराचार्य	१-२
९९	३२२२	राम वज्र कवच	–	१-३
१००	३२२४	सीता स्तोत्र	–	१-२
१०१	३२३२	अपामार्जनक स्तोत्र	–	१-१०
१०२	३८३६	लक्ष्मी हृदय स्तोत्र	–	२, ४-७
१०३	३२५७	विष्णु सहस्र नाम	–	१-१४
१०४	४११	संकटा स्तोत्र	–	१-३
१०५	३४९	श्रीराम रक्षा स्तोत्र	विश्वामित्र	१-३
१०६	२६०३	सुदर्शन कवच		१-२
१०७	५२५६	महाविद्या स्तोत्र	महाविद्या महादेव	१-७
१०८	२६०४	महाविद्या स्तोत्र	–	१-६
१०९	५७६१	विष्णु सहस्त्रनाम	–	१-१३
११०	५७८८	दया शतक	वेंकटनाथ वेदान्तचार्य	१-७
१११	५२५५	अभीत स्तव	वेदान्ताचार्य	१-५
११२	५२५४	राम रसामृत स्तोत्र	–	१-१२

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६×४	८	२४	दे.ना.	कागज	शक १७७३	पूर्ण	स्कंद-पुराणोक्त	९२
८×४	११	२५	,,	,,	-	पूर्ण		९३
६.५×३.३	६	२८	,,	,,	सं. १६१३	पूर्ण	भविष्य पुराणोक्त	९४
६.५×४	११	२६	,,	,,	-	पूर्ण	मार्कण्डेय पुराणोक्त	९५
५ ×४	८	१२	,,	,,	-	पूर्ण		९६
६.५×३	८	२८	,,	,,	सं. १६१०	पूर्ण	श्रीरङ्गस्तोत्र यतिराज पंचक	९७
६×४	७	३६	,,	,,	-	पूर्ण		९८
६.८×४	१०	३२	,,	,,	-	पूर्ण	हिरण्यगर्भ संहिता अगस्त्योक्त	९९
८.५×३.७	५	३०	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्मयामलोक्त	१००
६.५×४	६	२६	,,	,,	-	पूर्ण	विष्णु धर्मोत्तरोक्त	१०१
७.५×४	६	३०	,,	,,	-	अपूर्ण		१०२
८×४	८	२४	,,	,,	-	अपूर्ण		१०३
७×३.५	७	२८	'	,,	-	पूर्ण	पद्म पुराणोक्त	१०४
७×३.५	१०	३५	,,	,,	-	पूर्ण		१०५
१०×४.५	६	४५	,,	,,	-	पूर्ण		१०६
१०×५	७	२६	,,	,,	१६२६	पूर्ण	जीर्ण	१०७
११×५.५	१३	४२	,,	,,	-	पूर्ण		१०८
६×३.५	१८	६२	,,	,,	शक १६५०	पूर्ण	महाभारत	१०९
१२×५.५	१२	४२	,,	,,	-	पूर्ण		११०
१०×४.३	८	३२	,,	,,	-	पूर्ण		१११
६.५.×५	१०	३१	,,	,,	सं. १८३७	पूर्ण		११२

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
११३	५७८६	सुदर्शन शतक	चूड़ामणि	१-७२
११४	५२३६	वरद स्तव	–	१-७
११५	६३६	विष्णु सहस्रनाम	–	१-४१
११६	६०६	विनायकाष्टक	मथुरानाथ बाजपेयी	१-२
११७	६३८	इन्द्राक्षी स्तोत्र	–	१-८
११८	३४४१	मृत्युञ्जय सहस्रनाम	–	१-१४
११९	३४५४	द्वादश स्तोत्र	श्रीमद् आनंद तीर्थ	१-४७
१२०	४५७३	शिव कवच	–	१-५
१२१	२६६७	दक्षिणा कालीपंजर	भैरव	१-६
१२२	३०१२	कालिका कवच	–	१-१२
१२३	२६६६	काली शतनाम स्तोत्र	–	१-५
१२४	३०००	बगलामुखी स्तोत्र	–	१-५
१२५	२६६६	सुमुखी कवच	–	१-२
१२६	३००२	श्रीश्मशान कालिका कवच	–	१-१०
१२७	७४३	शिव सहस्रनाम	–	१-११
१२८	५२३७	यतिराज सप्तति	वेंकटनाथ वेदांताचार्य	१-११
१२९	५२६६	मांगल्य स्तव	–	१-६
१३०	५२६३	कृष्ण कर्णामृत स्तोत्र	लीलाश्रुक	१-६
१३१	५३०१	शठकोपाष्टक	वेंकटनाथ	१-४
१३२	५३०६	गणेश सहस्र नामावली	–	१-२२
१३३	५३११	अपामार्जन स्तोत्र	–	१-११

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१०×५	१३	४०	दे.ना.	कागज	१६०६	पूर्ण	सटीक	११३
१०.५×४.५	१४	४३	"	"	-	पूर्ण		११४
३.५×३	७	११	"	"	१६००	पूर्ण	महाभारत से उद्धृत	११५
६.५×४	१०	१६	"	"	१६२०	पूर्ण		११६
५×३	५	१४	"	"	-	पूर्ण		११७
८ ×४	७	२७	"	"	१८३६	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	११८
६.५ ×३	७	२०	"	"	-	पूर्ण		११६
७ ×४	६	२०	"	"	-	पूर्ण		१२०
४.५×३.५	६	१८	"	"	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	१२१
५×२.८	५	१४	"	"	-	पूर्ण	काली कल्पोक्त	१२२
६×३.३	६	२५	"	"	-	पूर्ण	महानिर्वाण तन्त्रोक्त	१२३
५.५×३.५	७	२१	"	"	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	१२४
६×३	१०	३०	"	"	-	पूर्ण	गुह्य कालीतन्त्रोक्त	१२५
५×३.५	८	१२	"	"	-	पूर्ण		१२६
११×५.८	११	३०	"	"	-	पूर्ण	शिव रहस्योक्त	१२७
१०.४×४.८	८	३१	"	"	सं. १८७४	पूर्ण		१२८
७×४.३	६	१७	"	"	-	पूर्ण		१२६
११×४.५	६	४०	"	"	-	पूर्ण		१३०
१०.५×४.५	८	२७	"	"	-	पूर्ण		१३१
७×३	८	२४	"	"	-	पूर्ण	भगवत् ध्यान और सोपान महागणेश पुराण उपासना खण्डोक्त	१३२
५×३.५	११	२५	"	"	सं. १८००	पूर्ण	विष्णुधर्मोत्तर पुराणोक्त	१३३

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
१३४	५३२२	रामष्टोत्तर शताभिधान	–	१-७
१३५	५२६७	विमल विनया स्तुति	राघवाचार्य गंधर्वराज	१-५
१३६	५२५८	रामानुज प्रपत्ति	यामुनाचार्य	१-७
१३७	५३१४	देवी सूक्त	–	१-७
१३८	५३२०	क्षमा षोडशी	–	१-१४
१३९	५३२६	वेद स्तुति	–	१-५
१४०	५२७८	रामाष्टक	श्री यमुनाचार्य	१-२
१४१	५२७१	पीयूष लहरी	श्री जगन्नाथ	१-१०
१४२	५३१७	अपामार्जन स्तोत्र	–	१-१२
१४३	५२६१	वायु स्तोत्र	विक्रम पंडिताचार्य	१-२२
१४४	५२६२	जीव ब्रह्मैकत्व स्तोत्र	शंकराचार्य	१-१०
१४५	५२६५	जितंते स्तोत्र	–	१-१०
१४६	५३१६	लक्ष्मण कवच	–	१-३
१४७	५२७४	पंचमुखी हनुमत कवच	–	१-५
१४८	५२७३	यमुनाष्टक	शंकराचार्य	१-३
१४९	५२७५	विष्णु पंजर स्तोत्र	–	१-३
१५०	५२७७	जानकी स्तवराज	–	१-८
१५१	५३२७	इन्द्राक्षी स्तोत्र	–	१-३
१५२	५३२३	गणपति पंजर	–	१-४
१५३	५२८८	भवानी कवच	–	१-४
१५४	५२९८	विष्णु शतनाम	–	१-३
१५५	५३०२	हनुमत् शत्रुञ्जय स्तोत्र	वाल्मीक	१-४

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.५×४.५	८	२०	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	पद्मपुराणोक्त	१३४
१०.५×४.५	११	३७	,,	,,	-	पूर्ण		१३५
८.५×४.५	६	३१	,,	,,	-	पूर्ण		१३६
६.५×४.५	१०	३०	,,	,,	-	पूर्ण		१३७
१२×५.५	११	३८	,,	,,	-	पूर्ण		१३८
११×५.५	१०	३७	,,	,,	१६००	पूर्ण	भागवत महापुराण दशम स्कंध	१३९
५.५×३.५	८	१७	,,	,,	-	पूर्ण		१४०
६×३.५	१०	२२	,,	,,	-	पूर्ण		१४१
१०.५×४.५	८	२६	,,	,,	१६०८	पूर्ण	विष्णु धर्मोत्तर, दालभ्य संवादोक्त	१४२
६×४.२	५	२३	,,	,,	-	पूर्ण		१४३
४×३	५	१०	,,	,,	-	पूर्ण		१४४
६.२×४.२	८	३०	,,	,,	-	पूर्ण		१४५
६×५.५	११	२०	,,	,,	-	पूर्ण	नारदीय तन्त्रोक्त	१४६
६×४.५	८	२१	'	,,	-	पूर्ण	सुदर्शन संहिता से उद्धृत	१४७
७.५×४	७	२२	,,	,,	सं. १६०४	पूर्ण		१४८
११×५	६	२६	,,	,,	-	पूर्ण		१४९
८.२×५	११	१८	,,	,,	-	पूर्ण	अगस्त संहितोक्त	१५०
१०.८×४.८	८	३४	,,	,,	-	पूर्ण	विष्णोत्तर पुराणोक्त	१५१
६.५×४	५	२६	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	१५२
७.३×५	७	१८	,,	,,	१८६८	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	१५३
६.५×४	७	२१	,,	,,	१८६८	पूर्ण		१५४
१०.५×४.५	६	२६	,,	,,	-	पूर्ण	वशीकरण मंत्र भी है	१५५

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
१५६	५२३५	यतिराज सप्तति	वेंकटनाथ	१-५
१५७	५२२७	अपामार्जन स्तोत्र	-	१-१३
१५८	१२७८	विष्णु सहस्रनाम	-	१-१३
१५६	५२३२	दया शतक	वेंकटनाथ	१-१५
१६०	२७६७	गुरु गीता स्तोत्र	-	१-१५
१६१	६४१	देवी सूक्तम्	-	१-६
१६२	५११२	क्षमा षोडशीस्तोत्र	-	१-६
१६३	५१८४	गणेश हृदय	-	१-४
१६४	५१८६	गायत्री हृदय	-	१-५
१६५	५१८२	गंगा सहस्रनाम	-	१-१६
१६६	५१८३	गायत्री स्तोत्र	-	१-३
१६७	५१६७	दिव्य अनुस्मृति स्तोत्र	-	१-२०
१६८	५१७७	गणपति सहस्रनाम	-	१-१८
१६६	५१७६	सिद्ध विनायक स्तोत्र	-	१-४
१७०	५१८०	दत्तात्रेय सहस्रनाम	-	१-२५
१७१	५३००	सारस्वत विष्णुहृदय स्तोत्र	-	१-१२
१७२	३०११	बगलामुखी स्तोत्र	-	१-४
१७३	३००५	काली कवच	-	१-५
१७४	३००४	काली रहस्य कवच	-	२० गणनया

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१२×५.८	११	४३	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		१५६
११×४.५	८	३३	,,	,,	-	पूर्ण	विष्णुधर्मोत्तर पुराण के अन्तर्गत	१५७
८.२×३.५	६	३३	,,	,,	-	पूर्ण	महाभारत शांति पर्व के अन्तर्गत	१५८
६.८×३.८	७	३१	,,	,,	-	पूर्ण		१५६
७×३.५	८	२४	,,	,,	-	पूर्ण		१६०
७.५×३.५	८	२५	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	१६१
६.५×३.७	८	२१	,,	,,	-	पूर्ण		१६२
४.५×३	६	१४	,,	,,	-	पूर्ण	पद्मपु., ब्रह्मोत्तर खण्डोक्त	१६३
६.५×४.५	१२	२२	,,	,,	-	पूर्ण		१६४
७×४	१०	२१	,,	,,	शक १६५६	पूर्ण	स्कंद पुराण, काशी खण्डोक्त	१६५
४.८×३.८	७	१४	,,	,,	-	पूर्ण	वशिष्ठ संहिता के अन्तर्गत (तान्त्रिक)	१६६
६×३.५	६	१६	,,	,,	शक १६८५	पूर्ण	महाभारत के अन्तर्गत अनुशासनपर्व	१६७
८×४.५	११	२१	,,	,,	-	पूर्ण	गणपति पुराणोक्त	१६८
६×४	८	२०	,,	,,	-	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१६६
६.८×३.८	६	२१	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्मांड पुराणोक्त	१७०
७×४	६	१८	,,	,,	-	पूर्ण		१७१
६.३×२.२	६	३२	,,	,,	-	अपूर्ण	मन्त्रात्मक	१७२
६.८×२.२	५	३०	,,	,,	-	पूर्ण	गंधर्व तन्त्रोक्त	१७३
४×३.३	१७	३१	,,	,,	-	पूर्ण	देवी स्तोत्र, शिव-सहस्रनाम और त्रैलोक्य-मोहन काली कवच।	१७४

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
१७५	३००८	योगीश्वरी कवच	–	१-३
१७६	३००६	सौभाग्य कवच	–	१-४
१७७	३००३	काली कवच	–	१-३
१७८	३१०४	सौन्दर्य लहरी	शंकराचार्य	१-२२
१७६	३१०५	गोविन्दाष्टक	शंकराचार्य	१-२
१८०	३१०७	गजेन्द्र मोक्ष स्तोत्र	–	१-२२
१८१	३१०८	अनुस्मृति स्तोत्र	–	१-१४
१८२	३१०६	भीष्म स्तवराज स्तोत्र	–	१-१७
१८३	३०४८	भवानी संग्रहाख्य स्तोत्र	गोस्वामी राधा गोविन्द देव	१-२
१८४	३०४७	लक्ष्मी स्तोत्र	–	१-३
१८५	३०४६	गंगा लहरी	जगन्नाथ त्रिशूल	१-१५
१८६	३०४५	त्रिपुर सुन्दरी त्रैलोक्य मोहन कवच	–	१-५
१८७	३०४६	दुर्गा स्तोत्र	–	१-३
१८८	३०७३	गणेश रक्षा स्तोत्र	–	१-३
१८६	३०७४	महागणपति कवच	–	१-३
१६०	३००१	धूमावती कवच	–	१-४
१६१	३०६६	शरभ स्तोत्र	–	१-४
१६२	३०७२	श्री गणेश पंचरत्न	–	१-४
१६३	३११५	शिव नृत्य ताण्डव	–	१-६
१६४	३०५३	गुरु मंत्र कवच	–	१-४
१६५	३०५६	दिव्य साम्राज्य मेधानां सहस्रनाम	–	३१ गणनया

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
४×३.५	८	१२	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण	श्री रुद्रयामलोक्त	१७५
७.५×४.५	१३	३६	,,	,,	–	पूर्ण	वामकेश्वर तन्त्रोक्त	१७६
६.६×३	६	२०	,,	,,	–	पूर्ण	वीरभद्र तन्त्रोक्त	१७७
६.५×३	८	२३	,,	,,	–	पूर्ण		१७८
७×३.५	७	२४	,,	,,	सं. १८३४	पूर्ण		१७९
७×४	७	२१	,,	,,	–	पूर्ण	महाभारत, शांति पर्वोक्त	१८०
६.८×३.६	७	२१	,,	,,	–	पूर्ण	महाभारतोक्त	१८१
६.८×३.५	७	१८	,,	,,	सं. १८७०	पूर्ण	महाभारत शांति पर्वोक्त	१८२
७.८×४.२	६	२८	,,	,,	–	पूर्ण		१८३
६.२×४.५	६	३२	,,	,,	–	पूर्ण	विष्णुपुराणोक्त	१८४
७.८×३.८	६	१८	,,	,,	१९१८	पूर्ण		१८५
१०×३.८	६	४५	,,	,,	–	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	१८६
६×४.३	८	३१	,,	,,	–	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त एवं महालक्ष्मी स्तोत्र भी	१८७
७.५×३.८	६	२२	,,	,,	–	पूर्ण		१८८
८.८×४	७	२६	,,	,,	–	पूर्ण	देवी रहस्योक्त	१८९
६.५×३.५	५	१६	,,	,,	–	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	१९०
६.५×३.८	७	२२	,,	,,	–	पूर्ण	आकाश भैरव कल्पोक्त	१९१
४.५×३	५	१२	,,	,,	–	पूर्ण	सनत्कुमार संहितोक्त	१९२
६.८ ×४	१०	१६	,,	,,	–	पूर्ण		१९३
६×३	६	२३	,,	,,	–	पूर्ण		१९४
५×२.५	१०	२५	,,	,,	–	अपूर्ण	खण्डित	१९५

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
१६६	४६४३	कनकधारा स्तोत्र	विद्याधराचार्य	२-३
१६७	३४३	सरस्वती स्तोत्र	-	१-२
१६८	३३६	विष्णु स्तवराज स्तुति	-	१-१२
१६६	३३८	शिवाष्टक	वेद व्यास	१-२
२००	३४०	त्रिपुर सुन्दरी अष्टक	शंकराचार्य	१
२०१	४०८	काली स्वरूप सहस्रनाम	दीनानाथ	१-५५
२०२	१०६८	दुर्गा स्तोत्र	-	१-६
२०३	३४४	आत्म स्तवन	-	१-३
२०४	३४७	शिव सहस्रनाम स्तोत्र	-	१-१३
२०५	३७४	अपराध सुन्दर स्तोत्र	शंकराचार्य	१-३
२०६	३८६	धूमावती कवच	-	१-२
२०७	३८३	त्रैलोक्य मोहन कवच	-	१-७
२०८	३६७	वनेश्वरी स्तोत्रक	पृथ्वीधराचार्य	१-१०
२०६	३६५	हनुमत् कवच	-	१-११
२१०	३५२	शिव कवच	-	१-७
२११	३५३	गायत्री हृदय	-	१-६
२१२	३६६	संकटा स्तोत्र	शंकराचार्य	१
२१३	३७८	प्रत्यगिंरा स्तोत्र	-	१-८
२१४	४१५	विष्णु सहस्रनाम	-	३० गणनया
२१५	३६३	अपराध सुन्दर स्तोत्र	शंकराचार्य	१-५
२१६	४१७	नवग्रह स्तोत्र	शंकराचार्य	१-३
२१७	४७६८	शिव महिम्नस्तोत्र	पुष्पदंताचार्य	१-४
२१८	४७४२	भुवनेश्वरी हृदय स्तोत्र	-	१-४
२१६	४७४६	शिव सहस्रनाम	-	१-१६
२२०	४७५५	भगवत्या पंचरत्न	शंकराचार्य	१

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
५×३.५	७	२४	दे.ना.	कागज	-	अपूर्ण		१६६
१०.७×४.५	६	३५	”	”	-	पूर्ण	सनत्कुमार संहिता के अन्तर्गत	१६७
८.३×४	८	२८	”	”	-	पूर्ण	महाभारत, शांति पर्व	१६८
८.८×३.५	८	३१	”	”	-	पूर्ण		१६६
६.८×४.२	१२	३८	”	”	सं. १८५६	पूर्ण		२००
८.२×४	६	२२	”	”	-	पूर्ण	महाकाल संहितोक्त	२०१
५×३.५	७	१४	”	”	-	पूर्ण		२०२
११.५×५	१०	४०	”	”	-	पूर्ण		२०३
६.५×५	११	४०	”	”	सं. १८६५	पूर्ण	पद्म पुराण, उत्तरखण्ड, शंकर संहितोक्त	२०४
१०×३	६	४५	”	”	१८५१	पूर्ण		२०५
११×४.५	८	४६	”	”	-	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	२०६
१०.३×४.५	६	३४	”	”	-	अपूर्ण		२०७
१२.५×५	६	३०	”	”	१६४२	पूर्ण		२०८
१०.५×४.८	८	३१	”	”	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	२०६
६.५×३.३	८	२६	”	”	-	पूर्ण		२१०
६.५×३.३	७	२६	”	”	-	पूर्ण		२११
६.५×३.३	८	२६	”	”	-	पूर्ण		२१२
८.३×४	६	२३	”	”	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	२१३
७×३.५	७	१८	”	”	१६१६	अपूर्ण		२१४
६.२×४	८	२०	”	”	-	पूर्ण		२१५
६.५×३.५	७	१६	”	”	-	पूर्ण		२१६
६.५×४.५	१२	३७	”	”	-	पूर्ण		२१७
६.५×४	६	२२	”	”	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	२१८
८×३.५	८	२३	”	”	-	पूर्ण		२१६
६×४.५	८	२७	”	”	सं. १८७५	पूर्ण		२२०

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
२२१	४७५८	सकल जननी स्तोत्र	–	१-४
२२२	४७६३	दुर्गाआपदुद्धाराष्टक	–	१-२
२२३	४४७७	ताराष्टाधिकतादिनाम सहस्र स्तोत्र	–	१-५
२२४	४४८२	हस्तामल स्तोत्र	शंकराचार्य	१
२२५	४५०१	शीतलाष्टक स्तोत्र	–	१-२
२२६	४४९६	सरस्वती स्तोत्र	–	१
२२७	४४९२	गोपाल कवच	–	१-२
२२८	४४९३	काल भैरवाष्टक	शंकराचार्य	१-२
२२९	४६९१	मृत्युञ्जय सहस्रनाम स्तोत्र	ब्रह्मा	३२-४४
२३०	४६३१	विश्वेष्वराष्टक	शंकराचार्य	१-२
२३१	४६३०	बाला त्रिपुर सुन्दरी कवच	–	१-५
२३२	४६२६	गरुण स्तव	–	१
२३३	४६५५	श्यामा कवच	–	१
२३४	४६५७	गणेश कवच	–	१-२
२३५	४६६६	ज्ञानाष्टक	अष्टावक्र	१
२३६	४६७४	स्तोत्रम्	वशिष्ठ	१
२३७	४६८८	बाला हृदय	–	१
२३८	४६७३	सूर्य हृदय स्तोत्र	–	१
२३९	४७०३	बाला स्तोत्र	–	१-३
२४०	४७०४	चण्डिका कवच	–	१-४
२४१	२४४७	हृषिकेश स्तोत्र	–	१-४

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८.५×३.५	६	५०	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		२२१
६.६×८	१८	२७	,,	,,	-	पूर्ण	संकटनाशन स्तोत्र भी है	२२२
१३×४	८	४४	,,	,,	-	अपूर्ण	तारिणी तन्त्रोक्त	२२३
१०×५	१५	४८	,,	,,	-	पूर्ण		२२४
६.५×४.३	११	४६	,,	,,	-	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	२२५
८×४	७	३०	,,	,,	-	पूर्ण	पद्म पुराणोक्त	२२६
६×४	११	३५	,,	,,	-	अपूर्ण		२२७
६.२×४.५	१०	२७	,,	,,	-	पूर्ण		२२८
६.८×४.३	८	२४	,,	,,	-	अपूर्ण	भैरव कल्पोक्त	२२६
६.८×३.५	८	२६	,,	,,	-	पूर्ण		२३०
६×३	६	१८	,,	,,	सं. १६१५	पूर्ण	भैरव तन्त्रोक्त	२३१
६.५×३.३	७	२५	,,	,,	-	पूर्ण		२३२
८.२×३.७	१७	५८	,,	,,	-	पूर्ण	भैरव तन्त्रोक्त	२३३
८×४.५	१३	२७	,,	,,	-	अपूर्ण	महापुराण, गणेश खण्डोक्त	२३४
१०×५	११	२८	,,	,,	-	पूर्ण		२३५
७.२×५	१२	२२	,,	,,	सं. १६७५	पूर्ण		२३६
११×४.५	११	३३	,,	,,	सं. १६३६	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	२३७
६×४.१	११	२८	,,	,,	-	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	२३८
६.७×४	१०	२४	,,	,,	-	पूर्ण		२३६
५.५×४.५	६	१५	,,	,,	-	अपूर्ण		२४०
११×४.५	६	२७	,,	,,	-	पूर्ण		२४१

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
२४२	२४६६	जगन्मङ्गलनाम कवच	–	१
२४३	२४१८	विष्णु नामावली	–	१-३३
२४४	२३७६	दशहरा स्तोत्र	–	१-१०
२४५	२३७१	महालक्ष्मी हृदय स्तोत्र	–	१-२६
२४६	२३६१	अपामार्ज्जन स्तोत्र		३-२५
२४७	२३८६	मल्लारी सहस्रनाम	–	१-३३
२४८	२३८८	हयग्रीव स्तोत्र	वेंकटनाथ	१-८
२४९	२३८४	मल्लारी सहस्रनाम	–	१-३४
२५०	२३८०	गणपति सहस्रनाम	–	१-२१
२५१	२३७८	मणिकर्णिका अष्टक	शंकराचार्य	१-१०
२५२	२५०२	शीतला स्तोत्र	–	१-४
२५३	२४४६	रामरक्षा स्तोत्र	–	१-६
२५४	२५०१	रेणुका सहस्रनाम	–	१-१४
२५५	२४६८	महिम्न स्तोत्र	पुष्पदंताचार्य	१-५
२५६	२४७३	शिव स्तोत्र	राघव	१-१४
२५७	२४७६	वटुक भैरव स्तोत्र	–	१-६
२५८	२४८०	गोपाल सहस्रनाम	–	१-७
२५९	२४६१	त्रयम्बक स्तोत्रराज	–	१-६
२६०	२४६०	दक्षिणामूर्ति स्तोत्र	–	१-५
२६१	२४८७	गायत्री कवच स्तोत्र		२-७

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८×३.३	८	३८	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	भैरव तन्त्रोक्त	२४२
६.५×५	६	२०	,,	,,	-	पूर्ण		२४३
५×३.३	५	१२	,,	,,	-	पूर्ण		२४४
५×३.३	६	१८	,,	,,	-	पूर्ण	अथवर्ण रहस्योक्त	२४५
७.२×३.८	६	२२	,,	,,	सं. १८०८	अपूर्ण	विष्णुधर्मोत्तर पुराणोक्त	२४६
५.५×३.५	७	२०	,,	,,	शक १६६१	पूर्ण	पद्मपुराण, शिवोपाख्यानोक्त	२४७
७×४	८	२७	,,	,,	सं. १६६७	पूर्ण		२४८
५.६×३.८	८	१८	,,	,,	शक १६७०	पूर्ण	पद्म पुराणोक्त	२४६
५×४.५	११	१८	,,	,,	शक १६४८	पूर्ण	पद्म पुराणोक्त	२५०
४.८×३.३	७	१५	,,	,,	सं. १८८७	पूर्ण		२५१
६.५×३.८	७	२६	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्माण्डपुराणोक्त	२५२
६×५	११	२६	,,	,,	-	अपूर्ण		२५३
६×३.७	६	२६	,,	,,	-	अपूर्ण		२५४
८×४	६	३७	,,	,,	सं. १६२१	पूर्ण		२५५
८.५×४	७	२७	,,	,,	-	पूर्ण	शिवे महापुराणोक्त	२५६
८.२×३.७	८	३१	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	२५७
६.३×४.३	११	३६	,,	,,	-	पूर्ण	सम्मोहन तन्त्रोक्त	२५८
८.७×४.५	११	३२	,,	,,	-	पूर्ण	विष्णु महापुराणोक्त	२५६
१०×४.३	८	३६	,,	,,	-	अपूर्ण		२६०
६.५×४.३	८	३४	,,	,,	-	अपूर्ण	अगस्त स्मृति चंद्रिकोक्त	२६१

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
२६२	२४६२	माधव स्तवराज	–	१-४
२६३	२३५६	भीष्म स्तवराज	–	१-१४
२६४	२३६०	आदित्य हृदय	–	१-११
२६५	२३५८	शंकर कवच	–	१-८, ३-१७
२६६	२४०८	गायत्री कवच	–	१-५
२६७	२४०६	गायत्री शाप मोचन	–	१-८
२६८	२४१५	शिव सहस्राक्षर मंत्र	–	१-७
२६९	२४१३	बटुक भैरव सहस्रनाम	–	१-१४
२७०	१६५७	हरात्मक स्तव	–	१-६
२७१	२३६२	शिव कवच	–	१-१६
२७२	२४१६	गंगा सहस्रनाम	–	१-१५
२७३	२३६३	शनैश्चर स्तोत्र	दशरथ	१-११
२७४	२३६४	वेंकटेश सहस्रनाम	–	१-३२
२७५	२३६५	गायत्री स्तवराज	विश्वामित्र	१-४, ७-६, ११-१२
२७६	२३६६	गायत्री सहस्रनाम	–	१-२६
२७७	२३६७	भवानी सहस्रनाम	–	१-२४
२७८	२३६८	शिव भुजंग प्रयातं स्तोत्र	केशव	१-४
२७९	२२५६	दश श्लोकी स्तोत्र	आश्वलायन	१-४
२८०	१६५५	शिव महिम्न स्तोत्र	पुष्पदंत	१-१८

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.७×४	१०	३६	दे.ना	कागज	-	पूर्ण	वायु पुराण माघ माहात्म्य से संकलित	२६२
६.३×४.५	६	१८	,,	,,	-	पूर्ण	महाभारतोक्त	२६३
६.६×४	५	१६	,,	,,	-	पूर्ण	रामायण, युद्ध काण्डोक्त	२६४
६.८×३.३	५	१६	,,	,,	-	अपूर्ण	बटुक भैरव स्तोत्र भी	२६५
६.३×४.५	८	१६	,,	,,	-	पूर्ण	विश्वामित्र संहितोक्त	२६६
५.५×४.५	१०	१५	,,	,,	सं. १८८५	पूर्ण		२६७
७.५×४.८	५	१६	,,	,,	-	पूर्ण		२६८
७.५×४.८	६	२४	,,	,,	सं. १७६४	पूर्ण	भैरव तन्त्रोक्त	२६६
१०×४.२	७	२८	,,	,,	-	पूर्ण	हरिवंश पुराणोक्त	२७०
६.२×३.७	६	१५	,,	,,	सं. १८८७	पूर्ण	स्कंद पुराण, ब्रह्मोत्तर खण्डोक्त	२७१
७×४	६	२३	,,	,,	शक १७२६	पूर्ण	स्कंद पुराणे काशी खण्डोक्त	२७२
६.३×३.७	६	१३	,,	,,	-	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	२७३
६.५×३.५	८	१७	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	२७४
६.३×४	७	१५	,,	,,	-	अपूर्ण		२७५
६×४.२	७	१४	,,	,,	-	पूर्ण	विष्णुयामलोक्त	२७६
६.८×४.२	८	२०	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	२७७
६×४	७	१४	,,	,,	-	पूर्ण		२७८
८×३.८	१४	२६	,,	,,	-	पूर्ण		२७६
५.३×३.५	५	१५	,,	,,	-	पूर्ण		२८०

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
२८१	१६५६	रामचन्द्र स्तवराज	–	१-१०
२८२	१६५२	काली सौन्दर्य लहरी	शंकराचार्य	१-१२
२८३	१६५१	विष्णु सहस्रनामावली	–	१-१२
२८४	२४५२	शिव ताण्डव	–	१-७
२८५	२४१६	गणपति स्तोत्र	–	१-४
२८६	२३७६	भवानी सहस्रनाम	–	१-३७
२८७	२४२५	गणेश सहस्रनाम	–	१-१५
२८८	२४२७	विष्णु दिव्य सहस्र नामावली	–	१-२०
२८९	२४३१	रामचन्द्र स्तवराज स्तोत्र मंत्र	–	१-६
२९०	२४३०	पितृ स्तव	–	१-६
२९१	२४२८	कार्त्तवीर्य सहस्रनाम	आनंद भैरव	१-१०
२९२	२४४४	विद्याधर स्तोत्र	–	१-३
२९३	१६६९	गणेश कवच	–	१-८
२९४	१६७७	हनुमत स्तोत्र	–	१-५ ७-१५
२९५	१६६८	दुर्गा सप्तशती, अर्गला स्तुति	–	१-१६, १-९१, ३-१२
२९६	१६८६	शिव सहस्र नामावली	–	१-१५
२९७	२०८०	आदित्य हृदय स्तोत्र	–	१-१९
२९८	१६६२	शरभ सहस्रनाम स्तोत्र	–	१-११
२९९	२१२६	अजपा जप	–	१-३४

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६×४.२	६	२८	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	सनत्कुमार संहितोक्त	२८१
११×४.८	१०	४०	"	"	-	पूर्ण		२८२
७.२×४	१३	२६	"	"		पूर्ण	महाभारत, शांति पर्वोक्त	२८३
८×४.८	५	२४	"		सं. १७५२	पूर्ण		२८४
७×३.७	७	१६	"	"	-	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त गणपति रहस्योक्त	२८५
४.७×३.७	७	१७	"	"	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	२८६
७.३×३.७	६	२७	"	"	-	पूर्ण	पद्म पुराणोक्त	२८७
८×३.३	२५	१३	"	"	-	पूर्ण	महाभारतोक्त	२८८
८.५×४	१०	३२	"	"	-	पूर्ण	सनत्कुमार संहितोक्त	२८९
९.२×४.८	७	२४	"	"	शक १८१२	पूर्ण	मार्कण्डेय पुराणोक्त	२९०
८.५×४.५	११	२७	"	"	-	पूर्ण	डामर तन्त्रोक्त	२९१
९.८×४.५	१०	३२	"	"	-	पूर्ण		२९२
४.२×३.२	८	१४	"	"	सं. १८९८	पूर्ण	गणेश पुराण, उत्तर खण्डोक्त	२९३
४.४×३.३	६	१४	"	"	-	अपूर्ण	रुद्रयामल, सुदर्शन संहितोक्त	२९४
५.८×४	७	१६	"	"	-	पूर्ण	मार्कण्डेय पुराणोक्त	२९५
८.५×३.५	६	३६	"	"	सं. १८३४	अपूर्ण		२९६
९.५×२.८	५	३८	"	"	सं. १९०४	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	२९७
८.२×४	१०	३४	"	"	-	पूर्ण	आकाश भैरव कल्पोक्त	२९८
५.५×३.५	६	१६	"	"	-	अपूर्ण		२९९

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
३००	२१२७	आदित्य हृदय स्तोत्र	–	१-१६
३०१	२१२५	देवी माहात्म्य प्रकाश स्तोत्र	–	१-१६
३०२	२१२३	गोपाल सम्मोहन नाम कवच	गौतम	१-३
३०३	२१२४	ऋण हरं स्तोत्र	–	१-४
३०४	२१२१	वैकुण्ठ स्तोत्र	रामानुजाचार्य	१-११
३०५	२११०	देवी कोश ध्यान निर्णय	दक्षिणामूर्ति मुनि	१-३७
३०६	२१०६	शरभ सहस्राक्षरी महामंत्र	–	१-४
३०७	२१०८	शरभेश्वर माला मंत्र	–	१-२
३०८	२१०४	शरभेश्वर स्तोत्र	–	१-३६
३०६	२१०१	सप्तशती विधान चण्डी स्तोत्र	नागोजी भट्ट	१-४१
३१०	१५६६	गंगा स्तोत्र	–	१-२३
३११	२३४०	भवानी सहस्रनाम	–	१-१५
३१२	२३२१	धनदा स्तोत्र	–	१-१६
३१३	२३३०	शिव कवच	–	१-६
३१४	२३३४	राम स्तवराज स्तोत्र	–	१-१०
३१५	२३३५	भीष्म स्तवराज	–	४-१५
३१६	२६०५	सरस्वती स्तोत्र मंत्र	बृहस्पति	१-२
३१७	२८७४	गायत्री हृदय	–	१-६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.८×४.२	६	३५	दे.ना.	कागज	सं. १८६३	पूर्ण	भविष्यपुराणोक्त	३००
६.५×३.२	६	२३	”	”	-	पूर्ण	मार्कण्डेय पुराणोक्त	३०१
६×४	६	३६	”	”	-	पूर्ण	गौतम तन्त्रोक्त	३०२
५.५×४.५	६	२१	”	”	-	पूर्ण	जीर्ण	३०३
६.५×४.३	६	३५	”	”	-	पूर्ण		३०४
८.५×६.५	१३	२०	”	”	सं. १६२६	पूर्ण	जीर्ण	३०५
६×६.५	१२	२०	”	”	-	पूर्ण		३०६
६×६.५	१२	२०	”	”	-	पूर्ण		३०७
१०.५×४.५	६	३७	”	”	-	पूर्ण	आकाश भैरव कल्पोक्त शरभ प्रयोग विधि के साथ	३०८
८.८×३.८	७	३२	”	”	शक १७५८	पूर्ण	मार्कण्डेय पुराणान्तर्गत	३०६
११.५×५.५	१३	४६	”	”	सं. १६१३	पूर्ण	सटीक	३१०
१०×४.५	८	३८	”	”	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	३११
११×४.५	६	३८	”	”	-	पूर्ण		३१२
८×४	७	२६	”	”	-	पूर्ण	स्कंद पुराण, ब्रह्मोत्तर खण्डोक्त	३१३
८×४.२	८	२८	”	”	सं. १८१६	पूर्ण	सनत्कुमार संहितोक्त	३१४
६×५	६	१८	”	”	-	अपूर्ण	महाभारत के अन्तर्गत	३१५
६.१×५.२	६	१६	”	”	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	३१६
८×४	६	३०	”	”	सं. १७६६	पूर्ण	जीर्ण	३१७

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
३१८	२८६०	गंगा लहरी	जगन्नाथ	१-२३
३१६	२८८८	प्रत्यगिंरा स्तोत्र	-	१-७
३२०	२८८६	गुरु गीता स्तोत्र मंत्र	-	१-२६
३२१	२८८२	महालक्ष्मी सहस्रनाम	-	१-१५
३२२	२६१०	भुवनेश्वर्या स्तोत्र कवच	-	१,४, ६-८
३२३	२८६१	एकमुखी हनुमत् स्तोत्र	विभीषण	१-४
३२४	२६०८	आपदुध्दार बटुक भैरव स्तोत्र	-	१-५
३२५	५८६७	हनुमत् कवच	-	१-६
३२६	३५८३	त्रिपुर सुन्दरी	-	१-७
३२७	१८८४	वंशानुकीर्तन स्तोत्र	-	१-८
३२८	१८६५	वेंकटेशाष्टशत नामावली	-	१-३
३२६	३५८४	त्रिपुर सुन्दरी	-	१-८
३३०	१८५१	दक्षिणामूर्ति कल्प	-	१६ गणनया
३३१	१८६४	शांति स्तोत्र	-	१-२५
३३२	१८६८	आदित्य हृदय स्तोत्र	-	१-१३
३३३	२८६४	सप्तशती कल्पतरु	-	७-३१, ३७-४५ गणनया ३४
३३४	२६५१	भवानी सहस्रनाम स्तोत्र	-	१-२६
३३५	२६६६	गायत्री स्तोत्र	विश्वामित्र	१-६
३३६	२६७२	दक्षिणा कालिका सहस्रनाम	आदिनाथ	७-४०
३३७	२६७३	विष्णु सहस्रनाम	-	१-३३
३३८	२६६०	शिव सहस्रनाम	-	१-१८

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
४.५×३	५	१७	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण		३१८
७.५×३.८	६	२८	”	”	–	अपूर्ण		३१९
६.५×३.५	५	१८	”	”	–	पूर्ण	स्कंद पुराण, उत्तर खण्डोक्त	३२०
११×४	७	३२	”	”	१९१७	पूर्ण	पद्मपुराणोक्त	३२१
८.८×३.३	५	३७	”	”	–	अपूर्ण	रुद्रयामलोक्त	३२२
१०.५×३.८	७	३६	”	”	१८९४	पूर्ण		३२३
६×४	६	२५	”	”	–	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	३२४
८×३.८	७	२४	”	”	१८०३	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	३२५
१०.५×४.५	८	३४	”	”	–	अपूर्ण		३२६
९×४.२	७	२२	”	”	१९०६	पूर्ण	महाभारतोक्त	३२७
८.८×५	९	२६	”	”	–	पूर्ण		३२८
९.५×३.३	७	४०	”	”	–	पूर्ण		३२९
६.३×४.३	९	१६	”	”	–	अपूर्ण	वामदेवी संहितोक्त	३३०
८.५×५	११	२८	”	”	–	पूर्ण		३३१
१०×४.३	८	३४	”	”	–	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	३३२
१०.८×४.६	७	२७	”	”	–	अपूर्ण		३३३
८.६×३.८	६	३०	”	”	१७१५	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	३३४
८.५×३.३	७	३०	”	”	१८८४	पूर्ण		३३५
८×३.८	८	२८	”	”	–	अपूर्ण		३३६
८×३.८	५	२२	”	”	–	पूर्ण	महाभारतोक्त	३३७
६×३	६	२५	”	”	सं. १९३२	पूर्ण	भैरवतन्त्रोक्त	३३८

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
३३६	२६८७	नारायण नामा यमक शतक	-	१-७
३४०	२६३६	तारिणी स्रग्धरा स्तोत्र	-	१-६
३४१	१६६७	दक्षिण काली स्तवराज	-	१-११४
३४२	२६३२	त्रिपुर सुन्दरी माला मन्त्रव्याख्या	-	१-२१
३४३	२३३६	आलबंदा स्तोत्र	-	१-६
३४४	२२८०	त्रिकूटा भैरवी सहस्रनाम	-	१-६१
३४५	२२८४	लक्ष्मी हृदयम्	-	१-२३
३४६	२१४२	ललिता स्तोत्र	-	१-२०
३४७	२१४०	हनुमत् कवच	-	१-५
३४८	२१४१	उग्र कालिका स्तोत्र	-	१-५
३४६	२१३७	बाला त्रिपुर सुन्दरी	-	१-२
३५०	३५०७	परशुराम सहस्त्रनाम	-	१-१३
३५१	२१३६	पंचमुख हनुमत् कवच	रामचन्द्र	१,२-४
३५२	३५०६	शरभ सहस्रनाम	-	१-१६
३५३	३५००	महागणपति सहस्रनाम	-	१-१४
३५४	३५०१	गंगा सहस्रनामावली	-	१-१६
३५५	३५०२	गणेश सहस्रनाम	-	५४-८८
३५६	३५०३	गायत्री सहस्रनाम	-	१-१७
३५७	३५०४	केदारनाथ सहस्त्रनाम	-	१-१६
३५८	३५०५	गणपति सहस्रनाम	-	१-१८

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
५.७×३.५	१०	२७	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		३३६
६×३.८	७	३४	"	"	-	पूर्ण		३४०
६.८×४.२	७	२०	"	"	१८७२	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	३४१
१०.३×४.५	६	४५	"	"	-	पूर्ण		३४२
१०.३×४.५	६	३५	"	"	-	पूर्ण		३४३
७.५×४.३	४	१४	"	"	-	पूर्ण	विश्वसार तन्त्रोक्त, त्रिकूटा भैरवी स्तोत्र भी है	३४४
१०.५×५.३	७	२४	"	"	-	पूर्ण	अथवर्ण रहस्योक्त	३४५
६.५×३	६	२३	"	"	-	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	३४६
६.५×४.२	७	१६	"	"	सं. १६४१	पूर्ण	सुदर्शन संहितोक्त	३४७
१२.५×५	१२	४०	"	"	-	अपूर्ण		३४८
६.५×५	६	३८	"	"	-	अपूर्ण		३४६
६×३	६	२८	"	"	सं. १८२८	पूर्ण		३५०
६×४.८	१०	३३	"	"	-	अपूर्ण		३५१
५.८×३.८	१०	२७	"	"	-	पूर्ण	आकाश भैरव कल्पतन्त्रोक्त	३५२
११×४.८	६	३०	"	"	-	पूर्ण	गणेश पुराण, उपासना खण्डोक्त	३५३
८×४	११	२३	"	"	-	पूर्ण		३५४
६.८×४.२	७	२०	"	"	-	पूर्ण	पद्मपुराणोक्त, गणेश हृदय साथ में है	३५५
७.२×५	१०	२२	"	"	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	३५६
६×४	११	२४	"	"	शक १६८४	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	३५७
६×४.२	६	२०	"	"	-	अपूर्ण		३५८

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
३५९	२२६७	महामृत्युञ्जय स्तोत्र	-	१-१५
३६०	३४६४	शरभ स्तोत्र	-	१-६
३६१	२२७७	महामार्तण्डनाथ स्तोत्र	-	१-१३
३६२	८७६	विष्णु स्तोत्र	यमराज	१-३
३६३	८६५	राधिकानाथ सहस्र नाम	-	२-१५
३६४	५३६४	यमगीता स्तोत्र	-	१-६
३६५	५३६३	जानकी सहस्रनाम	-	१-२५
३६६	५३८०	सूर्याष्टक	शंकराचार्य	१-३
३६७	५३७३	राम कवच स्तोत्र	-	१-६
३६८	५३७२	जगन्नाथ सप्तश्लोकी	-	१-४
३६९	५३७१	शिव कवच	-	१-१२
३७०	५३७०	जिंतते स्तोत्र	-	१-२१
३७१	५३८२	राम रक्षा स्तोत्र	विश्वामित्र	१-६
३७२	३८२६	कृष्ण चैतन्य मंगलाचरण	-	१-५
३७३	३६६६	शिव शास्त्र शतक	-	१-३१
३७४	४६७८	शिव स्तोत्र	शंकराचार्य	१-२
३७५	४८८६	काली कवच	-	१
३७६	४६६७	श्री कृष्ण स्तोत्र	मंडन दीक्षित	१
३७७	४८८७	अम्बिका स्तुति	-	१-२
३७८	४८६५	गंगाष्टक स्तोत्र	-	१-२
३७९	४८७०	नारायण वन्दना	-	१
३८०	४८६८	त्रिपुर सुन्दरी कवच	-	३

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.३×५.२	४	१३	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	३५६
११×४.५	१०	३२	,,	,,	-	पूर्ण		३६०
६.२×५.२	४	१४	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामले तन्त्र, देवी रहस्योक्त	३६१
६.५×४	७	१८	,,	,,	सं. १८७२	पूर्ण	स्कंदपुराण, काशी खण्डोक्त	३६२
७×४	८	१७	,,	,,	-	अपूर्ण		३६३
६.५×४.२	६	२०	,,	,,	-	पूर्ण		३६४
६.५×४.२	७	१६	,,	,,	१८७०	पूर्ण	सिद्धेश्वर तन्त्रोक्त	३६५
७.२×४	७	१८	,,	,,	-	पूर्ण	गुरु अष्टक भी है।	३६६
६.५×४.२	७	१७	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्मयामल तन्त्रोक्त	३६७
७×३.५	५	२२	,,	,,	१८११	पूर्ण		३६८
६×४	७	१५	,,	,,	-	पूर्ण	स्कंद पुराण, ब्रह्मोत्तर खण्डोक्त	३६६
६×४.२	७	१६	,,	,,	सं. १८७१	पूर्ण	पंचरात्रागम, ब्रह्म तन्त्रोक्त	३७०
६.५×४.२	७	१६	,,	,,	-	पूर्ण		३७१
६.५×३.४	५	१६	,,	,,	-	पूर्ण		३७२
४.६×३.३	६	१८	,,	,,	-	अपूर्ण		३७३
७.२×३.५	११	३५	,,	,,	-	पूर्ण		३७४
८×४.३	१२	२६	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्मवैवर्त पुराण, गणेश खण्डोक्त	३७५
५.८×४	१८	२५	,,	,,	-	पूर्ण		३७६
७×६.४	३०	४०	,,	,,	-	अपूर्ण		३७७
४.३×३.५	११	१२	,,	,,	-	पूर्ण		३७८
५.७×४	१०	१२	,,	,,	-	पूर्ण		३७६
५.२×४.५	१५	२२	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	३८०

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
३८१	४६५३	आपदुद्धार स्तवराज	–	१
३८२	४६५६	अर्धनारीश्वर स्तोत्र	शंकराचार्य	१
३८३	४६५२	शीतलाष्टक	–	१-२
३८४	४६४८	गौरी शंकराचार्य स्तोत्र	गणेश भट्ट	१-५
३८५	४६४६	मृत्युञ्जयाष्टक	मार्कण्डेय	१-४
३८६	४६४४	कार्तवीर्य स्तोत्र	–	१-३
३८७	४६४१	शीतला स्तोत्र मंत्र	–	१-४
३८८	४७६४	गोविन्द स्तव	–	१-४
३८९	४८०१	भवानी कवच	–	१
३९०	४८७७	शांति स्तोत्र	–	१
३९१	४९७२	शिवाष्टक	–	१-२
३९२	४९८३	पञ्च विंशति नामाष्टक	–	१-२
३९३	४८७६	द्वादश ज्योर्तिलिंग	–	१-२
३९४	४८७४	अपराध स्तोत्र	–	१-२
३९५	४९७०	शीतलाष्टक	–	१-३
३९६	४९७६	मंगल स्तोत्र	१	१
३९७	४२६१	विष्णु पंजर स्तोत्र	–	१-५
३९८	४२६२	राम रक्षा स्तोत्र	–	१-६
३९९	५१३२	त्रिशती आनंद लहरी	–	१,२, ४-१४
४००	४३८०	कर्पूर स्तव	रघुनाथानंद सरस्वती	१-१८
४०१	५२१४	व्रज कवच	दत्तात्रेय	१-१२
४०२	५६२०	विष्णु स्तव	–	१-८

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१३×५	२८	१३	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	सिद्धेश्वर कल्पोक्त	३८१
६.८×३.५	१०	२५	"	"	-	पूर्ण		३८२
४×४.४	१५	१६	"	"	-	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	३८३
४.२×३.२	६	१२	"	"	सं. १६३५	पूर्ण		३८४
५×३.२	८	२०	"	"	-	पूर्ण		३८५
४.६×३.५	१०	१७	"	"	-	पूर्ण		३८६
३.७×३	६	१६	"	"	१६५६	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	३८७
६.५×४.३	७	१५	"	"	-	पूर्ण		३८८
६.५×४.३	१४	३६	"	"	-	पूर्ण	रुद्रयामल, महागुप्तसारोक्त	३८६
५.५×३.५	८	१८	"	"	-	पूर्ण	खण्डित	३६०
६×३.४	७	१८	"	"	-	पूर्ण		३६१
७.५×३	५	२६	"	"	-	पूर्ण		३६२
४.८×६.५	१४	१५	"	"	-	पूर्ण		३६३
६×३	८	२०	"	"	-	पूर्ण	वाराह पुराणोक्त	३६४
४×२.२	७	१६	"	"	-	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	३६५
६.२×४	१५	१५	"	"	-	पूर्ण		३६६
८.५×३.८	८	२१	"	"	सं. १८१६	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	३६७
८.३×४.३	५	३१	"	"	सं. १८६५	पूर्ण		३६८
८.५×४	७	२५	"	"	-	अपूर्ण		३६६
६×४	६	४०	"	"	-	पूर्ण		४००
७.२×४.४	८	२४	"	"	१८२६	पूर्ण	उड्डामेश्वर तन्त्रोक्त	४०१
६.६×४	११	२८	"	"	१८२८	पूर्ण	महाभारतान्तर्गत	४०२

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
४०३	५७००	तुलसी कवच	दशरथ	१,२,४-८
४०४	५७३६	अष्टाश्लोकी मंत्रार्थ	-	१-२
४०५	४३६६	कर्पूर स्तव	महाकाल	१-७
४०६	५७३०	बन्दी स्तोत्र	-	१-४
४०७	५६८०	गंगा सहस्रनाम	-	१-१८
४०८	१२७०	महाकाल स्तोत्र	-	१-३
४०९	१२६२	बटुक भैरव अष्टोत्तर शतनाम	-	१-६
४१०	११०३	दुर्गा स्तोत्र	-	१-७
४११	७५५	सरस्वती स्तोत्र	-	१-३
४१२	१७०३	गणपति सहस्रनाम	-	१-२४
४१३	२१७६	आदित्य हृदय स्तोत्र	-	१-१५
४१४	२१७३	लघु स्तव	पंडित नरसिंह	१-१३
४१५	३०७	त्रिपुर सुन्दरी सहस्रनाम	-	१-६
४१६	३०१	गंगा लहरी	जगन्नाथ	१-६
४१७	३३१	गायत्री स्तवराज	विश्वामित्र	१-६
४१८	३१७	कामाक्षा स्तोत्र	मारतिवाल	१-३
४१९	३०४	त्रिपुर सुन्दरी महिम्न स्तोत्र	दुर्वासा मुनि शंकराचार्य	२० गणनया
४२०	२४४	शनि स्तोत्र	दशरथ	१-८
४२१	२४१	श्री सरस्वती स्तोत्र	-	१-६
४२२	२९१	जितंते स्तोत्र	-	१-१४
४२३	२८९	इन्द्राक्षी स्तोत्र	-	१
४२४	२८०	गंगाष्टक	वाल्मीकि	१-२

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
७.५×३.५	७	१६	दे.ना.	कागज	–	अपूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराण, तुलसी माहात्म्योक्त	४०३
८.५×४.५	६	३०	,,	,,	१८७१	पूर्ण		४०४
८.८×४	७	१८	,,	,,	१६०४	पूर्ण		४०५
७.३×४.५	६	२३	,,	,,	–	पूर्ण	भविष्यात्तर पुराणोक्त	४०६
८.८×३.८	६	२५	,,	,,	१८६७	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	४०७
७×४	८	२५	,,	,,	–	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	४०८
६×४.२	६	२१	,,	,,	–	पूर्ण		४०६
६.५×३.८	५	२०	,,	,,	–	पूर्ण	महाभारतोक्त	४१०
७.५×३.५	७	२६	,,	,,	–	पूर्ण	सनत्कुमार संहितोक्त	४११
७.३×३.३	८	२५	,,	,,	सं. १८५३	पूर्ण	पद्मपुराणोक्त	४१२
६×४	१०	२८	,,	,,	–	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	४१३
१०.५×४	६	४७	,,	,,	–	पूर्ण	टीका	४१४
६×३.८	११	३७	,,	,,	१७१६	पूर्ण	वामेश्वर तन्त्रोक्त	४१५
८.२×४.५	६	२२	,,	,,	१६३६	पूर्ण		४१६
६.२×४.३	८	२४	,,	,,	१७६३	पूर्ण		४१७
८×३.६	७	२५	,,	,,	–	पूर्ण		४१८
६.५×४.५	१६	१८	,,	,,	सं. १८१२	अपूर्ण	साल्वपक्षी कवच के साथ अत्यंत जीर्ण	४१६
८.५×४	७	२४	,,	,,	१८६७	पूर्ण		४२०
७.८×३.८	५	१८	,,	,,	–	पूर्ण	सनत्कुमार संहितोक्त	४२१
८.३×४.८	८	१८	,,	,,	–	पूर्ण	पञ्चरात्रागम, अष्टाक्षर कल्पोक्त	४२२
६.३×४.२	६	३३	,,	,,	–	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	४२३
१०×४.५	८	२६	,,	,,	–	पूर्ण		४२४

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
४२५	२३५	शीतलाष्टक स्तोत्र	–	१-४
४२६	२३४	विष्णु पंजर स्तोत्र	–	१-४
४२७	२२६	विष्णु हृदय स्तोत्र	–	१-५
४२८	१७५३	पद्मावती दिव्य स्तोत्र	–	१-४
४२९	१७७१	अन्नपूर्णा सहस्रनाम स्तोत्र	–	१-८
४३०	१७४८	राम सहस्र नाम	–	१-२०
४३१	१७३९	बटुक भैरव स्तवराज	–	१-१२
४३२	१७४२	रामचन्द्र सहस्रनाम	–	१-१२
४३३	१७३७	कालिका सहस्रनाम	–	१-६
४३४	१७३६	गकरादि सहस्रनाम	–	१-११
४३५	१७३५	महालक्ष्मी स्तोत्र	–	१-५
४३६	१६०३	भुवनेश्वरी मंत्रनाम सहस्रक स्तोत्र	–	१-६
४३७	१६०५	त्रैलोक्य मोहन नाम कवच	–	१-६
४३८	२३०	आपदुद्धार बटुक भैरव कवच	–	१-३
४३९	४६३	चौबीस गायत्री	–	१-६
४४०	२५५	बटुक पंजर	–	१-६
४४१	५४१५	राम सहस्रनाम	–	१-१२
४४२	५४४१	यतिराज विशंति	–	१-४
४४३	५४३४	सरस्वती स्तोत्र	–	१-६
४४४	५४३१	शिव सहस्रनाम	–	१-६, ११-२५
४४५	५४१२	गोविन्द स्तोत्र	विल्व मंगल	१-४
४४६	५४२९	राम सहस्रनाम	–	१-१२

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८.३×४.३	६	२४	दे.ना.	कागज	१६३४	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	४२५
८.२×४.५	७	२३	,,	,,	–	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	४२६
८×४.३	६	२६	,,	,,	–	पूर्ण		४२७
११.५×४.५	८	३५	,,	,,	–	पूर्ण		४२८
१०.५×४.५	१०	३७	,,	,,	–	पूर्ण	ब्रह्मयामलोक्त	४२९
८.८×५	८	२१	,,	,,	–	पूर्ण	ब्रह्मयामलोक्त, रकारादि	४३०
१०.८×४.८	५	२४	,,	,,	–	पूर्ण	विश्वसारोद्धार, रुद्रयामलोक्त	४३१
१०×४.५	१०	३१	,,	,,	सं. १८६१	पूर्ण	ब्रह्मयामलोक्त, रकारादि	४३२
६.२×४.२	११	२५	,,	,,	–	पूर्ण		४३३
६.७×४.५	११	३०	,,	,,	१८७१	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	४३४
७.८×४.५	६	१६	,,	,,	–	पूर्ण		४३५
१०.२×४.५	१२	४७	,,	,,	–	पूर्ण	परम रहस्य, विश्वसार तन्त्रोक्त	४३६
८.२×३.६	७	२४	,,	,,	१८७८	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	४३७
११×३	६	३७	,,	,,	–	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	४३८
१०×४	६	३१	,,	,,	–	अपूर्ण		४३९
५.१×३	८	१६	,,	,,	–	पूर्ण	शक्ति रहस्योक्त	४४०
१०×५.५	११	२६	,,	,,	–	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	४४१
१०.६×४.५	७	३३	,,	,,	सं. १८६५	पूर्ण		४४२
६.५×४	७	१५	,,	,,	–	पूर्ण	सनत्कुमार संहितोक्त	४४३
८.५×४.३	५	२४	,,	,,	१७६०	अपूर्ण	महाभारतोक्त	४४४
८×४	१२	२८	,,	,,	–	पूर्ण		४४५
६.५×५.३	६	३७	,,	,,	१८८६	पूर्ण	ब्रह्मयामल सष्टि प्रशंसा के अन्तर्गत	४४६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
४४७	६६८	गोपाल सहस्रनाम	–	१-७
४४८	६५४	त्रैलोक्य मोहन कवच	–	१-४
४४९	१४५५	विष्णु पंजर स्तोत्र	–	१-३
४५०	१४५६	गायत्री स्तवराज	विश्वामित्र	१-२
४५१	६७४	विद्या स्तव	–	१-४
४५२	१२५७	प्रत्यगिंरा मंत्र स्तोत्र	–	१-८
४५३	१२५६	सूर्य स्तवराज	–	१-५
४५४	१२१०	पितृ स्तोत्र	–	१-८
४५५	१४१४	धनदा यक्षिणीस्तोत्र	–	१-८
४५६	१४१०	शीतला स्तोत्र	–	१-३
४५७	१४१२	मृत संजीवनी सहस्रनाम	–	१-६
४५८	१२८१	शिव महिम्न स्तोत्र	विष्णु	२-६
४५९	१२३२	बन्दी मोचन स्तोत्र	–	१-३
४६०	१३६८	महालक्ष्मी सहस्रनाम्	–	१-१३
४६१	१३६७	श्रीविष्णु सहस्रनाम	–	१-७
४६२	१४००	महाकाल कवच	–	१-१०
४६३	१२१८	वक्रतुण्डाष्टक	वेद व्यास	१-३
४६४	१२१६	तुलसी स्तवन	–	१-२
४६५	८३३	सूर्य स्तोत्र	–	१-५
४६६	८३२	वेद पाद स्तोत्र	–	१-३
४६७	६७४	वेंकटेश्वर स्तोत्र	–	१-३
४६८	१४१५	वामंती सहस्रनाम	–	१-१२
४६९	५६२६	दुर्गा सप्तशती	–	१-३६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१०×४.३	१०	३६	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण	सम्मोहन तन्त्रोक्त	४४७
८.६×४.२	७	२२	,,	,,	–	पूर्ण	ब्रह्मयामलोक्त	४४८
६.५×४.२	८	३१	,,	,,	–	पूर्ण	ब्रह्माण्डपुराणोक्त	४४६
१०.३×४.३	१२	५३	,,	,,	–	पूर्ण		४५०
१०.२×४.२	१०	४७	,,	,,	–	पूर्ण		४५१
१०.६×४.५	१०	३२	,,	,,	–	पूर्ण		४५२
६.४×४.५	६	४१	,,	,,	–	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	४५३
६.८×४.५	६	३५	,,	,,	संवत् १८६६	पूर्ण	मार्कण्डेय पुराणोक्त	४५४
८.८×४.४	१०	३१	,,	,,	१८१२	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	४५५
६.८×४	१०	३०	,,	,,	–	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	४५६
८.५×४	१०	३७	,,	,,	१६४४	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	४५७
८.८×४	६	३०	,,	,,	–	अपूर्ण		४५८
६.६×४.५	८	३७	,,	,,	१८६८	पूर्ण	पद्मपुराण, उत्तरखण्डोक्त	४५६
१०×४.५	११	२६	,,	,,	–	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	४६०
११×४.५	१०	४७	,,	,,	–	पूर्ण	महाभारतोक्त	४६१
१०.८×४.६	६	३६	,,	,,	–	पूर्ण	गन्धर्व तन्त्रोक्त	४६२
१०.४×४.१	७	४७	,,	,,	संवत् १६०७	पूर्ण		४६३
१०.८×४.६	१६	३८	,,	,,	१६१३	पूर्ण	स्कंदपुराण, देव खण्डोक्त	४६४
११×४.७	७	२५	,,	,,	–	अपूर्ण	महाभारतोक्त	४६५
१०.५×४.५	६	३२	,,	,,	–	पूर्ण		४६६
१०.५×४.५	७	३०	,,	,,	१६२१	पूर्ण		४६७
१०×४.५	१०	३४	,,	,,	१८०६	पूर्ण	स्कंद पुराण हिमवत्खण्डोक्त	४६८
६.७×४.३	६	३७	,,	,,	१६०१	पूर्ण	मार्कण्डेय पुराणोक्त	४६६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
४७०	५६०६	मंत्रराज स्तोत्र	-	१-७
४७१	५६०५	अनुस्मृति स्तोत्र	विष्णु धर्म	१-५
४७२	५७२८	इन्द्राक्षी स्तोत्र	-	१-२
४७३	५७२४	गायत्री पंजर	-	१-१०
४७४	४१०४	काली सहस्रनाम	-	१-२५
४७५	४२७५	विष्णु दिव्य सहस्रनाम	-	१-१२
४७६	१२३३	मूर्ति रहस्य	-	१-७
४७७	५०७	महिम्न स्तोत्र	-	२-७
४७८	६०७	सारस्वत स्तोत्र	पृथ्वी धराचार्य	१-८
४७९	१०६२	गंगाष्टक	शंकराचार्य	१-३
४८०	१०८५	बटुक भैरव शतनाम	-	१-५
४८१	८३६	राम हृदय स्तोत्र	-	१-१
४८२	१०२७	लक्ष्मी पंजर स्तोत्र	-	१-२
४८३	८४६	युगल सहस्रनाम स्तोत्र	-	१-१६
४८४	१३६२	गुरु षोडशी स्तोत्र	-	१-४
४८५	१२३८	काली कवच	-	१-४
४८६	१२६७	आदित्य हृदय स्तोत्र	-	१-१०
४८७	१३०७	सूर्य स्तवराज	-	१-७
४८८	१३१६	हनुमताष्टक	रामचन्द्र	१-३
४८९	१२६५	हनुमत् कवच	-	१-८
४९०	१३०५	सौन्दर्य लहरी	शंकराचार्य	३-१६
४९१	६८१	जानकी सहस्रनाम	-	१-८
४९२	१०८४	राम सहस्रनाम	-	१-१३

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१०×४.३	८	३४	दे.ना.	कागज	संवत् १८१०	पूर्ण	वाराहपुराणोक्त	४७०
१०.५×४.५	७	३१	”	”	-	पूर्ण		४७१
६.६×४.३	६	३२	”	”	-	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	४७२
६×३.६	६	२२	”	”	-	पूर्ण	वशिष्ठ संहितोक्त	४७३
१०×३.७	५	३२	”	”	-	अपूर्ण		४७४
६.३×४.८	६	३१	”	”	-	पूर्ण	महाभारतोक्त	४७५
८.८×४.५	८	३०	”	”	-	पूर्ण	मार्कण्डेय पुराणोक्त	४७६
६.५×४.१	१२	४७	”	”	-	अपूर्ण	सटीक	४७७
१०.५×४.५	८	३४	”	”	-	पूर्ण		४७८
६×३.७	५	२३	”	”	-	पूर्ण		४७६
६×४	१०	३८	”	”	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	४८०
६×५.२	१०	३०	”	”	-	पूर्ण		४८१
८.५×४.६	१०	३७	”	”	संवत् १८६३	पूर्ण	शतकारि प्रस्तारे मंत्र रहस्योत्तर खंडे शंकर ऋषि संवादे	४८२
८.५×४.६	१०	२८	”	”	१८१६	पूर्ण	नारद पुराणोक्त एवं कृष्ण कवच गोपाल स्तवराज	४८३
६×३.८	८	३०	”	”	१६६१	पूर्ण	बालविलास महातन्त्रोक्त	४८४
८.८×३.८	५	१६	”	”	१८६६	पूर्ण		४८५
६×४	६	३३	”	”	-	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	४८६
६×४.४	७	२६	”	”	-	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	४८७
८×४.२	७	२७	”	”	-	पूर्ण		४८८
८.५×४	६	२३	”	”	१८८४	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	४८६
८.६×४	७	२४	”	”	संवत् १८३४	अपूर्ण		४६०
१०.७×५.८	११	३६	”	”	१६१३	पूर्ण	सिद्धेश्वर तन्त्रोक्त	४६१
६.५×४.५	६	३२	”	”	-	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	४६२

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
४९३	१३४८	विष्णु पंजर स्तोत्र	–	१-४
४९४	६७३	महिम्न स्तोत्र	पुष्पदंताचार्य	१-६
४९५	६७८	राम स्तवराज स्तोत्र	–	१-८
४९६	१२९३	प्रत्यगिंरा स्तोत्र	–	१-१०
४९७	१२९१	अन्नपूर्णा सहस्रनाम	–	१-६
४९८	८६८	सुदर्शन कवच	–	१-५
४९९	१०३७	राधा स्तवराज स्तोत्र	–	१-३
५००	१०३१	लक्ष्मी नारायण कवच	–	१-४
५०१	५६९२	विश्वामित्र कल्प	–	१-३
५०२	५६६८	गण्डकी स्तुति	–	१-२
५०३	५६४३	परम्परा	पराङ्कुश मुनि	१-७
५०४	५६१६	स्तवराज	–	१-५
५०४	५६६१	गायत्री कल्प	–	१-२
५०६	५१४५	विष्णोरपामार्जन	–	१-१४
५०७	५१३८	शिववर्म कवच	–	१-८
५०८	१३७९	विष्णु सहस्रनाम	–	१-१२
५०९	१०६३	बाला त्रिपुर सुन्दरी	–	१-६
५१०	११७७	महाकाल कवच	–	१-२
५११	११७८	भवानी कवच	–	१-१
५१२	३८४७	विनायक सहस्रनाम	–	१-२४
५१३	१३४९	जिन्तते स्तोत्र	–	१-८
५१४	८४४	अहिल्या स्तोत्र	अहिल्या	१-२
५१५	८४३	शांति स्तोत्र	–	१-२
५१६	१३९४	शीतला स्तोत्र	–	१-३

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
७.५×५	८	१८	दे.ना.	कागज	१८५५	पूर्ण		४९३
६×६.७	६	२५	"	"	१९०६	पूर्ण		४९४
६.२×५	८	३२	"	"	१९९०	पूर्ण		४९५
६×४.३	८	२०	"	"	–	पूर्ण		४९६
८.८×४.५	११	२६	"	"	१८२७	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	४९७
६.६×५	१०	२१	"	"	–	पूर्ण	सुदर्शन संहितोक्त	४९८
८.८×४.६	११	२७	"	"	–	पूर्ण	गोमती तन्त्रोक्त	४९९
६×५	६	२२	"	"	–	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	५००
६.५×४.७	११	३२	"	"	–	पूर्ण		५०१
१०.८×५.५	१२	३०	"	"	–	पूर्ण		५०२
७.५×४.७	६	१७	"	"	सं. १८७८	पूर्ण		५०३
६×४.८	१३	२८	"	"	–	पूर्ण	ब्रह्मवैवर्त महापुराणोक्त	५०४
६.५×४.६	११	३२	"	"	–	पूर्ण	गायत्री कल्पोक्त	५०५
५.५×४	१०	१४	"	"	१७७०	पूर्ण	विष्णुधर्मोत्तरोक्त	५०६
६×४.२	१०	२०	"	"	–	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	५०७
६×४.५	१०	२६	"	"	१८६४	पूर्ण	महाभारतोक्त	५०८
७×३.५	५	२३	"	"	–	अपूर्ण		५०९
८×४.५	१३	३६	"	"	–	पूर्ण	गंधर्व तन्त्रोक्त	५१०
७.८×४.४	१२	३०	"	"	–	पूर्ण	गौरीयामलोक्त	५११
६.५×३.५	६	२४	"	"	–	पूर्ण	पद्म पुराणोक्त	५१२
६.५×५.२	६	२८	"	"	–	पूर्ण	पंचरात्रागमोक्त	५१३
६.५×३.५	७	४४	"	"	सं. १८८१	पूर्ण		५१४
८.८×३.६	६	३६	"	"	–	पूर्ण	वामकेश्वर तन्त्रोक्त	५१५
६.५×४.५	६	३२	"	"	–	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	५१६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
५१७	१२२३	वेंकटेश कवच	–	१-५
५१८	१३६६	चिदम्बर नट स्तोत्र	पतंजलि	१-२
५१९	१२६३	प्रत्यङ्गिरा स्तोत्र	–	१-१
५२०	१२६४	नारायण कवच	–	१-५
५२१	१३१५	त्रैलोक्य मोहन कवच	–	१-५
५२२	१४३०	राधा मंगल कवच	–	१-७
५२३	१४२७	मणिकर्णिका स्तोत्र	शंकराचार्य	१-३
५२४	१४२८	आदित्य हृदय	–	१-४
५२५	१४२९	नृसिंह द्वादशनाम	–	१-१
५२६	८३७	अन्नपूर्णा स्तोत्र	शंकराचार्य	१-२
५२७	१०८	दुर्गा स्तव	–	१-४
५२८	५८	बटुक भैरव स्तवराज	–	१-१०
५२९	२९	हनुमत् स्तोत्र	–	१-३
५३०	३१	शनि स्तोत्र	दशरथ	१-५
५३१	३८	गणपति सहस्रनाम	–	१-१६
५३२	४२	हनुमत् कवच	–	१-६
५३३	५५८२	गंगाष्टकम	शंकर दिग्विजय	१-३
५३४	११५३	आदित्य हृदय स्तोत्र	–	१-३
५३५	११६२	हनुमत् स्तुति	–	१-७
५३६	२५५१	आनन्द स्तव	शंकराचार्य	१-१४
५३७	२५४६	राम महिम्न स्तव	–	१-१०
५३८	५६६३	भीष्म स्तवराज	–	१-८
५३९	५६७७	वेदसार सहस्रनाम	–	१-११
५४०	५६८१	महिम्न स्तोत्र	विष्णु बिल्व	१-१०
५४१	५७४०	भीष्म स्तवराज	–	१-१६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
९.६×४.५	११	३२	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	वराह पुराणोक्त	५१७
९.५×४.२	६	३६	,,	,,	-	पूर्ण		५१८
१०.१×४.३	१३	५०	,,	,,	-	अपूर्ण		५१९
९.७×४.६	६	२४	,,	,,	-	पूर्ण	भागवते महापुराणोक्त	५२०
१०.२×४.२	११	२८	,,	,,	सं. १७६०	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	५२१
८.२×४.५	७	२२	,,	,,	१८६१	पूर्ण	ब्रह्मवैवर्त्त पुराणोक्त	५२२
८.८×४	८	२७	,,	,,	१८२६	पूर्ण		५२३
८.२×४.५	८	२३	,,	,,	-	पूर्ण		५२४
९×४.८	६	३६	,,	,,	-	पूर्ण	वायुपुराण उत्तर खण्डोक्त	५२५
९.५×२.६	६	३७	,,	,,	-	पूर्ण		५२६
७.२×५.३	१२	२२	,,	,,	१९७५	पूर्ण	हरिवंशोक्त	५२७
६.४×४.६	८	२३	,,	,,	-	अपूर्ण		५२८
७.७×५	११	३२	,,	,,	-	पूर्ण		५२९
६.६×५	११	२०	,,	,,	-	पूर्ण	स्कंदपुराणोक्त	५३०
७×५.५	१२	२३	,,	,,	-	पूर्ण	गणेश पुराणोक्त	५३१
६.४×४.८	७	१६	,,	,,	-	पूर्ण		५३२
७×४.३	६	१६	,,	,,	-	पूर्ण		५३३
९.५×४.५	७	३४	,,	,,	-	पूर्ण	रामायण, युद्ध काण्डोक्त	५३४
९.५×४.५	१०	२५	,,	,,	-	पूर्ण		५३५
८×४.३	७	२४	,,	,,	सं. १८८६	पूर्ण		५३६
८.५×३.७	७	३०	,,	,,	१९३३	पूर्ण		५३७
१०.५×४.५	६	३२	,,	,,	-	पूर्ण		५३८
९.८×४.५	१०	२४	,,	,,	-	पूर्ण	पद्म पुराणोक्त	५३९
९.५×४.४	६	२०	,,	,,	-	पूर्ण		५४०
९.५×४	६	२४	,,	,,	-	पूर्ण	महाभारतोक्त	५४१

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
५४२	१६०६	कर्पूर स्तव	महाकाल	१-७
५४३	१६२०	विष्णु महिम्न स्तोत्र	-	१-१२
५४४	१६२१	शिव कवच	-	१-१४
५४५	१६१४	शिव सहस्रनाम	-	१-३१
५४६	६२५	सरस्वती स्तोत्र	-	१-१३
५४७	१३२१	शिव सहस्रनाम	-	१-५०
५४८	११५७	सरस्वती स्तोत्र	बृहस्पति	१-१२
५४९	८७५	धनदा स्तोत्र	-	१-५
५५०	१४२३	शरभेश्वर सहस्रनाम	-	१-१३
५५१	११७२	त्रिपुराष्टोत्तर नामावली	-	१-११, १३-२७
५५२	३८४६	ललितोपाख्यान स्तोत्र	-	१-१०
५५३	३८६६	शिव महिम्न स्तव	पुष्पदन्त	१-१४
५५४	१०८३	शीतलाष्टक	-	१-१०
५५५	१०६४	अपराध सुन्दर स्तोत्र	शंकराचार्य	१-६
५५६	१४२२	देवी स्तुति	विद्यारण्य	१-२
५५७	१४६७	भुवनेश्वरी कवच	-	१-२
५५८	६६१	शिव ताण्डव स्तोत्र	-	२-७
५५९	४६१	रामचन्द्रस्तवराज	नारद	१-११
५६०	२५६	भवानी सहस्रनाम स्तोत्र	-	१-३
५६१	१०३३	मंगलाष्टक	कालिदास	१-३
५६२	१०३८	शांति स्तोत्र	-	१-५
५६३	८८१	पीताम्बरा सहस्रनाम	-	७ गणनया

14730

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.५×४	८	१८	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	उत्तर तन्त्रोक्त	५४२
५.३×३	७	२३	,,	,,	-	पूर्ण	जीर्ण	५४३
५.४×३.३	६	१६	,,	,,	-	पूर्ण		५४४
५.५×३.४	९	२४	,,	,,	शक १७००	पूर्ण	पद्मपुराणोक्त	५४५
६.५×३.४	७	२७	,,	,,	-	पूर्ण		५४६
६.७×३.४	५	२२	,,	,,	-	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	५४७
५×३.४	५	१२	,,	,,	सं. १९७२	पूर्ण	ब्रह्मपुराणोक्त	५४८
६.८×३.४	९	१८	,,	,,	-	पूर्ण		५४९
७.१×३.७	९	२३	,,	,,	१९३३	पूर्ण	आकाश भैरव कल्पोक्त	५५०
६×३.५	६	२४	,,	,,	-	अपूर्ण	रुद्रयामलोक्त	५५१
६.५×३.६	१०	२३	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	५५२
६×३.७	६	१७	,,	,,	-	अपूर्ण		५५३
५×३.३	६	१२	,,	,,	-	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	५५४
६×३.५	७	१५	,,	,,	सं. १९२६	पूर्ण		५५५
६.५×३.३	७	२३	,,	,,	-	पूर्ण		५५६
६.८×३.२	९	२४	,,	,,	-	पूर्ण	मातृकार्णवे	५५७
७×३.५	५	१४	,,	,,	-	अपूर्ण	विष्णु पुराणोक्त	५५८
६.६×३.५	८	२४	,,	,,	-	पूर्ण	सनत्कुमार संहितोक्त	५५९
५×३	१०	२०	,,	,,	१८०१	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	५६०
७.७×४.८	१३	२३	,,	,,	१८६६	पूर्ण		५६१
९×५.३	११	२२	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	५६२
१०.८×५.८	७	४२	,,	,,	१९३६	अपूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	५६३

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
५६४	५५२७	शूलपाणि कवच	–	१-५
५६५	५५४८	कृष्णाष्टोत्तर सहस्रनाम	गिरिधर दास	१-१६
५६६	५४५२	सहस्रनाम नामावली	–	१-१०
५६७	२५२	नृसिंह कवच	प्रहलाद	१-६
५६८	२५७	भवानी भुजंग प्रयात	–	१-६
५६९	२५३	भुवनेश्वरी कवच	–	१-१०
५७०	२५०	प्रत्यगिंरा स्तोत्र	–	१-५
५७१	१२६	देवी सूक्त	–	१-६
५७२	१३७	निर्वाण पंचक	शंकराचार्य	१-२
५७३	५२	बगलामुखी स्तोत्र	–	१-११
५७४	१२	मणिकर्णिकाष्टक	शंकराचार्य	१-५
५७५	४०	हनुमत् दुर्ग	–	१-७
५७६	१५	कर्पूर स्तोत्र	विरुपाक्ष	१-५
५७७	४१	दुर्गा स्तव	–	१-८
५७८	१३५	उपदेश पंचक	परिव्राजकाचार्य	१-१
५७९	१४१	भैरवी स्तवराज	–	१-२
५८०	१३४	शनैश्चर स्तोत्र	दशरथ	१-४
५८१	४३५८	हनुमत् कवच	राम	१-७
५८२	११९२	नृसिंह कवच	प्रह्लाद	१-४
५८३	१०४०	शनैश्चर स्तोत्र	राजा दशरथ	१-६
५८४	५४४९	हनुमत् सहस्रनाम	श्री राम	१-८
५८५	५५४१	भीष्म स्तव	–	१-५
५८६	५५३६	रामचन्द्र स्तवराज	नारद	१-७
५८७	४००२	प्रशस्ति टीका	बालकृष्ण	१-६
५८८	३९६७	नक्षत्र सहस्रनाम	–	१-२२

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
९.७×३.८	६	३४	दे.ना.	कागज	१८६७	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	५६४
१०×४.५	७	३५	,,	,,	१९०७	पूर्ण		५६५
१०.७×४.५	११	३०	,,	,,	-	पूर्ण		५६६
६.७×४	७	१६	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्माण्डपुराणोक्त	५६७
४.७×३	६	१७	,,	,,	-	पूर्ण		५६८
४.३×२.७	५	१३	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	५६९
४.५×३.२	६	१६	,,	,,	-	पूर्ण	अथवर्णरहस्योक्त	५७०
६.८×४.३	८	१७	,,	,,	१८८३	पूर्ण	उडामहेश्वर तन्त्रोक्त	५७१
६.९×३.६	७	२४	,,	,,	-	पूर्ण		५७२
७×३.७	७	२१	,,	,,	-	पूर्ण		५७३
७×३.७	५	१९	,,	,,	-	पूर्ण		५७४
६.८×४.१	६	२०	,,	,,	१९५८	पूर्ण	अथवर्णवेद	५७५
६.६×४	८	२०	,,	,,	-	पूर्ण	जीर्ण	५७६
६.५×३.५	५	१६	,,	,,	सं. १९०२	पूर्ण	हरिवंशोक्त	५७७
६.८×३.५	१०	२६	,,	,,	-	पूर्ण		५७८
६×३.८	८	३८	,,	,,	-	पूर्ण		५७९
८.७×४.१	६	३३	,,	,,	१८३२	पूर्ण		५८०
८×४	६	२१	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	५८१
९.२×४	६	२६	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	५८२
७×३.७	८	२८	,,	,,	-	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	५८३
९.३×६	१३	३४	,,	,,	१८६६	पूर्ण	रामायणोक्त	५८४
११×५.५	१४	४३	,,	,,	-	पूर्ण		५८५
११×५.६	१०	३८	,,	,,	-	पूर्ण	सनत् कुमार संहितोक्त	५८६
१०.५×३	७	३३	,,	,,	-	अपूर्ण		५८७
६×४	६	२५	,,	,,	-	अपूर्ण	खण्डित एवं जीर्ण	५८८

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
५८९	४३४१	जगन्नाथाष्टक	शंकराचार्य	१-३
५९०	१४३२	हरिहरात्मक स्तोत्र	-	१-३
५९१	१४७०	आदित्य स्तोत्र	-	१-१४
५९२	१४१८	मंगलाष्टक	कालिदास	१-४
५९३	११११४	महालक्ष्मी हृदय स्तोत्र	-	१-६
५९४	८९५	भुवनेश्वरी स्तवराज	-	१-४
५९५	१४२४	पक्षिराज माला स्तोत्र	-	१-८
५९६	१४५४	बन्ध्या स्तोत्र	कवि भट्टार	१-८
५९७	३९०१	परमहंस स्तोत्र	-	१-७
५९८	८७२	शिव स्तोत्र	श्रीमद् व्यास	१-२
५९९	६८४	नृसिंह स्तुति	-	१-२
६००	३८९७	गुरु स्तोत्र	-	१-८
६०१	१३५८	शीतलाष्टक	-	१-५
६०२	१३८६	सरस्वती स्तोत्र	-	१-४
६०३	३८६२	गंगाष्टक	गंगाधर किंकर	२-५
६०४	३६४६	दुर्गा सप्तशती व्याख्या	नागोजी भट्ट	१-१२१
६०५	६६१	अन्नपूर्णा कवच	-	१-५
६०६	११०२	सीता स्तोत्र	-	१-२
६०७	६१०	काली कवच	-	१-५
६०८	४२१६	गुरु पादुका स्मृति	-	१-६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१०×४.६	१०	२६	दे.ना.	कागज	संवत् १८८२	पूर्ण	जीर्ण एवं क्षतिग्रस्त	५८६
१०×३.५	६	३७	"	"	–	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	५६०
१०×३.५	८	३०	"	"	–	अपूर्ण		५६१
६×३.६	७	२४	"	"	सं. १८५२	पूर्ण		५६२
६.८×३.३	८	४१	"	"	–	पूर्ण	क्षतिग्रस्त, अथवर्ण रहस्योक्त	५६३
६.४×४	६	२२	"	"	–	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	५६४
७.२×३.५	८	२७	"	"	सं. १६२४	पूर्ण	आकाश कल्पोक्त	५६५
६×४	१३	३५	"	"	सं. १७५३	पूर्ण		५६६
६.७×४.२	६	२६	"	"	सं. १६०१	पूर्ण	डामर तन्त्र, गौ कल्पोक्त	५६७
६×३.७	७	२८	"	"	सं. १६३२	पूर्ण		५६८
६.८×४.४	७	१६	"	"	–	पूर्ण		५६६
८×४.५	१०	२०	"	"	–	पूर्ण	गुरु रुद्रयामलोक्त	६००
६×३.३	५	१८	"	"	–	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	६०१
७×३.५	७	२१	"	"	संवत् १६०६	पूर्ण	सनत् कुमार संहितोक्त	६०२
१०×४.५	७	४०	"	"	–	अपूर्ण		६०३
६.५×४.३	६	३८	"	"	सं. १८५२	पूर्ण		६०४
६.६×४.३	१०	२७	"	"	–	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	६०५
११×४.५	७	२२	"	"	–	पूर्ण	वशिष्ठ संहितोक्त	६०६
६.४×४	६	३३	"	"	–	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	६०७
६×४.२	६	१६	"	"	–	पूर्ण		६०८

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
६०९	१०३९	हनुमत् शांति स्तोत्र	–	१
६१०	१३३०	आत्मार्पण स्तुति	अप्पय दीक्षित	१-८
६११	१०१४	विष्णोरपामार्जन स्तोत्र	मार्जन दालभ्य	१-१३
६१२	१०३५	पंचमुखी वीर हनुमत् कवच	–	१-३
६१३	१०३६	काशी विश्वनाथ मंगल स्तोत्र	शंकराचार्य	१-४
६१४	१०१७	अमृतसंजीवनी प्रत्यंगिरा स्तोत्र	–	१-२
६१५	९०३	त्रैलोक्य मोहन कवच	–	१-४
६१६	१००७	यामुन स्तवराज	–	१-६
६१७	१०३०	शिव सहस्रनामस्तोत्र	–	१-६
६१८	१०४३	जानकी त्रैलोक्य मोहन कवच	हनुमत	१-३
६१९	९९८	सुदर्शन कवच	अगस्त	१-४
६२०	४९१	अभिलाषाष्टक विघ्नेश्वर स्तोत्र	–	१-३
६२१	१३३	संकट हरण बाला स्तोत्र	–	१-२
६२२	४३८६	भक्ति कल्प द्रुम मंगल स्तवक	गंगाधर	१-५
६२३	४३८६	विष्णु भक्ति कल्पलता	पुरुषोत्तमाचार्य	१-१०
६२४	४०६७	विष्णु स्तवराज स्तोत्र	भीष्म	१-१८
६२५	८७४	शिव स्तोत्र	उपमन्यु	१-२
६२६	९०८	प्रत्यगिंरा स्तोत्र	–	१-५
६२७	१३५७	महागणपति त्रैलोक्य मोहन कवच	–	१-२
६२८	८७१	नृसिंह कवच	–	१-२

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१०.५×४.८	८	२६	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	स्फोटक तन्त्रोक्त	६०६
६.५×४.३	८	३२	”	”	सं. १६१०	पूर्ण		६१०
८.८×४	७	३२	”	”	-	पूर्ण	विष्णुधर्मोत्तरोक्त	६११
६.५×४.२	१४	५०	”	”	-	पूर्ण	रुद्रयामल सुदर्शन संहितोक्त	६१२
८.८×४.५	६	२६	”	”	सं. १८६६	पूर्ण		६१३
८.८×४	१७	५०	”	”	१८५२	पूर्ण	आगम सर्वस्व में उक्त	६१४
८.८×३.४	८	२८	”	”	१७६१	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	६१५
६×४.५	१०	३३	”	”	-	पूर्ण		६१६
१०×४.३	१२	३७	”	”	-	पूर्ण		६१७
६.८×४.४	८	२६	”	”	१८८६	पूर्ण	सम्मोहन तन्त्रोक्त	६१८
१०.५×४.५	६	४१	”	”	-	पूर्ण	विगहेन्द्र संहितोक्त	६१६
७.६×३.५	६	३०	”	”	सं. १६५२	पूर्ण	स्कंद पुराण काशी खण्डोक्त	६२०
७.५×४.२	१०	२८	”	”	-	पूर्ण	रुद्रयामले तन्त्रोक्त	६२१
१०.२×५.४	६	२८	”	”	-	पूर्ण		६२२
१०.२×५.२	६	३२	”	”	-	पूर्ण		६२३
६.२×५	१०	३०	”	”	-	पूर्ण	महाभारतोक्त	६२४
१०.५×४.७	८	३१	”	”	-	पूर्ण		६२५
६.८×४.६	१६	३६	”	”	१८०४	पूर्ण	वामकेश्वर तन्त्रोक्त प्रत्यंगिरा मंत्र भी है।	६२६
१०.२×४.४	११	३०	”	”	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	६२७
१०.५×४.७	११	२८	”	”	-	पूर्ण	नृसिंह संहितोक्त	६२८

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
६२९	३१६१	त्रैलोक्य विजय नाम गोपाल कवच	–	१-१६
६३०	३१७४	अपामार्जन स्तोत्र	–	१-१६
६३१	३१५५	त्रिलोक्य विजयी कवच	–	१-७
६३२	३०७५	गणेश स्तोत्र	–	१-५
६३३	३१६०	राम रक्षा स्तोत्र	विश्वामित्र	१-४
६३४	३१५६	रामचन्द्र स्तवराज	नारद	१-१०
६३५	३१५७	राम सहस्र नाम	–	१-२०
६३६	३१७१	पंचमुखी हनुमत् कवच	–	१-६
६३७	३१७९	दुर्गा स्तोत्र	गंगाराम भट्ट	१-१०
६३८	३१००	नवरत्न मालिका स्तोत्र	शंकराचार्य	१-६
६३९	३१७०	हनुमत् कवच स्तोत्र	–	१-१०
६४०	३१५८	राम शताष्टोत्तरशत स्तोत्र	–	१-६
६४१	३१०२	विष्णु भुजंग प्रणीत स्तोत्र	शंकराचार्य	१-४
६४२	३१६६	लक्ष्मी नृसिंह कवच	प्रल्हाद	१-६
६४३	३१३०	ज्वाला कवच	–	१-८
६४४	३०४३	स्तवराज	–	१-६
५४५	३०३१	भवानी सहस्रनाम पटल	–	१-८
६४६	३१४१	शिव स्तव	उपमन्यु	१-३
६४७	३०३६	भवानी स्तव	–	१-३
६४८	३०३३	शिष्योपदेश पटल	–	१-५
६४९	३०८४	भैरव स्तोत्र	–	१-५
६५०	३०८२	स्तोत्र गणपति	श्रुक्त, अंगिरा	१-५

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
४.७×२.४	५	१२	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	ब्रह्म संहितायां	६२६
६×२.५	५	२३	,,	,,	-	पूर्ण	विष्णुधर्मोत्तरोक्त	६३०
६.५×३.२	७	१७	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्मयामले तन्त्रोक्त राम से संबद्ध	६३१
३.८×१.८	५	१८	,,	,,	सं. १८५३	पूर्ण	गणेश पुराणोक्त	६३२
८.५×३.८	७	३४	,,	,,	-	पूर्ण		६३३
६.५×४	१०	२४	,,	,,	१८३५	पूर्ण	सनत्कुमार संहितोक्त	६३४
४.६×३.५	८	१७	,,	,,	१८८६	पूर्ण	शिवलिंगपुराणोक्त	६३५
४.८×३.२	६	१६	,,	,,	-	पूर्ण		६३६
४.२×३	५	१४	,,	,,	-	पूर्ण		६३७
४.६×४	६	१६	,,	,,	-	पूर्ण	मंगलाष्टक स्तोत्र भी साथ में है।	६३८
५.२×३.३	८	१७	,,	,,	१६०२	पूर्ण	पद्म पुराणोक्त	६३९
४.८×३	७	१५	,,	,,	-	पूर्ण		६४०
६.५×३.२	७	१६	,,	,,	-	पूर्ण		६४१
४.१×२.४	७	१५	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	६४२
६.६×४.५	६	१४	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामले तन्त्रे	६४३
४.५×३.५	८	१६	,,	,,	-	अपूर्ण		६४४
४.६×२.८	६	१८	,,	,,	-	पूर्ण		६४५
१०.१×४.५	८	२७	,,	,,	-	पूर्ण		६४६
६.५×३.५	१०	१७	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	६४७
५×३	१०	२८	,,	,,	पूर्ण	परातन्त्रे		६४८
६.८×४.३	७	२८	,,	,,	सं. १८६६	पूर्ण	कालीतन्त्रोक्त	६४९
१०.१×४.५	१४	५४	,,	,,	-	पूर्ण	शिव, दण्डपाणि, गणपति शिव काशी गणपति, मंगलागौर आदि स्तोत्र	६५०

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
६५१	३०८८	प्रत्यगिंरा स्तोत्र	–	१-४
६५२	३१६८	श्रीलक्ष्मी नृसिंह कवच	प्रह्लाद	१-४
६५३	३०८३	श्री राम सहस्रनाम	–	१-१०
६५४	३०८६	बाला त्रिपुर सुन्दरी हृदय	–	१,३,४
६५५	३०२६	इन्द्राक्षी स्तोत्र	–	१-५
६५६	३०६४	ताजक पद्म कोश	–	१-२
६५७	३१०३	चर्पट पंजरिका	शंकराचार्य	१-३
६५८	३०६६	गोविन्द स्तोत्र	शंकराचार्य	१-६
६५६	३०६८	गंगा स्तोत्र	शंकराचार्य	१-३
६६०	३०६७	अपराध क्षमन स्तोत्र	शंकराचार्य	१-४
६६१	३१४२	शिव स्तोत्र	उपमन्यु	१-५
६६२	१०३४	नृसिंह कवच	–	१
६६३	३०२४	बगलामुखी स्तोत्र	–	१-५
६६४	३८६२	शरभ कवच	–	१-७
६६५	६३५	वैरी नाशक कवच	–	१-३
६६६	१०४६	भैरव दशक स्तव	लक्ष्मीनारायण शर्मा	१-५
६६७	१३०१	हनुमन्त दुर्ग	–	१-३
६६८	१४०५	देवी कवच	–	१-६
६६६	१४०४	श्री गणेश कवच	–	१-३
६७०	१४०३	बाला स्तवराज	–	१-२
६७१	१४४५	महासुन्दरी सहस्रनाम	–	१-६
६७२	१४४४	दक्षिण कवच	–	१-४
६७३	१४४३	श्री चक्रन्यास कवच	–	१-७
६७४	१४३७	आनन्द लहरी	शंकराचार्य	१-४

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.६×४	५	२६	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	६५१
७.८×३.५	६	२६	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	६५२
८.७×३.८	७	२५	,,	,,	-	अपूर्ण	रुद्रयामलोक्त	६५३
६.७×३.८	५	२३	,,	,,	सं. १६४८	अपूर्ण	रुद्रयामलोक्त	६५४
४.८×३.३	६	१५	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	६५५
६×४.३	१२	४२	,,	,,	-	अपूर्ण		६५६
५.६×३.४	७	१८	,,	,,	-	पूर्ण		६५७
५.४×४	६	११	,,	,,	१८४५	पूर्ण		६५८
६.५×३.८	६	२३	,,	,,	-	पूर्ण		६५६
७.१×४	६	२६	,,	,,	-	पूर्ण		६६०
७.६×३.४	५	२३	,,	,,	-	पूर्ण	महाभारतोक्त	६६१
१०.२×४.३	६	३३	,,	,,	-	पूर्ण		६६२
८.२×५	६	१६	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	६६३
६.२×४	११	३२	,,	,,	-	अपूर्ण		६६४
१०.६×४.५	१०	३८	,,	,,	सं. १६०५	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	६६५
१०.८×५.५	११	३१	,,	,,	-	पूर्ण		६६६
१०.५×५.४	१०	३५	,,	,,	-	पूर्ण	अथवणोक्त	६६७
६.५×४.२	६	३५	,,	,,	-	पूर्ण	मार्कण्डेय पुराणोक्त	६६८
८.४×३.८	६	२०	,,	,,	-	पूर्ण	विश्वसार तन्त्रोक्त	६६६
८.५×४.५	६	२६	,,	,,	-	पूर्ण	भैरवयामलोक्त	६७०
८.८×३.८	८	३२	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	६७१
६.५×३.८	६	५०	,,	,,	-	पूर्ण	पुनातन्त्रोक्त	६७२
६×३.७	८	२७	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	६७३
६.७×४.४	६	३०	,,	,,	-	पूर्ण		६७४

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
६७५	६२६	काल भैरव कवच	-	१-३
६७६	३१२०	श्री राधा स्तोत्र	-	२,३,७-१०
६७७	३१२१	अपराध सुन्दर स्तोत्र	शंकराचार्य	१-४
६७८	३१४६	शिव ताण्डव स्तोत्र	-	१,२,४,६,७
६७९	३०१६	चण्डिका सप्तशती देवी कवच	हरिहर ब्रह्मा	१-३२
६८०	३०२०	कीलक (चण्डी पाठ)	-	१-७
६८१	३०१५	सिद्ध लक्ष्मी स्तोत्र	-	१-४
६८२	३०४२	धरणी स्तोत्र	-	१-३
६८३	३१४४	शिव स्तोत्र	वेदव्यास	१-५
६८४	२०८५	महिम्न स्तोत्र	पुष्पदंताचार्य	१-२३
६८५	३८२०	परमहंस पद्धति	चैतन्य गिरि	१४६ गणनया
६८६	२५६६	भवानी सहस्रनाम	-	१-४६
६८७	२५६८	शाकाक्षरी सहस्रनाम	-	१-२०
६८८	३०२१	दुर्गा सप्तशती	-	१-५४
६८९	३१५४	राम तत्व रहस्य	-	२३ गणनया
६९०	२५७८	वेंकटेश सुप्रभात	-	१-२२
६९१	२५६७	शरभ सालुव पक्षिराज सहस्रनाम	-	१-१३
६९२	२०८१	दुर्गा सप्तशती स्तोत्र	-	१-१६६
६९३	२८२६	हनुमत् पताका	-	१-४
६९४	४८३७	प्रत्यंगिरा स्तोत्र	-	१-८
६९५	४८३१	रामाष्टक स्तोत्र	व्यास	१-२

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
११×४.६	१०	३७	दे.ना.	कागज	,,	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	६७५
६.३×३.१	५	१७	,,	,,	–	अपूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	६७६
६.८×३.५	७	२६	,,	,,	–	पूर्ण		६७७
६×२.८	५	१५	,,	,,	–	अपूर्ण	विष्णु पुराणोक्त	६७८
६.५×३.२	५	१७	,,	,,	–	पूर्ण		६७९
६.५×३.२	५	१८	,,	,,	–	पूर्ण		६८०
६.५×३.८	७	२०	,,	,,	–	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	६८१
७.५×३.४	७	२२	,,	,,	–	पूर्ण	वाराह पुराणोक्त	६८२
४.७×२.६	५	१३	,,	,,	–	पूर्ण		६८३
५.१×३	५	१२	,,	,,	सं. १६२४	पूर्ण		६८४
६.५×३	५	१६	,,	,,	–	अपूर्ण	परमहंस सहस्रनाम स्तवराज कवच इसमें है।	६८५
५.३×४	७	१२	,,	,,	१८१५	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	६८६
५.८×४.१	६	१८	,,	,,	–	अपूर्ण		६८७
६×४.५	१५	२०	,,	,,	–	अपूर्ण		६८८
४.५×३.१	५	१४	,,	,,	–	अपूर्ण		६८६
५.८×३.४	५	१३	,,	,,	–	पूर्ण		६६०
६.१×४	१३	२६	,,	,,	–	पूर्ण	आकाश भैरव तन्त्रोक्त	६६१
५.५×३.६	६	१६	,,	,,	शक १७०१	पूर्ण	मार्कण्डेय पुराणोक्त	६६२
८.५×३.८	११	४८	,,	,,	–	पूर्ण		६६३
६.७×३.४	६	१८	,,	,,	–	पूर्ण	अथवर्णे रहस्योक्त	६६४
६.५×२.६	४	२४	,,	,,	सं. १८४७	पूर्ण		६६५

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
६६६	५६७४	स्तवराज स्तोत्र	नारद	१-१७
६६७	६४४	दारुण सप्तक	-	१-४
६६८	५६६६	सुब्रहमण्यम् स्तोत्र	-	१-३
६६६	२५५८	महालक्ष्मी हृदय स्तोत्र	-	१-३७
७००	१४	बगलामुखी स्तोत्र	-	१-७
७०१	४३ ४६	सीताराम युगल सहस्रनाम	-	१-२१
७०२	४३१२	अन्नपूर्णा स्तोत्र	-	१,२,४
७०३	४३१८	गणपति स्तोत्र	वेदव्यास	१-३
७०४	४३०७	आदित्य हृदय स्तोत्र	-	१-१७
७०५	५२१६	अनुस्मृति स्तोत्र	-	१-१६
७०६	५२०४	अर्धनारीश्वर महादेव सहस्रनाम	-	१-२३
७०७	१४१३	शिव महिम्न स्तोत्र	पुष्पदन्त	१-१८
७०८	६७३	सरस्वती स्तोत्र	बृहस्पति	१-६
७०६	६२८	गणपति पूजा स्तोत्र	-	१-१४
७१०	१३२३	भगवती कवच	-	१-१७
७११	१३६८	वेंकटेश सहस्त्रनाम	-	२-३२
७१२	५६६०	गणराज स्तोत्र	-	१-८
७१३	५७३८	तारा कवच	-	१-४
७१४	५७४१	गणपति कवच	-	१-४
७१५	५७०२	दुर्गाष्टाक्षर मंत्र	-	१,२,४-७
७१६	१४१६	गंगा स्तवराज दशहरा स्तोत्र	ब्रह्मदेव	१-६
७१७	१४२०	हनुमत् कवच	रामभद्र चिन्तामणि	१-६
७१८	१४७४	शिव कवच	-	५-१२, १५-१७

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.७×४.२	७	१८	दे.ना.	कागज	सं. १८८७	पूर्ण	सनत्कुमार संहितोक्त	६९६
५.७×३.७	७	१९	,,	,,	१९६१	पूर्ण	आकाश कल्पोक्त	६९७
६×४.१	१०	२३	,,	,,	-	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	६९८
५×२.७	५	१४	,,	,,	-	पूर्ण	अथवर्णरहस्योक्त	६९९
४.६×२.६	४	१६	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	७००
५.२×४.६	१०	११	,,	,,	-	पूर्ण	भुसंडी रामायणोक्त	७०१
४.६×३.८	६	१२	,,	,,	१९२६	अपूर्ण		७०२
६.२×२.२	४	१८	,,	,,	-	पूर्ण		७०३
५.८×३.६	८	२२	,,	,,	१८७५	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	७०४
६×४.२	७	१९	,,	,,	-	पूर्ण	महाभारतोक्त	७०५
६×४.२	११	२४	,,	,,	-	पूर्ण	शिवसिद्धान्तोक्त	७०६
४.८×२.६	५	१५	,,	,,	-	पूर्ण		७०७
५×३.४	६	१७	,,	,,	सं. १८३९	पूर्ण		७०८
५.३×३.२	६	१८	,,	,,	-	अपूर्ण		७०९
४.६×३	६	१६	,,	,,	-	पूर्ण		७१०
४×२.२	७	१७	,,	,,	-	अपूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	७११
६.१×३.२	७	२५	,,	,,	-	पूर्ण	काशी खण्डोक्त	७१२
६.५×३.४	७	१९	,,	,,	१८८३	पूर्ण	योगिनी तन्त्रोक्त	७१३
६.४×४.४	६	१८	,,	,,	१८३८	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	७१४
५.५×३.६	७	२०	,,	,,	-	अपूर्ण		७१५
५.२×४.३	१४	१८	,,	,,	-	पूर्ण	स्कंदपुराणोक्त	७१६
५×३.८	८	१६	,,	,,	-	पूर्ण		७१७
५.५×३.५	५	१९	,,	,,	सं. १९४३	अपूर्ण		७१८

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
७१६	१४०२	विष्णु सहस्र नाम	–	१-३६
७२०	११४७	भैरव स्तवराज	–	१-११
७२१	६६६	महाविद्या स्तोत्र	–	१-४, ६
७२२	८१६	दुर्गा स्तोत्र	–	१-८
७२३	६८१	सरस्वती स्तोत्र	आश्वलायन	१,३-७
७२४	११३६	मोहमुद्गर स्तोत्र	शंकराचार्य	१-१६
७२५	६४७	महाविद्या स्तोत्र	रुद्र	१-६
७२६	८१२	हरिनाम माला	शंकराचार्य	१-६
७२७	८२६	शिव स्तोत्र	रावण	१-३
७२८	१११५	श्री गंगा स्तोत्र	शंकराचार्य	१-३
७२६	८१८	सन्मुखीकरण स्तोत्र	–	१-२
७३०	३१४७	कर्पूर स्तवराज	–	१-१०
७३१	३१५३	विष्णु पंजर स्तोत्र	–	१-८
७३२	३०३८	श्री विद्या स्तोत्र	ब्रह्म	१-४
७३३	३०३७	बाला त्रिपुर सुन्दरी कवच	–	१-५
७३४	२६६८	भवानी कवच	–	१-६
७३५	३१४३	दालभ्य स्तोत्र	–	१-१४
७३६	३१४५	शिव नामावली स्तोत्र	शंकराचार्य	१-६
७३७	३०३६	बाला त्रिपुर सुन्दरी स्तोत्र	–	१-७
७३८	३१५०	कर्पूर स्तोत्र	महाकाल	१-११
७३६	३०४१	बाला कवच	–	१-२
७४०	३१४६	मयूरेश्वर स्तोत्र	देवर्षि	१-१०

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
५.३×४	६	१५	दे.ना.	कगज	१८४६	पूर्ण		७१६
५×३.५	७	१२	,,	,,	-	पूर्ण	विश्वसार तन्त्रोक्त	७२०
६×२.६	८	२३	,,	,,	-	अपूर्ण		७२१
४.८×३.३	७	१२	,,	,,	-	पूर्ण	भीष्म पर्व से लिया गया	७२२
४.३×२.५	५	२०	,,	,,	१८७६	अपूर्ण		७२३
५.२×३.३	६	२०	,,	,,	१८४२	पूर्ण		७२४
५.२×३.७	६	१६	,,	,,	१६७६	पूर्ण		७२५
५.५×३.५	६	११	,,	,,	-	पूर्ण		७२६
६×३.५	१०	२०	,,	,,	-	पूर्ण		७२७
६×२	५	३४	,,	,,	-	पूर्ण		७२८
४.८×२.८	६	२२	,,	,,	-	पूर्ण		७२६
६.६×४	६	२०	,,	,,	सं. १६४४	पूर्ण	फेत्कारिणी तन्त्रोक्त	७३०
५×३.४	६	१८	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	७३१
६.५×४	७	१६	,,	,,	-	पूर्ण		७३२
४.५×२.७	७	२१	,,	,,	-	पूर्ण	सिद्धयामलोक्त	७३३
५.७×३.३	५	१६	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त भवानी सहस्रनाम भी है।	७३४
७×३.५	७	२३	,,	,,	-	अपूर्ण		७३५
४.८×३.३	४	१२	,,	,,	१८८३	पूर्ण		७३६
६.५×३	७	१४	,,	,,	-	पूर्ण	मेनु तन्त्रोक्त	७३७
५×३	६	१६	,,	,,	-	पूर्ण	गंधर्व तन्त्रोक्त	७३८
८.७×३.५	१०	३७	,,	,,	सं. १६०१	पूर्ण		७३६
४.८×३	५	१०	,,	,,	-	पूर्ण	गणेश पुराण, उत्तर खण्ड, बाल चरित्रोक्त	७४०

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
७४१	३०६०	त्रैलोक्य मोहन नाम कवच	-	१-५
७४२	३०१०	अन्नपूर्णा पंचाशिका कल्पवल्ली स्तोत्र	-	१-७
७४३	३००७	दक्षिणा कालिका खड्ग माला मंत्र	-	१-५
७४४	३०७७	गणेश कवच	-	१-५
७४५	३०२२	वन दुर्गा स्तोत्र राज महामंत्र	-	१-२
७४६	३१२८	काश्याष्टक	शंकराचार्य	१-३
७४७	३१०१	यमुनाष्टक	शंकराचार्य	१-३
७४८	३०३५	भवानी कवच	-	१-३
७४९	३०३४	महात्रिपुर सुन्दरी षोडशी कवच	-	१-४
७५०	३०२३	गंगा दशहरा स्तोत्र	-	१-१३
७५१	३०२५	इन्द्राक्षी स्तोत्र	-	१-२
७५२	३१६७	दत्तात्रेय दशक स्तोत्र	-	१-४
७५३	३१७३	आदित्य हृदय स्तोत्र	-	१-२५
७५४	३०२६	ललिता पंचदशी महाखड्ग न्यास माला	-	१-११
७५५	३०१७	रेणुका सहस्रनाम	-	१-३८
७५६	३११६	वेंकटेश कवच	-	३-१६
७५७	३०१६	लक्ष्मी नारायण हृदय	-	२२-४५ १-२४
७५८	३१३८	पंचमुखी हनुमत् कवच	-	१-७

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
५.५×३.५	६	१५	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	नीलतारा कवच नामोल्लेख भी है।	७४१
६.२×३.१	८	२८	”	”	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	७४२
५.८×३.४	८	२४	”	”	-	पूर्ण		७४३
५.६×३	७	१७	”	”	-	पूर्ण	गणेश पुराण, बाल चरितोक्त	७४४
७.८×४.३	७	२५	”	”	-	पूर्ण		७४५
७.८×३.८	७	२०	”	”	-	पूर्ण		७४६
६.५×३	६	२५	”	”	-	पूर्ण		७४७
५.५×३.२	६	२०	”	”	-	पूर्ण	रुद्रयामल, महागुप्त सारोक्त	७४८
४.६×३.२	१४	११	”	”	सं. १८६७	पूर्ण	कुलानंद संहितोक्त	७४९
४.२×२.५	५	१६	”	”	सं. १८७०	पूर्ण	स्कंदपुराण, काशी खण्डोक्त	७५०
५.५×३.५	१३	२७	”	”	-	पूर्ण		७५१
५.५×३.३	६	१३	”	”	-	पूर्ण	अजपा तंत्रोक्त	७५२
४.८×३.३	७	१६	”	”	१८२१	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	७५३
५.४×३.२	६	१४	”	”	-	पूर्ण	सर्वसारोद्धारोक्त	७५४
५.८×३.८	७	१७	”	”	-	पूर्ण	पद्म पुराण, सह्याद्रि खण्डोक्त	७५५
४.७×२.६	६	१५	”	”	-	अपूर्ण	वाराह पुराणोक्त	७५६
५.५×३.३	५	१३	”	”	-	अपूर्ण	अथवर्ण रहस्योक्त	७५७
६.२×३.८	११	२०	”	”	-	पूर्ण		७५८

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
७५९	३१६२	कृष्ण कवच	–	१-३
७६०	३१६६	हरिहर स्तोत्र	–	१-८
७६१	३१४०	हनुमत् सहस्रनाम	–	१-२६
७६२	३१६४	वेंकटेश कवच स्तोत्र	–	१-१०
७६३	१२५	गणेश सहस्रनाम	–	१-२०
७६४	१२२	राजराजेश्वरी कवच	–	१-११
७६५	४३१७	महेश्वर कवच	–	१-५
७६६	४३१५	पंचमुखी हनुमत् कवच	–	१-५
७६७	४३१४	सुदर्शन स्तोत्र	–	१-७
७६८	४२५६	कृष्ण सुदर्शनी अपराजिता स्तोत्र	–	१-४
७६९	४२७८	विष्णु स्तुति	नारायणपंडित	१-७
७७०	४२६५	भवानी सहस्रनाम	–	१-३३
७७१	४३२१	हनुमत् कवच	–	१-३
७७२	४८१	सरस्वती स्तोत्र	–	१-४
७७३	४२५२	शिव सहस्रनाम	–	१-३६
७७४	४२५०	महिम्न स्तोत्र	विष्णु	१-१७
७७५	४२५४	सौभाग्य लहरी	–	१-१०, १२-२१
७७६	४८२	अभिलाषाष्टक	–	१-६
७७७	४८०	श्यामा स्तोत्र	–	१-६
७७८	४२६६	रामरक्षा कवच	–	१-४

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.५×३.४	८	१६	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	७५६
४.६×२.८	५	१२	”	”	-	पूर्ण	स्कंद पुराण, काशी खण्ड, यम प्रोक्त	७६०
५.१×३.५	७	१४	”	”	-	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराण, रामचन्द्र प्रोक्त	७६१
५.१×२.६	६	२२	”	”	-	पूर्ण	वाराह पुराण, क्षेत्र खण्डोक्त	७६२
३.२×१०	२४	१२	”	”	१६२५	पूर्ण	गकारादि नामावली	७६३
६×३.६	६	२४	”	”	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	७६४
४.७×३.२	७	१७	”	”	१८३३	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	७६५
६.५×३.७	६	२४	”	”	१६३५	पूर्ण	सुदर्शन संहितोक्त	७६६
६×४	७	१५	”	”	१६१४	पूर्ण		७६७
६.१×३.५	१०	२८	”	”	-	पूर्ण	हनुमान पताका उत्तरार्द्ध से लिया गया है।	७६८
५.६×३.२	१०	२४	”	”	-	पूर्ण		७६६
६.७×३.५	७	१६	”	”	१६६०	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	७७०
७×३.६	६	२०	”	”	-	अपूर्ण		७७१
५×३.८	६	१२	”	”	सं. १६३०	पूर्ण	ब्रह्म पुराणोक्त	७७२
६.२×३.५	६	२२	”	”	-	पूर्ण	पद्म पुराण, उत्तर खण्डोक्त	७७३
५.७×३.५	६	१७	”	”	१८६२	पूर्ण		७७४
६×३.३	७	१६	”	”	-	अपूर्ण		७७५
५.६×३.२	६	१४	”	”	-	पूर्ण		७७६
५.४×३.८	८	१७	”	”	-	पूर्ण		७७७
७×३.५	७	२०	”	”	सं. १६१०	पूर्ण		७७८

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
७७९	४३२०	नारायण हृदय स्तोत्र	–	१-४
७८०	४२६८	शनि स्तोत्र	दशरथ	१-८
७८१	४३७१	हनुमत् कवच	–	१-६
७८२	४३७०	महाकाली स्तोत्र	महाकाल	१-८
७८३	४३१०	राम स्तवराज	–	१-१२
७८४	४२८६	सरस्वती स्तोत्र	–	१-४
७८५	४२६६	विष्णु सहस्त्रनाम	–	१-२०
७८६	४३०६	सुमुखी सहस्त्रनाम	–	१-२८
७८७	४२७०	आदित्य हृदय स्तोत्र	–	१-२०
७८८	३०२७	इन्द्राक्षी स्तोत्र	–	१-४
७८९	३०४४	मंत्रराज ध्रुमवाराही	–	१-२
७९०	३१८३	नवाक्षर चण्डी सहस्त्रनाम स्तोत्र	–	१-१३
७९१	३१८४	नृसिंह दिव्य सहस्त्रनाम स्तोत्र	–	१-१५
७९२	३१८८	प्रत्यगिंरा प्रयोग	–	१-१६
७९३	१८१८	नवाक्षरी माला	–	१-१६
७९४	३७४७	राधा रस मञ्जरी स्तोत्र	श्रीकृष्ण चैतन्यचन्द्र	२-१३
७९५	८४६	गंगा स्तोत्र	शंकराचार्य	१-२
७९६	६७१	पंचमुखी हनुमत् कवच	–	१-४
७९७	१०२४	विष्णु पंजर स्तोत्र	–	१-६
७९८	१०३२	गायत्री कवच	–	१-४
७९९	८७७	पंचमुखी हनुमत् कवच	श्रीराम भद्रचिन्तामन	१-७
८००	३८५८	आनन्द लहरी	शंकराचार्य	१-४
८०१	३८४८	सौन्दर्य लहरी	शंकराचार्य	१-२८

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
७×४.१	८	२३	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	अथवर्ण रहस्योक्त	७७६
७×४.८	६	१६	"	"	१६१७	पूर्ण		७८०
६.५×३.८	८	२१	"	"	१८४६	पूर्ण	सुदर्शन संहितायां	७८१
६.५×३.५	७	१७	"	"	-	पूर्ण	महाकाल तन्त्रोक्त	७८२
६.३×४	८	२१	"	"	-	पूर्ण	सनत्कुमार संहितायां नारदोक्त	७८३
६.५×४	८	१७	"	"	"	पूर्ण	ब्रह्मपुराण ब्रह्मोक्त	७८४
६.८×४.४	८	२०	"	"	सं. १८८४	पूर्ण	महाभारतोक्त	७८५
७×३.८	५	२४	"	"	१८४८	पूर्ण		७८६
६.५×४.७	६	१६	"	"	१८५१	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	७८७
६.२×३.५	८	२१	"	"	-	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	७८८
८.५×४.३	११	३७	"	"	-	पूर्ण		७८६
६.३×३.३	१०	३४	"	"	-	अपूर्ण		७६०
१०×४.५	६	३५	"	"	-	पूर्ण		७६१
१०.२×४.२	६	३३	"	"	१६६६	पूर्ण		७६२
६.६×३.५	५	१७	"	"	-	पूर्ण		७६३
६.६×३.५	५	१६	"	"	-	अपूर्ण		७६४
७.४×३.२	१०	२५	"	"	-	पूर्ण		७६५
६.६×३.८	८	२२	"	"	-	पूर्ण	सुदर्शन संहितोक्त	७६६
६.५×३.४	५	१६	"	"	सं. १८६४	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	७६७
७.१×३.५	११	२७	"	"	१६२३	पूर्ण	रुद्रयामले तन्त्रोक्त	७६८
६.४×३.८	६	२१	"	"	१८४१	पूर्ण		७६६
८.४×२.७	६	३३	"	"	-	पूर्ण		८००
६.८×३.५	६	२३	"	"	-	पूर्ण		८०१

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
८०२	८६६	विष्णु सहस्रनाम	–	१-१८
८०३	३८७४	अनुस्मृति	–	१-२६
८०४	३८४६	आदित्य हृदय	–	१-१७
८०५	६८७	पंचमुखी हनुमत् कवच	–	१-१०
८०६	१८३८	वायु स्तुति टीका	–	१-१८
८०७	६७०	नवग्रह स्तोत्र	वेदव्यास	१-३
८०८	८१५	सूर्य स्तोत्र	–	१-२
८०९	१६३३	त्रिपुर सुन्दरी हृदय	–	१-४
८१०	१७६६	शरभ सालुव पक्षिराज कवच	शंकर	२-११
८११	१३७८	तारा देवी स्तोत्र	–	३-१२
८१२	१३६४	षोढ़ा न्यास कवच	–	१-४
८१३	४२६१	देवी कवच	श्रीहरिहर ब्रह्म	१२२ गणनया
८१४	५६६	सरस्वती सूक्त	–	१-२
८१५	३५७७	त्रिपुर सुन्दरी स्तोत्र	–	१-६६
८१६	५७०	प्रत्यगिंरा स्तोत्र	–	१-१४
८१७	५७१	शत्रुञ्जय नाम वीर हनुमतू स्तोत्र	–	१-४
८१८	५७४	शनिश्चर स्तोत्र	–	१-८
८१९	२०६६	दुर्गा कवच	हरिहर ब्रह्मा	१-७
८२०	५७२	सूर्य कवच	–	१-२
८२१	२०४९	विष्णु सहस्त्र नाम	–	१-१८
८२२	२०५१	गणेश सहस्त्रनाम	–	१-३३
८२३	२०५३	संकटा स्तोत्र	–	१-५

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
५.६×३.५	६	१६	दे.ना.	कागज	शक १७१८	पूर्ण	महाभारतोक्त	८०२
६.६×४.४	५	१४	”	”	शक १७४७	पूर्ण	महाभारतोक्त	८०३
६.६×३.४	७	२४	”	”	–	अपूर्ण		८०४
६.३×३.२	५	२०	”	”	सं. १८६२	पूर्ण	सुदर्शन संहितोक्त	८०५
८.२×३.७	१०	३१	”	”	–	पूर्ण		८०६
६.५×४.१	६	३७	”	”	–	पूर्ण		८०७
८×३.७	८	३१	”	”	–	पूर्ण		८०८
८.५×४.२	१०	३३	”	”	–	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	८०९
६.७×४.१	६	२४	”	”	१८८६	अपूर्ण	आकाश भैरव कल्पोक्त	८१०
६.२×४	८	३६	”	”	–	अपूर्ण		८११
६.२×३.८	८	४०	”	”	–	पूर्ण	उत्तर तन्त्रोक्त	८१२
६.७×४	७	२१	”	”	१८५८	अपूर्ण	साथ में महिम्न स्तोत्र, भगवद् गीता-पूर्ण है	८१३
७.५×४	१४	३६	”	”	–	पूर्ण		८१४
६.५×४.८	८	१४	”	”	सं. १८७८	पूर्ण	त्रिपुरसुन्दरी पूजा पद्धति त्रि.सु. पटल	८१५
६×३.५	१०	३१	”	”	१८२०	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	८१६
६.३×४.८	११	२१	”	”	१६०४	पूर्ण	हनुमत् कल्पोक्त	८१७
६.२×४.२	६	२०	”	”	१८७२	पूर्ण	अग्नि पुराणोक्त	८१८
६.५×४.८	७	३१	”	”	१६४४	पूर्ण		८१९
६.२×५	८	३२	”	”	–	पूर्ण	ब्रह्मयामलोक्त	८२०
८×४.१	७	२५	”	”	–	पूर्ण	महाभारतोक्त	८२१
६×३.८	६	१७	”	”	–	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	८२२
६.५×३.७	७	२४	”	”	–	पूर्ण		८२३

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
८२४	२०५६	दशहरा गंगा स्तोत्र	–	१-७
८२५	२०५७	हनुमत् कवच	–	१-१०
८२६	२०२६	बटुक भैरव स्तवराज	–	१-१४.
८२७	२०६०	महिम्न स्तोत्र	पुष्पदन्त	१-३
८२८	२०५५	आदित्य हृदय स्तोत्र	–	१,२,४-२६
८२९	५८७	गुप्त सप्तशती सटीक	भास्कर राय भारती दीक्षित	१-८०
८३०	५३१५	रामाष्टोत्तर शतनाम	–	१-४
८३१	५२०३	त्रैलोक्य विजयी कवच	–	१-६
८३२	५३१०	गंगा सहस्र नामावली	–	१-२८
८३३	५२६६	शिव शतनाम	–	१-७
८३४	५७७	महिम्न स्तोत्र	पुष्पदन्त	१-८
८३५	२०५८	बटुक भैरव सहस्रनाम स्तोत्र	–	१-६
८३६	६६१	दक्षिण कालिका सहस्रनाम	–	१-१८
८३७	८४८	लक्ष्मी कवच	–	१-४
८३८	१००२	गजेन्द्र मोक्ष स्तव	–	१-१६
८३९	१०१६	पंचमुखी हनुमत् कवच	–	१-७
८४०	१०१८	विष्णु सहस्रनामावली	–	१-५, ७-१३
८४१	२०७	आदित्य हृदय स्तोत्र	–	१-१६
८४२	६६३	हनुमत् सहस्रनाम	–	१-२६
८४३	६५८	मुकुन्दाष्टक	मार्कडेय	१-३
८४४	४३०४	नारायण कवच	–	१-६
८४५	४२९७	गंगा स्तोत्र	–	१-२

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६×३.२	७	२२	दे.ना.	कागज	१८९०	पूर्ण	स्कंदपुराण, काशी खण्डोक्त	८२४
७.३×३.२	७	२४	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराण, रामचन्द्र प्रोक्त	८२५
६.४×३.३	६	२२	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	८२६
८.२×३.४	१०	३५	,,	,,	-	पूर्ण		८२७
६.८×४.५	८	१८	,,	,,	-	अपूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	८२८
१२×५.५	१३	५०	,,	,,	सं. १८७५	अपूर्ण	खण्डित एवं जीर्ण	८२९
१०.७×४.८	८	३२	,,	,,	-	पूर्ण	पद्म पुराणोक्त	८३०
८.७×५	८	१९	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्मयामलोक्त, राम से सम्बद्ध	८३१
६.५×४.२	६	१८	,,	,,	-	पूर्ण		८३२
६.८×३.५	७	२६	,,	,,	१८९५	पूर्ण	महालिंगेश्वर तन्त्रोक्त	८३३
१०×५.३	१४	४८	,,	,,	-	पूर्ण		८३४
८.५×३.६	६	३२	,,	,,	-	पूर्ण		८३५
६.३×४	१०	२२	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामल, गुह्यकाली तन्त्रे	८३६
६×४	१०	२१	,,	,,	-	पूर्ण	विश्वसार तन्त्रोक्त	८३७
६.७×४	७	२४	,,	,,	सं. १८९१	पूर्ण	महाभारत, शांति पर्वोक्त	८३८
५.८×४.१	६	१३	,,	,,	-	अपूर्ण		८३९
६.५×४.२	६	२४	,,	,,	-	अपूर्ण		८४०
७.२×५	८	१७	,,	,,	-	पूर्ण	महाभारतोक्त	८४१
६.५×४.४	७	१५	,,	,,	-	अपूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराण, रामचन्द्र प्रोक्त	८४२
६.३×३.७	८	१६	,,	,,	-	पूर्ण		८४३
४.८×४	८	१३	,,	,,	१९१०	पूर्ण	भागवते महापुराणोक्त	८४४
६.८×४.३	८	२१	,,	,,	-	पूर्ण	वाराह पुराणोक्त	८४५

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
८४६	४२९८	कालिका कवच	–	१-५
८४७	६२७	महिम्न स्तोत्र	पुष्पदन्त	१-१६
८४८	१४६८	दलादल स्तोत्र	–	१-३
८४९	६४०	गणपति सहस्रनाम	–	१,२, ५-१२
८५०	१४२५	त्रिपुर सुन्दरी स्तोत्र	–	१-५
८५१	५५६८	अपराध शमन स्तोत्र एवं स्तोत्र संग्रह	–	१६६ गणनया
८५२	१४१६	लक्ष्मी स्तोत्र	–	१-७
८५३	६४१	लक्ष्मी नारायण स्तोत्र	–	१-२१
८५४	६४८	कार्तवीर्यार्जुन कल्प	–	१-१३
८५५	१८२	सर्वोत्तम स्तोत्र	सदग्नि कुमार	१-१४

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
७×४.४	८	२३	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	भैरवतन्त्र कालिका कल्पोक्त	८४६
६.७×४	६	१५	,,	,,	-	पूर्ण		८४७
६.७×४	८	१५	,,	,,	-	पूर्ण	गौतमी तन्त्रोक्त	८४८
६.६×५.३	१५	१६	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	८४६
८.७×४.७	१२	३६	,,	,,	-	अपूर्ण		८५०
६.२×६.५	१५	१७	,,	,,	सं. १७४०	पूर्ण	नवग्रह, श्रीराम रक्षा, चक्रपाणि, लक्ष्मी नृसिंह, श्री गुरु स्तोत्र, श्री राम स्तवराज नृसिंह कवच, रामगीता, श्री राम सहस्रनाम, श्री हनुमत् कवच, आत्मबोध प्रकरण, हनुमत सहस्रनाम स्तोत्र, नृसिंह सहस्रनाम योगवशिष्ठ प्रकरण, हरिनाम माला, विर्ष्णोनाम सहस्र, गजेन्द्र मोक्षण स्तव, पांडव गीता, विष्णु सहस्रनाम, सप्तश्लोकी गीता, रघुनाथ स्तव का संकलन है।	८५१
७.५×४.४	१०	२८	,,	,,	-	पूर्ण	लक्ष्मी द्वादश नाम एवं लक्ष्मी कवच भी सम्मिलित है।	८५२
८.८×४.६	१२	३८	,,	,,	-	पूर्ण	देवी रहस्य, परमार्थ दीपिकोक्त	८५३
६×४.५	८	१७	,,	,,	-	पूर्ण	डामर तन्त्रोक्त	८५४
६.५×५	७	१५	,,	,,	-	पूर्ण	विठ्ठलेश्वर विरचित वल्लभाष्टक, सप्तश्लोकी भी है।	८५५

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
८५६	१७५२	भवानी सहस्रनाम	–	१-५२
८५७	१४१७	कवच संग्रह	–	१-१०
८५८	१४५७	महालक्ष्मी स्तोत्र	राम चन्द्राचार्य	१-२
८५९	३७२४	दक्षिण कालिका सहस्रनाम	आदिनाथ महाकाल	१-३०
८६०	६५७	गणेश सहस्रनाम	नारायण मुनि	१-१३२
८६१	५७६२	विष्णु सहस्रनाम प्रकाश	बालक	१-१७
८६२	१४३६	मृत्युञ्जय स्तोत्र	–	१-२
८६३	११११	गंगा पुष्पाञ्जली	शंकराचार्य	१-२
८६४	११२६	कृष्ण स्तव	निम्बार्काचार्य	१-३
८६५	११४१	सरस्वती स्तोत्र	–	१-५
८६६	११३७	कृष्णाष्टक	गार्ग्य मुनि	१-२
८६७	११३४	इन्द्राक्षी स्तोत्र	–	१-३
८६८	११४६	गायत्री स्तोत्र	–	१-२
८६९	१४३३	हनुमत् कवच	–	१-४
८७०	१३६३	तारा कवच	–	१-४
८७१	६५५	पंचमुखी हनुमत् कवच	–	१-४
८७२	६५७	शिव काशीनाथ स्तोत्र	वेदव्यास	१-२
८७३	१०००	मृत्युञ्जय स्तोत्र	मार्कण्डेय	१-३
८७४	११८६	प्रत्यगिंरा स्तोत्र	–	१-४
८७५	११५२	त्रिपुर सुन्दरी कवच	–	१-३
८७६	१३४२	पंचमी स्तवराज	–	१-११

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.३×५.४	६	२५	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त कूर्मपुराणान्तर्गत कुमारी सहस्रनाम भी है।	८५६
७.७×४.८	११	२६	”	”	-	पूर्ण	गुरु स्तव, गणपति कवच, बालत्रिपुरा कवच, तारा कवच, श्यामा कवच	८५७
६.२×५	६	३१	”	”	-	पूर्ण		८५८
७.४×३.२	७	२३	”	”	-	पूर्ण	ककारादि नाम सूची है।	८५६
६.८×४.३	६	२६	”	”	-	पूर्ण	गणपति तत्व प्रकाशिख्या	८६०
१२×६	१३	४४	”	”	सं. १८६२	पूर्ण		८६१
६.६×४.३	१०	३२	”	”	-	पूर्ण	पद्मपुराण, माघ माहात्योक्त	८६२
१०×४.३	७	३७	”	”	-	पूर्ण		८६३
६.८×४.४	६	२६	”	”	-	पूर्ण		८६४
१०×४.५	६	३५	”	”	-	पूर्ण		८६५
६.३×४.५	१०	३५	”	”	सं. १८६०	पूर्ण	भागवतपुराणोक्त	८६६
६.२×४.२	७	३२	”	”	१८६६	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	८६७
६.५×४	८	३२	”	”	-	पूर्ण		८६८
६.५×४.२	६	२६	”	”	-	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	८६६
६.७×५	७	३१	”	”	१८४६	पूर्ण	भैरव भैरवी कल्पोक्त	८७०
८.७×३.५	७	२६	”	”	-	पूर्ण	सुदर्शन संहितोक्त	८७१
६×४	७	३३	”	”	१८१८	पूर्ण		८७२
७.७×३.४	७	२७	”	”	१६१६	पूर्ण		८७३
१०×४.३	७	२५	”	”	-	पूर्ण		८७४
१०×४	६	३७	”	”	-	पूर्ण		८७५
६.५×४	८	३१	”	”	शक १५३६	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	८७६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
८७७	१३४३	रजस्वला मंत्रोद्धार स्तोत्र	–	१-३
८७८	११०५	गंगाष्टक	हनुमत्	१,२,४
८७९	१३६१	गणपति द्वादश नाम	–	१-२
८८०	६५४	विष्णु सहस्रनाम	–	१,२,४-२१
८८१	१०२५	सरस्वती स्तोत्र	–	१-६
८८२	६८६	वीरेश्वर स्तोत्र	–	१-६
८८३	१११६	बटुक आपदुद्धार स्तोत्र	–	१-६
८८४	११२८	सूर्य कवच	–	१-४
८८५	१२४६	पञ्चमुखी हनुमत् कवच	–	१-१३
८८६	८२२	विष्णु सहस्रनाम	–	१-३३
८८७	११३१	राम दुर्ग स्तोत्र	विश्वामित्र	१-४
८८८	११६१	एकमुखी हनुमत् कवच	–	१-७
८८९	६७६	हनुमत् कवच	रामचन्द्र	१-४
८९०	५४४६	वासुदेव सहस्रनाम	–	१-४०
८९१	५४४५	स्तोत्र चिन्तामणि	–	१-८
८९२	१०२८	प्रत्यगिंरा पिप्पलाद शाखीय कल्प	–	१-१४
८९३	३७४८	कृष्ण प्रेम रसामृत	कृष्ण चैतन्य चन्द्र	१-१६
८९४	५५६५	लक्ष्मण कवच	–	१-४
८९५	५६२८	प्रत्यगिंरा स्तोत्र	–	१-११
८९६	१०४२	त्रैलोक्य मोहन कवच	–	१-८

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.५×४.३	१०	२८	देवना.	कागज	-	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	८७७
१०.५×४.६	१५	४६	,,	,,	-	अपूर्ण	सटीक	८७८
८.७×४.५	६	१८	,,	,,	सं. १६२८	पूर्ण		८७६
६×३.८	८	२०	,,	,,	१८६०	अपूर्ण	महाभारत, शांतिपर्वोक्त	८८०
५.५×३.१	५	१६	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्मपुराण सनत्कुमार संहितोक्त	८८१
६.५×३.३	७	२३	,,	,,	-	पूर्ण	स्कंद पुराण काशी खण्डोक्त	८८२
६.१×३.७	८	१६	,,	,,	-	पूर्ण	विश्वसार रुद्रयामलोक्त	८८३
६.४×३.७	६	२१	,,	,,	१८७८	पूर्ण	ब्रह्मयामलोक्त	८८४
६.२×३.३	५	१२	,,	,,	१८७६	पूर्ण	सुदर्शन संहितोक्त	८८५
५.७×३.८	६	१५	,,	,,	-	पूर्ण	महाभारतोक्त	८८६
६.५×३.५	१०	२८	,,	,,	-	पूर्ण		८८७
६.४×३.६	८	१७	,,	,,	सं. १६२८	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	८८८
६.८×३.४	५	२२	,,	,,	-	पूर्ण		८८६
५.६×४	७	१६	,,	,,	-	पूर्ण	भागवत सार समुच्चय, वैश्वानरोक्त	८६०
६.५×४	८	२७	,,	,,	१६३६	पूर्ण	वाराह पुराणोक्त	८६१
६.३×३.५	६	२८	,,	,,	-	पूर्ण		८६२
६.५×३.४	५	२०	,,	,,	-	पूर्ण		८६३
६.५×४.२	७	१७	,,	,,	-	पूर्ण	नारद तन्त्रोक्त	८६४
७×३.६	७	३०	,,	,,	-	पूर्ण	चंडेशूलपाणि महातन्त्रोक्त	८६५
६.१×३.८	६	१७	,,	,,	शक १७६२	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	८६६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
८९७	८२८	नर्मदाष्टक	–	१-४
८९८	११२१	शिव कवच	–	१-१०
८९९	१२४६	रामरक्षा स्तोत्र	विश्वामित्र	१-१२
९००	११५६	बगलामुखी स्तोत्र	–	१-४
९०१	११६४	गणपति स्तोत्र	–	१-३
९०२	११६३	गोकुलाष्टक	विठ्ठलेश्वर	१-५
९०३	८४७	भारत सावित्री स्तोत्र	व्यास	१-१०
९०४	८७८	भगवती कीलक स्तोत्र	मार्कण्डेय	१-११
९०५	३८२७	कृष्ण भक्ति सुधा निधि	–	१-२२
९०६	५५६३	राम सहस्रनाम	–	१-१५
९०७	५६६२	अग्नि स्तोत्र	–	१-४
९०८	५६६१	प्रज्ञा वर्धन स्तोत्र	–	१-२
९०९	५६५४	गजेन्द्र मोक्ष स्तवराज	–	१-१६
९१०	५७०६	मुकुन्द माला	–	१-६
९११	५६०१	भवानी सहस्त्रानाम	–	१-१८
९१२	५७१८	गंगा दशहरा स्तुति	–	१-११
९१३	५७२३	गणेश सहस्रनाम	–	१-२६
९१४	५७१६	सरस्वती स्तोत्र	–	१-४
९१५	५७१२	पीयूष लहरी	जगन्नाथ	१-१७
९१६	११५५	शिव कवच	–	१-७
९१७	११६५	विष्णु शतनाम	–	१-३

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६×३.७	५	१६	दे.ना.	कागज	-	अपूर्ण		८६७
७.२×३.८	४	१५	,,	,,	१६११	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	८६८
७.५×२.७	५	२५	देवना.	कागज	-	पूर्ण		८६६
७×४.३	८	१६	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	६००
८×४.३	८	२५	,,	,,	-	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	६०१
६.३×४.४	१२	१६	,,	,,	-	पूर्ण		६०२
७.५×४	८	२२	,,	,,	सं. १८४५	पूर्ण	महाभारत, वैयासिक्यादि पर्वोक्त	६०३
७.६×४.५	६	२१	,,	,,	-	पूर्ण		६०४
६.५×३.४	५	२०	,,	,,	-	अपूर्ण		६०५
८.५×४	१०	३०	,,	,,	-	पूर्ण	पद्मपुराण, उत्तरखण्डोक्त	६०६
७.८×४.१	१०	२८	,,	,,	-	पूर्ण	मार्कण्डेय पुराणोक्त	६०७
६.५×४.१	१०	३७	,,	,,	-	पूर्ण	स्कंदपुराणोक्त पंचमुखी हनुमत् कवच भी है।	६०८
६.५×४.२	७	२२	,,	,,	-	पूर्ण	महाभारतोक्त	६०६
६.६×३.८	६	१६	,,	,,	-	पूर्ण		६१०
६.४×३.६	६	२०	,,	,,	सं. १८१७	पूर्ण		६११
४.८×३.१	८	१३	,,	,,	-	पूर्ण	स्कंदपुराणोक्त	६१२
८.६×४.३	६	२४	,,	,,	-	पूर्ण	पद्मपुराण महागणपति प्रोक्त	६१३
८.८×३.५	६	२४	,,	,,	-	पूर्ण		६१४
६×४.२	७	१६	,,	,,	शक १७७३	पूर्ण		६१५
७.६×४.२	१०	२४	,,	,,	शक १७५०	पूर्ण	स्कंद पुराण, ब्रह्मोत्तर खण्डोक्त	६१६
६.४×४.२	७	२५	,,	,,	सं. १६१६	पूर्ण	विष्णु पुराणोक्त	६१७

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
६१८	११२२	शिव कवच	–	१-४
६१६	११३८	भीष्म स्तवराज	–	१-१६
६२०	११२४	हनुमत् कवच	–	१-६
६२१	६७७	पंचमुखी हनुमत् कवच	–	१-४
६२२	६७०	महिषासुरमर्दिनी स्तोत्र	शंकराचार्य	१-७
६२३	६६७	राम स्तवराज स्तोत्र	–	३-१४
६२४	६८०	लक्ष्मी स्तोत्र	–	१-४
६२५	१३८५	सरस्वती स्तोत्र	–	१-२
६२६	१३८४	हरिहरात्मक स्तोत्र	धर्म्मराज	१-७
६२७	११२३	अभिलाषाष्टक	–	१-४
६२८	११३१५	देवी कवच	हरिहर ब्रह्मा	१-६
६२६	११२५	हरिनाम माला स्तोत्र	शंकराचार्य	१-४
६३०	८६७	धनदा कवच स्तोत्र	–	१-६
६३१	१३३६	नवार्ण मंत्र विनियोग (चण्डी पाठ)	–	१-६
६३२	५३५६	विष्णु स्तोत्र	–	१-२
६३३	५५०७	शिव ताण्डव स्तोत्र	दशबदन	१-४
६३४	५४००	पंचक स्तोत्र	–	१-३
६३५	५३६८	अष्टोत्तर दिव्यधाम	–	१-५
६३६	५३४७	वेंकटेश सहस्रनाम	–	१-१६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.१×४	८	१८	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	६१८
६.७×४.१	७	२०	”	”	–	पूर्ण	महाभारतोक्त	६१६
६.१×४.३	६	१७	”	”	–	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	६२०
६.५×४	६	२३	”	”	सं. १८७१	पूर्ण	आकाश भैरव कल्पोक्त	६२१
६.८×४.६	६	२०	”	”	–	पूर्ण		६२२
६.८×३.५	६	२३	”	”	–	अपूर्ण	सनत्कुमार संहितोक्त	६२३
८.२×४.४	७	२१	”	”	–	पूर्ण		६२४
७.६×४.४	७	२५	”	”	सं. १६०६	पूर्ण		६२५
७.६×४.४	८	२८	”	”	–	पूर्ण	स्कंद पुराण, काशी खण्डोक्त गुरु पद्धति भी है।	६२६
७×४.६	६	१६	”	”	–	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	६२७
६.४×४.६	८	१४	”	”	–	पूर्ण		६२८
६.६×४.२	७	२१	”	”	सं. १८६३	पूर्ण		६२६
६.४×३.३	५	२१	”	”	१८६०	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त। धनदा मंत्र भी साथ-साथ है।	६३०
७.५×३.६	५	२२	”	”	–	पूर्ण		६३१
६.६×४.२	७	२६	”	”	–	पूर्ण	नृसिंह पुराणोक्त	६३२
६.७×४.८	८	१६	”	”	–	पूर्ण		६३३
७×३.५	५	२२	”	”	–	पूर्ण		६३४
६.७×३.७	१०	२२	”	”	सं. १६५६	पूर्ण		६३५
८.६×३.६	७	३०	”	”	१७५६	पूर्ण	मार्कण्डेय पुराणोक्त	६३६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
६३७	५३५२	शिखरणी माला स्तव	अप्पयदीक्षित	१-७
६३८	५३५४	वराह कवच	-	१-१२
६३९	५३५५	गोविन्द स्तव	-	१-२
६४०	५३५६	ललिता देवी सहस्र नाम	-	१-१०
६४१	५३८३	रुद्र कवच	दुर्वाशा	१-३
६४२	५३७६	शिव वर्म कवच	-	१-८
६४३	२४६	अन्नपूर्णा कवच	-	१-२
६४४	२४७	निम्बादित्य स्तोत्र	-	१-१४
६४५	२५६	गायत्री कवच स्तोत्र	-	१-७
६४६	२३६	अन्नपूर्णा मंत्र स्तोत्र	-	१-३
६४७	२३६	चिन्तामणि गणपति कवच	-	१-५
६४८	२३७	त्रिपुर सुन्दरी	-	१-५
६४९	२३८	गायत्री कवच	-	१-२
६५०	२६३	स्तोत्र पचक	जय कृष्णदास	१-४
६५१	२४६	व्यासाष्टक	-	१-२
६५२	२५८	राम त्रैलोक्य मोहन कवच	-	१-३
६५३	२४८	भवानी भुजंग स्तोत्र	शंकराचार्य	१-२
६५४	२४५	बृहस्पति स्तोत्र	-	१
६५५	२४२	मंगलाष्टक	-	१-४
६५६	१६६	अन्नपूर्णा कवच	-	१-२
६५७	७६०	गोपाल सहस्रनाम	-	३-३२
६५८	७३५	चण्डी स्तोत्र	नागोजी भट्ट	१-८
६५९	७३०	विधिनिषेधशिक्षा क्रिया स्तव	-	१-४
६६०	७७८	सिद्ध महालक्ष्मी सहस्र नाम	-	१-६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१०.२×४.३	११	३६	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण		६३७
६.६×४.३	७	२७	,,	,,	–	पूर्ण	हयग्रीव पंचरात्रोक्त। वामन कवच भी है।	६३८
६.७×४.५	६	२५	,,	,,	–	पूर्ण	आदि वाराहपुराणोक्त	६३६
६.६×४.५	१४	५०	,,	,,	–	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	६४०
८.३×३.३	७	३४	,,	,,	–	पूर्ण		६४१
६.५×३.७	७	२३	,,	,,	–	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	६४२
६.८×५	६	२८	,,	,,	–	पूर्ण		६४३
६.८×४.५	१०	३४	,,	,,	–	अपूर्ण		६४४
११×४.८	११	४२	,,	,,	–	पूर्ण		६४५
६.८×५	६	२६	,,	,,	–	पूर्ण		६४६
६.५×४.५	६	२५	,,	,,	सं. १८६०	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	६४७
१०×४.४	८	३४	,,	,,	–	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	६४८
१०.३×४.५	६	३६	,,	,,	–	पूर्ण		६४६
१०×४.५	६	३१	,,	,,	–	पूर्ण		६५०
१०×४.४	७	२६	,,	,,	–	पूर्ण	स्कंदपुराण, काशी खण्डोक्त	६५१
१०.१×४.५	८	२५	,,	,,	१८८७	पूर्ण	ब्रह्मयामलोक्त	६५२
६.५×३.८	८	३२	,,	,,	–	पूर्ण		६५३
६.१×४.१	७	२८	,,	,,	–	पूर्ण	स्कंदपुराणोक्त	६५४
६.७×४.३	१०	४४	,,	,,	–	पूर्ण		६५५
७.१×४	६	२६	,,	,,	–	पूर्ण	भैरव तन्त्रोक्त	६५६
१०.३×४.५	६	२८	,,	,,	–	अपूर्ण	कीटानुविद्ध	६५७
१०×४.५	८	३६	,,	,,	–	पूर्ण		६५८
६.८×४.६	१०	२६	,,	,,	–	पूर्ण		६५६
६.२×४.५	११	३५	,,	,,	सं. १७६५	पूर्ण		६६०

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
६६१	७६६	शिव रहस्य सर्वमंत्रोत्कीलन नाम स्तोत्र	-	१-२
६६२	७८१	शरभ कवच	-	१-४
६६३	७२२	आदित्य हृदय स्तोत्र	-	१-१०
६६४	७०७	काली सहस्राक्षरी	-	१-२
६६५	२४३	अन्नपूर्णा स्तोत्र	-	१-३
६६६	७८३	त्रिमुखी हनुमान कवच	-	१-४
६६७	२१०	इन्द्राक्षी स्तोत्र	-	१-६
६६८	१६४	नृसिंह कवच	-	१-३
६६९	२०५	राम खण्ड माला मंत्र	-	१-८
६७०	२०८	सौन्दर्य लहरी	शंकराचार्य	१-१२
६७१	१७६	दशश्लोकी प्रकरण	निम्वार्क	१-२
६७२	१५६	दुर्गा स्तोत्र	-	१-२
६७३	१५७	कालिका स्तोत्र	धमणी	१-२
६७४	७३४	त्रिशति स्तोत्र त्रिपुर सुन्दरी		१-५
६७५	७६७	पक्षिराज कवच	-	१-११
६७६	५७६६	बटुक भैरव स्तवराज	-	१-१६
६७७	५८०१	हरिहर स्तोत्र	चण्डीदास	१-१०
६७८	५८३४	दुर्गा सप्तशती	-	३-१०६
६७९	५८३३	शिव भक्ति स्तोत्र	लंकेश्वर	१-३७
६८०	५५८६	नृसिंह कवच	-	१-३
६८१	५५७३	वेद साराख्य शिव सहस्त्रनाम	-	१-७

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८.१×४.३	६	३३	,,	,,	१८६६	पूर्ण		९६१
१०.५×४.५	१२	५५	,,	,,	१८६७	पूर्ण	आकाश भैरव कल्पोक्त	९६२
६.५×४.३	६	३४	,,	,,	–	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	९६३
१२×४.५	१३	४८	,,	,,	–	पूर्ण	गौरीयामलोक्त	९६४
६.८×५	६	३०	,,	,,	–	पूर्ण		९६५
११×४.८	६	३१	,,	,,	–	पूर्ण	अथवर्ण रहस्योक्त	९६६
८×४	५	२७	,,	,,	–	पूर्ण	स्कंद पुराण, काशी खण्डोक्त	९६७
१०.१×४.५	६	३१	,,	,,	–	पूर्ण		९६८
१०.१×४.३	८	२४	,,	,,	–	पूर्ण	अथवर्ण रहस्योक्त	९६९
५.३×६.३	१७	२०	,,	,,	–	पूर्ण		९७०
१०×४.६	१०	२७	,,	,,	–	पूर्ण		९७१
६.१×३.६	८	३४	,,	,,	–	पूर्ण		९७२
६.५×४.५	६	३२	,,	,,	सं. १८८३	पूर्ण		९७३
१०.२×४.४	१४	३८	,,	,,	–	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	९७४
६×४.२	७	३१	,,	,,	१८८८	पूर्ण	आकाश भैरव कल्पोक्त	९७५
६.३×४.३	५	२०	,,	,,	सं. १९४८	पूर्ण	रुद्रयामल, डामर तन्त्रोक्त	९७६
६.४×६.२	६	२५	,,	,,	–	पूर्ण		९७७
७.३×४.३	७	२१	,,	,,	–	अपूर्ण		९७८
७.८×४.८	४	१५	,,	,,	–	पूर्ण	इसमें हराष्टक, शिव शंकर स्तोत्र है।	९७९
६.३×४.२	७	२६	,,	,,	१७७०	पूर्ण	नृसिंह पुराणोक्त	९८०
६.८×४.४	१७	३८	,,	,,	–	पूर्ण	पदम् पुराणे, उत्तर खण्डोक्त	९८१

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
९८२	५६६८	जन्म रहस्य स्तोत्र	–	१-४
९८३	५५७४	शिव कवच	–	१-६
९८४	५६६९	कार्तवीर्यार्जुनाष्टोत्तरशत नामावली	–	१-३
९८५	५९	राम हृदय स्तोत्र	–	१-१२
९८६	४४	हनुमान कवच	–	१-५
९८७	१७	तारा स्तोत्र	–	१-२
९८८	३९	सरस्वती स्तोत्र	–	१-२
९८९	४५८५	व्यासाष्टक	–	१-१
९९०	४४५०	विश्वनाथाष्टक	–	१-१
९९१	४४४२	विल्वाष्टक स्तोत्र	–	१-३
९९२	४५९४	श्रीनाथ पादुका स्तोत्र	–	१-१
९९३	४५५१	हरिहर ताण्डव स्तोत्र	शंकराचार्य	१-१
९९४	४५५४	गणेश पंचरत्न	–	१-३
९९५	४६१९	चर्पटिका स्तोत्र	शंकराचार्य	१-२
९९६	४४२३	कालिका स्तोत्र	–	१-२३
९९७	४४३०	गंगाष्टक	वाल्मीकि	१-२
९९८	४४१५	नीलकण्ठ स्तोत्र	–	१-५
९९९	४४२६	विष्णु पञ्जर स्तोत्र	–	१-७
१०००	३८२२	पञ्चमुखी हनुमत् कवच	–	१-१०

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८.२×३.४	८	२८	दे.ना	कागज	–	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	९८२
८.५×४	१२	२२	,,	,,	शक १६१३	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	९८३
८.२×४.३	१०	२१	,,	,,	–	पूर्ण	सुदर्शन संहितोक्त	९८४
८.६×४.८	७	२०	,,	,,	–	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	९८५
९.६×४.८	६	३१	,,	,,	–	पूर्ण	सुदर्शन संहिता, रामचन्द्र प्रोक्त	९८६
९.५×४.२	१०	३५	,,	,,	–	पूर्ण	नील तन्त्रोक्त	९८७
९.३×४.३	११	३२	,,	,,	–	पूर्ण		९८८
८.३×४.१	१५	३६	,,	,,	–	पूर्ण		९८९
९.८×४.३	८	२७	,,	,,	–	पूर्ण		९९०
५.२×४.७	५	१७	,,	,,	सं. १७८१	पूर्ण	लिंग पुराणोक्त	९९१
१०×३.७	८	४६	,,	,,	–	पूर्ण	रुद्रयामल, परमानंद पटलोक्त	९९२
९×४.२	६	३१	,,	,,	–	पूर्ण		९९३
९.५×४.१	५	२१	,,	,,	–	पूर्ण		९९४
९.८×४.८	६	३६	,,	,,	–	पूर्ण		९९५
९.५×४.५	८	२०	,,	,,	–	पूर्ण	गोपाल स्तोत्र, काली अष्टक, ऋणहरण गणपति स्तोत्र, तिथि कवच, कालीशतनाम भी साथ में है।	९९६
९×३.८	१०	२३	,,	,,	–	पूर्ण		९९७
७×६.५	१०	१६	,,	,,	–	पूर्ण	डामर तन्त्रोक्त	९९८
५.१×३.६	६	१७	,,	,,	सं. १८२६	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	९९९
४.५×३	७	१३	,,	,,	–	पूर्ण	सुदर्शन संहितोक्त	१०००

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
१००१	४४२५	दुर्गा कवच	–	१-२
१००२	३८३६	रामदिव्य त्रैलोक्य तारककवच	–	१-७
१००३	१६१	राम रक्षा स्तोत्र	–	१-५
१००४	१६३	मणिकर्णिका स्तोत्र	–	१-७
१००५	१६१	रस राज मंत्र	–	१-४
१००६	१६२	गंगाष्टक	शंकराचार्य	१-३
१००७	१६४	सरस्वती स्तोत्र	–	१-३
१००८	१६५	मल्लारी	कवच	१-८
१००९	१६७	वेंकटेश सहस्रनाम	–	१-३१
१०१०	६०१	महागणपति स्तोत्र	–	१-४
१०११	८३५	महालक्ष्मी स्तोत्र	रामचन्द्र	१-२
१०१२	८३८	अपराध सुन्दर स्तोत्र	शंकराचार्य	१-३
१०१३	५२८	नारायण कवच	–	१-५
१०१४	६१	नृसिंह कवच	–	१-२
१०१५	६७	गायत्री स्तवराज	–	१-५
१०१६	१५०	सप्तशती स्तोत्र	–	१-२
१०१७	१४८	दामोदर मंत्र	–	१-१
१०१८	१४५	श्रीराम त्रैलोक्य मोहन कवच	–	१-४
१०१९	१४४	त्रिपुर सुन्दरी सहस्रनाम	–	१-८
१०२०	६४	अपराध सुन्दर स्तोत्र	शंकराचार्य	१-४
१०२१	१४३	ढुंढ़िराज स्तोत्र	शंकराचार्य	१-२
१०२२	१४२	ब्रह्म नामावली	शंकराचार्य	१-१
१०२३	१३२	रामार्चन सोपान	शिवलाल पाठक	१, ३-११
१०२४	१२०	हनुमत् स्तोत्र	विभीषण	१-१
१०२५	४५	प्रत्यगिंरा कल्प	–	१-१०

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.४×४.१	५	२०	दे.ना	कागज	–	पूर्ण		१००१
५.५×२.५	६	२३	”	”	–	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	१००२
५.२×३.५	१०	१६	”	”	–	पूर्ण		१००३
४.८×३	५	१३	”	”	–	पूर्ण		१००४
५.३×३	५	१७	”	”	–	पूर्ण		१००५
५.७×३	६	२१	”	”	१८०८	पूर्ण		१००६
५.७×३.२	६	२३	”	”	–	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराण, ब्रह्मोक्त	१००७
४.८×३.२	६	१४	”	”	–	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	१००८
४.५×३.२	८	१३	”	”	–	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	१००९
५.५×३.३	६	१६	”	”	–	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	१०१०
६×४.८	१०	२६	”	”	सं. १८७७	पूर्ण	पद्म पुराण, उत्तर खण्डोक्त	१०११
६.५×४.२	६	३४	”	”	–	पूर्ण		१०१२
१०×४.४	७	३४	”	”	–	पूर्ण	भागवत पुराणोक्त	१०१३
६.२×४.७	६	३४	”	”	–	पूर्ण	नृसिंह पुराणोक्त	१०१४
६×४.८	६	३१	”	”	–	पूर्ण		१०१५
१०.८×४.८	६	३८	”	”	–	पूर्ण		१०१६
६×४.३	१०	३२	”	”	–	पूर्ण		१०१७
८.८×४.५	८	३५	”	”	–	पूर्ण	ब्रह्मयामल तन्त्रोक्त	१०१८
१०×४.८	१२	४०	”	”	–	पूर्ण		१०१९
६.३×४.३	६	२७	”	”	सं. १८४४	पूर्ण		१०२०
६.६×४.४	८	२५	”	”	१८८०	पूर्ण		१०२१
१०.३×५	११	३२	”	”	–	पूर्ण	जीर्ण	१०२२
१०×४.५	१३	४२	”	”	–	अपूर्ण		१०२३
८.४×४.५	६	३२	”	”	–	पूर्ण		१०२४
१०×४.५	६	३२	”	”	१६४६	पूर्ण		१०२५

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
१०२६	१६	दत्तात्रेय अष्टाक्षर मंत्र	नारायण	१-५
१०२७	३२	नारायण सहस्रनाम	-	१-४, ६-११
१०२८	३३	गणाधिपति स्तोत्र	-	१-३
१०२६	३५	जिन्तते स्तोत्र	-	१-५
१०३०	३६	सरस्वती स्तोत्र	आश्वलायन	१-४
१०३१	३४	शनिश्चर स्तोत्र	-	१-५
१०३२	१३	गंगा लहरी	-	१-४
१०३३	१४०८	हनुमत् कवच	रामचन्द्र	१-४
१०३४	३८०३	शिवार्या स्तोत्र	अप्पय दीक्षित	१-१०
१०३५	५३३४	राम सहस्रनाम	-	१-६
१०३६	५३३५	पितृ स्तोत्र	रुचि	१-६
१०३७	५३३८	रामकर्णामृतशतश्लोक	रामभद्र दीक्षित	१-१२
१०३८	५१७१	सुन्दरेश स्तुति	रामानुजाचार्य	१-२२
१०३६	५१६६	षोडशायुध स्तुति	वैंकटनाथ	१-५
१०४०	५१११	सुदर्शन कवच	-	१-४
१०४१	७०६	जितन्ते स्तोत्र	-	१-८
१०४२	६७५	उच्छिष्ट गणेश कवच	-	२-८
१०४३	५७१६	शत्रुञ्जय स्तोत्र	-	१-२
१०४४	७२४	हनुमत् कवच	-	१-५
१०४५	५६४५	वैकुण्ठ स्तव	-	१-१०
१०४६	५६३८	अज्ञात नाम स्तोत्र	-	१-४
१०४७	५६३६	यतिराज सप्तति	रामानुजदास	१-६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१०.१X४.४	८	२३	दे.ना	कागज	-	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	१०२६
६.५X४.५	१०	३१	”	”	-	अपूर्ण		१०२७
६.७X४.३	७	२८	”	”	-	पूर्ण	रामायणोक्त	१०२८
१०.७X४.५	१२	४०	”	”	-	पूर्ण	नारद पंचरात्रागमोक्त	१०२६
६.५X४.४	६	३३	”	”	सं. १७८६	पूर्ण		१०३०
६.५X४.३	६	२३	”	”	-	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	१०३१
१०.५X४	१२	६०	”	”	-	पूर्ण		१०३२
११.६X५.२	६	३४	”	”	सं. १६२५	पूर्ण	सुदर्शन संहितोक्त	१०३३
१०X५.५	६	२७	”	”	शक १७६०	पूर्ण		१०३४
१०.५X५.५	१३	३५	”	”	-	पूर्ण	ब्रह्मयामल तन्त्रोक्त। रकारादि	१०३५
११.७X५.२	८	३२	”	”	सं. १६१७	पूर्ण		१०३६
१०.३X६	१२	२६	”	”	-	पूर्ण		१०३७
१४X५.५	१०	५३	”	”	-	पूर्ण		१०३८
१४.५X६	६	४६	”	”	-	पूर्ण		१०३६
१२.५X५.५	६	३२	”	”	-	पूर्ण	विहगेश्वर संहितोक्त	१०४०
१२.२X५.६	६	३२	”	”	-	पूर्ण	पंचरात्रागम महोपनिषद् ब्रह्मतन्त्रोक्त	१०४१
११.८X५	६	३८	”	”	-	अपूर्ण		१०४२
६.६X४.५	१०	२६	”	”	-	पूर्ण		१०४३
१०.७X५.८	११	३५	”	”	-	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराण, रामोक्त	१०४४
१२.४X५.४	१०	३५	”	”	-	पूर्ण		१०४५
१०.२X४.४	६	२७	”	”	-	पूर्ण		१०४६
११X५.४	१०	४०	”	”	-	पूर्ण		१०४७

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
१०४८	५६३५	गुणरत्न कोष स्तोत्र	–	१-५
१०४६	५६३२	विर्ष्णोदिव्य सहस्रनाम	–	१-१०
१०५०	५४६४	गोपाल सहस्त्रनाम	–	१-१५
१०५१	५११८	विष्णु गायत्री मंत्रोच्द्धार	–	१-३६
१०५२	५२००	गरुड पंचाक्षरी कल्प विग्रह	–	१-१३
१०५३	५१६०	सुदर्शन सहस्रनाम	–	१-१२
१०५४	५३४०	वैकुण्ठ स्तोत्र	वत्सांक मिश्र	१-२४
१०५५	५३३६	सुदर्शन शतक	कूर नारायण स्वामी	१-१५
१०५६	५३३७	वरदराज स्तोत्र व्याख्या	रामानुजाचार्य	१-२५
१०५७	५३३६	श्री रंगराज स्तव	रामानुजाचार्य	१-२४
१०५८	५३४१	यतिराज विशंति स्तोत्र व्याख्यान	–	१-१८
१०५६	७५८	आत्मार्पण स्तुति	अप्पय दीक्षित	१-५
१०६०	१६७	जगन्मंगल कवच	–	१-४
१०६१	१६३२	आदित्य हृदय स्तोत्र	–	१-६
१०६२	१६८	श्री ब्रह्म स्तोत्र	–	१-२
१०६३	१८२२	जन्म रहस्य स्तोत्र	–	१-३
१०६४	१६४३	शिव कवच	–	१-५
१०६५	१६४४	हरिहरात्मक स्तव	–	१-४
१०६६	६२६	शिव सहस्रनाम	–	१-१७
१०६७	१४२१	त्रैलोक्य मंगल कवच	–	१-५

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
११×६.३	१३	३८	दे.ना	कागज	–	पूर्ण		१०४८
११×४.८	६	३३	,,	,,	–	पूर्ण	महाभारतोक्त	१०४९
१२.७×५	६	३६	,,	,,	सं. १८७४	पूर्ण	सम्मोहन तन्त्रोक्त	१०५०
१४.८×४.५	७	४२	,,	,,	–	पूर्ण	नारद पंचरात्रोक्त	१०५१
१६×५.८	६	५३	,,	,,	–	पूर्ण		१०५२
१४.८×६	६	५४	,,	,,	–	पूर्ण	विष्णु कवच, नृसिंह महामंत्र, नृसिंह कवच, प्रह्लाद कवच, नृसिंह पञ्जर साथ में हैं।	१०५३
१४×५.५	१३	५८	,,	,,	–	पूर्ण		१०५४
१४×५.५	८	४१	,,	,,	सं. १६०४	पूर्ण		१०५५
१४×५.५	१४	५०	,,	,,	–	पूर्ण		१०५६
१४×५.५	१३	५७	,,	,,	१६१०	पूर्ण		१०५७
१२.६×६	१४	४८	,,	,,	१८६६	पूर्ण		१०५८
६.४×४.४	११	४१	,,	,,	शक १७४५	पूर्ण		१०५९
८×४.५	१२	१६	,,	,,	१६१६	पूर्ण	भैरव तन्त्रोक्त	१०६०
६.२×४	६	३६	,,	,,	–	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१०६१
६.५×४.५	८	२७	,,	,,	–	पूर्ण	आध्यात्म रामायणोक्त	१०६२
८×४.१	१५	३२	,,	,,	–	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१०६३
८.५×४.२	६	२६	,,	,,	–	पूर्ण		१०६४
८.८×४.४	११	३६	,,	,,	–	पूर्ण	हरिहरवंशोक्त	१०६५
६.४×३.६	७	२१	,,	,,	–	पूर्ण		१०६६
६×३.६	८	१६	,,	,,	–	पूर्ण	सनत्कुमार तंत्रोक्त	१०६७

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
१०६८	५४४७	लक्ष्मी सहस्रनाम	–	१-३०
१०६९	५५३१	राज राजेश्वरी महात्रिपुर सुन्दरी कवच	–	१-१०
१०७०	५५३५	षट्पदी स्तोत्र	शंकराचार्य	१-२
१०७१	५५४०	मल्लारि सहस्रनाम	–	१-४४
१०७२	११७४	बाला त्रिशती	–	१-३
१०७३	११३५	उपदेश पञ्चक	शंकराचार्य	१-२
१०७४	१३६	मथुराष्टक	–	१-२
१०७५	५५३३	शिव कवच	–	१-६
१०७६	१३२६	सप्तशती गौरीपाठ	–	६६ गणनया
१०७७	५५८३	बदरी स्तोत्र	–	१-५
१०७८	५५६९	सुदर्शन चक्रस्तोत्र	बलि	१-४
१०७९	२४४०	प्रत्यगिंरा स्तोत्र	–	१-५५
१०८०	५५७२	सुकाष्टक	–	१-७
१०८१	५६७१	संकटनाशन स्तोत्र	–	१-५
१०८२	५४०	दुर्गासप्तशती सटीक	नागोजी भट्ट	८७ गणनया
१०८३	५३५	भीष्म स्तवराज स्तोत्र	–	१-६
१०८४	५४७८	कार्तवीर्य स्तव	–	१-१०
१०८५	५५५६	गंगा देवी स्तोत्र	–	१-२
१०८६	५५५९	पितृ स्तोत्र	–	१-५

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.६×३.५	६	१४	दे.ना	कागज	सं. १८३५	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त देवी रहस्योक्त	१०६८
६.८×३.४	६	२३	”	”	-	पूर्ण	वामकेश्वर तन्त्रोक्त	१०६९
७×३.५	७	३२	”	”	-	पूर्ण		१०७०
५.३×३.५	६	१५	”	”	शक १६६७	पूर्ण		१०७१
६.५×३.७	७	२७	”	”	-	अपूर्ण		१०७२
७.१×३.७	६	२६	”	”	-	पूर्ण		१०७३
७.५×४.५	७	१६	”	”	-	पूर्ण		१०७४
७×३	६	२७	”	”	-	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	१०७५
८.३×४	८	३८	”	”	-	अपूर्ण	मार्कडेय पुराणोक्त	१०७६
१२.५×४.५	६	४१	”	”	-	पूर्ण		१०७७
११.६×४.६	७	२६	”	”	-	पूर्ण		१०७८
८×३.५	१०	३४	”	”	-	पूर्ण	प्रत्यङ्गिरा कवच, बगला मुखी स्तोत्र, अधोर कवच, शिव सहस्रनाम, शरभाष्टक, शरभशाल्व मंत्र, शरभ सालुव पक्षिराज कल्प भी है।	१०७९
५.५×६.८	२२	२३	”	”	सं. १८५३	पूर्ण		१०८०
१३.५×४.५	७	४३	”	”	-	पूर्ण	विष्णुधर्मोत्तरोक्त	१०८१
११×५.७	११	३६	”	”	१६०६	अपूर्ण		१०८२
१०.६×५.८	६	२६	”	”	१६१४	पूर्ण	महाभारतोक्त	१०८३
११.५×५.६	६	३२	”	”	-	पूर्ण	डामरेश्वर तन्त्रोक्त	१०८४
८.६×३.८	८	२७	”	”	-	पूर्ण	वराह पुराणोक्त	१०८५
७.८×४.२	१०	२६	”	”	सं. १६०४	पूर्ण	मार्कण्डेय पुराणोक्त	१०८६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
१०८७	५५६१	वासुदेव कवच	ब्रह्मा	१-३
१०८८	५४८५	लक्ष्मण कवच	-	१-६
१०८९	५४८८	नारायण हृदय स्तोत्र	-	१-३
१०९०	५४८९	महालक्ष्मी हृदयात्मक स्तोत्र	-	१-६
१०९१	५४९३	हंस गुह्य स्तोत्र	-	१-४
१०९२	५४९६	रामचन्द्र स्तवराज	-	१-६
१०९३	५४९५	लक्ष्मी नृसिंह स्तोत्र	-	१-१९
१०९४	५५६०	लक्ष्मी नृसिंह दिव्य पंजर स्तोत्र	-	१-५
१०९५	४३४०	लिंगाष्टक	शंकराचार्य	१-२
१०९६	४३७६	सौन्दर्य लहरी स्तोत्र	शंकराचार्य	१-५, ७-१३,
१०९७	४०००	गायत्री हृदय	-	१-५
१०९८	३६८४	दया शतक	वेदांताचार्य	१-१४
१०९९	३६८५	अभीति स्तव	वेदांताचार्य	१-७
११००	३६८६	व्यास तिलक	वेदांताचार्य	१-८
११०१	३९६१	सौन्दर्य लहरी	-	१-१०
११०२	५४६६	सुदर्शन शतक	-	१-१३
११०३	३६५०	सहस्रनाम विवरण	विद्यारण्यतीर्थ	१-२०
११०४	५२४६	विष्णु नामावली	-	१-१३
११०५	१९७२	ललिता नाम त्रिशति स्तोत्र	-	१-२१
११०६	५८२८	स्तोत्र विषयक	संखधर भट्ट	१-४
११०७	३६५३	कृष्ण चरण परिचर्यावृति	विद्यारण्य	१-५३
११०८	३७४२	कवच संग्रह	-	१-८०
११०९	५७८५	नृसिंह सहस्रनाम स्तोत्र	-	१-३५
१११०	३७४६	राधा सुधा निधि स्तव	हित हरिवंश गोस्वामी	१-३४

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.५×४.५	७	२६	दे.ना	कागज	–	पूर्ण	इसमें ब्रह्मपार स्तोत्र भी है।	१०८७
८×३.३	६	१६	,,	,,	१६००	पूर्ण	सुदर्शन संहितोक्त	१०८८
१०.५×५.५	१२	३८	,,	,,	–	पूर्ण	अथवर्ण रहस्योक्त	१०८६
१०.५×५.५	१३	३७	,,	,,	–	पूर्ण	अथवर्ण रहस्योक्त	१०६०
८.८×५.८	६	२२	,,	,,	१६००	पूर्ण	भागवत महापुराणोक्त	१०६१
१०.७×४.६	८	४६	,,	,,	१६१०	पूर्ण	सनत्कुमार संहितोक्त	१०६२
१०.७×४.६	८	३५	,,	,,	१६०८	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	१०६३
१२.५×५.४	१३	३१	,,	,,	–	पूर्ण	अथवर्ण रहस्योक्त	१०६४
११×४.८	७	३१	,,	,,	–	पूर्ण		१०६५
११×४.६	१०	३८	,,	,,	सं. १८१३	अपूर्ण		१०६६
६.५×४.२	६	३०	,,	,,	–	अपूर्ण		१०६७
६.२×४.५	८	२६	,,	,,	–	पूर्ण		१०६८
६.६×४.५	७	२६	,,	,,	१८६६	पूर्ण		१०६६
७.५×४.८	६	१६	,,	,,	–	पूर्ण		११००
७.६×५.२	१०	३६	,,	,,	–	अपूर्ण		११०१
१०.८×६.५	१३	३०	,,	,,	–	पूर्ण		११०२
११.२×६.४	१०	४०	,,	,,	१६०८	पूर्ण		११०३
१०×४.४	१०	३५	,,	,,	–	पूर्ण		११०४
६.६×४.६	७	१६	,,	,,	–	पूर्ण	ब्रह्माण्ड पुराणोक्त	११०५
१३.२×४.५	१७	७०	,,	,,	१६१५	पूर्ण	ग्रन्थनामोल्लेख नहीं।	११०६
११.८×५	७	४०	,,	,,	–	पूर्ण		११०७
८.६×४.४	७	२४	,,	,,	–	पूर्ण	रुद्रयामले तन्त्रोक्त	११०८
१४×५.४	१४	४८	,,	,,	–	पूण	रुद्रयामले तन्त्रोक्त	११०६
८.५×४.६	१०	३१	,,	,,	–	पूर्ण		१११०

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
११११	५२५	दुर्गा सप्तशती	रामाश्रय (टी)	१-११८
१११२	५२४७	विष्णु सहस्त्रनाम	श्रीमद् शंकराचार्य (भाष्यकार)	१-६५
१११३	५१६४	वरदराज स्तोत्रम	रामानुज (व्या.)	१-२४
१११४	१६६६	शिवानन्द लहरी	शंकराचार्य	१-८
१११५	४२६	दुर्गा सप्तशती	रघुनाथ (टीकाकार)	१-६७
१११६	६००	दुर्गासप्तशती	-	८८ गणनया
१११७	५०२६	सरस्वती स्तोत्र	-	२८ गणनया
१११८	४०८६	विष्णु सहस्रनाम	-	१-२३२
१११९	४३२२	स्तोत्र संग्रह	बल्लभाचार्य, विठ्ठनेश्वर हरिराय एवं हरिदास	१२६ गणनया
११२०	४३०१	राम्र पंच रत्न	-	१-२
११२१	४०३३	गणपतिसहस्रनामपंजर कवच	-	३३ गणनया
११२२	४६२२	सरस्वती स्तोत्र	-	१
११२३	४६१७	रामाष्टक स्तोत्र	-	१-२
११२४	४४२८	बोध लहरी	-	१
११२५	४४६७	गायत्री कल्प कवच	-	१-६
११२६	४५२०	श्री मंगल स्तोत्र	-	१-३
११२७	४५८३	सर्वसिद्धि कवच	-	१-२
११२८	४४२४	त्रिवेण्याष्टक	मुरलीधर यजुर्वेदी	१-२
११२९	४६१८	नीलकंठ स्तोत्र	-	१-२

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१०.५×४.६	६	२७	दे.ना	कागज	-	पूर्ण	सटीक	१११९
१३×६.२	११	४१	"	"	सं. १८७०	पूर्ण	महाभारतोक्त भाष्य सहित	१११२
१४×७.४	१५	५१	"	"	-	पूर्ण	व्याख्या सहित	१११३
१३.५×८.४	१५	३२	"	"	-	पूर्ण		१११४
१०.८×४.६	१४	३६	"	"	१६२१	पूर्ण	मार्कण्डेय पुराणोक्त सटीक	१११५
११×४	८	४१	"	"	-	अपूर्ण		१११६
८.५×६.५	११	२४	"	"	-	पूर्ण	साथ में शिव पंचाक्षर मंत्र, अन्नपूर्णाष्टक शंकर, दैशिकाष्टक स्तोत्र भी है व्याकरण विषयक सामग्री भी है	१११७
७.३×४.३	६	१५	"	"	-	पूर्ण	अनुस्मृति भीष्मस्तवराज, गजेन्द्र मोक्ष, भगवद् गीता भी है।	१११८
५.३×६.३	१५	१२	"	"	-	पूर्ण	जीर्ण	१११६
६.५×५.४	११	१७	"	"	-	पूर्ण		११२०
७×४.५	८	१८	"	"	-	अपूर्ण	यमुनास्तोत्र, यमुनाकवच, गणपति वज्रकवच भी सम्मिलित है	११२१
६.३×४.३	७	२८	"	"	-	पूर्ण		११२२
१०.२×४.४	७	४१	"	"	-	पूर्ण	गणेश भुजंग भी है।	११२३
११.८×५	१४	५३	"	"	-	पूर्ण	जीर्ण एवं खण्डित	११२४
१०×४.७	११	४५	"	"	-	पूर्ण		११२५
४.६×३.२	६	२०	"	"	-	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	११२६
८.३×३.५	१२	५३	"	"	-	पूर्ण		११२७
४.५×१३.२	४०	१५	"	"	-	पूर्ण		११२८
६×३.७	८	१८	"	"	-	अपूर्ण		११२६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
११३०	४८५८	सरस्वती स्तवन	–	१
११३१	४८१३	यमुना कवच	–	१-२
११३२	४८८६	प्रत्यगिंरा स्तोत्र	–	१-३, ५,६
११३३	४८६३	षट्पदी	–	१-२
११३४	४८६८	नीलकंठ स्तोत्र	व्यास	१-२
११३५	४६०२	गणेश कवच	–	१-३
११३६	४६०६	जितन्ते स्तोत्र	–	१-२
११३७	४६१०	बंदी मोचन	शंकराचार्य	१-२
११३८	४६११	दिव्य षोडश नाम स्तोत्र	–	१-२
११३६	४६१२	कीलक	–	१-१३
११४०	४६१६	गोपालाष्टक	शंकराचार्य	१-४
११४१	४६१५	भुवनेश्वरी स्तव	–	१-२
११४२	४६२१	बंदी स्तोत्र	–	१-३
११४३	४८५५	तारा स्तवराज	–	१-२
११४४	४८५२	हनुमानाष्टक	रामचन्द्र	१-३
११४५	५०५४	मल्लारि भुजंग	–	१-२
११४६	५०५७	बिल्व पत्राष्टक	–	१-२
११४७	५०५६	महा विद्या स्तोत्र	–	१-२
११४८	५०७४	मंगलाष्टक	–	१-४
११४६	५०७६	विश्वनाथाष्टक	वेद व्यास	१-५
११५०	५०७६	सूर्याष्टक	–	१-२
११५१	५०८२	शिव रक्षा स्तोत्र	–	१-२
११५२	५०८३	संकटा स्तोत्र	–	१-३
११५३	५०८५	दशावतार स्तोत्र	शंकराचार्य	१-४

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
७×३.६	१८	४५	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण	ब्रह्म वैवर्तोक्त	११३०
४.५×२.७	५	२४	,,	,,	–	पूर्ण	गर्गाचार्य संहितोक्त	११३१
४.२×२.५	५	१४	,,	,,	सं. १८५६	अपूर्ण	रुद्रयामलेश्वरोक्त	११३२
४.३×३.२	७	१४	,,	,,	–	पूर्ण		११३३
५.२×३.१	७	२४	,,	,,	–	पूर्ण		११३४
४.८×३	११	३२	,,	,,	१७६७	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	११३५
५.३×३.२	७	२२	,,	,,	–	पूर्ण		११३६
५×३.३	७	१६	,,	,,	–	पूर्ण		११३७
५.३×३.८	६	१५	,,	,,	–	पूर्ण	गरुड पुराणोक्त, विष्णु से सम्बद्ध	११३८
५×३.४	७	१७	,,	,,	–	पूर्ण	भगवती का है।	११३९
५.५×४.१	५	१८	,,	,,	सं. १८८२	पूर्ण		११४०
५×३.४	८	२४	,,	,,	–	पूर्ण		११४१
५.६×३.६	८	१५	,,	,,	–	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	११४२
७×३.७	७	२०	,,	,,	–	पूर्ण		११४३
५×३.२	६	१८	,,	,,	–	अपूर्ण		११४४
५.७×३.३	६	२३	,,	,,	–	पूर्ण		११४५
२.६×६	२४	६	,,	,,	–	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	११४६
४.५×३.५	७	१५	,,	,,	–	अपूर्ण		११४७
४.४×२.६	७	१८	,,	,,	सं. १७६७	पूर्ण		११४८
४.७×३	६	१२	,,	,,	–	पूर्ण		११४९
५.२×३.४	६	१८	,,	,,	–	पूर्ण		११५०
५.५×२.८	७	२०	,,	,,	–	पूर्ण	याज्ञवल्य प्रोक्त	११५१
५.५×३.५	७	२०	,,	,,	–	पूर्ण	पद्मपुराणोक्त	११५२
५.३×३.४	८	१६	,,	,,	–	पूर्ण		११५३

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
११५४	५०८६	त्रैलोक्य मंगल नाम सूर्य कवच	-	१-३
११५५	५०८८	हनुमान बड़वानल स्तोत्र	-	१-४
११५६	५०६१	पीताम्बरा सहस्रनामस्तोत्र	-	२-७
११५७	५०६७	सूर्य नमस्कार	-	१
११५८	५०४६	सरस्वती स्तोत्र	बृहस्पति	१-२
११५६	५०४६	सूर्य कवच	-	१-८
११६०	५०४३	पुष्पांजलि स्तोत्र	शंकराचार्य	१-६
११६१	५०११	त्रैलोक्य मंगल कवच	-	१
११६२	५०१७	इन्द्राक्षी स्तोत्र	-	१
११६३	५०२१	शिव सहस्रनामावली	-	१-१०
११६४	३८२६	गोपाल भटाष्टक	-	१-२०
११६५	५७१७	गणेश लहरी स्तोत्र	-	१-६
११६६	११७३	शाप मोचन सर्व मंत्रोत्कलीन स्तोत्र	-	१-४
११६७	५०८६	महिम्न स्तोत्र	पुष्पदन्त	१-१०
११६८	१२६८	गंगा साम्राज्य कवच	शिवशिवानंदनाथ	१-५
११६६	१४१६	बाल भैरवी स्तोत्र	-	१-३
११७०	३०३२	चक्र पटल	-	१-५
११७१	३८४१	दशनामापराध्या	-	१-३
११७२	३०३०	त्रिपुर सुन्दरी पटल	-	१-११
११७३	३११०	गंगाष्टक	शंकराचार्य	१-४
११७४	२४६६	नर्मदाष्टक	शंकराचार्य	१-२
११७५	४६३५	स्वप्न शतरुद्री	-	१-२
११७६	५१०८	अधिकार संग्रह स्तोत्र	वेंकटनाथ	१-८

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६×३.४	७	२२	दे.ना	कागज	सं. १८८३	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	११५४
६.२×३.४	६	१६	,,	,,	१६१०	पूर्ण	सुदर्शन संहितोक्त	११५५
५.८×३.२	६	२४	,,	,,	–	अपूर्ण		११५६
६.७×८.३	१६	१५	,,	,,	–	पूर्ण		११५७
४.६×३.१	६	१४	,,	,,	–	पूर्ण		११५८
४.४×२.४	४	१३	,,	,,	१६६३	पूर्ण	ब्रह्मयामलोक्त	११५६
५.८×४.२	८	२२	,,	,,	–	पूर्ण		११६०
८.४×३.४	१५	५०	,,	,,	–	पूर्ण	सनत्कुमार तन्त्रोक्त	११६१
६×४	६	२६	,,	,,	–	पूर्ण		११६२
६.५×४	३२	१४	,,	,,	सं. १८६४	पूर्ण	शिवरहस्योक्त	११६३
६.५×३.५	५	१६	,,	,,	–	पूर्ण	चैतन्य अष्टक, राधा रमणाष्टक चतुश्लोक भी है	११६४
६.५×४.५	७	३२	,,	,,	–	पूर्ण		११६५
६.७×४.१	८	२१	,,	,,	–	पूर्ण		११६६
६.२×३.४	६	२१	,,	,,	–	पूर्ण		११६७
६.८×३.७	५	१७	,,	,,	–	पूर्ण		११६८
७.७×४.५	८	२५	,,	,,	–	पूर्ण		११६६
५×३	६	२६	,,	,,	–	अपूर्ण	रुद्रयामले तन्त्रोक्त	११७०
६×३.४	१२	२८	,,	,,	–	पूर्ण		११७१
५×३	८	२१	,,	,,	–	अपूर्ण		११७२
६.८×४.१	११	१६	,,	,,	–	पूर्ण		११७३
६.५×४.३	८	३१	,,	,,	–	अपूर्ण		११७४
५.४×२.७	८	१६	,,	,,	–	पूर्ण	द्रोण पर्वोक्त	११७५
१०×५.३	१२	३७	,,	,,	–	पूर्ण		११७६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
११७७	५१०४	पादादि केश पर्य्यत स्तोत्र नाम	-	१-८, ११-३५
११७८	२३३	शालिग्राम स्तोत्र	-	१-५
११७९	१७४४	श्री वृक	-	१-२
११८०	१८३६	रामाष्टक	-	१-३
११८१	१३६१	मातृका निर्घट	-	१-१६
११८२	५०६६	शिव कवच	-	१-३
११८३	१२८६	दत्तात्रेय स्तोत्र	-	१-६
११८४	५६३०	बंदी मोचन स्तोत्र	-	१-४
११८५	५६३१	श्री रामचन्द्र स्तवराज स्तोत्र	-	१-१५
११८६	४३८७	नृसिंह चरित सुधा	-	१-१२
११८७	५३७५	योग सार	-	१-६
११८८	३१६५	(स्तोत्र विषयक)	-	१-१६
११८९	५८३६	दश श्लोकी स्तोत्र	-	१-६
११९०	१२११	राम रक्षा स्तोत्र	विश्वामित्र	१-४
११९१	१२५४	सूर्य शतक	गोपाल शर्मा	१-२०
११९२	६५१	वज्र पंजर कवच	-	१-३
११९३	१३६६	शीतलाष्टक	-	१-६
११९४	१३८३	राम रक्षा कवच	व्यास	१-५
११९५	१३७४	विष्णु सहस्रनाम	-	१-३८
११९६	१३६०	अभिलाषाष्टक	-	१-६
११९७	११०१	शिव कवच	-	१-६
११९८	६८३	हनुमन्त दुर्ग	-	१-५
११९९	६८५	विभूति स्तोत्र	-	१-६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
११×४.३	११	४२	दे.ना	कागज	-	अपूर्ण		११७७
८.३×४.३	६	२५	,,	,,	-	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	११७८
६.६×४.५	७	३५	,,	,,	-	पूर्ण		११७६
६.२×४.१	६	१४	,,	,,	-	पूर्ण		११८०
७×३.८	८	२०	,,	,,	-	अपूर्ण		११८१
७×३.७	७	१८	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्मवैवर्तोक्त	११८२
६.४×४.४	८	२३	,,	,,	-	अपूर्ण		११८३
७.७×४.४	७	२६	,,	,,	-	अपूर्ण		११८४
७.२×४	८	२३	,,	,,	-	अपूर्ण		११८५
१०.२×५.२	६	३०	,,	,,	-	पूर्ण		११८६
७.४×४.६	१२	२५	,,	,,	-	पूर्ण		११८७
४.५×३	७	१४	,,	,,	-	अपूर्ण		११८८
४×३.१	६	११	,,	,,	-	अपूर्ण		११८६
८×४.३	१३	२४	,,	,,	-	पूर्ण	जीर्ण	११६०
८.२×४.५	८	२८	,,	,,	-	पूर्ण		११६१
६×४	१०	३६	,,	,,	-	अपूर्ण		११६२
५.५×३.३	६	२०	,,	,,	सं. १६०८	पूर्ण	स्कन्द पुराणोक्त	११६३
६×३.३	७	१७	,,	,,	-	पूर्ण	पद्म पुराणोक्त	११६४
६×३.६	५	१६	,,	,,	-	अपूर्ण		११६५
६.२×३.६	५	१८	,,	,,	-	पूर्ण	स्कन्द पुराण, काशी खण्डोक्त	११६६
८.५×४.५	६	२६	,,	,,	सं. १८४७	पूर्ण	ब्रह्मोत्तर खण्डे	११६७
८.५×४.५	६	२८	,,	,,	-	पूर्ण	अर्थवर्ण वेदमंत्र देवी प्रोक्त	११६८
७.८×४.३	७	३१	,,	,,	-	पूर्ण	देवी सूक्त एवं वैजनाथ स्तोत्र भी है।	११६६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार नाम	पत्र संख्या विवरण
१२००	१२४४	दुर्गा स्तोत्र	–	१-३
१२०१	८३४	गणेश हृदय स्तोत्र	–	१-३
१२०२	८४१	भैरवाष्टक	–	१-३
१२०३	८४२	कालिका कवच	–	१-७
१२०४	८१७	नृसिंह कवच	प्रह्लाद	१-४
१२०५	८२४	त्रैलोक्य मोहन कवच	–	१-३
१२०६	१०८७	महामृत्यु निवार्णार्थ कवच	–	१-५
१२०७	७४४	दुर्गा सप्तशती	–	१-८
१२०८	१३७५	लक्ष्मी सहस्रनाम	–	१-१०
१२०९	१३४७	गायत्री कवच	–	१-६
१२१०	१२७६	विष्णु सहस्रनाम	–	१-२०

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८.८×४	७	२६	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	भीष्मपर्वोक्त	१२००
८×४.६	१०	३२	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	१२०१
८.६×३.८	७	२७	,,	,,	-	पूर्ण		१२०२
८.५×४.२	८	२७	,,	,,	-	अपूर्ण		१२०३
६×४	८	२८	,,	,,	-	पूर्ण	ब्रह्मांड पुराणोक्त	१२०४
८.५×४	१०	३१	,,	,,	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	१२०५
७.८×४.३	७	१६	,,	,,	सं. १८०८	पूर्ण	रुद्रयामल, मृत्युञ्जय कल्पोक्त	१२०६
७×४.५	६	२३	,,	,,	सं. १६०६	पूर्ण	मार्कण्डेय पुराणोक्त, सकारादि स्तुति	१२०७
६×४.४	१२	२१	,,	,,	१८६७	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	१२०८
७×३.७	८	२१	,,	,,	सं. १६२४	पूर्ण		१२०६
८.५×४.४	७	२४	,,	,,	सं. १८७३	अपूर्ण	महाभारत शांति पर्वोक्त	१२१०

कर्मकांड

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीका कार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
१	३३६६	आपस्तम्ब विधि श्रावणी	–	२-२५
२	३३७१	विशेष प्रायश्चित्त	–	१-३
३	२८२५	रुद्रपद्धति	–	१-४७
४	५२८०	आग्रायण हौत्र	–	१-२
५	५२८३	विष्णु विग्रह शिवलिङ्ग सर्व देव प्रतिष्ठा	–	१-६
६	५२५१	वायुस्तुति पद्धति	–	१-७
७	५२५३	केवल पार्वण श्राद्ध प्रयोग	–	१-२३
८	५३०४	रुद्रयाग	–	१-८
९	५२६८	पौर्णमासी व्रता	–	१-२४
१०	५३१२	पौण्डरीक प्रयोग	–	१-२२
११	५२८४	ज्योतिष्टोम सोम होतृ प्रयोग	–	१-१४
१२	५२८६	कोकिलाव्रत कथा	वासुदेव	१-८
१३	५२६१	बुधाष्टमी व्रत उद्यापन	–	१-१०
१४	५२७६	श्रीसूक्त विधान	वैद्यनाथ	१-१४
१५	५३२५	आपस्तम्भ अग्निहोत्रहोम	–	१-५
१६	५२४५	बृहद ब्रह्म संहिता	–	१-४
१७	५२६०	गणेशमानसपूजा पद्धति	माधवाचार्य	१-७
१८	३७०५	दानवारिधि	–	१-२२
१९	३७९८	वृतार्क अनुक्रमिका	शंकरभट्ट	१-६६, ७८-१०४ १०६-२३३, २४४-२४५, २६०-३१८
२०	३८०५	श्राद्ध प्रयोग	–	१-६
२१	३८८०	कुण्ड मण्डप सिद्धि में प्राचीन वाक्य सन्दर्भ	–	१-२६
२२	३६८२	पूर्तप्रकाश	रुद्रदेव	१-८७
२३	५१८५	चक्रलेखन प्रकार	–	१-४

कर्मकांड

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८×४	९	३२	दे.ना.	कागज	१६२०	अपूर्ण		१
९×४	१२	३८	”	”	-	पूर्ण		२
९.५×३.५	८	२६	”	”	१६६३	अपूर्ण		३
८.५×३.५	९	३५	”	”	१७९६	पूर्ण		४
१०×४.५	९	२९	”	”	-	पूर्ण		५
७.९×४	१०	२३	”	”	शक १६४७	पूर्ण		६
८.६×४	९	३२	”	”	-	पूर्ण		७
९.५×४.५	११	३०	”	”	१८५७	पूर्ण		८
५.९×४.५	९	१५	”	”	-	अपूर्ण		९
८.८×३.५	१२	३०	”	”	-	पूर्ण		१०
८.५×३.६	१०	२५	”	”	-	पूर्ण		११
५.५×३.९	११	२०	”	”	१७१२	पूर्ण		१२
६.१×४.५	१२	२०	”	”	-	पूर्ण		१३
८×३.९	११	२९	”	”	-	पूर्ण		१४
१०×४.२	१४	३५	”	”	-	पूर्ण		१५
१३.५×५.१	९	४२	”	”	-	पूर्ण	अष्टमोऽध्याय, तृतीय पद	१६
६.५×३.५	७	३०	”	”	-	पूर्ण		१७
१०.६×४.५	९	४०	”	”	-	पूर्ण		१८
१०.२×४.४	११	४०	”	”	-	अपूर्ण		१९
८.५×३.९	११	२५	”	”	-	पूर्ण		२०
१०.४×४.६	१२	४७	”	”	-	अपूर्ण		२१
११×४.५	९	३४	”	”	१९१३	पूर्ण		२२
७.२×४.३	११	१७	”	”	-	पूर्ण		२३

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
२४	३८२३	आत्मोपासना	–	१-६
२५	१३५२	मूलविधान विधि	–	१-३
२६	१३५१	व्यतीपातव्रत	–	१-५
२७	११४६	वृहस्पति शांति	–	१
२८	६६६	विवाह पद्धति	–	१-५
२६	६४३	पुरश्चरण चंद्रिका	–	१-५
३०	६६७	लिङ्ग्ग प्रतिष्ठा विधि	–	१-८
३१	११४८	ज्येष्ठा शांति विधान	–	१-४, ६-७
३२	१११२	विनायक शांति	–	१-४
३३	५४६४	श्रीदेव पूजा	–	१-२०
३४	५४२०	उत्तर कर्म	–	१-३७
३५	११६३	अनन्त पूजाविधि	–	१-१०
३६	८८५	माला संस्कार	–	१-३
३७	११५१	मानसिक स्नान	–	१
३८	१४५८	कृष्ण जन्माष्टमी पूजा	–	१-५
३६	११४२	कुश कण्डिका विधि	रामकृष्ण भट्ट	१-४
४०	४०६१	श्रुद्धितत्त्व	रघुनन्दभट्टाचार्य	१-१०७
४१	३८३३	दीक्षा विनिश्चय	–	११ गणनया
४२	४३०५	तर्पण विधि	–	१-६
४३	४३०३	पंचक मृत विधि	–	१-३
४४	३७६३	स्थाली पाक प्रयोग	–	१-१२
४५	५३६२	राम पद्धति मृतिका विधि	वैष्णवदास	१-२६
४६	५२०८	विनायक पूजा	–	१-१३
४७	१३२५	तिथिं श्राद्ध पद्धति	–	१-२४
४८	१२६८	सप्तशती पुस्तक पूजा प्रयोग	–	१-६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.१×४	९	२०	दे.ना.	कागज	-	अपूर्ण		२४
९.५×४.२	११	२६	”	”	-	पूर्ण		२५
९×४	११	२४	”	”	-	पूर्ण		२६
८.४×३.८	१६	६०	”	”	-	पूर्ण		२७
९×४	१०	२७	”	”	-	अपूर्ण		२८
८×३.७	९	३०	”	”	-	पूर्ण		२९
८.४×४	१२	२९	”	”	-	पूर्ण		३०
९.५×४.३	१०	४०	”	”	-	पूर्ण		३१
९.७×४.२	९	२५	”	”	-	पूर्ण		३२
६×४	१०	१९	”	”	-	पूर्ण		३३
६.५×४.५	९	१८	”	”	-	पूर्ण		३४
६.५×४.५	१४	२४	”	”	-	पूर्ण	जीर्ण	३५
७×४.२	१०	२६	”	”	-	पूर्ण		३६
७×४.४	१४	२४	”	”	-	पूर्ण		३७
६×४	६+१	२०	”	”	-	पूर्ण		३८
९×४	७	३०	”	”	सं. १८५७	पूर्ण	जीर्ण	३९
१३.४×५	९	४४	”	”	-	पूर्ण		४०
६.३×४	७	१८	”	”	-	-	अपूर्ण	४१
६.३×४	९	१६	”	”	१९२०	पूर्ण		४२
६.२×५	१०	२०	”	”	-	पूर्ण		४३
६.२×४.१२	१०	२०	”	”	१८९९	पूर्ण		४४
६.२×४	७	१४	”	”	१८७१	पूर्ण		४५
६ ×४.४	८	१९	”	”	-	पूर्ण		४६
४.१०×३	७	१५	”	”	१७३४	पूर्ण		४७
६×४	१३	२२	”	”	-	पूर्ण		४८

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीका कार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
४६	११२७	यजमान मरण विधि	–	१-३
५०	११३२	वैश्वदेव विधि	–	१-३
५१	०३१	दुर्गापूजा पद्धति	–	१-१३
५२	६५३	सप्तशती मंत्र विधि	गोविन्द भट्ट	१-४
५३	५५०२	गोमुख प्रसव शान्ति प्रयोग	–	१-३
५४	११६५	स्वरोदय दीप चक्र	–	१-५
५५	६५०	दीप दान पद्धति	–	१-६
५६	११३३	देवी पूजा	–	१-४
५७	५५१२	विष्णु पूजा पद्धति	–	१-७
५८	५५२०	आशीर्वाद	शिवराम	१-१३
५६	५५१६	कात्यायनी शान्ति	–	१-१७
६०	५४७१	पाक यज्ञ	–	१-५०
६१	६६३	लक्ष्मी व्रत कथा	–	१-११
६२	५८६०	कात्यायनी तर्पण विधि	–	१-५
६३	३६२८	गृह प्रवेश विधि (प्रयोग रत्न)	नारायण भट्ट	१-१६५
६४	१६०८	वृक्षच्छेदन प्रायश्चित्त	–	१-३
६५	५६३३	अर्द्धोदय विधि	–	१-२
६६	५१६३	गुरुपरम्परा	रामसेवक	१-३
६७	१६०६	दर्श पौर्णमास याजु होत्र	–	६-६
६८	६४८	बहुला व्रत कथा	–	१-४
६६	३८६०	सर्वतोभद्र लिङ्गतोभद्र देवता स्थापन विधि	–	१-७
७०	१३३०	दक्षिणावर्तशंखपूजा	लक्ष्मी शंकर	१-३
७१	१२०७	नवग्रह शांति विधि	–	१-२२

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८×४	१०	३२	दे.ना.	कागज	–	अपूर्ण		४६
६.४×४	८	३१	,,	,,	–	पूर्ण		५०
८.३×४	६	२५	,,	,,	–	पूर्ण		५१
८×४	११	३०	,,	,,	१८०२	पूर्ण		५२
६×४	८	१८	,,	,,	–	पूर्ण		५३
७×५	१२	२५	,,	,,	–	पूर्ण		५४
७×४.३	११	२५	,,	,,	–	पूर्ण		५५
६×४	८	३२	,,	,,	–	पूर्ण		५६
६×३.६	७	३२	,,	,,	–	पूर्ण		५७
८.६×३.५	६	३३	,,	,,	१७५१	पूर्ण		५८
८×४	६	२१	,,	,,	–	पूर्ण		५६
८.३×३.११	६	२४	,,	,,	–	पूर्ण		६०
८.२×३.२	६	३६	,,	,,	–	पूर्ण	कीटाणुविद्ध	६१
८.२×३.४	१०	४४	,,	,,	सं. १८४६	पूर्ण		६२
६×४	६	३८	,,	,,	–	पूर्ण		६३
८×४	८	१८	,,	,,	–	अपूर्ण		६४
८×३	८	३१	,,	,,	–	पूर्ण		६५
८×५	१०	२५	,,	,,	–	पूर्ण		६६
८.५×४	६	३२	,,	,,	सं. १८८६	अपूर्ण		६७
८×४.४	११	२५	,,	,,	–	पूर्ण		६८
६.३×४.१	१०	४३	,,	,,	–	पूर्ण		६६
७×४.२	१२	२८	,,	,,	१६३६	पूर्ण	जीर्ण	७०
६×४.४	१०	२०	,,	,,	१७४६	पूर्ण		७१

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
७२	११६७	नरसिंह चतुर्थी व्रत कथा	-	१-५
७३	११६६	त्रिपिंडी विधान	कामदेव	१-७
७४	३८०२	श्राद्ध चंद्रिका	बैजनाथ	१-१०६
७५	१२२७	प्रत्यंगिरा मंत्र प्रयोग	उमाशंकर हरिशंकर	१-२
७६	१०६३	मंगलपूजा पद्धति	पाठक	१-१४
७७	८२१	रुद्र गायत्री	-	१-४
७८	५२६०	अश्वत्थोपनयन विधि	-	१-६
७९	५५१७	मण्डल देवता	-	१-३
८०	५४५४	सोमवारपूजा, षष्टिका पूजा	-	१-३, १, ३
८१	५४७२	दर्श पौर्णमास हौत्र प्रयोग	-	१-१०
८२	५४५०	मानसी पूजा	-	१
८३	५५३०	नागवली संस्कार प्रयोग	-	१-४
८४	५५२९	आश्लेषा जनन शांति प्रयोग	नारायण भट्ट	१-९
८५	१४६५	षष्ठीव्रत	-	१-३
८६	१४४९	पिंड पितृ यज्ञ	-	१-४
८७	६८६	उपांगललिता पूजा	-	१-९
८८	३८७३	उत्सर्जन उपाकर्म पद्धति	-	१-४५
८९	५१४१	दर्शपूर्णमासौब्रह्मत्व प्रयोग	-	१-३
९०	५१४०	ब्रह्मतत्व प्रयोग	-	१-३
९१	५१४७	यजमान प्रयोग	-	१-१२
९२	३६०५	द्वितीय दीक्षा विचार	-	१-३
९३	३६३२	गोत्र प्रवर निर्णय	पद्माकर भट्ट	१-९
९४	३८१३	बालक गृही विधान	-	१-४
९५	३८१०	सर्व प्रायश्चित्त	-	१-५
९६	३८११	अष्टा विकृति श्राद्ध प्रयोग	-	१-२२, १

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
७.५×४.५	११	२८	दे.ना.	कागज	१९४२	पूर्ण		७२
६.२×४.५	१४	२०	,,	,,	–	पूर्ण		७३
८.५×३.९	९	३४	,,	,,	१८२८	पूर्ण		७४
७×४	८	२२	,,	,,	१९६४	पूर्ण		७५
७×४.५	८	२२	,,	,,	१९१७	पूर्ण		७६
६.७×४	६	१५	,,	,,	–	पूर्ण		७७
७.६×३.५	७	२०	,,	,,	१८६७	पूर्ण		७८
९.६×४.३	१२	३८	,,	,,	–	पूर्ण		७९
१०×३.८	१०	३२	,,	,,	१७००	पूर्ण अपूर्ण		८०
८.५×४.९	८	२८	,,	,,	–	अपूर्ण		८१
९.६×४.१	८	३६	,,	,,	–	पूर्ण		८२
८.६×३.६	१०	३४	,,	,,	–	अपूर्ण		८३
८.९×३.६	१०	३५	,,	,,	–	पूर्ण		८४
७.६×४.६	१०	१८	,,	,,	–	पूर्ण		८५
८.४×४	८	१९	,,	,,	१६५७	पूर्ण		८६
६×४.३	९	२०	,,	,,	–	पूर्ण		८७
७.७×४	७	२०	,,	,,	–	पूर्ण		८८
९.४×४	९	३१	,,	,,	–	पूर्ण		८९
९.२×४	१३	३७	,,	,,	–	पूर्ण		९०
९×४.३	८	३०	,,	,,	–	पूर्ण		९१
१०.४×४५	१०	२७	,,	,,	–	पूर्ण		९२
९.१×४.३	१०	२४	,,	,,	–	पूर्ण		९३
९.४×४.२	११	३८	,,	,,	१८४७	पूर्ण		९४
९.२×४	८	३८	,,	,,	–	पूर्ण		९५
९.५×४.३	११	२८	,,	,,	सं. १८९८	पूर्ण	अष्टमी श्राद्ध विषयक १ पत्र	९६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
९७	१३५५	लक्ष्मी पूजा विधि	–	३
९८	१०९७	गणपति पूजा	शिव	२
९९	१०९४	नवग्रह पूजा	–	४
१००	१०७७	लक्ष्मी मंत्रपूजन	–	२
१०१	१०८९	याज्ञवल्क्य प्रायश्चित	–	१६
१०२	१०५६	यज्ञोपवीत धारण विधि	–	५
१०३	१०९२	द्वादश मंत्र	–	३
१०४	१०७८	गणपति पूजन विधि		६
१०५	१०७१	त्रिकण्डिका विधि	–	०३
१०६	१०६६	कुल देवता पूजन विधि	–	४
१०७	१०७०	गोदान विधि	–	३
१०८	१३३२	गणपति प्रतिष्ठा विधि	–	४
१०९	३८०६	तडागाराम जलाशयोत्सर्ग	–	७
११०	३७८५	स्थालीपाक	–	१०
१११	३७८९	अग्नि मुख प्रयोग	–	१२
११२	१७४७	भवानी मानसी पूजा	शंकराचार्य	११
११३	१२७१	गया श्राद्ध पद्धति	रामचन्द्र भट्ट	११
११४	१३०६	अग्निस्थापन विधि	–	४
११५	१३०२	दुर्गापूजा पद्धति	–	४
११६	१३९५	नवकण्डिका श्राद्ध	–	५
११७	३८००	संक्षिप्त दान चंद्रिका	भट्ट दिवाकर	१-८१, ८४-११२
११८	५४०४	मंत्रोद्धार	–	१५
११९	४३८२	प्रयोग पद्धति	शिवदत्त शर्मा	१-८, १४-८३

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
९.५×४	९	२७	दे.ना.	कागज	१८११	पूर्ण		९७
९×४	१२	४५	”	”	शक १७२०	पूर्ण		९८
९.९×३.५	७	३५	”	”	१९६१	पूर्ण		९९
१०×४.५	१०	३३	”	”	–	पूर्ण		१००
९.५×४	९	४२	”	”	शक १६१८	पूर्ण	जीर्ण	१०१
९.५×४	१०	३४	”	”	–	पूर्ण		१०२
८.५×४.४	७	२०	”	”	–	पूर्ण		१०३
९×४	१०	३४	”	”	–	पूर्ण		१०४
८.५×३.७	९	३०	”	”	–	पूर्ण		१०५
९.५×४	७	३२	”	”	–	पूर्ण	जीर्ण	१०६
८.५×४	१०	३२	”	”	–	पूर्ण		१०७
८.९×३.५	१०	३०	”	”	–	पूर्ण		१०८
८.५×४	१०	३८	”	”	–	पूर्ण		१०९
८.२×४.३	८	२५	”	”	–	पूर्ण		११०
८.५×३.५	७	२८	”	”	–	पूर्ण		१११
९.५×४.५	७	२८	”	”	–	पूर्ण		११२
५×३.५	१४	२२	”	”	–	पूर्ण		११३
८.५×४.५	८	२८	”	”	–	पूर्ण		११४
७.८×४.५	१०	२५	”	”	–	अपूर्ण		११५
९×४.३	१०	२५	”	”	–	पूर्ण		११६
८.५×३.७	९	३४	”	”	१८२७	पूर्ण		११७
८.१×४.७	११	२४	”	”	–	पूर्ण		११८
९.६×४.१	८	३१	”	”	१८८८	पूर्ण		११९

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
१२०	१३०८	शिवपूजन पद्धति	–	१, २१-३७
१२१	१०६६	कुल देवता पूजन	–	४ गणनया
१२२	१०७०	गोदान विधि	–	१-३
१२३	१०७१	त्रिदण्डिका विधि	–	१-३
१२४	१०७८	गणपति पूजा विधि	–	१-६
१२५	१०६२	द्वादश मंत्र	–	१-३
१२६	१०५६	यज्ञोपवीत धारण विधि	–	१-५
१२७	१०८६	याज्ञवल्क्य प्रायश्चित्त	–	१-१६
१२८	१०७६	अचला सप्तमी व्रत कथा	–	१-५
१२६	१०६१	लिङ्ग प्रतिष्ठा	–	१-८
१३०	१००३	सन्यासिनां कर्मपद्धति	–	१-६
१३१	६६४	ऋषिपंचमी	–	१-६
१३२	६७६	वर्ष प्रवेश पद्धति	काशी नाथ	१-३, ५-६
१३३	६८८	अनन्त व्रत कथा	–	२,५
१३४	३७८४	चातुर्मास्य हौत्र प्रयोग	–	१-११
१३५	३८०१	प्रायश्चित्तोद्धार	दिवाकर भट्ट	१-३६
१३६	५२०२	अग्न्याधानप्रयोग	–	१-३४
१३७	५१६६	सौमिर्क यजमान	–	१-२८
१३८	६६६	ग्रह प्रतिष्ठा	रघुनंदनाचार्य	१-१५
१३६	६६६	अग्नित्याग प्रायश्चित	–	८-१६
१४०	१५०२	गणेश चतुर्थी व्रतकथा	–	७-११, १३, १७-१८, २२-२५

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८.४×३.७	९	३७	दे.ना.	कागज	शक १७१७	पूर्ण		१२०
९.४×३.८	७	२९	,,	,,	–	पूर्ण		१२१
८.७×४	१०	३२	,,	,,	–	पूर्ण		१२२
८.५×४	११	३०	,,	,,	–	पूर्ण		१२३
८.९×४	१०	३५	,,	,,	१८९०	पूर्ण		१२४
८.६×४.३	७	२१	,,	,,	–	पूर्ण		१२५
९.३×४	१०	३३	,,	,,	–	पूर्ण		१२६
९.६×३.९	८	४४	,,	,,	१६१८	पूर्ण		१२७
१०.५×४.५	९	३०	,,	,,	–	पूर्ण		१२८
९.५×४.४	९	३३	,,	,,	१८७५	पूर्ण		१२९
८.८×४	११	३२	,,	,,	–	अपूर्ण		१३०
८.३×३.८	८	२५	,,	,,	सं. १८८१	पूर्ण		१३१
९.६×४.२	११	३२	,,	,,	१८५५	पूर्ण		१३२
९.७×४.४	१०	३५	,,	,,	सं. १९०४	अपूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१३३
९.६×४	११+१	४४	,,	,,	सं. १८४७		पूर्ण	१३४
८.७×३.८	८	३०	,,	,,	सं. १८२१	पूर्ण		१३५
९×३.९	१०	३६	,,	,,	–	पूर्ण		१३६
९.७×४.२	८	४०	,,	,,	–	पूर्ण		१३७
९.९×४.२	९	२७	,,	,,	सं. १८५९	पूर्ण		१३८
१०×४.५	१३	३८	,,	,,	–	अपूर्ण		१३९
९.३×४	१०	३४	,,	,,	शक १७८४	अपूर्ण	स्कंध पुराणोक्त, लीथो	१४०

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
१४१	६४६	बटुक भैरव पूजा पद्धति	–	१-११
१४२	६३०	लाभालाभ काण्ड	–	१,७-११, २४-३२
१४३	१४६३	बालस्तव सार	–	१-२
१४४	१४४६	दैवविद्या पद्धति	–	१-३
१४५	१२४८	श्वेताश्वदान विधि	–	१
१४६	६३६	ऋषिछन्दो निर्णय विधि	–	१
१४७	६८१	आम्नापारायण	–	१-८
१४८	६१६	पार्थिवचिंतामणि पूजा	–	१-२, ४-८
१४९	३८०८	व्रतेन्वाधान	–	४ गणनया
१५०	३८२४	बाला त्रिपुर सुन्दरी उपासना पद्धति	–	१-७१
१५१	३८२८	राधा भक्ति पद्धति	जीव गोस्वामी	२-१२
१५२	१०६५	जन्माष्टमी व्रत	–	१-६
१५३	१०७३	सप्तर्षिपूजन विधि	राजारामाचार्य	१-२
१५४	१०७४	हरतालिका व्रत कथा	–	१-७
१५५	१३०८	शिव पूजन पद्धति	–	१-३७
१५६	५४८६	आचार मयूख	–	१३४ गणनया
१५७	३७६६	संस्कार काण्ड सप्त संस्था	अनन्तभट्ट	१-३६
१५८	१२३१	स्वस्ति वाचन	–	१-४
१५९	३६३६	प्रयोग रत्न यज्ञोपवीत विधान	अनन्त दीक्षित	१-१८२
१६०	१०४६	सर्व देवता संध्या प्रयोग	–	१-३
१६१	११५०	अग्निहोत्र	–	१-३
१६२	१०५४	लक्ष पूजा विधान	–	१-४

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.८×४.५	७	३५	दे.ना.	कागज	-	अपूर्ण	कीट भक्षित	१४१
१०×४.२	६	२६	,,	,,	-	अपूर्ण		१४२
६.८×४.३	१३	३८	,,	,,	-	पूर्ण		१४३
६.४×४.३	११	३४	,,	,,	-	अपूर्ण		१४४
६.५×४.२	१२	४२	,,	,,	-	पूर्ण		१४५
११×४.५	१०	३२	,,	,,	-	पूर्ण		१४६
१०.५×४.५	१४	४६	,,	,,	-	पूर्ण		१४७
१०.८×४.६	११	४०	,,	,,	-	अपूर्ण		१४८
६.४×३.१	७	२४	,,	,,	-	अपूर्ण		१४९
६.८×३.५	६	१७	,,	,,	-	अपूर्ण		१५०
६.५×३	५	१८	,,	,,	-	अपूर्ण		१५१
१०.६×४.५	६	३२	,,	,,	१६१०	पूर्ण	विष्णु पुराणोक्त	१५२
६.१×४	१३	३२	,,	,,	सं. १८५३	पूर्ण		१५३
६.५×४	७	३२	,,	,,	सं. १८१०	पूर्ण		१५४
८.३×४	६	३७	,,	,,	१७१७	पूर्ण		१५५
८×५	१०	२४	,,	,,	-	पूर्ण		१५६
६.२×४	६	३७	,,	,,	शक १७४५	पूर्ण		१५७
८.४×४	८	२५	,,	,,	-	पूर्ण		१५८
६×४	६	३३	,,	,,	-	पूर्ण		१५९
७.४×३.७	६	३४	,,	,,	-	पूर्ण		१६०
६.४×३.२	६	२२	,,	,,	-	पूर्ण		१६१
७.४×३	६	३४	,,	,,	-	पूर्ण		१६२

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
१६३	१००६	नवरात्रि निर्णय	अनन्त भट्ट	१-१३
१६४	१०८०	दीक्षा पद्धति	-	१-२०
१६५	१०५३	होम विधि	-	१-३
१६६	१३१६	नाममालानिघंटु	शंकर	१-४
१६७	३८१३	विद्वत् सन्यास विधि	-	१-२३
१६८	१०५६	दन्तोत्पत्ति शान्ति प्रयोग	-	१
१६९	१३३५	प्रत्यङ्गिरा प्रयोग	-	१-८
१७०	१२२१	श्राद्ध विधि	-	१-१३
१७१	१०११	गोत्र निर्णय	-	१-३
१७२	१३७१	गुरु पद्धति	शंकराचार्य	५ गणनया
१७३	१३७६	महालक्ष्मी व्रत कथा	-	१-६
१७४	११०६	पिण्डी विधि	-	१-५
१७५	६११	संक्षिप्त दीक्षा विधि	लक्ष्मी शंकराचार्य	१-३
१७६	४४६०	पार्थिव पूजा विधि	-	१-२
१७७	१३२८	शिवपूजनं विधि	-	१-४
१७८	५६५६	संध्या विधि	-	१-१५
१७९	३६२३	श्रौत्रामणि प्रयोग	-	१-१९
१८०	१७७०	मूल शान्ति	-	४-९
१८१	५७७९	गोकुल चन्द्रचन्द्रिका आह्निक चन्द्रिका	-	१-६६
१८२	१३०६	सन्ध्या विधि	-	१-९
१८३	६४९	शुद्ध श्राद्ध विधि	केदारनाथ	१-२२
१८४	१०२३	नाग पंचमी पूजन	-	१-२

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८.२×३	६	३६	दे.ना.	कागज	सं. १७५४	पूर्ण		१६३
६.२×४	६	३४	,,	,,	–	पूर्ण		१६४
६×४	७	२६	,,	,,	–	पूर्ण		१६५
८.४×४	१५	४४	,,	,,	१७८५	पूर्ण		१६६
८.४×४	८	३२	,,	,,	–	अपूर्ण	अन्त नहीं हैं।	१६७
६×४	१३	४०	,,	,,	–	पूर्ण		१६८
७.३×४	११	२१	,,	,,	१८७०	पूर्ण		१६९
८.४×४	७	३०	,,	,,	१८४७	पूर्ण		१७०
६×४	११	२८	,,	,,	–	अपूर्ण		१७१
८.४×४	७	२६	,,	,,	–	अपूर्ण	आदि के पत्र नहीं हैं।	१७२
८.२×४.८	८	३०	,,	,,	–	पूर्ण		१७३
६.२×४	११	४६	,,	,,	–	पूर्ण		१७४
६.३×४	११	३६	,,	,,	सं. १६३७	पूर्ण		१७५
६×४.२	१६	१७	,,	,,	–	अपूर्ण		१७६
६.११×३.११	७	१८	,,	,,	–	पूर्ण		१७७
१०×३.१०	७	४३	,,	,,	–	पूर्ण		१७८
८×४	१३	२७	,,	,,	–	अपूर्ण	जीर्ण	१७९
६.५×४	८	३३	,,	,,	–	अपूर्ण		१८०
१०×४	११	४४	,,	,,	१८११	पूर्ण		१८१
८×४	८	२७	,,	,,	–	पूर्ण		१८२
६×४.८	१२	२४	,,	,,	सं. २००६	अपूर्ण		१८३
६.६×४	६	२१	,,	,,	–	पूर्ण		१८४

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
१८५	६८६	सर्वतोभद्र लिंगतोभद्र	–	१-५
१८६	६६४	लक्ष्मी नृसिंह चतुर्थी कथा	–	१-१२
१८७	१०१३	नवग्रह पूजा	–	१-५
१८८	२०६	धात्री पूजनम	–	१-५
१८९	१८१६	परम हंस पूजा पद्धति	–	१-२६
१९०	१३१४	विनायक चतुर्थीपूजा	–	१-७
१९१	५१३४	अनुवाकाध्याय	–	१-८
१९२	५१२७	विष्णु पूजा	–	१-१२
१९३	५६६०	दश संस्कार प्रयोग	–	१-२
१९४	७८४	मघा शान्ति	–	१-३
१९५	७६५	नमस्कार मंत्र	–	१-६
१९६	१६१३	देवी पूजन, कुमारी पूजन	–	१-१६
१९७	१६१२	पञ्चमी व्रत कथा	–	१-१६
१९८	१६११	अर्धोदय विधि	–	१-२
१९९	४३	विघ्नेश्वर पूजा	–	१-१३
२००	२७५	वरद चर्तुदशी पूजन	–	१-८
२०१	३२२	तर्पण विधि	–	१-७
२०२	३१६	अनंत व्रत कथा	सदाशिव	१-८
२०३	८६६	यमुना पूजा	–	१-१३
२०४	१०२२	आपोषण विधि	–	१-४
२०५	१४५६	तुलसी पूजा	–	१-७
२०६	१३८	सुख प्रसव मंत्र	–	१
२०७	१२६२	हरि तालिका व्रत	–	१-५
२०८	४४६४	काक मैथुन दर्शन वाय-शान्त शान्ति	–	१
२०९	४४८३	पूजा विधि	–	८ गणनया

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.२×४.५	११	२०	दे.ना.	कागज	–	अपूर्ण		१८५
६×४	१३	२३	,,	,,	–	पूर्ण		१८६
७×५	१३	१७	,,	,,	–	पूर्ण		१८७
७×५	१०	१९	,,	,,	–	पूर्ण		१८८
६.५×४	७	१९	,,	,,	–	पूर्ण		१८९
७.५×४.५	१४	२८	,,	,,	–	पूर्ण		१९०
७.२×४	९	१८	,,	,,	–	पूर्ण		१९१
६×४	७	१६	,,	,,	–	पूर्ण		१९२
६.१×४.५	१०	२०	,,	,,	–	पूर्ण		१९३
७.२×४.५	७	२०	,,	,,	सं. १९८९	पूर्ण		१९४
६.५×५	१४	२२	,,	,,	१८२१	पूर्ण		१९५
५.९×४	९	१८	,,	,,	–	पूर्ण		१९६
५.५×४.५	९	१४	,,	,,	–	पूर्ण		१९७
६.३×४.८	१३	२२	,,	,,	–	पूर्ण		१९८
६.५×४.५	८	१८	,,	,,	–	अपूर्ण		१९९
६×४.५	१०	२०	,,	,,	–	पूर्ण		२००
६.२×४.८	१०	१४	,,	,,	–	पूर्ण		२०१
६×४	११	२०	,,	,,	–	पूर्ण		२०२
५.५×३.५	१०	३०	,,	,,	–	पूर्ण		२०३
५×३	५	१३	,,	,,	–	पूर्ण		२०४
६×३.५	६	१६	,,	,,	–	पूर्ण		२०५
१२×४.५	११	३०	,,	,,	–	पूर्ण		२०६
७×४.६	१०	३०	,,	,,	१९३६	पूर्ण		२०७
९×४	९	३०	,,	,,	–	पूर्ण		२०८
८×४.८	१५	४५	,,	,,	–	अपूर्ण	अपठनीय	२०९

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
२१०	४४७५	त्रिकालसन्ध्या	–	१-७
२११	४४७४	नवरात्र	–	१-२
२१२	४४७८	सर्वतोभद्र देवता	–	१
२१३	४४६८	ऋषि पञ्चमी व्रत कथा	–	१-३
२१४	४५०६	गोकुल पूजा विधि	–	१-६
२१५	४४६६	मातृका निघंट	–	१-२
२१६	६६६	बहुला व्रत कथा	–	१-४
२१७	६८२	उभयतोमुखी गोदान	–	१-३
२१८	१०११	नान्दी श्राद्ध	गिरिजा	१-२
२१६	८६०	वास्तुशान्ति प्रयोग	–	५ गणनया
२२०	८५२	गणपति दीपदान	–	१-४
२२१	६१२	अशौच निर्णय	–	८ गणनया
२२२	१०७२	संकट चतुर्थ व्रत कथा	–	१-७
२२३	६३८	उग्ररथ शान्ति	–	१-२
२२४	६५०	शिव रात्रि व्रत कथा	–	१-४
२२५	६४६	ऋषि पञ्चमी व्रत कथा	–	१-५
२२६	६५६	गणपति चतुर्थी व्रत कथा	–	१-४
२२७	१३३४	ज्वर शान्ति प्रयोग	–	१
२२८	१३३४	वास्तु शान्ति	–	१-२
२२६	५२६५	सर्व प्रतिष्ठायां वरुण प्रयोग	–	१-२७
२३०	१२२२	एकादशी व्रत कथा	–	१-११
२३१	१२३०	उग्रतारा पूजा पद्धति	–	१-१६
२३२	१३२७	सिद्धि विनायक व्रत पूजा	–	१-५
२३३	६६०	वेद पारायण विधि	–	१
२३४	५३८६	दर्शपूर्णमास प्रायाश्चित	–	१-२६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६×४	८	२६	दे.ना.	कागज	–	अपूर्ण		२१०
६×४	७	२५	”	”	–	अपूर्ण		२११
६×४.७	६	४३	”	”	–	अपूर्ण		२१२
६×४.२	११	३०	”	”	–	पूर्ण		२१३
६×६	१७	१४	”	”	–	पूर्ण		२१४
१०×५	१८	४०	”	”	–	पूर्ण		२१५
६.४×३.५	७	३४	”	”	१८२६	पूर्ण		२१६
६×४	६	२६	”	”	–	पूर्ण		२१७
१०×४	६	२६	”	”	–	पूर्ण		२१८
६×४	१०	४०	”	”	–	अपूर्ण		२१६
१०×४	६	२८	”	”	–	पूर्ण		२२०
१०×४	१२	३८	”	”	१८०३	अपूर्ण		२२१
६×४	८	२६	”	”	१७३२	पूर्ण		२२२
६×४	११	३८	”	”	–	पूर्ण		२२३
६.२×४	११	३४	”	”	–	पूर्ण		२२४
६.५×४.४	६	३०	”	”	–	पूर्ण		२२५
६.५×४.२	१०	३५	”	”	–	पूर्ण		२२६
८.५×३.४	११	४०	”	”	–	पूर्ण		२२७
८.५×३.४	११	४०	”	”	–	पूर्ण		२२८
६×३.१०	८	३१	”	”	–	पूर्ण		२२६
८.५×४	६	२६	”	”	–	पूर्ण		२३०
८×३.१०	७	३२	”	”	–	पूर्ण		२३१
८.२×३.४	११	३८	”	”	–	पूर्ण	जीर्ण	२३२
६×३.१०	१२	३८	”	”	–	पूर्ण		२३३
६×४	१०	४०	”	”	–	पूर्ण		२३४

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
२३५	५३६३	चार्तुमास्य हौत्र प्रयोग	–	१-१६
२३६	५३६०	दशवर्ण विधान, छाग वलि विधि	रामहर्ष	६ गणनया
२३७	५३५०	प्रायश्चित प्रपदन	–	१-४
२३८	५७०३	प्रवराधाय	–	१-७
२३६	५६७८	श्राद्ध प्रयोग	–	१-८
२४०	५६७६	श्राद्ध प्रयोग	–	१-१६
२४१	५६८३	दशाफल व्रत कथा	रामचन्द्र	१-४
२४२	४६७६	वृषोत्सर्ग प्रयोग	–	१-१७
२४३	१०४४	उल्लूक निर्णय	–	१-२
२४४	४६८८	चण्डी पाठ विधि	–	३ गणनया
२४५	१०६६	पार्वण श्राद्ध प्रयोग	–	१-४
२४६	६०६	यज्ञोपवीत विधि	–	१-७
२४७	८६२	नित्यतर्पण विधि	–	१-३
२४८	८६६	लिङ्ग प्रतिष्ठाविधि	–	१-४
२४६	४३५६	श्री कृष्ण जन्माष्टमी कथा	–	१-७
२५०	४३७६	अग्निष्टोम ब्रह्मत्व	–	१-१२
२५१	४३७२	दीक्षाग्रन्थ	–	१-५
२५२	४४०६	श्राद्ध प्रयोग	भट्टनारायण	१-२२
२५३	४४०७	सर्वतोभद्र मण्डल विधि	–	१-१०
२५४	४४०६-क	समाराधना प्रयोग	–	१-५
२५५	४४०६-ख	समाराधना	–	१-३

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१०×३	८	३६	दे.ना.	कागज	सं. १८५५	पूर्ण		२३५
८.४×४.१	६	२६	”	”	सं. १६८२	अपूर्ण		२३६
६×४	७	३४	”	”	–	पूर्ण		२३७
६×४	५	२१	”	”	सं. १६०४	पूर्ण		२३८
६×३.१०	११	४०	”	”	सं. १७४३	पूर्ण		२३६
६.२×३.१०	१०	४०	”	”	–	पूर्ण		२४०
६.३×४	६	३८	”	”	सं. १८६६	पूर्ण		२४१
७.२×४.१०	८	२४	”	”	–	पूर्ण		२४२
१०.५×४.१०	११	५२	”	”	–	पूर्ण		२४३
१०×४.५	८	४५	”	”	–	अपूर्ण		२४४
१०.५×४.४	१५	५३	”	”	–	अपूर्ण		२४५
६.४×३.८	७	२६	”	”	१८६२	पूर्ण		२४६
६×३.६	११	३२	”	”	–	पूर्ण		२४७
६.५×४	१०	३२	”	”	–	पूर्ण		२४८
१०.६×४.६	७	३२	”	”	–	पूर्ण		२४६
६×३.३	१४	३६	”	”	–	पूर्ण		२५०
८.६×४.४	८	३२	”	”	–	पूर्ण		२५१
६.५×४.१	६	३२	”	”	–	पूर्ण		२५२
६.३×४.३	६	३१	”	”	–	पूर्ण		२५३
६.१×४.२	११	३६	”	”	–	पूर्ण		२५४
६.१×४.२	११	३२	”	”	शक १७२६	पूर्ण		२५५

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
२५६	४३३७	होमविधि	–	१-४
२५७	४२६६	विवाह पद्धति	–	१-१५
२५८	३७८३	हौत्र	–	१-६
२५९	३७६४	समावर्तन प्रयोग	–	१-११
२६०	६२३	वास्तुशांति प्रयोग	–	१-१६
२६१	३८६१	सन्यास कर्म प्रतिपादन	शंकराचार्य	२-१६
२६२	६५६	माघकृष्ण चतुर्थी व्रत	–	१-४
२६३	६२१	उपाकर्मविधि	–	१-४
२६४	१३८०	प्रातः सायन्त कर्म पद्धति	–	१-१२
२६५	१३७२	पुण्याह वाचन	मगन मिश्र	१-१०
२६६	६५१	कुश पलाश व्रत कथा	–	१-५
२६७	४३७५	व्रतबन्ध	–	१-१२
२६८	५३८४	जलोत्सर्ग	यज्ञदत्त	१-१६
२६९	१३०४	प्रातः सामान्त कर्म पद्धति	–	१-३
२७०	१४८२	पार्थिव पटल	–	१-५
२७१	१४५३	वासुदेव पूजन	–	१-२
२७२	१२८२	पादुकाप्रसार	–	४ गणनया
२७३	१२८३	गोदानसामग्री	–	१-३
२७४	१२६३	तर्पण प्रयोग	–	१-८
२७५	१२८५	दीक्षा प्रकाश माला संस्कार	–	१-४
२७६	१३१८	महालक्ष्मी व्रत कथा	–	१-१६
२७७	१२३५	पूजाप्रसंग	–	१-६
२७८	१३८८	पार्थिवचिंता मणि	–	१-१०
२७९	१२१३	नित्यश्राद्ध	–	१-८

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१०.७×४.४	१०	३१	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण		२५६
८.६×४.२	८	१७	”	”	–	पूर्ण		२५७
६.६×४.२	१०	३८	”	”	शक १७१५	पूर्ण		२५८
८.६×४	७	२८	”	”	–	पूर्ण		२५९
६.५×३.७	१०	३४	”	”	–	पूर्ण		२६०
६.६×४.२	६	३५	”	”	–	अपूर्ण		२६१
१०×३.३	६+१	४०	”	”	–	पूर्ण		२६२
६.८×४.३	१०	३६	”	”	–	पूर्ण		२६३
१०.४×४.१	७	२६	”	”	–	अपूर्ण		२६४
१०.७×४.२	७	३०	”	”	–	पूर्ण		२६५
६.४×३.६	८	३४	”	”	–	पूर्ण		२६६
६.२×४.३	८	२६	”	”	सं. १७४८	पूर्ण		२६७
६.१×४.१	१०	२६	”	”	–	पूर्ण		२६८
६.५×४.३	८	२८	”	”	–	पूर्ण		२६९
८.२×३.२	१०	२२	”	”	–	पूर्ण		२७०
८×४	१३	५३	”	”	–	पूर्ण		२७१
१०.१×४.३	१०	३२	”	”	–	पूर्ण		२७२
८.४×४.४	६	२५	”	”	–	पूर्ण		२७३
१०.१×४.२	७	३२	”	”	–	पूर्ण		२७४
१०×३.१	६	३६	”	”	–	पूर्ण		२७५
१०.५×४.१	८	२७	”	”	–	पूर्ण	अंतिम पृष्ठ अति जीर्ण	२७६
६.७×४	६	२६	”	”	–	पूर्ण		२७७
६.६×४	१०	३८	”	”	–	पूर्ण		२७८
६.२×४.३	८	३१	”	”	–	पूर्ण		२७९

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
२८०	१२१४	संकटहरण चतुर्थी व्रत कथा	-	१-८
२८१	१७७३	जैमिनी न्याय माला	-	१-४६
२८२	१७७२	जैमिनी न्याय माला	-	१-६६
२८३	१७७४	जैमिनी न्याय माला	-	१-२७
२८४	१७७५	जैमिनी न्याय माला	-	२-३५
२८५	१७४६	जैमिनी न्याय माला	-	६०-६५
२८६	५६८५	संकल्प विधि	-	१-७
२८७	५६८६	विन्ध्यपराध प्रायश्चित	-	१-६
२८८	३८६८	आपोदेवी	आपोदेव	१-३० ३७-७२
२८६	३७१५	काशिराजा भिषेक पूर्व विधि	-	१४१ गणतया
२६०	३६१६	प्रतिष्ठा मयूख	भट्टनीलकंठ	३-२६
२६१	३६७२	आचारादर्श	दत्त	१४ गणनया
२६२	१२२७	गणपति विधान	-	१-४
२६३	८१६	आपदुद्धार मंत्र	-	१-८
२६४	१०५२	प्रायश्चित विधि	-	१-६
२६५	१३६७	अग्निष्टोमस्य ब्राह्मणच्द्वंसि प्रयोग	-	१-११
२६६	३६८६	काकारिष्ट विनाशिनी शांति	-	१-३
२६७	३६६६	अशौच निर्णय	-	१-१७
२६८	३२४७	अदुखनवमी व्रत कथा	-	१-४
२६६	५५६६	सन्ध्योपासनादि कर्म	-	१-३
३००	१००८	कालिका पूजा विधि	-	८ गणनया
३०१	६६६	जीर्णोद्धार विधि	कमलाकर भट्ट	१-४५
३०२	११६६	अनन्त व्रत कथा	-	२-१७
३०३	५७२६	पुंसवन विधि	-	१-६
३०४	१०७५	अनन्तव्रत कथा	-	१-४
३०५	३६५२	कुण्ड विधि	ईश्वर दत्त	१-२५

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.६×४.३	१०	२५	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण		२८०
१०.६×४.१	१३	४२	”	”	–	पूर्ण		२८१
११×४.७	१३	३८	”	”	–	पूर्ण		२८२
११×४.६	१३	४४	”	”	–	पूर्ण		२८३
११.१×४.१	१४	३८	”	”	–	अपूर्ण		२८४
११×४.७	१०	३५	”	”	–	अपूर्ण		२८५
६.५×४.८	१६	५२	”	”	–	पूर्ण		२८६
६.२×४.२	१३	४८	”	”	–	पूर्ण		२८७
१२×४	८	४०	”	”	–	अपूर्ण		२८८
११.१×५.३	६	३४	”	”	–	अपूर्ण		२८९
१२.३×४.२	१०	३७	”	”	–	अपूर्ण		२९०
१२×४.४	६	५१	”	”	–	अपूर्ण		२९१
६.६×४.२	१०	३८	”	”	–	पूर्ण		२९२
६.२×३.८	८	३३	”	”	–	पूर्ण		२९३
८.५×३.६	७	२६	”	”	–	पूर्ण		२९४
१०.५×४.२	७	४०	”	”	१९६५	पूर्ण		२९५
६.३×४	११	१८	”	”	–	अपूर्ण		२९६
१२.४×४.२	१०	४०	”	”	–	पूर्ण		२९७
८.६×३.६	११	३७	”	”	सं. १७४६	पूर्ण		२९८
११.५×५.५	१६	४७	”	”	१९०५	पूर्ण		२९९
१०×४.५	६	३६	”	”	–	पूर्ण		३००
११×४.५	६	४२	”	”	१९३५	पूर्ण	जीर्ण प्रथम पृष्ठ	३०१
१०.६×४.१	८	२५	”	”	–	अपूर्ण		३०२
६.५×५	११	३०	”	”	१८२७	पूर्ण		३०३
६.७×४.८	१५	३६	”	”	१८१७	पूर्ण		३०४
१०.२×४.१	८	३२	”	”	१८६६	पूर्ण		३०५

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
३०६	४३१३	चौबिस गायत्री	–	१-२०
३०७	४०७५	सरोज सुन्दर	–	१-१०
३०८	४०६५	अधिकरण कौमुदी	रामकरण भट्टाचार्य	१-६
३०६	४२६४	स्वस्ति वाचन	–	१-८
३१०	४३४५	नवग्रह होम विधि	–	१-३१
३११	५४२३	कूष्माण्ड होम	–	१-६
३१२	५३६७	गायत्री पद्धति मातृका कोश	–	३७ गणनया
३१३	१२६६	संक्षेपण सप्ताह विधि	–	१-७
३१४	३६२३	श्रौतमणि प्रयोग	–	२० गणनया
३१५	१२६०	त्रिपुरापूजा पद्धति	मनसा राम	१-७
३१६	१२६७	ऋषि पंचमी व्रत कथा	–	३+३ = ६
३१७	१२५६	वक्रतुंड पूजा विधि	–	१-६
३१८	१५०८	सत्यनारायण कथा	–	१-१५
३१६	१४८०	दान खण्डोका स्वस्तिवाचन	–	५ गणनया
३२०	१४७५	यमद्वितीया कथा	–	१-५
३२१	१२८६	संध्या प्रयोग	–	१-५
३२२	१२५५	संन्यास विधि	–	१-३
३२३	१२०१	बृहस्पति पूजा	–	१-६
३२४	१२४०	प्रदक्षिण प्रार्थना	–	१-२
३२५	१२२०	हेमाद्रि प्रयोग	–	१-५
३२६	१२८७	हरितालिका व्रत कथा	–	१-४
३२७	४३६७	श्राद्धमयूख	–	१-४१
३२८	४३४२	होमविधि	–	१-७
३२६	४३३६	प्रदोषपूजा विधि	–	१-४
३३०	४३३८	चतुर्थी व्रत कथा	–	१-३

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.१×४.२	६	१५	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण		३०६
६.७×४	११	४०	”	”	–	पूर्ण		३०७
८.६×३.१	६	३४	”	”	–	अपूर्ण		३०८
५×४	७	१४	”	”	–	पूर्ण		३०९
१०×४.२	१०	२२	”	”	१८८२	पूर्ण		३१०
१०.५×४.५	११	४२	”	”	–	पूर्ण		३११
११×४.६	६	३७	”	”	–	अपूर्ण		३१२
१०.८×४.२	१०	४४	”	”	१३०५	पूर्ण		३१३
८×४	१५	२३	”	”	–	अपूर्ण		३१४
१०.४×४.३	१०	४८	”	”	–	पूर्ण		३१५
१०.६×४.१	६	२४	”	”	–	अपूर्ण		३१६
११×४.८	११	५१	”	”	–	पूर्ण		३१७
१०.६×४.६	६	३२	”	”	१६१६	पूर्ण		३१८
६.५×५	६	२३	”	”	–	अपूर्ण		३१९
१२.३×४.८	६	३०	”	”	–	पूर्ण		३२०
१०.६×४.३	१२	३०	”	”	–	पूर्ण	जीर्ण शीर्ण	३२१
१०.६×४.५	१०	२६	”	”	१६५३	पूर्ण		३२२
१०×५.२	१०	३१	”	”	–	पूर्ण		३२३
८.७×४.६	१०	३०	”	”	–	पूर्ण		३२४
६.७×४.४	११	४४	”	”	शक १७३०	पूर्ण		३२५
१२.२×४.६	११	३८	”	”	सं. १६०४	पूर्ण		३२६
११×४.६	१०	३६	”	”	–	पूर्ण		३२७
१०×४.५	१०	२७	”	”	१८८२	पूर्ण		३२८
१०.६×४.८	१०	३१	”	”	–	पूर्ण		३२९
११×४.६	८	३०	”	”	–	पूर्ण		३३०

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीका कार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
३३१	४००८	मंत्रशास्त्र	–	१४+१=१५
३३२	४०७०	मंत्रशास्त्र	–	१-७
३३३	४३७७	गृह्य कर्म हिरण्यकेशी	रामचन्द्र भट्ट	१-५१
३३४	४३४४	गोदान विधि	–	१-३
३३५	६८५	श्रावण द्वादश व्रत उद्यापन विधि	रामनाथ भट्ट	१-४
३३६	६६७	धर्माधिसार	–	१२ गणनया
३३७	१४६४	स्वस्तिवाचन विधि	–	१-१४
३३८	१२५०	सौभाग्य तंत्र प्रयोग विधि	–	१-२
३३६	१२४७	शिवरात्रि व्रत	–	१-११
३४०	६४७	रामनाम लेखनोद्यापन विधि	–	१-३
३४१	८८६	तुलसी विवाह पद्धति	–	१-६
३४२	६२२	पुण्याहवाचन	–	१-५
३४३	८७३	दुर्गा मंत्र पूजा	–	१-५
३४४	६६५	सर्वतोभद्र मंत्र देवपूजन	–	१-१०
३४५	१२६०	मूर्ति शुद्धि प्राणप्रतिष्ठा	–	१-२
२४६	५१५८	वृहद उत्तर कण्डिका	–	१-३२
३४७	५१६०	संधान	–	१-११
३४८	१६६२	प्रायश्चित्ताध्याय	–	१-१०७
३४६	३६४७	व्रतकौमुदी	श्रीशंकर	१-६५
३५०	३६४०	स्मृत्यसार	–	१-४३
३५१	१७७६	नित्योत्सव	आनन्दनाथ	१-७३
३५२	५१२६	हनुमत् दीपदान मंत्र विधान	–	१-५७
३५३	३६३७	स्मृति कौस्तुभ	अनन्तदेव	१-२७३
३५४	१७५४	कूपचंद्रिका	–	१-२

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
११.६×४.७	१०	४६	दे.ना.	कागज	–	अपूर्ण		३३१
८.६×४.२	११	२१	,,	,,	–	पूर्ण	जीर्ण	३३२
१२.२×४.७	११	५१	,,	,,	–	पूर्ण		३३३
११.८×५	१०	३७	,,	,,	१८७६	पूर्ण		३३४
१२×४.७	७	५२	,,	,,	–	पूर्ण		३३५
११×५.६	८	४०	,,	,,	–	अपूर्ण		३३६
६.४×४.३	७	२५	,,	,,	–	अपूर्ण		३३७
१०.७×४.७	६	३२	,,	,,	–	अपूर्ण		३३८
१०×४.२	१२	४४	,,	,,	–	पूर्ण		३३९
१०.६×४.४	७	४१	,,	,,	–	पूर्ण		३४०
१०.८×४.५	१०	३५	,,	,,	–	पूर्ण		३४१
१०.६×४.५	१२	३४	,,	,,	–	पूर्ण		३४२
१०×४.५	६	३०	,,	,,	–	पूर्ण		३४३
१०.६×४.८	६	३३	,,	,,	–	पूर्ण		३४४
६.५×५.६	१०	३५	,,	,,	–	पूर्ण		३४५
१०.६×४.५	८	३४	,,	,,	–	पूर्ण		३४६
११.१×४.७	८	३१	,,	,,	–	पूर्ण		३४७
१०.६×४.४	१२	२८	,,	,,	–	पूर्ण		३४८
१०.७×५.५	१३	४५	,,	,,	–	पूर्ण		३४९
११×४.८	१२	३५	,,	,,	–	पूर्ण		३५०
१३.४×४	८	४०	,,	,,	–	पूर्ण		३५१
१३.८×४.२	७	४४	,,	,,	–	पूर्ण		३५२
१३.२×४.२	१०	५४	,,	,,	सं. १८७२	पूर्ण		३५३
१२.८×५.४	११	३७	,,	,,	१९१८	अपूर्ण		३५४

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
३५५	१७६२	दीपदान	–	२-१०
३५६	१५५६	संध्या भाष्य	चतुर्भुज शर्मा	१-१२
३५७	७८८	सत्यनारायण व्रतकथा	–	१-१४
३५८	४३६६	दीक्षा विधि	दुर्गाप्रसाद चतुर्वेदी	१-१७
३५९	४३५१	होम पद्धति	–	१-१६
३६०	३६८१	भक्ति रत्न प्रबोधिनी	–	१-१०
३६१	४११५	हरि तालिका व्रत कथा	–	१-७
३६२	४०६६	कर्मकांड विषयक	–	१-१२
३६३	४००५	गायत्री निर्णय	–	१-५
३६४	५१७२	शालग्राम निर्णय	–	१-४
३६५	८०४	प्रतिष्ठा विधि	–	१-२१
३६६	३६३८	कृत्यरत्नावली	भट्ट रामचन्द्र	१-८५
३६७	१७६३	अशौच निर्णय	भट्टोजि दीक्षित	१-७
३६८	१३४४	विवाह पद्धति	–	१-१८
३६९	१३५६	एकादशी उद्यापन	–	१-२
३७०	१३४५	बलिदान विधि	–	१-४
३७१	११०७	महालक्ष्मी पूजा पद्धति	–	१-७
३७२	११४३	ग्रह स्थापन विधि	–	१-१५
३७३	११०८	पार्वण श्राद्ध पद्धति	–	१-१३
३७४	६७२	कुमारी पूजन विधि	–	१-५
३७५	१३५४	सत्यनारायण व्रतकथा	–	२-६
३७६	११०६	विष्णु याग	–	१-१५
३७७	३८७६	धर्म तत्व कमलाकर	कमलाकर भट्ट	३७, ८८-१२५
३७८	४०६३	प्रायश्चित कदम्ब	गोपाल भट्टाचार्य	४१ गणनया
३७९	५७४४	महारुद्र प्रयोग	काशी दीक्षित	१-६०

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१२.६×५.६	१०	३६	दे.ना.	कागज	–	अपूर्ण		३५५
१३.३×५	६	४०	”	”	–	पूर्ण		३५६
१०.५×५.५	६	३१	”	”	–	पूर्ण		३५७
१३×४.१	१०	६४	”	”	–	पूर्ण		३५८
१०.१×४.६	११	२८	”	”	–	पूर्ण		३५९
६.६×४.३	१०	३६	”	”	–	पूर्ण		३६०
६×५	७	२४	”	”	–	अपूर्ण		३६१
१०.६×४.१	१०	३५	”	”	सं. १८७१	अपूर्ण	जीर्ण	३६२
१०×६.५	२०	१६	”	”	–	पूर्ण	जीर्ण	३६३
१२.७×५.३	६	४२	”	”	१८६८	पूर्ण		३६४
१२.६×६.२	६	३४	”	”	१६१६	पूर्ण		३६५
१०.६×४.१	६	३०	”	”	–	पूर्ण		३६६
६.५×४.२	८	२६	”	”	–	पूर्ण		३६७
६.६×४.६	१०	३२	”	”	१८८६	पूर्ण		३६८
६.६×४.२	६	३२	”	”	–	पूर्ण		३६९
६×४.२	१०	२६	”	”	१८११	पूर्ण		३७०
१०.८×४.१	८	४६	”	”	–	पूर्ण		३७१
१०.६×४.१	६	२५	”	”	१६०३	पूर्ण		३७२
१०×४.५	६	२४	”	”	१८६८	पूर्ण	जीर्ण	३७३
११.२×५.२	७	२३	”	”	१६२६	पूर्ण		३७४
११.१×५.४	१२	३६	”	”	१८६२	अपूर्ण		३७५
१०.६×४.५	७	४०	”	”	–	अपूर्ण		३७६
११.८×४.५	१३	४२	”	”	–	अपूर्ण		३७७
१२×४.४	१०	४८	”	”	–	पूर्ण		३७८
१०.६×४.१	७	३३	”	”	–	पूर्ण		३७९

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
३८०	४०१३	ऋषि पंचमी व्रत कथा शिवरात्रि व्रत कथा	–	१-२२
३८१	३६६२	शुद्धि विवेक	–	१-५८
३८२	४०६२	प्रायश्चित विवेक	भूल पाणि	१-११६
३८३	३७२७	शिवपूजा संग्रह	बलभेन्द्र सरस्वती	१-४८
३८४	३७६२	दर्श पौर्ण मास प्रकृति हौत्र	सखा राम	१-१६
३८५	३८८७	पुरश्चरण पद्धति	–	१-२५
३८६	३७६०	सोमपान विचार	अनंत शर्मा	१-८
३८७	३७३६	तदन्तोल्लास :	–	१-१५
३८८	३७२६	शिव पंचाक्षरी मुक्तावली	–	१-३३
३८९	३७४१	चामुंडा पाठ पद्धति	–	१-२३
३९०	३६६७	हेमाद्रिका निर्णय	भट्टोजिदीक्षित	१-२७
३९१	५७५५	कृत्यचिन्तामणि	–	१-३१३
३९२	३८०६	जीवत श्राद्ध	महादेव	१-८
३९३	४६८७	गायत्री उपासना	–	१-२
३९४	३८१०	सर्व प्रायश्चित	–	१-३
३९५	३८०७	अन्वष्टकाश्राद्ध	–	१-४
३९६	३६०४	आपस्तम्बीय चातुर्मास्य प्रयोग	–	२१ गणनया
३९७	३८९६	आपस्तम्बीय विवाह प्रयोग	जगन्नाथ	१-६
३९८	३८९८	तृतीय विवाह पद्धति	–	१-२, ४-७
३९९	६३२	शिवनित्य पूजा पद्धति	–	१-१६
४००	५३८६	उदकशांति	सदाशिव	१-४४
४०१	५३३०	दीपक श्राद्ध	–	१-३
४०२	५३६६	ऊर्ध्वपूण्ड्र विवेक रहस्य	–	१-३
४०३	५१७३	व्यतीपात व्रत	–	१-६
४०४	५१०५	श्री बाला पूजा	–	१-१०

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१०.७×५.६	१४	३७	दे.ना.	कागज	–	अपूर्ण	जीर्ण	३८०
१३×५	८	३७	,,	,,	–	पूर्ण	जीर्ण	३८१
१२.८×४.८	६	५०	,,	,,	१६७६	पूर्ण		३८२
६.६×४.४	८	३०	,,	,,	१८६१	पूर्ण		३८३
७.५×३.८	७	२१	,,	,,	–	पूर्ण		३८४
१०×४.५	७	३४	,,	,,	–	पूर्ण		३८५
७.५×४	१४	३४	,,	,,	–	पूर्ण		३८६
१२×४.६	७	३८	,,	,,	–	पूर्ण		३८७
८.६×३.६	११	३८	,,	,,	–	अपूर्ण		३८८
६.६×४.४	६	३६	,,	,,	–	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	३८९
११.२×४.५	६	४१	,,	,,	–	पूर्ण		३९०
१०.८×४.३	१०	३४	,,	,,	–	पूर्ण		३९१
८.३×३.७	८	३१	,,	,,	–	पूर्ण		३९२
६.८×४.१	११	३६	,,	,,	–	पूर्ण		३९३
८.२×४	१२	३३	,,	,,	–	पूर्ण		३९४
८.३×४	१०	२६	,,	,,	–	पूर्ण		३९५
८.३×३.८	६	२४	,,	,,	–	अपूर्ण		३९६
८×३.३	८	३१	,,	,,	–	अपूर्ण		३९७
७.५×३.३	६	३३	,,	,,	–	अपूर्ण		३९८
६.५×४.२	८	३७	,,	,,	१८५५	पूर्ण		३९९
८.२×४	८	२४	,,	,,	–	पूर्ण		४००
८.४×३.५	५	३३	,,	,,	–	पूर्ण		४०१
७×३.४	५	२१	,,	,,	–	पूर्ण		४०२
५.३×४	६	२७	,,	,,	–	अपूर्ण		४०३
८×३.८	८	१८	,,	,,	–	पूर्ण		४०४

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
४०५	५७४२	एक वस्त्र स्नान विधि प्रयोग	–	१-६
४०६	५६६७	पुत्र परिग्रह विधि	–	१-४
४०७	५६६४	गुरुपरम्परा	–	१-३
४०८	५२१७	श्राद्ध कल्पना	–	१-२०
४०९	५२२२	अरुण स्मृति प्रति ग्रह प्रायश्चित	–	१-८
४१०	५४८०	पुनराधेय प्रयोग	राम कृष्णदेव	१-६
४११	५४८२	आह्निक	–	१-३२
४१२	५४८१	बौधायनोक्त आग्नीध्र प्रयोग आश्वालायन वृहत्व प्रयोग	–	१-१६
४१३	५४७६	शक्ति पार्थिव पूजा	–	१-४
४१४	४४०१	अनाशन ग्रहण विधि	–	१-४
४१५	५४१६	अथगण होम	–	६ गणनया
४१६	५४०६	आग्रायण प्रयोग	–	१-८
४१७	५३८७	बौधायन सूत्रे दर्शपूर्ण मास	–	१-११
४१८	८४०	महालक्ष्मी व्रत	–	१-१०
४१९	२५७०	रुद्र विधान	शिवदत्त पाण्डे	११-०
४२०	११६०	सत्यनारायण व्रत कथा	–	१-१८
४२१	८५१	लिंग प्रतिष्ठा विधि	–	१-६
४२२	८१३	उत्सर्जन उपाकर्म	–	३-४६
४२३	१०७६	बन्ध्या प्रायश्चित	–	१-४
४२४	१२३७	विवाह पद्धति	–	१, ३-२४
४२५	१३६६	यशोदा पूजा	–	१-४
४२६	४०१२	आचार तिलक	–	१-६५
४२७	१५०६	अथ सन्ध्या प्रारम्भ	–	१-४
४२८	१२७६	ज्येष्ठा रोपण विधि	–	१-१०
४२९	१४०६	शुद्ध श्राद्ध पद्धति	–	१-३

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८.७×३.८	१०	२७	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण		४०५
८×३.२	५	१८	”	”	–	पूर्ण		४०६
८.४×४.४	१०	३२	”	”	१८७०	पूर्ण		४०७
८.३×४	६	२४	”	”	–	पूर्ण		४०८
६.५×४.२	११	३६	”	”	–	पूर्ण		४०६
६.५×४.१	१३	४२	”	”	१८६०	पूर्ण		४१०
६.५×४.२	६	३२	”	”	–	पूर्ण		४११
८.६×४	६	२६	”	”	–	पूर्ण		४१२
६×३.७	६	३८	”	”	–	पूर्ण		४१३
८.५×३.८	६	२८	”	”	–	पूर्ण		४१४
६.२×४	११	३७	”	”	–	पूर्ण		४१५
६.२×४	१०	४४	”	”	–	पूर्ण		४१६
८.८×३.३	६	३३	”	”	–	पूर्ण		४१७
६.६×४.३	८	२८	”	”	–	पूर्ण		४१८
६.४×४.२	७	२५	”	”	१८६७	अपूर्ण		४१६
१०.६×४.५	७	२६	”	”	–	पूर्ण	खण्डित	४२०
६.६×४.२	१३	४१	”	”	–	अपूर्ण		४२१
६.५×४.४	१०	३०	”	”	१८७५	अपूर्ण	जीर्ण	४२२
१०.३×४.५	११	३८	”	”	–	पूर्ण		४२३
१०.१×४	८	३०	”	”	–	पूर्ण		४२४
१०.६×४.५	८	३४	”	”	–	पूर्ण		४२५
६.५×६.२	१२	३०	”	”	१८६२	पूर्ण	जीर्ण	४२६
६.६×३.५	६	२०	”	”	–	पूर्ण		४२७
६.६×४.२	६	२८	”	”	–	पूर्ण		४२८
६.२×४.२	१०	३२	”	”	–	पूर्ण		४२६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
४३०	१४७६	घट स्फोट विधि	–	१-५
४३१	१४६६	कर्म विपाक	–	१-१०
४३२	३८७२	पुत्र प्रतिग्रह प्रयोग	–	१-८
४३३	८०७	तुलादान	–	१-२
४३४	५६००	उपनयन करण	–	६ गणनया
४३५	५६०२	श्रावण द्वादशी व्रत कथा	–	१-८
४३६	५६०३	दर्शपूर्ण मास हौत्र	–	१-१४
४३७	५६०७	कृष्ण जन्माष्टमी व्रत कथा	–	१-१७
४३८	८५०	दीक्षासार निर्णय	–	१-६
४३९	१३७७	आराम प्रतिष्ठा	–	१-६
४४०	१०४८	षोडशोपचार पूजन	–	१-६
४४१	१०६०	ज्वरशांति	–	१
४४२	१०५८	तुलसी व्याह पूजन	–	१-६
४४३	८११	लक्षवर्तिकोद्यापन	–	१-२
४४४	११५४	हनुमानाष्टक	–	१-२
४४५	११७६	यंत्र प्रतिष्ठा पद्धति	–	१-२
४४६	१०८८	ब्रह्मयज्ञ	–	१-२
४४७	५६७३	शुद्धि निर्णय	–	१-८
४४८	५६७०	षष्टिका पूजा विधि	विश्वनाथ	१-१७
४४९	११८४	ज्वरशांति	–	१-२
४५०	५५८४	सोमवती अमावस्या व्रत कथा	–	१-४
४५१	३६७६	वृतार्क	नीलकंठ भट्ट	१-१७१
४५२	५३६६	मल्लारि माहात्म्य	–	१-५
४५३	१०४१	यज्ञोपवीत कर्म	–	१-१२
४५४	५१७४	दशपूर्णमास	–	१-६३
४५५	७०१	अशौचनिर्णय	–	१-६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८×३.८	१०	२५	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		४३०
६.४×४.५	११	३३	”	”	-	पूर्ण		४३१
६.५×४.५	८	२०	”	”	-	पूर्ण		४३२
११×४.५	१०	२६	”	”	-	पूर्ण		४३३
६×४.५	६	३४	”	”	-	पूर्ण		४३४
१०.२×४.४	७	२६	”	”	-	पूर्ण		४३५
६.५×४.७	६	२६	”	”	-	पूर्ण		४३६
६.५×४	७	२७	”	”	१८८८	पूर्ण		४३७
६.४×४.८	११	३८	”	”	-	पूर्ण		४३८
६.६×४.४	१०	३६	”	”	-	पूर्ण		४३९
६×३.६	८	२७	”	”	१७२६	पूर्ण		४४०
८.५×३.८	१३	४१	”	”	-	पूर्ण		४४१
८.२×४	८	२३	”	”	-	पूर्ण		४४२
८.२×४	११	३६	”	”	-	पूर्ण		४४३
८.२×४	५	२७	”	”	-	पूर्ण		४४४
६.१×४.६	१२	३२	”	”	-	पूर्ण		४४५
८.७×४	७	२६	”	”	-	पूर्ण		४४६
१०.१×३.५	६	३२	”	”	-	पूर्ण		४४७
६.८×४.६	८	२६	”	”	-	पूर्ण		४४८
८.८×४.८	१२	२८	”	”	-	पूर्ण		४४९
१०×४.४	१२	४०	”	”	-	पूर्ण		४५०
१३.२×७	१५	५६	”	”	शक १७६४	पूर्ण		४५१
५.६×४.४	७	१५	”	”	-	पूर्ण		४५२
८.६×५	१२	२२	”	”	सं. १८६२	पूर्ण	जीर्ण	४५३
६.५×५	११	२६	”	”	-	पूर्ण		४५४
१०.७×४.५	१२	३४	”	”	-	अपूर्ण		४५५

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीका कार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
४५६	१६०१	दर्शफलमास व्याख्या	–	१-४१
४५७	५११६	वारुण मंडल प्रकार	–	१-१६
४५८	५६३७	ग्रहादिनां पूजा होम विधि	–	१-१३
४५९	५५६२	तिरुवाराधनक्रम	–	१-५
४६०	५६५०	पार्वण श्राद्ध	–	१-५
४६१	५६५६	परमहंस संन्यास विधि	–	१-६
४६२	१७३८	सध्योपासन विधि	–	१-७
४६३	१७३४	नकुली विधान	–	१-४
४६४	१७४६	भूतशुद्धि प्राण प्रतिष्ठा	–	१-५
४६५	१७५६	तांत्रिक संध्या	–	१-६
४६६	१०६५	महालक्ष्मी व्रतकथा	–	१-८
४६७	३७१३	राजाभिषेक प्रयोग	–	१-२३
४६८	१७५१	रुद्रचण्डी	–	१-६
४६९	३६०२	श्राद्ध मयूख	–	१-७२
४७०	३६३०	शुद्धि विवेक	रुद्रधर	१-७६
४७१	३६१०	वाजसनेय हौत्र सूत्र	कात्यायनाचार्य	१-१७
४७२	३६०६	याजुष हौत्र	कर्कोपाध्याय	१-१६
४७३	११६७	भौम पूजा विधि पद्धति	–	२-१७
४७४	८२५	कार्तवीर्य दान	केरल	१-७
४७५	१०४५	गणेशमंत्र विधान	–	१
४७६	३२०८	ऋषि पंचमी व्रत कथा	–	१-१२
४७७	५२६	सत्यनारायण कथा	–	१-२१
४७८	२७३	आदित्य व्रत उद्यापन	–	१-५
४७९	२७२	ऋषि पञ्चमी व्रत कथा	–	१-५
४८०	२६७	महिम्नात्मक लिंग प्रतिष्ठा स्थापना विधि	–	१-१०

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
११.३×४	६	४७	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण		४५६
६.६×४.४	६	३६	,,	,,	–	पूर्ण		४५७
१०.६×४.६	८	१६	,,	,,	–	पूर्ण		४५८
६.५×५	१०	३२	,,	,,	–	पूर्ण		४५६
१०.५×४.५	६	३२	,,	,,	–	पूर्ण		४६०
६.५×४.८	१४	४२	,,	,,	–	पूर्ण		४६१
११.६×४.७	७	२८	,,	,,	१८४१	पूर्ण		४६२
१०.६×४.४	१०	४५	,,	,,	–	पूर्ण		४६३
१०.८×४.५	७	३४	,,	,,	–	पूर्ण		४६४
१०.२×४.८	६	२३	,,	,,	–	पूर्ण		४६५
६.१×४.१	१३	३७	,,	,,	–	पूर्ण		४६६
१०.८×५	१०	३१	,,	,,	–	पूर्ण		४६७
११×४.६	७	३७	,,	,,	१६१०	पूर्ण		४६८
११.४×५	१०	३८	,,	,,	–	अपूर्ण		४६६
११×४.५	८	३८	,,	,,	१७७०	पूर्ण		४७०
१०×४.५	१३	३७	,,	,,	–	पूर्ण		४७१
१०×४.५	११	३०	,,	,,	–	पूर्ण		४७२
११.७×४.७	१०	३७	,,	,,	संवत् १६१३	अपूर्ण		४७३
११.८×४.२	१०	४६	,,	,,	–	पूर्ण		४७४
१०.५×४.५	१२	३६	,,	,,	–	पूर्ण		४७५
६.५×४.४	६	२१	,,	,,	–	पूर्ण		४७६
१०.५×४.५	७	२५	,,	,,	–	पूर्ण		४७७
१०×४.२	६	३७	,,	,,	–	पूर्ण		४७८
११×४.५	८	३५	,,	,,	१६२८	पूर्ण		४७६
११×४.५	१०	३३	,,	,,	१६३१	पूर्ण		४८०

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीका कार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
४८१	२६६	पित्र तर्पणस्य विधि	-	१-४
४८२	३३०	सन्यास ग्रहण पद्धति	-	१६ गणनया
४८३	३३५	एकादशी व्रत उद्यापन विधि	-	१-६
४८४	३३३	श्रीनारायण वलि	-	१-१२
४८५	३७२८	दीक्षा विधि पूर्णाभिषेक	-	१-६१
४८६	३७०४	उपनयन सूत्र वृत्ति	-	१-१२
४८७	५७३६	पाकयज्ञ प्रायश्चित विधि	जगन्नाथ	१-४
४८८	५७३५	रथ सप्तमी व्रत पूजा	-	१-४
४८९	५७३४	मंगल पूजा विधि	-	१-३
४९०	५६८६	रुद्राहुति	-	१-३
४९१	५५५४	कोषीतकीय	-	१-२२
४९२	५४७३	आहिताग्नि	-	१-१३
४९३	५५०३	प्राण प्रतिष्ठा पद्धति पंचामृत विधि	-	१-२८
४९४	११८७	शिवस्थापन विधि	-	१-५२
४९५	१४७८	अचला सप्तमी	-	१-३
४९६	१५१७	सत्यनारायण पूजा विधि	-	१-१२
४९७	१५१७	वास्तुशान्ति पंक्ति प्रारम्भ	-	१-२३
४९८	१३८२	गोमुख प्रसव	-	१-४
४९९	१३३३	त्रिपिंडी विधि	-	१-५
५००	३६५७	प्रायश्चित मञ्जरी	-	१-९४
५०१	१८६७	दिवः भैन्य होत्र	-	१-४
५०२	१८६५	दक्षिण कारिका	-	१-१९
५०३	१८६२	वैश्वदेव	-	१-७
५०४	१८७५	आग्रायण प्रयोग	-	१-६
५०५	१८७४	माला स्थापन	-	१-६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१०.८×४.७	७	२२	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		४८१
१२.४×४.५	८	४२	,,	,,	-	अपूर्ण		४८२
१०.७×४.५	८	२७	,,	,,	-	पूर्ण		४८३
११.४×४.८	८	३६	,,	,,	१८७५	पूर्ण		४८४
६.५×३.७	१२	२३	,,	,,	-	पूर्ण		४८५
६×३.२	७	३४	,,	,,	१५२३	पूर्ण		४८६
६.८×४.४	८	३०	,,	,,	-	पूर्ण		४८७
६×४.२	६	३२	,,	,,	-	पूर्ण		४८८
६.७×४.२	६	३१	,,	,,	-	पूर्ण		४८६
१०×४.३	८	२२	,,	,,	-	पूर्ण		४६०
६.६×४.२	७	३२	,,	,,	-	पूर्ण	चतुर्थ अध्याय	४६१
१०×४.६	११	४०	,,	,,	-	पूर्ण		४६२
११×४.५	७	४०	,,	,,	-	पूर्ण		४६३
१०.६×४.५	७	३१	,,	,,	-	पूर्ण		४६४
१०.२×४.८	६	३२	,,	,,	-	अपूर्ण		४६५
११.३×४.६	१०	३६	,,	,,	-	अपूर्ण	जीर्ण	४६६
१०.२×४	११	४७	,,	,,	-	पूर्ण		४६७
६.५×४.४	११	३३	,,	,,	-	अपूर्ण		४६८
१०.३×४.५	६	२०	,,	,,	-	अपूर्ण		४६६
१०×४.४	६	३२	,,	,,	१८२०	अपूर्ण		५००
६.६×४.५	१०	२६	,,	,,	-	अपूर्ण		५०१
७.४×४.६	१३	३८	,,	,,	-	पूर्ण		५०२
६×४.७	८	१६	,,	,,	१७५२	पूर्ण		५०३
६.८×४.६	१४	३६	,,	,,	-	पूर्ण		५०४
८.४×४.५	६	२५	,,	,,	-	अपूर्ण		५०५

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीका कार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
५०६	१८७१	दशपूर्ण मास प्रयोग	-	१-८
५०७	१८७०	आपस्तम्बीय अग्निहोत्र प्रयोग	-	१-१३
५०८	१६६३	ऋषि पंचमी व्रत कथा	-	१-६
५०६	१६८६	वास्तु शांति प्रयोग	-	१-८
५१०	१६८८	लक्ष्मी नृसिंह पूजा	-	१-६
५११	१६८४	सिद्धि विनायक व्रत स्यमंत-काख्यान	-	१-१८
५१२	१६७६	गृह प्रवेश	-	१-१२
५१३	१६८०	सायं प्रात होंम	महीपति डिंगर	१-६
५१४	१६७३	नारायण बलि	आनन्दाश्रम	१-६२
५१५	५८५	ऋषि पंचमी	-	१-५
५१६	५४६	विशेष पूजा पद्धति	-	१-७
५१७	५५२	हरितालिका व्रत कथा	-	१-११
५१८	२०३६	प्रयोग रत्न	काशी दीक्षित	१-७६
५१६	१६६०	सारणेय व्रत कथा	-	१-५
५२०	३५६२	प्रयोग रत्न	-	१-१४६
५२१	२०२८	आपस्तम्ब सूत्र	-	१-२८
५२२	२०२३	बौधायन चातुर्मास्य प्रयोग	ढुंडिराज	१-४६
५२३	२०२४	प्रयोग रत्न	हरभट्ट	१-४५
५२४	२०२६	अनन्त व्रत पूजा	-	१-७
५२५	२०२०	आपस्तम्बीय प्रायश्चित	-	१-५६
५२६	२०१७	बौधायन काष्ठकाग्नि	-	१-२०
५२७	२००६	त्रिविधा ग्रहमख पद्धति	अनन्त दीक्षित	१-३६
५२८	१६४४	नीलकंठ प्रतिष्ठा मयूख	नीलकंठ	१-२८
५२६	१६३३	दीपदान विधि	-	१-१३
५३०	१६२८	बुधाष्टमी उद्यापन व्रत कथा	-	१-६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६. ७×४.७	१६	४४	दे.ना.	कागज	-	अपूर्ण		५०६
६×५	१३	२४	,,	,,	-	पूर्ण		५०७
१०.२×४.५	८	३३	,,	,,	१८२५	पूर्ण		५०८
६.६×४.७	११	२१	,,	,,	-	पूर्ण		५०९
६ × ४	७	२२	,,	,,	-	पूर्ण		५१०
६.५×४.१	७	२६	,,	,,	-	पूर्ण		५११
१०.८×४.७	१२	३८	,,	,,	-	पूर्ण		५१२
६.७×४.३	८	२४	,,	,,	-	पूर्ण		५१३
८.२×५	६	२७	,,	,,	-	पूर्ण		५१४
१२.४×४.६	१०	५०	,,	,,	-	पूर्ण		५१५
११×५.६	११	४२	,,	,,	-	अपूर्ण	खण्डित	५१६
६.४×६	११	२७	,,	,,	-	अपूर्ण		५१७
१०×४.६	८	३२	,,	,,	-	पूर्ण		५१८
८.३×४.८	८	२३	,,	,,	-	पूर्ण		५१९
६.८×४.२	६	३४	,,	,,	-	अपूर्ण		५२०
८.६×३.७	७	२४	,,	,,	-	पूर्ण		५२१
८.×४	६	२६	,,	,,	शक १६६५	पूर्ण		५२२
६.५×४	१०	३८	,,	,,	१७४७	पूर्ण		५२३
६.२×३.७	१३	४६	,,	,,	सं. १८३१	पूर्ण		५२४
१०×४.५	१०	३७	,,	,,	-	पूर्ण		५२५
१२×५	१०	३८	,,	,,	-	पूर्ण		५२६
१०.८×३.४	११	४४	,,	,,	१८१३	पूर्ण		५२७
११.५×५.१	१२	४५	,,	,,	-	पूर्ण		५२८
६×३.७	६	३२	,,	,,	-	पूर्ण		५२९
८.५×४.८	१४	३३	,,	,,	१७४४	पूर्ण		५३०

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
५३१	३४६८	षोडशीशस्त्र	–	१-४
५३२	२२७३	नवदुर्गापूजा रहस्य	–	१-४०
५३३	३४१५	अवशिष्ट सप्तसंज्ञ का प्रयोगाः	–	१-३६
५३४	३४१७	आश्वलायनाहिताग्ने-रन्त्येष्टि प्रयोग	–	१-६
५३५	३४०७	चातुर्मास्य याजमान	–	१-१२
५३६	३४०८	प्रयोग रत्न	नारायण भट्ट	१-६
५३७	२०५६	भौमपूजा विधि	–	१-२
५३८	३४२१	स्थाली पाक प्रयोग	–	१-३३
५३६	२०४७	षट पंचाशिका	–	१-१४
५४०	३४१६	विष्णु प्रतिष्ठा विधि	–	१-२
५४१	३४२६	ललिता पूजा	–	१-१२
५४२	३३८३	पाक यज्ञ	–	१-१०
५४३	३३८६	आश्वालायन गृहयज्ञ	–	१-१३
५४४	३३८७	श्रवणाकर्म प्रयोग	–	१-२६
५४५	३३८८	स्थालीपाक	नारायण भट्ट	१-२२
५४६	३३६०	परमहंस सन्यास विधि	–	१-८
५४७	३३६२	सन्ध्या सप्त विधि	–	१-२१
५४८	७२७	तुलादान	–	१-५२
५४६	१७०७	वशिष्ठ योग कांड	–	१-२६
५५०	१८४०	बलिदान विधान	–	१-४
५५१	१८४२	सायं सन्ध्या	–	१-२४
५५२	१६४६	श्राद्ध कल्प भाष्य	–	१-१५
५५३	५१४	शिलान्यास विधि	–	१-२
५५४	५१६	मंडल देवता स्थापन	–	१-७
५५५	५१०	जातक कर्मादि संस्कार	–	१-७

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.८×४.३	६	२६	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण		५३१
६.२×४	६	२३	”	”	–	पूर्ण		५३२
७.५×४.२	१०	२१	”	”	–	पूर्ण		५३३
७.७×३.४	१२	४०	”	”	–	पूर्ण		५३४
८×३	७	२४	”	”	–	पूर्ण		५३५
७.६×३.८	१६	४७	”	”	–	अपूर्ण		५३६
८.७×३.३	८	३७	”	”	–	पूर्ण		५३७
६.६×३.६	७	१६	”	”	–	पूर्ण		५३८
८.५×४	१०	२६	”	”	–	पूर्ण		५३६
८.२×३.६	१३	३६	”	”	–	पूर्ण		५४०
१०.७×४.६	७	२६	”	”	–	पूर्ण		५४१
१०.६×४.४	१२	३४	”	”	–	पूर्ण		५४२
१०.८×४.६	१२	४१	”	”	–	पूर्ण		५४३
६.६×३.७	८	३८	”	”	–	पूर्ण		५४४
८.५×३.७	६	३०	”	”	–	पूर्ण		५४५
६.५×३.६	१०	२८	”	”	–	पूर्ण		५४६
८.६×४	८	३२	”	”	–	पूर्ण		५४७
१०.२×४.५	११	३३	”	”	–	अपूर्ण	अपठनीय	५४८
६.८×४.८	७	३२	”	”	–	पूर्ण		५४६
७.६×४.२	७	२३	”	”	–	पूर्ण		५५०
७.६×५	६	२१	”	”	–	पूर्ण		५५१
८×४.५	११	२७	”	”	–	पूर्ण		५५२
१०.८×४.५	१३	५१	”	”	–	अपूर्ण		५५३
११×४.७	१०	३५	”	”	–	अपूर्ण		५५४
१०.५×४.५	१०	४४	”	”	–	अपूर्ण		५५५

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
५५६	५०६	मातृ काय निघट	–	१-८
५५७	५१६७	सनत्कुमार संहिता	–	१-३०
५५८	५१६८	विदगेश संहिता	–	१-५२
५५६	११२	त्रिपिण्डी श्राद्ध प्रयोग	–	१-६
५६०	१५१	श्राद्ध पद्धति	छबिला मिश्र	१-४
५६१	१३१	माला संस्कार	–	१-४
५६२	५३१	शिलान्यास विधि	–	१-३
५६३	५३४	हरतालिका व्रत	–	१-४
५६४	१२४	पार्थिव पूजा विधि	–	१-६
५६५	३५१७	पुरुषाराधन विधि	–	१-४
५६६	२२१४	गृह कर्म पद्धति	–	१-३८
५६७	२०७६	द्वादशमहावाक्य सप्तसूत्र	–	१-४
५६८	३३२	सन्ध्या विधि	शत्रुघ्न मिश्र	१-७
५६६	२०८७	प्रायश्चित्तमञ्जर्यनुक्रमणिका	–	१-१६
५७०	२७७	आग्राहायण होत्र	–	१-११
५७१	३०६	उत्सर्जन प्रयोग	–	१-१०
५७२	२८२	कुण्ड सिद्धि	विठ्ठल दीक्षित	१-६
५७३	२८७	प्रयोग विधि	–	५-८, २६-३८, ४२-४८
५७४	२८६	राम षडाक्षरमन्त्रार्थ	–	२-११
५७५	३२७	महालक्ष्मी व्रत कथा	–	१-५
५७६	३१८	एकादशाहे शान्ति विधि	–	१-५
५७७	३२४	मूलशांति	–	१-४
५७८	८०२	ऋषि पञ्चमी व्रत कथा	–	१-७
५७६	७२६	दशकर्म पद्धति	–	१-५
५८०	७७१	हरितालिका व्रत कथा	–	१-६
५८१	५१६५	अहिर्बुध्न्य संहिता	–	१-१४,१४२ १५०

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
७×३.५	६	१६	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		५५६
१२.८×६.८	६	४३	"	"	-	पूर्ण		५५७
१२.६×६	६	४५	"	"	-	पूर्ण		५५८
११.१×४.५	६	३६	"	"	-	अपूर्ण		५५६
११×४.१	६	३३	"	"	१६२६	पूर्ण		५६०
११×३.५	६	२७	"	"	-	पूर्ण		५६१
१०.२×४.५	८	३३	"	"	-	पूर्ण		५६२
१०.५×५	६	४०	"	"	-	पूर्ण		५६३
६×४.२	१२	४६	"	"	-	अपूर्ण	जीर्ण	५६४
१०.३×५.५	११	२७	"	"	-	पूर्ण		५६५
६.४×३.६	१०	१६	"	"	-	अपूर्ण		५६६
१०.५×४.४	७	३१	"	"	-	पूर्ण		५६७
१०.६×५.३	१२	३६	"	"	१६१३	पूर्ण	मन्त्रार्थ दीपिकायाम्	५६८
१२.८×४.८	६	१५	"	"	-	पूर्ण		५६६
१०.५×५	११	३०	"	"	-	पूर्ण		५७०
६×४	८	३४	"	"	-	पूर्ण		५७१
६.३×३.६	६	२८	"	"	१७१५	पूर्ण		५७२
८.५×४	८	२२	"	"	१८६४	अपूर्ण		५७३
१०×४.४	१२	३६	"	"	-	पूर्ण		५७४
६.८×४.२	११	४१	"	"	१८८१	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	५७५
६.५×४	६	२३	"	"	-	पूर्ण		५७६
६.५×४	११	३२	"	"	-	अपूर्ण		५७७
६.२×४	६	४०	"	"	१६१२	पूर्ण		५७८
१०.८×४.५	११	३७	"	"	-	अपूर्ण		५७६
१०×४	८	२६	"	"	-	पूर्ण	स्कन्दपुराणोक्त, क्षतिग्रस्त	५८०
१४.४×५.७	६	४८	"	"	-	अपूर्ण		५८१

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीका कार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
५८२	५१६२	जयाख्या संहिता		७७, ७८-११२
५८३	२६३४	संस्कार कमलाकर		१-८,११-४३,
			४५-४६,४८-६७	
५८४	२८८४	श्राद्ध चिन्तामणि निर्णय	-	१-५४
५८५	२८७९	गोपद्म व्रत	-	१-३
५८६	२८७८	कात्यायन सूत्र	-	१-५५
५८७	२८७५	अर्घादिपात्र स्थापन विधि	-	१-१०
५८८	२८८६	शान्ति मन्त्र संग्रह	-	१-४७
५८९	५८६४	अशौच निर्णय	-	१-७
५९०	२५६२	पुरश्चरण विधि	-	१,३-१२
५९१	३३२८	निबन्ध महार्णव	मांधातु	१-२६९
५९२	५८०५	शान्तिमयूख	-	१-१११
५९३	४७८	नीराजन विधि	-	१-२
५९४	७२	त्रिमन्त्र ध्यान विधि	-	१
५९५	२८५	त्रिपुर सुन्दरी मानसी पूजा	शंकराचार्य	१,३-१५
५९६	२८३	गंगापूजन विधि	-	१-१२
५९७	७७९	श्राद्ध संकल्प	-	१-१६
५९८	७९२	संध्या प्रयोग	-	१-१५
५९९	७९०	काशी खण्डे षोडशयात्रा		१-२, ४-१४
६००	१९२	सुमुखी नित्यपूजा पद्धति	भवानी प्रसाद	३-२३
६०१	१६१५	श्रवणद्वादशी व्रतकथा	-	१-१३,१६-१७
६०२	१६१९	शिववर्म कथन	-	१२ गणनया
६०३	१६१८	अर्घ्य विधि	-	३ गणनया
६०४	२५१	मानस पूजा	-	१-४
६०५	२३१	महालक्ष्मी पूजा विधि	-	१-४
६०६	२६५	भूतशुद्धि प्राणप्रतिष्ठा	-	१-६
६०७	३०५	शरभमंत्र विधि	-	३६-३९,४२-५६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१३.५×८.२	१६	४४	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण		५८२
८×३.३	७	३७	”	”	–	अपूर्ण		५८३
१०×४.५	६	३०	”	”	–	अपूर्ण		५८४
८.५×३.७	१०	३१	”	”	–	अपूर्ण		५८५
६.४×३.८	६	३५	”	”	–	अपूर्ण		५८६
१०.३×४.२	१३	४१	”	”	–	पूर्ण		५८७
५.७×४	७	२०	”	”	–	अपूर्ण		५८८
८×४	१२	२२	”	”	१८२६	पूर्ण		५८६
१२×४.८	११	४६	”	”	१७३७	अपूर्ण		५६०
११.५×४	११	४७	”	”	१६६३	पूर्ण		५६१
१३.५×७.५	११	४७	”	”	–	पूर्ण	कीट भक्षित	५६२
५.७×३.८	७	१४	”	”	–	पूर्ण		५६३
५.८×४.६	२०	२३	”	”	–	पूर्ण		५६४
५.४×३	७	२०	”	”	१८५८	पूर्ण		५६५
५.५×३.५	६	१६	”	”	१८६५	पूर्ण		५६६
५×३	७	१३	”	”	–	अपूर्ण		५६७
६×२.५	५	२३	”	”	–	पूर्ण		५६८
६.३×३	७	२८	”	”	–	अपूर्ण		५६६
४.५×२.७	७	१५	”	”	–	अपूर्ण		६००
५.७×३.५	७	२२	”	”	–	अपूर्ण	क्षतिग्रस्त	६०१
.	७	२०	”	”	–	अपूर्ण	क्षतिग्रस्त	६०२
५.५×३.५	१०	२५	”	”	–	अपूर्ण		६०३
५.७×३.७	६	२५	”	”	१८२१	पूर्ण		६०४
६×२.७	१३	३४	”	”	१८१७	पूर्ण		६०५
४.७×३.५	६	१८	”	”	–	पूर्ण		६०६
६.३×३	६	२५	”	”	–	अपूर्ण		६०७

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
६०८	२६४	लक्ष्मी पूजा विधि	–	१-४
६०६	१२०६	शरभयोग विधि	–	१-६
६१०	१२०४	कार्तवीर्यदीप दान विधि	–	१-१३
६११	३८४३	अश्वमेध	–	८६-६६
६१२	१०२६	सर्वतोभद्रपूजन	–	१-४
६१३	४७७	संक्षेप पद्धति	–	१-५
६१४	४७३	गणेश पूजा विधि	–	१-५
६१५	४७४	परिवर्तनीय एकादशी माहात्म्य	–	१-६
६१६	४७६	पूजा प्रयोग	–	१-७
६१७	२६२	हरितालिका व्रत	–	१-६
६१८	१२७३	संकट चतुर्थी पूजन	–	१-२८
६१६	३७६१	स्थांडिल प्रयोग	–	१-४
६२०	२८५८	शिवरात्री व्रत कथा	–	१-१४
६२१	२८१२	हवन पद्धति	–	१-५१
६२२	५०६७	कृमि कीटनाशक मंत्र	–	१
६२३	११८	पौषमास पूजा	–	१-११
६२४	१५८	अग्नि पूजा	–	१-११
६२५	३०७६	गणेश दीपदान विधि	–	१-७
६२६	२२५	पंचायतन स्थापन	–	१-२
६२७	१२६	दीपमाला कृत्य	–	३ गणनया
६२८	१५२	संध्या प्रयोग	–	१-१६
६२६	५३६	सत्यनारायण कथा	–	१-१६
६३०	७३३	धेनुदान विधि	–	२-३, ५-६, ८,१०
६३१	५४३	अर्चिरादि मार्ग वैभव	–	१-११
६३२	५२७	काशी देशाचार	–	१-४
६३३	५४६	कूपादि प्रतिष्ठा	–	१-५

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६×३.७	९	१६	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		६०८
६.९×३.५	८	१६	,,	,,	१६१६	पूर्ण		६०६
७×३.४	६	२२	,,	,,	-	अपूर्ण		६१०
७×३.३	७	३४	,,	,,	१६४६	अपूर्ण	त्रयोदशकाण्ड	६११
६.३×३	८	२२	,,	,,	-	पूर्ण		६१२
५.३×३	५	१६	,,	,,	-	पूर्ण		६१३
६.३×३.३	७	२५	,,	,,	-	पूर्ण		६१४
६.६×३.३	६	२२	,,	,,	१६३५	पूर्ण		६१५
६.३×३.१	७	२०	,,	,,	१८३७	पूर्ण		६१६
६.७×३.३	७	२३	,,	,,	-	पूर्ण	लिङ्गपुराणोक्त	६१७
६.५×३	६	२०	,,	,,	-	पूर्ण		६१८
७.५×३	६	२६	,,	,,	-	अपूर्ण		६१६
१२×४.५	६	४१	,,	,,	-	पूर्ण		६२०
१०.५×४.५	४	३२	,,	,,	१८२५	पूर्ण		६२१
६.५×४	११	३६	,,	,,	-	पूर्ण		६२२
१२×४.८	८	२६	,,	,,	-	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	६२३
१०.७×४.४	१३	३३	,,	,,	-	पूर्ण		६२४
४×२	८	१५	,,	,,	१८५२	पूर्ण		६२५
१०.५×४.५	६	३६	,,	,,	-	पूर्ण		६२६
१२.२×४.६	१०	५०	,,	,,	-	अपूर्ण		६२७
६×५.३	६	२३	,,	,,	-	अपूर्ण		६२८
१०.४×५.३	१३	२०	,,	,,	१८६६	पूर्ण	क्षतिग्रस्त	६२६
११.५×५	१०	५२	,,	,,	-	अपूर्ण		६३०
१०.२×५.३	१२	५०	,,	,,	१८३३	पूर्ण		६३१
७×४.६	७	३०	,,	,,	-	अपूर्ण		६३२
१२.५×६	१५	२६	,,	,,	-	अपूर्ण		६३३

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीका कार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
६३४	५५२१	जन्माष्टमी कथा	–	१-६
६३५	४४६	तुलसीमंजरी निर्णय	–	१-२
६३६	१०१५	एकोदिष्ट श्राद्ध	–	१-५
६३७	१२५३	वापीकूप विधान	–	१-६
६३८	५१०२	रुद्र कल्पद्रुम	अनन्त देव	१-१२८
६३९	१२७	अनन्तव्रत कथा	–	१-१२
६४०	१२८	ऋषिपंचमी व्रत कथा	–	१-४
६४१	११३	अशौच विधि	–	१-१४
६४२	१११	एकोदिष्ट श्राद्धविधि	–	१-७
६४३	४२३	देवी पूजा	–	१-६
६४४	४५७	प्रपञ्चसारमूल	–	१-७
६४५	४४८	महाविद्या पद्धति	–	१-१२
६४६	४४३	हरिपूजन	–	१-८
६४७	४२७	गणपति पूजा नान्दी श्राद्ध	वैद्यनाथ मिश्र	१-६०
६४८	४४१	पदार्थ माला प्रकाश	जयराम	१-२
६४९	४३२	बटुक भैरव पद्धति	–	१-२
६५०	४४४	लिङ्ग स्थापन विधि	–	१-८
६५१	३४५	गया पद्धति	वाचसपति	१-८
६५२	३४२	जन्माष्टमी व्रत कथा	–	४ गणनया
६५३	३३७	अनन्त चतुर्थी व्रत	–	१-६
६५४	३४१	महामृत्युञ्जय विधि	–	१-४
६५५	३४८	पार्थिव पूजन पद्धति	–	१-३
६५६	३५०	अन्नपूर्णा पद्धति	–	१-६
६५७	३५५	सूर्य पूजा विधि	–	१-७
६५८	४१८	सन्ध्या प्रयोग विधि	–	१-७

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१०.२×६	१५	२६	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त/ क्षतिग्रस्त	६३४
११×६	११	२७	”	”	-	पूर्ण		६३५
१०.८×५.६	११	३५	”	”	-	पूर्ण		६३६
१२.३×६	१५	४०	”	”	१६२०	पूर्ण		६३७
१२×५.५	११	३८	”	”	-	पूर्ण		६३८
६.८×४.४	८	२७	”	”	१८७८	पूर्ण		६३९
१०×५	१२	३६	”	”	-	पूर्ण		६४०
१०×४.५	१२	३५	”	”	१८२१	पूर्ण		६४१
६.५×४.२	६	३१	”	”	-	पूर्ण		६४२
६×४	८	३२	”	”	-	पूर्ण		६४३
१०.६×५	१२	५५	”	”	-	अपूर्ण		६४४
११×४.६	१२	३६	”	”	-	अपूर्ण		६४५
८.६×५	१२	२८	”	”	-	अपूर्ण		६४६
७.६×४	८	२३	”	”	१६१०	पूर्ण		६४७
१०.६×४.६	१२	३५	”	”	१६२८	पूर्ण		६४८
६.६×४	७	२२	”	”	-	पूर्ण		६४९
१२×४.६	६	४२	”	”	१८७७	पूर्ण		६५०
१२.६×५	१५	५३	”	”	-	पूर्ण	कीटानुबिद्ध/व्यवस्थित नहीं	६५१
७×४.६	११	२३	”	”	-	अपूर्ण		६५२
६.६×४	११	२४	”	”	-	पूर्ण		६५३
५.६×४	८	१७	”	”	-	पूर्ण		६५४
६.६×४	७	१६	”	”	१६५७	पूर्ण		६५५
६.६×३.६	१४	४१	”	”	१८२६	पूर्ण		६५६
५×३.६	६	२०	”	”	१६७५	पूर्ण		६५७
५×३.६	७	२०	”	”	-	अपूर्ण		६५८

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
६५९	३६६	गुरुपादुका पूजन	–	१-३
६६०	६२१	श्राद्ध प्रयोग	–	३६ गणनया
६६१	६२७	श्राद्ध सूक्त	–	१-१६
६६२	६१९	शिवरात्रिव्रत कथा	–	१-११
६६३	६४६	वृहद् प्रयोग रत्न	–	१-३
६६४	६३६	विनायक शान्ति	–	१-६
६६५	६४३	नारायण बलि	–	१-६
६६६	४२६	सोमवती अमावास्या व्रत कथा	–	१-८
६६७	४३०	श्राद्ध प्रयोग	बाबू मिश्र	१-१७
६६८	४२८	दण्डवत् प्रणाम पद्धति	–	१-४
६६९	४३६	तुलसी विवाह पद्धति	–	१-१३
६७०	४३५	सौभाग्य रत्नाकर दीक्षा विधि	–	१-१७
६७१	४३४	रामनाम लेखन विधि	–	१-३
६७२	३९८	राज्याभिषेक प्रयोग	–	१-४७
६७३	५४५३	पंच महायज्ञानुष्ठान विधि	–	१-६
६७४	५६५६	सन्ध्याविधि	–	१-१५
६७५	५२६४	सदस्य प्रयोग	वैजनाथ	१-५
६७६	१७७०	मूल शान्ति	–	५ गणनया
६७७	१२३६	मंगल पद्धति	–	१-५
६७८	४३०८	चतुर्थी व्रत कथा	–	५ गणनाया
६७९	४२५८	सन्तान गोपाल विद्या	–	१-७
६८०	१२२६	वर लक्ष्मी पूजा	–	१-६
६८१	१४०१	बटुक भैरव दीप दान	–	१-१३
६८२	१३६३	विद्या पंचदशी जपक्रम	–	१-११
६८३	१३२४	दुर्गापूजा विधि	–	१-८
६८४	१००४	शिवपूजा पद्धति	–	१-४
६८५	६८७	नित्य पूजा पद्धति	–	१-१८

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
५.६×३.६	८	१६	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		६५६
६.६×४	६	२८	”	”	-	अपूर्ण	कीटानुविद्ध	६६०
६.६×५	८	२३	”	”	-	पूर्ण		६६१
१०×४.६	८	३१	”	”	-	पूर्ण		६६२
६.६×४	१२	३८	”	”	१८५६	पूर्ण		६६३
६×२.६	७	४३	”	”	-	पूर्ण		६६४
१०×४.६	१०	३६	”	”	-	पूर्ण		६६५
८×३.६	१०	२५	”	”	-	पूर्ण		६६६
८×४.६	८	२१	”	”	-	पूर्ण		६६७
६.६×४	७	२०	”	”	-	पूर्ण		६६८
१०.६×४.६	८	२६	”	”	-	पूर्ण		६६६
१०.६×४.६	१२	३८	”	”	-	पूर्ण		६७०
१०.६×४.६	१०	३६	”	”	-	पूर्ण		६७१
८×५	६	३४	”	”	-	पूर्ण		६७२
६×५	१०	१७	”	”	-	पूर्ण		६७३
१०×३.६	७	४६	”	”	-	पूर्ण		६७४
१०×४.६	१३	३७	”	”	-	पूर्ण		६७५
६.६×४	८	३६	”	”	-	अपूर्ण		६७६
६×३.६	६	२३	”	”	-	पूर्ण		६७७
५×२	४	२०	”	”	-	पूर्ण		६७८
४.६×३.६	५	१६	”	”	-	पूर्ण		६७६
६.६×३	७	२५	”	”	-	पूर्ण		६८०
६.६×३	८	२३	”	”	१८७१	पूर्ण		६८१
६.६×३	८	१६	”	”	-	पूर्ण		६८२
६.६×३.६	६	२१	”	”	-	पूर्ण		६८३
४.६×२.६	८	२१	”	”	-	पूर्ण		६८४
३×५	१३	१०	”	”	-	अपूर्ण		६८५

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीका कार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
६८६	१८१५	उदक शान्ति	राम चन्द्र	२-३६
६८७	५७७८	कर्मविपाकार्क	जयशंकर	१-१३५
६८८	१६७४	सरस्वत्यादि सूक्त	-	१-१०
६८९	२५०७	तीर्थ विधि	-	१-७
६९०	४७२०	दक्षिणा मूर्ति संहिता	-	१-३
६९१	४६२८	मानसिक स्नान	-	१-२
६९२	३८०४	ग्रहमख	-	१३ गणनया
६९३	२२१३	महाव्रत प्रयोग	-	१-२०७
६९४	१८१६	गुरु चरित्र	-	१-३१५
६९५	२१५०	विनायक शान्ति संग्रह	-	१-१०१
६९६	१८२७	विवेकमास फलाध्याय	-	३-६३
६९७	७६४	मूल शान्ति	-	१-४
६९८	७६१	सन्ध्यादि विधि	-	१-६
६९९	७५६	महालक्ष्मी व्रत कथा	-	१-१०
७००	७१७	हरतालिका व्रत कथा	-	६ गणनया
७०१	७१५	सहस्र चण्डी पाठ	लक्ष्मीनाथ	१-२
७०२	७१६	अनन्त व्रत कथा	-	१-७
७०३	५४१	विवाह पद्धति	वासुदेव शर्मा	१-२७
७०४	३१३	आग्रायण प्रयोग	-	१-३
७०५	३२३	नवरात्र पूजा	-	१-८
७०६	३२६	नान्दी श्राद्ध प्रयोग	-	१-१६
७०७	३१२	प्रायश्चित्त विधान	-	२-१६
७०८	२८८	पार्वण श्राद्ध पद्धति	-	१-१३
७०९	२७८	पुनः सन्धान	-	१-२
७१०	२६३	पितृ संहिता	-	१-११
७११	२६८	गया कृत्य श्राद्ध	-	१-२०
७१२	२६१	दिव्यानुष्ठान पद्धति	-	२-१०

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६×४	६	१६	दे.ना.	कागज	-	अपूर्ण		६८६
१०×४	११	३३	"	"	१८२६	पूर्ण		६८७
८.६×४	८	२६	"	"	-	पूर्ण		६८८
६×४	६	३४	"	"	-	पूर्ण		६८६
६×५	६	३२	"	"	-	पूर्ण		६६०
५×४	७	३०	"	"	-	पूर्ण		६६१
८.६×४	१०	३३	"	"	-	पूर्ण		६६२
८×४	७	३१	"	"	-	पूर्ण		६६३
८×४	१०	३०	"	"	१७५३	पूर्ण		६६४
६.६×४	७	२५	"	"	-	पूर्ण		६६५
८×४.६	८	१६	"	"	-	अपूर्ण		६६६
६×३.६	६	३१	"	"	-	अपूर्ण		६६७
६.६×४	६	३३	"	"	-	पूर्ण		६६८
८.६×४	८	२४	"	"	-	पूर्ण		६६६
८.६×४.६	८	२६	"	"	-	अपूर्ण		७००
६.६×४	१२	४०	"	"	१८८४	पूर्ण		७०१
६×४	७	३६	"	"	-	पूर्ण		७०२
६×४	६	२५	"	"	१६२०	पूर्ण		७०३
६×३.६	१३	४८	"	"	-	पूर्ण		७०४
८×३.६	७	२६	"	"	-	पूर्ण		७०५
८.६×४	८	२८	"	"	-	पूर्ण		७०६
६.६×४	१०	३५	"	"	-	अपूर्ण		७०७
६×४	६	३०	"	"	-	पूर्ण		७०८
८×३.६	११	३७	"	"	-	पूर्ण		७०६
८×४	६	२०	"	"	-	पूर्ण		७१०
८×३.६	७	३३	"	"	-	अपूर्ण		७११
८.६×३.६	१२	४१	"	"	-	अपूर्ण		७१२

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
७१३	२६०	लक्ष्म्यादि पूजा	–	१-२
७१४	८८	नक्षत्रजनन शान्ति	–	१-२
७१५	११	हरितालिका व्रतोद्यापन	–	१-६
७१६	१५५४	आश्वलायन गृह्यसूत्र	–	१-३४
७१७	४६६	तुलादानविधि	–	१-५
७१८	१५५३	गृह्यसूत्र	–	१-४०
७१९	४८५	पार्वणश्राद्ध पद्धति	–	१-१०
७२०	४८६	संकट चतुर्थी कथा	–	१६ गणनया
७२१	४६४	गोदान विधान	–	१-६
७२२	४८७	धनुर्मास पूजा विधि	–	१-२
७२३	४६३	पूजन पद्धति	–	१६ गणनया
७२४	४६२	आतुर संन्यास पद्धति	–	१-४
७२५	४८४	संन्यासी सन्ध्या पद्धति	–	१-१५
७२६	३३६३	संन्यास संस्कार पद्धति	आनन्द	१-५२
७२७	३३६४	पवमानानुष्ठान प्रयोग	–	१-३३
७२८	३३६५	माला संस्कार	–	१-३०
७२९	३३६७	प्रयोग रत्न	–	१-५८
७३०	३३६८	कुश पलाश व्रत	–	१-७
७३१	३४००	स्थालीपाक प्रयोग	–	१-१५
७३२	३४०२	पवमान होम प्रयोग	–	१-८
७३३	३४२०	आग्नीध्र	–	१-३
७३४	३४०४	याजमान प्रयोग	–	१-६
७३५	३४१८	दर्श पूर्णमास	रामचन्द्र शुक्ल	६४ गणनया
७३६	३४१६	दर्श पूर्णमास	रामचन्द्र शुक्ल	१-३३
७३७	३३८५	कृत्यरत्नावली	रामचन्द्रभट्ट	१-१८

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८.६×४	१२	४५	दे.ना.	कागज	–	अपूर्ण		७१३
८.६×४	८	३१	”	”	१८६६	पूर्ण		७१४
७.६×४	५	१६	”	”	–	पूर्ण	ग्रन्थ जीर्ण है।	७१५
८.६×३.६	७	३०	”	”	१६०६	पूर्ण		७१६
६×३.६	८	२७	”	”	१८८२	पूर्ण		७१७
६×३.६	७	३२	”	”	१८१२	पूर्ण		७१८
८.६×३.६	७	२३	”	”	१८१०	पूर्ण		७१६
७.६×४	७	२२	”	”	१८०२	अपूर्ण		७२०
८.६×४	६	२६	”	”	१६२०	पूर्ण		७२१
७.६×४.६	६	२३	”	”	१८४६	पूर्ण		७२२
८×३.६	८	३८	”	”	१८४३	अपूर्ण		७२३
६.६×४	१०	१७	”	”	–	पूर्ण		७२४
७.६×४	८	२१	”	”	–	पूर्ण		७२५
६×३.६	७	२७	”	”	–	पूर्ण		७२६
१०×४.६	८	३४	”	”	–	पूर्ण		७२७
६.६×४	६	३५	”	”	–	पूर्ण		७२८
६.६×३.६	६	२५	”	”	–	अपूर्ण		७२६
८.६×३.६	८	२६	”	”	–	पूर्ण		७३०
८×४	१०	२८	”	”	–	पूर्ण		७३१
८.६×३.६	६	३१	”	”	–	पूर्ण		७३२
६.६×४.६	१४	२८	”	”	–	पूर्ण		७३३
८×४	८	२८	”	”	शक १६८०	पूर्ण		७३४
६.६×३.६	६	२४	”	”	–	पूर्ण		७३५
६.६×३.६	६	२३	”	”	–	पूर्ण		७३६
११×५	१७	५५	”	”	शक १६७७	पूर्ण		७३७

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीका कार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
७३८	२६४६	मंगल कलश	–	१-१३
७३६	२६७६	मंगलार्थ	–	१-३
७४०	२६१६	मातृदत्तीय मंत्रमाला	–	१-१२६
७४१	२६१८	जीवितपितृ कर्तव्य संचय	–	१-१७
७४२	२६३१	परदेवी रहस्य	–	१-२६
७४३	२६६०	त्रिकाण्ड मण्डन	–	१-२३
७४४	२६२०	छान्दोग्नक रुद्र पद्धति	–	१-६०
७४५	२६६३	पुण्याहवाचन नान्दी श्राद्ध	–	१-१२
७४६	१८५६	चातुर्मास्य	–	१-१८
७४७	१८६८	मैत्रावरुण प्रयोग	–	१-३५
७४८	३४६२	सर्वप्रायश्चित्त प्रयोग	अनन्त	१-१६३
७४६	१६८३	नित्यानुष्ठान विधि	–	१-१७
७५०	५५७	सर्वदेव प्रतिष्ठा	–	१-१६
७५१	५५५	न्यास तिलक	–	१-८
७५२	५५८	मण्डप पूजा विधि	–	१-२२
७५३	५५६	गृह प्रतिष्ठा पद्धति	–	१-३०
७५४	५४८	रामचरण परिचर्या	–	५ गणनया
७५५	२६३३	राजेश्वरी चक्रपूजाविधि	–	१-२१
७५६	२६३४	बालात्रिपुर सुन्दरी	–	१-१६
७५७	२६८२	दशकर्म पद्धति	–	३-३२
७५८	२६५६	हरितालिका व्रत	–	१-८
७५६	२६७४	नारायण बलि	–	१-५
७६०	२६७५	नैमित्तिक पूजन	–	७ गणनया
७६१	२६७१	गुरुपादुकापूजन	–	१८ गणनया
७६२	२६६७	चौबीस गायत्री मंत्र	–	१-१०
७६३	२६६४	अनन्त पूजा	–	१-१२

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८.६×४	७	२७	दे.ना.	कागज	–	अपूर्ण		७३८
१०.६×४.६	१३	४५	,,	,,	–	पूर्ण		७३९
११.६×५.६	१६	५८	,,	,,	१७०५	अपूर्ण		७४०
१२×५	११	४२	,,	,,	–	अपूर्ण		७४१
१०.६×४.६	१०	३८	,,	,,	–	पूर्ण		७४२
८.६×४	११	३७	,,	,,	–	पूर्ण	कुछ पत्र खण्डित हैं	७४३
११×४.६	६	३१	,,	,,	–	पूर्ण		७४४
८×४	६	३०	,,	,,	–	पूर्ण		७४५
८×४.६	११	२६	,,	,,	–	पूर्ण		७४६
८.६×४.६	११	२४	,,	,,	शक १७३६	पूर्ण		७४७
१०×३.६	६	३६	,,	,,	सं. १८०७	पूर्ण		७४८
१०.६×४.६	१०	३१	,,	,,	–	पूर्ण		७४९
१४×७	१६	४१	,,	,,	–	पूर्ण		७५०
१३×५.६	१५	५६	,,	,,	–	पूर्ण		७५१
१४×६	१०	२६	,,	,,	१६४०	पूर्ण		७५२
१३×६	६	२७	,,	,,	१६४०	पूर्ण		७५३
१६×६	६	५५	,,	,,	–	अपूर्ण		७५४
६.६×४	१०	४०	,,	,,	–	पूर्ण		७५५
६.६×४	६	४३	,,	,,	१७८७	पूर्ण		७५६
६.६×३.६	७	२४	,,	,,	–	अपूर्ण		७५७
७.६×३	७	३५	,,	,,	–	अपूर्ण		७५८
८×३.६	१०	३४	,,	,,	–	पूर्ण		७५९
७.६×३	६	५०	,,	,,	–	अपूर्ण		७६०
६.६×४	८	१८	,,	,,	–	अपूर्ण		७६१
७.६×४	१०	३१	,,	,,	–	पूर्ण		७६२
८.६×३	६	३५	,,	,,	–	पूर्ण		७६३

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
७६४	२३४७	षण्णवति श्राद्ध	–	१-८
७६५	२३४३	निशि भार्गव व्रतोद्यापन	–	१-१०
७६६	१५८६	जटा निरूपण	–	१-१७
७६७	१५८८	जटा लक्षण कारिका	–	१-१७
७६८	१५६३	सहगमन विधि	–	१-३
७६९	१५९०	अरुन्धती व्रत	–	१-६
७७०	२२६३	गृह्सूत्र	–	१-४३
७७१	१५८५	गरुण विधान	–	१-१२
७७२	२११७	गृह्यसूत्र	–	१-१३
७७३	२११४	रविसेवा व्रत कथा	–	१-६
७७४	२११८	पार्थिवलिंग पूजाविधि	–	१-११
७७५	२१२६	मुण्डन पद्धति	–	१-६
७७६	३३६३	विष्णु याग पद्धति	–	१-३५
७७७	२९७८	अनन्त व्रत कथा	–	१-८
७७८	२९६८अ	श्राद्धाङ्ग्ग रक्षा सूत्र	–	१-१४
७७९	२९६८ ब	(कर्मकाण्ड विषयक)	–	१-३
७८०	२९४७	वाजपेय प्रयोग	–	१-१३
७८१	२९२१	महारुद्रातिरुद्र पद्धति	–	१-३९
७८२	२९८०	हस्त श्राद्ध	–	१९ गणनया
७८३	१५८७	मालादि लक्षण कारिका	सीताराम	१-४
७८४	२३५०	संस्कार चन्द्रिका	अनन्त देव	१-२४
७८५	२३४८	आहुति निर्णय	–	१-२७
७८६	२३३१	श्राद्ध संकल्प	–	१-१५
७८७	३३६४	नागवलि विधान	–	१-४
७८८	२३२७	नान्दीमुख श्राद्ध	–	१६ गणनया

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
९×४	७	२२	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		७६४
९.६×४	६	१९	,,	,,	-	पूर्ण		७६५
९.६×३	९	५९	,,	,,	१८७५	पूर्ण		७६६
९.६×३	६	४६	,,	,,	१८६७	पूर्ण		७६७
९×४.६	८	३७	,,	,,	शक १७८६	पूर्ण		७६८
८.६×३.६	८	२७	,,	,,	१६८५	पूर्ण		७६९
९×३.६	७	२१	,,	,,	१८७४	पूर्ण		७७०
८×३.६	७	३४	,,	,,	१७०८	पूर्ण		७७१
११×४.६	५	२८	,,	,,	-	अपूर्ण		७७२
९.६×४	७	३८	,,	,,	१८७८	पूर्ण		७७३
११×४.६	८	३१	,,	,,	-	पूर्ण		७७४
८.६×३.६	५	२१	,,	,,	-	पूर्ण		७७५
९.६×४	८	३०	,,	,,	शक १५५२	पूर्ण		७७६
८.६×३	९	३२	,,	,,	-	पूर्ण		७७७
६.६×३	५	२२	,,	,,	-	पूर्ण		७७८
६.६×२.६	५	२६	,,	,,	-	अपूर्ण		७७९
१०.६×४.६	१२	४२	,,	,,	-	पूर्ण		७८०
९.६×४.६	९	३६	,,	,,	१९१५	पूर्ण		७८१
११×५.६	६	१८	,,	,,	-	अपूर्ण		७८२
९.६×३	७	४४	,,	,,	-	पूर्ण		७८३
९×३.६	८	३४	,,	,,	-	पूर्ण		७८४
१०.६×४.६	९	५०	,,	,,	-	पूर्ण		७८५
८×३.६	९	३३	,,	,,	-	पूर्ण	अन्तिम पृष्ठ खण्डित	७८६
८×४	१२	३९	,,	,,	-	पूर्ण		७८७
१०.६×४.६	९	३९	,,	,,	-	अपूर्ण		७८८

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
७८६	२३२३	श्री सत्यनारायण कथा	–	१-२२
७६०	२३३२	बलि विधान	–	१-७
७६१	७७१	हरितालिका व्रत कथा	–	१-६
७६२	७२६	दश कर्म पद्धति	–	१-५
७६३	८०२	ऋषि पञ्चमी व्रत कथा	–	१-७
७६४	३२४	मूल शान्ति	–	१-४
७६५	३१८	त्रिपाद शान्ति	–	१-५
७६६	३२७	महालक्ष्मी व्रत कथा	–	१-५
७६७	२८६	रामषडाक्षर मन्त्रार्थ	–	१-११
७६८	२८७	प्रयोग विधि	–	५-४८
७६६	२८२	कुण्डसिद्धि	विट्ठल दीक्षित	१-६
८००	३०६	उत्सर्जन प्रयोग	–	१-१०
८०१	३३२	संध्या विधि	–	१-७
८०२	२०८७	प्रायश्चित्त मञ्जरी अनुक्रमणिका	–	१-१६
८०३	२०७६	द्वादश महावाक्य सूत्र	–	१-४
८०४	२२१४	गृह कर्म पद्धति	–	१-३८
८०५	३५१७	पुरुषाराधन विधि	–	१-४
८०६	५४७६	शक्ति पार्थिव पूजा	–	१-४
८०७	३७१३	काशिराज राज्याभिषेक प्रयोग	–	१-२१
८०८	३६३३	हेमाद्रि प्रयोग	–	१-८
८०६	४२८८	अशौच निर्णय	भट्टोजि दीक्षित	१-४५
८१०	४२४८	नित्य नैमित्तिककर्म प्रयोग	–	६६ गणनया
८११	४२६६	शय्यादान प्रयोग	–	१-४
८१२	४२५७	एकादशविध पार्थिवपूजा	–	१-६
८१३	४३१६	महामृत्युञ्जय जपविधि	–	१-६
८१४	४२६७	मंगल विधि	–	१-६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६×४.६	८	२७	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण		७८६
६×४	१०	३८	,,	,,	–	पूर्ण		७६०
१०×४	७	३२	,,	,,	–	पूर्ण	हरिवंशपुराणोद्धृत	७६१
११×४.६	१२	४१	,,	,,	–	अपूर्ण		७६२
६×४.६	७	२८	,,	,,	१६१२	पूर्ण		७६३
६.६×४	८	३२	,,	,,	–	अपूर्ण		७६४
८.६×४	६	२७	,,	,,	–	पूर्ण		७६५
१०×४.६	११	५६	,,	,,	१८८१	पूर्ण		७६६
१०×४.६	११	३६	,,	,,	–	पूर्ण		७६७
८.६×४	६	२३	,,	,,	–	अपूर्ण		७६८
६×४	१०	३२	,,	,,	१७१५	पूर्ण		७६६
६×४	८	३५	,,	,,	–	पूर्ण		८००
११×५.६	११	४१	,,	,,	–	पूर्ण		८०१
१३×५	८	२६	,,	,,	–	पूर्ण		८०२
१०.६×४.६	७	३२	,,	,,	–	पूर्ण		८०३
६.६×४	७	१६	,,	,,	–	अपूर्ण		८०४
१०.६×५.६	१२	२८	,,	,,	–	पूर्ण	पत्र खण्डित हैं।	८०५
६×३	६	३६	,,	,,	–	पूर्ण		८०६
१०.६×५	१०	३०	,,	,,	–	पूर्ण		८०७
८×३	८	२६	,,	,,	–	पूर्ण		८०८
८×४	६	३५	,,	,,	–	पूर्ण		८०६
७×३.६	७	२४	,,	,,	–	अपूर्ण		८१०
६.६×२.६	६	२८	,,	,,	१८३७	पूर्ण		८११
६.६×३	७	१८	,,	,,	–	पूर्ण		८१२
६×४	८	१७	,,	,,	१६२२	पूर्ण		८१३
७×३	८	२७	,,	,,	–	पूर्ण		८१४

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
८१५	४२५३	मन्त्रमुक्तावली	–	१-७
८१६	४२८७	सप्तशती प्रयोग	–	१-४
८१७	४४०८	पक्ष होम प्रयोग	–	१-२
८१८	४४०५	शिष्टानुसारी विवाह प्रयोग	–	१-१५
८१६	४४०२	नाचिकेत प्रयोग	–	१-२
८२०	४२६०	याजमान आपस्तम्ब प्रयोग	–	१-२४
८२१	५७२२	सूक्ष्मतीर्थ विधि	–	१-११
८२२	५७२१	भूतशुद्धि	श्रीनारायण	१-१२
८२३	५७२५	कलश स्थापन	–	१-४
८२४	५७१०	प्रतिमा प्रतिष्ठा	–	१-४
८२५	११०४	संक्षेप राम पद्धति	–	१-८
८२६	१११३	लक्ष्मी मन्त्र	–	१-३
८२७	११८१	दम्पति पूजन	–	१-२
८२८	२५५२	बहिर्मातृका	–	१-१२
८२६	२५५३	नित्यार्चन विधि	–	१-७
८३०	१११६	नवरात्र पूजा	–	१-१३
८३१	५४११	तीर्थश्राद्ध	सरयूशरण	१-६
८३२	५४१०	व्यतिपात शान्ति	उमाशंकर अग्निहोत्री	१-६
८३३	५४८४	द्वादशमास कृत्य	–	१-४४
८३४	५४७५	व्यास पूजा	–	१-१०
८३५	६००	प्रश्नोत्तर रत्नमालिका	–	१-३
८३६	१३५०	प्रत्यङ्गिरापद्धति	–	१-१२
८३७	११६०	हंस कल्प	–	१-६
८३८	८६४	सन्ध्याविधि	–	१-६
८३६	८८६	महामृत्युञ्जयविधि	–	१-६
८४०	८६२	नित्यतर्पण विधि	–	१-६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६×३	६	२३	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	पत्र खण्डित हैं।	८१५
६×३	७	२५	”	”	१७४२	पूर्ण		८१६
८.६×३.३	१०	३८	”	”	-	अपूर्ण		८१७
८.६×४	६	३३	”	”	-	पूर्ण	कुछ पत्र कीटानुबिद्ध	८१८
८.६×४	७	३३	”	”	-	पूर्ण		८१९
८×४	७	२३	”	”	१७२६	पूर्ण		८२०
६.६×४	६	१५	”	”	-	पूर्ण		८२१
५.६×४	१०	१५	”	”	-	पूर्ण		८२२
८×३.६	६	२२	”	”	-	पूर्ण		८२३
८.६×३	१०	३६	”	”	-	पूर्ण		८२४
६.६×४	६	१६	”	”	-	पूर्ण		८२५
६×३	६	१६	”	”	-	पूर्ण		८२६
८.३×३	११	४३	”	”	-	पूर्ण		८२७
६×४	७	२३	”	”	-	पूर्ण		८२८
६.६×४	७	१६	”	”	-	अपूर्ण		८२९
६×३	७	१६	”	”	-	पूर्ण		८३०
६.६×३.६	६	२६	”	”	-	पूर्ण		८३१
६.६×३.६	६	१७	”	”	१६३५	पूर्ण		८३२
८×४	१२	४२	”	”	१८८४	पूर्ण		८३३
६.६×३.६	१०	२६	”	”	-	पूर्ण		८३४
६.६×३.६	८	२२	”	”	-	पूर्ण		८३५
६.६×३	५	२०	”	”	१८८१	पूर्ण		८३६
६×३.३	११	२४	”	”	-	पूर्ण		८३७
७×३.६	८	२१	”	”	-	अपूर्ण		८३८
६.६×३.६	६	२०	”	”	-	पूर्ण		८३९
६.६×३.६	७	१८	”	”	-	पूर्ण		८४०

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीका कार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
८४१	६०४	हरितालिका पूजा	–	१-१३
८४२	६६२	श्रावण द्वादशी निर्णय	कल्याण राय	१-७
८४३	६६२	आकाश दीप प्रज्वालनोद्यापन विधि	–	१-४
८४४	२१४७	उपाकरणोत्सर्ग पटल	–	१-११५
८४५	२१५३	कुण्ड प्रकाशिका	–	१-१३
८४६	५११	नवरात्रि कलश स्थापन विधि	–	१-४
८४७	५१२	पार्वण श्राद्ध प्रयोग	–	१-६
८४८	५१३	कातीय तर्पण प्रयोग	–	१-४
८४६	११५	दुर्गाशान्ति	–	१-५
८५०	१४७	कात्यायनी शान्ति	–	१-७
८५१	१४६	हरितालिका व्रत कथा	–	५०-५६
८५२	१६४५	संस्कार भाष्कर मयूख	–	१-४४
८५३	१६६१	चातुर्मास्य प्रयोग	–	१-२०
८५४	१६८	ग्रहयज्ञपद्धति	–	१-१४
८५५	१६०	अनन्त व्रतोद्यापन विधि	–	१-५
८५६	२६२	मातृका पूजन विधि	–	१-४
८५७	२६४	प्रायश्चित्त विधान	–	१-७
८५८	७३७	नवग्रह यन्त्र विधान	–	१-८
८५६	७३८	गायत्री कल्पन्यास	–	१-२०
८६०	७६६	गणेश चतुर्थी व्रत कथा	–	१-५
८६१	७६५	गणपति पूजन	–	१-५
८६२	७६३	शिलान्यास प्रयोग	–	१-८
८६३	७६२	एकादशी व्रत कथा	–	१-६
८६४	७५३	शिवपूजा पद्धति	–	१-४
८६५	२६१२	चातुर्मास्य प्रयोग	श्री विश्वनाथ	१-४२

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८.६×४	६	१८	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		८४१
६×३.६	८	२०	”	”	-	पूर्ण		८४२
६.६×४.६	१५	३१	”	”	-	पूर्ण		८४३
११×५	१०	३६	”	”	-	अपूर्ण		८४४
११.६×५	१२	३६	”	”	-	पूर्ण		८४५
१०.६×४.६	१०	३७	”	”	१६११	पूर्ण		८४६
१०×४.६	१०	३७	”	”	-	पूर्ण		८४७
१०.६×४.६	१०	३३	”	”	-	पूर्ण		८४८
१०.६×४.६	१०	३४	”	”	-	पूर्ण		८४९
१०.६×४.६	१०	३३	”	”	-	पूर्ण		८५०
९.६×४.६	१०	३३	”	”	-	अपूर्ण		८५१
११.६×५	१०	४६	”	”	-	अपूर्ण		८५२
१०×४.६	१३	४१	”	”	-	पूर्ण		८५३
१०×४	८	३६	”	”	१८४६	पूर्ण		८५४
६×४	८	२६	”	”	-	पूर्ण		८५५
९.६×४	६	२८	”	”	-	पूर्ण		८५६
९.६×४	६	३२	”	”	-	पूर्ण		८५७
१०×४.६	१०	४५	”	”	-	पूर्ण		८५८
१०×४.६	८	३३	”	”	-	पूर्ण		८५९
१०×४.६	८	३१	”	”	-	पूर्ण	स्कन्दपुराणोक्त	८६०
१०×४.६	६	३१	”	”	-	पूर्ण		८६१
१०×४.६	७	३०	”	”	-	पूर्ण		८६२
१०×४.६	८	२४	”	”	-	पूर्ण		८६३
९.६×४.६	११	४०	”	”	शक १७३०	पूर्ण		८६४
१२×५	११	४३	”	”		पूर्ण		८६५

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीका कार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
८६६	२६१४	दशपूर्णमास प्रयोग	अनन्त देव	१-३४
८६७	५८५३	आचारादर्श	श्रीदत्त	१-६५
८६८	५८४८	अशौच दशटीका	हरिहर	१-१५
८६९	२८६५	दशकर्म विधि	-	१-१८
८७०	२८७३	सावित्री व्रतोद्यापन	-	१-८
८७१	२८६६	दुर्गा दीपदान	-	१-८
८७२	२६००	गायत्री पुरश्चरणप्रयोग	-	१-६
८७३	२६२६	स्थालीपाक प्रयोग	-	१-६
८७४	२६१६	वंश ब्राह्मण तर्पण	-	१-५
८७५	२६२५	अशौच निर्णय	-	८ गणनया
८७६	२८६७	रुद्र प्रश्न	-	११ गणनया
८७७	२६३२	काण्डानुक्रमणिका	द्रोणमार्कण्डेय	१-१५
८७८	२३०५	कूपोत्सर्ग, वृषभदान विधि	-	१-१६
८७९	५७६६	संक्षेप नित्य पूजा	-	१-२१
८८०	५७६८	शिवार्चन	-	१-५
८८१	२६१५	देव याग भाष्य	-	१-३४
८८२	२८६७	त्रिंशत् श्लोकी भाष्य	-	१-१७
८८३	२६१८	निगम मन्त्रार्थ	श्रीरंग	१-६
८८४	२६१३	कात्यायन सूत्र पद्धति	देवयाज्ञिक	१-३६
८८५	२६२०	सर्वप्रतिष्ठा विधि	-	१-५
८८६	२६२२	सर्वप्रष्ठायाग	-	१-६
८८७	२५६०	श्री महाविद्योपासना पद्धति	-	५० गणणया
८८८	२६०७	श्री विद्या पद्धति	-	१-६१
८८९	२६१६(क)	मण्डप करणादि पूजन	शिवराम	१-२४
८९०	२६१६(ख)	विनियोग दीपिका	-	१-२
८९१	३०८०	पार्थिव लिंग पूजन विधि	-	१-३
८९२	३०६१	गर्भ स्थापन	-	१-४

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
११.४×५	६	४६	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण		८६६
१२×५	८	३६	"	"	१८०३	पूर्ण		८६७
६.६×५.६	११	३२	"	"	१८८२	पूर्ण		८६८
१०.६×४.६	११	३५	"	"		अपूर्ण		८६९
६.६×४.६	८	३२	"	"	–	पूर्ण		८७०
६×४	८	२६	"	"	–	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	८७१
६.६×४	६	३४	"	"	–	पूर्ण		८७२
८×३.६	७	३४	"	"	–	पूर्ण		८७३
६.६×४	८	३२	"	"	–	पूर्ण		८७४
६.६×४	६	२२	"	"	–	पूर्ण		८७५
६×३.६	१२	४८	"	"	–	अपूर्ण	कीटानुबिद्ध	८७६
६×३.६	६	३०	"	"	–	पूर्ण		८७७
६×५	७	२६	"	"	–	अपूर्ण		८७८
६.६×४.६	८	२८	"	"	–	पूर्ण		८७९
१०×४.६	६	३४	"	"	–	पूर्ण		८८०
१०×४	६	४०	"	"	–	पूर्ण		८८१
१०.६×५	१२	३६	"	"	–	अपूर्ण		८८२
१०×४.३	७	२४	"	"	–	पूर्ण		८८३
११×५	११	४८	"	"	–	पूर्ण		८८४
६.६×४	१२	४६	"	"	–	पूर्ण		८८५
१०×४	१३	४२	"	"	–	पूर्ण		८८६
६.६×४	७	३३	"	"	–	अपूर्ण		८८७
८×४.६	६	२४	"	"	–	अपूर्ण		८८८
११.६×४.४	८	४५	"	"	–	पूर्ण		८८९
१०×४.६	६	४७	"	"	–	अपूर्ण		८९०
६.६×५	११	४१	"	"	–	पूर्ण		८९१
६.६×४	७	२२	"	"	–	अपूर्ण		८९२

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
८६३	३०८६	चलार्चा प्रतिष्ठाविधि	-	६ गणनया
८६४	३०६२	जयन्ती व्रत कथा	-	१-६
८६५	३१५६	रामषडाक्षर मंत्रजप विधि	-	१-५
८६६	३११६	लक्ष्मीहृदय पञ्चोपचार पूजा	-	१-६
८६७	३१३२	मुक्ताभरण पूजा	रघुनाथ	१-४
८६६	३१७७	तृचा विधान	-	१-२८
६००	३१३६	अनन्त व्रत कथा	-	१-११
६०१	३१३५	उपांग ललिता व्रत कथा	-	१-१३
६०२	३०४०	बाला जप विधि	-	१-६
६०३	३१८१	कार्तवीर्य दीपदान प्रयोग	-	१-१६
६०४	३१८०	कार्तवीर्यार्जुन पद्धति	-	१-२६
६०५	३१३३	ऋषि पंचमी पूजा	-	१-८
६०६	३१३१	सप्तमी पूजा	-	१-६
६०७	३१३४	रोटक व्रत कथा	रघुनाथ	१-६
६०८	३१३७	लक्षपूजा	रघुनाथ	१-३
६०६	३०२८	उपाङ्ग ललिता पूजन	-	१-१०
६१०	३०८५	देव पूजा	नारायण	१-५
६११	३०६०	दुर्भरण प्रायश्चित्त	-	१-७
६१२	३०७६	महामृत्युञ्जय जप विधि	-	१-४
६१३	३०६३	कोकिलाव्रत कथा	-	१-३
६१४	३०६२	स्नान विधि	-	१-३
६१५	३०६१	गोदान विधि	-	१-४
६१६	३०८१	धात्री पूजन	-	१-४
६१७	३३७५	अशौच निर्णय	त्र्यम्बक	१-७
६१८	३३७३	अशौच निर्णय	भट्टोजिदीक्षित	१-१०
६१६	३३७२	श्राद्ध कल्प	-	१-२०

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१०×४	१४	३१	दे.ना.	कागज	-	अपूर्ण		८६३
४.६×४	१४	१५	"	"	१६६८	पूर्ण		८६४
५.६×३.६	५	११	"	"	-	पूर्ण		८६५
७×४	६	१७	"	"	-	अपूर्ण		८६६
६.४×४.६	१३	१६	"	"	-	पूर्ण		८६७
४.६×३	७	१६	"	"	१८८१	पूर्ण		८६६
८.६×४	११	३३	"	"	शक १६३६	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोद्धृत	६००
८.६×३.६	८	३२	"	"	१८२०	पूर्ण	स्कन्दपुराणोक्त	६०१
६.६×३	७	२०	"	"	-	अपूर्ण		६०२
६×३.३	६	२३	"	"	-	पूर्ण		६०३
६×३.६	६	२१	"	"	१८२७	पूर्ण		६०४
६×४.६	११	१६	"	"	-	पूर्ण		६०५
६×३.६	६	२०	"	"	१८८०	पूर्ण		६०६
६.६×४.६	१२	२१	"	"	-	पूर्ण		६०७
७×३.४	१३	२१	"	"	-	पूर्ण		६०८
५×३	७	१८	"	"	-	पूर्ण		६०६
६×३	६	४१	"	"	-	पूर्ण		६१०
१०×४	८	२८	"	"	-	अपूर्ण		६११
६.६×४	६	२८	"	"	-	पूर्ण		६१२
६×४	७	२७	"	"	-	पूर्ण		६१३
६.६×४	६	३७	"	"	-	पूर्ण		६१४
१०×४	६	३२	"	"	-	पूर्ण		६१५
६×४	८	२३	"	"	-	पूर्ण		६१६
६×४	१२	४०	"	"	१८४०	पूर्ण		६१७
६×३.६	७	२८	"	"	१८४८	पूर्ण		६१८
८×४	१०	३१	"	"	-	पूर्ण		६१६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीका कार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
६२०	३३५६	अशौच निर्णय	भट्टोजिदीक्षित	१-५
६२१	३३७६	अशौच तरंग	श्रीराम	१-१३
६२२	३१२६	पूर्णाभिषेक दीक्षा		२३ गणनया
६२३	५८६८	नारदीय संहिता	मनसाराम	१-३६
६२४	५७७२	प्रतिवार्षिक पूजादि संग्रह	विष्णु	१-२८४
६२५	३०७१	बटुक भैरव दीपदान विधि	-	१-५
६२६	११६१	पार्वण हस्त श्राद्ध	-	१-१६
६२७	५२७६	अग्निहोत्र	वैजनाथ	१-४
६२८	५२३४	अर्थकार परिग्रहपद्धति	-	१-१३
६२९	६११	रामनाम लेखनोद्यापन विधि	-	१-५
६३०	६२०	शम्भुचरण परिचर्या	-	१-७
६३१	५१८७	नृसिंह कल्प	-	१-१७
६३२	५१४२	प्रमेय माला	वरदसूरी	१-४
६३३	३६१६	ब्राह्मण सर्वस्व	हलायुध	१-१२२
६३४	३६१५	वशिष्ठ संहिता	-	१-१२
६३५	३४७७	अस्थि प्रयोग पद्धति	-	१-५
६३६	३२२३	अगस्त्य संहिता	-	१-३
६३७	१८७२	सोमवती अमावस्या	-	१-३
६३८	१८५८	मंत्र मुक्तावली	-	१-१८
६३९	१८६४	होत्र पद्धति	-	१-५५
६४०	१८६६	कात्यायन होत्र प्रयोग	-	७६-६८
६४१	१८६३	पिठोरा व्रत कथा	-	१-५
६४२	१८५५	पार्थिव गणेशान्वाधान	-	८ गणनया
६४३	१८५४	महालक्ष्मी व्रत कथा	-	१-१३
६४४	१८५२	अनन्त व्रत कथा	-	१-१६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१०×४	१४	४६	दे.ना.	कागज	१८१२	पूर्ण		६२०
६.६×५	११	२७	”	”	–	पूर्ण		६२१
५×४	६	१२	”	”	१८०७	अपूर्ण		६२२
११×५	१६	४०	”	”	–	अपूर्ण		६२३
६.६×४.६	१०	१६	”	”	१८६५	पूर्ण		६२४
६×४	११	३८	”	”	–	अपूर्ण		६२५
११.६×७.३	१२	२८	”	”	–	पूर्ण		६२६
१०×४.६	६	३१	”	”	–	पूर्ण		६२७
११×६	१३	४०	”	”	–	अपूर्ण		६२८
७×३.६	६	२३	”	”	–	पूर्ण		६२६
१६.६×६.६	६	५७	”	”	–	पूर्ण		६३०
१४.६×४.३	६	५१	”	”	–	पूर्ण		६३१
१३.६×६	१४	६०	”	”	–	पूर्ण	तृतीय स्कन्ध मात्र	६३२
१३×५	१०	४८	”	”	१७७५	पूर्ण		६३३
१३.६×५.६	१३	५४	”	”	१६१२	पूर्ण		६३४
८×३	५	२७	”	”	१८७१	पूर्ण		६३५
८×४	६	३१	”	”	–	पूर्ण		६३६
६×४.४	१२	३१	”	”	१७३२	पूर्ण		६३७
६.६×३.६	७	२६	”	”	१८६१	पूर्ण		६३८
८×४	१०	२४	”	”	–	अपूर्ण		६३६
८×४	६	२६	”	”	शक १७३६	पूर्ण		६४०
६×४	७	२०	”	”	–	पूर्ण		६४१
७×३	७	२८	”	”	–	अपूर्ण		६४२
६×४	६	२२	”	”	सं. १७३०	पूर्ण		६४३
६×४	१२	१३	”	”	–	पूर्ण		६४४

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
६४५	१८९०	मण्डप प्रतिष्ठा	–	१-७
६४६	१८६१	अग्निष्टोम हौत्र	–	१-२०, ३६-४६
६४७	१८८७	लक्षहोम पद्धति	–	१-६
६४८	२०२५	अन्त्येष्टि पद्धति	–	१-४७
६४६	१८८२	चतुर्मास प्रयोग	–	१-६
६५०	२५३५	सूक्त संहिता	–	१-४४
६५१	५८६७	महा गणपति तंत्रोक्तपूजापटल	–	२-११
६५२	१६२६	आदित्य व्रत	–	१-१०
६५३	४६७	उद्वासन विधि-जलवास विधि	–	१-२
६५४	४७२	गायत्री जप विधि	–	१-४
६५५	४६८	एकोदिष्ट श्राद्ध	–	१-१०
६५६	४६६	महालक्ष्मी व्रत कथा	–	१-४
६५७	४७०	हरितालिका	–	१-५
६५८	४७१	सायं संध्या विधि	–	१-५
६५६	४७५	सोमवार व्रत कथा	–	१-६
६६०	४८८	शिव रात्रि व्रत कथा	–	१-१३
६६१	५०५	संध्या विधि	–	१-७
६६२	५००	जातकालंकारक कर्म	–	१-६
६६३	५१७	गोपालमंत्रराज प्रयोग वर्णन		१-५
६६४	५१८	बौधायन सूत्रोक्त लिङ्ग प्रतिष्ठा विधि	–	१-१३
६६५	५२०	गोदान पद्धति	–	१-६
६६६	६६	व्रत बन्ध पद्धति	–	१-१५
६६७	६३	श्राद्ध प्रयोग	–	१-४

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८×३	९	२८	दे.ना.	कागज	संवत् १६७३	पूर्ण		६४५
९×३	१०	४१	”	”	संवत् १७६६	अपूर्ण		६४६
८×४	८	२६	”	”	–	पूर्ण		६४७
६×४	६	३४	”	”	–	अपूर्ण		६४८
६×३.६	८	३७	”	”	–	पूर्ण		६४६
१३×५	१२	४५	”	”	–	पूर्ण		६५०
१०×४	६	२५	”	”	–	अपूर्ण		६५१
१०×४	७	२७	”	”	–	पूर्ण		६५२
६×४	११	३६	”	”	–	पूर्ण		६५३
८×४	११	३२	”	”	–	पूर्ण		६५४
८×४	७	२१	”	”	–	पूर्ण	कीटाणुविद्ध	६५५
६×३.६	१०	३१	”	”	–	पूर्ण		६५६
६×४	११	२८	”	”	–	पूर्ण		६५७
६×४	१०	२८	”	”	–	पूर्ण		६५८
६×४	७	२४	”	”	–	पूर्ण		६५६
६×४	१०	४०	”	”	१८७०	पूर्ण		६६०
८×३.१०	७	२८	”	”	–	पूर्ण		६६१
१०×४	६	३०	”	”	–	पूर्ण		६६२
६.८×४	६	२८	”	”	–	पूर्ण		६६३
६.१०×४	७	२६	”	”	–	पूर्ण		६६४
६×४.६	६	२७	”	”	–	पूर्ण		६६५
६×४	१०	३६	”	”	–	पूर्ण		६६६
६×४	६	२६	”	”	–	पूर्ण		६६७

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीका कार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
९६८	९८	श्राद्ध कल्प	–	१-१०
९६९	११४	विवाह पद्धति	–	१-२२
९७०	१५१०	हरितालिका व्रत कथा (सिद्ध विनायक व्रत)	–	१-२२
९७१	१६३१	अर्द्धोदय व्रत	–	१-३
९७२	१६५२	आधानेष्टि	–	१-३
९७३	१८११	ऋषि पञ्चमी व्रत	–	१-६
९७४	२१७८	नृसिंह पद्धति	–	१-३०
९७५	१६९०	पशुवध प्रयोग	–	१-२५
९७६	१६८८	महाविष्णु प्रमुख पञ्चायतन पूजा	–	१-५४
९७७	१६५१	उनेतृत्त्व प्रयोग	–	१-२
९७८	१७२	बृहस्पति शान्ति	–	१-३
९७९	१५९	शारदीय नवरात्र विधि	–	१-११
९८०	१९०	उग्ररथ शान्ति प्रयोग	–	१-१६
९८१	१८३	ऋषि पञ्चमी व्रत कथा	–	१-६
९८२	७५९	अनन्त व्रत कथा	–	१-१०
९८३	७३९	आभ्युदायिक श्राद्ध पद्धति	–	१-८
९८४	७४६	मृत्युञ्जय पूजा प्रकरण	–	१-७
९८५	७५४	महा लक्ष्मी व्रत कथा	–	१-७
९८६	२९६३	वैश्य संध्या	–	१-७
९८७	२९९४	उपाङ्ग ललिता व्रत कथा	–	१-१०
९८८	२९९१	सूर्यार्घ दान विधि	–	१-१०
९८९	२९८६	कपिलधारा श्राद्ध प्रयोग	–	१-७
९९०	२९८५	यज्ञोपवीत कर्म	–	१-२५
९९१	२९५७	बुधाष्टमी व्रत कथा	–	१-६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
९×४	११	५०	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण		९६८
९×४	६	३६	,,	,,	–	पूर्ण		९६९
८×४	९	३०	,,	,,	शक १९७७	पूर्ण		९७०
१०×४	१२	३६	,,	,,	–	पूर्ण		९७१
८.१०×३.८	११	३१	,,	,,	–	पूर्ण		९७२
९×४	७	२६	,,	,,	–	अपूर्ण		९७३
९×४	९	२२	,,	,,	–	पूर्ण		९७४
९×४	८	३१	,,	,,	–	पूर्ण		९७५
९×४	६	१६	,,	,,	–	पूर्ण		९७६
८१×३.८	११	२४	,,	,,	–	पूर्ण		९७७
७×३	९	२८	,,	,,	–	पूर्ण		९७८
९×३.८	७	२८	,,	,,	–	पूर्ण		९७९
९×४	११	३२	,,	,,	–	पूर्ण		९८०
८×३.८	७	२०	,,	,,	–	पूर्ण		९८१
९×४	१०	२४	,,	,,	–	पूर्ण	कीटाणुविद्ध	९८२
९.६×४	११	४५	,,	,,	–	पूर्ण		९८३
९×४	१२	३६	,,	,,	–	पूर्ण		९८४
९×४	९	३८	,,	,,	१८२२	पूर्ण		९८५
९×४	६	२५	,,	,,	सं. १८७५	पूर्ण		९८६
६×३	१५	२६	,,	,,	–	पूर्ण		९८७
८×४	८	३०	,,	,,	–	पूर्ण		९८८
६.१०×३.१०	११	२७	,,	,,	–	अपूर्ण		९८९
६×३	७	१८	,,	,,	–	पूर्ण		९९०
८×४	९	३६	,,	,,	–	पूर्ण		९९१

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
९९२	२९५५	आश्वलोद्यापन प्रयोग	–	१-३
९९३	२९१७	शुद्धालोक	–	१-७५
९९४	५२१	संध्या वन्दना	–	१-१२
९९५	१४८१	नीति प्रवचन	–	१-४
९९६	१४६	सर्वतोभद्र विधि	–	१-१३
९९७	३०५	शरभ मंत्र विधि	गौरी शंकर	१-१९
९९८	१२१६	वापी कूप तडागोत्सर्ग	–	१-४
९९९	३७०	गंगा दशहरा पूजाविधि	–	१-६
१०००	४७६४	पंचक मरण शांति	–	१-२
१००१	४७४३	ब्रह्म यज्ञ	–	१-४
१००२	४७३८	प्रातः हरि स्मरण	–	१
१००३	४७७२	व्रत शाप विमोचन	–	१-३
१००४	४१६	पवित्रारोपण निर्णय	–	१-३
१००५	३८८	श्री भैरव पादुका पूजा	–	१-४
१००६	३६०	माध्यन्दिन शाखीय तर्पण विधि	–	१-४
१००७	३८६	दीप विधि	–	१-२
१००८	३९१	उग्ररथ शांति	–	१-४
१००९	३८०	पार्वण श्राद्ध विधि	–	१, ४-१०
१०१०	३६४	लक्ष होम पद्धति	नारायण भट्ट	१-१५
१०११	३६३	हरितालिका उद्यापन	–	१-२
१०१२	३४७८	श्राद्ध संकल्प	–	१-१२
१०१३	२४८२	दश वर्ण विधि	–	१-१३
१०१४	२४७५	कारिका	अनंत देव	१-६
१०१५	३४७९	सूत्रोक्त श्राद्ध विधि	–	१-३
१०१६	२५०६	चक्र पूजन	–	१-३

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८×३.१०	१०	३५	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण		९९२
११×४	८	४०	,,	,,	–	पूर्ण		९९३
९×४	८	३२	,,	,,	–	पूर्ण		९९४
१०×४.६	१३	३७	,,	,,	–	पूर्ण		९९५
९.५×४	७	३२	,,	,,	–	पूर्ण		९९६
६.६×३	६	२५	,,	,,	–	अपूर्ण		९९७
८.५×४	१२	३०	,,	,,	–	पूर्ण	खण्डित	९९८
११×४.७	६	४४	,,	,,	सं. १९३४	पूर्ण		९९९
८.३×४.१	६	२८	,,	,,	–	पूर्ण		१०००
७.८×३	३	२४	,,	,,	–	पूर्ण		१००१
५×४.३	६	१७	,,	,,	१८२३	पूर्ण		१००२
९.९×४.४	१०	४०	,,	,,	–	अपूर्ण		१००३
७.४×३.७	८	२१	,,	,,	–	पूर्ण		१००४
८.८×३.८	७	३५	,,	,,	–	अपूर्ण		१००५
९.७×३.६	६	४०	,,	,,	–	पूर्ण		१००६
९.८×४	१०	३२	,,	,,	–	पूर्ण		१००७
८.४×३.७	६	२८	,,	,,	१८८७	पूर्ण		१००८
८.५×४.५	६	३०	,,	,,	१९५२	अपूर्ण		१००९
८.५×४.१	११	३३	,,	,,	१८४३	पूर्ण	मत्स्य पुराणोक्त	१०१०
८.२×४.५	१०	३०	,,	,,	–	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१०११
८.३×३.४	१२	३८	,,	,,	–	पूर्ण		१०१२
१०×४.३	१०	३०	,,	,,	–	अपूर्ण	सटीक	१०१३
८.३×४.१	६	२२	,,	,,	–	अपूर्ण		१०१४
९×३.८	८	३०	,,	,,	सं. १८७२	पूर्ण		१०१५
१०.३×४	१०	३३	,,	,,	१८५७	पूर्ण		१०१६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
१०१७	३४८०	यात्रोत्तर गृह प्रवेशे श्राद्ध प्रयोग	-	१-५
१०१८	३४८१	पिंड पितृयज्ञ	-	१-३
१०१९	३४८२	सूत्रोक्त श्राद्ध संकल्प विधि	-	१-१०
१०२०	३४८४	एकादश्याह दान	-	१-१८
१०२१	३४८६	तीर्थ श्राद्ध	-	१-२५
१०२२	३४८७	प्रायश्चित प्रयोग	-	१-१२
१०२३	३४९०	त्रिपिण्डी विधान	-	१-४
१०२४	३४८५	दानानि	-	१-१६
१०२५	३४८६	अन्त्येष्टि पद्धति	नारायण भट्ट	१-१०८
१०२६	३४९३	शौच निर्णय	त्रयंम्बक पंडित	१-८
१०२७	३४८८	विवाह प्रयोग विधि	-	१-२५
१०२८	३४७०	क्रिया पद्धति	-	१-६७
१०२९	३४६६	कृत्य रत्नावली	राजचन्द्र	१-७४
१०३०	३४५६	श्राद्ध संकल्प	-	१-२३
१०३१	३४५८	पुण्याह वाचन नान्दी श्राद्ध प्रयोग	-	१-२४
१०३२	३४५७	श्राद्ध पद्धति	-	१-६३
१०३३	३४६८	स्मार्त सूत्र	-	१-४०
१०३४	३४६०	सर्व प्रायश्चित्त प्रयोग	-	१-५२
१०३५	३४७२	दानानि	-	१-४
१०३६	३४९१	त्रिपिण्डी विधान प्रयोग	-	१-१८
१०३७	३४३८	लक्ष होम प्रयोग विधि	-	१-२४
१०३८	३४५३	अंकुरारोपण विधि	-	१-१३
१०३९	३४५२	पंचायतन देव प्रतिष्ठा विधि	-	१-१२

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
७×४.३	७	२३	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		१०१७
७.८×४.४	१२	२७	”	”	-	पूर्ण		१०१८
८.५×३.८	८	३२	”	”	-	पूर्ण		१०१९
८.५×४	७	३०	”	”	-	पूर्ण	प्रेत कल्पोक्त	१०२०
९×३.५	५	२४	”	”	-	पूर्ण		१०२१
९×४.२	८	३३	”	”	-	पूर्ण		१०२२
७.३×३.६	७	२२	”	”	-	पूर्ण		१०२३
८.८×४.२	६	३२	”	”	सं. १८८६	पूर्ण		१०२४
८.५×३.८	८	२६	”	”	-	पूर्ण		१०२५
६.२×४.३	१३	२४	”	”	१९४०	पूर्ण		१०२६
९×४	१५	५१	”	”	-	पूर्ण		१०२७
८.६×४.४	८	२२	”	”	-	पूर्ण		१०२८
८.९×४	११	३६	”	”	-	पूर्ण		१०२९
१०.२×४.४	६	३७	”	”	-	पूर्ण	कीटानुविद्ध	१०३०
१०.६×४.७	८	२२	”	”	-	पूर्ण		१०३१
१०.५×४.५	१०	३४	”	”	-	पूर्ण	कीटानुविद्ध एवं खण्डित	१०३२
८.४×४	७	२६	”	”	-	पूर्ण	अति प्राचीन	१०३३
६.२×४.५	१४	४०	”	”	-	पूर्ण	कीटानुविद्ध	१०३४
९×३.७	६	३०	”	”	-	पूर्ण		१०३५
७.४×४.८	१३	२१	”	”	-	पूर्ण		१०३६
६.५×४.३	६	३७	”	”	-	पूर्ण		१०३७
८.३×४.४	१०	२२	”	”	-	पूर्ण		१०३८
८.९×३.५	६	३०	”	”	-	पूर्ण		१०३९

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
१०४०	३४४८	सोमवती अमावस्या व्रत	शंकर भट्ट	१-६
१०४१	३४८३	सर्प संस्कार प्रयोग	-	१-३१
१०४२	३४४३	सिद्धि विनायक पूजा	-	१, २, ४-८
१०४३	३४३६	उपांग ललिता कथा विधि	-	१-१३
१०४४	३४६१	प्रतिष्ठा मयूख सार	नीलकंठ भट्ट	१-३८
१०४५	५६६	राम पूजा पद्धति	-	१-३२
१०४६	५४७	जन्म दिवस कृत्य	-	१-४
१०४७	५६४	संध्या विधि	-	१-१४
१०४८	५६६	मंगल पाठ	-	१-४
१०४९	५६२	राम प्रतिष्ठा	-	१-११
१०५०	५६३	सप्तशती प्रयोग विधि	-	१-१६
१०५१	५७६	अनन्त व्रत कथा	-	१-७
१०५२	५८१	शुक्लैकादशी व्रतोद्यापन	-	१-१७
१०५३	५८२	सप्ताह पारायण विधि	-	१-७
१०५४	५७६	तिलक विधि	-	१-४
१०५५	६३३	चण्डी पाठ विधि	-	१-६
१०५६	७०२	आपस्तम्ब अग्निहोत्र होम	-	१-८
१०५७	३३४५	स्मृत्युक्त परिभाषा	-	१-१६
१०५८	३३६५	आश्वलायनानां श्रौत प्रायश्चित्तानि	-	१-२४
१०५९	२२८३	शिवमूरुद्रीय	-	११ गणनया
१०६०	२०३२	विष्णु याग पद्धति	अनंत देव	३-२६
१०६१	३५१३	पूर्णाभिषेक पद्धति	-	१-६
१०६२	३५१०	शतचण्डी, सहस्र चण्डीविधि	श्रीकृष्ण	१-२७

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६×३.८	१३	२७	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		१०४०
६.४×४	८	१८	,,	,,	-	पूर्ण		१०४१
८.८×४	७	३४	,,	,,	-	अपूर्ण		१०४२
६.७×४.४	६	२२	,,	,,	-	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	१०४३
६.४×४.४	११	४६	,,	,,	शक १७६८	पूर्ण		१०४४
७×४.१	१२	३६	,,	,,	-	अपूर्ण		१०४५
६.८×४.३	६	२०	,,	,,	-	पूर्ण		१०४६
६.५×४.५	६	३१	,,	,,	-	पूर्ण		१०४७
१०.८×४.७	११	४१	,,	,,	सं. १६६३	पूर्ण		१०४८
१०.२×४६	१२	३२	,,	,,	१८३२	पूर्ण		१०४९
१०.८×४.७	६	३१	,,	,,	१६१०	पूर्ण		१०५०
१०.८×४.५	६	२७	,,	,,	-	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१०५१
१०×४.४	१२	४१	,,	,,	-	पूर्ण		१०५२
१०×४.३	११	४८	,,	,,	१६५४	पूर्ण		१०५३
११×३.४	७	४८	,,	,,	-	पूर्ण		१०५४
१०.७×४.६	१०	४१	,,	,,	१६०५	पूर्ण	वाराही तन्त्रोक्त	१०५५
६.३×३.७	६	३५	,,	,,	-	पूर्ण		१०५६
८.४×३.३	७	२६	,,	,,	-	पूर्ण		१०५७
६.४×४	६	२८	,,	,,	-	पूर्ण	कीटाणुविद्ध	१०५८
६.३×३.८	८	३७	,,	,,	-	पूर्ण		१०५९
१२×५	६	५१	,,	,,	सं. १६५४	अपूर्ण		१०६०
६.५×३.५	११	३०	,,	,,	-	पूर्ण		१०६१
६.६×४.३	११	३८	,,	,,	-	पूर्ण		१०६२

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीका कार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
१०६३	३५०६	संकष्ट चतुर्थी व्रत कथा	–	१-८
१०६४	३५६६	बौधायन अग्निहोत्र होम	–	१-४
१०६५	३५६५	तीर्थेस्थि क्षेपण विधि	–	१-३
१०६६	३३५३	पाक यज्ञ निर्णय	चन्द्र शेखर शर्मा	१-३८
१०६७	३३५८	स्मार्त प्रायाश्चित्त निष्कृति पद्धति	दिवाकर भट्ट	१-२६
१०६८	३३५७	आचारार्क प्रकाश	दिवाकर	१-४४
१०६९	३३४३	शतचण्डी, सहस्रचण्डी विधान	कमलाकर भट्ट	१-५५
१०७०	२७६४	त्रिपाद शांति	–	१-२
१०७१	२७६१	एकोद्दिष्टश्राद्ध विधि	–	१-७
१०७२	२७६८	प्रवासागमनागमन विधि	–	१-५
१०७३	२७६५	संध्या त्रय काल विधि	–	१-१२
१०७४	३३६१	ग्रह मख	–	१-१०
१०७५	३४१४	नूतन मूर्ति प्रतिष्ठा विधि	नारायण मुनि	१-१५
१०७६	३४२२	द्विभार्याग्नि संसर्ग प्रयोग	–	१-४
१०७७	३४११	अधिवासन	–	१-७
१०७८	३४५५	उदक शान्ति	–	१-२७
१०७९	३४७६	पिण्ड पितृ यज्ञव्यतिषंग	त्र्यम्बक भट्ट	१-५
१०८०	३४७५	समंत्रक श्राद्ध पद्धति	–	१-७
१०८१	३४५६	सर्व प्रायश्चित प्रयोग	–	१-६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१०.८×४.८	१०	४०	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण	स्कंद पुराणे, गणपति कल्पोक्त	१०६३
८.६×४.३	१२	२७	”	”	१८२६	पूर्ण		१०६४
६×३.६	८	२६	”	”	–	पूर्ण		१०६५
१०.३×४.४	११	३८	”	”	–	अपूर्ण		१०६६
१०.३×४.६	१०	४६	”	”	शक १७०६	पूर्ण		१०६७
१०×४.५	१३	४१	”	”	सं. १८५२	पूर्ण		१०६८
६×३.७	७	३१	”	”	१८७३	पूर्ण		१०६९
८.८×४	१२	३२	”	”	–	पूर्ण		१०७०
६×४	८	३५	”	”	–	पूर्ण		१०७१
८×३.५	११	२८	”	”	–	पूर्ण		१०७२
८.४×४.२	६	३३	”	”	१८६७	पूर्ण		१०७३
६×४	१०	३२	”	”	–	अपूर्ण		१०७४
८.२×४.१	१०	३२	”	”	शक १७४२	पूर्ण		१०७५
६×३	६	२७	”	”	–	पूर्ण		१०७६
८.५×३.८	८	२५	”	”	–	पूर्ण		१०७७
१०.८×४.५	८	३३	”	”	सं. १७३४	पूर्ण	कीटानुविद्ध	१०७८
८.३×४	१०	२८	”	”	शक १६८२	पूर्ण		१०७९
६.३×४.४	११	४२	”	”	–	पूर्ण		१०८०
१०.६×४.८	१२	३७	”	”	सं. १६१७	पूर्ण		१०८१

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
१०८२	३४७४	आचारार्क	दिवाकर	१-२८
१०८३	३४७३	श्राद्ध भेद	-	१-१०
१०८४	३४७१	अन्त्येष्टि क्रिया पद्धति	-	१-५४
१०८५	३४६४	श्राद्ध संकल्प	-	१-१२
१०८६	३४६५	पंचक त्रिपाद मरण शांति प्रयोग	-	१-४
१०८७	३४६६	पावर्ण दर्श चटु श्राद्ध प्रयोग	-	१-१४
१०८८	३४६३	श्राद्ध पद्धति	नारायण भट्ट	१-३५
१०८९	३४०६	प्रतिष्ठा मयूख	नीलकंठ भास्कर	१-८३
१०९०	३४०९	द्वादश महावाक्यार्थ विवरण	-	१-६३
१०९१	३४६७	प्रेत क्रिया प्रयोग	मणिराम दीक्षित	१-६३
१०९२	३४१०	उदक शान्ति	-	१-३४
१०९३	३३६२	आपस्तम्बोक्ता इष्टयः	-	१-७८
१०९४	१७८८	पार्थिव गणपति पूजा	-	१-७
१०९५	३३५४	प्रयोग रत्न	नारायण भट्ट	१-९८
१०९६	३३८९	यति धर्म	-	१-१११
१०९७	१७९१	तृचा कल्प	-	१-२
१०९८	१७८९	विवाह प्रयोग	-	१-२३
१०९९	१७९२	मधुपर्क पूजा	-	१
११००	१७९३	अग्नि समारोप	-	१-२
११०१	१७९४	पञ्चगव्य	-	१-२
११०२	१७९५	शिव पञ्चायतन पूजा	-	१-३
११०३	१७९६	वैश्वदेव	-	१-५

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.२×४	१७	५२	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		१०८२
६.२×४	११	३५	,,	,,	-	पूर्ण		१०८३
१०.१×३.६	६	४४	,,	,,	-	पूर्ण		१०८४
१०.३×४.५	६	३५	,,	,,	-	पूर्ण		१०८५
११×४.८	६	२७	,,	,,	-	पूर्ण		१०८६
१०.६×४.८	८	३८	,,	,,	सं. १६००	पूर्ण	कीटानुविद्ध	१०८७
१०×४.३	१०	३६	,,	,,	-	पूर्ण		१०८८
८.५×४	७	२८	,,	,,	-	पूर्ण		१०८६
८.७×५	६	२१	,,	,,	-	पूर्ण		१०६०
१०.३×४.७	१०	३६	,,	,,	-	पूर्ण		१०६१
८.३×४	१०	३२	,,	,,	शक १७११	पूर्ण		१०६२
१०.८×४.५	८	३८	,,	,,	-	पूर्ण		१०६३
७.८×३.५	८	२६	,,	,,	-	पूर्ण	गणेश पुराणोक्त	१०६४
११.७×४	१२	५३	,,	,,	शक १७२२	पूर्ण		१०६५
६.८×४.५	६	३१	,,	,,	-	पूर्ण		१०६६
७.६×३.५	८	२२	,,	,,	-	अपूर्ण	उदकुंभ श्राद्ध भी समाविष्ट है।	१०६७
७.६×३.५	७	३४	,,	,,	-	पूर्ण		१०६८
७.८×३.५	७	३१	,,	,,	-	अपूर्ण		१०६६
७.८×३.५	७	२६	,,	,,	-	पूर्ण		११००
७.८×३.५	८	२६	,,	,,	-	पूर्ण		११०१
७.८×३.५	६	३४	,,	,,	शक १७०६	पूर्ण		११०२
७.८×३.५	६	३३	,,	,,	शक १७०६	पूर्ण		११०३

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीका कार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
११०४	१७६८	स्नान संकल्प	–	१-२
११०५	१७६६	गृह्याग्नि होम	–	१-६
११०६	१८०१	औपासन होम	–	१-७
११०७	१८०२	प्रणीता स्कंदन	–	१-२
११०८	१७६०	सन्ध्या	–	१-६
११०६	१७८४	नित्योदकुंभ श्राद्ध	–	१-२
१११०	१७८५	वृषदान	–	१-६
११११	१७८७	पुरुष सूक्त पूजा	–	१-२
१११२	१८२०	हिरण्यकेशी आधान प्रयोग	–	१-२६
१११३	१७६७	गानि	–	१-७
१११४	१७८६	गानि	–	१-२
१११५	१८०८	वट सावित्री पूजा	–	१-८
१११६	१८०६	गर्भाधान प्रयोग	–	१-४
१११७	१८०५	विष्णु पंचायतन पूजा	–	१-१०
१११८	१८२७	हरितालिका व्रत	–	१-१२
१११६	१८०६	वचने श्राद्ध प्रकरण	–	१-६
११२०	१८३२	सूत्र चातुर्मासस्य	–	१-२०
११२१	१८१०	जातेष्टि	–	१-२
११२२	१८०३	कारिका	–	१-२
११२३	१८३७	आचार दीप	कमलाकर	१-१५

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
७.८×३.५	६	२६	दे.ना.	कागज	शक १७०६	पूर्ण		११०४
७.८×३.५	६	३७	,,	,,	शक १७१०	पूर्ण		११०५
७.६×३.३	७	२७	,,	,,	सं. १८६५	पूर्ण		११०६
७.८×३.५	१०	३०	,,	,,	–	पूर्ण		११०७
७.८×३.५	७	३०	,,	,,	–	पूर्ण		११०८
७.८×३.५	७	३७	,,	,,	शक १७११	पूर्ण		११०९
७.८×३.५	७	२५	,,	,,	–	पूर्ण		१११०
७.८×३.५	६	३८	,,	,,	शक १७०७	पूर्ण		११११
८.२×३.३	७	२७	,,	,,	–	अपूर्ण		१११२
७.८×३.५	६	३६	,,	,,	शक १७०६	पूर्ण		१११३
७.८×३.५	८	४३	,,	,,	–	अपूर्ण		१११४
७.८×३.५	६	३१	,,	,,	शक १७०७	पूर्ण		१११५
७.८×३.५	७	३५	,,	,,	–	पूर्ण		१११६
७.८×३.५	७	३१	,,	,,	शक १७१३	पूर्ण		१११७
६×३.६	८	३१	,,	,,	–	अपूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	१११८
८×३.५	६	३७	,,	,,	–	पूर्ण		१११९
८.७×३.४	७	३३	,,	,,	–	पूर्ण		११२०
८.७×४.१	११	३४	,,	,,	सं. १७६७	पूर्ण		११२१
७.८×३.५	७	२६	,,	,,	–	पूर्ण		११२२
६.३×३.७	११	३६	,,	,,	–	पूर्ण		११२३

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
११२४	१६५०	नव कण्डिका विवरण	–	१-१४
११२५	११०	जन्माष्टमी व्रत पूजा	–	१-१५
११२६	१०६	मंत्रमुक्तामानस	–	१-७
११२७	१४०	कूप शान्ति	–	१-२
११२८	१३६	वास्तु शान्ति	–	४-७
११२९	१६५४	आश्वलायन प्रवास विधि	अनंत देव	१-५
११३०	१६३६	उपांग ललिता व्रत	–	१-२६
११३१	१७०६	सवेली अनुक्रमणिका	–	१-१४
११३२	१६२७	वरद चतुर्थी व्रत कथा	–	१-१०
११३३	१६८५	महान्यास	–	१-२५
११३४	१६८३	हरितालिका तृतीया व्रत कथा	–	१-८
११३५	१७८०	गृह्याग्नेः पुनः संधान विधि	–	१-४
११३६	१७८१	गौदान	–	१-७
११३७	१७१५	गानि	–	१-७
११३८	१७०४	दशरात्र	–	१-७६
११३९	८६०	न्यास प्राण प्रतिष्ठा	–	१-११
११४०	१७३	चण्डिका मंत्र प्रयोग	–	१-५
११४१	७५०	सन्तान गोपाल	–	१-३
११४२	७३६	देवी सुन्दरी पूजा पद्धति	सच्चिदानन्द नाथ	२० गणनया
११४३	३०१४	रुद्र न्यास	–	१-२४

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८.६×३.६	११	३६	दे.ना.	कागज	सं. १७३८	पूर्ण		११२४
८.५×३.८	६	२३	”	”	–	पूर्ण		११२५
८.५×४	७	२६	”	”	–	पूर्ण		११२६
६×३.८	८	३१	”	”	–	अपूर्ण		११२७
६×३.८	६	३२	”	”	–	अपूर्ण		११२८
८.८×३.६	१०	३०	”	”	–	पूर्ण		११२६
७.८×४	८	२३	”	”	शक १६०८	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	११३०
७.६×३.६	७	२३	”	”	शक १७५१	पूर्ण		११३१
८.६×३.६	८	३२	”	”	सं. १८१०	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	११३२
६×३.८	६	२३	”	”	–	पूर्ण		११३३
८.८×३.८	६	२६	”	”	सं. १७२०	पूर्ण		११३४
७.८×३.५	६	३६	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण		११३५
७.८×३.५	६	३४	”	”	शक १७११	पूर्ण		११३६
७.६×३.६	६	२०	”	”	शक १७५१	पूर्ण	अष्टामाष्टक	११३७
८.६×३.४	१०	४१	”	”	सं. १७६४	पूर्ण		११३८
७.३×३.८	७	१८	”	”	–	पूर्ण		११३६
७.३×४	७	२२	”	”		पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त कीटानुविद्ध	११४०
७.१×३.७	७	२७	”	”	–	पूर्ण		११४१
७.३×३.८	७	२२	”	”	–	अपूर्ण		११४२
४.५×२.२	६	२०	”	”	–	पूर्ण		११४३

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
११४४	२९५	माला संस्कार विधि	–	२-५
११४५	३२१	देव पूजा पद्धति	–	१-१०
११४६	३२०	होलिका पूजन विधि	–	१
११४७	२९६	दीपोत्सव निर्णय	–	१-६
११४८	३००	जन्माष्टमी व्रत निर्णय	विठ्ठलेश्वर दीक्षित	१-८
११४९	२७४	ऋषि पंचमी व्रत कथा	–	१-५
११५०	११८५	पंचायतन पूजा	–	१-८
११५१	११८०	गंगा पूजन विधि	–	१-८
११५२	९९६	स्त्री धर्म	भास्कर भट्ट	१-२
११५३	११३०	अथोत्सर्जन	–	१-१३
११५४	३०९६	सर्वमंत्रोत्किलन लेखन	–	१-४
११५५	३०५४	सर्वदान विधि	–	१, ३-१०, १२-२१
११५६	३०५७	नवग्रह मंत्रोद्धार निर्णय	दक्षिणा मूर्ति मुनि	१-१०
११५७	३०५८	व्यास पूजा	–	१-२२, २५
११५८	३०५५	बटुक पूजा पद्धति	–	१-५
११५९	३०५९	शरभेश्वर मंत्र	–	१-७
११६०	३०५२	अर्ध्यदान प्रयोग विधि	–	१-३३
११६१	३१०६	देवी मानस पूजा	शंकराचार्य	१-२६
११६२	३०१३	बगला नित्य पूजा	रमानाथ	१-१३
११६३	२९९५	मातंगी नित्य पूजा पद्धति	–	१-८
११६४	५२२८	नित्य कर्म पद्धति	–	१-६
११६५	३११४	अपराजिता मंत्र	–	१-६
११६६	५२२४	ब्रह्म यज्ञ पितृ तर्पण	–	१-१२
११६७	३०६५	कुल पार्वण श्राद्ध	–	१-५

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
७.२×४.२	१०	३४	दे.ना.	कागज	–	अपूर्ण		११४४
८×४.३	१०	३०	,,	,,	–	पूर्ण		११४५
८.७×४.४	६	२८	,,	,,	–	पूर्ण		११४६
७.३×३.७	६	२६	,,	,,	–	पूर्ण		११४७
७.३×३.७	८	२३	,,	,,	–	पूर्ण		११४८
७.८×४.८	६	२७	,,	,,	–	पूर्ण		११४६
८.३×३	६	३२	,,	,,	–	पूर्ण		११५०
७.४×३.३	६	२५	,,	,,	–	पूर्ण		११५१
७.८×३.३	१५	६०	,,	,,	–	पूर्ण		११५२
७.७×४	१०	२२	,,	,,	–	पूर्ण		११५३
७×३.८	६	२०	,,	,,	–	पूर्ण	शिव रहस्ये पंचरात्रे मच्छेन्द्र संहितोक्त	११५४
५.२×३	७	१६	,,	,,	–	अपूर्ण		११५५
४.८×२.८	६	१८	,,	,,	सं. १८५६	पूर्ण		११५६
६.४×३.८	७	१२	,,	,,	–	अपूर्ण	विष्णु धर्मोत्तरोक्त, खण्डित	११५७
६.३×३	१०	३२	,,	,,	–	पूर्ण		११५८
६×३.७	६	२३	,,	,,	–	अपूर्ण		११५६
५.५×४	१४	२०	,,	,,	–	पूर्ण		११६०
४.३×२.५	६	१७	,,	,,	–	पूर्ण		११६१
४.४×३.३	५	१०	,,	,,	–	पूर्ण		११६२
६.७×३.२	११	३६	,,	,,	–	पूर्ण	रुद्रयामल तन्त्रोक्त	११६३
६×४	८	२०	,,	,,	–	पूर्ण		११६४
६.८×४.२	६	१५	,,	,,	–	पूर्ण		११६५
८.१×४	८	२१	,,	,,	शक १७२८	पूर्ण		११६६
४.८×३.२	८	१५	,,	,,	–	पूर्ण		११६७

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
११६८	३०६८	उपांग ललिता व्रत	-	२-३०
११६९	५२२९	तृचा कल्प विधान	-	१-६
११७०	२७६५	ब्राह्मणाच्छंसी प्रयोग	-	१-२
११७१	२७६४	पुण्याह वाचन	-	१-१०
११७२	५२२५	द्वादशी पूजा	-	१-४
११७३	२६६०	सर्वकर्मोपयोगिनी पूजन पद्धति	-	१-७७
११७४	२७३१	गोत्र प्रवर भेद	-	३२ गणनया
११७५	२७३०	श्री सूक्त विधि	-	१-५
११७६	२६६३	ग्रह मख	-	१-२१
११७७	२६६४	संकट चतुर्थी व्रत पूजा	-	१-२५
११७८	२७०३	महालक्ष्मी व्रत कथा पूजा	-	१-६
११७९	२७०२	शरद् नवरात्र पूजा	-	१-७
११८०	२७०४	सिध्दि विनायक पूजा पद्धति	-	१-६
११८१	२७०५	वरद चतुर्थी महागणपति पूजन	-	१-९
११८२	२७०६	गज गौरी व्रत	-	१-८
११८३	२७०७	तुलसी विवाह प्रयोग	अनंत भट्ट	१-६
११८४	२६६८	पार्थिव पूजा	-	१-८
११८५	२८२३	विनायक शांति प्रयोग	-	१-२२
११८६	२६६७	अनन्त व्रतोद्यापन विधि	-	१-१०
११८७	२६६९	ललिता पूजा विधि	-	१-९
११८८	२७००	कदली व्रत पूजा कथा	-	१-५

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
५.४×२.८	६	१८	दे.ना.	कागज	-	अपूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	११६८
६.६×४.४	६	३६	”	”	सं. १८३३	पूर्ण		११६९
७×३.५	६	३५	”	”	-	पूर्ण		११७०
७.८×३.७	६	२५	”	”	सं. १७८६	पूर्ण		११७१
१०.५×४.६	८	३५	”	”	शक १७४१	पूर्ण	वाराह पुराणोक्त	११७२
७.८×४.३	८	२४	”	”	-	पूर्ण		११७३
११.१×४.७	१३	५०	”	”	-	अपूर्ण		११७४
११×४.५	६	३३	”	”	सं. १६२६	पूर्ण	अथवर्ण रहस्योक्त	११७५
६.५×४.२	६	३४	”	”	-	पूर्ण		११७६
६.१×४.३	७	१६	”	”	-	पूर्ण	भवियोत्तर पुराणोक्त	११७७
८.८×४.१	१२	३८	”	”	-	पूर्ण	पद्म पुराणोक्त	११७८
८.५×३.८	८	३४	”	”	-	पूर्ण		११७९
८.५×३.६	१०	३१	”	”	-	पूर्ण		११८०
८.४×३.८	७	२५	”	”	-	पूर्ण		११८१
८.५×३.६	८	२४	”	”	-	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	११८२
८.५×४	७	३५	”	”	सं. १८४४	पूर्ण		११८३
६.५×३.५	७	२५	”	”	-	पूर्ण		११८४
८.५×४	१६	१५	”	”	-	पूर्ण	शाकल संहिता एवं होम विधि	११८५
८.५×४	६	३६	”	”	सं. १८४५	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	११८६
८.७×३.३	१०	३८	”	”	-	पूर्ण		११८७
८.५×४	१०	३१	”	”	-	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	११८८

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
११८६	२७०१	कुष्मांडी व्रत कथा	–	१-५
११९०	४३५५	सिंहासन चक्र	–	१-२
११९१	२८१४	त्रिपिण्डी विधान	–	१-५
११९२	२८०४	पिण्ड पितृ यज्ञ प्रयोग	–	१-४
११९३	२८०३	संध्या पंचीकरण महावाक्यार्थ	शंकराचार्य	१-३२
११९४	२८२०	ज्येष्ठाभिषेक पद्धति	–	१-६
११९५	२७६६	चरण व्यूह	–	१-७
११९६	३०७८	गणेशाथर्वशीर्ष व्याख्या	–	१-५
११९७	३१४६	देहली हनुमत् विधान	–	१-४
११९८	३२७३	सिद्धि विनायक व्रत पूजा	–	१-५
११९९	३२५३	व्यास पूजा विधि	–	१-६
१२००	३२४८	आदित्य व्रत	–	१-८
१२०१	३२६८	तुलसी व्रत	–	१-२
१२०२	३२८१	तृचा कल्प	–	१-४
१२०३	३४४०	जीर्णोद्धार प्रयोग	नीलकंठ भट्ट	१-२
१२०४	३२८६	मन्युसूक्त विधान	–	१-४
१२०५	३२७६	कूष्माण्ड प्रयोग	–	१-६
१२०६	३२६६	सोमवत्यामावास्या व्रत	–	१-८
१२०७	३२१४	श्री मद्रामायण विधि	–	१-४
१२०८	३२१२	भगवताराधन विधि	नारायण मुनि	१-५
१२०९	३२०३	आवसथ्यात्मन	–	१-६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८×४	८	३०	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण	पद्म पुराणोक्त	११८६
८.७×४.७	११	३१	,,	,,	सं. १६१८	पूर्ण		११६०
१०×४.४	१०	४८	,,	,,	सं. १६५८	पूर्ण		११६१
६×३.६	६	२४	,,	,,	–	पूर्ण		११६२
५.७×४.२	७	१५	,,	,,	–	पूर्ण		११६३
६.२×४.८	१०	२६	,,	,,	सं. १८६५	पूर्ण	जीर्ण	११६४
६.६×४	६	२३	,,	,,	सं. १७८७	पूर्ण		११६५
६.८×३.५	७	२२	,,	,,	–	पूर्ण		११६६
५.७×२.७	८	३०	,,	,,	–	पूर्ण		११६७
८.५×४.२	६	३२	,,	,,	शक १७५४	पूर्ण		११६८
८.६×४	७	२६	,,	,,	सं. १८४०	पूर्ण		११६६
६×३.७	७	३०	,,	,,	–	पूर्ण		१२००
६.५×४	१४	४०	,,	,,	–	अपूर्ण		१२०१
६.८×३.५	७	१७	,,	,,	–	अपूर्ण		१२०२
८.६×३.८	१२	४६	,,	,,	–	पूर्ण		१२०३
८.८×३.४	११	३८	,,	,,	–	पूर्ण		१२०४
७.७×३.३	१०	३५	,,	,,	–	पूर्ण		१२०५
६.७×४	११	३७	,,	,,	सं. १८४१	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१२०६
६.५×४	१२	४७	,,	,,	–	पूर्ण		१२०७
६.५×४.४	१०	३१	,,	,,	–	पूर्ण		१२०८
८.२×४.१	१५	३४	,,	,,	–	अपूर्ण		१२०६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
१२१०	३२६१	पल्ली पतन शान्ति विधि	–	१-३
१२११	३३०२	श्रीमूकांब मानस पूजा	–	१-१०
१२१२	३१६८	प्रवराध्यायी	–	१-२
१२१३	३२६२	संकट हरण गणेश चतुर्थीव्रत	–	१-३
१२१४	३२५६	दूर्वाष्टमी व्रत	–	१-५
१२४५	३२७५	महामंत्रार्थ	–	१-७
१२१६	३२००	कुंडार्क	–	१-२
१२१७	३२८०	विध्नेश मातृका	–	१-४
१२१८	३२२७	वार व्रतानि	–	१-४
१२१६	३२२५	अनंत व्रत कथा	–	१-११
१२२०	३२२६	स्वति संवादे (कर्मकाण्ड विषयक)	–	१-३
१२२१	३२४१	त्रिखल जन्म शान्ति	–	१-३
१२२२	३२४२	उमा महेश्वर व्रत	–	१-१०
१२२३	३२४३	गणेश चतुर्थी व्रत	–	१-६
१२२४	३२३७	वेद पारायण विधि	–	१-४
१२२५	३२४६	अशोक व्रत	–	१-६
१२२६	३२७४	मातंगी विधान	–	१५ गणनया
१२२७	३२३१	राम नवमी व्रत	–	१-६
१२२८	३२३०	गायत्री पुरश्चरण प्रयोग	–	१४ गणनया
१२२६	३२६३	तुलादान पद्धति	–	१-५

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८.१×३.८	७	२८	दे.ना.	कागज	सं. १६०६	पूर्ण		१२१०
५.५×३.६	१०	२०	”	”	–	अपूर्ण		१२११
१०.२×५.३	१४	३८	”	”	–	पूर्ण		१२१२
८×३.३	७	३३	”	”	सं. १६५१	पूर्ण		१२१३
६×३.८	८	३८	”	”	–	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१२१४
५.६×३.८	६	१८	”	”	सं. १६१७	पूर्ण		१२१५
६.३×४.४	१४	४०	”	”	–	अपूर्ण		१२१६
५×४.१	६	१५	”	”	–	अपूर्ण		१२१७
८×५	१५	३०	”	”	–	अपूर्ण		१२१८
८.५×३.६	१२	३४	”	”	सं. १८४१	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१२१६
११.६×४.८	८	४८	”	”	–	पूर्ण		१२२०
६.३×४.३	८	३४	”	”	सं. १८६५	पूर्ण		१२२१
८.५×३.८	६	३८	”	”	सं. १७८४	पूर्ण	शिव रहस्योक्त	१२२२
८×३.४	७	२५	”	”	–	पूर्ण		१२२३
८.६×३.८	१०	४४	”	”	सं. १८११	पूर्ण		१२२४
६.१×३.८	७	२८	”	”	–	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१२२५
६.१×३.७	६	१६	”	”	–	अपूर्ण		१२२६
१०.५×४.३	६	४०	”	”	–	पूर्ण		१२२७
१०×४.५	११	४१	”	”	–	पूर्ण	माला संस्कार एवं भूतशुद्धि भी है।	१२२८
८×४	१०	४१	”	”	सं. १६५६	पूर्ण		१२२६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीका कार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
१२३०	३१६५	रामनवमी व्रत	–	१-८
१२३१	२७४४	केशांत दशकर्म	–	१-४३
१२३२	३३२७	कारिका	–	१-५३
१२३३	२६२७	प्रायश्चित्त	–	३-६३
१२३४	४३८१	प्रतिष्ठा मयूख	नीलकंठ भास्कर भट्ट	१-३८
१२३५	३३३१	रामार्चन चन्द्रिका	आनंद वन	१-६४
१२३६	२७०	रुद्र न्यास विधि	–	१-४
१२३७	१७४५	भगवान वस्त्र मंत्र सप्तक	–	१-२
१२३८	५११८	देव वाक्य विधि	–	१-८
१२३९	२८१२	हवन पद्धति	–	१-५१
१२४०	१०५७	देवता न्यास	–	१-६
१२४१	३७६५	उत्सर्जन उपाकर्म	–	१-३४
१२४२	१२०६	शरभ योग विधि	–	१-६
१२४३	७१०	एकादशी माहात्म्य	–	१-१८
१२४४	३७६७	रुद्र पद्धति	नारायण भट्ट	१-३७
१२४५	५२८१	वाराही संहिता	वराह मिहिर	१-२७४
१२४६	४४००	घट गोपुर मठ धर्मशाला-द्युद्यापन प्रयोग	–	१-७

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
१२.७×५.१	११	५५	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण		१२३०
६.३×४.५	८	२६	”	”	सं. १७३६	पूर्ण		१२३१
८.८×४.३	७	२४	”	”	शक १७६८	पूर्ण		१२३२
१०.५×४.५	७	४२	”	”	–	अपूर्ण		१२३३
१३×४.८	६	५१	”	”	सं. १८५४	पूर्ण		१२३४
११.५×५.८	१३	५२	”	”	सं. १७४३	पूर्ण		१२३५
६.५×४.६	११	४०	”	”	शक १७३०	पूर्ण		१२३६
८.८×४.५	१२	३५	”	”	–	पूर्ण	परिव्राजकोपनिषद् भी है	१२३७
१३.८×४.३	८	४४	”	”	–	अपूर्ण	विष्वकसेन मंत्र प्रकरण पांचरात्रे शांडिल्यसंहितोक्त	१२३८
११×४.८	४	३१	”	”	सं. १६२५	पूर्ण		१२३६
८.२×३.७	७	३०	”	”	सं. १८६५	पूर्ण		१२४०
८×४.३	६	२६	”	”	शक १७६६	पूर्ण		१२४१
७.१×३.८	८	२०	”	”	सं. १६३६	पूर्ण	आकाश भैरव कल्पोक्त	१२४२
१२.८×४.८	७	३८	”	”	–	अपूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१२४३
१०×४.५	११	३८	”	”	–	पूर्ण		१२४४
११×४.८	७	३२	”	”	सं. १८७५	पूर्ण		१२४५
८.६×४	८	२५	”	”	सं. १८६६	पूर्ण		१२४६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
१२४७	८६१	तीर्थ विद्या रहस्य	विद्यारण्य राम कृष्ण	१-२५
१२४८	५६३०	यतिराज सप्तति	वेंकटनाथ वेदांताचार्य	१-१६
१२४९	४०१६	कर्म विपाक	-	२८ गणनया
१२५०	५१६८	भारद्वाज संहिता	-	१-७६
१२५१	३६८१	प्रायश्चित्त निर्णय	-	१-२८
१२५२	२५३४	सूत संहिता	माधवाचार्य	१०५ गणनया
१२५३	७१४	गर्भिणी रक्षा	-	१-१३
१२५४	५६२६	ऋषिपंचमी व्रत कथा	-	१-४
१२५५	५६२७	वार्षिक श्राद्ध	-	१-५५
१२५६	५६०५	श्री कृष्ण पूजा पद्धति	-	१-११
१२५७	५६३२	मरण विधान	नारायण भट्ट	१-४
१२५८	५८६६	शार्ङ्गधर पूजा विधि	-	१-४
१२५९	५६०४	श्री विधान	-	१-६
१२६०	५६२४	विवाह पद्धति एवं होलिका पूजा विधि	-	२३ गणनया
१२६१	५६२६	उपनयन विधि	-	१-१५
१२६२	५६०६	विश्वाराधन विधि	-	१-२
१२६३	५६१०	हरिदिन तिलक	वेंकटनाथ वेदान्ताचार्य	१-३५
१२६४	५६०३	ब्राह्मण सर्वस्व	धर्माध्यक्ष हलायुध	१-१३८
१२६५	१३३७	त्रिपुरार्चन पद्धति	-	१-६
१२६६	१३४६	शिवार्चन पूजा पद्धति	-	१-१२

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
९.९×४.८	८	२४	दे.ना.	कागज	-	अपूर्ण		१२४७
७.७×४.१	७	२४	”	”	सं. १९५७	पूर्ण		१२४८
१२.४×६	१६	५३	”	”	-	अपूर्ण		१२४९
१४.३×७.५	१३	४६	”	”	-	पूर्ण		१२५०
११.६×४.५	१४	५०	”	”	सं. १८४१	पूर्ण	क्षतिग्रस्त	१२५१
१४×५.५	१५	५०	”	”	-	अपूर्ण	क्षतिग्रस्त	१२५२
१३.५×५.४	७	३३	”	”	-	पूर्ण	क्षतिग्रस्त	१२५३
९.८×४.३	९	३४	”	”	-	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त क्षतिग्रस्त	१२५४
६.२×३.२	६	३०	”	”	-	अपूर्ण	क्षतिग्रस्त	१२५५
११.२×४.८	६	३५	”	”	-	पूर्ण		१२५६
८.५×४.६	३३	”	”	-		अपूर्ण	आदि नहीं है	१२५७
१३.४×५	६	३७	”	”	-	अपूर्ण		१२५८
११×५.५	१३	४६	”	”	-	पूर्ण		१२५९
८.७×४.७	८	२६	”	”	सं. १७९९	अपूर्ण		१२६०
१०.२×५.१	१०	३६	”	”	-	अपूर्ण		१२६१
१४×५.५	१०	५५	”	”	-	पूर्ण		१२६२
१४.८×५.८	६	४४	”	”	-	पूर्ण		१२६३
१०.७×४.७	११	४५	”	”	सं. १९३०	पूर्ण		१२६४
६.५×४	७	१८	”	”	-	पूर्ण		१२६५
७×४.२	६	२०	”	”	सं १९५८	पूर्ण		१२६६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
१२६७	१२१५	नवान्न प्राशन	–	१-३
१२६८	६६८	राम नाम लेखनोद्यापन विधि	-	१-२
१२६९	६५४	शान्ति पद्धति	वासुदेव शर्मा	१-२१
१२७०	२३८४	अनन्त व्रत कथा	–	१-२२
१२७१	२३९०	दम्पति पूजन	–	१-५
१२७२	२३७७	महाविष्णु पूजा	–	१-२७
१२७३	२५१३	पूर्णाहुति	–	१-४
१२७४	२४६१	हनुमत् पूजा कथा	–	१-१४
१२७५	२४३४	नाग पूजा	–	१-४
१२७६	२४३३	अदुःख नवमी व्रत कथा	–	१-६
१२७७	२४३६	उपांग ललिता व्रत कथा	–	१-५
१२७८	२४३८	मंगला गौरी व्रत कथा	–	१-५
१२७९	२४४०	अशौच निर्णय	त्र्यम्बक	१-६
१२८०	३५६	बटुक भैरव पुरश्चरण दीप दान विधि	–	१-५
१२८१	२३७०	नारायण बलि प्रयोग	–	१-२५
१२८२	२४०६	सोम व्रत कथा	–	१-२०
१२८३	२४०७	वामन पूजा	–	१-४
१२८४	२४८८	प्रेत मञ्जरी	–	१-१८
१२८५	२५०८	रजोदर्शन शांति	–	१-४
१२८६	२४६५	कार्त्तवीर्य दीपदान प्रयोग	–	१-४
१२८७	२५०९	सर्वारिष्ट शान्ति	–	१-२
१२८८	२५१०	मूल शांति प्रयोग	–	१-५
१२८९	२५१२	गणेश चतुर्थी व्रत कथा	–	१-६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
७.८×४.५	१२	३३	दे.ना.	कागज	सं. १७६७	पूर्ण		१२६७
६.७×४.३	१०	३८	,,	,,	–	पूर्ण		१२६८
६×४.५	६	२४	,,	,,	सं. १६२०	पूर्ण		१२६९
६.३×४.२	६	२०	,,	,,	सं. १८४६	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१२७०
६.५×४	६	१६	,,	,,	–	पूर्ण		१२७१
५.४×३.५	६	१४	,,	,,	–	पूर्ण		१२७२
१०.१×४.४	१२	३७	,,	,,	–	पूर्ण		१२७३
८.६×४	८	२८	,,	,,	–	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१२७४
८.८×४.६	१०	२८	,,	,,	–	पूर्ण		१२७५
६.३×४.३	१०	३५	,,	,,	१७११	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	१२७६
१०.८×४.८	१२	४६	,,	,,	–	पूर्ण		१२७७
१२×४	८	४०	,,	,,	–	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१२७८
६.५×४.६	१२	३३	,,	,,	–	पूर्ण		१२७९
१०.८×३.४	६	३७	,,	,,	–	पूर्ण	क्षतिग्रस्त	१२८०
५.४×३.५	८	१६	,,	,,	सं. १६१४	पूर्ण		१२८१
५.६×४.३	८	१५	,,	,,	–	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१२८२
७×४.२	८	२२	,,	,,	–	पूर्ण		१२८३
६.५×४.५	६	३४	,,	,,	–	अपूर्ण		१२८४
६.७×४.३	१०	४३	,,	,,	–	पूर्ण		१२८५
८.७×४.५	६	२३	,,	,,	–	पूर्ण		१२८६
१०.२×४.५	११	४०	,,	,,	–	पूर्ण		१२८७
१०.२×४.५	११	३६	,,	,,	–	पूर्ण		१२८८
८×४.१	१०	३२	,,	,,	१८११	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१२८९

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीका कार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
१२६०	२३८१	षष्ठी पूजन	–	१-८
१२६१	२३८२	दानफल व्रत कथा	–	१-११
१२६२	१६६१	कार्तवीर्य दीपदान विधि	–	१-१०
१२६३	१६५६	गोमूत्र प्राशन मंत्र	–	१-२
१२६४	१६६०	स्त्री बडवा प्रसूति शान्ति	–	१-२
१२६५	२४१०	शिव पञ्चवक्र पूजन	–	१-७, १२, १३
१२६६	१६६३	वर-लक्ष्मी व्रत	–	१-६
१२६७	१६६५	ऋषि पंचमी व्रत कथा	–	१-५
१२६८	२४१२	शिव पंचायतन पूजा	–	१-१०
१२६६	२३६२	सावित्री व्रत कथा	–	१-१४
१३००	२३६६	दूर्वाष्टमी व्रत कथा	–	१-४
१३०१	२३६६	सूर्य नारायण पूजा	–	१-७
१३०२	२४११	सामान्य पूजा पद्धति	–	१-१६
१३०३	२४६०	त्रिपिण्डी विधान	–	१-३
१३०४	२४६४	सामान्य विष्णु पूजा	–	१-२
१३०५	२४५०	पारायण विधि	–	१-१०
१३०६	२४५१	मंत्र महोदधि	–	१-६
१३०७	२४५५	मानस पूजा	शंकराचार्य	१-८
१३०८	१६५४	अशौच निणर्य	रामचन्द्र	१-५
१३०६	१६४६	वास्तु शांति प्रयोग	कमलाकर भट्ट	१-'१
१३१०	२४०४	केदार गौरी व्रत कथा	–	१-१५
१३११	२४०३	नवरात्र पूजन विधि	–	१-७
१३१२	२४०२	गोदान पूजा	–	१-१०
१३१३	२४०१	संकट हरण गणेश व्रत	–	१-६
१३१४	२४६३	नारायण बलि प्रयोग	–	१-६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
६.४×३.३	६	१७	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		१२६०
५.५×४.२	१०	१५	”	”	-	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	१२६१
७×४.५	१३	३४	”	”	सं. १८७६	पूर्ण		१२६२
७.३×४.५	७	१७	”	”	१८४५	पूर्ण		१२६३
७.१×३.८	८	२४	”	”	-	पूर्ण		१२६४
६.६×४.२	६	२०	”	”	१८५३	अपूर्ण		१२६५
८.६×४	६	२८	”	”	-	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१२६६
८.८×५	१४	४०	”	”	१८६०	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१२६७
६.८×४.८	१२	२०	”	”	-	पूर्ण		१२६८
६.८×४.४	६	२२	”	”	१६३२	पूर्ण	महाभारतोक्त	१२६६
७.७×३.८	७	१६	”	”	-	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१३००
५.३×३.६	८	१६	”	”	-	पूर्ण		१३०१
६×३.५	८	२०	”	”	-	अपूर्ण		१३०२
८.५×४	११	३०	”	”	-	पूर्ण		१३०३
८.१×४.१	१६	३६	”	”	-	पूर्ण		१३०४
६.८×४.२	१२	५०	”	”	सं. १८५५	पूर्ण	सौभाग्य तन्त्रोक्त	१३०५
८.२×४	७	३२	”	”	-	अपूर्ण		१३०६
८×४	१०	२७	”	”	-	पूर्ण		१३०७
८.५×४.२	१२	३५	”	”	-	पूर्ण		१३०८
११×४.८	६	४२	”	”	१६२१	पूर्ण		१३०६
६.४×४.६	११	२०	”	”	-	पूर्ण		१३१०
६.८×३.६	१०	३७	”	”	-	पूर्ण		१३११
७×४.३	६	२१	”	”	-	पूर्ण		१३१२
६.७×४.४	१४	३४	”	”	-	पूर्ण	नारदीय पुराणोक्त	१३१३
८.६×४.१	६	२४	”	”	-	पूर्ण		१३१४

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीकाकार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
१३१५	२४६२	नवग्रह दान	-	१-४
१३१६	२४२६	वास्तु शांति प्रयोग	-	१-१५
१३१७	२४२१	सत्यनारायण पूजा कथा	-	१-३१
१३१८	२४६६	नवरात्र पूजन	-	१-१४
१३१६	२४६७	त्रिपिण्डी श्राद्ध प्रयोग	-	१-७
१३२०	२४७०	सूर्यकला पूजन	-	१-२
१३२१	२४५६	कर्कटिका व्रत	-	१-५
१३२२	२४५७	गौ शतदान विधि	-	१-४
१३२३	२४५८	बहुला चतुर्थी व्रत कथा	-	१-८
१३२४	२४५६	दंपती पूजन	-	१-४
१३२५	३६१	कार्तिक माघ वैशाख व्रत उद्यापन	-	१-८
१३२६	३६२	हरितालिका व्रत कथा	-	१-६
१३२७	४११	बहुला चतुर्थी व्रत कथा	-	१-५
१३२८	२४४५	शिव पूजन विधि	-	१-१०
१३२६	४१२	प्रासाद प्रतिष्ठा वास्तु शांति प्रयोग	-	१-२७
१३३०	३५६	पूर्णाभिषेक पद्धति	-	१-३
१३३१	३८४	सिद्ध संकल्प प्रयोग	गोपाल	१-६
११३३२	३८५	लक्ष्मी नृसिंह पटल	-	१-५
१३३३	३८७	अनन्त व्रत कथा	-	१-८
१३३४	३८२	एकोदिष्ट श्राद्ध विधि	-	१-६
१३३५	३७२	संक्षेप होम विधि	-	१-४
१३३६	६५३	कातीय तर्पण	-	१-८

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८.५×४.१	६	३२	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		१३१५
७×३.७	६	१६	”	”	-	पूर्ण		१३१६
६.५×४.५	७	१७	”	”	सं. १८८६	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	१३१७
८.५×४	६	३१	”	”	-	पूर्ण		१३१८
८.६×३.६	११	३६	”	”	-	पूर्ण		१३१६
७.७×३.५	१३	४६	”	”	-	पूर्ण		१३२०
८.६×४	१०	३२	”	”	सं. १८३०	पूर्ण	स्कंद पुराणोक्त	१३२१
६×३.६	७	३५	”	”	-	पूर्ण		१३२२
८.८×४	८	३१	”	”	१८२५	पूर्ण		१३२३
६×४	१०	३३	”	”	-	पूर्ण		१३२४
१०.४×४.३	७	२६	”	”	-	पूर्ण		१३२५
१०×४.४	८	३२	”	”	-	पूर्ण		१३२६
६.४×३.२	७	३६	”	”	१६१४	अपूर्ण		१३२७
१०.३×४.४	८	३३	”	”	-	अपूर्ण		१३२८
१०×४.४	६	३७	”	”	-	पूर्ण		१३२६
१०.५×४.६	१६	५०	”	”	-	पूर्ण		१३३०
१०×५	११	२५	”	”	सं. १६२६	पूर्ण		१३३१
१०×४.३	६	३२	”	”	-	पूर्ण		१३३२
१०×४.४	१२	४०	”	”	१८५३	पूर्ण	भविष्योत्तर पुराणोक्त	१३३३
१०.५×४.८	८	२५	”	”	१६२३	पूर्ण		१३३४
११.६×४.५	८	३६	”	”	-	अपूर्ण		१३३५
६.४×४.५	६	२४	”	”	सं. १६२२	अपूर्ण		१३३६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार/टीका कार/भाष्यकार	पत्र संख्या विवरण
१३३७	६६४	स्थापन विधि	-	१-२
१३३८	६५८	पंचक मरण कर्म विधि	-	१-४
१३३९	६६२	विवाह पद्धति	-	१-६
१३४०	८५५	तीर्थ विधि	गणेश	१-५
१३४१	१०८१	दश महा विद्या न्यास	-	१-७
१३४२	१०८२	गोदान विधि	-	१-८
१३४३	१०६०	मंगल पूजा विधि	-	१-४
१३४४	७३१	पूजा पद्धति (कार्तवीर्याजुनीय)	-	१-३४
१३४५	१३४१	सौर मन्त्र ग्रन्थ	दामोदर	१-१८
१३४६	१२१५	नवान्न प्राशन	-	१-३
१३४७	६६८	राम नाम लेखनोद्यापन विधि	-	१-२
१३४८	६५४	शान्ति पद्धति	वासुदेव शर्मा	१-२१
१३४९	६५३	कातीय तर्पण	-	१-८
१३५०	६६४	स्थापन विधि	-	१-२
१३५१	६५८	पंचक मरण कर्म विधि	-	१-४
१३५२	६६२	विवाह पद्धति	-	१-६
१३५३	८५५	तीर्थ विधि	गणेश	१-५
१३५४	१०८१	दश महाविद्या न्यास	-	१-७
१३५५	१०८२	गोदान विधि	-	१-८
१३५६	१०६०	मंगल पूजा विधि	-	१-४
१३५७	७३१	पूजा पद्धति (कार्त्तवीर्याजुनाय)	-	१-३४
१३५८	१३३७	त्रिपुरार्चन पद्धति	-	१-६
१३५९	६४२	शिवार्चन पूजा पद्धति	-	१-१२

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर संख्या	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष विवरण	क्रमांक
८.६×४.६	११	३५	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		१३३७
६×४.२	७	३०	,,	,,	-	पूर्ण		१३३८
८.५×४.५	६	२५	,,	,,	-	अपूर्ण		१३३९
८.५×४.२	१०	३०	,,	,,	शक १७४६	पूर्ण		१३४०
६×४.४	६	२२	,,	,,	-	पूर्ण		१३४१
८.४×४.५	६	२८	,,	,,	-	पूर्ण		१३४२
७.७×४.५	११	२०	,,	,,	-	पूर्ण		१३४३
६.३×४.३	८	२०	,,	,,	-	अपूर्ण	कीटानुविद्ध	१३४४
६×४.२	७	१५	,,	,,	सं. १८४३	पूर्ण		१३४५
७.८×४.५	१२	३३	,,	,,	सं. १७६७	पूर्ण		१३४६
६.७×४.३	१०	३८	,,	,,	-	पूर्ण		१३४७
६×४.५	६	२४	,,	,,	सं. १६२०	पूर्ण		१३४८
६.४×४.५	६	३०	,,	,,	सं. १६२२	अपूर्ण		१३४९
८.६×४.६	११	३५	,,	,,	-	पूर्ण		१३५०
६×४.२	७	३०	,,	,,	-	पूर्ण		१३५१
८.५×४.५	६	२५	,,	,,	-	अपूर्ण		१३५२
८.५×४.२	१०	३०	,,	,,	शक १७४६	पूर्ण		१३५३
६×४.४	६	२२	,,	,,	-	पूर्ण		१३५४
८.४×४.५	६	२८	,,	,,	-	पूर्ण		१३५५
७.७×४.५	११	२०	,,	,,	-	पूर्ण		१३५६
६.३×४.३	८	२०	,,	,,	-	अपूर्ण	कीटानुविद्ध	१३५७
६.५×४	७	१८	,,	,,	-	पूर्ण		१३५८
७×४.२	६	२०	,,	,,	सं. १६५८	पूर्ण		१३५९

दर्शन

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम दर्शन	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
१	३६४१	तर्क सिद्धान्त मञ्जरी		१-६३
२	३८६४	तर्कामृत	जगदीशभट्टाचार्य	१-१६
३	३८५४	सिद्धान्त मुक्तावली		१-३३
४	३६५२	व्याप्ति पञ्चक		१-१२०
५	३६२४	पदार्थ खण्डन शिरोमणि		१-५
६	३६७४	तत्वविमर्शिनी		२-६
७	३६७८	विद्वन्मोद तरंगिनी		१-२१
८	६३८३	यतिराज सप्तति	वेंकटनाथ	१-५
६	३६५६	न्यायसिद्धान्त मुक्तावली	पञ्चानन भट्टाचार्य	२४ गणनया
१०	३६३२	परिभाषा परिच्छेद	विश्वनाथसिद्धान्त पञ्चानन भट्टाचार्य	१-७
११	५६५८	व्याप्ति लक्षण		२-६,११
१२	३६७३	लक्षणावाद	रघुदेव न्यायालंकार	१-१२
१३	३६५८	वृत्तिदीपिका		१८-२२,३५-३८
१४	३६२७	न्यायसिद्धान्त मञ्जरी		१-३०
१५	३६२०	अर्थ संग्रह मीमांसा		१-४६ गणनया
१६	३६८७	वज्रमुद्‌गर	कन्हैया लाल	१-२७
१७	२८७२	ईक्षितृत्वप्रकरणम्		२-३,५-७,६,१०
१८	५८३०	व्याप्तिविषयक नव्यमतम्		१-७
१६	२५२०	पातञ्जलियोगशास्त्र सांख्य प्रवचन	वाचस्पतिमिश्र	७-६,२२,३१-३७ ४०-४६, ५४, ५६-६८
२०	२५४०	श्रीरामानुज सिद्धान्तसार		१-१४
२१	२५७६	योगसूत्र		१-७
२२	२६३५	यतीन्द्रमतदीपिका		६-१२, १४-३२

दर्शन

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्ण अपूर्ण	विशेष	क्रमांक
६.५×४	६	३४	दे.ना.	कागज	-	अपूर्ण		१
६.५×४	६	३७	,,	,,	-	पूर्ण		२
१०.५×४.५	११	३६	,,	,,	-	अपूर्ण	कीटभक्षित	३
१०×४.३	८	३१	,,	,,	-	पूर्ण	दीधिति, जागदीशी टीका	४
१०.५×३.८	१२	५४	,,	,,	-	पूर्ण		५
१०×४.२	११	४३	,,	,,	-	अपूर्ण		६
१२×४.५	११	५४	,,	,,	-	अपूर्ण		७
११.५×५	१२	४३	,,	,,	-	पूर्ण		८
६×३.७	६	४३	,,	,,	-	अपूर्ण	गुणनिरूपण से	६
११×४	१२	४१	,,	,,	-	पूर्ण		१०
११.१×४.६	१०	४२	,,	,,	-	अपूर्ण		११
८.५×४	६	२३	,,	,,	१८१८	पूर्ण		१२
६.६×४.५	१०	३५	,,	,,	-	अपूर्ण		१३
१०×४.१	१०	२६	,,	,,	-	पूर्ण		१४
६.७×४	१२	५०	,,	,,	-	अपूर्ण		१५
८.८×४.५	१०	२७	,,	,,	१६४२	पूर्ण		१६
६×४.८	११	२५	,,	,,	-	अपूर्ण		१७
६×५	१२	३६	,,	,,	-	अपूर्ण		१८
११.५×५.५	१८	३१	,,	,,	-	अपूर्ण		१६
१०.५×४.५	६	३८	,,	,,	-	अपूर्ण		२०
१०.४×४.४	६	३१	,,	,,	-	पूर्ण		२१
११×४.५	११	४३	,,	,,	-	अपूर्ण		२२

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम दर्शन	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
२३	२५२२	योगसूत्र		१-१०
२४	२५३९	ब्रह्मसूत्र कारिका		१-१८
२५	५७५१	तर्क प्रकाशस्य न्यायसिद्धान्त मञ्जरी	श्रीकंठदीक्षित	१-५४
२६	५७६६	यतीन्द्रमतदीपिका	श्रीनिवासदास	१-३५
२७	५७६३	तर्कभाषा प्रकाशिका		१-४७, ४७-५९
२८	५१८१	प्रपन्नामृत		१-२१, २३-२१६
२९	५७५७	सांख्यसूत्रवृत्ति		१-४४
३०	५२२१	वेदान्तदीप		१-१२३-१५६
३१	५१२३	कारिका दर्पण	श्रीनिवासाचार्य	१-८३
३२	३६२४	माथुरी पञ्चलक्षणी	मथुरानाथ	१-११
३३	५१२४	यतिराजसप्तति (यतिराजगुणदर्पण)	श्रीनिवास	१-३४
३४	५१५४	चक्रप्रभाकर		१-३२
३५	५१५१	तत्वदीप मन्त्रार्थ		१-३,१-११७
३६	३६२६	अद्वैत सिद्धि	मधुसूदन सरस्वती	१-१२
३७	२८९६	तार्किक रक्षा	वरदराज	१-९
३८	२५२४	योगरहस्य		१-९
३९	४३७४	चतुर्धान्याय		१-१२
४०	५१३३	पूर्वमीमांसा (अर्थसंग्रह)	लौंगाक्षिभास्कर	१-२२
४१	३९७०	तर्कसंग्रह दीपिका	अनन्तभट्टोपाध्याय	१-१६
४२	४००६	तर्कप्रकाश दीपिका		१०-२५
४३	४०७६	योग वाशिष्ठ सार		२-१०, १३-२३
४४	४०४२	न्याय परिभाषा		२४ गणनया
४५	२५२५	पातञ्जलयोगसूत्र		१-११, १३-१८
४६	२५२३	योगसूत्र		१-१०

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्ण-अपूर्ण	विशेष	क्रमांक
८.३×३.८	७	२६	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	प्रथमाध्याय	२३
१०.५×५	१०	२८	”	”	-	पूर्ण	चतुर्थाध्याय तक	२४
१०×४.८	११	३४	”	”	-	पूर्ण	अनुमानखण्ड पर्यन्त	२५
१०.७×५	११	३८	”	”	-	पूर्ण	दशमोवतार	२६
१०.५×४.३	१०	४०	”	”	-	पूर्ण		२७
९.७×४.८	११	३५	”	”	-	अपूर्ण		२८
१२.५×४.५	१४	४७	”	”	-	पूर्ण	षष्ठोऽध्याय	२९
१३.५×५	९	४८	”	”	१९०७	पूर्ण	पृष्ठ ११५ एवं ११६ दो बार	३०
१३.६×५.४	९	४३	”	”	-	पूर्ण		३१
१०×६.५	९	५१	”	”	१९२५	पूर्ण		३२
११.६×६	१४	३३	”	”	-	पूर्ण		३३
१३.७×५.२	९	४४	”	”	-	पूर्ण		३४
१३×५	१०	३५	”	”	१९०६	पूर्ण		३५
१२.३×४.५	९	४५	”	”	-	पूर्ण	चतुर्थ परिच्छेद	३६
१०.५×५	११	३३	”	”	१९१३	पूर्ण	तृतीय परिच्छेद	३७
१०×३.५	९	३८	”	”	-	पूर्ण	सप्तमपटल	३८
१०×४	११	३३	”	”	-	पूर्ण		३९
९.५×४	८	३६	”	”	-	पूर्ण		४०
९.५×४.३	१२	२९	”	”	-	पूर्ण		४१
१०×४	१२	३४	”	”	-	अपूर्ण		४२
८.५×४	७	२७	”	”	-	अपूर्ण		४३
८.७×४	९	३४	”	”	-	अपूर्ण		४४
८.३×४	५	२१	”	”	-	अपूर्ण	कैवल्यपाद चतुर्थ	४५
८.५×४	७	२५	”	”	-	पूर्ण	”	४६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम दर्शन	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
४७	१६४१	स्वानुभवादर्शाख्यम् प्रकरणम्	माधवाश्रम	१-११३
४८	३६५५	प्रशस्तपादभाष्य व्याख्या		१-३२
४९	३६२२	शब्दशक्ति प्रकाशिका	जगदीश तर्कालंकार	१-१२७, १२९-२०२
५०	१६७६	(न्यायसिद्धान्त मुक्तावली टीका)		१-७१
५१	१६७७	ब्रह्मसूत्र		१-४६, ६७-७०
५२	१६७९	वेदान्त शिखामणि टीका	कृष्णाध्वरि	१-११२, १२३-१४१
५३	३६३१	तर्कसंग्रह दीपिका		२६-५४
५४	३६३६	मुक्तावली प्रकाश टीका	महादेव भट्ट	१६ गणनया
५५	३६२२	तर्कामृत	जगदीश भट्टाचार्य	१-२२
५६	५४६१	सांख्यतत्व कौमुदी टीका	वाचस्पति मिश्र	१-२०
५७	३६५०	सांख्यकारिका	नारायणतीर्थ (टी.)	१-१४
५८	५१०६	वार्तामाला		१-१२
५९	५११०	रहस्यत्रय व्याख्या	लोकाचार्य	१-५३
६०	४०८३	व्याप्ति पञ्चकम्		२२ गणनया
६१	५१२१	अधिकार संग्रह	वेंकटनाथ	१-३२
६२	५३४३	अवतार प्रयोजन		१-८
६३	३६०७	पञ्चदशी तत्वबोधिनी टी.	रामकृष्ण	११४ गणनया
६४	३६५९	कणाद सूत्र	कणाद	१-१४
६५	३६७४	प्रशस्तपादीयं वैशेषिक भाष्यम्		१-७५
६६	३६६८	अधिकार संग्रह	वेंकटनाथ	१-१७
६७	३६६५	रहस्यत्रय	वरदनाथ	१-२०
६८	३६५६	प्रशस्ति काशिका	बालकृष्ण	१-१०
६९	५१५३	सुसच्चरित रक्षा	वेंकटनाथ	१-७४
७०	५१७०	रामानुजीय दर्शन		१-४६,४८-१०८, ११०-१५३

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्ण-अपूर्ण	विशेष	क्रमांक
९×५	१३	३९	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		४७
१०.५×५	६	२१	”	”	-	पूर्ण	समवायनिरूपण	४८
१३.२×४.२	८	३८	”	”	-	पूर्ण		४९
१३.५×५.३	११	५१	”	”	-	अपूर्ण		५०
१३×६.२	१६	५२	”	”	-	अपूर्ण	३,४ अध्याय चतुर्थ पाद	५१
१३×५.५	१३	५२	”	”	-	अपूर्ण		५२
१०×४.३	१२	३७	”	”	-	अपूर्ण		५३
११.४×३.७	१६	५७	”	”	-	पूर्ण	द्वितीय परिच्छेद	५४
१०.३×४.५	८	३१	”	”	-	पूर्ण		५५
१२.५×६.५	१३	६५	”	”	-	पूर्ण		५६
१३×६.८	१८	६१	”	”	-	पूर्ण	सांख्यचन्द्रिका टीका	५७
१४×५.५	१२	६५	”	”	-	पूर्ण		५८
१२.३×६	१३	४६	”	”	-	पूर्ण		५९
११.५×४	८	४४	”	”	-	पूर्ण		६०
१३.८×५.२	९	४६	”	”	-	पूर्ण		६१
१२.७×६	१७	६३	”	”	-	पूर्ण		६२
१३×६.५	१६	५७	”	”	-	अपूर्ण		६३
१४×३	४	४९	”	”	-	पूर्ण		६४
१३.८×३.३	४	४८	”	”	-	पूर्ण		६५
१३.३×६	१२	४९	”	”	-	पूर्ण		६६
१३.३×६.६	१३	४६	”	”	-	पूर्ण		६७
१२×६	१३	४१	”	”	१८९९	पूर्ण		६८
१३.३×५.२	९	४२	”	”	१९०७	पूर्ण		६९
१३×८	१५	३२	”	”	-	अपूर्ण		७०

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम दर्शन	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
७१	५५६३	शास्त्र दीपिका	पार्थसारथि	२६२ गणनया
७२	५७६७	शिवगीता (टी.)	अप्पा जी दीक्षित	१-१६८
७३	१६७१	शिव गीता (पद्मपुराणोक्त)	अय्याजी भट्ट	१-६८
७४	१८४५	गीता		७० गणनया
७५	३८६५	श्रीमद्भगवद्गीता		१-३५
७६	३८५६	श्रीमद्भगवद्गीता		२-१२२
७७	२५८०	रामगीता		१, ६-१४
७८	५८२०	अष्टावक्रम (सटीक)	विश्वेश्वर कृत	६२ गणनया
७९	१८४६	गुरुगीता		१-४२
८०	२७११	श्रीमद्भगवद्गीता		१-६६
८१	१६२८	श्रीमद्भगवद्गीता		८६-१८२
८२	३६७७	श्रीमद्भगवद्गीता	(टी.) आनन्दगिरि	१-२४५
८३	२७६८	सप्तश्लोकी गीता		१-३
८४	४२०१	गुरु गीता		२१-११८
८५	२३५७	श्रीमद्भगवद् गीता		१-१७२
८६	१८६३	श्रीमद्भगवद् गीता सटीक		२६६ गणनया
८७	२१२८	श्रीमद्भगवद् गीता एवं विष्णुसहस्रनाम		४४ गणनया
८८	१८८१	श्रीमद्भगवद् गीता		६-५३
८९	१८८८	श्रीमद्भगवद् गीता	टी. नीलकंठ	६२-१८७
९०	१८६०	गर्भगीता		१-५
९१	४५५५	अर्जुन गीता		१-२०

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्ण-अपूर्ण	विशेष	क्रमांक
११.५×५	१५	५२	दे.ना.	कागज	१८०३	पूर्ण		७१
१२×७.५	१३	३६	,,	,,	–	पूर्ण	सुबोधिनी तात्पर्यदीपिका	७२
१२.२×६	२३	५५	,,	,,	१८७१	पूर्ण	सुबोधिनी टीका	७३
१२.५×६.५	१६	५०	,,	,,	–	अपूर्ण	पदपदार्थबोधिनी प्रबोधचन्द्रिका	७४
८.७×३.५	६	३१	,,	,,	–	अपूर्ण		७५
६.३×५	१२	४४	,,	,,	–	अपूर्ण	सुबोधिनी टीका	७६
१०.३×४.५	११	३६	,,	,,	–	अपूर्ण		७७
११.२×५.५	१३	४१	,,	,,	–	पूर्ण	संख्याक्रमादिक प्रकरणम्	७८
१०×४	११	१५	,,	,,	–	पूर्ण	स्कंदपुराणोक्त	७९
७.८×४.५	६	२१	,,	,,	–	पूर्ण		८०
७×५.३	१२	२४	,,	,,	–	अपूर्ण	प्रबोधिनी टीका	८१
१२.३×६	१७	५०	,,	,,	१८७६	पूर्ण	शंकराचार्यकृत गीता भाष्य पर टीका	८२
६.५×३.५	७	२०	,,	,,	–	पूर्ण		८३
६.२×४	८	६	,,	,,	–	अपूर्ण	स्कन्द पुराणोक्त	८४
४×२.८	६	१२	,,	,,	–	पूर्ण		८५
६.२×५	१०	३०	,,	,,	–	अपूर्ण	१-११ अध्याय तक	८६
६.३×४.२	७	१७	,,	,,	–	अपूर्ण		८७
१०.५×५	१८	४१	,,	,,	–	अपूर्ण	सुबोधिनी टीका	८८
११×४.५	११	४०	,,	,,	–	अपूर्ण	गीतार्थप्रकाश टीका	८९
५.७×३.७	७	१४	,,	,,	–	पूर्ण	अश्वमेध पर्वोक्त	९०
६.३×३	७	१५	,,	,,	१८६६	पूर्ण		९१

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम दर्शन	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
९२	४५९६	सप्तश्लोकी गीता		१
९३	४६६४	श्रीमद् भगवद् गीता		८-१०, ३०, ३३-३६
९४	४७००	नारद गीता		१-४
९५	२२१७	श्रीमद्भगवद्गीता		२४२ गणनया
९६	२०२७	श्रीमद्भगवद्गीता		५६ गणनया
९७	५६१	श्रीमद्भगवद्गीता	टी. श्रीधर स्वामी	१-१०८
९८	१६६७	श्रीमद्भगवद्गीता		१-८३
९९	२२५६	श्रीमद्भगवद्गीता		१-११३
१००	९५	गीता माहात्म्य		१-५
१०१	९६	पाण्डव गीता		१-६
१०२	९७	सप्तश्लोक गीता		१-१०
१०३	११४५	अर्जुन गीता		१-५
१०४	१६४०	गीता सार		१-६
१०५	५३७६	अष्टश्लोकी मंत्रार्थ		१-५
१०६	१८४३	गीता (सटीक)		१-६
१०७	५४९०	रुद्रगीतम्		१-६
१०८	३१११	तत्वदर्शयोगो नाम गीतासारम्		१-२५
१०९	५४७७	गीता सार (सटीक)		१-१६
११०	१८१५	कालीशंकरी व्यधिकरण		१-२६
१११	१७०६	व्यधिकरण चतुर्दश लक्षणी (दीधिति)	शिरोमणि	१-४
११२	२५९१	तर्कसंग्रह	श्री गोवर्द्धन भट्टाचार्य	१-१५
११३	२५२७	सांख्यतत्वकौमुदी	वाचस्पति मिश्र	१-३३
११४	२५९०	तर्कसंग्रह		१-८

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्ण-अपूर्ण	विशेष	क्रमांक
१२×४.८	३३	१५	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		९२
६.४×४	६	३१	”	”	-	अपूर्ण		९३
६.५×३.८	१०	२०	”	”	-	पूर्ण		९४
८×५.५	५	१३	”	”	-	अपूर्ण		९५
१४×८	१३	३६	”	”	-	पूर्ण	पदबोधिनी टीका द्वादशोऽध्याय	९६
१५×७.२	१३	५३	”	”	१८६३	पूर्ण	सुबोधिनी टीका	९७
६×३.४	७	२०	”	”	-	पूर्ण		९८
१०×४	१०	५६	”	”	-	पूर्ण		९९
६.८×३.३	५	१८	”	”	-	पूर्ण	वराह पुराणोक्त	१००
८.३×३.३	८	३२	”	”	१८५३	पूर्ण		१०१
६.४×२.६	७	१८	”	”	१८५८	पूर्ण		१०२
१०.५×५	११	३४	”	”	-	पूर्ण		१०३
६.३×४	८	३०	”	”	-	पूर्ण		१०४
५.३×४	८	१५	”	”	-	पूर्ण		१०५
१०×५	११	३२	”	”	-	अपूर्ण	प्रथमोऽध्याय	१०६
६.८×४.३	७	२६	”	”	१८६६	पूर्ण		१०७
६.७×४	६	१६	”	”	-	पूर्ण		१०८
११×५	१०	४२	”	”	-	पूर्ण		१०९
१२.५×४	११	४५	”	”	-	अपूर्ण		११०
१२.५×४	१४	७८	”	”	-	पूर्ण	चिन्तामणि व्याख्या	१११
१३.५×५	१०	४८	”	”	-	पूर्ण	न्यायबोधिनी टीका	११२
१३.५×५.२	१२	४१	”	”	-	पूर्ण		११३
१०×४	६	३०	”	”	-	पूर्ण	दीपिका टीका	११४

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम दर्शन	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
११५	२५६२	तर्कसंग्रह		१-१०
११६	२५६५	तर्कामृत	जगदीश भट्टाचार्य	१-११
११७	२५६३	तर्क तरंगिणी		१-१६
११८	२५६७	तर्क संग्रह	भट्टोपाध्याय	१-२१
११९	२५६४	तर्कामृत	जगदीश भट्टाचार्य	१-७
१२०	५७५६	योगचन्द्रिका		१-१३
१२१	५७६०	विशिष्टाद्वैत सरणि		१-२६
१२२	३६०	हठप्रदीपिका		८-१४
१२३	५५५५	प्रपन्न पारिजात	वरदाचार्य	१-१६
१२४	५५५७	गद्यभाष्य		१-६२
१२५	५५५८	गरूण द्वादश	रघुनाथ दास	१-४
१२६	५५६२	चतुः श्लोकी भाष्य	वेंकटनाथ	१-६
१२७	१६१०	परमप्रकाश निवृत्ति	लिंग दास	१-५
१२८	१६०७	हस्तामलक		३-८
१२९	५६१४	श्रीमद्भागवद् गीता		१-४०, ४३-६३
१३०	५३३१	आध्यात्मविद्योपदेश		१-३७
१३१	३८६६	तत्त्वानुसंधान		५८ गणनया
१३२	५७५८	स्वरोदय		१-३५
१३३	३१२७	आत्मषट्क उपनिषद्		१-१०
१३४	४०८०	द्वैतनिर्णय टीका		७ गणनया
१३५	५१७८	ब्रह्मचित्तनिका	शंकराचार्य	१-६
१३६	५६५२	ब्रह्मसूत्र		१-१४
१३७	५१०७	देशिक सप्तति	प्रतिवादिभयंकराचार्य	१-१२
१३८	३८३६	तत्वानुसंधान		१-६
१३९	३६१२	सिद्धान्त बिन्दु	मधुसूदन सरस्वती	१-२५

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्ण-अपूर्ण	विशेष	क्रमांक
१२.५×५.२	१४	३६	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण	न्यायबोधिनी टीका	११५
१२.८×४.८	'१२	४०	'	"	-	पूर्ण		११६
१२.५×४.७	१५	४८	"	"	-	पूर्ण		११७
१०×४.५	११	३६	"	"	-	पूर्ण	दीपिका टीका	११८
१२.५×४.६	१३	६१	"	"	-	पूर्ण		११९
११×४.५	१५	५०	"	"	१८८८	पूर्ण	योगसूत्र व्याख्या, क्षतिग्रस्त	१२०
१०.५×४.६	१०	२५	"	"	-	पूर्ण	क्षतिग्रस्त	१२१
१०.३×४.५	१३	४७	"	"	-	अपूर्ण		१२२
१०×४.२	११	५०	"	"	-	पूर्ण		१२३
१०×५	१०	४०	"	"	१९१०	पूर्ण		१२४
१०.७×४.५	७	२८	"	"	१९१०	पूर्ण		१२५
११×५	१६	४७	"	"	-	पूर्ण		१२६
९×४	१२	२६	"	"	-	पूर्ण	मराठी भाषा	१२७
९×४	११	२७	"	"	-	अपूर्ण		१२८
९×३.५	१०	२३	"	"	-	अपूर्ण		१२९
९.८×३.५	७	२२	"	"	१८६६	पूर्ण		१३०
७×३.३	६	२३	"	"	-	अपूर्ण		१३१
१२×४.७	१०	५०	"	"	१८१६	पूर्ण	सुमन व्याख्या	१३२
५.५×३	८	१५	"	"	-	पूर्ण		१३३
११.५×४.५	२१	७०	"	"	-	अपूर्ण		१३४
९×४	७	१४	"	"	शक १७६६	पूर्ण		१३५
१०.५×४.३	६	२५	"	"	-	पूर्ण		१३६
९.५×४	७	२६	"	"	१९०६	पूर्ण		१३७
९.४×४	६	३८	"	"	-	अपूर्ण		१३८
१०.५×४.३	१२	३६	"	"	१६२३	पूर्ण		१३९

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम दर्शन	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
१४०	३८७१	विवेक चूडामणि		१-२, ४, ८-११, १३-२२,२५-२७
१४१	५५११	वेदान्तसिद्धान्त दीपिका		१-१७
१४२	५६८२	वेदानु स्मृति		१-१४
१४३	५६८७	महावाक्य		१-५
१४४	५६४७	गुरुपरम्परा		१-४
१४५	५७०७	प्रबन्ध (रामानुजीय)	वेदान्ताचार्य	१-४
१४६	३७००	ब्रह्मानन्द	रामकृष्ण	१-३६
१४७	५५४४	रहस्य त्रयार्थ		४६ गणनया
१४८	५४५८	वेदान्त दर्शन		१-६
१४९	५४५६	यतीन्द्रमत दीपिका		१-२५
१५०	५३४५	सारसंग्रह	वेंकटनाथ	१-२८
१५१	५४५५	तत्वादर्श		२-३६
१५२	५३४४	चतुश्लोकाधिकार	वेंकटनाथ	१-४, ८-१६
१५३	५३६४	वेदान्त सार		१-३
१५४	३६२०	अद्वैतामृत	जगन्नाथ सरस्वती	१-१८
१५५	३५६८	विवेक चूडामणि	शंकरभगवत् पाद	१-१८
१५६	३६०६	वेदान्त चूडामणि		१८ गणनया
१५७	५६५६	गद्यत्रय	रामानुजाचार्य	१-५
१५८	५६६४	शंकराचार्य मठ व्यवस्था	शंकराचार्य	१-२
१५९	५१०६	अभयप्रदान सार	वरदराजाचार्य	१-२६
१६०	५६४६	गोदास्वति		१-३
१६१	२०६७	ब्रह्मगीता	(टी.) माधवाचार्य	१-१२७
१६२	२०८६	तर्क संग्रह	(टी.) नीलकण्ठभट्ट	१-४५
१६३	२०७५	शारिरिकमीमांसा भाष्य	शंकराचार्य	१-१२८
१६४	५६२७	ब्रह्मसूत्र	व्यास	१-१५
१६५	३६००	हठयोग प्रदीपिका		१-५६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्ण-अपूर्ण	विशेष	क्रमांक
९.५×४	९	४८	दे.ना.	कागज	–	अपूर्ण		१४०
७×३.५	१०	२८	"	"	–	अपूर्ण		१४१
६.५×३.८	७	१७	"	"	–	पूर्ण	महाभारते शांतिपर्वणि	१४२
८×४.२	७	२५	"	"	–	पूर्ण		१४३
७.६×४.५	११	२४	"	"	–	पूर्ण	तनया (स्तोत्र)	१४४
९.५×५	११	२८	"	"	–	पूर्ण	वेदान्तविषयक	१४५
९×५	१०	३७	"	"	–	पूर्ण	योगानन्द व्याख्या	१४६
१२×६	१३	३४	"	"	–	अपूर्ण		१४७
१३×५	९	३५	"	"	–	पूर्ण		१४८
१२.५×५.५	१३	४४	"	"	१८५१	पूर्ण		१४९
१२.५×५.७	११	४५	"	"	–	पूर्ण	अधिकारसंग्रह	१५०
११×४.५	१०	३५	"	"	–	अपूर्ण		१५१
१२.७×५	१०	३६	"	"	–	अपूर्ण	टीकारहस्यरक्षायां	१५२
१२.२×४.५	१७	५६	"	"	–	अपूर्ण		१५३
१२×५.५	१४	५०	"	"	–	पूर्ण		१५४
१३×५.७	१४	४४	"	"	–	पूर्ण		१५५
१३.८×५.४	११	४३	"	"	–	अपूर्ण	उपमान परिच्छेद	१५६
११.५×५.४	७	४५	"	"	–	पूर्ण		१५७
८.५×५	१२	१६	"	"	–	पूर्ण		१५८
११.५×५.५	११	४५	"	"	१८५१	पूर्ण		१५९
१०.५×६.२	१०	२६	"	"	–	पूर्ण		१६०
१२.३×५.८	१४	५३	"	"	–	पूर्ण	स्कंदपुराणे सूतसंहितायां	१६१
१३.५×७	१६	५६	"	"	–	पूर्ण	प्रकाशटीका	१६२
१३.५×७	१५	५२	"	"	–	पूर्ण	शारीरिक न्यायनिर्णय	१६३
११×५.८	९	२५	"	"	–	पूर्ण	टी. भगवदानन्द (प्र.अ.)	१६४
१३.५×७	१५	४१	"	"	१६३०	पूर्ण		१६५

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम दर्शन	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
१६६	५५३७	न्यास तिलक व्याख्या		१-५,१-६,८-१२
१६७	५४३८	वेदान्तरत्नमाला		१-४२
१६८	५११३	वेदान्त सार	नृसिंहसरस्वती	१-४३
१६९	३६६६	वेदान्त तत्वसार	रामानुजाचार्य	१-१६
१७०	५१५२	वाक्यदीपिका		१-६२
१७१	५४६२	साधन पञ्चक	शंकराचार्य	१-५
१७२	५६५१	अद्वैत छेदनी		१-३, ५-७
१७३	५७६८	वेदान्त शिखामणि	धर्मराजध्वरि	१३५ गणनया
१७४	५७५२	सिद्धान्त मुक्तावली	महादेव	१-६६
१७५	२४८१	आत्मबोध प्रकरण	शंकराचार्य	७-१०
१७६	२४६६	वेदान्त विवेक		३-८
१७७	१६४१	क्रमबोध कारिका		१-२
१७८	१६५३	ब्रह्मविद्याभाष्य	सायणाचार्य	१-१५
१७९	२५६३	विद्यानन्द		१-५
१८०	२५६४	शिष्यानन्द	रामकृष्ण	१-४
१८१	५५६१	अनुस्मृत		१-११
१८२	१६२२	तर्कामृत चषक	गंगाराम	१-७, ७-२१४
१८३	४६०	अद्वैतसिद्धि		१२३-२८६
१८४	१७३१	सामग्रीवाद	रघुदेवभट्टाचार्य	१-११
१८५	१७२८	अवच्छेदकत्वनिरुत्ति		१-३
१८६	१७३२	कारिकावली	विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य	१-६
१८७	१७११	अवच्छेदकत्व निरुक्ति		१-२१
१८८	१७३०	मुक्तावली व्याप्ति लक्षण		१-२१
१८९	१७२५	विशिष्ट वैशिष्ट्यवाध	रघुदेव भट्टाचार्य	६-१५

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्ण-अपूर्ण	विशेष	क्रमांक
१३×६.५	१३	५१	दे.ना.	कागज	-	अपूर्ण		१६६
१३×५.५	१४	५७	,,	,,	-	पूर्ण		१६७
१२×६	११	४७	,,	,,	१८८१	पूर्ण	सटीक	१६८
१३.७×६	१३	४२	,,	,,	-	पूर्ण	लघुभाष्याख्य	१६९
१३.७×५.५	१०	४३	,,	,,	-	अपूर्ण		१७०
१२.८×५	९	४१	,,	,,	-	पूर्ण		१७१
१०.५×४.५	७	२८	,,	,,	१८९९	अपूर्ण		१७२
१३.५×७	१०	५०	,,	,,	-	अपूर्ण	क्षतिग्रस्त	१७३
९.७×४	९	४६	,,	,,	-	अपूर्ण	गूढ़ार्थमिताक्षरा टीका	१७४
९.४×४	१३	३८	,,	,,	-	अपूर्ण		१७५
१०×३.५	१४	७०	,,	,,	शक १५८५	अपूर्ण		१७६
७.९×३.७	१२	४७	,,	,,	-	पूर्ण		१७७
१२.५×५	१०	४६	,,	,,	-	पूर्ण	माधवीय वेदार्थप्रकाश यजुराण्यक	१७८
१२.३×४.७	१०	४३	,,	,,	-	पूर्ण	चतुर्थोऽध्याय	१७९
१२.६×४.६	११	५०	,,	,,	-	पूर्ण	पञ्चमोऽध्याय	१८०
७×३.५	७	१६	,,	,,	-	पूर्ण		१८१
९×४	९	४०	,,	,,	१८२६	अपूर्ण		१८२
९×३.४	७	४१	,,	,,	-	अपूर्ण		१८३
१३×४	११	५२	,,	,,	१९२६	पूर्ण		१८४
१३×४	१४	६०	,,	,,	-	अपूर्ण		१८५
१३.३×४	८	३४	,,	,,	-	पूर्ण		१८६
१३.५×४	९	४६	,,	,,	-	पूर्ण	जागदीशी टीका	१८७
१३.५×४	९	४१	,,	,,	-	पूर्ण		१८८
१३×४	११	४७	,,	,,	-	अपूर्ण		१८९

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम दर्शन	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
१६०क	१७२७	न्याससूत्रवृत्ति	विश्वनाथ भट्टाचार्य	१-२४
१६०ख	१७२७	न्याससूत्रवृत्ति	"	१, १-१३
१६१	५७७४	वेदार्थ विचार	-	१-११८
१६२	२१६३	तर्कसंग्रह		१-२६
१६३	५५१५	पंचरत्नावली		१-२
१६४	३११	तर्क संग्रह	अन्नंभट्ट	१-६
१६५	७५७	तर्क संग्रह	"	१-८
१६६	१७२६	वाद विनोद	शंकर	१-२८
१६७	२५३२	ब्रह्मसूत्र संदर्भ		१-१५
१६८	२५६८	अष्टश्लोक व्याख्या		१-६
१६६	२५६६	पूर्वमीमांसा संग्रह		१-११
२००	२५२६	योगसूत्र भाष्य		१-५१, ५१-५६, ५८-७६, ७६-१००
२०१	५३६८	मन्त्रार्थ लघुव्याख्या	श्रीनिवास वेदान्ताचार्य	१-१६
२०२	३६२५	अद्वैतसिद्धि		१-१३०
२०३	३६२६	शास्त्रसिद्धान्त लेश		२-२०
२०४	५२१५	हस्तामलक ग्रन्थ निरुपण		१-२१, १-४५
२०५	२०६६	वेदान्त सार सटीक	टी.,नृसिंहसरस्वती	१-३६
२०६	२४१७	तत्त्व बोध प्रकरण	शंकराचार्य	१-७
२०७	१६५०	वज्रसूची	शंकराचार्य	१-८
२०८	२४३६	तर्कसंग्रह		१-१३
२०६	२४४३	योग सूत्र		१-४
२१०	४५०२	न्याय विषपक		१-४६
२११	५५०	ज्ञान भास्कर	शंकराचार्य	१-३१
२१२	३३७६	शारीरक मीमांसा भाष्य	गोविन्दानन्द टी.	१-१०१

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्ण-अपूर्ण	विशेष	क्रमांक
१३.२×४	१५	७२	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		१९०क
१३.५×४	६	५६	"	"	-	अपूर्ण		१९०ख
१०.५×४.५	५	२२	"	"	-	पूर्ण		१९१
६×४	६	३०	"	"	१६३२	पूर्ण		१९२
६.५×४	१२	४३	"	"	-	पूर्ण		१९३
६.३×३.५	७	४०	"	"	१८८०	पूर्ण		१९४
१०×४	८	४१	"	"	-	पूर्ण		१९५
१३.२×४	१४	७३	"	"	-	पूर्ण	प्रथम उल्लास	१९६
७.८×३.७	६	२४	"	"	-	पूर्ण		१९७
१२×६	१६	४७	"	"	-	पूर्ण		१९८
१२×६	१५	४३		"	-	पूर्ण		१९९
१३.५×५.२	१२	६२	"	"	-	पूर्ण		२००
१०.४×४.३	११	३४	"	"	-	पूर्ण		२०१
१२.३×४.५	६	५८	"	"	-	पूर्ण	द्वितीय परिच्छेद पर्यन्त	२०२
११.४×४.३	१२	५६	"	"	-	अपूर्ण		२०३
७.२×४.२	१३	२२	"	"	-	पूर्ण		२०४
६.६×५	११	४२	"	"	-	पूर्ण		२०५
७×५.५	६	२४	"	"	-	पूर्ण		२०६
६×५.५	८	२५	"	"	१६११	पूर्ण		२०७
१०×५	१५	३८	"	"	-	अपूर्ण		२०८
१०.५×४.५	१२	४०	"	"	-	पूर्ण		२०९
६.५×४.५	११	४०	"	"	-	अपूर्ण		२१०
१२×६.५	१६	४५	"	"	१८६६	अपूर्ण		२११
१२.५×५	७	५४	"	"	-	अपूर्ण		२१२

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम दर्शन	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
२१३	३५६२	वेदान्त सार	सदानन्द	१-१७
२१४	३५६७	पंचीकरण वार्तिक	सुरेश्वराचार्य	१-४
२१५	३५७७	शारीरक मीमांसा भाष्य	शंकराचार्य	१-५४४
२१६	२०१८	महावाक्य विवेक	विद्याराण्य मुनि	१-१३
२१७	२०१६	वाक्य सुधा	शंकराचार्य	१-११
२१८	२०१४	तत्त्व सन्दर्भ		१-२५
२१६	२११३	अपरोक्षानुभूति	शंकराचार्य	१-८
२२०	१५६७	तृप्ति दीपव्याख्या		१-३०
२२१	१८२५	सामग्रीवाद	रघुदेव	१-२३
२२२	२१७६	ब्रह्मसूत्र		१-२५
२२३	७१६	आत्मशङ्काध्याय		१-४
२२४	५४२५	सार दीपिका	रामानुजमुनि	१-२३
२२५	११००	पंचकोशविवेक व्याख्या	रामकृष्ण	१-२१
२२६	२१६४	मीमांसा कौस्तुभ		१-५२
२२७	२१७८	वेदान्त सार	सदानन्द	१-२४
२२८	२१६२	प्राणमनः संयोगविचार		१-२०
२२६	३६१७	आत्म बोध	शंकराचार्य	१-१३
२३०	१६३४	शास्त्र दीपिका	वाम देव	१-३८
२३१	१६३०	आम्नाय		१-२
२३२	५४५७	विवेक मकरन्द	गोपालगिरि	१-४
२३३	५३६०	योग शास्त्र		१-४६
२३४	२१५१	जीवन्मुक्ति विवेक	विष्णुदास	१-७७
२३५	५४१८	चूलिका		१-४
२३६	३७०१	लौकिक न्यायसंग्रह	रघुनाथ वर्मा	१-६१
२३७	२०६०	वेदान्त परिभाषा	धर्मराजाध्वरी	१-४५
२३८	३२०५	योगशास्त्र		१-७

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्ण-अपूर्ण	विशेष	क्रमांक
९.५×४	८	३५	दे.ना.	कागज	१७०७	पूर्ण		२१३
८×४	११	२६	,,	,,	-	पूर्ण		२१४
१२.५×५	११	६१	,,	,,	१८६३	पूर्ण	परमानन्दीटीका	२१५
१०×४.३	६	३५	,,	,,	-	पूर्ण		२१६
१२×६	१६	४६	,,	,,	१८८७	पूर्ण	सटीक	२१७
१२×५.५	६	३६	,,	,,	-	पूर्ण		२१८
१२×४.५	७	४१	,,	,,	-	पूर्ण		२१९
१०×४.५	१२	३४	,,	,,	-	पूर्ण		२२०
९×३.५	८	४१	,,	,,	-	पूर्ण		२२१
६.५×३.५	६	२१	,,	,,	-	अपूर्ण	चतुर्थ अध्याय तक	२२२
११×४.५	६	३३	,,	,,	-	पूर्ण		२२३
१०×४.५	८	२६	,,	,,	१६५३	पूर्ण		२२४
९.५×५	७	२६	,,	,,	-	पूर्ण		२२५
१०×४	१०	५२	,,	,,	-	पूर्ण		२२६
९×४	८	३२	,,	,,	-	पूर्ण		२२७
१०.५×४.५	८	३५	,,	,,	-	पूर्ण		२२८
१०×४.५	८	३८	,,	,,	१८६७	पूर्ण		२२९
११×४.५	१०	३७	,,	,,	-	पूर्ण		२३०
९.५×४.५	६	२६	,,	,,	-	अपूर्ण		२३१
९.५×५	१२	३२	,,	,,	१८८१	पूर्ण		२३२
१०.५×४.५	११	२६	,,	,,	१७७६	पूर्ण		२३३
११.५×५	११	४२	,,	,,	१७३२	पूर्ण		२३४
१०.५×४.५	६	३८	,,	,,	-	पूर्ण		२३५
१०×४	६	४५	,,	,,	-	पूर्ण		२३६
१०.५×४.५	६	३६	,,	,,	शक १७४१	पूर्ण		२३७
७.५×४.५	११	२१	,,	,,	-	पूर्ण	सांख्य प्रवचन कैवल्यपाद	२३८

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम दर्शन	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
२३९	५२५६	तत्त्वत्रये ईश्वर प्रकरण	नारायणपती	१-३
२४०	५७९४	देशिक सप्तति	प्रतिवादि भयंकराचार्य	१-१२
२४१	५८८९	तत्त्वानुसन्धान	महादेवानन्द सरस्वती	१-४७
२४२	२०४८	तत्त्वविवेक	आनन्दतीर्थ	१-६
२४३	२०५२	अपरोक्षानुभूति	शंकराचार्य	१६ गणनया
२४४	२३८७	न्यायमुक्तावली	विश्वनाथ पंचाननभट्टाचार्य	१-१४
२४५	१६६७	अष्टावक्रसंख्या क्रम	विश्वेश्वर	१-६१
२४६	१६८२	कात्यायन श्रौतसूत्र		१-२६
२४७	१६६५	वेदान्तसार	सदानन्द	१-१३
२४८	२२०	अद्वैतानन्द		१-२१
२४९	७८६	आत्मानन्द	रामकृष्ण	१-२१
२५०	७६३	विषयानन्द	रामकृष्ण	१-५
२५१	१८३५	महावाक्यविवेक		१-१२
२५२	५४२८	सुदर्शनमीमांसा		१-२२
२५३	१६५६	सांख्य प्रवचनभाष्य	विज्ञानाचार्य	१-१२०
२५४	१६६०	योगमणि प्रभा	रामानन्द सरस्वती	१-६२
२५५	१६६६	विन्दुसंदीपन	पुरुषोत्तम सरस्वती	१-७६
२५६	१७३३	अद्वैतसिद्धिः (तृतीय परिच्छेद)		१-१४
२५७	१७१३	तत्त्वानुसंधान	महादेव सरस्वती	१-५१
२५८	५७०६	वैयासिकी ब्रह्ममीमांसा		१-१३
२५९	५६१५	ब्रह्मसूत्र (चतुर्थ अध्याय)	वेदव्यास	१-२०
२६०	७४८	विद्यानन्द (चतुर्दश अध्याय)		६ गणनया
२६१	१७६४	पदज्योति	वासुदेव	१-४
२६२	१८२३	प्रपञ्चमिथ्यात्वानुमानखंड	आनन्दतीर्थ	१-२६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्ण-अपूर्ण	विशेष	क्रमांक
१०.५×५	२०	५१	देवना.	कागज	–	पूर्ण		२३९
९.५×४	७	२६	”	”	–	पूर्ण		२४०
९.५×४.५	८	३२	”	”	–	पूर्ण		२४१
८'×४.५	१२	२६	”	”	–	पूर्ण		२४२
६.५×४	९	१८	”	”	–	अपूर्ण		२४३
६.५×४	९	२५	”	”	–	पूर्ण		२४४
६×३.५	५	१४	”	”	–	पूर्ण		२४५
९.५×४.५	११	३१	”	”	–	पूर्ण		२४६
१०.५×४.५	९	३५	”	”	–	पूर्ण		२४७
१०×५	१०	४२	”	”	–	पूर्ण		२४८
१०×५	१०	४४	”	”	–	पूर्ण		२४९
९.५×४.५	८	४३	”	”	१८३९	पूर्ण		२५०
९.५×४.३	११	४३	”	”		पूर्ण		२५१
११×५	११	४९	”	”	१७९१	पूर्ण		२५२
१२×५	११	४५	”	”	१८७०	पूर्ण		२५३
१०.५×४.५	८	३५	”	”	१८३७	पूर्ण		२५४
१०.५×५	९	२९	”	”	१८५२	पूर्ण		२५५
१२×४.५	९	६०	”	”	–	पूर्ण		२५६
१२.५×४	६	३९	”	”	–	पूर्ण		२५७
८.५×४	१०	३६	”	”	–	अपूर्ण		२५८
९.५×४	७	२६	”	”	–	पूर्ण		२५९
१०×४.५	११	४०	”	”	–	पूर्ण		२६०
८.३×३.५	१०	३१	”	”	–	पूर्ण		२६१
९×३.५	८	२४	”	”	–	पूर्ण		२६२

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम दर्शन	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
२६३	२०३०	पूर्वमीमांसा अर्थ संग्रह	लौंगाक्षिभास्कर	१-२६
२६४	२०१६	तर्कसंग्रहन्यायबोधिनी व्याख्या	टी. गोवर्धन	१-१५
२६५	४५०	तर्कसंग्रहदीपिका		१-१२
२६६	३५८६	आत्मतत्त्व टीका		१२ गणनया
२६७	३५६५	सिद्ध सिद्धान्तासिन्धु	शिवानन्द भट्ट	७२ गणनया
२६८	३५६६	सिद्धासिद्धान्तसिन्धु		१२ गणनया
२६९	५५९	तत्त्वत्रयनिरूपण	वरदाचार्य	१-५
२७०	१६०४	न्यायिद्रव्य भाष्य		१-५
२७१	२००३	वर्धमान प्रकाश		१-४४
२७२	३५७१	सिद्धसिद्धान्तसिन्धु	शिवानन्द भट्ट	१-१२३
२७३	३६३६	पातञ्जलिवृत्ति भोजराज		१-२४
२७४	११८३	मुक्तावलीकारिका	विश्वनाथ पंचानन भट्टाचार्य	२-६
२७५	३११७	महावाक्य विवरण		१० गणनया
२७६	१६८२	पातञ्जलभाष्यवार्तिक	विज्ञानभिक्षु	१-१६४
२७७	१७७६	जैमिनीय न्यायमाला		१-४८
२७८	१७७७	जैमिनीय न्यायमाला	विज्ञानभिक्षु	१-१६
२७९	१३६०	जैमिनीयाश्वमेध पर्व		१-१६८
२८०	५६०८	वेदार्थसंग्रह		१-३०
२८१	५६१६	तत्वानुसंधान		१-२८
२८२	२५३३	ब्रह्मसूत्र वेदव्याससूत्र		१-२२
२८३	३६६६	नचिकेतोपाख्यान		१-२६
२८४	५६३७	शारीरिक व्याख्या		१-५६
२८५	५६३६	गौडपादीय श्लोकवृत्ति		१-१४
२८६	५८७५	सप्तपदार्थी		१-८
२८७	१२७५	तत्त्वबोध प्रकरण		१-७

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्ण-अपूर्ण	विशेष	क्रमांक
११.५×३	५	५१	दे.ना.	कागज़	–	पूर्ण	क्षतिग्रस्त	२६३
१४×५	११	३८	”	”	–	पूर्ण		२६४
१२×५.५	१४	४२	”	”	–	अपूर्ण		२६५
१०×४.५	६	४५	”	”	–	अपूर्ण		२६६
१३×५.२	१३	४६	”	”	–	अपूर्ण		२६७
१३×५	१२	४७	”	”	–	अपूर्ण		२६८
१५×७	२१	६८	”	”	–	पूर्ण		२६९
१०×४.३	११	५१	”	”	–	पूर्ण		२७०
११.८×७	१६	४२	”	”	–	पूर्ण		२७१
१२.५×५.३	११	४२	”	”	–	अपूर्ण		२७२
१३.५×४.३	१०	५०	”	”	–	पूर्ण		२७३
८.५×४	६	३१	”	”	–	अपूर्ण		२७४
४.५×२.६	६	१३	”	”	–	अपूर्ण		२७५
१३×७	१४	३१	”	”	–	अपूर्ण		२७६
११×४.५	१३	४०	”	”	–	पूर्ण		२७७
११×४.५	१२	३६	”	”	–	पूर्ण		२७८
६.५×५	१८	४०	”	”	१८८१	पूर्ण		२७९
१४×५.५	११	४६	”	”	१६०६	पूर्ण		२८०
१२×५.२	१०	५२	”	”	१६०५	पूर्ण		२८१
६.५×४	७	२७	”	”	–	पूर्ण		२८२
१२×६.५	१२	३२	”	”	–	पूर्ण		२८३
१२×४.६	१३	६५	”	”	–	अपूर्ण		२८४
८×६	१२	३४	”	”	–	पूर्ण		२८५
११×४.६	१०	३६	”	”	१६७८	पूर्ण		२८६
८×४.३	८	२०	”	”	–	अपूर्ण		२८७

व्याकरण

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
१	२६१४	लघुशब्देन्दु शेखर सुबोधिनी		३-१०१, २६१-२७३, २७५-३१६, ३३३-३४३, ३४५-३५३, ३६६-४०४, ४०४, ४०४-४१७, ४२६-४३४, ४३८-४५४, ४६८-४६६, ४७३-५४५, ५५६-६१८ ६२०-६३६
२	३६७६	लघुशब्देन्दुशेखर (पूर्वार्द्ध)		१-१७०, १८४-२६१
३	३५१४	वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी		३३८ गणनया
४	१५७५	वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी		१-३०६, ३४०-३४६
५	१५७७	वै.सि.कौ. (कृत प्रक्रिया)		१-११२
६	१५७६	वै.सि.कौ. (तिडन्त प्रकरण)		१-१६१
७	१५७८	वै.सि.कौ. (स्वर प्रक्रिया)		१-५३, ५३-८१
८	१५८०	वै.सि.कौ. (वैदिक प्रकरण)		१-३२
६	२०६२ -६३	सिद्धान्तकौमुदी		३११ गणनया
१०	३७२०	परिभाषेन्दुशेखर टीका		१-२७६
११	३६८५	सिद्धान्तकौमुदी		३३४ गणनया
१२	३६१३	सिद्धान्तकौमुदी		४५८ गणनया

व्याकरण

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष	क्रमांक
१२.२×५.२	१२	५०	दे.ना.	कागज	-	अपूर्ण		१
१२.८×४.७	१०	५७	"	"	१८७६	अपूर्ण		२
१३×५	१२	५५	"	"	-	पूर्ण		३
१०.६×४.५	१४	६३	"	"	-	अपूर्ण	४०६ गणनया	४
१०.७×४.५	१६	५०	"	"	१६४०	पूर्ण		५
१०.८×४.५	७	३३	"	"	-	पूर्ण		६
१०.८×४.५	५	३०	"	"	-	पूर्ण		७
१०.७×४.५	७	३३	"	"	१६४३	पूर्ण		८
१०×४.३	६	४५	"	"	-	पूर्ण	पूर्वार्द्ध, कृदन्त और वैदिक	६
१०.७×४.५	८	५२	"	"	-	अपूर्ण		१०
१०.७×५	८	२८	"	"	-	अपूर्ण		११
१०×४	६	३२	"	"	-	अपूर्ण		१२

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम व्याकरण	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
१३	३६६१	सिद्धान्त कौमुदी (पूर्वार्द्ध)		१-१३८
१४	३६७५	सिद्धान्त कौमुदी (उत्तरार्ध)		१-१०, १२-१४५
१५	२१११	सिद्धान्त कौमुदी प्रथम भाग		७६-१७७
१६	२३४६	सारस्वत प्रक्रिया (पूर्वार्द्ध)		७-८, २७-३६, ३६-७५
१७	२३४६	सारस्वत प्रक्रिया (आख्यात प्रक्रिया)	अनुभूति स्वरूपाचार्य	१-६५
१८	२७४१	सिद्धान्तकौमुदी (कृदन्त)		१-२६, ४०-६६
१६	२७४१	सिद्धान्त कौमुदी (पूर्वार्द्ध)		२०-१७६, १७६-१८१, १८३-१८४
२०	२१४४	वैयाकरण सिद्धान्त रत्नाकर	रामकृष्ण भट्ट	१-२, २-१६६, १६६-२०५, २०७,२०६-२११
२१	२८००	अष्टाध्यायी	विश्वनाथ	१-४८, ४८-८५
२२	१५७६	पाणिनीयालिङ्गानुशासनवृत्ति	भट्टोजीदीक्षित	१-२०
२३	६६६	सिद्धान्तचन्द्रिका		१-४४
२४	६७२	पत्र कौमुदी		१-४
२५	३७१६	परिभाषेन्दुशेखर		१-७५
२६	३६१२	लघुशब्देन्दुशेखर टीका		३६७ गणनया
२७	३६०६	महाभाष्य	कैयट	३२६ गणनया
२८	४०५६	सारस्वत प्रक्रिया		२३ गणनया
२६	३६५१	कारकवाद		१-२२
३०	३६३५	दशलकारसार मंजरी	वागीश भट्टाचार्य	१-४
३१	३६४३	व्युत्पत्तिवाद		५३-५६, ५६-७४,७४-८५
३२	३६१७	महाभाष्य प्रदीप टीका		७५ गणनया

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष	क्रमांक
१३×६.५	११	४२	दे.ना.	कागज	-	पूर्ण		१३
१३×६.५	१४	४५	,,	,,	१६००	पूर्ण		१४
१०×६.५	१२	३२	,,	,,	-	अपूर्ण	चन्द्रिका टीका	१५
१०.५×४.३	८	२८	,,	,,	-	अपूर्ण		१६
१०.५×४.१	८	४१	,,	,,	-	पूर्ण		१७
६.७×४	६	३८	,,	,,	-	अपूर्ण		१८
६.६×४	६	३६	,,	,,	-	अपूर्ण		१६
६×३.५	१३	५४	,,	,,	-	अपूर्ण		२०
८.२×३.२	८	३४	,,	,,	शक १७२५	पूर्ण		२१
१०.७×४.५	५	३१	,,	,,	१६४६	पूर्ण		२२
१०.५×४.५	७	२१	,,	,,	-	अपूर्ण		२३
१०.५×३.५	६	४२	,,	,,	-	पूर्ण		२४
१०×५	१२	४२	,,	,,	-	अपूर्ण		२५
१०.५×४.५	१०	३६	,,	,,	-	अपूर्ण		२६
१२.५×६.५	१६	६३	,,	,,	-	अपूर्ण	प्रदीप टीका	२७
१०.५×५	११	३५	,,	,,	-	अपूर्ण	कीटभक्षित	२८
१०×४	७	४०	,,	,,	-	अपूर्ण		२६
१३.३×५	१५	४३	,,	,,	-	पूर्ण		३०
११.६×४.२	८	५०	,,	,,	-	अपूर्ण		३१
१४×६.५	१७	५६	,,	,,	-	अपूर्ण		३२

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम व्याकरण	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
३३	५८७८	शब्दकौस्तुभ		१-३१२
३४	३६७५	सिद्धान्तकौमुदी टीका		२६८ गणनया
३५	५५३	मध्यसिद्धान्तकौमुदी		१-५२
३६	२०६२	धातुपाठ		१-१४, १६-२६
३७	१८६६	परिभाषेन्दु शेखर		१-१४
३८	४६६३	व्याकरण फक्किका		१-३
३६	३४६	सिद्धान्त कौमुदी		४५-५२,५४-५७
४०	६०७	अव्यय निरूपण		१-७
४१	६०८	परिभाषा प्रकरण		१-३, २४-२५,२७-३३
४२	४२५	मध्यसिद्धान्तकौमुदी		१-२०
४३	४२२	सिद्धान्तकौमुदी (वैदिकी प्रक्रिया)		३-१४
४४	४५०३	सिद्धान्त कौमुदी (कृदन्त)		७२ गणनया
४५	५६७	सिद्धान्त कौमुदी		१५-२२४
४६	३२४०	परिभाषा प्रकरण		१-१०
४७	३३२३	लघुशब्दरत्न		६७-१३०, १-१८, १-५
४८	२८५१	सिद्धान्त कौमुदी		१-१४
४६	५२७२	सिद्धान्त चन्द्रिका		१-१८
५०	५२८७	सिद्धान्त चन्द्रिका		१-५५, ५७-७०, ७०
५१	५८०२	परिभाषा सूत्र		१-३
५२	२८८३	अष्टाध्यायी		२-१६, १८-२०, २२-५६
५३	४०५६	सिद्धान्त कौमुदी (वैदिक प्रक्रिया)		१-६, १२-१५
५४	१६५८	महाभाष्य (द्वितीयोऽध्याय)		१-१७६

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष	क्रमांक
६.५×४	८	४४	दे.ना.	कागज	–	अपूर्ण		३३
१०.२×४.३	१२	४०	"	"	–	अपूर्ण		३४
११.८×५.५	१६	३५	"	"	–	पूर्ण	लकारार्थ पर्यन्त	३५
६.५×३	७	४३	"	"	–	पूर्ण		३६
६.६×४.२	१०	४१	"	"	–	अपूर्ण		३७
८.५×४.५	१७	३८	"	"	–	अपूर्ण		३८
६.५×४	१४	४०	"	"	–	पूर्ण		३९
११×४.५	८	३०	"	"	–	पूर्ण		४०
११×४.५	११	३६	"	"	–	अपूर्ण		४१
६.५×४	११	३४	"	"	–	अपूर्ण		४२
६.५×४	१२	४३	"	"	–	अपूर्ण		४३
१०.२×४.३	११	३४	"	"	–	अपूर्ण	कीटभक्षित	४४
१०×४	१०	२८	"	"	–	अपूर्ण		४५
६.५×४	५	२३	"	"	–	अपूर्ण		४६
१२.५×४.८	१२	४८	"	"	–	अपूर्ण		४७
१२.३×४.५	१३	५०	"	"	–	अपूर्ण	तिङन्त	४८
१२×४.५	११	४०	"	"	१८२६	पूर्ण	कृदन्त	४९
१२.५×४.८	१६	७०	"	"	१६०१	पूर्ण	आख्यात, कृदन्त	५०
१०.५×६	७	३०	"	"	–	अपूर्ण		५१
६.८×४.२	९	३१	"	"	–	अपूर्ण		५२
१०.२×४.५	१२	३७	"	"	–	अपूर्ण		५३
१०.४×४.५	१०	४२	"	"	–	पूर्ण	प्रदीपोद्योत टीका	५४

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम व्याकरण	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
५५	१६५७	महाभाष्य (प्रथमाध्याय द्वितीय पाद)	नागोजीभट्ट	१-१४८
५६	१६६२	महाभाष्य नवाह्निक		१-१५, १-१३४
५७	१६६७	(पातञ्जल) महाभाष्य (षष्ठाध्याय चतुर्थपाद)		३३ गणनया
५८	१६६६	महाभाष्य (पञ्चमाध्याय)	कैयट	१-६६, ६८-७२, ७४-१०५
५९	१६६५	महाभाष्य (प्रथमाध्याय द्वितीय पाद)		१-५४
६०	१६६८	महाभाष्य (षष्ठाध्याय चतुर्थ पाद चतुर्थ आह्निक)		१९ गणनया
६१	१६६४	महाभाष्य (४.१.१)		१-८
६२	१६६३	महाभाष्य (१.१.२)		१७-३२,३४-३६
६३	१६७३	महाभाष्य (षष्ठाध्याय)		१-६६
६४	१६७४	महाभाष्य (सप्तमाध्याय)		१-६२, ६१-१०१
६५	१६७५	महाभाष्य (अष्टमाध्याय)		१-४१
६६	३९९८	आख्यात विवेक		१-२, ४-२५
६७	११९९	आख्यात प्रक्रिया		२ गणनया
६८	४०४०	लघुसिद्धान्तकौमुदी		३० गणनया
६९	४३३५	सकर्मकाकर्मद्विकर्मकवाद		१-३
७०	४०४७	सिद्धान्तकौमुदी (तद्धित)		१४-२३,२२-२४, २४-२५, २५-२६, ३१-३४, ३६-४२, ४८
७१	४०३७	प्रौढ़मनोरमा टीका		१-१३
७२	४०९७	षट्कारक		१-४

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष	क्रमांक
१०.५×४.५	१०	४२	दे.ना.	कागज	–	पूर्ण	प्रदीपोद्योत टीका	५५
१३×५	१४	७२	,,	,,	–	अपूर्ण	प्रदीपोद्योत टीका सहित	५६
१३×६.३	१४	६२	,,	,,	–	अपूर्ण	कीटभक्षित	५७
१३×६.३	१४	६०	,,	,,	–		कीटभक्षित/प्रदीप टीका	५८
१३×६.५	१५	५२	,,	,,	–		प्रदीपटीका तृतीयाह्निक पर्यन्त	५९
१३×६.३	१२	५८	,,	,,	१८२८	अपूर्ण	प्रदीप टीका	६०
१३×६.३	१३	५६	,,	,,	–	अपूर्ण		६१
१३×६	१६	५२	,,	,,	–	पूर्ण		६२
१३×६.३	१५	६०	,,	,,	–	पूर्ण		६३
१३×६.३	१४	५५	,,	,,	–	पूर्ण		६४
१३×६.३	१५	५६	,,	,,	–	पूर्ण		६५
६.५×३.५	१०	५०	,,	,,	–	पूर्ण		६६
६.५×४	१२	३७	,,	,,	–	अपूर्ण		६७
१०×४.३	८	३२	,,	,,	–	अपूर्ण		६८
१२×४.५	१०	४२	,,	,,	–	पूर्ण		६९
१०.३×४.७	१२	४४	,,	,,	–	अपूर्ण		७०
११×४.५	९	४५	,,	,,	–	अपूर्ण		७१
१२.५×५	१३	४६	,,	,,	–	पूर्ण		७२

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम व्याकरण	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
७३	४२६०	अष्टाध्यायी सूत्रपाठ		१-४२
७४	४०६५	लघुशब्देन्दुशेखर (तिङन्त)		१-८, ११-१६, १८-७१ एवं ३४ पत्र
७५	३६८२	परिभाषेन्दु शेखर		१-१०, १०-२५, २७-२६,२६-४२
७६	३६८८	लघुसिद्धान्तकौमुदी		५७ गणनया
७७	४१०५	पदवाक्य प्रमाण		५३ गणनया
७८	५७४६	कृष्णयजुःप्रातिशाख्यम्		१-१७
७९	४३७८	प्रातिशाख्य		१-४४
८०	३६५६	वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी		१-४४
८१	५१४६	अधिकार संग्रह		१-६६
८२	५७६४	शाब्दबोधप्रकाश	भीमाचार्य	१-२३
८३	५७६५	सत्प्रक्रियागूढ़ताविवृति	नरसिंह सूरि	१-३३
८४	३६११	शब्दकौस्तुभ		१-२, ४-६३
८५	३३८०	लघुशब्देन्दुशेखर		१-४८
८६	३६१६	स्फोटतत्व निरूपण	कृष्णद्विवेद	१-१३
८७	४०४८	सिद्धान्त कौमुदी		१-६, १४-४६, ५१-१११, १-६७, ६६-७५
८८	५४६७	सिद्धान्त कौमुदी		१-२६
८९	५६६७	महाभाष्य		१-२१, २१-२३, २५-२८,२८-२६
९०	५६७२	कृदन्त प्रकरण		१-६
९१	५६७६	लिंगादि संग्रह		६३-१०६, ११८-१३१

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष	क्रमांक
८.३×३.५	१०	३७	दे.ना.	कागज	शक १६६८	पूर्ण		७३
१०.३×४.७	१२	४६	,,	,,	–	अपूर्ण		७४
१०.३×४.५	१४	५६	,,	,,	–	अपूर्ण		७५
६×३.५	६	३०	,,	,,	–	अपूर्ण	कृदन्त से लकारार्थ तक	७६
१२.२×४	६	५६	,,	,,	–	अपूर्ण		७७
६.७×३.७	६	४०	,,	,,	–	पूर्ण		७८
६×३.५	७	३१	,,	,,	–	अपूर्ण		७६
१०.५×४.७	१३	५०	,,	,,	–	पूर्ण		८०
१२.७×४	८	६१	,,	,,	–	पूर्ण		८१
१०.८×४.५	११	४०	,,	,,	–	अपूर्ण		८२
११.५×४	१२	५०	,,	,,	–	अपूर्ण	(महत्वपूर्ण ग्रन्थ)	८३
१२×६	१३	४१	,,	,,	–	अपूर्ण		८४
१२.३×४.५	१२	५१	,,	,,	–	पूर्ण	पञ्चसन्धि	८५
१२.८×४.८	१०	४०	,,	,,	–	पूर्ण	(महत्वपूर्ण)	८६
१०.३×४.२	११	३०	,,	,,	–	अपूर्ण	उत्तरार्द्ध	८७
१३	१२	४८	,,	,,	–	अपूर्ण	उत्तरार्द्ध	८८
११×४	६	५०	,,	,,	–	पूर्ण	षष्ठमाह्निक	८६
६×३.६	६	२८	,,	,,	–	अपूर्ण		६०
६×५	८	२०	,,	,,	१७६३	अपूर्ण		६१

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम व्याकरण	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
९२	२४७८	लिंगानुशासन		१, ४, ८, १२-१४
९३	१६६२	लघुवृत्ति		१-१५
९४	२४८३	क्रोडपत्र		१, ३-४
९५	२२६१	अष्टाध्यायी		१-७५
९६	५३६१	सारस्वतमूल प्रक्रिया		१-२७
९७	१००६	परिभाषासंग्रह		१-३
९८	८६२	अष्टाध्यायी पाठ	नागोजीभट्ट	१-४
९९	२३१९	महाभाष्य		१-१७
१००	४७२७	सिद्धान्तकौमुदी		२६ गणनया
१०१	४४५९	समासचक्रम्		२-७
१०२	४४४९	आख्यात प्रक्रिया		१-२
१०३	४४६९	देववर्णमाला		१
१०४	४५७४	वाचिक परिभाषा		१-५
१०५	२०६१	शब्दभेदप्रकाश	हरिराम	१-१३
१०६	१९९६	सारस्वत प्रक्रिया (कृदन्त)		१-१२
१०७	७१२	अनेकाल शित् सूत्र व्याख्या		१-४
१०८	४०३५	सिद्धान्तकौमुदी		१-४८
१०९	१७०५	सारस्वत व्याकरण		१-११९
११०	२१६५	कविकल्पद्रुमोनाम धातुपाठ		१-२१
१११	२१६७	वैयाकरण सिद्धान्तपरमलघुमञ्जूषा		१-२६
११२	२१६६	वैयाकरण भूषणसार		१-५५
११३	२१६८	परिभाषेन्दुशेखर		१-५९
११४	२१६९	सिद्धान्तकोमुदी		१-७५
११५	३९९७	लघुसिद्धान्तकौमुदी		३५-१११
११६	४०३९	अष्टाध्यायी		४७ गणनया

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष	क्रमांक
८.७×४	१०	२८	दे.ना.	कागज	-	अपूर्ण		९२
९.५×३.८	११	३२	"	"	१७७५	पूर्ण		९३
९.५×४.५	१२	२८	"	"	-	अपूर्ण		९४
९×३.५	७	३४	"	"	१८८३	पूर्ण		९५
१२×४.८	९	३०	"	"	-	पूर्ण	हसान्ताः नपुंसक लिंगाः तक	९६
१०×४.३	९	३०	"	"	-	अपूर्ण		९७
१०.३×४.३	९	३०	"	"	१९२६	पूर्ण	भाष्यसम्मत पर्यालोचित	९८
१२.६×६.३	१६	६०	"	"	-	अपूर्ण	कैयट की टीका	९९
८.४×६.७	१०	२७	"	"	-	पूर्ण	कारक प्रकरण	१००
९.५×४.५	९	२६	"	"	-	अपूर्ण		१०१
१०.३×४.५	८	२८	"	"	-	अपूर्ण		१०२
१०.६×४.४	१०	३६	"	"	-	पूर्ण	रुद्रयामलोक्त	१०३
८×४.८	१४	३०	"	"	-	अपूर्ण		१०४
९.६×४	११	४२	"	"	-	पूर्ण		१०५
११.५×५	१०	३७	"	"	-	पूर्ण		१०६
१०×३.३	९	४०	"	"	-	पूर्ण		१०७
१०.५×४	९	३५	"	"	-	अपूर्ण	सुबन्त	१०८
९.५×४.२	९	३२	"	"	१८१८	पूर्ण		१०९
१०.५×४.५	८	४४	"	"	१८३३	पूर्ण		११०
९.२×४	११	६१	"	"	-	पूर्ण		१११
१०×४.४	१२	३९	"	"	१८९४	पूर्ण		११२
१०.२×४.५	१०	४१	"	"	१८९६	पूर्ण		११३
१०×४.५	११	४३	"	"	-	पूर्ण	सुबोधिनी टीका	११४
१०.६×४.५	७	३१	"	"	-	पूर्ण	भ्वादित से स्त्रीप्रत्ययान्त	११५
१०.५×४.३	९	३४	"	"	-	अपूर्ण		११६

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम व्याकरण	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
११७	४०७१	मध्यसिद्धान्तकौमुदी		७८ गणनया
११८	१२०२	स्वराष्टक		१-६
११९	७२५	व्युत्पत्तिवाद		४-२२
१२०	११६४	कत्सूत्राणि		१-१०
१२१	३६६७	लघुसिद्धान्तकौमुदी		७६ गणनया
१२२	३२८	शिशुबोध	काशीनाथ	१-१२
१२३	१५५०	अष्टाध्यायी सूत्रपाठ		१-७४
१२४	१२४२	अव्ययार्थ		१-४
१२५	७२६	लघु सिद्धान्त कौमुदी		३-१०८
१२६	६५५	सिद्धान्तचन्द्रिका		१-२,४-११, १८
१२७	५३८	मध्यसिद्धान्तकौमुदी		१-४६
१२८	३६४०	स्वरप्रक्रिया		२-२१
१२९	३६१३	सिद्धान्तचन्द्रिका	रामचन्द्राश्रम	१-२३
१३०	३८३०	व्यञ्जनविधिविवेक		२२-२४, २६, २९, ३०
१३१	१९८१	समासचक्र		१-४
१३२	२१५४	सारस्वतशास्त्र		१-२०,२३-१२६
१३३	७५२	पाणिनीय धातुपाठ		१-१४
१३४	१७६१	परिभाषा संग्रह		१-४
१३५	१८८६	महाभाष्य (प्रदीप उद्योत टीका)		१-५९, ६१-७४, ६७-९२
१३६	२०८८	सिद्धान्तकौमुदी		१-१५७
१३७	५८६४	सारस्वती प्रक्रिया	अनुभूतिस्वरूपाचार्य	३-४४
१३८	५८६५	सारस्वती प्रक्रिया		१-१७
१३९	३०५१	पाणिनीय शिक्षा एवं ज्योतिष		१-४

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष	क्रमांक
९.२×४	८	२६	दे.ना.	कागज	-	अपूर्ण		११७
१०.७×४.५	७	२६	,,	,,	१६२६	पूर्ण		११८
१३.५×५.५	७	३५	,,	,,	-	अपूर्ण		११९
१०×५.५	१०	१६	,,	,,	-	पूर्ण		१२०
१०.५×४.५	७	३३	,,	,,	-	अपूर्ण		१२१
६×४.८	१०	२५	,,	,,	१८८२	पूर्ण		१२२
६.१×३.१	६	३०	,,	,,	१८३६	पूर्ण		१२३
६.७×४.५	६	२८	,,	,,	-	पूर्ण		१२४
११×४.५	६	३६	,,	,,	१६१२	अपूर्ण		१२५
६.५×५	११	२३	,,	,,	-	अपूर्ण		१२६
१३×५.७	१५	४०	,,	,,	-	पूर्ण	कृदन्त से स्वर तक	१२७
१०.५×४.५	१२	४४	,,	,,	-	अपूर्ण		१२८
१०×४	१३	३८	,,	,,	-	पूर्ण	पूर्वार्द्ध	१२९
६.७×४	१४	४१	,,	,,	-	अपूर्ण		१३०
१०×४.८	१०	३२	,,	,,	-	पूर्ण		१३१
१०.३×३.८	७	३५	,,	,,	-	अपूर्ण		१३२
११.३×५	११	३७	,,	,,	-	पूर्ण		१३३
१०×५	१०	३८	,,	,,	-	पूर्ण		१३४
१०.५×४.६	१०	३८	,,	,,	-	अपूर्ण	प्रथमाध्यायद्वितीय पाद	१३५
१२×५.५	१६	५५	,,	,,	-	पूर्ण	तत्वबोधिनी टीका	१३६
१०.५×४	८	४०	,,	,,	-	अपूर्ण	तद्धित प्रकरण	१३७
१०.४×४	८	४०	,,	,,	-	अपूर्ण	आख्यातप्रक्रिया का दो पत्र सूची पत्र	१३८
८.५×३.३	१३	४४	,,	,,	१६१८	पूर्ण	दो ग्रन्थ हैं	१३९

क्रमांक	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम व्याकरण	ग्रन्थकार	पत्र संख्या
१४०	६६७	अनेकार्थध्वनि मञ्जरी		१, ३, ५, ८, १०-१५, १७-१८
१४१	३७१०	अनेकार्थ ध्वनि मञ्जरी		१-१८
१४२	१५५२	पाणिनीय शिक्षा		१-६
१४३	४२७१	अमरशिक्षा		१-२३, २५-३४, ३६-३६,४१ ६१-६४
१४४	५६११	कृदन्त विग्रह		१-७
१४५	५६१२	व्याकरण फक्किका		१-२
१४६	५६१८	व्याकरण फक्किका		२-१३
१४७	५६१६	उत्तर कृदन्त प्रकरण		१-१५
१४८	५६२०	उत्तर कृदन्त प्रकरण		१-३४
१४६	५६२२	सि. कौ. षड्लिंग प्रकरण		१४ गणनया
१५०	५६३४	सि. कौ. षड्लिंग प्रकरण		१८ गणनया
१५१	६०६	पाणिनीय शिक्षा		१-१०४
१५२	४०४५अ	अनेकार्थ ध्वनि मंजरी		२७ गणनया
,,	४०४५ब	अनेकार्थ ध्वनि मंजरी		६ गणनया
१५३	२२४	पाणिनीय शिक्षा		१-४
१५४	३०२	पञ्चसन्धि		१-३
१५५	३७७८	शिक्षा षडङ्ग		१-६८
१५६	२१०६	शिक्षा चतुष्टय		१-२४
१५७	३६८३	तत्वप्रकाश	लोकेश	१-२६
१५८	१७५८	पाणिनीय शिक्षा		१-४
१५६	२२६२	शिक्षा, ज्योतिष, छन्द		१-१५
१६०	५६३४	पाणिनीय शिक्षा		१-७

आकार	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपि	आधार	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्ण	विशेष	क्रमांक
७.६×३.७	८	२४	दे.ना.	कागज	-	अपूर्ण		१४०
६.४×४	७	३५	”	”	-	पूर्ण	तृतीय सर्गान्त	१४१
६×३	८	२८	”	”	१८२४	पूर्ण		१४२
४.४×३.७	५	११	”	”	१६२३	अपूर्ण		१४३
१०.४×४.४	११	४६	”	”	१८५४	पूर्ण		१४४
१०×४.५	१५	५७	”	”	-	अपूर्ण		१४५
११.८×५	७	२२	”	”	-	अपूर्ण		१४६
१०.४×४.४	१०	३२	”	”	-	अपूर्ण		१४७
१०.५×४.५	११	३३	”	”	-	अपूर्ण		१४८
१०×४	६	३१	”	”	-	अपूर्ण		१४६
१०×४	१०	२६	”	”	-	अपूर्ण		१५०
७×४	१३	३२	”	”	-	पूर्ण		१५१
१२×४.५	१२	४२	”	”	-	अपूर्ण		१५२अ
१०×४.५	११	११	”	”	-	अपूर्ण		१५२ब
६.५×४	६	३६	”	”	-	पूर्ण		१५३
६.२×५.४	१०	२६	”	”	-	अपूर्ण		१५४
७×४.५	१५	२८	”	”	-	पूर्ण		१५५
११×४.५	८	४४	”	”	शक १७५१	पूर्ण		१५६
६.५×४	८	३५	”	”	-	पूर्ण		१५७
१०×५	१०	२८	”	”	-	पूर्ण		१५८
६×३.५	७	३२	”	”	-	पूर्ण		१५६
६.५×४.३	८	२०	”	”	-	पूर्ण		१६०

वेद-खण्डः

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१	२७६०	पुरुषसूक्तम्	–	१-१०
२	३४२३	ऋग्विधानम्	–	१-४४
३	३४०३	ऋग्विधानम्	–	१-२६
४	२७४३	वाजसनेयसंहिता	–	१-२६३
५	३३९६	ऋग्विधानम्		१-१०
६	३४०५	ऋग्विधानम्	–	१-८
७	३३९६	अग्निहोत्रम्	–	१-९
८	२८२६	ऋग्वेदसंहिता	–	१-१२१
९	५२३१	पवमानविधानम्		१-७
१०	५२३३	वाञ्छाकल्पोद्धारः	–	१,३-८
११	२७९६	अनुवाकः	–	१-५
१२	५२२३	ऋग्विधानम्	–	१-१२
१३	४३२८	ऋग्वेदभाष्यम्	–	१-५
१४	४३२६	सूक्तभाष्यम्	अण्णाभट्ट	१-६
१५	४३३२	ऋक्संहिताभाष्यम्	सायणाचार्य	१,३-३४
१६	४३२७	कुष्माण्डमंत्रभाष्यम्	–	१-२६
१७	४३३१	ऋक्संहिताभाष्यम्	सायणाचार्य	
१८	४३३३	ऋक्संहिता-भाष्यम्	,,	१-२, २-३५
१९	४३३४	ऋक्संहिता-भाष्यम्	,,	१-२०
२०	४३३०	वेदार्थप्रकाशः-ऋक्संहिता	,,	१-३१
२१	४३२९	ऋक्संहिता-भाष्यम्	गोविन्द	१-२
२२	१२४२	रुद्राष्टाध्यायी		१-८७

वेद-खण्डः

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१०×४	१०	३७	दे.ना.	कागज	-	पूर्णम्	व्याख्या सहित	१
५.५×३.५	६	१७	,,	,,	-	पूर्णम्		२
८×४	११	३०	,,	,,	-	पूर्णम्		३
१०×४.५	५	२२	,,	,,	-	अपूर्णम्		४
६×४	१४	३६	,,	,,	सं. १८२६	पूर्णम्	ऋग्वे. ६४वां अध्याय	५
६×३	७	२७	,,	,,	-	पूर्णम्		६
६×४	८	३०	,,	,,	-	पूर्णम्		७
८.८×३.८	७	३०	,,	,,	-	पूर्णम्	विकृतिपदपाठ चतुर्था.	८
६.५×४	१०	३५	,,	,,	-	पूर्णम्		९
८×४	८	१६	,,	,,	-	अपूर्णम्		१०
८×३.५	६	२६	,,	,,	१८६६	पूर्णम्		११
१०×४.५	६	४४	,,	,,	-	पूर्णम्		१२
१३×५	११	४६	,,	,,	१८६१	पूर्णम्	दशम मंडल	१३
१३×५	१३	४८	,,	,,	१८६७	पूर्णम्		१४
१३×५	११	४५	,,	,,	१८६७	पूर्णम्	सहायाष्टकप्रथम अध्या.	१५
१३×५.३	११	५४	,,	,,	-	पूर्णम्		१६
१४.५×३	११	४५	,,	,,	१८६८	पूर्णम्		१७
१३×५.३	११	४२	,,	,,	१८६७	पूर्णम्	षष्टके अष्टमोध्याय	१८
१४×५.३	१०	४८	,,	,,	१८६७	पूर्णम्		१९
१३.८×५.१	१३	४३	,,	,,		पूर्णम्		२०
१३.२×४.८	१०	३६	,,	,,	शक १७५७	पूर्णम्		२१
१०×६	५	१२	,,	,,	-	पूर्णम्		२२

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२३	४२३१	ब्राह्मणग्रंथः	सामराज खोच	१-५३, ६० ६७-७२ ९१-९४, १००-१७२
२४	४२३२	ब्राह्मणग्रंथः	,,	१-१५९
२५	१५४१-१५४४	ऋक्वेदसंहिता	लक्ष्मी नृसिंह वासुदेव	१-१०, ६३, ८२, १-८६
२६	४२३३	ब्राह्मणग्रंथः	सामराज खोच	१-७०, ७२-२०६
२७	४२३४	ब्राह्मणग्रंथः		१-२३-६७, ७१-७४
२८	१५४५-१५४८	ऋग्वेदसंहिता		७६-१२६, १३१-२०३, २०५-२०६ १-८२, १-८६ १-८६, १-९२
२९	४२३५	ब्राह्मणग्रंथः		८५-१४५
३०	४२३७	ब्राह्मणग्रंथः		१६४-२६५
३१	४२३६	ब्राह्मणग्रंथः		३-११४
३२	४२३८	ब्राह्मणग्रंथः		१-७८, ८०,११०
३३	४२४०	,, ,,		८-१३८
३४	४२३९	,, ,,		२, ६-५६ ६३-६५, ६९-७६, ७९-८९, ९५-१०१, १०३, १०६-२१७, २२७-२३१

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
७.४×३.३	७	२४	दे.ना.	कागज	१६६०	अपूर्णम्		२३
८×३.५	५	२०	,,	,,	१६६१	अपूर्णम्		२४
८×३.५	६	३४	,,	,,	१८१२	पूर्णम्		२५
७.५×३.५	६	१८	,,	,,	१६२७	पूर्णम्		२६
७×४	७	१८	,,	,,	१७१६	अपूर्णम्		२७
८×३.५	६	३४	,,	,,	१८१२	पूर्णम्		२८
७×३.८	६	११	,,	,,	१७६०	अपूर्णम्		२९
७.४×३.४	६	२१	,,	,,	–	अपूर्णम्		३०
८×३.८	७	२६	,,	,,	–	अपूर्णम्		३१
७.८×४.५	६	२८	,,	,,	–	अपूर्णम्		३२
८×३.५	६	२१	,,	,,	–	अपूर्णम्		३३
८.३×४	७	३१	,,	,,	–	अपूर्णम्		३४

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
३५	४२४२	ब्राह्मणग्रंथः		३-११४
३६	३३६७	आश्वलायन-श्रौतसूत्रम्	विनायक भट्ट	१-११२
३७	३३७०	आरण्यकः तृतीय अध्यायः		१-४०
३८	२६०४	ऋग्वेदसंहिता तृतीयाष्टकः	गोविन्द	१-५८
३९	१७०२	आश्वालायन-श्रौतसूत्रम्		१-७७
४०	१७०८	निरुक्तपूर्वम्		१-४७
४१	,,	निरुक्त-उत्तरम्		१-३७
४२	,,	निरुक्त-परिशिष्टाध्यायः		१-११
४३	१७१२	आश्वालायन-श्रौतसूत्रम्		१-४८
४४	१७००	आश्वालायन-श्रौतसूत्रम्		१-४२
४५	१७०१	,, ,,		१-८८, ८८,८९
४६	३७६०	ऋग्वेदसंहिता-चतुर्थाष्टकः		१-६५
४७	१५६५	आश्वलायन-श्रौतसूत्रम् पू.ष.		१-७२
४८	१५६६	आश्वलायन-श्रौतसूत्रम् उ.ष.		१-४३
४९	१५५७	आ. गृ.सू. प्रथमपञ्चिका		१-३४
५०	१५५८	आ. गृ.सू. द्वितीयपञ्चिका		१-४१
५१	१५५९	आ. गृ.सू. तृतीयपञ्चिका		१-४३
५२	१५६०	आ. गृ.सू. चतुर्थपञ्चिका		१-३३
५३	१५६१	आ. गृ.सू. पञ्चमपञ्चिका		१-४३
५४	१५६२	आश्वलायन-श्रौतसूत्र-षष्ठपञ्चिका		१-३६
५५	१५६३	आ. गृ.सू. सप्तपञ्चिका		१-३२

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
७×४	७	१६	दे.ना	कागज	–	अपूर्णम्		३५
८.७×४	७	२६	,,	,,	१६१०	पूर्णम्	पूर्वार्द्ध	३६
८.८×४	६	३०	,,	,,	१६१०	पूर्णम्		३७
१०×४	६	३४	,,	,,	२००६	पूर्णम्		३८
८.५×३	७	४०	,,	,,	१७१७	पूर्णम्		३९
८.५×३	६	३८	,,	,,	१५७६	पूर्णम्		४०
८.५×३	८	४१	,,	,,	१५७६	पूर्णम्		४१
८.५×३.५	६	४२	,,	,,	–	पूर्णम्		४२
८.५×३.५	८	३७	,,	,,	१७१६	पूर्णम्		४३
८×३.१	१०	३७	,,	,,	१८१४	पूर्णम्		४४
८.८×३.८	६	२६	,,	,,	–	पूर्णम्		४५
६×४	११	३०	,,	,,	–	पूर्णम्		४६
६×४	६	२६	,,	,,	–	पूर्णम्		४७
६.१×४	६	४०	,,	,,	–	पूर्णम्		४८
६.१×४	७	३५	,,	,,	१८६८	पूर्णम्		४९
६.१×४	७	३१	,,	,,	१८६८	पूर्णम्		५०
६.१×४	७	३६	,,	,,	–	पूर्णम्		५१
६.१×४	७	३६	,,	,,	–	पूर्णम्		५२
६.१×४	७	३३	,,	,,	१७३२	पूर्णम्		५३
६.१×८.५	७	३४	,,	,,	–	पूर्णम्		५४
६.१×३.५	७	३०	,,	,,	–	पूर्णम्		५५

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
५६	१५६४	आ. गृ.सू. अष्टमपञ्चिका		१-३०
५७	३८४५	आपस्तम्बीय-दर्शपौर्णमासः		१-१३, १६-४३
५८	५५२८	आत्मषट्कदीपिका		१-१८
५९	३७६७	ऋग्वेदसंहिता-तृतीयाष्टकः		१-९१
६०	३७६६	ऋग्वेदसंहिता-द्वितीयाष्टकः		१-११९
६१	१६८९	परिभाषासर्वानुक्रमः		१-१२, १४-१५, १७-२०,२७-३०
६२	१८००	प्रथमाष्टकः		१-४
६३	३८४२	मन्युसूक्तम्		१-४
६४	३७८२	प्रैषाध्यायः		१-१५
६५	४३९९	ऋग्वेदसंहिता		१-१९९
६६	३८४४	संहिताद्वितीयाष्टकः		८८-१६६/७९
६७	५६०८	प्रथमाष्टकः		१-७, १०-१२, १४-५४
६८	५७११	रुद्रसूक्तम्		१-५
६९	५५६४	तैत्तिरीयशाखा		१-५२
७०	५७१३	षष्टाष्टक	विश्वनाथ भट्ट	१ से ४ ६ से ११
७१ अ.	३७७२	प्रथमारण्यकः		१-३७
७१ ब.		द्वितीयारण्यकः		१-३७
७१ स.		तृतीयारण्यकः		१-४६
७२	१५५१	चरणव्यूहः		१-६
७३	५७०८	रुद्राष्टाध्यायी		१, ६-३०
७४	३७९६	ऋग्वेद सर्वानुक्रम का भाषा	१ से ६० अतिरिक्त २ पन्ना	

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६.१×३.५	७	३३	दे.ना.	कागज	-	पूर्णम्		५६
६×३.५	८	३४	,,	,,	-	अपूर्णम्		५७
८.५×४	१३	३८	,,	,,	-	पूर्णम्		५८
८×४	८	२४	,,	,,	१७२५	पूर्णम्		५९
८×३.७	८	३१	,,	,,	शक १७०८	पूर्णम्		६०
६×३.८	६	३३	,,	,,	-	अपूर्णम्	कुल पत्र सं. २८	६१
७.७×३.५	८	२६	,,	,,	१७०६	पूर्णम्	कीटानुबीधा	६२
६×३	५	१६	,,	,,	-	पूर्णम्	कीटानुबीधा	६३
७.७×३	६	२४	,,	,,	-	पूर्णम्		६४
७.२×४.४	१३	२५	,,	,,	१८८६	पूर्णम्		६५
८.५×३.३	८	२८	,,	,,	-	अपूर्णम्		६६
६.४×४	१०	३१	,,	,,	-	अपूर्णम्	५१ पत्र कुल	६७
१०×४.३	६	३४	,,	,,	-	पूर्णम्		६८
६.५×४.१	६	३५	,,	,,	-	पूर्णम्		६९
५.५×४.५	१०	११	,,	,,	-	अपूर्णम्		७०
६×३	५	२७	,,	,,	-	पूर्णम्	कुल पृष्ठ १२० ३१वां पत्र २ बार है	७१
६×३	५	२५	,,	,,	-	पूर्णम्		
६×३	५	२८	,,	,,	-	पूर्णम्		
८.८×३.८	७	३०	,,	,,	-	पूर्णम्		७२
६.१×४२	७	२५	,,	,,	सं. १६६५	अपूर्णम्		७३
६.५×४	६	३६	,,	,,	सं. १६४६	अपूर्णम्		७४

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
७५	३७५५	ऋग्वेदसंहिता-सप्तमाष्टकः		१-३, ७, १६, ४२-८७
७६	३७६२	ऋग्वेदसंहिता-षष्टमाष्टकः		१-८५
७७	३७५६	ऋग्वेदसंहिता-अष्टमाष्टकः		१, १३-३२, ३५-६४
७८	१५४६	निघण्टुः		१-१६
७९	५३५८	द्वितीयाष्टकः		१,-३ से ६४ ६७ से ८२
८०	५३६६	द्वितीयाष्टक ब्राह्मणः		१ से ११, ३८-४८, ५०-७०, ७७-९०, १२१-१२२, १३३-१३८, १४४-१४५, १४७ से १५३, १५८, १६२, १६४
८१	१८०७	सर्वानुक्रमकारिका		१-४३
८२	३७६१	ऋग्वेदसंहिता-पदक्रम-पञ्चमाष्टकः		१-८०
८३	५३६२	श्रौतसूत्रम् उत्तरषट्कम्		१-४७
८४	५५४७	ब्राह्मणखण्डः तृतीयः		१-७२
८५	३७८०	आ.श्रौतसूत्र पूर्व एवं उत्तर षटक		१-८९ १-५५

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६.८×४	६	३०	दे.ना.	कागज	–	अपूर्णम्		७५
६×४	६	३२	"	"	१८५७	पूर्णम्		७६
६.६×४	७	३०	"	"	१८४७	अपूर्णम्		७७
६×३	७	२८	"	"	–	पूर्णम्		७८
८.५×४	६	३१	"	"	–	अपूर्णम्	७८ पत्र गणनया	७९
८×४	६	२६	"	"	–	अपूर्णम्		८०
७.५×३.५	६	३२	"	"	–	पूर्णम्		८१
६×४	१०	३२	"	"	–	पूर्णम्		८२
८.२×४	६	२७	"	"	शक १६९५	पूर्णम्		८३
१०×४	६	४०	"	"	–	अपूर्णम्		८४
८×३.८	६	२८	"	"	शक १८०६	पूर्णम्		८५

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
८६	३८६३	चरणव्यूहं भाष्यम्		१-११
८७	३७७६	ऋग्वेदवर्णक्रम-स्वरक्रम-लक्षणम्		१-२४
८८क	३८३७	संहिता प्रथमाष्टक एवं द्विती.		१-७
८८ख		द्वितीयाष्टकः		१-१२
८६	३७७३	ऋग्वेदब्राह्मण १-७ पंचिका		१-२१७
६०	३७६३	ऋग्वेद (सप्तमाष्टक):		१-१०६
६१	३८३१	उत्तरचित्तिः		१, ७, ११-१२
६२	३७८६	प्रैषः		१-१८
६३	३७७०	ऋग्वेदसंहिता-षष्टमाष्टकः		१-६७
६४	३७६४	ऋग्वेदसंहिता-अष्टमाष्टकः		१-१००
६५	१८१३	पञ्चमाष्टकः		१-२५
६६	५६८४	ब्रह्मसूत्रम्		१-२१
६७	५३४२	सौरसूक्तम्		१-६
६८	३७५०	ऋग्वेदसंहिता-द्वितीयाष्टकः		१-१००
६६	३७५१	ऋग्वेदसंहिता-तृतीयाष्टकः		१-१०५
१००	३७५२	ऋग्वेदसंहिता-चतुर्थाष्टकः		१-६२
१०१	३७५३	ऋग्वेदसंहिता-पञ्चमाष्टकः		१-८७
१०२	३७५४	ऋग्वेदसंहिता-षष्ठमाष्टकः		१-८६
१०३	३७७४	ऋग्वेदसंहिता-प्रथमाष्टकः		१-३४, ३४, ५१ ५७-८४
१०४	५५२५	वेदान्तसारप्रकरणम्		१-१३
१०५	३६५८	गौतमसूत्रम्		१-१५, १६
१०६	३६६०	वाजसनेयीसंहिता		१-२१६

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
८.५×३.५	६	३३	दे.ना.	कागज	-	अपूर्णम्		८६
८.५×३.८	७	२६	,,	,,	१८७५	पूर्णम्		८७
७.३×३	७	२४	,,	,,	१८५०	अपूर्णम्		८८क
७.३×३	८	३१	,,	,,	-			८८ख
८.४×३	७	४२	,,	,,	शक १६८६	पूर्णम्		८९
३.८×८.८	८	२१	,,	,,	१७०८	पूर्णम्		९०
७.५×३	११	१६	,,	,,	-	अपूर्णम्		९१
८.२×३.६	७	२८	,,	,,	-	पूर्णम्		९२
८.४×३.८	८	३१	,,	,,	-	अपूर्णम्	षष्टाध्याय के ३८वें मंत्र तक	९३
४.२×६	६	३०	,,	,,	-	पूर्णम्	व्ययनामा संवत्सर में लिखा गया।	९४
१३×४.२	६	४५	,,	,,	शक १८१८	पूर्णम्		९५
६.५×५.४	८	२३	,,	,,	-	अपूर्णम्		९६
६×४	६	२६	,,	,,	१८६२	पूर्णम्		९७
६.८×४	६	३१	,,	,,	१८४७	पूर्णम्		९८
६.८×४	८	२६	,,	,,	१८४७	पूर्णम्		९९
६.८×४	६	३२	,,	,,	१८४७	पूर्णम्		१००
६.८×४	६	२७	,,	,,	१८४६	पूर्णम्		१०१
६.८×४	६	३६	,,	,,	१८४७	पूर्णम्		१०२
६.८×४	६	३०	,,	,,	संवत १८४७	अपूर्णम्		१०३
१०.१×५	१०	३२	,,	,,	-	अपूर्णम्		१०४
१२×४	५	४२	,,	,,	-	पूर्णम्	१ पत्र अतिरिक्त	१०५
११×४.८	५	२६	,,	,,	-	पूर्णम्	१६८ पृष्ठ सं. अतिरिक्त	१०६

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१०७	२७४७	यजुर्वेदसंहिता-विकृतिपाठ-तृतीयाष्टकः	-	१-८१
१०८	२७४८	यजुर्वेदसंहिता-विकृतिपाठ-चतुर्थाष्टकः	-	१-८६
१०९	२६०७	ऋग्वेदसंहिता विकृर्तिपदपाठ-पंचमाष्टकः	गोविन्द	१-१३५
११०	२६०८	षष्टमाष्टकः	-	१-७४
१११	२६०६	चतुर्थाष्टकः	-	१-११०
११२	२६०९	तैत्तिरीययजुर्वेद-सप्तमाष्टकः	-	१-४८
११३	२६१०	सप्तमाष्टकः	,,	१-५२
११४	२६०५	द्वितीयाष्टकः	-	१-८०
११५	२६०३	तैत्तिरीययजुर्वेद-संहिता द्वितीयाष्टकः	-	१-७४
११६	४३२५	ऋग्वेदभाष्य-विष्णुसूक्तम्	-	१-२०
११७	५६२२	रुद्रपाठः (रुद्राध्यायी)	-	१-१८
११८	५४१४	सहवै वेदः	-	१-१३
११९	५४३०	वेदमंत्र-पत्रम्	-	१-२०
१२०	५४२४	अनिरुद्धसंहिता	-	१-४
१२१	५६३८	रात्रिसूक्तम्	-	१-११
१२२	५६१८	श्रीसूक्तविधानम्	-	१-११
१२३	५२०६	प्रथमाष्टकः	-	१-१०५
१२४	६६२	प्रतिज्ञामंत्रसूत्रम्		१-३
१२५	५५८१	चरणव्यूहः	कात्यायन	१-३
१२६	१२३४	वाजसनेयीसंहिता		१-७
१२७	१४६१	षष्टाष्टकः		१-७

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६×४.४	६	३३	दे.ना.	कागज	–	पूर्णम्		१०७
६×४.४	६	३४	”	”	–	पूर्णम्	कीटभक्षित पत्र १० अतिरिक्त	१०८
६.५×४	६	३१	”	”	संवत् १८६७	पूर्णम्	११२ पत्रसंख्या	१०६
६.५×४	१३	४०	”	”	संवत् १८५७	पूर्णम्		११०
६.४×४	८	२६	”	”	संवत् १८४१	पूर्णम्		१११
१०.४×४.४	६	३४	”	”	–	पूर्णम्		११२
६.५×४	१३	३८	”	”	–	पूर्णम्		११३
६.५×४	११	४६	”	”	१८६६	पूर्णम्	४००	११४
६.४×४	६	३०	”	”	–	पूर्णम्		११५
१३×५	१३	५२	”	”	–	पूर्णम्		११६
१०×४.८	६	३४	,,	,,	१८७५	पूर्णम्		११७
१०×४	७	३२	”	”	–	पूर्णम्		११८
११×४.७	६	४७	”	”	–	पूर्णम्		११६
१०×५	१०	३०	”	”	–	पूर्णम्		१२०
८.४×३.५	७	३५	”	”	–	पूर्णम्		१२१
८.६×४.४	६	३०	”	”	–	पूर्णम्	पत्र सीधे नहीं है	१२२
१०×४	१०	३८	”	”	–	पूर्णम्	पृष्ठ सं. ८ पर ६, १०, ११ अंकित है	१२३
८.७×४	६	२२	,,	,,	–	पूर्णम्		१२४
६.२×४	१०	४२	”	”	१८७०	पूर्णम्		१२५
६.५×४.२	११	४२	”	”	१७३६	पूर्णम्		१२६
६×४	८	२८	”	”	–	पूर्णम्	सप्तम अध्याय	१२७

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१२८	६६४	श्रीसूक्तभाष्यम्	-	१-५
१२९	३८३८	वाजसनेयसंहिता	-	६२ गणनया
१३०		ब्रात्यतृचाकाठकः	-	१-३४
१३१	५३४६	गणेशाथर्वशीर्षम्	-	१-३
१३२	५६७५	रुद्राध्यायः	-	१-२४
१३३	५६५३	नारायणसूक्तं पुरुषसूक्तम्	-	१-५
१३४	८६४	वेदसंहिता	-	१-८
१३५	५१४३	सामवेद-प्रस्तौतृत्वम्	-	१-५
१३६	२८१३	दर्शपौर्णमासः	-	१-२१
१३७	१६६१	वाजसनेयीसंहिता		४६७ गणनया
१३८	३६६०	वाजसनेयीसंहिता		३५९ गणनया
१३९	२८०५	श्रीसूक्तम्		१-३
१४०	२८१७	यजुर्वेदब्राह्मण-द्वितीयाष्टकः		१-४३
१४१	२८०२	सौरसमोत्पतम्	-	१-१२
१४२	३१५२	यजुर्वेद-विष्णुपंचकम्	-	१-८
१४३	२६२८	कात्यायनगृह्यसूत्रम्	-	१-४८
१४४	२७५३	षष्टाष्टकः-(६-८) सप्तमाष्टकः- ५	-	२०+५० = ७०
१४५	२६३०	आश्वलायनश्रौतसूत्रम्		१-६८
१४६	२७२८	श्रौतभाष्यसंग्रहः		१-२२
१४७	२७३३	ब्राह्मणतृतीयाष्टकः		१-७
१४८	२७३२	पितृसंहिता		२-७
१४९	२८०९	पर्जन्यसूक्तम्		९ गणनया

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१०.६×४.४	१०	४८	दे.ना.	कागज	सं. १६३१	पूर्णम्		१२८
१०.३×४.४	७	३२	”	”	-	अपूर्णम्	अष्टम एवं विशति अध्याय	१२६
६.५×४	६	३१	”	”	-	पूर्णम्		१३०
७×३.५	६	२६	”	”	-	पूर्णम्		१३१
६×३	५	२५	”	”	संवत् १८४३	पूर्णम्		१३२
१०.५×५	७	२४	”	”	-	पूर्णम्		१३३
११×४.५	५	१७	”	”	-	अपूर्णम्		१३४
६.३×४	७	१५	”	”	-	पूर्णम्		१३५
११×४.५	७	३४	”	”	-	पूर्णम्		१३६
११.४×५	५	२६	”	”	१४१३	पूर्णम्		१३७
१०.६×४.५	५	३०	”	”	१६१६	पूर्णम्	कीटभक्षित	१३८
६.५×३	६	१७	”	”	-	पूर्णम्		१३६
१०×४.६	११	४२	”	”	-	पूर्णम्		१४०
५.५×३.८	७	१४	”	”	-	पूर्णम्		१४१
७×३.६	८	३२	”	”	-	अपूर्णम्	पत्र सं. ७ नहीं है	१४२
८.५×४.३	८	२६	”	”	१६२३	पूर्णम्		१४३
८×४	१०	३१	”	”	-	अपूर्णम्		१४४
८×३	७	२६	”	”	शक १७२६	पूर्णम्	एक अतिरिक्त पत्र	१४५
६.६×५.४	११	३३	”	”	सं. १६७६	पूर्णम्		१४६
१०.२×४.५	६	२४	”	”	-	पूर्णम्		१४७
१०.७×४.४	७	२६	”	”	१६२७	अपूर्णम्		१४८
६×३.७	६	१७	”	”	-	पूर्णम्		१४६

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१५०	२८०६	रात्रीसूक्तम्		१-२१
१५१	२८०७	वेदः		१-१५
१५२	२८०८	सौरः	सखाराम	१-१३
१५३	२८०१	रुद्रपदपाठः		१-२२
१५४	२७४५	ऋषिवंशक्रमः	-	१-६
१५५	२६८६	काण्वानुभूति-प्रकाशारण्यकः	-	१-४४
१५६	५१३६	नाचिकेतचयनम्	-	१-२
१५७	५६४२	वृहदारण्यक-षष्ठ-अध्यायः	-	१-१२
१५८	५१४८	श्रीसूक्तम्		१-३
१५९	२८२२	यजुर्वेदब्राह्मणमंडलम्	-	१-१२
१६०	५३५१	प्रथमब्राह्मण-पंचमखण्डः	-	१-४६
१६१	२८१६	ब्राह्मणद्वितीयाष्टकः	-	१-३३
१६२	५८५०	नारदीयशिक्षा		१५ गणनया
१६३	२६३७	पवमानसूक्तम्		१-२४
१६४	२६२३	ब्रह्मविद्या		१-६
१६५	२६२१	चरणव्यूहः		१-५
१६६	२८२७	ऋग्वेदसंहिता विकृतिपद-पाठः द्वितीयाष्टकः		१-११८
१६७	२६०२	ऋग्वेद-विकृतपदपाठः प्रथमाष्टकः		१-१५५
१६८	२६००	तैतिरीयब्राह्मणः द्वितीयः	३०७ गणनया	
१६९	२६२४	वाजपेयब्राह्मणप्रयोगः	राजाराम	१-६
१७०	२६१७	सामवेदार्थप्रकाशः	सायणाचार्य	१-१२
१७१	२६०१	वेदविकृतिः		३८-४७,५२-६०
१७२	५२८५	सप्तमाष्टकः		१-११

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६×३.५	६	१५	दे.ना.	कागज	१८८४	पूर्णम्		१५०
४.८×२.८	५	१३	,,	,,	१६१६	पूर्णम्		१५१
५.२×३	६	१७	,,	,,	–	पूर्णम्		१५२
६×३.७	५	१३	,,	,,	१६०६	पूर्णम्		१५३
६.६×४	८	२८	,,	,,	–	पूर्णम्		१५४
६.५×४	१२	३४	,,	,,	–	अपूर्णम्		१५५
१०×४	११	४६	,,	,,	–	पूर्णम्		१५६
८.५×४	१२	२८	,,	,,	–	पूर्णम्		१५७
६.४×४.२	८	२८	,,	,,	–	पूर्णम्	एक पत्र केनोप. का लगा है	१५८
६.२×३.३	५	२०	,,	,,	संवत् १६२३	पूर्णम्		१५६
६.७×४.२	७	२६	,,	,,	–	पूर्णम्		१६०
१०.२×४.३	७	२८	,,	,,	–	अपूर्णम्		१६१
६×४	६	३०	,,	,,	१६११	अपूर्णम्		१६२
८.५×४	६	२८	,,	,,	–	पूर्णम्		१६३
७.५×३	७	२७	,,	,,	–	पूर्णम्		१६४
८×३	७	३५	,,	,,	–	पूर्णम्		१६५
७×४	७	२४	,,	,,	–	पूर्णम्		१६६
८×३.५	८	२०	,,	,,	–	पूर्णम्		१६७
१०×४	१३	४०	,,	,,	१८३०	अपूर्णम्	कुल ८ पाण्डुलिपियां	१६८
७×३.५	८	२६	,,	,,	१६२४	पूर्णम्		१६६
१०.५×४.५	६	३३	,,	,,	–	पूर्णम्		१७०
६.५×४	६	४७	,,	,,	–	अपूर्णम्	१८ गणनया	१७१
१०×४	१४	४७	,,	,,	–	पूर्णम्		१७२

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१७३	५२८६	तृतीयाष्टकः		१-२३
१७४	३११८	शिवाथर्वशीर्षम्		१-६
१७५	३१७८	सूर्यार्थवशीर्षम्		१-३
१७६	२७२६	यजुसंहिताविकृति-जटापाठः		६२-६६
१७७	५७५०	वर्णक्रमलक्षणं (प्रातिशाख्यम्)		१-४७
१७८	५७४६	शाकलशैशिरीयशाखीय-परिभाषानुक्रमः	रामचन्द्र	१-३६
१७६	५७४३	आपस्तम्बआह्निकम्	कवि मंडन गोवर्धन	१-८६
१८०	४८८३	पुरुषसूक्तम्	-	१
१८१	४५६	यजुर्वेदसंहिता		१-३५८
१८२	३७६८	ऋग्वेदसंहिता-चतुर्थाष्टकः	पतभट्ट	१-१२१
१८३	५५५०ख	छांदोज्ञोपनिषद् प्रथम-अष्टम-प्रमा	-	१-३०५
१८४	५५५०क	वृहदारण्यभाष्यं-चतुर्थम्	-	१-४०४
१८५	३७६६	ऋग्वेदसंहिता-पंचमाष्टकः		१-१०८
१८६	१६५३	ब्राह्मणछन्दप्रयोगः		१-३
१८७	१५५५	सर्वानुक्रमपरिभाषा		१-४४
१८८	१६४६	वैदिकग्रन्थः		१-५६
१८६	५७४८	चातुर्ज्ञानप्रातिशाख्यम्		१-१७, १६-४१
१६०	५७४७	कात्यायनगृह्यसूत्रम्	देव	१-१११
१६१	४२४३	संहितापाठः	-	१६२+३
१६२	४२६३	वेदः	-	१-४

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६.४×४	७	३०	दे.ना.	कागज	-	पूर्णम्		१७३
५.५×३.८	७	२२	,,	,,	-	पूर्णम्		१७४
६×३	१२	२२	,,	,,	१६११	पूर्णम्		१७५
११.८×५	११	३६	,,	,,	-	अपूर्णम्		१७६
८×४.७	१०	२३	,,	,,	संवत् १८७६	पूर्णम्		१७७
८.२×४	६	२३	,,	,,	संवत् १७५४	पूर्णम्		१७८
८.२×४.५	१०	२६	,,	,,	-	पूर्णम्		१७६
८.५×४.५	३	२७	,,	,,	-	अपूर्णम्		१८०
१०×४.३	६	३५	,,	,,	-	पूर्णम्	प्रथमाष्टक से चतुर्थाष्टक तक	१८१
८.२×४	८	३१	,,	,,	शक १७०८	पूर्णम्	४६ दो पत्र	१८२
१४×७	१०	५२	,,	,,	संवत् १८६४	पूर्णम्		१८३
१३×७	१७	३८	,,	,,	-	पूर्णम्	चतुर्थ प्रपाठक से षष्ठ प्रपाठक तक	१८४
८×३.५	६	२८	,,	,,	-	अपूर्णम्		१८५
८×४	६	२८	,,	,,	-	पूर्णम्		१८६
८×४	७	२६	,,	,,	-	पूर्णम्		१८७
६×४	६	२५	,,	,,	-	पूर्णम्		१८८
६×२.५	६	३०	,,	,,	-	अपूर्णम्		१८६
८×४	१२	३४	,,	,,	-	अपूर्णम्	पत्र सं.	१६०
८.५×३.५	६	२६	,,	,,	-	अपूर्णम्	पत्र सं. ६६,१२६,१५४ की दो प्रति	१६१
७.३×३.८	१०	२५	,,	,,	१७८६	पूर्णम्		१६२

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१९३	५५९८	वृहदारण्यकोपनिषद्		१-४१
१९४	५४४८	दण्डकवेदः	गोपाल पाण्डेय	१-५६
१९५	३७५८	ऋग्वेदसंहिता-द्वितीयाष्टकः		१-७६
१९६	३७७१	पदपाठः		१-५
१९७	३८४०	रुद्राध्यायः		३० गणनया
१९८	३७५९	ऋग्वेदसंहिता तृतीयाष्टकः		१-८१
१९९	३७६५	ऋग्वेदसंहिता प्रथमाष्टकः	श्रीपति	१११
२००	५४३३	पञ्चमाष्टकः		१-६६
२०१	५४०५	निरुक्तं पूर्वषट्कम्		१-५९
२०२	४३११	श्रीसूक्तं, लक्ष्मीसूक्तम्		१-४
२०३	२६३१	सर्वपरिशिष्टम्		१-१८
२०४	१२६६	प्रैषाध्याय पुरोरुकम्	गोविन्द भट्ट	१-२४
२०५	५४१७	महारुद्रन्यासः		१-१९
२०६	२६११	पंचमआरण्यक-तृतीय-अध्यायः		१-३२
२०७	५४३५	ब्राह्मण-प्रथमपञ्चिका		१-२६
२०८	१०२०	ऋग्विधानम्	-	१-३
२०९	५४३६	ऐतरेयब्राह्मण-सप्तमपञ्चिका	-	१-२५
२१०	१०२९	श्रीसूक्तम्	-	१-५
२११	१३१०	पुरुषसूक्तम्	-	१-४
२१२	३७५७	ऋग्वेदसंहितापदक्रमप्रथमाष्टकः	-	१-६३
२१३	३६४४	अष्टविकृति तैत्तिरीयशाखीय आरण्यक-प्रथम-अध्यायः		१-२५
२१४	१०५५	रुद्रजपविधिः		२-२३

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
८×३.७	८	३६	दे.ना.	कागज	–	पूर्णम्		१९३
६.२×४	५	२२	,,	,,	–	पूर्णम्		१९४
८.६×४	११	३१	,,	,,	१८१२	पूर्णम्	पत्र ३८ दो प्रति	१९५
८.७×३.४	७	३२	,,	,,	१९१५	पूर्णम्		१९६
४.५×३.४	६	१५	,,	,,	–	अपूर्णम्		१९७
८.७×४	११	२६	,,	,,	–	पूर्णम्		१९८
८×३.६	८	२६	,,	,,	शक १७०६	पूर्णम्		१९९
६.३×४	८	३१	,,	,,	–	पूर्णम्		२००
८.२×३.७	१०	४०	,,	,,	सं. १८३३	पूर्णम्		२०१
५.५×३.८	१२	२२	,,	,,	–	पूर्णम्		२०२
७.२×३.५	८	२२	,,	,,	१९९०	पूर्णम्		२०३
६×३.५	७	२६	,,	,,	–	पूर्णम्		२०४
८×३	७	३३		–		पूर्णम्		२०५
८.३×३.५	१०	३०	,,	,,	शक १६६४	पूर्णम्		२०६
६×४	६	३३	,,	,,	१८४५	पूर्णम्		२०७
६×३.५	११	४४	,,	,,	–	अपूर्णम्		२०८
८×४	१०	३५	,,	,,	शक १६८२	पूर्णम्	सप्तम पञ्चिका	२०९
८.५×४.३	८	३६	,,	,,	–	पूर्णम्		२१०
७.५×४.५	८	१८	,,	,,	–	पूर्णम्		२११
८.७×४	११	२६	,,	,,	–	पूर्णम्	जीर्ण	२१२
८×४	६	३०	,,	,,	–	पूर्णम्		२१३
७.५×५	६	२१	,,	,,	–	अपूर्णम्		२१४

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२१५	३८७८	शिक्षा-चतुष्टयम्	–	१-३०
२१६	३८७६	ब्राह्मणग्रन्थः	–	१-२३
२१७	३८७६ख	ब्राह्मणग्रन्थः प्रथमः		१-१३
२१८	३८७६(ग)	ब्राह्मणग्रन्थः (द्वितीयः)	–	३-६
२१६	३८७६घ	ब्राह्मण ग्रन्थ (द्वितीयः)	,,	१-११
२२०	३७८८	अग्नीध्रः	–	१-३
२२१	३७८७	बालखिल्यशास्त्रम्	–	१-१५
२२२	३७८१	आश्वलायन-गृह्यसूत्रम्	रामकृष्ण	१-३२
२२३	४२२१	गायत्री-ब्राह्मणः	–	१-८
२२४	४२६२	पुरुषसूक्तम्	–	१-८
२२५	२०	सौरः	वाण्डेश्वर	१-६
२२६	३७७६	पञ्चमारण्यकः	बल्लात कुलकर्णी	१-६६
२२७	५३३२	वाचोव्रतपर्व	–	१-३
२२८	१२१२	मण्डलब्राह्मणः	–	१-४३
२२६	३७७५	निघण्टुः पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्धः	वल्लात कुलकर्णी	१-५५ एवं १-५७ उत्तरार्द्ध १११
२३०	३७७७	आश्वालायन श्रौतसूक्तम् पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध	,,	१-६८ एवं १-४३
२३१	१४७१	गृह्यसूत्रम्	–	१-२८
२३२	१६१६	अष्टमपंचिका	अनन्त भट्ट	४० गणनया
२३३	५४६७	तैत्तिरियक-नारायण-उपनिषद्भाष्यम्	–	१-६६

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
८.५×३.२	७	२८	दे.ना.	कागज	संवत १६०१	पूर्णम्		२१५
६.६×४	८	२७	,,	,,	-	अपूर्णम्		२१६
७.८×४.२	८	२४	,,	,,	-	अपूर्णम्		२१७
७.८×४	८	२८	,,	,,	-	अपूर्णम्		२१८
६.४×३.८	६	२८	,,	,,	-	अपूर्णम्		२१६
८.८×४	१०	३५	,,	,,	-	पूर्णम्		२२०
८.४×४	६	२५	,,	,,	-	पूर्णम्		२२१
८.५×४	६	२६	,,	,,	संवत १८८८	पूर्णम्		२२२
५.२×३.७	७	१८	डोगरी	,,	-	पूर्णम्	डोंगरी लिपि	२२३
३.६×२.६	४	६	,,	,,	-	अपूर्णम्		२२४
६×४	७	१५	,,	,,	संवत् १६६२	पूर्णम्		२२५
७×४.५	११	२५	,,	,,	संवत् १८००	पूर्णम्		२२६
६.१×४.१	११	२३	,,	,,	-	पूर्णम्		२२७
६.२×५	६	१८	,,	,,	सं. १६२८	पूर्णम्		२२८
७×४.५	१४	३३	,,	,,	संवत् १८६२	पूर्णम्	कुल ११२ पल	२२६
७.२×४.५	१३	२३	,,	,,	संवत् १८००	पूर्णम्	कुल १११ पल	२३०
१०.१×५.१	७	१८	,,	,,	,,	-	अपूर्णम्	२३१
५×२.८	८	२१			१५४७	पूर्णम्		२३२
८.४×६	१२	२६	,,	,,	-	पूर्णम्	यजुवेद के आरण्यक का याज्ञवल्क्य उत्पत्ति	२३३

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२३४	४०७८	रुद्राष्टाध्यायी षडङ्गपाठः	-	१-२८
२३५	३८७७	ब्राह्मणग्रन्थः प्रथमपञ्चिका	-	१-६
२३६	५६२६	यजुर्वेदसंहिता तृतीयअध्यायः	-	१-७
२३७	५५४२	गणेशाथर्वशीर्षम्	-	१-४
२३८	३६४८	ऐतरेयब्राह्मण संहितोपनिषद् भाष्यम्	शंकराचार्य	१-६६
२३९	४३७३	ब्रह्मविद्या		१-५
२४०	३९६४	रुद्राष्टाध्यायी	-	२-१८
२४१	५३९५	आश्वलायन-पशुहोत्रप्रयोगः	-	१-३, ५-६
२४२	२८३८	निरुक्त उत्तरषट्कम्	विश्वनाथ	१-६२, १-१०४
२४३	२८३४	प्रथमपंचिका यजुर्वेदब्राह्मणः	-	१-३१
२४४	२८३५	यजुर्वेद ब्राह्मण द्वितीय, तृतीय एवं अष्टम् पत्रिका	-	१-३८, १-३१ १-३३
२४५	२८२७	ऋग्वेदसंहिता द्वितीयाष्टकः, तृतीयाष्टकः, पंचमाष्टकः, सप्तामाष्टक एवं अष्टमाष्यकः पदपाठः		१-११८, १-११० १-११२, १-२४ एवं १-१२५
२४६	२७४९	संहिता-विकृतिपदपाठः पञ्चमाष्टकः		१-९१
२४७	२७५०	संहिता-विकृतिपदपाठः सप्तमाष्टकः		१-८८
२४८	२७५१	संहिता विकृतिपदपाठः सप्तमाष्टकः		१-६४
२४९	२७५२	संहिता-विकृतिपदपाठः अष्टमाष्टकः		१-५३, ८५-९७
२५०	२७६७	निरुक्त-उत्तरषट्कम्		११-११०, ११२-११३

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६×५	६	२२	दे.ना.	कागज	-	पूर्णम्	दो पत्र अतिरिक्त	२३४
८×३.७	१०	२७	,,	,,	-	अपूर्णम्		२३५
१२.६×४.७	१२	३६	,,	,,	-	पूर्णम्		२३६
४.७×२.८	८	२८	,,	,,	-	पूर्णम्		२३७
१२.६×६.४	१३	५१	,,	,,	-	पूर्णम्		२३८
८.५×४.२	७	३५	,,	,,	-	पूर्णम्		२३९
८.४×५.२	७	२४	,,	,,	-	अपूर्णम्		२४०
६.२×३.८	६	३६	,,	,,	-	अपूर्णम्		२४१
८.२×३.२	८	३२	,,	,,	शक १७२८	पूर्णम्	परि. सं. २८३८ एवं २८३९	२४२
८×३.७	७	३६	,,	,,	शक १७६०	पूर्णम्		२४३
८.३×७	७	४१	,,	,,	शक १७६०	पूर्णम्	परि.सं. २८३५-२८३६	२४४
६×३.७	७	३३	,,	,,	१८१४	अपूर्णम्	परि.सं. २८२७-२८३३	२४५
८.७×४.२	६	३४	,,	,,	१६१५	पूर्णम्		२४६
८.७×४.२	६	२७	,,	,,	१६१६	पूर्णम्		२४७
६.१×४.२	६	२६	,,	,,	१८५०	पूर्णम्		२४८
६×४.६	११	३१	,,	,,	१८७६	अपूर्णम्	अध्याय ५, ६, एवं ७ नहीं है	२४९
८.१×३.५	८	२४	,,	,,	१८६६	अपूर्णम्		२५०

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२५१	२७६९	निरुक्तं पूर्वषट्कम्		५-२७, २९-४२, ४४-६८
२५२	२७७०	निरुक्त-उत्तरषट्कम्		१-८१
२५३	२७७१	वाजसनेयीसंहिता	देवदत्त लिपि.	१-९६,१०२-१५१
२५४	२८३१	संहिता-विकृतिपदपाठ-षष्ठाष्टकः		१-६, ११-६५
२५५	२८१६	यजुर्वेदब्राह्मणः प्रथमाष्टकः		१-७६
२५६	२८१८	यजुर्वेदब्राह्मणः तृतीयाष्टकः		१-६, १२-१३१, १३४-१४१,१४६, १५१, १५८-१६०
२५७	२७६२	उत्तरसंहिता		१-९६
२५८	२७३८	शुक्लयजुर्वेदसंहिता		२८१-३३३, ३३७-४४५
२५९	२७७२	निघंटुः पंचमोध्यायः		२-१४
२६०	२५९९	तैतिरीयसंहिता विकृतिपदपाठः प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ, षष्ठ, सप्त	नारायण दीक्षित	१-६०३
२६१	२७५७	वेदमंत्राध्ययनविधिः		१-६
२६२	२७६६	निघंटुशिक्षाचतुष्टयम्		१-३०
२६३	२७५८	चरणव्यूहसूत्रम्		१-३
२६४	२७६३	इसाग्रयणेष्टि		१-३
२६५	२७५६	श्रीसूक्तविवरणम्	नारायण दीक्षित	१-३
२६६	३५६९	पवमानसूक्तम्		१-३९, ५४-८५
२६७	३५३१	ब्राह्मणग्रन्थः		१-६६
२६८	२८२१	यजुर्वेदसंहिता		३१९ गणनया

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
७.६×३.५	१०	२७	दे.ना.	कागज	१८६१	अपूर्णम्		२५१
७.६×३.५	६	२६	,,	,,	१८७१	पूर्णम्		२५२
८.६×३.५	६	२४	,,	,,	१८५१	अपूर्णम्	जीर्ण	२५३
८.६×४.२	६	३२	,,	,,	१६१५	अपूर्णम्		२५४
१०.६×४.३	१०	४४	,,	,,	–	पूर्णम्	पत्र सं. ६४ की दो प्रति	२५५
१०.७×४.४	६	३७	,,	,,	शक १७५२	अपूर्णम्		२५६
८.८×४	५	१८	,,	,,	सं. १६३५	पूर्णम्	जीर्ण	२५७
१०×४.७	५	२४	,,	,,	–	अपूर्णम्		२५८
८×३.३	७	३०	,,	,,	–	अपूर्णम्		२५६
८.५×३.४	६	२७	,,	,,	–	अपूर्णम्		२६०
६.८×४	८	३२	,,	,,	१७६२	पूर्णम्		२६१
८.७×३.६	७	२६	,,	,,	१८८६	पूर्णम्		२६२
६.४×४.१	१२	३३	,,	,,	१६२५	पूर्णम्		२६३
८.५×३.२	११	३३	,,	,,	१७८७	पूर्णम्		२६४
६.२×३.५	१२	४३	,,	,,	१८५८	पूर्णम्		२६५
५.४×४	७	१२	,,	,,	–	अपूर्णम्		२६६
८.८×३.८	६	२७	,,	,,	शक १७५४	पूर्णम्	षष्ठ और सप्तम पंचिका	२६७
६×५.२	५	१३	,,	,,	१६०४	अपूर्णम्		२६८

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२६९	३२७७	पर्जन्यसूक्तम्	गोपालदेव	१-३
२७०	३२६७	चरणव्यूहः	वेकटेंश	१-६
२७१	३५७०	ब्राह्मणग्रंथः	-	१-३०५
२७२	३५२७	ऋग्वेद संहिता प्रथम से सप्तमाष्टक तक		१-६०२
२७३	३५३६	ऐतरेय ब्राह्मण ग्रंथ प्रथम से अष्टम पञ्चिका	-	१-३७१
२७४	१८९७	प्रातिशाख्यम् (अष्टादश पटल)	शौनकाचार्य	१-४५
२७५	२०९५	गृह्यसूक्तसूत्रम्	रामचन्द्र	१-१७
२७६	२२१२	सर्वानुक्रमः	धुंडिनाथ	१-३४
२७७	२२०८	ऋग्वेद प्रथमाष्टकः		१-७८
२७८	१६६४	आपस्तम्बगृह्यप्रश्नः		१-१८
२७९	३५२९	ऋग्वेदसंहिता		१-२१९
२८०	१६४०	आश्वलायन-गृह्यसूत्रम्	नारायण	१-२७
२८१	२१४३	पारस्कर-गृह्यसूत्रम्		६-२६
२८२	३५६४	ब्राह्मणग्रन्थः षष्ठपञ्चिका	महादेव लिपि.	१-२२
२८३	१६२०	गणपत्यथर्वशीर्षम्		१-३
२८४	१६१६	शिवाथर्वशीर्षम्		१-६
२८५	१६२५	सामगानां ब्रह्मपद्धतिः	पुरुषोत्तम	१-३६
२८६	२०७१	लाट्यायनसूत्रम्		१-७०
२८७	३५३०	मन्त्रसंहिता		१-८६
२८८	३५३२	निरुक्त-उत्तरषट्कम्		१-१२०
२८९	३५३३	निरुक्त पूर्वषट्क		१-६३
२९०	३५३४	निरुक्त पूर्वषट्क		२-८५

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६.८×३.७	१०	२१	दे.ना.	कागज	-	पूर्णम्		२६६
६×३.८	६	२४	”	”	-	पूर्णम्		२७०
७×३.३	७	१६	”	”	-	पूर्णम्		२७१
६.५×४	६	४०	”	”	-	पूर्णम्		२७२
८.५×३.५	६	२६	”	”	संवत् १६७१	पूर्णम्	पंचम एवं सप्तम पञ्चिका की दो प्रतियां	२७३
६×४	७	३८	”	”	-	पूर्णम्		२७४
८.७×३.५	१२	४३	”	”	-	पूर्णम्		२७५
८×३.८	८	३३	”	”	शक १६६५	पूर्णम्		२७६
६×४	१०	३२	”	”	-	पूर्णम्		२७७
६.४×४.३	६	३१	”	”	-	पूर्णम्		२७८
६.५×४	६	३७	”	”	-	पूर्णम्	प्रथमाष्टक, तृतीयाष्टक, पञ्माष्टक	२७६
८.७×३.५	८	३६	”	”	१६३४	पूर्णम्		२८०
११.२×४.५	७	२४	”	”	-	अपूर्णम्		२८१
१०.५×३.७	८	४१	”	”	-	पूर्णम्		२८२
६×३.७	६	३२	”	”	शक १७५७	पूर्णम्		२८३
६.१×३.७	६	२८	”	”	शक १७५७	पूर्णम्		२८४
६.६×४	१६	२५	”	”	-	पूर्णम्		२८५
१०.५×४.५	१०	३५	”	”	१७०७	पूर्णम्		२८६
१०×४.४	१०	३६	”	”	-	अपूर्णम्	५ पत्र अतिरिक्त	२८७
६.४×४.२	८	३१	”	”	१६००	पूर्णम्		२८८
६.२×३.७	१०	३४	”	”	-	पूर्णम्		२८६
६.८×४.४	७	२८	”	”	-	अपूर्णम्		२६०

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२६१	३५३७	निरुक्त-पूर्वषट्कम्		१-१०१
२६२	३५३८	निरुक्त-उत्तरषट्कम्		१-६६
२६३	३५६३	निरुक्त-उत्तरषट्कम्	विनायक लिपि.	१-७८
२६४	२२११	ऐतरेयानुभूतिप्रकाशिका	विद्यारण्य	१-२२२
२६५	२३५४	वाजसनेयीसंहिता जटापाठः		१, ४, ६-५८, ७०-६१
२६६	२२६०	निघण्टुः		१-१६
२६७	२५११	बौधायनसूत्रम्		१-४
२६८	२३५२	संहितापदपाठः		१२६-२३६
२६६	२३७३	मन्युसूक्तम्		१-३
३००	२३५६	रुद्र-अग्नाविष्णू		१, ८-३०
३०१	२३५५	षडंगः		२-२५
३०२	१६४७	गोभिलगृह्यसूत्रम्		१-३४
३०३	१६४८	कात्यायनश्रौतसूत्रम्		१-४५
३०४	२४३२	सौत्रामणिः	-	१-३
३०५	२६५४	चरणव्यूहः	हरभट्ट लिपि.	१-५
३०६	२६२६	सामवेदसंहिता विकृतिपाठः		१७६ गणनयन
३०७	२६२८	सामवेदसहिता मंत्रविकृतिः		२-११७
३०८	२६२६	सामवेदस्तोत्रम्		१-२४
३०६	२६३०	सामवेद-पञ्चविधिसूत्रम्		१-६, ८-१२
३१०	२६६६	नारायणसूक्तम् एवं गुरुसूत्रम्		१-२, १-६
३११	२६५०	तैत्तिरीयब्राह्मण द्वितीय-प्रपाठकः		१-३०-७६
३१२	२६४५	प्रातिशाख्यम्		१-१०

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६.३×४.५	८	२२	दे.ना.	कागज	-	पूर्णम्		२६१
८.८×३.६	८	३३	,,	,,	-	पूर्णम्		२६२
८.६×३.७	६	३२	,,	,,	सं. १८७८	पूर्णम्		२६३
८.५×३.५	८	२७	,,	,,	-	पूर्णम्		२६४
६×३	७	२३	,,	,,	-	अपूर्णम्		२६५
६×३.६	७	२८	,,	,,	१८७२	पूर्णम्		२६६
६.३×४	१४	३३	,,	,,	-	अपूर्णम्		२६७
७.३×३.२	५	२१	,,	,,	१८६५	अपूर्णम्	गणनया ८ पत्र अतिरिक्त	२६८
६.५×३.५	६	२४	,,	,,	-	पूर्णम्		२६६
६.८×३.४	६	१७	,,	,,	-	अपूर्णम्	जीर्ण	३००
६×३	७	२२	,,	,,	-	अपूर्णम्		३०१
१०.४×३.७	१०	३५	,,	,,	१७१६	पूर्णम्		३०२
६.२×४	११	४६	,,	,,	-	पूर्णम्		३०३
१०.५×४.५	७	२७	,,	,,	-	पूर्णम्		३०४
६.६×४.३	११	२५	,,	,,	शक १७१८	पूर्णम्		३०५
८×३.५	५	२१	,,	,,	संवत १६६२	अपूर्णम्		३०६
८×३.५	५	२०	,,	,,	-	अपूर्णम्		३०७
८×३.५	५	१६	,,	,,	-	पूर्णम्		३०८
७.८×३.५	७	२८	,,	,,	१६६३	अपूर्णम्		३०६
६.७×४	६	२४	,,	,,	-	पूर्णम्		३१०
६.७×४	११	३७	,,	,,	१८८३	अपूर्णम्		३११
६.२×४	१०	४७	,,	,,	-	पूर्णम्		३१२

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
३१३	२६४८	मंत्रसंहिता		१-६७
३१४	२६४४	यजुःशाखोवाक्य लिंग मुक्तासत्र		१-१३
३१५	२६२७	ज्योतिष्टोम		१-१०
३१६	२४६५	ऐष्टिकैराह्निकम्		१-७
३१७	२२१५	अग्निष्टोमस्यौद्गातृत्वप्रयोगः		१-४८
३१८	२६४२	वृहदारण्यकव्याख्या	माधव	१-१७६
३१९	२२१८	ब्राह्मणद्वितीयपञ्चिका	प्रभाकर	१-२६
३२०	२२२०	प्रथमपंचिकापञ्मोऽध्यायः		१-२६
३२१	२२१९	पञ्चारण्यकः	-	१-४६
३२२	२२१६	आश्वलायनश्रौतसूत्रम्	-	१-८१
३२३	२२२७	ब्राह्मणः		१-६
३२४	२२६५	श्रौतसूत्रं पूर्वषट्कम्		१-१४, ३०-११६
३२५	२२६४	श्रौतसूत्रम् उत्तरषट्कम्		१-६५
३२६	१५८६	संस्कारगणपतौ चतुर्ष्णां वेदानां पृथक्-पृथक शाखाभेदः		१-८
३२७	२२२१	ब्राह्मणपंचिका	-	१-१६०
३२८	२३२५	वृहदारण्यकभाष्यम्		१-१८८
३२९	२०१५	आरण्यकः		१-५१
३३०	२०२६	ऋग्वेदः (पदपाठः)	सुषराम	१-१६१
३३१	३५७२	वाजसनेयीसंहिता		१-१२०, १२३-१४०, १४२-१५५
३३२	३५६१	यजुर्वेदसंहिता		१-२११

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
९.५×४.३	९	३०	दे.ना.	कागज	शक १७४७	पूर्णम्		३१३
१०×४		१०	३४	”	”	–	पूर्णम्	३१४
९.७×४.८	८	२९	,,	,,	१८२८	पूर्णम्		३१५
८×३.६	८	३१	”	”	–	पूर्णम्		३१६
६.६×३.५	६	२१	”	”	–	अपूर्णम्		३१७
९.२×४	६	३०	”	”	१७५०	पूर्णम्		३१८
९.६×३.५	६	३८	”	”	१८४७	पूर्णम्		३१९
९.५×३.५	७	३१	”	”	–	पूर्णम्	पत्र ६ एवं १६ दो प्रति	३२०
९.५×४	६	३४	”	”	१८८३	पूर्णम्		३२१
८.४×४	१२	३५	”	”	–	पूर्णम्		३२२
९.५×४	६	३३	”	”	–	अपूर्णम्		३२३
८.९×३.५	७	३०	”	”	१८५६	अपूर्णम्		३२४
९×३.५	७	३३	”	”	–	पूर्णम्		३२५
९.६×३	८	६१	,,	,,	–	पूर्णम्		३२६
९.४×४	८	३२	”	”	१८८३	पूर्णम्	३ पंचिका से ८ पंचिका	३२७
१०×५	१९	३४		”	”	–	पूर्णम्	३२८
८.५×३.५	७	३८	”	”	शक १६५८	पूर्णम्		३२९
९.८×४	७	२४	”	”	१८५०	पूर्णम्		३३०
९.५×४.५	८	२२	”	”	–	अपूर्णम्	पृ. सं. १ की दो प्रति	३३१
८.५×४	७	२३	,,	,,	–	पूर्णम्		३३२

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
३३३	३५७६	वाजसनेयीसंहिता		१२३ गणनया
३३४	२१२२	ब्रह्मविद्या-उपनिषद्		१-६
३३५	२०१०	प्रश्नोपनिषत्		१-१६
३३६	२०११	कठवल्योपनिषद्		१-२१
३३७	३५४८	मांडूक्योपनिषद्		१-२
३३८	३५४७	शिवोपनिषद्		१-३
३३९	२११६	मुडकोपनिषद्	–	१-६
३४०	२०१२	ईशावास्योपनिषद्	–	१-३
३४१	३५४९	छांदोग्योपनिषद्	–	१-८
३४२	३५५०	भृगु-उपनिषद्	–	१-६
३४३	३५३५	ऐतरेयोपनिषद्		१-८
३४४	३२५८	नारायणोपनिषद्	–	१-४
३४५	१६००	प्रश्नोपनिषद्-भाष्यम्	–	१-६३
३४६	१८७३	ब्रह्मोपनिषद्	–	१-५
३४७	२२०६	छान्दोग्योपनिषद्		१-५६
३४८	४४४४	मुण्डकोपनिषद्	–	६ गणनया
३४९	२२१०	शांखायनारण्यकम्	–	१-३९
३५०	१६७८	भृगुवल्ली-उपनिषत्	–	१-११
३५१	२०८४	केनोपनिषत्	–	१-६
३५२	३५१६	अमृतोपनिषद्		१-११
३५३	२०६४	कठोपनिषद्		१-१०
३५४	२०६१	श्वेताश्वेतरोपनिषद्		१-९
३५५	१६०१	अथर्वणोपनिषद् भाष्यम्	शंकराचार्य	१-२२
३५६	२२०६	आरण्यकः	रामेश्वर	१-४४
३५७	२०३५	केनोपनिषद् एवं पदभाष्यटिप्पणी		१-७ एवं १-२८

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६.४×४.५	७	२०	दे.ना.	कागज	-	अपूर्णम्		३३३
६.८×४.५	१०	१७	,,	,,	-	पूर्णम्		३३४
६×४	७	२१	,,	,,	-	पूर्णम्		३३५
६×४	७	१८	,,	,,	-	पूर्णम्		३३६
८.४×४	१०	२६	,,	,,	-	पूर्णम्		३३७
७.५×३.७	७	२८	,,	,,	-	पूर्णम्		३३८
७×४	११	२७	,,	,,	-	पूर्णम्		३३९
५×४	७	१६	,,	,,	-	पूर्णम्		३४०
८.४×४	१०	२६	,,	,,	-	पूर्णम्		३४१
६.४×४	५	२६	,,	,,	-	पूर्णम्		३४२
६.६×४	६	२६	,,	,,	१६११	पूर्णम्		३४३
८×४	८	२१	,,	,,	-	पूर्णम्		३४४
१०×४	८	२८	,,	,,	-	पूर्णम्		३४५
८×५	१३	२३	,,	,,	-	पूर्णम्		३४६
६.४×४.४	११	२७	,,	,,	१६६५	पूर्णम्		३४७
७×३.८	६	२०	,,	,,	-	अपूर्णम्		३४८
६.५×४.१	१०	३२	,,	,,	१७७८	पूर्णम्		३४९
६.२×४	७	२०	,,	,,	-	पूर्णम्		३५०
६.२×४	७	२०	,,	,,	-	पूर्णम्		३५१
१२×४	११	४२	,,	,,	-	पूर्णम्		३५२
७.५×४.३	११	२३	,,	,,	-	पूर्णम्	द्वितीयाध्याय तृतीय वल्ली तक	३५३
६.२×३.८	९	३२	,,	,,	१८५९	पूर्णम्	षष्टोध्याय	३५४
६.९×४.२	१२	४२	,,	,,	-	पूर्णम्		३५५
१०×४	९	२७	,,	,,	१७७४	पूर्णम्		३५६
१२.४×४.७	१२	५०	,,	,,	-	पूर्णम्		३५७

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
३५८	६०१	केनोपनिषद्		१-६
३५९	६१२	श्रीसूक्तभाष्यम्		१-५
३६०	४५८	बृहदारण्यक-भाष्यटीका	भगवदानन्द	१-३३
३६१	६०३	तवल्कारोपनिषद् (केनोपनिषद् व्याख्या)	शंकराचार्य	२-१०
३६२	४५३	ईशावास्यदीपिका	शंकरानन्द	१० गणनया
३६३	४४७	जावाल्युपनिषद्		१-२
३६४	४४०	(ब्रजसूच्युपनिषद्) उपनिषद् भाष्यम्		१-५
३६५	४५१	बृहदारण्यक-भाष्यटीका	भगवदानन्द	३९-७६
३६६	३५२४	केनोपनिषद् क्षुद्रगणे वाक्य विवरणम्		१-१६
३६७	३५२५	केनोपनिषद् शांकरभाष्यम्		१-१८
३६८	३५५१	भृगु उपनिषद्		१-४
३६९	३५५२	कैवल्योपनिषद् शांकरभाष्यम्	शंकराचार्य	१-१६
३७०	३५१९	ऐतरेयोपनिषद् शांकरभाष्यम्	शंकराचार्य	१९ गणनया
३७१	३५१८	तैत्तिरीयोपनिषद् भाष्यम्	,,	१-१९
३७२	३५१५	ऐतरयोपनिषद् भाष्यम्	-	१-४६
३७३	४२४६	शिक्षोपनिषद्	-	१-८
३७४	४२५१	चितिसुक्-उपनिषद्	-	१-१८
३७५	४४१६	रुद्राष्टाध्यायीयमंत्रः	-	१-२
३७६	२५१८	अध्यात्मोपनिषद्	-	१-४
३७७	३३६६	आपस्तम्बश्रावणी		२-२५
३७८	४३६५	मुण्डकभाष्यटिप्पणी		१-१५
३७९	४२४७	अन्नब्रह्मोपनिषद्		१-५
३८०	२९८८	अथर्वणतापनीयोपनिषद्		१-१३, १५-१७
३८१	२९८९	माण्डुक्योपनिषद्	गौडपादाचार्य	१-७

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१२.४×४.५	१२	६३	दे.ना.	कागज	–	पूर्णम्		३५८
११.५×३.५	१५	३७	,,	,,	–	पूर्णम्		३५९
१२.३×४.७	११	६७	,,	,,	–	पूर्णम्	४ अध्याय	३६०
१२×४.३	११	६४	,,	,,	–	अपूर्णम्		३६१
१०.७×४.५	१०	४०	,,	,,	१६३३	पूर्णम्		३६२
१०.६×४.४	९	३६	,,	,,	–	पूर्णम्		३६३
१२.३×४.७	१२	६६	,,	,,	–	पूर्णम्		३६४
१२.३×४.७	११	६०	,,	,,	१८४५	अपूर्णम्		३६५
१२×४	११	४३	,,	,,	–	पूर्णम्		३६६
१२×४.३	११	४४	,,	,,	–	पूर्णम्		३६७
६×४	८	३२	,,	,,	–	पूर्णम्		३६८
६.२×४	११	२६	,,	,,	–	पूर्णम्		३६९
१२.२×४	११	५०	,,	,,	–	पूर्णम्		३७०
१२.२×४	१०	४८	,,	,,	–	पूर्णम्		३७१
१३.५×७	१२	४१	,,	,,	–	पूर्णम्		३७२
७.५×४	७	२२	,,	,,	–	पूर्णम्		३७३
६×३.६	७	२२	,,	,,	–	पूर्णम्		३७४
८.४×४.२	९	३६	,,	,,	–	अपूर्णम्		३७५
१४×५	९	४५	,,	,,	–	पूर्णम्		३७६
८×४	९	३१	,,	,,	१६२०	अपूर्णम्		३७७
६.१×४.८	१२	२८	,,	,,	–	पूर्णम्		३७८
७.२×३.८	९	२४	,,	,,	–	पूर्णम्		३७९
५.५×४.४	१३	१७	,,	,,	–	अपूर्णम्		३८०
६×३.७	९	१६	,,	,,	शक १६४६	पूर्णम्		३८१

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
३८२	२३५३	प्रातिशाख्यभाष्यम्		१३६ गणनया
३८३	३५२०	अतिनादोपनिषद्		१-३८
३८४	३५६१	शिक्षोपनिषद्		१-१०
३८५	४२४६	शिक्षा-उपनिषद्		१-८
३८६	३२११	गोपीचन्दनोपनिषद्		१-३
३८७	४२४४	कात्यायनसूत्रम्		१-१४१
३८८	४४२७	श्रीसूक्तम्		१-३
३८९	४४८४	वेदविषयकः	-	१-२
३९०	२०३४	नारायणोपनिषद्	-	१-४
३९१	३५५५	नृसिंहतापिन्युपनिषद्	-	१-१३
३९२	३५५६	शिक्षोपनिषद्	-	१-५
३९३	१९१८	नारायणोपनिषद्	-	१-३
३९४	१९२६	केनोपनिषद्	-	१-३
३९५	१९२७	ईषोपनिषद्	-	१-२
३९६	१९२९	तैतरेय उपनिषद्	-	१-५
३९७	१९४२	नारायणधर्मोपनिषद्	-	१-१६
३९८	३५५७	नारायणोपनिषद्	-	१-१०५
३९९	३५६०	भृगुर्वै-उपनिषद्	-	१-६
४००	३२८२	आरण्यकोपनिषद्	-	१-१२
४०१	३५२०	अतिनादोपनिषद्	-	१-३५
४०२	७७०	देव्युपनिषद्	-	१-४
४०३	२६२९	आश्वलायनसूत्रम्	१,३-२४७	
४०४	२८४७	ईशोपनिषद्		१-१२
४०५	२८४८	तैतिरीयोपनिषद् भाष्यम्	शंकराचार्य	१-३६
४०६	३३५२	आपस्तम्बगृह्यप्रश्नः		१-११
४०७	३२८८	उपनिषद्		१-१६
४०८	१८४	आश्रमोपनिषद्	-	१-३

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६.१×३	८	२६	दे.ना.	कागज	–	अपूर्णम्		३८२
१२.२×४	११	४०	”	”	–	पूर्णम्		३८३
६×३.८	७	१७	”	”	–	पूर्णम्		३८४
७.६×३.८	७	२३	”	”	–	पूर्णम्		३८५
८.७×४	८	४३	”	”	–	पूर्णम्		३८६
७.२×३.१०	५	२५	”	”	–	अपूर्णम्		३८७
६×४	६	१८	”	”	–	अपूर्णम्		३८८
६×४.६	८	२३	”	”	–	अपूर्णम्		३८९
६×३.६	११	६	”	”	–	अपूर्णम्		३९०
१०×४	१३	४३	”	”	–	पूर्णम्		३९१
६.५×४.१०	१०	३२	”	”	–	पूर्णम्		३९२
६×४	६	३०	”	”	–	पूर्णम्		३९३
११×४	६	४१	”	”	–	पूर्णम्		३९४
११×४	६	४४	”	”	–	पूर्णम्		३९५
१०×४	६	३२	”	”	–	पूर्णम्		३९६
८.५×३.१०	१३	५३	”	”	–	पूर्णम्		३९७
६×४	६	१५	”	”	१७४५	पूर्णम्		३९८
६×४	७	१४	”	”	–	पूर्णम्		३९९
६.२×४	१०	१८	”	”	–	अपूर्णम्		४००
१२×४	१२	४०	”	”	–	पूर्णम्		४०१
११×४	८	४०	”	”	–	पूर्णम्		४०२
६.५×४	६	३७	”	”	–	अपूर्णम्		४०३
१२.३×६.२	१५	४६	”	”	–	पूर्णम्		४०४
१३.८×५	१०	५४	”	”	–	पूर्णम्		४०५
१०.५×४.५	६	३८	”	”	–	पूर्णम्		४०६
६.२×४	६	१५	”	”	–	अपूर्णम्		४०७
११×४.६	८	३०	”	”	–	पूर्णम्		४०८

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
४०६	१८३४	मुण्डकभाष्यटिप्पणम्	–	१-१७
४१०	७४०	शिवोपनिषद्	–	१-२५
४११	५३३	जाबालोपनिषद्	–	१-४
४१२	५४५	पाशुपति-ब्राह्मोपनिषद्	–	१-५
४१३	५३२	कौषीतक्युपनिषद्	–	१-१५
४१४	१६३५	श्वेताश्वतरोपनिषद्	–	१-१३
४१५	१३४६	वज्रसूच्युपनिषद्	–	१-२
४१६	३५५६	भृगुवल्लि-उपनिषद्	–	१-६
४१७	३५५८	ईशावास्योपनिषद्	–	१-६
४१८	३५५४	नृसिंहोतरतापनीयोपनिषद्	–	१-१०
४१६	३५४६	ईशावास्योपनिषद्	–	१-२
४२०	३५४४	केनोपनिषद्	–	१-३
४२१	३५४५	वृहदारण्यकोपनिषद्	–	१-२१
४२२	३५५३	नारदोपनिषद्	–	१-३
४२३	२५८५	प्रश्नोपनिषद् भाष्यम्	–	१-२०
४२४	२५८६	मुण्डकोपनिषद् भाष्यम्	–	१-८
४२५	२५८६	कठवल्लीभाष्यम्	–	१-३५
४२६	१८३१	छान्दोग्योपनिषद्	–	१-५४
४२७	७७६	मृत्युलाङ्गूलोपनिषद्	–	१-१
४२८	७०३	अल्लोपनिषद्	–	१-१
४२६	२५८७	बृहदारण्यकभाष्यम्	शंकराचार्य	१-४०४
४३०	५२६४	अथर्ववेदोत्त्ममुपनिषद्		१-३
४३१	२६५८	उपनिषद्	–	१-२५
४३२	५२६६	सुबालोपनिषद्		१-१५
४३३	३५४३	प्रश्नोपनिषद्		१-८
४३४	३४०१	आश्वलायनगृहपरिशिष्टम्		१-५०

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
९.१×४.२	८	३७	दे.ना.	कागज	–	पूर्णम्		४०९
१०.७×४.५	८	५८	”	”	सं. १९४२	पूर्णम्		४१०
१०.५×४.५	९	४३	”	”	–	पूर्णम्		४११
१०.६×४.५	९	४०	”	”	–	पूर्णम्		४१२
१०.५×४.५	९	३३	”	”	–	पूर्णम्		४१३
८×४	९	२८	”	”	–	पूर्णम्		४१४
१०.५×४.३	९	३५	”	”	१९३७	पूर्णम्		४१५
६×३.९	७	१७	”	”	–	पूर्णम्		४१६
६×४	९	१६	”	”	–	पूर्णम्		४१७
९.५×४	१०	४०	”	”	–	पूर्णम्		४१८
८×४	९	२९	”	”	–	पूर्णम्		४१९
८.५×४	११	३३	”	”	–	पूर्णम्		४२०
८.२×४	९	२८	”	”	–	पूर्णम्		४२१
९×३.८	७	३०	”	”	–	पूर्णम्		४२२
१२×४.९	१२	६६	”	”	–	पूर्णम्		४२३
१२.४×४.९	११	६८	”	”	–	पूर्णम्		४२४
१२.२×५	११	६६	”	”	–	पूर्णम्		४२५
१०×४	८	४१	”	”	१८४७	अपूर्णम्		४२६
११.५×७.५	२५	२२	”	”	–	पूर्णम्	खण्डित	४२७
१०.५×४.५	८	३०	”	”	–	पूर्णम्		४२८
१२.४×५	११	४६	”	”	–	पूर्णम्		४२९
११×४.२	९	४०	”	”	–	पूर्णम्		४३०
७.५×४.२	७	३०	”	”	–	अपूर्णम्		४३१
९.३×४	७	३१	”	”	–	पूर्णम्		४३२
८.४×४	१०	३०	”	”	–	पूर्णम्		४३३
८.१×४	९	२७	”	”	–	पूर्णम्		४३४

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
४३५	३५४०	कठोपनिषद्		१-११
४३६	३५४१	मुंडकोपनिषद्		१-७
४३७	२५८४	अथर्वणोपनिषद् प्रश्नभाष्यम्		१-१३
४३८	५२४१	श्वेताश्वतरव्याख्या		१-२१
४३९	२५८३	मुण्डकभाष्य	शंकराचार्य	१-३९
४४०	३३७१	विशेषप्रायश्चितम्		१-३
४४१	७००	केनोपनिषद्		१-१२
४४२	१३६६	माण्डूक्योपनिषद् दीपिका		१-६
४४३	३६०४	भृगोपनिषद् शिक्षोपनिषद् ब्रह्मविद्योपनिद्	वासुदेव	१-७
४४४	३८७०	छान्दोग्योपनिषद्		१-५४
४४५	५५००	सुबालोपनिषत्		१-११
४४६	५४१९	पिंडोपनिषत्		१-५
४४७	१३६२	नारायणोपनिषद्		१-४
४४८	११४०	छान्दोग्योपनिषद्		२८-६२
४४९	५४२६	भृगुवली उपनिषद्		१-२४
४५०	५४३२	कठवल्ली		१-१०
४५१	५४४४	गोपालोत्तरतापिनीयोपनिषद्		१-१४
४५२	५४४२	प्रश्नोपनिषत्		१-१४
४५३	५३५३	अथर्वशीर्षोपनिषद्		१-७
४५४	६८९	निरालम्बोपनिषद्		१-६
४५५	५६०४	वृहदारण्यकोपनिषद्		१-३२
४५६	३६३१	ध्यानविन्दु-उपनिषद्	-	१-२३
४५७	२१७७	प्रश्नोपनिषद्	-	१-१९
४५८	५५०१	मैत्रेयय्युपनिषद्	-	१-२६
४५९	५४९८	श्वेताश्वत्तरोपनिषद्	-	१-१०
४६०	१११०	मैत्रेयुपनिषद्	-	१-३

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६×४	१०	२६	दे.ना.	कागज	-	पूर्णम्	दो पत्र ७	४३५
८.३×४	१०	२७	,,	,,	१७६६	पूर्णम्		४३६
१२.४×४.५	१२	७२	,,	,,	-	पूर्णम्		४३७
१३.२×५	१३	५३	,,	,,	-	पूर्णम्		४३८
१२.२×४.६	११	५८	,,	,,	१८४१	पूर्णम्		४३९
६×४.१	१०	३६	,,	,,	-	पूर्णम्		४४०
१२.४×४.१	११	५८	,,	,,	-	पूर्णम्		४४१
१०.५×४.७	१०	३१	,,	,,	-	पूर्णम्		४४२
६.२×४.३	१२	२८	,,	,,	१८८३	पूर्णम्		४४३
१०.५×४.५	८	३७	,,	,,	-	पूर्णम्		४४४
१०.५×४.५	६	३६	,,	,,	-	पूर्णम्		४४५
१०.४×४.२	८	३४	,,	,,	-	पूर्णम्		४४६
६.८×४.५	११	३२	,,	,,	-	पूर्णम्		४४७
१०×४	८	३४	,,	,,	१६५४	अपूर्णम्		४४८
८.६×४	७	२५	,,	,,	-	पूर्णम्		४४९
६.५×४	७	३७	,,	,,	-	पूर्णम्		४५०
६.८×४.३	७	३६	,,	,,	-	पूर्णम्		४५१
६.२×४	५	२७	,,	,,	-	पूर्णम्		४५२
६.५×४	६	३४	,,	,,	-	पूर्णम्		४५३
८.६×३.६	६	२३	,,	,,	-	पूर्णम्		४५४
६.५×४.२	१३	४१	,,	,,	-	पूर्णम्		४५५
८.४×४.८	६	२७	,,	,,	-	पूर्णम्		४५६
६×३.६	७	२६	,,	,,	-	पूर्णम्		४५७
६.३×४	७	४०	,,	,,	-	पूर्णम्		४५८
१०.४×४.४	६	३३	,,	,,	-	पूर्णम्		४५९
११×४.५	८	३४	,,	,,	-	पूर्णम्		४६०

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
४६१	१००१	क्षरिकोपनिषद्	–	१-२
४६२	५४२१	आरण्योपनिषद्	–	१-१८
४६३	५३६५	दक्षिणामूर्तेरूपनिषद्	–	१-५
४६४	५३६६	योगतत्वोपनिषद्	–	१-६
४६५	२६०	कालाग्निरुद्रोपनिषद्	–	१-४
४६६	१५५६	ऐतरेयोपनिषद्	–	१-५६
४६७	१६०२	व्रजसूची-उपनिषद्	–	१-८
४६८	२१७५	छांदोग्योपनिषद्	–	१-६६
४६९	३८२०	परमहंषोपनिषद्	–	१-६
४७०	१६३७	आपस्तम्बधर्मसूत्रम्		१-१४, २९-६५
४७१	५५९७	तैतिरीयान्युपनिषदानि		१-१२८
४७२	१०१०	रुद्रहृदयोपनिषद्		१-३
४७३	५१३७	गर्भोपनिषद्		१-१०
४७४	५४४	बृहदारण्यकभाष्यटीका पञ्चमोऽध्यायः	भगवदानन्द	१-३०
४७५	५३७	बृहदारण्यकभाष्यम्		१-३८
४७६	३६६५	केनोपनिषद् वाक्यविवरणम्	शंकराचार्य	१-२२
४७७	३६१५	शिक्षोपनिषद् भाष्यम्	सायणाचार्य	१-४४
४७८	३६६६	ईशावास्योपनिषत् भाष्यम्	शंकराचार्य	१-१५
४७९	३६६७	भृगुनामकोपनिषद् भाष्यम्	”	१-८
४८०	३६६८	तैतिरीयोपनिषद् भाष्यम्	”	१-३४
४८१	३६६९	शिक्षोपनिषद् भाष्यम्	”	१-२२
४८२	२५८१	मुण्डकोपनिषद्	–	१-८
४८३	५१२८	ईशाभाष्यउपनिषद्	–	१-२७
४८४	५३६	वृहदारण्यकभाष्यम्	–	१-१३
४८५	३६८०	कठवल्ली भाष्यम्	शंकराचार्य	१-७८

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१०.३×४.६	६	३४	दे.ना.	कागज	–	पूर्णम्		४६१
६.३×५	१०	२६	,,	,,	–	पूर्णम्		४६२
५.८×३.१०	६	१७	,,	,,	–	पूर्णम्		४६३
६.४×४	८	२६	,,	,,	–	पूर्णम्		४६४
६×४	६	३०	,,	,,	–	पूर्णम्		४६५
८.५×३.६	६	२७	,,	,,	–	पूर्णम्		४६६
६×४.६	७	२४	,,	,,	–	पूर्णम्		४६७
८.५×४	७	३६	,,	,,	१७५६	पूर्णम्		४६८
६×३	५	२२	,,	,,	–	पूर्णम्		४६९
११.३×३.७	६	४५	,,	,,	१६५४	अपूर्णम्		४७०
६.५×४.५	७	२७	,,	,,	१८४४	अपूर्णम्	जीर्ण	४७१
१०.५×४.५	६	३८	,,	,,	–	पूर्णम्		४७२
१०.५×४.५	६	३७	,,	,,	–	पूर्णम्		४७३
१२.५×४.८	११	७०	,,	,,	–	पूर्णम्		४७४
१२.५×४.८	११	५४	,,	,,	–	अपूर्णम्		४७५
१२.५×६	१५	५०	,,	,,	–	पूर्णम्		४७६
१३×५	११	६३	,,	,,	–	पूर्णम्	पत्र १३ एवं २० दो प्रति	४७७
१२.४×६.१	१३	४०	,,	,,	१८७०	पूर्णम्		४७८
१२.३×६	१७	४६	,,	,,	–	पूर्णम्		४७९
११×६	१६	४७	,,	,,	–	पूर्णम्		४८०
१२.६×६.२	१३	४०	,,	,,	–	पूर्णम्		४८१
८.३×४.२	८	२६	,,	,,	–	पूर्णम्		४८२
११×५	६	२४	,,	,,	–	पूर्णम्		४८३
१२×५	१०	५१	,,	,,	–	पूर्णम्		४८४
१२.५×६	१४	४८	,,	,,	–	पूर्णम्		४८५

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
४८६	३६८१	अथर्वणोपनिषत् प्रश्नभाष्यम्	,,	१-५६
४८७	३६७०	केनोपनिषद् भाष्यम्	,,	१-१६
४८८	३६०८	प्रश्नोपनिषद् भाष्यम्	,,	१-२०
४८६	५११४	प्रश्नोपनिषत् प्रकाशिका	रंगमानुज	१-१८
४६०	५११५	वृहदारण्यक प्रकाशिका	रंगरामानुजमुनि	१-१७२
४६१	५४५१	श्वेताश्वेतर व्याख्या षष्ठाध्यायः		१-२८
४६२	३६४२	गारुडोपनिषद्		१-४
४६३	१६८१	छान्दोग्योपनिषद् टीका		१-२५
४६४	५२१०	सर्वोपनिषत् सारः	शंकराचार्य	१-५
४६५	५२११	नृसिंहोत्तरतापिनी उपनिषद्	गंगाधर	१-६
४६६	५१६६	द्रविडोपनिषन्तात्पर्यरत्नावली	वेंटकनाथ	१-१५
४६७	५१३६	निरालम्बोपनिषत्		१-२
४६८	५११६	छान्दोग्योपनिषद्		१-५४
४६६	५६५७	पुरुषसूक्तव्याख्या		१-६
५००	५६८८	प्रश्नोपनिषद्		१-८
५०१	१२०६	माण्डुक्योपनिषद्		१-३७
५०२	१३२०	चाक्षुषोपनिषद्		१-३
५०३	५७०४	छान्दोग्योपनिषद्		१-५
५०४	११६८	योगतत्वोपनिषद्		१-६
५०५	१०१६	अन्नोपनिषद्		१-५
५०६	२७६	माण्डुक्योपनिषद् प्रथम-प्रकरणम्	गौडपाद	१-११
५०७	५४२	नारायणोपनिषद्		१-३
५०८	४१४	केनोपनिषत्		१-३
५०६	३१७५	सूर्यनेत्रोपनिषद्		२-५
५१०	३१२३	तत्वोपनिषद्	दत्तात्रेय	१-२
५११	३१२२	शतरुद्रीयोपनिषत्		१-४

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१२.५×६.२	१५	४४	दे.ना.	कागज	–	पूर्णम्		४८६
१२.५×६.२	१४	५०	,,	,,	–	पूर्णम्		४८७
१२.६×५	१०	५५	,,	,,	–	पूर्णम्		४८८
१२.३×५.३	१२	४४	,,	,,	–	पूर्णम्		४८९
१२.३×६	११	४०	,,	,,	१८८८	पूर्णम्		४९०
१०.७×५.५	१०	३६	,,	,,	–	पूर्णम्		४९१
९.५×५.२	१०	३३	,,	,,	–	पूर्णम्		४९२
१३.५×७	१४	४०	,,	,,	–	अपूर्णम्		४९३
६.५×४.५	८	२०	,,	,,	१७७७	पूर्णम्		४९४
७.९×४	१६	३३	,,	,,	–	पूर्णम्		४९५
१४.२×५.७	६	४६	,,	,,	–	पूर्णम्		४९६
१०.५×४.३	१३	३५	,,	,,	–	पूर्णम्		४९७
१२.५×६.८	१३	४५	,,	,,	–	पूर्णम्		४९८
११×४.५	१२	४३	,,	,,	–	पूर्णम्		४९९
९.५×४	७	३१	,,	,,	–	पूर्णम्		५००
६.२×४	८	१७	,,	,,	१७४६	पूर्णम्	पत्र सं. १ की दो प्रति	५०१
६.३×३.५	६	२०	,,	,,	१९६३	पूर्णम्		५०२
८.५×४	१२	३९	,,	,,	–	पूर्णम्		५०३
१०×४.२	८	३७	,,	,,	–	पूर्णम्		५०४
६.३×३.७	६	१६	,,	,,	–	पूर्णम्		५०५
८×५.५	१४	२८	,,	,,	–	पूर्णम्	गौडपाद की व्याख्या	५०६
७.५×४.७	६	१८	,,	,,	१९२२	पूर्णम्		५०७
९×४	६	२७	,,	,,	१९४०	पूर्णम्		५०८
५.२×३.२	५	१४	,,	,,	–	अपूर्णम्		५०९
५.८×३.५	७	१६	,,	,,	–	पूर्णम्		५१०
५.६×३.८	८	१८	,,	,,	–	पूर्णम्		५११

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
५१२	३१२४	हरिश्चन्द्रोपनिषद्		१-७
५१३	३१७६	गोपीचन्दनोपनिषत्		३-६
५१४	३१२५	भृगु-पनिषत्	बालकृष्ण	१-५
५१५	५६४८	तवलकारोपनिषद् व्याख्या		१-५
५१६	५५६६	श्वेताश्वतरोपनिषद्		१-६
५१७	२१६१	उपनिषद् संग्रहः		१-८३
५१८	५५८६	छान्दोग्योपनिषत्		१-२०
५१९	५६२४	ऐतरेयोपनिषद् (द्वितीयारण्यक)		१-६
५२०	५६४४	कठवल्लीभाष्यम्		१-२, १-१२
५२१	३६४६	मांडुक्यभाष्य चतुर्थप्रकर्णपर्यन्त	शंकराचार्य	१-१४१
५२२	३६६	रुद्रोपनिषत्		१-२५
५२३	५७८२	श्वेताश्वतरोपनिषद् प्रकाशिका	रंगरामानुजमुनि	१-२४
५२४	५७८४	मुण्डकोपनिषद् प्रकाशिका		१-२७
५२५	५७८३	कौशीतक्युपनिषद् प्रकाशिका		१-२०
५२६	५७८१	तैतिरीयोपनिषद् प्रकाशिका	रंगरामनुजमुनि	१-४६
५२७	४८००	मृत्युलाङ्गूलोपनिषत्		१-१
५२८	४८२६	चाक्षुषोपनिषद्		१-१
५२९	५००३	माण्डुक्योपनिषद्		१-१
५३०	४६४१	अवधूतोपनिषद्		१-४
५३१	५६६६	वेदविषयकः	पाण्डुभिडे	१-११
५३२	४२४१	ब्राह्मणः पंचमप्रपाठकः	-	१-१८१
५३३	५११७	छान्दोग्योपनिषत् प्रकाशिका	रंगरामानुजमुनि	१-१४०
५३४	३६२७	रुद्रभाष्यम्	विद्यारण्य	१-२६
५३५	३६७२	हौत्रिक परिशिष्टभाष्यम्		१-१५
५३६	३६६२	वृहज्जाबालोपनिषद्		१-८
५३७	५२५७	मैत्रायणी-उपनिषद्		१-४
५३८	५२३०	नारायणोपनिषद्		१-२८

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
४.७×३.५	७	१५	दे.ना.	कागज	–	अपूर्णम्		५१२
६×४	८	१७	,,	,,	–	अपूर्णम्		५१३
५.८×३.८	१०	२२	,,	,,	–	पूर्णम्		५१४
१३.५×५.३	१२	५०	,,	,,	–	पूर्णम्	केन सटीक	५१५
१२.५×६.५	११	४३	,,	,,	१८६६	पूर्णम्		५१६
६.७×५.३	१०	३४	,,	,,	–	अपूर्णम्		५१७
१०×५	१०	३१	,,	,,	–	पूर्णम्		५१८
१०×४.३	७	२६	,,	,,	–	पूर्णम्		५१९
१०×४.३	११	३३	,,	,,	–	पूर्णम्		५२०
१२.३×६	१३	४२	,,	,,	–	पूर्णम्		५२१
१०.६×४.५	७	२६	,,	,,	–	पूर्णम्		५२२
१२.३×५.२	१२	५०	,,	,,	–	पूर्णम्		५२३
१२.३×५.२	१३	४७	,,	,,	–	पूर्णम्		५२४
१२.५×५.६	१५	४३	,,	,,	–	पूर्णम्		५२५
१२.५×५	१२	४४	,,	,,	–	पूर्णम्		५२६
७×४	१४	३०	,,	,,	–	पूर्णम्		५२७
१०.३×६.१	१८	२०	,,	,,	–	पूर्णम्		५२८
६.३×६	१४	२७	,,	,,	–	पूर्णम्	जीर्ण	५२९
५.५×५.८	१०	१५	,,	,,	–	पूर्णम्		५३०
६.४×४	७	२१	,,	,,	–	पूर्णम्		५३१
६×४	६	१६	,,	,,	–	पूर्णम्		५३२
१२×५.६	१५	४३	,,	,,	–	पूर्णम्		५३३
१२×४.३	६	५१	,,	,,	१८६३	पूर्णम्		५३४
१०×४.२	११	४०	,,	,,	–	पूर्णम्		५३५
१०×४.५	१४	२६	,,	,,	–	पूर्णम्		५३६
६.५×४	८	२४	,,	,,	–	पूर्णम्		५३७
६.५×४	७	३५	,,	,,	–	पूर्णम्		५३८

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
५३९	५०१३	निरुक्त-व्याख्या		१-२
५४०	२१४८	शाङ्खायनपाकयज्ञभाष्यम्	केशवजी नंद	१-८३, ८५-१६४
५४१	२०४५	कात्यायनसूत्रपद्धतिः	देवयाज्ञिक	१-१८
५४२	५२२६	महोपनिषद्		१-६
५४३	१६१७	कालाग्निरुद्रोपनिषद्		१-११
५४४	७२८	ईशावास्योपनिषद्		१-३
५४५	३०३	सूर्योपनिषद्		१-१
५४६	५४२२	गणपत्युपनिषद्		१-४
५४७	५५४७	वृहदारण्यकोपनिषद्		१-२७, ३०-३५
५४८	२२०७	कात्यायनसूत्रपद्धतिः	श्री देव	१-२७
५४९	३२७२	शिक्षाध्यायः		१-१८
५५०	१८५४	अष्टौवाक्यानि		१, ३-६, ११-१२
५५१	२७६३	रुद्रस्य		१-१७
५५२	५५८५	रामतापिन्युपनिषद		१-६
५५३	५६२५	विभूतियोगः	घनश्याम	१-६
५५४	४२७२	पादविधानम्	जयराम	१-४
५५५	१६५५	वेदस्तुतिः		१-८४
५५६	१८२१	प्रैषाध्यायः		१-८
५५७	५५८०	देवीसूक्तम्		१-११०
५५८	५७४५	क्रमानुक्रमणिका विवरणम्		१-७३
५५९	६६३	निरालम्बोपनिषद्	-	१-६
५६०	१३४०	नारायणोपनिषद्	-	१-३
५६१	१३५३	नारायणोपनिषद्	-	१-४
५६२	१३३६	प्रत्यांगिरासूक्तम्	-	६
५६३	२०६३	मुंडोपनिषत्		१-१५
५६४	२०३१	शिक्षोपनिषत्	-	१-११
५६५	२०८२	वृहदारण्योपनिषत्	-	१-४०

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६.५×४	१३	५०	दे.ना.	कागज	-	पूर्णम्		५३९
६.५×४.५	६	३८	,,	,,	१७१८	अपूर्णम्		५४०
६.३×४.४	१०	२७	,,	,,	१८८७	पूर्णम्	प्रथमाध्याय	५४१
६.३×४	६	३४	,,	-		पूर्णम्		५४२
५×३.६	७	१६	,,	,,	-	पूर्णम्	नन्दिकेश्वर पुराणोक्त	५४३
५.२×३	६	१६	,,	,,	-	पूर्णम्		५४४
१८×५	४१	२२	,,	,,	-	पूर्णम्		५४५
७.५×३.५	७	२१	,,	,,	१८४४	पूर्णम्		५४६
८×३.५	८	४३	,,	,,	-	अपूर्णम्		५४७
८.५×३.७	८	३३	,,	,,	१६६७	पूर्णम्		५४८
६.२×४	६	१९	,,	,,	-	अपूर्णम्		५४९
८.२×३.३	८	३६	,,	,,	-	पूर्णम्		५५०
७.७×४	७	२४	,,	,,	-	अपूर्णम्		५५१
१३×५	८	४०	,,	,,	-	पूर्णम्		५५२
८×४.३	८	२३	,,	,,	-	पूर्णम्		५५३
८×३.५	१०	३०	,,	,,	१८८६	पूर्णम्		५५४
६×५	६	२३	,,	,,	-	पूर्णम्		५५५
७.५×३	६	३६	,,	,,	-	पूर्णम्		५५६
५.५×३.३	६	२२	,,	,,	-	पूर्णम्		५५७
६×३.८	६	२७	,,	,,	-	पूर्णम्		५५८
७.५×४.५	६	२०	,,	,,	-	पूर्णम्		५५९
७.२×४.५	८	२२	,,	,,	-	पूर्णम्		५६०
६.८×३.४	७	२४	,,	,,	-	पूर्णम्		५६१
६×३.५	७	१८	,,	,,	-	पूर्णम्		५६२
६.१×४	६	१६	,,	,,	-	पूर्णम्		५६३
६×३.८	७	१७	,,	,,	-	पूर्णम्		५६४
६×४	७	१९	,,	,,	-	पूर्णम्		५६५

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
५६६	२३७४	उपनिषत् ब्रह्मविद्या	–	१-२०
५६७	२३९९	चतुविर्शंति गायत्री	–	१-३
५६८	२४२९	मूलाध्यायभाष्यम्	–	१-४
५६९	४६७१	ब्रह्मविद्योपनिषद्	–	१-७
५७०	४३७	पैप्लादोपनिषद्	–	१-४
५७१	४३९	सर्वसारोपनिषद्	–	१-३
५७२	४५४	बृहदारण्यकभाष्य-उपनिषद्	–	१-४३
५७३	४३२४	भृगुवल्ली	–	१-२
५७४	३५२३	अथवर्ण्योपनिषद्	–	१-२३
५७५	३५२२	ईशोपनिषद्भाष्यम्	–	१-१०
५७६	३५२१	कठोपनिषद् भाष्यम्	–	१-३४

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६.१×३.७	७	२०	दे.ना.	कागज	-	पूर्णम्		५६६
६.३×४	७	२२	,,	,,	-	पूर्णम्		५६७
६३×४	१३	४०	,,	,,	-	पूर्णम्		५६८
१०×४	८	३८	,,	,,	-	पूर्णम्	जीर्ण अतिक्षतिग्रस्त	५६९
११×४.६	८	३०	,,	,,	-	पूर्णम्		५७०
१०.४×४.८	६	३६	,,	,,	-	पूर्णम्		५७१
१३×५	११	७१	,,	,,	-	पूर्णम्		५७२
१३×५.८	१७	५१	,,	,,	-	पूर्णम्		५७३
१२×४.२	११	४२	,,	,,	-	पूर्णम्		५७४
१२×५	१२	३८	,,	,,	-	पूर्णम्		५७५
१२×४	११	४१	,,	,,	-	पूर्णम्		५७६

तन्त्रागमः

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१	६२४	तंत्रसारः	–	६६ गणनया
२	४५५०	त्रैलोक्यमोहनस्मरणम्	–	१-७
३	४५७७	सप्ताक्षरकालीमंत्रः	–	१-२
४	४५८४	महाकालचक्रम्	–	१
५	४४४८	डिम्भचक्रविचारः	–	१
६	४५५६	मंत्रसाधनविधिः	नित्यनाथसिंहः	१-१७
७	४५६८	साबरीमंत्रः	–	१-२
८	४५१४	मृत्युंजयतंत्रमंत्रपूजा	–	१-२
९	४५४०	आकर्षणमंत्रः	–	१-२
१०	४४६८	कालीशोभाः	–	१
११	४४६४	सन्तानसुन्दरीतंत्रम्	–	१-२
१२	४४५४	बगलामुखी	–	१-२
१३	४५२७	सर्ववशीकरणम्	–	१
१४	६२६	श्रीविद्यालहरीतन्त्रम्	–	१-२१
१५	४१३	संक्षिप्तबटुकभैरवपद्धतिः	रामभट्टः	१-१०
१६	४५७२	लक्ष्मीमंत्रप्रयोगः	–	१-२
१७	४६२५	भुवनेश्वरीपूजाविधिः	–	३ गणनया
१८	४२४	आसुरीकल्पव्याख्यातंत्रम्		१-३
१९	४६१३	जपरहस्यम्	–	१-२
२०	६४५	मुद्रालक्षणम्	–	१-४
२१	४६११	प्रत्यङ्गिरान्यासविधिः	–	१
२२	२०१३	मंत्रचन्द्रिका	–	१-४२
२३	३५८२	कालीतंत्रम्	–	१-५

तन्त्रागमः

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
११×५	११	३३	दे.ना.	कागज	-	अपूर्णम्		१
६.१०×४	६	२७	,,	,,	-	अपूर्णम्		२
५×३	६	१४	,,	,,	-	पूर्णम्म्		३
७×४	१०	२६	,,	,,	-	अपूर्णम्		४
६×४	२५	१३	,,	,,	-	पूर्णम्		५
६×३	१०	३२	,,	,,	-	अपूर्णम्		६
७×४	१०	२३	,,	,,	-	अपूर्णम्		७
५.८×५	७	२४	,,	,,	-	पूर्णम्		८
६×४	१३	१७	,,	,,	-	पूर्णम्		९
६×४	७	४१	,,	,,	-	पूर्णम्		१०
१०×४	२८	१६	,,	,,	-	पूर्णम्		११
७×३.६	७	१७	,,	,,	-	पूर्णम्		१२
६×३	६	२०	,,	,,	-	पूर्णम्		१३
८×४	७	२४	,,	,,	-	पूर्णम्		१४
७.१०×४	१३	२२	,,	,,	-	पूर्णम्	जीर्ण शीर्ण	१५
८×४	९	२३	,,	,,	-	पूर्णम्		१६
१२×४.८	१०	३६	,,	,,	-	अपूर्णम्		१७
६×३.८	६	३८	,,	,,	१७४८	पूर्णम्		१८
६.५×४	१५	४२	,,	,,	-	पूर्णम्		१९
८×४.४	१०	२५	,,	,,	-	पूर्णम्		२०
६×७	२२	१४	,,	,,	-	पूर्णम्		२१
११×५	११	४५	,,	,,	-	अपूर्णम्		२२
६×४	८	३१	,,	,,	-	पूर्णम्		२३

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२४	३५६०	मंत्रचिन्तामणिः	–	१-६८
२५	५०२७	चंडीमंत्रः	–	१-६
२६	५०२८	मंत्रयोगः	–	१-२
२७	५०६०	पिशाचीमंत्रः	–	१-२
२८	५०८४	लक्ष्मीदेवताबीजमंत्रः	–	१
२९	५०९५	कार्तवीर्यअर्जुनमंत्रः	–	१-४
३०	५०७८	त्रिपुरीपद्धतिः	–	१
३१	५०१०	गौरीमंत्रः (यंत्रसमेतः)	–	१-२
३२	३९६३	उद्धारकोषः	–	१-५
३३	५०२६	गौरीविलासतंत्रम्	–	१-४
३४	५०२५	प्रत्यङ्गिरास्तोत्रतंत्रम्	–	१-२
३५	४६५६	उग्रतारा	–	१-१०
३६	५०२०	पंचदशीमन्त्रपटलम्	–	१-३
३७	४६६०	शरभपटलम्	–	१
३८	४६७७	उच्चाटनविधिः	–	१
३९	४६८०	तंत्रविषयकः	–	१-३
४०	४६८४	शत्रुसंहारकमंत्रः	–	१-२
४१	४६८६	कात्यायनीतंत्रम्	–	१
४२	४६९३	तंत्रविषयकः	–	१-२
४३	४७०१	तंत्रविषयकः	–	१-२
४४	४९३०	त्रिपुरादेवीरहस्यम्	–	१-२
४५	४८६७	सुन्दरीशतकम्	–	१-११
४६	४४५२	तन्त्रविषयकः	–	१-६
४७	४८१६	महात्रिपुरसुन्दरी	–	१-२
४८	४८८१	अघोरविद्यातंत्रम्	–	१-३

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१०.६×५	१०	२८	देवना.	कागज	–	पूर्णम्		२४
११×४	१०	५०	,,	,,	–	अपूर्णम्		२५
११×४.५	१२	३६	,,	,,	–	अपूर्णम्		२६
१०×५.४	२५	१४	,,	,,	–	पूर्णम्		२७
१२×५	२१	१३	,,	,,	–	पूर्णम्		२८
६×३	५	१५	,,	,,	–	पूर्णम्		२९
१५× ५	४३	१५	,,	,,	–	पूर्णम्		३०
८×३	१०	१८	,,	,,	–	पूर्णम्		३१
१०×४	१२	४०	,,	,,	–	अपूर्णम्	कीटभक्षितः	३२
१०×४	५	३५	,,	,,	–	पूर्णम्		३३
१०×४	१२	४२	,,	,,	–	अपूर्णम्		३४
८×३.८	७	३५	,,	,,	–	अपूर्णम्		३५
६×४	२६	१४	,,	,,	–	अपूर्णम्		३६
१०×४	११	३६	,,	,,	–	अपूर्णम्		३७
६×४.८	१७	२१	,,	,,	–	अपूर्णम्		३८
७×४	८	२२	,,	,,	–	पूर्णम्		३९
८×५	१५	२४	,,	,,	–	पूर्णम्		४०
४×७	२६	२०	,,	,,	–	पूर्णम्		४१
११×४	८	३५	,,	,,	–	पूर्णम्		४२
६.८×५	११	१८	,,	,,	–	अपूर्णम्		४३
५×४	१०	२०	,,	,,	–	अपूर्णम्		४४
५×४.८	१४	१३	,,	,,	सं. १७६२	पूर्णम्		४५
६३×३	१०	३५	,,	,,	–	अपूर्णम्		४६
४.८×२.१०	६	२४	,,	,,	–	अपूर्णम्		४७
५×३.१०	८	१६	,,	,,	–	अपूर्णम्		४८

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
४६	३७६	प्रत्यङ्गिराप्रयोगः	–	१-६
५०	४७६६	वीरभद्रतंत्रम्	–	१, ३-५
५१	१५००	वर्णोद्धारतंत्रम्	–	१-३
५२	१३६५	रुद्रयामलतंत्रम्	–	१-११
५३	४८४६	विद्यागणेशन्यासः	–	१-२
५४	४८४५	कार्तवीर्यार्जुनप्रयोगः	–	१-२
५५	४८४४	स्वधायंत्रप्रयोगः	–	१
५६	४७४८	मंत्रपारायणक्रमः	–	१
५७	४७६५	मालाशोधनविधिः	–	१-२
५८	३७१	कर्णपिशाचीमंत्रः	–	१-२
५६	४७७३	नवकोष्ठविधिः	–	१
६०	३५८	कालीपूजातंत्रम्	–	७ गणनया
६१	३७५	भुवनेश्वरीपूजातंत्रम्	–	१-४
६२	३६५	शक्तिस्तोत्रतंत्रम्	–	१-२
६३	४१६	मंत्र समुहा ना. पदा नटराघवस्य		१-५
६४	४४७६	प्राणशक्ति तंत्रम्	–	१
६५	४४८७	चतुषष्ठियोगिनी	–	१
६६	४४६६	पुत्रदानप्रतिग्रहप्रयोगः	–	१-३
६७	४४६१	कात्यायनीतंत्रम्	–	७ गणनया
६८	४४८१	तंत्रविषयकः	–	१
६६	१०४५	गणेशमयविधानम्	–	१
७०	४६२६	आसनामभेदकथनतंत्रम्	–	१-२
७१	१२२८	मंत्तराजाष्टादशाक्षरम्	मोतीरामः	१-६
७२	३६२३	शारदातिलकम्	लक्षमणाचार्यः	१-१७७

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
७×३.४	७	२१	देवना.	कागज	–	पूर्णम्		४९
९×४.८	१२	२८	,,	,,	–	अपूर्णम्	जीर्ण शीर्ण	५०
१०×४	१४	४१	,,	,,	–	अपूर्णम्		५१
१०.३×४.६	१२	४०	,,	,,	–	पूर्णम्		५२
६×३	६	२३	,,	,,	–	पूर्णम्		५३
५×३.८	८	१७	,,	,,	–	पूर्णम्		५४
७×५	१३	२५	,,	,,	–	पूर्णम्		५५
६×४	१७	२८	,,	,,	–	पूर्णम्		५६
९×३	६	२३	,,	,,	–	पूर्णम्		५७
११×४	९	३२	,,	,,	–	अपूर्णम्		५८
९×४	१०	३२	,,	,,	–	पूर्णम्		५९
८.१०×४	९	२०	,,	,,	–	अपूर्णम्		६०
८×४	१३	२८	,,	,,	–	पूर्णम्		६१
७.८×३.१०	७	२५	,,	,,	१९२५	पूर्णम्		६२
८.१०×३	९	३३	,,	,,	–	पूर्णम्		६३
९×५	१७	३८	,,	,,	–	पूर्णम्		६४
९×४	८	२९	,,	,,	–	पूर्णम्		६५
८×३	८	२६	,,	,,	–	पूर्णम्		६६
९×४	११	३७	,,	,,	–	अपूर्णम्	कीटभक्षित	६७
१०×४	१२	३८	,,	,,	–	पूर्णम्		६८
१०×४.८	१२	३८	,,	,,	–	पूर्णम्		६९
१२×५	१०	४२	,,	,,	–	पूर्णम्		७०
९×४	९	३४	,,	,,	–	पूर्णम्		७१
१२×५	९	३०	,,	,,	१८५८	पूर्णम्		७२

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
७३	३५८०	शारदातिलकयोगविधानम्	-	१-११३
७४	२०५१	भूतशुद्धिः	-	१-६
७५	२०४२	तत्त्वशोधनम्	-	१-६
७६	२००६	मंत्ररहस्यतंत्रम्	नीलकण्ठः	१-४६
७७	१९९९	तन्त्रसारतंत्रम्	-	१-२५
७८	२००१	तंत्रसारसंग्रहः	आनन्दतीर्थः	१-२०
७९	२००५	मंत्रमहोदधिः		१-६१
८०	२००४	मंत्रमहोदधिः	महाधरः	१-६०
८१	१९९८	श्यामारहस्यशिवालीविनाक	शंकराचार्यः	१-३६
८२	२०३९	रम्लसारः	श्रीपतिः	१-१७०
८३	५९३	यंत्रराजः	-	१-२३
८४	२८११	रुद्रयामलतन्त्रे देवीरहस्यपूजा पद्धतिः		१-१९
८५	,,	,, ,,	-	१-१६
८६	,,	,, ,,	-	१-४
८७	,,	,, ,,	-	१-६
८८	,,	,, ,,	-	१-७
८९	२६६२	षोडशाक्षरमहाकालमंत्रः	-	१-८
९०	२५१७	हठप्रदीपिका	-	१-२०
९१	३०९३	सर्पमंत्रोत्कीलनशापविमोचनम्	-	१-७
९२	४०४९	कालीतंत्रम्	-	१-१२
९३	४३१६	विंशत्यंकयंत्रसाधनम्	-	१-४
९४	४२७४	मूर्तिरहस्यमंत्रः	भट्टगोविन्दः	९ गणनया

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१२×५	१२	४६	देवना.	कागज	१८६०	पूर्णम्		७३
८×३.८	७	३१	,,	,,	-	पूर्णम्		७४
१०.१० ×३.१२	७	४२	,,	,,	१७२७	पूर्णम्		७५
१०×४.८	१२	४१	,,	,,	-	पूर्णम्		७६
१२×५	६	४८	,,	,,	-	अपूर्णम्		७७
१०×५	११	३३	,,	,,	-	पूर्णम्		७८
१०×५.८	१३	४५	,,	,,	-	पूर्णम्		७९
१०×५	९	४०	,,	,,	१८३२	पूर्णम्		८०
१०×५	९	४०	,,	,,	१८६३	पूर्णम्		८१
१०×५	८	३४	,,	,,	-	पूर्णम्	१७ पत्र	८२
९.८×४	१०	३७	,,	,,	१७४३	पूर्णम्		८३
४.८×३	७	१८	,,	,,	-	पूर्णम्	क	८४
४.८×३	८	१८	,,	,,	-	पूर्णम्	ख	८५
४.८×३	७	१९	,,	,,	-	पूर्णम्	ग	८६
४.८×३	७	१७	,,	,,	-	पूर्णम्	घ	८७
४.८×३	८	१९	,,	,,	-	पूर्णम्	च	८८
६×४	७	२५	,,	,,	-	पूर्णम्		८९
१२×२	११	४०	,,	,,	-	पूर्णम्		९०
४×३	८	९	,,	,,	-	पूर्णम्		९१
९×५	१४	३२	,,	,,	१७४२	पूर्णम्		९२
६×३	६	२३	,,	,,	-	पूर्णम्		९३
९×४	८	२७	,,	,,	१८१७	अपूर्णम्		९४

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
९५	४०८१	डामेश्वरतंत्रम्	–	८ गणनया
९६	४०११	गोरक्षसिद्धिहरणतंत्रम्	–	६ गणनया
९७	५१८८	नृसिंहयंत्रम्		६
९८	५१८६	दाशरथीतंत्रम्	–	१४४ गणनया
९९	५१६१	लक्ष्मीतंत्रम्	–	१-८६
१००	२५०५	कुलार्णवतंत्रम्	–	१-११
१०१	५२६२	तारामंत्रः	–	१-३
१०२	५३०८	सामतंत्रम्	–	१-१२
१०३	५७६३	अकुलागमतंत्रम्	–	१-३५
१०४	५८८२	यंत्रराजः	–	१-८
१०५	२३८७	आपदुद्धारकवटुकभैरवस्तोत्रम्	–	१-१७
१०६	२३७२	गंगामेधासाम्राज्यकवचम्	–	१-४
१०७	२४८४	बगलामुखीपटलम्	–	१-५
१०८	२३६३	द्वादशाक्षरीजपमंत्रः	–	१-३
१०९	२४५४	जनवश्यकरणम्	–	१-४
११०	२४५३	शाबरतंत्रम्	–	४ गणनया
१११	२४६८	आपदुद्धारकवटुकभैरव स्तोत्रम्	–	१-१०
११२	२४३७	गौतमीतंत्रम्	–	१-११
११३	२३३२	मंत्रमहोदधिः	–	१-६
११४	१५६२	यंत्रचिन्तामणिटीका यंत्रदीपिका	रामदैज्ञ	१-२०
११५	२१०५	आसुरीपटलतंत्रम्	–	१-१४
११६	३१८२	श्यामारहस्यतंत्रम्	–	१-१५६
११७	३०१८	नवार्ण मंत्र तंत्र दुर्गान्यास पूजा		१-५
११८	,,	दुर्गान्यासपूजा	–	१-८
११९	३१८५	नृसिंहकल्पमंत्रराजः	–	३-२१

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
११×४	७	४०	देवना.	कागज	–	अपूर्णम्		९५
६×४	१२	४०	,,	,,	–	अपूर्णम्		९६
१४×५.१०	०६	४४	,,	,,	–	पूर्णम्		९७
१३×५	११	४८	,,	,,	–	अपूर्णम्		९८
१३×८.५	१७	४०	,,	,,	–	पूर्णम्		९९
६×३.८	१०	३४	,,	,,	–	पूर्णम्		१००
८×३	६	२०	,,	,,	–	पूर्णम्		१०१
७×४	८	२६	,,	,,	सं. १६६२	पूर्णम्		१०२
१०×४	८	२६	,,	,,	–	पूर्णम्		१०३
१०×४	१३	४२	,,	,,	सं. १७२६	पूर्णम्		१०४
१०.४×३.४	६	१५	,,	,,	–	पूर्णम्		१०५
६×३	७	२०	,,	,,	–	पूर्णम्		१०६
६×४	७	२६	,,	,,	–	अपूर्णम्		१०७
७×४	६	२६	,,	,,	–	पूर्णम्		१०८
८×३.१२	१३	३७	,,	,,	–	अपूर्णम्		१०९
६×४	६	३६	,,	,,	–	अपूर्णम्		११०
८×३	६	३१	,,	,,	–	पूर्णम्		१११
१२×५	१०	३४	–			अपूर्णम्		११२
८×४	६	३०	,,	,,	–	पूर्णम्		११३
१०×४.८	११	३४	,,	,,	–	पूर्णम्		११४
१०×४	७	३६	,,	,,	–	पूर्णम्		११५
८×४.०	११	३०	,,	,,	–	पूर्णम्		११६
७×३	७	२२	,,	,,	–	अपूर्णम्	क	११७
७×३	७	२०	,,	,,	–	पूर्णम्	ख	११८
१०×५	१०	३५	,,	,,	–	अपूर्णम्		११९

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१२०	३१८६	उड्डीशतंत्रम्	-	१-१०, १३-३१
१२१	३१८६	" "	-	३-१४
१२२	५८४४	पञ्चदशीयंत्रकल्पम्	-	१-८
१२३	५८८७	देवीरहस्यतंत्रम् (दुर्गा पंचांग)		१-११०
१२४	५८५७	सिद्धचामुंडातंत्रम्	नागार्जुनः	१-१०२
१२५	५८५८	नित्यातंत्रम्	-	१-७१
१२६	२६१३	यक्षिणीशार्वनतंत्रम्	-	१-१५
१२७	२६०६	खेकरीविद्यातंत्रम्	-	१-१७
१२८	२६०२	आसुरीकल्पतंत्रम्	-	१-४
१२९	५८७६	श्रीसिद्धयामले त्रिपुराकवचम्		१-६
१३०	२६१२	रुद्रयामल तंत्र त्रिकूटारहस्यम्		१३ गणनया
१३१	५८४५	यंत्रचिन्तामणिव्याख्या	-	१-८
१३२	४०१०	बगुलातंत्रम्	-	१-६
१३३	३६५४	भूतडामरतंत्रसारः	कालिदासः	१२ गणनया
१३४	४३५२	षटकर्मदीपिका	कृष्णानन्द भट्टाचार्य	५४ गणनया
१३५	२५५७	हृदयामलतंत्रम्	-	१-१३
१३६	११६६	आसुरीकल्पम्		१-४
१३७	२५५४	मंत्रपद्धतितंत्रम्	-	१-७
१३८	२७१३	शरभस्तोत्रमंत्रः	-	१-५
१३९	२५५५	रुद्रयामले खड्गमालास्तोत्रम्	-	१-६
१४०	२७१२	शरभस्तोत्रमंत्रः	-	१-८
१४१	४०१४	यंत्रराजः	-	२२ गणनया
१४२	५१४४	साबरतंत्रम्		१-३१
१४३	५५७०	देवीमाहात्म्यमूर्तिरहस्यम्	-	१० गणनया

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
९×४	९	३१	देवना.	कागज	–	अपूर्णम्		१२०
९×४	१०	३२	,,	,,	–	अपूर्णम्		१२१
६.६×५	१०	१८	,,	,,	–	पूर्णम्		१२२
६×३	६	१७	,,	,,	–	पूर्णम्		१२३
५×७	१७	१४	,,	,,	१८०४	पूर्णम्		१२४
९.१०×५	११	३२	,,	,,	–	पूर्णम्	जीर्ण	१२५
८×४	६	२०	,,	,,	–	पूर्णम्		१२६
९×३.७	९	३२	,,	,,	–	अपूर्णम्		१२७
१०×४	१०	४१	,,	,,	–	पूर्णम्		१२८
९×४	६	२२	,,	,,	–	पूर्णम्		१२९
९×४	१३	४४	,,	,,	–	अपूर्णम्		१३०
१२×४	१०	३७	,,	,,	–	पूर्णम्		१३१
९×४	१३	३०	,,	,,	–	पूर्णम्	कीटभक्षितः	१३२
९×४	१७	३४	,,	,,	–	अपूर्णम्		१३३
९×५	९	२७	,,	,,	–	अपूर्णम्		१३४
६×३	७	१९	,,	,,	शक १७६०	पूर्णम्		१३५
७×४	९	२१	,,	,,	–	पूर्णम्		१३६
६×४	७	२७	,,	,,	–	अपूर्णम्		१३७
६×४	१२	२१	,,	,,	–	पूर्णम्		१३८
७×४	७	१६	,,	,,	–	पूर्णम्		१३९
६×४	१२	२४	,,	,,	–	अपूर्णम्		१४०
८×३	८	२८	,,	,,	–	अपूर्णम्		१४१
९×४	८	३२	,,	,,	१६५६	पूर्णम्		१४२
६×३.६	१०	२४	,,	,,	१८६७	पूर्णम्		१४३

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१४४	१३२२	पराम्बाचार्यचन्द्रिका	–	१-७४
१४५	८३६	त्रैलोक्यविजयकवचम्	–	१-४
१४६	५५८७	काठकस्तत्रबोधायिनी	–	१-४
१४७	१३८६	देवीरहस्ये यंत्रोद्धारविधिः	–	१-५
१४८	३७३१	सिद्धयामलेश्रीविद्यापद्धतिः	–	१-१६
१४९	३७३८	वसुधाराधारिणीतंत्रम्	–	१-७
१५०	३७४४	सुन्दरीयन्त्रम्	–	१-५
१५१	३९१०	मंत्रसिद्धान्तशिखा	महीनाथः	१-२०७
१५२	३२४४	प्रपंचसारसंग्रहतंत्रम्	–	१-४
१५३	२१३०	उल्लूककल्पम्	–	१-१०
१५४	२१३१	मंत्रसारः	–	१-६
१५५	३५१२	तारापद्धतिः	–	१-३१
१५६	३५१२ख-	तारादेव्यापंचांगम्	–	१-६
१५७	३५१२ग-	तारास्तोत्रम्		३
१५८	३५११	तत्रोक्तलक्ष्मीनारायणपूजा पद्धतिः	–	१-१७
१५९	३५०८	संग्रहकौमुदीतंत्रम्	–	६ गणनया
१६०	३४९६	भवानीपटलम्	–	१-४
१६१	३४९७	मंत्रमुक्तावलीतंत्रम्	–	१-६
१६२	३४९६	तंत्रसारतंत्रम्	महानन्द तीर्थः	१-२६
१६३	३४९५	शिवनृत्येशतकोष्ठयंत्रम्	–	१-४
१६४	२२७४	अपराजिताविद्या	–	१-१८
१६५	२२७६	श्रीचक्रम्	१ विशेष पत्रम्	
१६६	२२७९	मालामंत्रः ग	–	१-१८
१६७	–	शरभमालामंत्रः ख	–	१-२८

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६×४	७	२०	देवना.	कागज	–	पूर्णम्		१४४
१०×४	१०	२६	,,	,,	–	अपूर्णम्		१४५
१०×४	१८	५०	,,	,,	–	पूर्णम्		१४६
११×४	१०	३६	,,	,,	–	पूर्णम्		१४७
१०×४	६	३५	,,	,,	–	अपूर्णम्		१४८
६×४	११	३८	,,	,,	–	पूर्णम्		१४६
६×४	१०	३०	,,	,,	–	पूर्णम्		१५०
१०×४	१२	३६	,,	,,	–	पूर्णम्		१५१
७×३.८	१३	४२	,,	,,	–	अपूर्णम्		१५२
६×४	५	२३	,,	,,	संवत् १६२३	पूर्णम्		१५३
१०×४	१३	३३	,,	,,	–	पूर्णम्		१५४
६×३	५	१७	,,	,,	–	पूर्णम्		१५५
६×३	५	१३	,,	,,	–	पूर्णम्		१५६
६×३	५	१८	,,	,,	–	पूर्णम्		१५७
६×४	६	३१	,,	,,	–	पूर्णम्		१५८
८.६×३.६	१५	४२	,,	,,	–	अपूर्णम्		१५६
१०×४	१२	३३	,,	,,	–	पूर्णम्		१६०
१०×४	६	३५	,,	,,	सं. १८४०	पूर्णम्		१६१
६×४.६	११	३०	,,	,,	–	पूर्णम्		१६२
११×४	१०	३८	,,	,,	–	पूर्णम्		१६३
८×४.६	४	१५	,,	,,	–	पूर्णम्		१६४
एक विशेष	पत्र				–	पूर्णम्		१६५
८×५	७	२०	,,	,,	–	पूर्णम्		१६६
८×५	७	१७	,,	,,	–	पूर्णम्		१६७

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१६८	३३६६	कक्षपुटकम्	सिद्ध नागार्जुन	१-८६
१६९	४३५७	पञ्चदशीप्रकाशविधिः	–	१-८
१७०	२३०६	महाविद्या	–	१-७
१७१	२३०७	(शिवरहस्यम्) शिवभैरवप्रयोगः	–	१-१५
१७२	५८३५	महाविद्या	–	१-४२
१७३	५८०४	त्रिपुरापद्धतिः	–	१-१००
१७४	६५५३	लक्ष्मीनारायणमंत्रः		१-३
१७५	३३०६	मन्त्रकोष	दाल सादित्य त्रिपाठी	१-१३२
१७६	३३११	जयाचिन्तामणियंत्रतंत्रम्	शंकरानन्दः	२-६६
१७७	८५३	दक्षिणामूर्तिः	–	१-३
१७८	१०२६	प्रत्यंगिराविधिः		१-१३
१७९	६६५	मंत्रमहोदधितंत्रदीपः दानविधिः		१-४
१८०	६५२	वालात्रिपुरसुन्दरी	–	१-३
१८१	५०६८	यंत्रविषयकः	–	१-८
१८२	१२२६	बटुकदीपदानप्रकारः	–	१-५
१८३	१२३६	त्रिपुरसुन्दरी	–	७ से ३१
१८४	१३२६	दक्षिणाकालिकारहस्यम्	–	१-४
१८५	१२६५	स्वप्नवाराही	–	१-५
१८६	१२८८	तंत्रचिन्तामणिः	–	१-२
१८७	३८३४	गण्डमेरुण्डतंत्रम्	–	१-६
१८८	३७४०	कात्यायनीडामरतंत्रम्	–	१-२८
१८९	१८२५	दक्षिणकालिकापद्धतिः	–	१-५५, ५६-६२
१९०	३८८१	नृसिंहसंग्रहः	–	१-४
१९१	ख	नृसिंहस्वराजस्तोत्रम्	–	१-४

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६×४	१०	३३	देवना.	कागज	-	पूर्णम्		१६८
६×३.११	५	२४	”	”	-	पूर्णम्		१६९
१०×६	१३	३३	”	”	-	पूर्णम्		१७०
६×४	८	२३	”	”	-	पूर्णम्		१७१
५×४	१०	२०	”	”	-	पूर्णम्		१७२
११×६	१३	३७	”	”	-	पूर्णम्		१७३
१०×४.८	८	३३	”	”	-	पूर्णम्		१७४
१०×४	८	३३	”	”	-	पूर्णम्		१७५
१०×४	१२	३६	”	”	-	अपूर्णम्		१७६
६×३	११	२७	”	”	-	पूर्णम्		१७७
७×३	५	२२	”	”	संवत् १९०९	पूर्णम्	कीटानुबिद्ध	१७८
१०×४	८	२५	”	”	-	पूर्णम्		१७९
७×३.१०	८	४०	”	”	-	पूर्णम्		१८०
५×७	१३	१५	”	”	-	पूर्णम्		१८१
१०×४	१४	४३	”	”	-	पूर्णम्		१८२
६.१२×५	११	३३	”	”	-	अपूर्णम्		१८३
७.७×४	१०	२७	”	”	-	पूर्णम्		१८४
१२×४	८	४८	”	”	-	पूर्णम्		१८५
१२×५	१२	४४	”	”	-	पूर्णम्		१८६
५×३	५	१५	”	”	-	पूर्णम्		१८७
८.८×५	६	२२	”	”	-	पूर्णम्		१८८
६.१०×४	७	३०	”	”	-	अपूर्णम्		१८९
६×४	६	३३	”	”	-	पूर्णम्		१९०
६×४	६	३३	”	”	-	पूर्णम्		१९१

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१६२	ग	” ”	–	१-५
१६३	१०५१	अजपागायत्रीतंत्रम्	–	१-१२
१६४	३६०५	ईशानमंत्रविधिः	–	१-३
१६५	३८६४	श्रीविद्याक्रमः	–	१-५
१६६	६०२	श्रीलक्ष्मीनारायणपटलम्	–	१-८
१६७	६६५	गायत्रीरहस्यतंत्रम्	–	१-७
१६८	३७३७	कक्षपुटकतंत्रम्	सिद्धनागार्जुनः	३-३०
१६६	८१०	योगिनीसाधनम्	–	१-३
२००	३७३५	सिद्धनागर्जुनः	–	१-६
२०१	३६०८	तंत्रकुलार्णवः	पूर्णानन्दगिरिः	२३ गणनया
२०२	५४७०	कृष्णविंशत्यक्षरश्रीकृष्णमंत्रः	–	१-२६
२०३	५५३८	मंत्रोद्धारतंत्रः	–	१-७
२०४	५५४३	मंत्रमहोदधिः	–	१-१०३
२०५	५५४६	भाषामंत्रार्थः	–	१-५
२०६	५५४५	मंत्रार्थः	–	१-११
२०७	३८२१	समयाचारतंत्रम्	–	१-११
२०८	३७२३	कुलप्रदीपः	शिवानन्दाचार्यः	१-७७
२०६	३८२५	भुवनेश्वरीपटलम्	–	१-१६
२१०	३८२५ख	भुवनेश्वरीपटलम्	–	१-१०
२११	” ग	” ”	–	१-५५
२१२	” घ	” ”		१-४
२१३	” ङ	” ”		१-११
२१४	३७४५	सुमुखीपद्धतिः		४-४०

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६×४	६	३३	देवना.	कागज	–	पूर्णम्		१९२
४×३	७	१४	,,	,,	–	पूर्णम्		१९३
६×४	११	५८	,,	,,	–	पूर्णम्		१९४
६×४	७	३०	,,	,,	–	पूर्णम्		१९५
५×४	१२	२२	,,	,,	–	पूर्णम्		१९६
७×३.७	७	१६	,,	,,	–	पूर्णम्		१९७
६×४	१०	३६	,,	,,	–	अपूर्णम्		१९८
७×६	१८	२६	,,	,,	–	पूर्णम्		१९९
१०×४	६	३८	,,	,,	–	पूर्णम्		२००
१०.१० ×४.१०	६	३४	,,	,,	–	अपूर्णम्		२०१
१०×४.१०	६	३१	,,	,,	–	पूर्णम्		२०२
११×६	१६	४०	,,	,,	–	पूर्णम्		२०३
१०×४	१२	४४	,,	,,	–	पूर्णम्		२०४
११×४	६	३४	,,	,,	–	पूर्णम्		२०५
१०.८ ×४.१०	१५	४६	,,	,,	–	पूर्णम्		२०६
४.१०×२	५	१७	,,	,,	–	पूर्णम्		२०७
६.८×४	१०	२४	,,	,,	–	पूर्णम्		२०८
८×४	८	३४	,,	,,	१८९०	पूर्णम्		२०९
८×४	७	२८	,,	,,	१९२०	पूर्णम्		२१०
८×४	७	३०	,,	,,	–	पूर्णम्		२११
८×४	७	२८	,,	,,	१७९०	पूर्णम्		२१२
८×४	७	३२	,,	,,	–	पूर्णम्		२१३
८×४	७	२०	,,	,,	–	अपूर्णम्		२१४

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२१५	३८६७	षड्अक्षरमंत्रविधिः	–	१-२
२१६	३७२१	नामविलासपंचदशीभक्तिः	–	१-१०२
२१७	२२२	पुरश्चर्यार्णवः	प्रताप सिंह	१-६२५
२१८	३७३४	त्रिपुरासारसमुच्चयः	–	३-३२
२१६	८६८	नृसिंहसहस्राक्षरमंत्रः	–	१-७
२२०	१११८	भगवत्या कीलकम्	–	१-६
२२१	३८८५	नाथतंत्रम्		१५ गणनया
२२२	३७४३	हरिलीलामृततंत्रम्		१-२२
२२३	३७२६	श्रीविद्यापद्धतिः	–	१-७
२२४	५३६७	मंत्रार्थः	–	१-४
२२५	५३८१	श्रीजरामंत्रः	–	१-५
२२६	५४०१	अर्थमंत्रः	–	१-५
२२७	५४०२	दत्तात्रयतंत्रपटलम्	–	१-२१
२२८	४३५७	हनुमत्पताकायन्त्रम्	–	१-७
२२६	५४६६	तृचाकल्पतंत्रम्	–	१-६
२३०	५५५१	मंत्रसंस्कारः	–	१-४
२३१	५४८७	वैष्णवमंत्रः	–	१-११
२३२	५४७४	महापद्धतितंत्रम्	–	१-२४
२३३	५४७६	कर्मचक्रविधानम्	–	१-६
२३४	८८७	मेलाध्यायमंत्रः	–	१-६
२३५	६३४	विशदंकयंत्रटीका	–	१-७
२३६	१२०५	पक्षिराजसहस्रमंत्रः	–	१-८
२३७	१२७४	सुमुख्यायंत्रम्	–	२-७
२३८	६३६	धूमावतीकल्प	–	१-३
२३६	१४७२	कालीपटलम्	–	१-४
२४०	१०६६	जन्मबन्ध्याचिकित्सामंत्रः	–	१-२
२४१	१३३८	रुद्रयामलतंत्रम्	–	१-१०

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
९×४	११	३३	देवना.	कागज	–	पूर्णम्		२१५
९.८×४	८	३४	”	”	–	पूर्णम्		२१६
११.५×५	७	३५	”	”	–	पूर्णम्		२१७
९×४	९	४०	”	”	–	अपूर्णम्		२१८
६.८×३.१०	९	१६	”	”	–	पूर्णम्		२१९
८×३	६	२९	”	”	–	पूर्णम्		२२०
१०×४	९	२६	”	”	–	पूर्णम्		२२१
९×४	७	१८	”	”	–	पूर्णम्		२२२
८×३	८	२७	”	”	–	पूर्णम्		२२३
६.१०×३.१०	६	२०	”	”	–	पूर्णम्		२२४
६×४	७	१७	”	”	–	पूर्णम्		२२५
५×३	६	१५	”	”	–	पूर्णम्		२२६
६×४	६	१५	”	”	–	पूर्णम्		२२७
९×४	१०	४२	”	”	–	पूर्णम्		२२८
५×३	७	१६	”	”	–	पूर्णम्		२२९
५.३×१५	३३	१८	”	”	–	पूर्णम्		२३०
८.३×४.७	१०	२९	”	”	–	पूर्णम्		२३१
५×३.५	७	१८	”	”	–	पूर्णम्		२३२
८×५.९	१०	२२	”	”	–	पूर्णम्	रसरत्नाकरः	२३३
९.१०×४	१३	२९	”	”	–	पूर्णम्		२३४
१०.५×४.८	१०	३८	”	”	–	पूर्णम्		२३५
७×३.५	७	१९	”	”	–	पूर्णम्		२३६
६.१०×३.४	८	२३	”	”	–	अपूर्णम्		२३७
११×४	१०	५६	”	”	–	पूर्णम्		२३८
८×४.१०	१३	४०	”	”	–	पूर्णम्		२३९
९.९×४	११	३३	”	”	–	पूर्णम्		२४०
७×३	१०	३१	”	”	–	पूर्णम्		२४१

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२४२	१२७८	आसुरीकल्प विधानम्	-	१-५
२४३	१२०८	विभूतिमंत्रः	-	१-४
२४४	१२५८	बगलामंत्रः	-	१-७
२४५	१३०४	गुरुकीलकपटलम्	-	१-५
२४६	११५८	सुन्दरीययंत्रम्	-	१-६
२४७	११८२	सर्वलोकवशीकरणम्	-	१-६
२४८	६५६	भूतस्तवराजतंत्रम्	-	१-५
२४९	१४४८	वाञ्छाकल्पताप्रयोगः	-	१-६
२५०	१४७३	कालिकाकवचम्	-	१-५
२५१	१२४५	देवीरहस्ये सुरोत्पत्तिः	-	१-२
२५२	१७१०	देवीध्याननिर्णयः	दक्षिणामूर्तीमुनिः	१-३०
२५३	७४७	रुद्रामलयतन्त्रमहाकाली, सरस्वती लक्ष्मी सूक्तम्		२-६
२५४	६४५	देवीसूक्तम्	-	१-५
२५५	७३२	शतचण्डीप्रदीपः	दिवाकरसूरिः	३-१०
२५६	७६६	प्रयोगतरणि	-	१-२
२५७	७८०	तंत्रसारअनुक्रमणी	-	१-२
२५८	७६८	डावरीतंत्रम्	-	३-७
२५९	७०६	योगिनीपूजा	-	१-२
२६०	७८७	भावनायोगप्रकारः	-	१-४
२६१	७६८	जपगुह्यम्	केदारनाथतांत्रिकः	१-६
२६२	७६७	योगिनीपूजातंत्रम्	-	३-१०
२६३	७८२	तृचाकल्पतंत्रम्	-	१-१०
२६४	७०४	कालिकापटलतंत्रकालीपूजा	-	१-५
२६५	७०५	कालिकाप्रयोगः	-	१-१४
२६६	७७४	आसुरीकल्पतंत्रम्	-	१-६

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
७×४	११	१९	देवना.	कागज	–	पूर्णम्		२४२
७×४	८	२०	,,	,,	–	पूर्णम्		२४३
७×३	६	१४	,,	,,	–	पूर्णम्		२४४
७×४	५	२१	,,	,,		पूर्णम्		२४५
					१९१६			
६×४	८	१६	,,	,,	–	पूर्णम्		२४६
९×४	१०	३३	,,	,,	–	अपूर्णम्		२४७
९×४	८	२२	,,	,,	–	पूर्णम्		२४८
८.९×४	७	२३	,,	,,	–	पूर्णम्		२४९
९×४	६	२९	,,	,,	–	पूर्णम्		२५०
११×४	१०	३३	,,	,,	–	पूर्णम्		२५१
१२×५	८	३६	,,	,,	–	अपूर्णम्		२५२
७×४	८	२२	,,	,,	–	अपूर्णम्		२५३
७×४	८	२४	,,	,,	–	पूर्णम्		२५४
११×५	९	३२	,,	,,		अपूर्णम्		२५५
					१९३४			
११×४	८	३५	,,	,,	–	अपूर्णम्		२५६
९×४	–	–	,,	,,	–	पूर्णम्	विशेष प्रकार का	२५७
८×३	९	२४	,,	,,	–	अपूर्णम्		२५८
९.५×४	,,	,,	–			पूर्णम्		२५९
१०×४	११	३७	,,	,,	–	पूर्णम्		२६०
१०×४.४	११	५८	,,	,,	–	पूर्णम्		२६१
१०×४	१३	४०	,,	,,	–	अपूर्णम्		२६२
१०×४	८	३८	,,	,,	–	पूर्णम्		२६३
७×४	८	२१	,,	,,	–	पूर्णम्		२६४
४.८×२.१२	५	१३	,,	,,	–	पूर्णम्		२६५
१०×४	८	३०	,,	,,	–	पूर्णम्	जीर्ण-शीर्ण	२६६

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२६७	१८७	तृचाकल्पः	–	१-२
२६८	१८६	गायत्रीपटलम्	–	१-१६
२६६	१८८	त्रिपुरसुन्दरीतंत्रम्	–	१-६
२७०	१८६	कालीकवचम्	–	१-२
२७१	१६५	त्रैलोकदीपदानम्	–	१-४
२७२	१७१	षोडशाक्षरीमंत्रः	–	१-५
२७३	१६६	नवार्णमंत्रः	–	१-५
२७४	१६०४	प्रतोदयंत्रम्	–	१-४
२७५	१७५०	कौलरहस्यतंत्रम्	–	१-१४
२७६	१७४१	अन्नपूर्णा रहस्यकं तंत्रम्	–	१-५
२७७	१७४३	मंत्रोद्धारः	दक्षिणामूर्तिः	१-३१
२७८	३१६२	सहस्राक्षरीन्यासः	–	१-६
२७६	३१६७	कात्यायनीतंत्रोक्तप्रयोगः	–	१-८
२८०	३३२२	पंचसाकवाजीकरणम्	–	१-१०
२८१	३२६४	बटुकहृदयतंत्रम्		१-३
२८२	३३०७	पारावततन्त्रम् (शल्यतंत्रम्)		१-२२
२८३	३३०६	शिवताण्डवतंत्रम्	–	१-२१
२८४	३३१०	दत्तात्रेयतन्त्रम्	–	१-३१
२८५	३३०८	कुलामृतमहोदधिः	–	१-२२
२८६	१७४०	सृष्टिन्यासतंत्रम्	–	१-२
२८७	१६६५	तंत्रसारः (बगलामुखी प्रयोगपूजा)	–	१-५
२८८	" ख	"	"	१-६
२८६	" ग	"	"	१-३
२६०	" घ	"	"	१-८
२६१	" ङ	"		१-५

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
७×४	६	१८	देवना.	कागज	-	अपूर्णम्		२६७
७.१०×४	८	३३	,,	,,	-	पूर्णम्	जीर्णः शीर्णः	२६८
६×४	७	२६	,,	,,	-	पूर्णम्		२६९
८×४.८	१३	३०	,,	,,	-	पूर्णम्		२७०
६×३.६	१३	४०	,,	,,	-	पूर्णम्		२७१
१०×४	१४	४२	,,	,,	-	अपूर्णम्		२७२
८×२.८	५	१७	,,	,,	-	पूर्णम्		२७३
६×४	६	३४	,,	,,	सं. १८८८	पूर्णम्		२७४
६×४.५	८	३२	,,	,,	-	पूर्णम्		२७५
१०×४६	६	३७	,,	,,	-	पूर्णम्		२७६
१०×५	७	३६	,,	,,	-	पूर्णम्		२७७
१०×४	६	३६	,,	,,	-	पूर्णम्		२७८
६×५	८	२७	,,	,,	-	पूर्णम्		२७९
८×३.८	११	३८	,,	,,	-	पूर्णम्		२८०
८×३.८	६	३२	,,	,,	-	पूर्णम्		२८१
११×११	६	२६	,,	,,	-	पूर्णम्		२८२
११×४	६	४०	,,	,,	-	पूर्णम्		२८३
६×४	१०	२६	,,	,,	-	पूर्णम्		२८४
११×४.८	६	३६	,,	,,	-	पूर्णम्		२८५
६×४	७	३२	,,	,,	-	पूर्णम्		२८६
१२×६	१०	३५	,,	,,	-	पूर्णम्	२४ अध्यायः	२८७
१२×६	६	३४	,,	,,	-	पूर्णम्	२७ अध्यायः	२८८
१२×६	६	३५	,,	,,	-	पूर्णम्	२३ अध्यायः	२८९
१२×६	६	२७	,,	,,	-	पूर्णम्	२७ अध्यायः	२९०
१२×६	१०	३५	,,	,,	-	पूर्णम्	२८ अध्यायः	२९१

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२६२	१५७२	तंत्रराजः		१-१०५
२६३	१५७३	तंत्रराजः (मनोरमाटीका सहितः)		१-२६१
२६४	२२२८	तन्त्रसमुच्चयः		१-१४०
२६५	२६१६	हिल्लाजदीपिका	नृसिंहदैवज्ञः	१-१३
२६६	२६३५	रुद्रयामलतंत्र-दक्षविद्यारहस्य शारिकास्तवराज		१-५७
२६७	२६०१	त्रिपुरसुन्दरीपटलतंत्रम्	-	१-१३
२६८	,,	तंत्रविषयकः	-	६ गणनया
२६९	४६६	सरस्वतीतंत्रम्	-	१-५
३००	४६५	दक्षिणकालिकाकवचम्	-	१-३
३०१	२१७०	शारदातिलकतंत्रम्	-	११७ गणनया
३०२	१८३३	बलिदानविधिः	-	१-८
३०३	२१७४	यंत्रचिन्तामणितंत्रम्	-	१-२५
३०४	२६०६	कक्षपुटतंत्रम्	-	१-१६
३०५	५४०६	मंत्रमुक्तावली	-	१-६
३०६	६७६	उद्धारकोषः	-	१-१५
३०७	५४४३	शावरमंत्रः	-	१-५
३०८	२६३८	तंत्रसारोक्तहोमप्रकरणम्	-	१-५२
३०९	२६३७	रुद्रयामले तंत्रे त्रिकुटरहस्यशक्तिपूजा		१-२६
३१०	२६७०	डामरतंत्र कार्त्तवीर्यस्य पूजा	-	१-३
३११	२६३६	मंत्रमहोदधितंत्रम्	महीधरः	१-१६३
३१२	११६	मुदालक्षणिनी		१-७

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१२×५.५	१३-१२	४५	देवना.	कागज	-	पूर्णम्	अन्तिम पत्र ५ खण्डित है	२६२
१३×५.५	११	५०	,,	,,	-	पूर्णम्	जीर्ण	२६३
२१×२	१०	८२	,,	ताडपत्र	-	पूर्णम्		२६४
८×४.६	६	२८	,,	,,	१८६१	पूर्णम्		२६५
८×५	८	२८	,,	,,	१८८६	पूर्णम्		२६६
१०×४	६	३६	,,	,,	-	पूर्णम्		२६७
१०×४	५	३३	,,	,,	-	अपूर्णम्	पंक्ति में विविधता है	२६८
१०.५×४	१२	३८	,,	,,	-	अपूर्णम्		२६६
१०×४	१०	४१	,,	,,	-	अपूर्णम्		३००
१०.४×४	१०	५१	,,	,,	-	अपूर्णम्	जीर्णः शीर्णः	३०१
८×४	८	२४	,,	,,	-	पूर्णम्		३०२
६×४	६	४५	,,	,,	-	पूर्णम्		३०३
१०×५	६	२४	,,	,,	-	अपूर्णम्		३०४
६×४	६	२८	,,	,,	-	पूर्णम्		३०५
५×३	१०	२२	,,	,,	-	अपूर्णम्		३०६
११×४	१०	३४	,,	,,	१८७७	पूर्णम्		३०७
६×४	६	३०	,,	,,	-	पूर्णम्		३०८
६×४	१०	२५	,,	,,	-	पूर्णम्		३०६
८×४	१२	३२	,,	,,	-	पूर्णम्		३१०
६×४	६	३७	,,	,,	३५००	पूर्णम्		३११
१०×४	१०	४८	,,	,,	-	पूर्णम्		३१२

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
३१३	१८	शावरमहामंत्रसारः	–	१-४
३१४	१०	एकाक्षरीपटलम् (काली मंत्रः)	–	१-४
३१५	४६	सुन्दरीमंत्रः	–	१-२
३१६	४७	भूतशुद्धिः	–	१-५
३१७	८४	शाबरमंत्रतंत्रम्	–	१-३
३१८	२६६	हृदयामले बालाहृदयम्	–	१-४
३१९	२३२	विशांकयंत्रसंकेतः	–	१-२
३२०	३७३२	सांख्यायनतन्त्रम्	–	२-४४
३२१	४२४६	रक्तचामुण्डाप्रयोगः	–	१-७
३२२	४२७३	कुलार्णवतंत्रम्	–	१-८
३२३	४३५३	मिताक्षरादायविभागः	–	१-१४
३२४	३६३६	उद्धारकोशः	–	१-६
३२५	३६९०	कात्यायनीतंत्रम्	–	९ गणनया
३२६	३५४	गंधर्वराजमंत्रः	–	१-२
३२७	१५७९	शारदातिलकः	शिवदीनत्रिपाठी	१-९५
३२८	१५६८	शारदातिलकः		१-१४१
३२९	१५६९	मन्त्रमहोदधिः		१-७८
३३०	१५७०	पूजारत्नमयूरवः	श्री शिवदीनः	१-६२
३३१	१५६६	पूजारत्नमयूखः	सत्यानन्दः	१-५९
३३२	२५५९	मन्त्रमहोदधिः		३५, ४३-६६,८१
३३३	१५७४	शारदातिलकः	शिवदीनः	१-९५
३३४	१८२६	तन्त्रसारप्रथमपरिच्छेदः	कृष्णानन्दमहाचार्यः	१-२५
३३५	१८१७	रुद्रयामलतंत्रम्		२८ गणनया
३३६	१६४७	तन्त्रसारः		२२-४३८
३३७	१५३	यक्षिणीप्रयोगः		१-४
३३८	४०५०	विश्वसारतंत्रम्		१८ गणनया
३३९	३९८८	तंत्रमंत्रप्रदीपिका		१८ गणनया

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः			क्रमांकः
६×४	१६	४०	दे.ना.	कागज	-	अपूर्णम्				३१३
७×४.५	६	२८	,,	,,	-	पूर्णम्				३१४
६×४.६	१२	२७	,,	,,	-	पूर्णम्				३१५
६×३	७	४१	,,	,,	-	पूर्णम्				३१६
६×४	११	३८	,,	,,	-	पूर्णम्				३१७
७×३	७	२६	,,	,,	-	पूर्णम्				३१८
८.५×४	६	३०	,,	,,	-	पूर्णम्				३१९
१०×४	६	३७	,,	,,	-	अपूर्णम्				३२०
६×४	१०	२७	,,	,,	-	पूर्णम्				३२१
६×४	१७	४०	,,	,,	-	पूर्णम्				३२२
६×७	१८	३१	,,	,,	-	पूर्णम्				३२३
७.५×४	६	२२	,,	,,	-	पूर्णम्				३२४
६.५×४	७	३०	,,	,,	-	अपूर्णम्				३२५
५×४	१२	१८	,,	,,	-	पूर्णम्				३२६
१२.५×५	११	५६	,,	,,	१८७५	पूर्णम्				३२७
१२×५	१२	५०	,,	,,	१८७५	पूर्णम्				३२८
१२×५	१०	५२	,,	,,	१८७७	अपूर्णम्	नौका टीका			३२९
१२×५.५	११	४८	,,	,,	१८७९	पूर्णम्				३३०
१२×५.५	१२	४५	,,	,,	-	पूर्णम्				३३१
१०×४.५	१२	३८	,,	,,	-	अपूर्णम्				३३२
१२×५	११	५६	,,	,,	१८७५	पूर्णम्				३३३
८.५×४	७	३३	,,	,,	१८८१	पूर्णम्				३३४
६×३.५	७	१६	,,	,,	-	पूर्णम्				३३५
१०×५	१०	२४	,,	,,	-	अपूर्णम्				३३६
९.५×४	११	४८	,,	,,	-	पूर्णम्				३३७
६×४.५	१०	२८	,,	,,	-	अपूर्णम्				३३८
६×४.५	६	२६	,,	,,	-	अपूर्णम्				३३९

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
३४०	३९९५	बालात्रिपुरसुन्दरी		१-१६
३४१	४०१५	उद्धारकोषः		१४ गणनया
३४२	३९४१	पुरश्चरणकौमुदी		१-१२
३४३	३९३५	मन्त्रशास्त्रम्		२९ गणनया
३४४	५२७०	आर्या दुर्गा	–	१-१०
३४५	१८२९	मंत्रमहोदधिः	–	१-१०३
३४६	५९९८	सिंहसिद्धान्तसिन्धुः	शिवानन्द भट्ट	१-२३
३४७	५९००	सुदर्शनमालामंत्रविधिः	–	१-७
३४८	७४६	शत्रुवाराहीमंत्रम्		१-२
३४९	८०९	आसुरीकल्पः		१-४

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
८×४.५	१०	२२	दे.ना.	कागज	-	पूर्णम्		३४०
१×५	१०	३६	,,	,,	-	अपूर्णम्		३४१
६.५×४	१०	४७	,,	,,	-	पूर्णम्	३४२	
१०.५×५	१५	४३	,,	,,	-	अपूर्णम्		३४३
८.५×३.८	८	३५	,,	,,	-	अपूर्णम्		३४४
१०×४	११	४५	,,	,,	-	अपूर्णम्		३४५
१३×५	१०	५६	,,	,,	-	अपूर्णम्	१ से २० तरंग तक क्रम नहीं है	३४६
१०×४		१०	३७	,,	,,	-	अपूर्णम्	३४७
६×४.१	८	१५	,,	,,	-	पूर्णम्		३४८
६×४.५	११	३२	,,	,,	-	पूर्णम्	श्रीडामरतन्त्र रूद्रयामले	३४६

धर्मशास्त्रम् एवं स्मृतिशास्त्रम्

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१	४६६	स्मृत्यर्थसारसंग्रहः	–	२०
२	२००७	वयुतिस्तुतिव्याख्यानम्	रघुनाथ चक्रवर्ती	२२
३	५७४	व्रात्यताशुद्धिसंग्रहः	–	६१
४	१६७५	कुलप्रदीपः	–	१२०
५	१६७६	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्रम् मिताक्षरामूलम्	–	५५
६	२५००	धर्मशास्त्रविषयकः	–	१७
७	१६४६	याज्ञवल्क्यस्मृतिः	हरी दीक्षित	२१
८	२३४६	निर्णयसिन्धुः	कमलाकर भट्ट	२८ गणनया
९	३३१२	स्मृत्यर्थसारः	नृसिंह	६४
१०	५३०५	धर्मशास्त्रम्	–	७
११	२५७६	उर्ध्वपुण्डवर्णनम्	–	६
१२	५८७३	धर्मार्थभिक्षाव्रतः	लालचन्द	११६
१३	४०८५	धर्मशास्त्रम्	–	१० गणनया
१४	३६५४	शाण्डिल्यभक्तिसूत्रम्	–	१४
१५	४०४१	धर्मशास्त्रग्रन्थः	–	२६
१६	४००३	धर्मशास्त्रग्रन्थः	–	२६
१७	५२१२	हरिभक्तिविलासः	गोपाल भट्ट	८८
१८	५२०३	आपस्तम्बसूत्रपशुसूत्रम्	–	६
१९	५१५७	हारीतस्मृतिः	–	६१
२०	३७१७	भक्तिरत्नाकरः	अनन्त मौनी	३८
२१	३६०१	आचारमयूखः	नीलकण्ठ	५१
२२	३७१२	आचारदीपिका	–	१८
२३	३७०६	धर्मप्रवृत्तिः	नारायण भट्ट	२०
२४	३६६०	वैधहिंसामार्तण्डः	गयादत्त	२३

धर्मशास्त्रम् एवं स्मृतिशास्त्रम्

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांक
१०.५×४	१५	५६	दे.ना.	कागज	-	अपूर्णम्	-	१
१२×६	११	५१	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२
१०.५×४	७	३८	,,	,,	१६३१	पूर्णम्	-	३
६×६	७	२६	,,	,,	-	पूर्णम्	-	४
१०.५×४	६	३२	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	५
६×२.५	६	४४	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	६
८.२५×३.५	१५	४४	,,	,,	१६७५	पूर्णम्	-	७
१०×४	११	३६	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	८
१२ ×५	६	४०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	९
६×४	११	३०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१०
११×४.५	८	२३	,,	,,	-	पूर्णम्	-	११
११×४	१७	७८		,,	१७२२	पूर्णम्	ग्रन्थ खण्डित हैं	१२
१०×४.२५	१०	४१	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१३
१२×५	१०	३४	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१४
१०×३.५	६	३४	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१५
११×४	७	३०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१६
६.५×५	१०	३०	,,	,,	१८६६	पूर्णम्	-	१७
८×३.५	१३	४६		,,	,,	पूर्णम्	-	१८
१२×४.५	१२	५५		,,	,,	पूर्णम्	-	१९
८×४	१३	३८		,,	,,	पूर्णम्	-	२०
११×५	१२	४६		,,	,,	पूर्णम्	-	२१
६.५×५	१५	३५		,,	,,	अपूर्णम्	-	२२
६×४.५	१०	३०		,,	,,	पूर्णम्	-	२३
१०×४	८	३६		,,	,,	पूर्णम्	-	२४

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२५	५४५६	मतिलिङ्गसमर्थनम्	वरदसूरि	११
२६	३६६४	पराशरीयधर्मशास्त्रम्	-	५६
२७	५४३६	मन्युसूक्तविधानम्	रघुनाथ	७
२८	५५६७	निर्णयसिन्धुः	-	१४२
२९	३७०३	धर्मप्रवृत्तिः	-	१४५
३०	५१५०	चक्रोल्लासः	-	४३
३१	२०७२	आगमपरिच्छेदः	रामकृष्णध्वरि	२०
३२	५८७४	व्यवहारपरिभाषा	हरिदत्त मिश्र	८
३३	२६३६	आचारप्रदीपः	-	३२
३४	२८५२	त्रिंशत्श्लोकीभाष्यम्	-	१७
३५	२८५३	त्रिंशत्श्लोकीभाष्यम्	-	१६
३६	२८५६	त्रिशत श्लोकी भाष्य	-	१२
३७	२८५७	अशौचनिर्णयः	-	४
३८	५७८७	निबन्धकारिका	श्रीगोपाल	२५
३९	१९४५	उत्सर्गमयूखः	भट्टनीलकण्ठ	१७
४०	६९	अवगमशास्त्रविवरणम्	श्रीशंकर	२६
४१	५४६१	शंखचक्रश्रुतिव्याख्या	-	५
४२	२०४१	त्रिंशश्लोकीव्याख्या	अन्न भट्ट	४१
४३	५४६८	हारीतस्मृतिः	-	६४
४४	५४६५	पाराशरस्मृतिः (उत्तरखण्डः)	-	१५
४५	४०९९	याज्ञवल्क्यस्मृतिः	-	६६
४६	३९४९	स्मृतितत्वः	रघुनन्दन	१-८७
४७	५१०३	याज्ञवल्क्यस्मृतिः	-	३०
४८	५६०९	मनुस्मृतिः	-	१४१
४९	२१००	स्मृतिरत्नाकरः	वेंकटनाथ	२७२
५०	२०३७	याज्ञवक्यस्मृतिः	-	४.१९

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१०.५×४.५	८	२७	दे.ना.	कागज		पूर्णम्	–	२५
६.५×४	७	२७	”	”	१८८१	पूर्णम्	–	२६
५.५×३	६	२१	”	”	–	पूर्णम्	–	२७
१०.५×४.५	६	३८	”	”	–	पूर्णम्	–	२८
६.५×४.५	६	४५	”	”	–	अपूर्णम्	–	२६
१२×६	१४	४२	”	”	–	पूर्णम्	–	३०
१४×५.५	१२	४३	”	”	–	पूर्णम्	–	३१
१२×४.५	८	२३	”	”	१८५३	पूर्णम्	–	३२
१०×४	११	४१	”	”	–	अपूर्णम्	–	३३
११.५×५	१०	५०	”	”	–	पूर्णम्	–	३४
११.५×५	१०	४०	”	”	१८४७	अपूर्णम्	–	३५
१२×४	१६	४६	”	”	–	अपूर्णम्	–	३६
१२ ×४	१०	६३	”	”	१८७३	पूर्णम्	–	३७
६.५×४.५	११	३५	”	”	१७२१ शक	पूर्णम्	–	३८
११.५×५	११	४४	”	”	–	पूर्णम्	पत्र खंण्डित हैं	३६
१३×६	१२	४६	”	”	–	पूर्णम्	–	४०
१०×५	१२	४७	”	”	–	अपूर्णम्	–	४१
११×४.५	६	५१	”	”	–	पूर्णम्	–	४२
११.५×५	८	३६	”	”	–	अपूर्णम्	–	४३
१२.१×५	११	३६	”	”	–	अपूर्णम्	–	४४
११.५×५	१०	४३	”	”	–	अपूर्णम्	–	४५
११×५	१५	५८	”	”	–	अपूर्णम्	–	४६
१२×५.५	१०	३१	”	”	–	अपूर्णम्	–	४७
१०×४.५	६	३५	”	”	१७१०	पूर्णम्	–	४८
१२.२×५.५	६	४०	”	”	१६२०	पूर्णम्	–	४६
१२×५	१०	३८	”	”	१८८१	अपूर्णम्	–	५०

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
५१	२०२२	अनुस्मृतिः	११	
५२	५३०६	पारासरस्मृतिः	-	२१
५३	५२४६	पाराशरस्मृतिः	-	२३
५४	५१६४	हारीतस्मृतिः	-	११५
५५	५८६२	सन्देहध्वान्तदीपिका	यशः कीर्ति	३०३
५६	३६१४	स्मृतिशापोद्वारः	-	२१६

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
८×३.५	६	१६	दे.ना.	कागज	-	पूर्णम्	-	५१
१०.५×४.५	६	४१	,,	,,	-	पूर्णम्	-	५२
१२×५	८	३६	,,	,,	-	पूर्णम्	-	५३
१०×५	११	३२	,,	,,	-	पूर्णम्	-	५४
१२.१.५×५.५	६	४२	,,	,,	१६५६	पूर्णम्	-	५५
१२×५	६	३५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	५६

नीतिशास्त्रम्

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१	३८३२	नीतिशतकम्	भर्तृहरि	२६
२	५२१३	विरोधपरिहारः	-	११
३	४०६८	नीतिभुजंगप्रयातम्	हरिवंश	०३
४	५८५४	नीतिमयूखः	भट्टनीलकण्ठ	४०
५	३६८६	वाणीभूषणम्	दामोदर मिश्र	२-३०
६	५८३२	हितोपदेशः	-	७७
७	५६४१	वैराग्यशतकम्	भर्तृहरि	११
८	३११२	सारसंग्रहः	चानक ऋषि	१०
९	३३२६	नीतिशास्त्रम्	विश्वेश्वर सरस्वती	२-४५
१०	५६१	नीतिभुजंगप्रयातावली	हरिवंश	२
११	१६८६	वृद्धचाणक्यः	-	३२
१२	३६४६	नीति-श्रृंगार-वैरागशतकम्	भर्तृहरि	२१
१३	४१०२	व्यवहाररत्नाकरः	-	४१
१४	४२८०	वाक्यपद्धतिः	-	२६
१५	३६४५	हितोपदेशः	-	२-४५
१६	३६३४	लघुचाणक्यराजनीतिशास्त्रम्	-	६
१७	१४६१	नीतिप्रवचनम्	-	४

नीतिशास्त्रम्

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६×२.५	६	२०	देवना.	कागज		पूर्णम्	–	१
१०×४	९	२७	,,	,,		पूर्णम्	चतुर्थ अधिकार पर्यन्त	२
८.५×३.५	७	२६	,,	,,		पूर्णम्	–	३
१२.१×५.५	१६	४८	,,	,,		पूर्णम्		४
१०×४.५	१०	३६	,,	,,		अपूर्णम्	–	५
१२.१×५.५	१०	३६	,,	,,		पूर्णम्	–	६
९.५×४.५	९	३२	,,	,,		पूर्णम्	–	७
६.५×४	१०	१७	,,	,,		पूर्णम्	–	८
९.५×४	७	२६	,,	,,		अपूर्णम्	–	९
९.५×४	९	४२	,,	,,	१८७८	पूर्णम्	–	१०
९.५×४	७	२५	,,	,,	१९५५	पूर्णम्	–	११
९×३.५	९	४६	,,	,,		अपूर्णम्	–	१२
१२×४.५	१०	३५	,,	,,		पूर्णम्	–	१३
६.५×४	७	१७	,,	,,		पूर्णम्	–	१४
९.५×३.५	९	३९	,,	,,		अपूर्णम्	–	१५
९×४.५	१२	२९	,,	,,		पूर्णम्	–	१६
१०.५×४.५	१२	४	,,	,,		पूर्णम्	–	१७

कोषः

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१	१२६४	अमरकोषः	–	१६ गणनाया
२	३८५२	अमरकोषः	–	१६
३	३८५१	नामलिगानुशासनम्	अमर सिंह	४५
४	३६२६	अमरकोषः सटीकः ४	भानु जी दीक्षित	६५
५	३६३०	अमरकोषः सटीकः ४	बलभद्र	१४३
६	४०४६	अमरकोषः	–	४४
७	१२६१	अमरकोषः	–	५ गणनया
८	१८१२	अमरकोषः	–	६
९	२१५७	योगशब्दार्णवकोषः	–	३७
१०	३८५७	अमरकोषः	–	४
११	४०३४	अमरकोषः	जीव नारायण	६१
१२	४०३८	अमरकोषः	भानु जी दीक्षित	१४३ गण.
१३	४११३	अमरकोषः	–	५१
१४	१८७६	अमरकोषः	अमर सिंह	१०४
१५	२३२६	अमरकोषः	अमर सिंह	४-७७
१६	२३४५	अमरकोषः	अमर सिंह	२१-५७
१७	२८६१	अमरकोषः	अमर सिंह	१४६ गण.
१८	५२५२	अमरकोषः तृतीयखण्डः	अमर सिंह	४६
१९	५८१८	अमरकोष सटीकः ४	–	६
२०	५१६५	गुणरत्नकोषः	पराशर भट्ट	१७
२१	६२३	अमरकोषः	–	१६-५५

कोषः

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णूम्	विशेषः	क्रमांकः
६.५×४.५	८	३३	देवना.	कागज	-	अपूर्णम्	-	१
६.५×५	६	२६	,,		,,	अपूर्णम्	-	२
६×५.५	५	१८	,,		,,	अपूर्णम्	-	३
१२×४.५	१२	५६	,,	,,	१६११	पूर्णम्	-	४
१२.२५×४.५	१४	५१	,,	,,	१६१२	पूर्णम्	एक पत्र खंण्डित	५
६×४.५	८	२४	,,		,,	अपूर्णम्	-	६
१०×४	५	२६	,,		,,	अपूर्णम्	-	७
१०.५×४	७	३४	,,		,,	अपूर्णम्	-	८
१२.५×५	१६	५६	,,		,,	अपूर्णम्	कुछ पन्नों में एक दो पंक्ति में लिखा हैं।	६
१०.५×४.५	७	२८	,,		,,	अपूर्णम्	-	१०
१०×४	६	३८	,,	,,	१७६८	अपूर्णम्	-	११
१०.५×४	८	३७	,,		,,	अपूर्णम्	-	१२
११×४.५	७	३३	,,	,,	१६११	पूर्णम्	-	१३
१०×४.५	६	२२	,,	,,	१८०६	पूर्णम्	पत्र खण्डित है	१४
६×४.५	१३	२३	,,	,,	शक १७७४	अपूर्णम्	-	१५
१०×४	७	३०	,,		,,	अपूर्णम्	-	१६
६.५×५.५	६	३४	,,		,,	पूर्णम्	-	१७
७×४.५	८	२२	,,		,,	पूर्णम्	-	१८
१२.१×५	८	४०	,,		,,	अपूर्णम्	-	१६
१३.४×६.५	१२	५६	,,	,,	१८६३	पूर्णम्	-	२०
१०×४	८	३६	,,		,,	अपूर्णम्	-	२१

आयुर्वेदः

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१	५२१८	शार्ङ्गधरसंहिता	शार्ङ्गधर	१८८
२	४३६१	आयुर्वेदविषयकः		– ६
३	४२६४	औषधिसंग्रहः	–	३४ गणनया
४	४२८४	द्रावणादिविधिः	–	११ गणनया
५	१०६१	पाकावली	–	३
६	५४६०	श्रीविद्याकल्पम्	–	५
७	४२८५	श्यामाकल्पम्	–	४
८	१०६७	वैद्यजीवनम्	लोलिम्बराज	२२
९	५०३	वैद्यजीवनम्	लोलिम्बराज	१९
१०	१६४२	माधवनिदानम्	श्रीमाधव	९६
११	१०६६	वैद्यजीवनम्	लोलिम्बराज	१८ गणनया
१२	७४५	अजीर्णामृतमञ्जरी	काशीरानाचार्य	७
१३	३८३५	रसरत्नसमुच्चयः	–	५३
१४	२१६	गौरीकञ्चुलिका	–	२१
१५	३६१६	पाकमार्तण्डः	श्री गंगाधर	५५
१६	३६७८	गजायुर्वेदः	–	१०८
१७	५७७१	भावप्रकाशः	भावमिश्र	४५६
१८	४०६१	वैद्यसंजीवनी	–	१६ गणनया
१९	३७३६	नागार्जुनीयसारसंग्रहः	नागार्जुन	१५ गणनया
२०	३७०२	वृत्तमाणिक्यमाला	त्रिमल्ल	२-२२
२१	२०२	ज्ञानभास्करः	–	४१४ गणनया
२२	५८७२	बालचिकित्सा	–	१०
२३	५८६३	मदनविनोदनिघण्टुः	–	६४
२४	५८७६	योगचिन्तामणिः	–	४३

आयुर्वेदः

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
८.५×४.५	६	२६	देवना.	कागज	-	पूर्णम्	-	१
१०×४.५	६	३०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२
७.५×४	१४	३०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३
६.५×४	१२	३०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	४
६.२५×३	६	२६	,,	,,	-	पूर्णम्	-	५
१०×४.५	६	२५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	६
७.५×४	१२	२३	,,	,,	-	पूर्णम्	-	७
६×४.५	६	२८	,,	,,	१७६६	पूर्णम्	-	८
१०×४	६	३६	,,	,,	-	पूर्णम्	सकल रोग प्रतीकारक पंचमोल्यास	६
६×४	६	३०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१०
६.५×४	१०	३५	,,	,,	१८५३	अपूर्णम्	-	११
१०.५×४.५	१५	५७	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१२
६.५×३.५	५	१६	,,	,,	-	अपूर्णम्	खंण्डित	१३
१०.५×४.५	६	३७	,,	,,	-	पूर्णम्	गोपाल संहिता से उद्घृत	१४
१२×२.५	११	४६	,,	,,	१६०६	पूर्णम्	-	१५
१२×६.५	६	३८	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१६
१२×५	१०	५५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१७
१०×६	१०	२७	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१८
६×३.५	११	४१	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१६
६×३.५	१२	४२	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	२०
१२×६.५	११	३६	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	२१
१०×४.५	१०	२६	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२२
११×५	११	३६	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२३
११×४	१३	४५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२४

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२५	५८८०	लक्ष्मणोत्सवः	श्री लक्ष्मण	६० गणनया
२६	५८८४	पाकवली	नागर मिश्र	४२
२७	५८६२	पूतनाविधानम्	–	१२
२८	५८६१	द्रव्यगुणः	–	३६
२९	१९७९	बालचिकित्सा	–	१६
३०	२४८६	रोगप्रतीकारः	–	१२
३१	२३४४	वैद्यरहस्यम्	–	५५
३२	३१६४	रसशोधनविधिः	–	३
३३	३२३६	वैद्यार्कः	बालकवीन्द्र	३
३४	३१९३	बालतन्त्रम्	–	४
३५	३४२५	माधवनिदानम्	–	५
३६	२५४३	रससंकेतकलिका	–	१४
३७	२५४६	शार्ङ्गधरसंहिता	शार्ङ्धर	२-८६
३८	२०००	वैद्यकः	भैरव वीरसिंह	२०२
३९	२३२८	ज्वरनिदानचिकित्सापद्धतिः	–	६७
४०	५९१४	वैद्यमहोत्सवः	–	२६

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-काल	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१०.५×४.५	६	३३	देवना.	कागज	-	अपूर्णम्	-	२५
७.५×४	८	२४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२६
६.५×४.५	६	२६	,,	,,	१८३८	पूर्णम्	-	२७
११×४.५	१४	३८	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२८
७×४.५	८	२२	,,	,,	१६३०	पूर्णम्	-	२९
६.५×४	१०	३०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	३०
१०×४.५	६	३४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३१
१ फि.×५	१३	५२	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३२
६.५×४.५	१५	४८	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३३
१.५×६	१६	५६	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३४
६.५×४	८	३३	,,	,,	-	पूर्णम्	पाण्डुरोगनिदान भाग	३५
११×४.५	१०	४८	,,	,,	१८८२	पूर्णम्	-	३६
१ फि.×६.५	१४	४७	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	३७
१०.५×४.५	६	३२	,,	,,	१६१७	पूर्णम्	-	३८
११×५	११	४०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३९
१०×४.५	६	२६	,,	,,	-	पूर्णम्	-	४०

पुराणम् इतिहासश्च

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१	४०५७	एकादशीमाहात्म्यम्	-	३-३५
२	४०५८	देवीमाहात्म्यम्	-	२-२६
३	३५६७	स्कन्दपुराणं ब्रहमोत्तरखण्डः	-	८२
४	३५६६	बृहन्नारदीयपुराणम्	-	११५
५	५७८६	भागवतसारसंग्रहः	-	३५
६		रामायणमाहात्म्यम्	-	१०
७	५२३८	रामाश्वमेधः	-	१०५
८	२५७१	कार्तिकमाहात्म्यम्	-	३८
९	२५७३	गरुड़पुराणप्रेतकल्पम्	-	४५
१०	४२८६	चतुःश्लोकी भागवत	-	१८
११	४०३६	देवीगीता	-	१६ गणनया
१२	५७५६	काशीविवेचना	भट्टनारायण	८०
१३	५७७०	महाभारतकथा व्याख्यानम्	-	६३४
१४	२०१	श्रीमद्भागवतः	-	१०३४
१५	३४३०	प्रयागमाहात्म्यम्	-	३५
१६	३४२६	कोकिलामाहात्म्यम्	-	६६
१७	३१७२	वामनप्रादुर्भावः	-	६
१८	३१४८	शिववर्गकथनम्	-	८
१९	३१२६	ब्राम्हणलक्षणम्	-	११
२०	३०८७	विन्ध्यमहिमा	-	५ गणनया
२१	५२६३	कालिव्यवहारः	-	१५ गणनया
२२	५२३६	कार्तिकमाहात्म्यम्	-	३०
२३	५२६६	मलमासमाहात्म्यम्	रामकृष्ण दीक्षित	५
२४	५३०७	पुराणप्राबल्यम्	गोविन्द	१४

पुराणम् इतिहासश्च

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१२×६	१२	४१	देवना.	कागज	-	अपूर्णम्	-	१
१०.५×५.५	११	४४	,,	,,	-	अपूर्णम्	ग्रन्थ सुवाच्य नहीं हैं	२
१२.५×६.२५	१०	३१	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३
१२.५×६	१३	४३	,,	,,	-	पूर्णम्	-	४
१२.५×५	१४	४५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	५
१४×६	१२	५१	,,	,,	-	पूर्णम्	स्कन्द पुराण उत्तरकाण्ड	६
१२.५×८	१४	४३	,,	,,	१८७०	पूर्णम्	पद्मपुराण पातालखण्ड	७
१०×४.५	१०	३६	,,	,,	-	पूर्णम्	पद्मपुराण	८
९.५×४	११	३६	,,	,,	१८७३	पूर्णम्	-	९
८.५×८.५	११	३१	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१०
९.५×३.५	८	३४	,,	,,	-	अपूर्णम्	देवीभागवत	११
१२.५×४.५	१३	५५	,,	,,	-	पूर्णम्	पद्मपुराण पाताल	१२
१२.५×५.५	११	४४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१३
१२×५.५	१८	४५	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१४
१०.५×४.५	९	३५	,,	,,	१९०९	पूर्णम्	-	१५
९.५×४	६	२६	,,	,,	१८८५	पूर्णम्	भविष्योत्तरपुराण	१६
८.२५×४	८	२५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१७
४.५×३	६	२२	,,	,,	-	पूर्णम्	शिवपुराणान्तर्गत	१८
६.५×३.५	८	२२	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१९
९.५×४	७	३४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२०
९.५×४.५	१५	४०	,,	,,	-	पूर्णम्	भविष्यपुराणत्तर्गत	२१
१२.५×४	८	४४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२२
१०.५×४.५	१०	२६	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२३
१०.५×८.५	७	३१	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२४

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२५	५३१३	व्येंकटगिरिमाहात्म्यम्	–	१८
२६	५३२८	भारतसावित्री	–	६
२७	५२८२	लक्ष्मीसंहिता	–	१४८
२८	२५६२	माघमाहात्म्यम्	–	१५१
२९	–	माघमाहात्म्यम्	–	७३
३०	८०६	एकादशीमाहात्म्यम्	–	५
३१	५६१०	रामचन्द्राश्वमेधः	–	१५२
३२	३९५३	दुर्गासप्तशती	नाग्मेजी भट्ट टीकाकार	८६
३३	४३८३	भक्तविलासः	–	२७३
३४	३८१५	आदिपुराणं (पूर्व उत्तरभाग)	–	३-३०९ एवं १-५७-३३२
३५	३८१७	श्रीमद्भागवतपुराणंसटीकम्	–	११०१
३६	५७७३	श्रीमद्भागवत्पुराणं सटीकम्	–	१५०६
३७	३८१८	काशीखण्डः पूर्वार्धत्तरार्धश्च	गुमानीराम	९४७
३८	३८१४	आदिपुराणं जैनपुराणम्	–	५११
३९	३८१६	देवीभागवततिलकटीका	–	७१०
४०	५५०५	देवीसूक्तम्	–	१०
४१	५३४६	बदरीमाहात्म्यम्	–	६८
४२	५३४८	भल्लारिमाहात्म्यम्	–	१०३
४३	८५६	सोमोत्पत्तिः	–	४
४४	६०६	बुधाष्टमीव्रतकथा	–	६
४५	८३१	नृसिंहव्रतकथा	–	६
४६	११२६	वेदानुस्मृतिः	–	१२
४७	३७२५	शिवसंहिता	ईश्वर	४०
४८	४६५	पद्मपुराणम्	–	४-१७८

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
८.५×४	७	२७	देवना.	कागज	१७८७	पूर्णम्	भविष्येत्तरपुराणान्तर्गत	२५
६.५×४	८	२६	"	"	–	पूर्णम्	–	२६
११.५×४.५	६	३८	"	"	–	पूर्णम्	वायुपुराणान्तर्गत	२७
१०×४	१०	३६	"	"	१८२८	पूर्णम्	पद्मपुराणान्तर्गत	२८
१०×४	११	३४	"	"	१८५६	पूर्णम्	पद्मपुराणान्तर्गत पिशाचमोचनर्पन्त	२९
८.५×४	४	"	"	–		अपूर्णम्	–	३०
१२×५	११	५२	"	"	–	पूर्णम्	–	३१
१२.५×६	१०	३४	"	"	१८८६	अपूर्णम्	–	३२
१०.५×५	८	३१	"	"	–	पूर्णम्	स्कन्दपुरान्तर्गत	३३
१२×४.५	७	२८	"	"	१८६६	अपूर्णम्	–	३४
१३×६	७	४२	"	"	१८५६	पूर्णम्	श्रीशरी एवं भावार्थ.	३५
१२ ×६	१०	३०	"	"	१९०८	पूर्णम्	पत्र खंण्डित हैं	३६
१४×६	६	४१	"	"	१८४७	पूर्णम्	–	३७
१३.५×६.५	८	५०	"	"	१८६१	पूर्णम्	ग्रन्थ हिंन्दी में है।	३८
१४.५×६	१०	५२	"	"	–	अपूर्णम्	–	३९
६×४	६	२२	"	"	–	अपूर्णम्	मार्कण्डेयपुराणान्तरर्गत	४०
५.५×३	७	१६	"	"		पूर्णम्	सन्तकुमार संहितान्तर्गत	४१
७.५×३.३	८	१८	"	"	१८५४	पूर्णम्	–	४२
७×२.५	८	"	"	"	पूर्णम्	–		४३
६.५×४.५	६	१३	"	"	–	पूर्णम्	–	४४
६.५×४.५	११	१६	"	"	–	पूर्णम्	–	४५
६.५×२.५	७	२२	"	"	–	पूर्णम्	महाभारतान्तर्गत	४६
८×४	६	२४	"	"	१८८६	पूर्णम्	–	४७
६.५×३.५	६	३०	"	"	–	अपूर्णम्	–	४८

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम ＼ (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
४९	३६६३	भगवद्भक्ति-रत्नावली	-	६२
५०	९५२	शाक्यद्वादशीव्रतमाहात्म्यम्	-	६
५१	३९७०	लक्षप्रदक्षिणंम्	-	६
५२	३८८९	चित्रगुप्त प्रादुर्भावः	-	५
५३	२८१	एकादशी उत्पत्तिमाहात्म्यम्	-	५
५४	५७१४	शिवरात्रिमाहात्म्यम्	-	२३
५५	५५०८	दुर्गासप्तशती	-	३४
५६	५५०६	कार्तिकमाहात्म्यम्	-	४७
५७	३८१६	काशीरहस्यम्	-	९०
५८	४३४८	तुलसीमाहात्म्यम्	-	४
५९	३७०८	दानपञ्जी	रत्नाकर ठक्कुर	३१
६०	५१९३	धनुर्मासमाहात्म्यम्	-	७
६१	५१९२	शालग्राममूर्तिलक्षणपद्धतिः	शंकर दैवज्ञ	१७
६२	१३११	प्रयागमाहात्म्यम्	-	६
६३	१३८१	अष्टादशपुराणगणना	विश्वेश्वर	७
६४	८५६	देवरहस्यम्	-	४
६५	१२२५	गणेशचतुर्थी	मुकुन्दरामानुजदास	४
६६	९१५	भरतसावित्रीसंहिता	-	११
६७	६८८	मार्गशीर्षमाहात्म्यम्	६४-८८	
६८	१४०७	चण्डिकारहस्यम्	-	६
६९	४०५२	सोमेश्वरलिङ्गमहिमा	-	७
७०	४०५४	नानापुराणोद्धरणम्	-	३०
७१	३९३४	विविध पुराणोद्धरणम्	-	३-३१
७२	५४६९	युधिष्ठिरयज्ञः	गिरिधारी तिवारी	९
७३	५५२४	गयामाहात्म्यम्	-	३७
७४	३९६५	यागेश्वरलिङ्माहात्म्यम्	-	१५

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
८.५×४	८	१९	देवना.	कागज	-	पूर्णम्	-	४९
८×४.५	१०	२८	,,	,,	१८२८	पूर्णम्	भविष्येत्तरपुराणन्तर्गत	५०
८"×४"	८	२०	,,	,,	-	पूर्णम्	विष्णुधार्मोत्तरपुराणान्तर्गत	५१
८.५×३.५	१०	३२	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	५२
९×४	१२	४७	,,	,,	-	पूर्णम्	मत्स्यपुराणान्तर्गत	५३
९×३.५	७	२८	,,	,,	-	पूर्णम्	स्कन्दपुराणान्तर्गत	५४
१०×४	६	२८	,,	,,	१९९०	पूर्णम्	-	५५
९.५×४.५	३५	,,	,,	१८७१	पूर्णम्		पद्मपुराणान्तर्गत	५६
१०.५×५.५	१३	४१	,,	,,	१९१०	पूर्णम्	मत्स्यपुराणान्तर्गत	५७
८.५×५.५	१४	२६	,,	,,	१९२०	पूर्णम्	गौरीतन्यान्तअंतर्गत	५८
१२×२.५	११	५१	,,	,,	१८४३	पूर्णम्	-	५९
१२×४.५	९	४२	,,	,,	१८६४	पूर्णम्	भविष्योत्तरपुराणन्तर्गत	६०
११×४.५	१३	४४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	६१
१२×४.५	१३	५७	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	६२
१०.५×४.५	१०	५०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	६३
९.५×४.५	१०	३१	,,	,,	-	पूर्णम्	-	६४
१०×४.५	१८	३६	,,	,,	१८९०	पूर्णम्	-	६५
१०×४	११	३६	,,	,,	१८५३	पूर्णम्	महाभारतान्तर्गत	६६
९.५×४	११	३३	,,	,,	१८६२	अपूर्णम्	स्कन्दपुराणान्तर्गत	६७
९×४	९	३४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	६८
१२ ×४	१०	६१	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	६९
१०.५×३	७	४५	,,	,,	-	अपूर्णम्	पत्र खंण्डित हैं	७०
११×४	११	४८	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	७१
९.५×५	८	३२	,,	,,	१८४३	पूर्णम्	महाभारत के अश्वमेध पर्व से	७२
९.५×५	९	३२	,,	,,	-	पूर्णम्	वायुपुराणान्तर्गत	७३
१०×४.५	८	३९	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	७४

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
७५	३६०२	चन्दनषष्ठी	–	३
७६	१००५	वामन-एकादशीमाहात्म्यम्	–	३ गणनया
७७	१४७७	जन्माष्टमी-माहात्म्यम्	–	७ गणनया
७८	१४६२	जन्माष्टमी-व्रतकथा	–	१०
७९	१४७६	चातुर्मास-माहात्म्यम्	–	३
८०	५४६२	जयन्तीनिर्णयः	–	१३
८१	५४६३	चक्रधारणनिर्णयमीमांसा	– रामानुजदास	११
८२	४४७२	मार्गशीर्षमाहात्म्यम्	–	१० गणनया
८३	४४६१	अनुस्मृतिः	–	५
८४	५८३०	देवीभागवतः	–	५०७
८५	५१६६	ब्रम्ह्माण्डपुराणम्	–	१५
८६	५२०१	नारदीयपुराणम्	–	७
८७	५६१२	पद्मपुराणम्	–	१३७
८८	५५२३	भागवतमाहात्म्यम्	–	३५
८९	५७२९	एकादशी-माहात्म्यम्	–	३७
९०	५१२५	धनुर्भासमाहात्म्यम्	–	७
९१	५५७९	एकादशी-माहात्म्यम्	–	२१
९२	४३६२	भागवतमाहात्म्यम्	–	२-२२
९३	४३३९	नन्दोत्सवः	–	७
९४	४३२३	भागवत्माहात्म्यम्	–	११
९५	५१०३	व्रजमाहात्म्यनिरूपणम्	–	८
९६	५१७५	द्वादशीमाहात्म्यम्	–	६
९७	५५७८	माघमाहात्म्यम्	–	३८
९८	५५८८	गुणत्रयविवरणम्	–	१७
९९	५५९४	पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम्	–	३२
१००	५५९०	पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम्	–	४०

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६×४.५	१०	२८	देवना.	कागज	–	पूर्णम्	–	७५
१०×४.५	६	४८	”	”	१६२६	पूर्णम्	स्कन्दपुराणान्तर्गत	७६
६.५×४	१२	३२	”	”	–	अपूर्णम्	–	७७
८.५×४.५	१०	३४	”	”	१८५६	पूर्णम्	विष्णुपुराणान्तर्गत	७८
१०×४.५	१३	४४	”	”	–	पूर्णम्	वाराहपुराणान्तर्गत	७९
६×५	११	३६	”	”	–	पूर्णम्	संहितान्तर्गत	८०
१०.५×४.५	७	२९	”	”	–	पूर्णम्	–	८१
६.५×४	१०	३३	”	”	–	अपूर्णम्	–	८२
१०.५×५.५	६	३६	”	”	–	पूर्णम्	विष्णुधर्मोत्तरान्तर्गत	८३
१२×७	१५	३७	”	”	–	पूर्णम्	–	८४
१२×५	६	४१	”	”	–	अपूर्णम्	–	८५
१२×५	६	४५	”	”	–	अपूर्णम्	–	८६
१२×७	११	३९	”	”	१९०६	अपूर्णम्	उत्तरखण्डगीतामाहात्म्य	८७
१फि.१”×५”	१०	३७	”	”	१९०६	पूर्णम्	–	८८
१२×७	१४	४३	”	”	१८३६	पूर्णम्	–	८९
६.५×४	१०	२६	”	”	१८४६	पूर्णम्	–	९०
१२×६.५	१५	५६	”	”	१८७५	पूर्णम्	–	९१
१२×५.५	१३	४०	”	”	–	पूर्णम्	–	९२
१२×४.५	७	४५	”	”	१९१०	पूर्णम्	–	९३
१२×६	११	४१	”	”	–	पूर्णम्	पद्मपुराणान्तर्गत	९४
१२×५.५	७	३२	”	”	–	पूर्णम्	–	९५
११×४.५	६	३४	”	”	–	अपूर्णम्	–	९६
१२×८	१४	४२	”	”	१८५६	पूर्णम्	पद्मपुराणान्तर्गत	९७
१२×६	१७	५०	”	”	–	पूर्णम्	पद्मपुराणान्तर्गत	९८
११.५×५.५	८	३२	”	”	–	पूर्णम्	स्कन्दपुराणान्तर्गत	९९
११×५.५	६	३१	”	”	–	पूर्णम्	स्कन्दपुराणान्तर्गत	१००

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१०१	८०३	पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम्	-	१८
१०२	५४८३	मार्गशीर्षमाहात्म्यम्	-	५२
१०३	४०२	भागवत्माहात्म्यम्	-	६
१०४	४०३	प्रयोजनाध्यायः	-	६
१०५	४०५	सूतसंहिता	-	६८
१०६	४०६	सूतसंहिता	-	३५ गणनया
१०७	१६७२	सूतसंहिता शिवमाहात्म्यखंडः	-	६४
१०८	१८४८	रामाश्वमेधः	-	४२
१०९	५३६१	विष्णुसंहिता	-	७
११०	४००९	भागवत्माहात्म्यम्	-	२४
१११	३९७९	ब्रह्मवैवर्तम्	-	३२
११२	४०७	महाभारत-राजधर्मप्रकाशः	-	२४४
११३	२२१	विष्णुपुराणम्	-	४४१
११४	४०१	श्रीमद्भागवतः	-	३-१७०
११५	३७९	विष्णुधमोत्तर-अनुस्मृतिः	-	७
११६	३९९२	प्रयागमाहात्म्यम्	-	७-३७
११७	३०७०	पद्मामाहात्म्यम्	-	८
११८	१६९७	काशी-केदार-माहात्म्यम्	-	१३१
११९	४६२	दुर्गासप्तशती	-	६५
१२०	४०४	शिवरहस्य-देवकाण्डम्	-	२८
१२१	४००	अद्वैतछेदिनी	-	४
१२२	८०१	पचक्रोशीमाहात्म्यम्	-	३०
१२३	७०८	राधाष्टमीमाहात्म्यम्	-	४
१२४	१६९	एकादशीमाहात्म्यम्	-	९
१२५	२१७२	भागवतस्थितिः	नीलकण्ठ	१०
१२६	१६९३	दुर्गासप्तशती	-	६९
१२७	११९४	एकाभ्रचन्द्रिका	रामवकस	४३

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१२.५×५	१३	६०	देवना.	कागज	-	अपूर्णम्	-	१०१
१०.५×६	१२	२६	,,	,,	-	पूर्णम्	स्कन्दपुराणान्तर्गत	१०२
१२×५.५	११	५६	,,	,,	-	अपूर्णम्	पत्र खंण्डित है	१०३
१३×६.५	१४	४०	,,	,,	-	पूर्णम्	ब्रह्मवैवर्तपुराणत्तर्गत	१०४
१४×५	११	५०	,,	,,	-	पूर्णम्	स्कन्दपुरार्णन्तर्गत	१०५
१३×५	११	६१	,,	,,	-	अपूर्णम्	स्कन्दपुराणान्तर्गत	१०६
१२.५×६.५	१०	४०	,,	,,	-	पूर्णम्	स्कन्दपुराणान्तर्गत	१०७
१२×६	११	३६	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१०८
१३×६.५	११	३१	,,	,,	-	पूर्णम्	लिंगपुराणान्तर्गत	१०९
८.५×४	११	४२	,,	,,	१७३६	पूर्णम्	-	११०
१२×४.५	१०	५०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१११
१४×६	११	६०	,,	,,	-	पूर्णम्	शान्तिपर्व के अन्तर्गत	११२
१४×६	११	५३	,,	,,	१८७८	पूर्णम्	-	११३
१४×७	८	४७	,,	,,	-	अपूर्णम्	दशमस्कन्धगाय	११४
८.५×४	७	३२	,,	,,	-	पूर्णम्	-	११५
१२×४.५	८	४६	,,	,,	-	अपूर्णम्	मत्स्य पुराणान्तर्गत	११६
६.५×३.५	६	२४	,,	,,	-	पूर्णम्	ब्रह्माण्डपुराणान्तर्गत	११७
१२×८	१४	३३	,,	,,	-	पूर्णम्	-	११८
७×४	७	२१	,,	,,	-	पूर्णम्	मार्कण्डेयपुराणान्तर्गत	११९
११×४.५	९	३६	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१२०
११×५.५	१०	३०	,,	,,	-	पूर्णम्	विष्णुपुराणान्तर्गत	१२१
९×४	६	२८	,,	,,	-	पूर्णम्	ब्रह्मवैवर्तपुराणान्तर्गत	१२२
१०×४	८	३४	,,	,,	-	पूर्णम्	पद्मपुराणान्तर्गत	१२३
९.५×३	९	३५	,,	,,	-	पूर्णम्	पद्मपुराणान्तर्गत	१२४
१०×४.५	११	४५	,,	,,	१८९८	पूर्णम्	-	१२५
१२×५	११	५१	,,	,,	-	पूर्णम्	मार्कडेयपुराणान्तर्गत	१२६
१२.५×५.५	११	५३	,,	,,	१८८७	पूर्णम्	-	१२७

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१२८	२१५६	हरिवंशश्रवणमाहात्म्यम्	–	७
१२९	१८४६	श्रीमद्भागवतपुराणम्	–	५८-२७५
१३०	२०६६	श्रीमद्भागवतपुराणम्	–	१०८५
१३६	५५६५	श्रीमद्भागवत्-चूर्णिकाटीका	–	२७४
१३२	५५६६	नरसिंहचरितम्	–	६२
१३३	५१५५	महाभारत-उद्योगपर्व	–	२०६
१३४	५१५६	महाभारत-भीष्मपर्व	–	३११
१३५	३४६२	गयामाहात्म्यम्	–	३४
१३६	३४३१	गयामाहात्म्यम्	–	२२
१३७	३४३६	पंचक्रोशीमाहात्म्यम्	चिन्तामणि	१६
१३८	३३३५	रासपंञ्चाध्यायी	–	२७
१३९	३३३३	शिवमाहात्म्यम्	–	३१
१४०	३३३४	ज्ञानयोगखण्डः	–	३१
१४१	३३३८	काश्यांमृतिमोक्षनिर्णयः	–	१६
१४२	३३३६	गरुणपुराणम्	–	७६
१४३	२८२४	त्रिस्थली सेतुः	–	५८
१४४	४२८३	श्रीमद्भागवत भावार्थ दीपिका	–	११३२
१४५	५७०५	प्रबोधिनी-एकादशीमाहात्म्यम्	–	३
१४६	१२६६	चतुर्दशयात्रा	–	८
१४७	५७३७	गोत्रिरामकथा	–	४
१४८	५७३१	अनुस्मृतिः	–	१२
१४९	५५७७	पुराणमाहात्म्यम्	–	२५
१५०	५५७६	भागवतमाहात्म्यम्	–	२०
१५१	८१४	एकादशीमाहात्म्यम्	–	६
१५२	११८८	गयामाहात्म्यम्	–	४४
१५३	५७८०	अवताररहस्यम्	सर्वसुखदायक	६४

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि- कालः	पूर्णा- पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१०×४.५	६	३४	देवना.	कागज	–	पूर्णम्	पद्मपुराणान्तर्गत	१२८
१२ ×५	१०	५७	”	”	१८५२	अपूर्णम्	–	१२६
१२×६	१३	५६	”	”	–	पूर्णम्	–	१३०
१२×७	१६	४६	”	”	–	पूर्णम्	–	१३१
१२×७	१५	४६	”	”	–	पूर्णम्	पद्मपुराणान्तर्गत	१३२
१२×६	१२	४५	”	”	–	पूर्णम्	–	१३३
१४×६.५	६	५२	”	”	–	पूर्णम्	–	१३४
६×४	६	३४	”	”	–	अपूर्णम्	–	१३५
६.५×४.५	११	३६	”	”	१८५२	पूर्णम्	–	१३६
१०.५×४.५	१२	३६	”	”	१६२२	पूर्णम्	–	१३७
१०×४	१२	४४	”	”	–	पूर्णम्	–	१३८
१०.५×४.५	११	३८	”	”	१६०७	पूर्णम्	स्कन्दपुराणन्तर्गत	१३६
१०.५×४.५	१०	३६	”	”	१६०७	पूर्णम्	महापुराणान्तर्गत	१४०
६.५×४	८	२६	”	”	शक १७६२	पूर्णम्	–	१४१
८.५×४.५	६	३४	”	”	–	पूर्णम्	–	१४२
६.५×३.५	६	४८	”	”	–	अपूर्णम्	–	१४३
१२×७	१४	३६	”	”	१७८५	पूर्णम्	–	१४४
१२×४	१०	५३	”	”	–	पूर्णम्	स्कन्दपुराणान्तर्गत	१४५
६×४	१०	२४	”	”	–	पूर्णम्	–	१४६
८.५×४	६	३५	”	”	१७३१	पूर्णम्	भविष्योत्तरामायणअन्तर्गत	१४७
१२×४	५	२५	”	”	–	पूर्णम्	शान्तिपर्वअन्तर्गत	१४८
१२.५×५.५	११	४४	”	”	–	पूर्णम्	गरुणापुराणान्तर्गत	१४६
१२.५×५	११	३६	”	”	१८३१	पूर्णम्	पद्मपुराणान्तर्गत	१५०
१०.५×४	८	३१	”	”	–	पूर्णम्	–	१५१
१०.५×४.५	८	३०	”	”	–	पूर्णम्	वायुपुराणान्तर्गत	१५२
१२.५×६	११	३७	”	”	१८४८	पूर्णम्	–	१५३

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१५४	५२४८	वेंकटगिरिमाहात्यम्	-	१-५५ एवं ५६
१५५	५८८१	हिंगुलाजमाहात्यम्	-	८८
१५६	२०३	श्रीमद्भागवतः	-	६००
१५७	२००	श्रीमद्भागवत्-श्रीधरीटीका	-	६८१
१५८	४३६३	श्रीमद्भागवत-श्रीधरीटीका	-	११४६
१५९	३६०६	श्रीमद्भागवतः	-	५७७
१६०	५८६१	विल्वलक्षपूजोद्यापनम्	-	३
१६१	१६४३	विष्णुपुराण-चतुर्थांशः	-	४३
१६२	६२५	एकादशीमाहात्यम्	-	१-३२
१६३	६१८	साम्बपुराणम्	-	२-८
१६४	६.१५	मृगोपाख्यानम्	-	१
१६५	३६२	नारायणवणम्	-	४
१६६	४२०	महापुरुषविद्या	-	३
१६७	६२२	वैशाखमाहात्यम्	-	गणनया-४३
१६८	६०५	एकादशीमाहात्यम्	-	गणनया २०
१६९	४५६	वैशाखमाहात्यम्	-	१०-१२-४६
१७०	५८४	गरुणपुराणम्	-	७६
१७१	३५८१	हरिवंशपुराणम्	-	१४५-१-१४६ गणनया
१७२	१६३१	देवीमाहात्यम्	-	१८
१७३	२१६६	रासपंचाध्यायी-मोदङ्करीटीका	-	२-३४
१७४	२१६५	रासपंचाध्यायी-विशुद्धरसदीपिका टीका	-	१-४४-१३०-७४
१७५	२१६८	रासपंचाध्यायी-भावभावविभाविदाटीका	-	४०

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१२.५×४.५	६	२७	देवना.	कागज	-	अपूर्णम्	भविष्योत्तरपुराणन्तर्गत	१५४
८×३.५	६	२६	,,	,,	शक १४५३	पूर्णम्	ब्रम्ह्माण्डपुराणान्तर्गत	१५५
१२×६	१२	३०	,,	,,	१७६०	पूर्णम्	अति जीर्ण	१५६
१२×७	१४	३६	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१५७
१२×८	१३	५१	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१५८
१२×७.५	१०	५२	,,	,,	-	अपूर्णम्	तृतीय शठ सदाम अट नवम एकादश, द्वादशमात्र	१५९
८.५×४	८	२७	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१६०
१२×४.५	१०	३४	,,	,,	-	पूर्णम्	विष्णुपुराणन्तर्गत	१६१
१२×५	१०	४५	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१६२
८.५×४.५	१०	३८	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१६३
६×३.५	११	४३	,,	,,	-	पूर्णम्	भागवतान्तर्गत	१६४
६.५×४	१०	२२	,,	,,	१६४२	पूर्णम्	भागवतान्तर्गत	१६५
८×३.५	७	२३	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१६६
१२×४.५	१४	५२	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१६७
१२×४.५	१०	३४	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१६८
१२×५	१०	५०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१६९
१२×७	११	४०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१७०
१२×७.५	१५	४५	,,	,,	-	अपूर्णम्	पत्र ४८ की दो प्रति	१७१
८×४	८	२८	,,	,,	१६३३	पूर्णम्	मार्कण्डेय पुराणान्तर्गत	१७२
१२.५×६.५	१५	५७	,,	,,	-	अपूर्णम्	भागवतान्तर्गत	१७३
१२ ×७	१६	४६	,,	,,	१६२२	पूर्णम्	भागवतान्तर्गत	१७४
१२×६.५	१५	५०	,,	,,	१६२३	पूर्णम्	,,	१७५

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१७६	२१६८	रासपंचाध्यायी	–	१३१
१७७	२१६७	रासपंचाध्यायी-पदार्थसरसीटीका	– नरोत्तमभट्ट	७८
१७८	२२००	रासपंचाध्यायी	–	४७
१६६	२२०१	श्रीमद्भागवत-दशमस्कन्धपूर्वार्धः	–	१-३८
१८०	२२०२	श्रीमद्भागवत-दशमस्कन्ध-भ्रमरगीतम्	–	२४
१८१	२२०३	रासपंचाध्यायी-विशुद्धरसदीपिका	–	३४
१८२	२१८२	श्रीमदभागवत-दशमस्कन्ध वैष्णतोषिणीटीका	–	१०६
१८३	२१८६	भक्तिविवेकः	अनन्त देव	२६
१८४	२१८८	प्रश्नमञ्जूषा	–	६
१८५	२१६३	भगवल्लीलाचिन्तामणिः	–	४१
१८६	२१६६	श्रीमद्भागवतप्रश्नमञ्जूषा	–	२४
१८७	२१८७	श्रीमद्भागवत-कथाभावार्थ-दीपिकाटीका	–	१६७
१८८	२२३	हरिवंशपुराणम्	–	६७४
१८६	२६६२	तुलसीचन्द्रिका	–	४७
१६०	२६८१	काशीखण्डः	–	गणनया
१६१	२६५२	श्रीमद्भागवतः	–	१०४
१६२	१५६१	प्रश्नोत्तरमाला	शुकयति	८
१६३	१५६५	रम्भाशुकसंवादः	–	३
१६४	३३८१	तीर्थेन्दुशेखरः	नागोजीभट्ट	२५
१६५	२१०२	देवीभागवतः	–	११७ गणनया
१६६	२३१६	श्रीमद्भागवत-भावार्थ-बोधिनीटीका	–	६०५
१६७	२२६८	हर्षेश्वरमाहात्म्यम्	–	८

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१२×६.५	१७	४८	देवना.	कागज	१६२६	पूर्णम्	,,	१७६
१२×७	१५	३८	,,	,,	१६२३	पूर्णम्	,,	१७७
१२×६.५	१४	४७	,,	,,	–	पूर्णम्	,,	१७८
१२×६	१६	६०	,,	,,	–	अपूर्णम्	,,	१७६
१२×६	१५	४१	,,	,,	१६२६	पूर्णम्	,,	१८०
१२×७	१६	४२	,,	,,	–	अपूर्णम्	,,	१८१
१२×७	१७	४८	,,	,,	–	अपूर्णम्	,,	१८२
१२.५×७	११	४०	,,	,,	१६३६	पूर्णम्	–	१८३
१२×७	१६	६३	,,	,,	१६२६	पूर्णम्	भागवतद्वादशस्कन्ध	१८४
१२×६.५	१३	४७	,,	,,	–	पूर्णम्	श्रीभागवतान्तर्गत	१८५
१२×६.५	१७	४८	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१८६
१२×७	१४	४०	,,	,,	१६२०	अपूर्णम्	–	१८७
१२×६	५	४४	,,	,,	१८०६	पूर्णम्	–	१८८
६×४.५	६	१८	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१८६
६.५×४	११	३२	,,	,,	–	अपूर्णम्	स्कन्दपुराणान्तर्गत	१६०
१२×७	११	३२	,,	,,	–	पूर्णम्	प्रथमस्कन्ध	१६१
८.५×३.५	५	३१	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१६२
१०×४	७	५३	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१६३
१०×४.५	१०	३६	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१६४
१२.५×७.५	१०	३१	,,	,,	१०६३	अपूर्णम्	–	१६५
१२×७	१७	५८	,,	,,	१८६१	अपूर्णम्	–	१६६
१०×४.५	६	३२	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१६७

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१९८	२२७८	विष्णुमाहात्म्यम्	-	२४
१९९	२२७५	कपालमोचनमाहात्म्यम्	-	६
२००	२२७२	शमनकोपाख्यानम्	-	८
२०१	२१३६	भागवतमाहात्म्यनिरूपणम्	-	२६
२०२	२८५०	स्कन्दपुराण-काशीखंण्डः	-	३०३
२०३	२८६३	भागवतमाहात्म्यम्	-	३०
२०४	२८५५	काशीमाहात्म्यम्	-	३२
२०५	३३३०	श्रीमदभागवत-भावबोधिनी-टीका	-	६३
२०६	३३२५	श्रीमद्भागवत-रहस्याख्याटीका	-	५०
२०७	३२६६	यमगीता	-	५
२०८	३२१५	कालीस्वरूपवर्णनम्	-	३
२०९	३२१३	हंसप्रयायः	-	५
२१०	३२०२	महालक्ष्मीव्रतकथा	-	१२
२११	३२४६	देवीसूक्तम्	-	८
२१२	३३००	पुत्रदा-पौषशुक्लैकादशी-एकादशीमाहात्म्यम्	-	४-२-६
२१३	३१९९	रथसप्तमीकथा	-	६
२१४	३२४५	प्रथमस्कन्धाद्यपदत्रयं व्याख्या	-	१३
२१५	३३१४	भागवतसारश्लोकः	-	३७
२१६	३३१७	भक्तिरत्नावली	विष्णुपुरी	४८
२१७	३३२४	गणेशपुराणं, उपासनाखण्डः	-	१२८
२१८	२८४६	महाभारत-उद्योगपर्व	-	१८ गणनया
२१९	२८४१	श्रीमद्भागवत-एकादशस्कन्धः	-	१४६
२२०	२८४२	श्रीमद्भागवत-द्वितीयस्कन्धः	-	३४
२२१	२८४५	ब्रह्मवैवर्तपुराणम्	-	३१७

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
७×४.५	७	१८	देवना.	कागज	–	पूर्णम्	–	१९८
७×५	१४	३०	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१९९
७×४	८	१९	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२००
१३×५	९	४२	,,	,,	१८८७	पूर्णम्	–	२०१
१४×५	१०	५०	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२०२
१०.५×४	१०	३३	,,	,,	१८९८	पूर्णम्	पद्मपुराणान्तर्गत	२०३
१२.५×५	९	३६	,,	,,	–	अपूर्णम्	पद्मपुराणान्तर्गत	२०४
१०×४	१०	३१	,,	,,	शक १७७४	अपूर्णम्	–	२०५
१० ×४	१३	४४	,,	,,	–	पूर्णम्		२०६
७.५×४	७	२०	,,	,,	–	पूर्णम्	धर्मपुराणान्तर्गत	२०७
८.५×४	१३	२७	,,	,,	–	पूर्णम्	स्कन्दपुराणान्तर्गत	२०८
९.५×४	११	३१	,,	,,	–	पूर्णम्	उमासंहिता	२०९
९×४	८	३५	,,	,,	–	पूर्णम्	भविष्यपुराणान्तर्गत	२१०
६.५×४	१०	२३	,,	,,	–	पूर्णम्	मार्कण्डेयपुराणान्तर्गत	२११
६.५×४	१०	२४	,,	,,	–	पूर्णम्	ब्रह्मपुराणान्तर्गत	२१२
१०×४.५	८	३७	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२१३
७.५×४	११	२९	,,	,,	–	पूर्णम्	श्रीमद्भागवत	२१४
१०.५×५.५	१०	३५	,,	,,	शक १७९१	पूर्णम्	–	२१५
८.५×४.५	९	२०	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२१६
११×५	१३	४४	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२१७
१२×५.५	८	५८	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	२१८
१२×६	११	५०	,,	,,	–	अपूर्णम्	भावार्थदीपिका टीका	२१९
१२×७	१४	५४	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२२०
१२×६.५	१०	५०	,,	,,	१९१३	पूर्णम्	–	२२१

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२२२	२८४०	श्रीमद्भागवत-दशमस्कन्धः पूर्वार्धः उत्तरार्धश्च	-	१४६
२२३	१८५३	भक्तिरत्नावली	-	७८
२२४	४४५८	व्यंकटेशमाहात्म्यम्	-	६-१६
२२५	१८८५	सावित्रीव्रतम्	-	१०
२२६	५८६	सूतसंहिता	-	१६
२२७	५७५	कायस्थोत्पत्तिकथा	-	५ गणनया
२२८	५६२	ज्वरकृष्णसंवादः	-	५
२२६	५६५	श्रीमद्भागवत-दशमस्कन्धरासक्रीडा	-	४६
२३०	२०६८	श्री मद्भागवत-तृतीयस्कन्धः	-	५
२३१	२०६७	श्रीमद्भागवत द्वितीय स्कन्ध	-	७
२३२	१८५७	काशीमहिमा	-	५१
२३३	२०६३	लक्ष्मीसूक्तम्	-	५
२३४	२०४४	गीतार्थनिर्णयः	विट्ठलेश्वर	६
२३५	५६८	अनूपविवेकः	अनूपसिद्धदेव	५४
२३६	१६८५	काशीसेतुः	नारायण भट्ट	८०
२३७	२२५७	देवीमाहात्म्यं (टीका)	भीमसेन	८३
२३८	२४६७	नर्मदानवश्लोकीव्यवस्था	श्रीगजाधर	२० गणनया
२३६	२३६७	अगस्त्यार्धकथा	-	५
२४०	२३६४	रुद्रगीतम्	-	५
२४१	२४०५	मौनादित्यकथा एवं वयद्वादशीव्रतम्	-	११
२४२	२४४२	तीर्थसुधानिधिः	-	४
२४३	५१२०	अष्टश्लोकीव्याख्या	-	३७
			सोमोपयंतृसूरि	
२४४	२०६८	महाभारत-अनुशासनपर्व	-	१६०
२४५	२०७४	श्रीमद्भागवत-तृतीयस्कन्ध		११८

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१२×५	६	३४	देवना.	कागज	–	अपूर्णम्	–	२२२
५.५×३	७	२१	”	”	१८२३	पूर्णम्	–	२२३
६.५×४	८	२५	”	”	–	अपूर्णम्	वाराहपुराणान्तर्गत	२२४
६×४	७	२५	”	”	१६०६	पूर्णम्	महाभारतान्तर्गत	२२५
१२×५	११	४६	”	”	–	अपूर्णम्	–	२२६
८.५×४	६	२५	”	”	–	अपूर्णम्	पद्मपुराणान्तर्गत	२२७
१०×४	१०	३०	”	”	१६४८	पूर्णम्	महाभारतविष्णुपर्व	२२८
१०×४.५	१२	४०	”	”	१८६६	पूर्णम्	–	२२६
६.५×४.५	६	२७	”	”	–	अपूर्णम्	कापिलेय साधन	२३०
६.५×४.५	७	३२	”	”	१६४४	पूर्णम्	ईश्वरविराट्देव वर्णन	२३१
६×४	८	३५	”	”	–	पूर्णम्	पद्मपुराणान्तर्गत	२३२
८.५×४.५	१०	३४	”	”	१८६६	पूर्णम्	मार्कण्डेयपुराणान्तर्गत	२३३
१२.५×४.५	६	४६	”	”	–	पूर्णम्	–	२३४
६.५×४.५	७	२४	”	”	–	अपूर्णम्	–	२३५
१२×४.५	१२	५६	”	”	–	पूर्णम्	–	२३६
८.५×४	१०	२८	”	”	–	अपूर्णम्	–	२३७
८.५×४	६	२५	”	”	–	अपूर्णम्	–	२३८
७.५×४	१०	३३	”	”	१८५८	पूर्णम्	भविष्यपुराणान्तर्गत	२३६
८×४.५	६	२४	”	”	–	पूर्णम्	श्रीमद्भागवतान्तर्गत	२४०
६×४.५	१२	१८	”	”	–	पूर्णम्	स्कंन्द एवं भविष्योत्तर पुराणान्तर्गत	२४१
१०.५×४.५	१०	३६	”	”	–	अपूर्णम्	–	२४२
१२×५	१०	४४	”	”	–	पूर्णम्	–	२४३
१४ ×७	१४	६२	”	”	–	पूर्णम्	–	२४४
१४×६	११	५६	”	”	–	पूर्णम्	–	२४५

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२४६	२०७६	श्रीमद्भागवत दशमस्कन्ध-पूर्वार्धः		१४७
२४७	२०७३	श्रीमदभागवत-दशमपूर्वार्धः		१३६
२४८	२०७७	श्रीमद्भागवत-दशमपूर्वार्धः		१४७
२४६	२०७८	श्रीमद्भागवत-एकादश-स्कन्धः	-	१५०
२५०	२१५६	हरिवंशपुराणम्	-	७३
२५१	५३७४	पंचसहातिः	-	५
२५२	५२५०	इतिहाससमुच्चय	-	१३८
२५३	४३४७	कान्यकुब्जवंशावली	जानकी त्रिपाठी	१४

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१२.५×५.५	११	४६	देवना.	कागज	–	पूर्णम्	–	२४६
१४×६.५	१२	४७	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२४७
१४×६.५	१२	४६	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२४८
१२.५×५	१०	५१	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२४९
१२×६.५	१६	५८	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२५०
८.५×५.८	२५	,,	,,	१८८५		पूर्णम्	–	२५१
१०×४.५	१०	३६	,,	,,	१६०७	पूर्णम्	–	२५२
६×५.५	१०	३०	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२५३

स्कोड की विवरण सूची

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१	२२८६	शुकसहातिः कथासहातिः	–	२२६
२	२२५२	दुर्गासप्तशती	–	१३५
३	२२५५	ऋग्वेदप्रातिशाख्यम्	–	२४१
४	२२२१	गृह्यसूत्र, गृह्यव्याख्यानम्	–	१०६
५	२२५४	आश्वलायनश्रौतसूत्रम्	–	६६
६	२२८८	ऋग्वेद-अष्टकः सटीकः	–	१४५
७	२२५१	पञ्चरात्रागमः	–	१२५
८	२२५३	समाधिदीपिका	–	१२५
९	२२८७	अनुज्ञार्णवादि स्तोत्ररत्नसागरः	–	१५३
१०	२२३८	श्रुतिवर्णनम्	–	१२
११	२२३९	वास्तुसारः	–	१२
१२	२२४०	आश्वलायनश्रौतसूत्रम्	–	७८
१३	२२४१	त्र्यम्बकमृत्युञ्जयपूजाविधिः	–	१६
१४	२२४२	आश्वलायनश्रौतसूत्रम्	–	१२
१५	२२४३	आश्वलायनश्रौतप्रयोगः	–	१६
१६	२२४४	सिद्धान्तशेखरः	–	१२
१७	२२४५	कौतुकबन्धनम्	–	१४
१८	२२४६	नान्दीश्राद्धमातृका	–	२
१९	२२४७	सुदर्शनप्रयोगः	–	२४
२०	२२४८	मातृकाशुद्धप्रयोगः	–	३
२१	२२४९	प्रयोगपारिजातः	–	५
२२	२२५०	वास्तुप्रकारः	–	१७
२३	२२२३	वरलक्ष्मी व्रत से पक्ष प्रदोष पूजन	१३ पाण्डुलिपि	२१५
२४	२२२२	रुद्र सूक्त से सोमवारव्रत	–	२००

स्कोड की विवरण सूची

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१६×२	६	८२	तमिल	ताड़पत्र	–	पूर्णम्	–	१
६×२	१०	३२	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२
१६×२	६	६४	,,	,,	–	पूर्णम्	–	३
१३×२	६	५८	,,	,,	–	पूर्णम्	–	४
१६×२	६	८०	,,	,,	–	पूर्णम्	–	५
२०×२	६	६	नंदि.	,,	–	पूर्णम्	–	६
६.५×६.५	४	२६	तमिल	,,	–	पूर्णम्	–	७
२०.५×२	६	६८	,,	,,	–	पूर्णम्	–	८
१८×२	८	६०	,,	,,	–	पूर्णम्	–	९
१८.५×२	१०	८४	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१०
१३×६.५	६	१०३	,,	,,	–	पूर्णम्	–	११
१३×६.५	१०	१०६	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१२
१३×६.५	६	१०१	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१३
१३×६.५	६	६२	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१४
१३×६.५	६	१०७	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१५
१३×६.५	११	१२६	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१६
१३×६.५	१०	११८	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१७
१३×६.५	६	६६	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१८
१३×६.५	१०	१०६	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१९
१३×६.५	८	६६	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२०
१३×६.५	६	८३	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२१
१३×६.५	६	११६	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२२
१३×६.५	६	४८	नन्द. नागरी	,,	–	पूर्णम्	कुल १३ ग्रन्थ हैं।	२३
१३×६.५	६	५२	तमिल	,,	–	पूर्णम्	कुल १७ ग्रन्थ हैं।	२४

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२५	२२८६	श्रीमद्भागवतः	-	२६०
२६	२२८५	चिकित्साविधानम्	-	३३२
२७	४०१७	तन्त्रविषयकः	-	२२६
२८	२२६७	नव्यन्यायगदाधरी	-	३४३
२९	५८३१	स्मृतिचन्द्रिका	-	१४६
३०	५८०६	अनुमति-जागदीशीरहस्यम्	सन्तगोपाल	२२०
३१	२२६६	तान्त्रिकपटलप्रकीर्णम्	-	१४
३२	२२६४	ऋग्वेदः प्रथमाधिकरणान्तः	-	१८७
३३	२२६०	शब्दसामान्यशास्त्र-व्याख्या	-	१७८
३४	२२६३	मन्त्रदेवता-प्रकाशिका	-	१७२
३५	२२६४	ऋग्वेदशाकलः	-	१७६
३६	२२६२	तन्त्ररत्नसमुच्चयः	-	१६३
३७	२२६१	वैदिकमन्त्र-व्याख्या	-	२३२

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१६.५×२	८	६७	तेलगू	तमिल	ताड़पत्र	पूर्णम्	-	२५
१६×१	६	८५	तेलगू	,,	-	पूर्णम्	-	२६
१६×४	७	७६	बंगलि.	,,	-	पूर्णम्	-	२७
१७×३.५	६	६४	बंगलि.	,,	-	पूर्णम्	-	२८
१८×२	६	७४	नंदना.	ताड़पत्र	-	पूर्णम्	-	२६
१७×३.५	६	७३	कागज	,,	-	पूर्णम्	कुल ११ ग्रन्थ है। ५८०६ से ५८१६ तक	३०
१३×११.५	११	४२	तमिल	ताड़पत्र	-	अपूर्णम्	विभिन्न प्रकार के प्रकीर्णपत्र हैं	३१
१८×२	६	६३	नन्दन.	ताड़पत्र	-	पूर्णम्	-	३२
१४×२	६	४०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३३
१८×२	७	७१	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३४
१६.५×५	८	६२	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३५
१६×२	७	८०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३६
१५.५×२	७	५५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३७

साहित्यम्

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१	४४६५	गीतगोविन्दम्		२
२	४४६७	अभिज्ञानशाकुन्तलम्		१०-५०
३	४६०४	भ्रमराष्टकः		१
४	४४८८	कविकल्पलता		१०१-१०७, १०६
५	४४४३	बाहुकसर्वाङ्गपरिमोचनम्		१-३ ५, ७-१२
६	४३८४	श्रीरामलीलालता		४३
७	५६१५	शिशुपालवधम्		४५
८	४४२२	सरस्वतीकण्ठाभरणम्		२ से १४ तक
९	४४४५	हनुमानबाहुक		२
१०	४५४२	मुरारीलीला		१
११	४६१६	रावणसीताहरणम्		२
१२		रसतरमिणी	भानुदत्त मिश्र	६
१३	४६०९	गोपीपदवर्णनम्		१७
१४	४४१०	फाल्गुनमाहात्म्य		३
१५	४६०७	हरिमंगलकथा		४
१६	४६०६	नीतिश्लोकसंग्रहः		१
१७	४६०८	दानलीला		२
१८	२७३६	अध्यात्मरामायणम्		३-२४३
१९	२८६२	अलंकारशास्त्रनिरूपणे रस-निरूपणम्		३, ४, ६-१४ १६, २६, ३५
२०	२८५४	शिशुपालवधम् सटीकम्		४२० गणनया
२१	४७३१	भास्करविलास एवं भजनविलासः	पुलीप राम	१०
२२	५०५३	किरातार्जुनीयम् (षष्ठ-सर्गः)		६

साहित्यम्

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६×४.५	८	३५	दे.ना.	कागज	–	पूर्णम्	यद्यपि पूर्णम् लिखा है। यह ग्रन्थ बड़ा है।	१
१०×३.५	६	३७	,,	,,	–	अपूर्णम्		२
१६.५×६	५६	३२	,,	,,	–	पूर्णम्		३
६×४	१०	३३	,,	,,	–	अपूर्णम्	पत्र खण्डित है	४
८×३.५	७	२०	,,	,,	–	अपूर्णम्	ग्रन्थ हिन्दी का है	५
१०×५	६	३०	,,	,,	–	पूर्णम्		६
१३.५×४.८	१५	८५	,,	,,	–	अपूर्णम्	खण्डित	७
८.५×३.५	५	३१	,,	,,	–	अपूर्णम्		८
६.५×३.५	६	३८	,,	,,	–	अपूर्णम्	हिन्दी भाषा में	९
६×३.६	८	३३	,,	,,	–	अपूर्णम्	हिन्दी भाषा में	१०
६×५	६	२८	,,	,,	–	अपूर्णम्		११
		६	,,	,,	–	अपूर्णम्		१२
९.५×५	६	२५	,,	,,	–	अपूर्णम्	हिन्दी भाषा में	१३
१२×६.५	३०	१६	,,	,,	१९५४	पूर्णम्	हिन्दी भाषा में	१४
८×११	२४	२७	,,	,,	–	पूर्णम्	हिन्दी भाषा में	१५
५.५×४	२३	२०	,,	,,	–	पूर्णम्		१६
१०.५×८.५	२५	२५	,,	,,	–	पूर्णम्	हिन्दी भाषा में	१७
१०×४.५	६	३५	,,	,,	–	अपूर्णम्		१८
१३×५	१२	५८	,,	,,	–	अपूर्णम्		१९
१४×५	१३	५५	,,	,,	–	पूर्णम्		२०
९.५×६.५	६	३९	,,	,,	–	अपूर्णम्	हिन्दी भाषा में	२१
८.५×४	२२	२३	,,	,,	–	अपूर्णम्		२२

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२३	३२३३	अनेकार्थध्वनिमंजरी		५
२४	२१३३	घटखपरिकाव्यम्		१-४, ८-१० १२-१७
२५	३२६५		घटकर्पर	५
२६	३२०१	राघवीयकाव्यं सटीकम्	श्री चारित्र्यवर्धन	२८-३६,३६,४३
२७	३३२६	नृसिंहचम्पूकाव्यम्	पण्डित सूर्य	२०
२८	३१६१	शिशुपालवधम् (नवमसर्गः)		२७ गणनया
२६	५६७७	संकल्पसूर्योदयनाटकम्	वेंकटाचार्य	१३४
३०	२३४१	सरस्वतीकण्ठाभरणम्	श्रीरत्नेश्वर	२४
३१	२११५	गीतगोविन्दम्	जयदेव	१२
३२	२११६	गीतगोविन्दम्	जयदेव	२ से २६
३३	३४३३	किरातार्जुनीयम्	भारवि	३४
३४	३३४२	रसमञ्जरी	श्री भानुदत्त मिश्र	२६
३५	३३४४	नलोदयकाव्यम्	श्री रवि देव	३४
३६	३०५०	छन्दःशास्त्रम्		७
३७	३११३	संस्कृतमञ्जरी	मदनभट्ट	१४
३८	२३५१	रतिरहस्यम्		२ से ३६
३६	३३१६	अनंगरंगः		२५
४०	३३१६	आध्यात्मरामायणम्		७-६, १६-३०
४१	२२०४	युगलकेलिकाव्यम्	स्वामी केशवाचार्य	१४
४२	४०६६	राक्षसकाव्यम्		३
४३	३६५५	कुमारसम्भवम्		१-३४
४४	४११४	शिशुपालवधम्		१० गणनया
४५	२७१०	अध्यात्मरामायणम्		२-१८
४६	२७०८	अध्यात्मरामायणम्		१-३६
४७	११६८	रघुवंशमहाकाव्यम्		११
४८	२७०६	अध्यात्मरामायणम्		१८ गणनया

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६×४	६	३०	दे.ना.	कागज	-	पूर्णम्		२३
६.५× ४	८	२७	,,	,,	-	अपूर्णम्		२४
६×३.५	१०	४४	,,	,,	१८७४	पूर्णम्		२५
६×४	१३	२८	,,	,,	-	अपूर्णम्		२६
८.५× ४	८	३४	,,	,,	-	पूर्णम्		२७
६.५×४	११	४०	,,	,,	-	अपूर्णम्		२८
१४×५.५	६	३७	,,	,,	१६११	पूर्णम्		२६
१०×४	१३	४६	,,	,,	१८४२	अपूर्णम्		३०
७×४.३	११	२७	,,	,,	-	पूर्णम्		३१
८.५×५.५	६	२६	,,	,,	१२१७	अपूर्णम्		३२
६.५×४.५	१२	४०	,,	,,	-	अपूर्णम्	एक सासिसप्तम पर्यन्त	३३
८×३	६	३५	,,	,,	-	पूर्णम्		३४
८.३×३.३	६	२६	,,	,,	-	पूर्णम्		३५
८.५×३.५	७	३७	,,	,,	१८१८	पूर्णम्		३६
६.५× ७	६	१७	,,	,,	-	पूर्णम्		३७
६.५×४	११	३३	,,	,,	-	अपूर्णम्		३८
१०×४.५	१०	३६	,,	,,	१७६२	पूर्णम्		३६
१३.५×७	१५	४७	,,	,,	-	अपूर्णम्	अद्भुत काण्ड	४०
१४×७	१६	५०	,,	,,	१६२६	पूर्णम्		४१
६.५× ४	७	४७	,,	,,	-	पूर्णम्		४२
६.५×४	६	३६	,,	,,	-	अपूर्णम्	षष्ठ सर्ग पूर्णम् सप्तम अपूर्णम्	४३
१०×४.५	१५	३७	,,	,,	-	अपूर्णम्	पत्र जीर्ण शीर्ण है	४४
६.५× ४.५	६	२७	,,	,,	-	अपूर्णम्		४५
११×४.५	८	३६	,,	,,	-	अपूर्णम्	अयोध्याकाण्ड मात्र	४६
८×४.५	७	२०	,,	,,	-	अपूर्णम्	दशम सर्ग मात्र	४७

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
४९	२७१४	अध्यात्मरामायणम्		१०५-१४७
५०	२५४८	श्रुतबोधः	कालिदास	१०
५१	८०५	मूर्खशतकम्	वेदव्यास	१
५२	३७१८	काव्यादर्शः	आचार्य दण्डी	४२
५३	३६१४	भामिनीविलासः		२६
५४	३८६०	अमरुशतकम्		१२
५५	४३६०	भक्तिकल्पद्रुमः		१०
५६	४३८५	विष्णुभक्तिकल्पलता		६०
५७	४२८८	स्वाभिप्रायप्रकाशः	पुरुषोत्तमाचार्य	४
५८	५७६२	रसमञ्जरी	हनुमान	४४
५९	३६४५	मदनरत्नम्	श्री मदन सिंह	२७७
६०	२८९५	शामलादण्डकः	कालिदास	७
६१	५७६०	नारायणविजयः	बालकृष्ण	५५
६२	२५८२	उपपत्तितरंगः		५ गणनया
६३	२५३७	प्रपन्पारिजातम्		१७
६४	५८१६	राघवपाण्डवकाव्यम्	शशिधर	१४७
६५	८२१	मेघदूतम्	कालिदास	१४
६६	४०५१	रघुवंशम्	कालिदास	१८
६७	५७९५	कविकल्पलतासटीका	देवेश्वर	६१
६८	३६६१	रसमञ्जरी	भानुदत्त	१५
६९	३७११	रघुवंशसटीकम्	कालिदास	३५
७०	४०५३	शिशुपालवधसटीकम्	माघ	१० गणनया
७१	३९२१	घटकर्परकाव्यम्		४ गणनया
७२	३६२६	कुमारसम्भवमहाकाव्यम्	कालिदास	१३६
७३	३९२५	हनुमन्नाटकम्		४
७४	३६६२	विरहिणीमनोविनोदः		१३

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१०×४.५	१२	३६	"	"	–	अपूर्णम्		४८
१०.५×४.५	६	५६	दे.ना.	कागज	–	अपूर्णम्		४६
१०.५×४	६	३३	"	"	–	पूर्णम्		५०
१०×४	१४	४७	"	"	–	पूर्णम्		५१
६×३.५	८	३४	"	"	–	पूर्णम्		५२
१०×४.५	६	३७	"	"	–	पूर्णम्		५३
८.५×४	६	३०	"	"	–	पूर्णम्		५४
१०×५	६	२७	"	"	–	पूर्णम्		५५
१०×५	१०	२६	"	"	–	पूर्णम्		५६
१०×५	६	३५	"	"	–	पूर्णम्		५७
११×४.५	१०	३६	"	"	–	पूर्णम्		५८
१०×४	८	४२	"	"	–	अपूर्णम्		५६
६×४.५	६	१६	"	"	–	पूर्णम्		६०
११.५×५	१०	३८	"	"	–	पूर्णम्		६१
११.५×५.५	६	४५	"	"	–	पूर्णम्		६२
११×४.५	१२	४४	"	"	–	पूर्णम्		६३
१३×७.५	१४	४०	"	"	–	पूर्णम्		६४
१०×४	८	३५	"	"	–	पूर्णम्	पत्र जीर्ण शीर्ण है	६५
१०.५×४.५	८	४२	"	"	–	अपूर्णम्		६६
१३.५×६	१३	५६	"	"	–	पूर्णम्		६७
१२×४.५	१०	४६	"	"	–	पूर्णम्		६८
११×५	१७	५३	"	"	–	अपूर्णम्	चतुर्थ सर्ग पर्यन्त	६६
११×४	८	३७	"	"	–	अपूर्णम्	जीर्ण	७०
१०×४	६	३७	"	"	–	अपूर्णम्	जीर्ण	७१
१२×४.५	८	४०	"	"	–	अपूर्णम्	षष्ठ सर्ग पर्यन्त, सप्तम अपूर्णम्	७२
१०.५×४.५	६	५५	"	"	–	अपूर्णम्	पत्र खण्डित है	७३

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
७५	३६६१	चम्पूकाव्यम्	केशवभट्ट	२०
७६	५४०३	कुमारसम्भवम्	कालिदास	१७ गणनया
७७	५५१४	गद्यत्रयम्	रामाजुनाचार्य	६
७८	८६१	वृत्तरत्नावली	यशवंत सिंह	७
७९	१३३१	चन्द्रालोकः		२-१४
८०	१४३५	भर्तृहरिशतकम्	भर्तृहरि	४ गणनया
८१	१४३४	राधाविनोदकाव्यम्		२
८२	१५४	रघुवंशमहाकाव्यम्		११
८३	११७	मूलरामायणम्		१०
८४	५२९	नैषधीयचरितम्		२४-५१,५५-७९
८५	३१०	वाल्मीकिरामायणम्		१५
८६	३०८	मूलरामायणम्		११
८७	३८६५	वैराग्यशतकं भतृहरिः		११
८८	७६८	मदनमुखचर्पटिका	रामकुमार	४०
८९	२१७१	किरातार्जुनीयमहाकाव्यम्	भारवि	१२०
९०	२१८१	रघुवंशमहाकाव्यम्	कालिदास	१३३
९१	१६२६	कुवलयानन्दः	रामकृष्ण सदाशिव	४६
९२	१७७	शिवार्याशतकम्	अप्ययदीक्षित	७
९३	७८६	रघुवंशमहाकाव्यम्	कालिदास	१-६,११,१२, १५-२३
९४	२१५५	वेणीसंहारः		३-८१
९५	२१४६	वासवदत्तानाटकम्		१-६३,६८-१००
९६	२१४५	छन्दःकौस्तुभः	दुर्गेश भट्ट	५०
९७	१६७०	अध्यात्मरामायणम्		२२८
९८	२१५८	कवितासंग्रहः		३३

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६.५×३	७	३२	"	"	-	अपूर्णम्		७४
८.५×३.५	८	३४	दे.ना.	कागज	१८७२	पूर्णम्		७५
१०× ३.५	६	३७	"	"	-	अपूर्णम्	पत्र है	७६
११×५	१०	३७	"	"	१६०१	पूर्णम्		७७
१०.५×४.५	६	३५	"	"	-	पूर्णम्		७८
८×३.५	८	३२	"	"	-	अपूर्णम्		७६
६.५×४	६	२६	"	"	-	अपूर्णम्		८०
६×४	१०	२६	"	"	१७२६	पूर्णम्		८१
८.५×४	७	२५	"	"	१६३६	पूर्णम्	मात्र द्वितीय सर्ग	८२
११×४.५	७	३५	"	"	-	पूर्णम्		८३
१०×४.५	११	५	"	"	-	अपूर्णम्	जीर्ण लिपि	८४
८.५×४.५	८	२२	"	"	-	पूर्णम्	युद्धकाण्ड कथा प्रसंग	८५
८×४	६	२७	"	"	-	पूर्णम्		८६
१०.५×४.५	६	३८	"	"	-	अपूर्णम्		८७
६.५×३.५	६	२४	"	"	१६४०	पूर्णम्		८८
१०×४	१७	३४	"	"	१६४२	पूर्णम्		८६
८×४	६	२६	"	"	शक १७७६	पूर्णम्		६०
६.५×४	७	३६	"	"	सं. १८७८	पूर्णम्		६१
११×४.५	८	४१	"	"	-	पूर्णम्		६२
१०×४	८	२६	"	"	-	अपूर्णम्		६३
१०×३.५	८	३६	"	"	-	अपूर्णम्		६४
६×३.५	८	२८	"	"	-	अपूर्णम्		६५
१०.५×४.५	१०	३८	"	"	१६१८	पूर्णम्		६६
१२×४.३	६	३५	"	"	-	पूर्णम्	लिपि. जयराम	६७

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
९९	२१६०	वैराग्यशतकम्	भर्तृहरि	२१
१००	१७२६	विद्वद्भूषणम्	बालकृष्णभट्ट	९
१०१	२११	चन्द्रालोकः		१०
१०२	२०६	रघुवंशमहाकाव्यम्	कालिदास	१०
१०३	१७६३	दृष्टान्तशतकम्		५
१०४	२१५	रतिमञ्जरी	जयदेव	६
१०५	२१३	शिशुपालवधम्	माघ	१-१४, २६-३८
१०६	१६७८	वाल्मीकिरामायणम्		८३
१०७	४६७	रघुवंशमहाकाव्यम्	कालिदास	१५
१०८	५८४३	रघुवंशमहाकाव्यसटीकम्	कालिदास	३६६
१०९	२५५०	शशिसेनाकाव्यम्	जगन्नाथ	३६
११०	४३०६	शुकरम्भासंवादः रस-वैराग्यकाव्यम्		३
१११	४००४	षट्पञ्चाशिका	भट्टोत्पल	१५ गणनया
११२	४०४३	रघुवंशमहाकाव्यम्	कालिदास	२२
११३	४००१	शिशुपालवधम्	माघ	३० गणनया
११४	५१८१	शृंगारशतसारः		१६
११५	५१२२	वेतालपंचविंशतिका	शिवदास	३१
११६	५६५५	तात्पर्यरत्नावली		४
११७	५७२०	चन्द्रवंशसम्भवकाव्यम्	यज्ञशर्मसूरि	३
११८	१२२४	शुकरम्भासंवादः		४
११९	[illegible]५७५	वृत्तचन्द्रिका	नरसिंहदास	१५
१२०	६१८	रघुवंशमहाकाव्यम्	कालिदास	१३
१२१	१२७६	शृंगारतिलकम्		३
१२२	१४३८	शिशुपालवधम्	माघ	६
१२३	१४३	चित्रकाव्यम्		१३
१२४	१४४०	घटकर्परकाव्यम्		२

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
११.५×५.५	१०	३७	,,	,,	-	पूर्णम्		९८
९.५×५	१२	४६	दे.ना.	कागज	१९०६	पूर्णम्		९९
१२.५×६.५	११	५६	,,	,,	१८६०	पूर्णम्		१००
१०×५	९	३३	,,	,,	-	पूर्णम्		१०१
१०×४.५	७	२५	,,	,,	-	पूर्णम्	द्वितीय सर्ग मात्र	१०२
११.५×४.५	११	३३	,,	,,	१८७६	पूर्णम्		१०३
८×२.५	६	२३	,,	,,	-	पूर्णम्		१०४
१३×५	१०	४९	,,	,,	-	अपूर्णम्		१०५
१२.५×६.५	१५	४६	,,	,,	-	पूर्णम्	सुन्दरकाण्ड मात्र	१०६
११×४.५	११	४८	,,	,,	-	पूर्णम्	पंचम सर्ग मात्र	१०७
१०.५×३	९	४३	,,	,,	१६०४	पूर्णम्		१०८
११.५×४.५	१०	४९	,,	,,	१९३६	पूर्णम्		१०९
५×३.५	९	१८	,,	,,	१९७७	पूर्णम्		११०
१२.५×४.५	१२	६६	,,	,,	-	अपूर्णम्	जीर्ण	१११
१०.५×४.५	८	३५	,,	,,	-	अपूर्णम्		११२
९×४	८	२४	,,	,,	-	अपूर्णम्	जीर्ण	११३
७.५×४.५	९	२३	,,	,,	-	पूर्णम्		११४
१०.५×४	१०	३७	,,	,,	-	पूर्णम्		११५
१०×४.३	८	२९	,,	,,	-	पूर्णम्		११६
८.५×४	८	३३	,,	,,	-	पूर्णम्		११७
६×४	७	२३	,,	,,	-	पूर्णम्		११८
९×४	८	२६	,,	,,	१९६२	पूर्णम्		११९
९.५×४.३	६	२२	,,	,,	-	अपूर्णम्		१२०
७.५×३	८	२७	,,	,,	-	पूर्णम्	जीर्ण	१२१
१०.५×४.५	१०	४०	,,	,,	-	अपूर्णम्		१२२
९.५×३.५	९	३६	,,	,,	-	पूर्णम्	जीर्ण	१२३

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१२५	१४४१	रघुवंशमहाकाव्यम्	कालिदास	१३
१२६	६१४	रघुवंशमहाकाव्यम्	,,	१३
१२७	६१६	रघुवंशमहाकाव्यम्	,,	११
१२८	६१७	रघुवंशमहाकाव्यम्	,,	१३
१२९	६१३	रघुवंशमहाकाव्यम्	,,	११
१३०	१३८७	रघुवंशमहाकाव्यम्	,,	५९
१३१	११४४	मूलरामायणम्		७
१३२	४०७२	ऋतुसंहारः		५ गणनया
१३३	४१०१	कविकल्पलता		५९
१३४	३९४८	काव्यकलाकौतुकः	जयदेव	१७
१३५	३९९३	काव्यप्रकाशः		६६
१३६	४१०६	रघुवंशमहाकाव्यम्		६६
१३७	४५५	स्वर्णयुक्ताविवादः		४
१३८	६१३	सारसमुच्चयः	शंकरभट्ट	३
१३९	४५२	संगीतरत्नाकरः	काशीनाथ	७ गणनया
१४०	२२०५	नाटकदीपव्याख्या	रामकृष्ण	८१
१४१	२९६६	कुवलयानन्दः		५
१४२	२९६२	कामरत्नकेशरंजनम्		४ गणनया
१४३	२४७१	सिंहासनद्वात्रिंशोकथानिका		२६ गणनया
१४४	२३६१	वृत्तकल्पद्रुमः		२८
१४५	१९५८	रसतरंगिणी नौकाटीका		२४
१४६	२४००	वस्त्राहरणम्		३८ गणनया
१४७	१९३२	छन्दोमञ्जरी	वेंकटभट्ट	३
१४८	२४३५	मेघदूतम्	कालिदास	१५
१४९	५७६६	हरिविलासमहाकाव्यम्	लोलिम्बराज	६२
१५०	५७६१	चण्डकौशिकः	आर्य क्षेमेश्वर	२३
१५१	३६४३	मदनपारिजातम्		२५३

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६.५××४.५	६	३१	,,	,,	–			१२४
८.५×४.५	७	२५	दे.ना.	कागज	१६३८	पूर्णम्	पंचम सर्ग मात्र	१२५
८.५×४.५	७	२४	,,	,,	१६३७	पूर्णम्	एकादश सर्ग मात्र	१२६
८.५×४.५	७	२६	,,	,,	१६३८	पूर्णम्	सप्तम सर्ग मात्र	१२७
८.५×४.५	७	२४	,,	,,	१६३८	पूर्णम्	षष्ठ सर्ग मात्र	१२८
८.५×४.५	७	२४	,,	,,	–	पूर्णम्	तृतीय सर्ग मात्र	१२६
६.५×४.५	६	३६	,,	,,	–	पंचम	षष्ठ सप्तम सर्ग मात्र	१३०
१२×५	७	३८	,,	,,	१६४६	पूर्णम्		१३१
१०.५×४	७	४७	,,	,,	–	अपूर्णम्	खण्डित	१३२
८× ४	६	२४	,,	,,	–	अपूर्णम्		१३३
११.५×४.५	८	४०	,,	,,	–	पूर्णम्		१३४
११×४.५	११	४२	,,	,,	–	अपूर्णम्		१३५
११.५×४	७	२८	,,	,,	–	अपूर्णम्		१३६
१०.५×४.५	१२	४७	,,	,,	–	पूर्णम्		१३७
६.५×४	१३	३६	,,	,,	–	पूर्णम्		१३८
११×४.५	१४	४२	,,	,,	–	अपूर्णम्		१३६
१०×४	१४	४५	,,	,,	–	पूर्णम्		१४०
६×३.५	५	४६	,,	,,	–	अपूर्णम्		१४१
८.५×४	११	३६	,,	,,	–	पूर्णम्		१४२
८.५×४	१०	३६	,,	,,	–	अपूर्णम्		१४३
५.५×३.५	११	३१	,,	,,	१७६६	पूर्णम्		१४४
१०.५×४.५	११	३६	,,	,,	–	पूर्णम्		१४५
६.५×४	७	२०	,,	,,	–	अपूर्णम्		१४६
८.५×३.५	१२	३७	,,	,,	–	पूर्णम्		१४७
१०.५×५	१०	३३	,,	,,	–	अपूर्णम्		१४८
७ ×४	५	२१	,,	,,	१६५७	पूर्णम्		१४६
१०.५×३.२	८	५६	,,	,,	–	पूर्णम्		१५०

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१५२	३८६६	अध्यात्मरामायणम्		१४६
१५३	३६१८	अध्यात्मरामायणम्		११५
१५४	३६११	अध्यात्मरामायण		४६१
१५५	३६०७	किरातार्जुनीयमम्	भारवि	२११
१५६	३७०६	प्रशस्तिततिचम्पू	रघुनाथ भट्ट	२३
१५७	३६४२	वृत्तरत्नाकरः	रामेश्वर भट्ट	२३
१५८	१८७६	सारोद्धारः	सारंगधर	६५
१५९	१८६१	मूलरामायणम्		२०
१६०	१८८६	रघुवंशमहाकाव्यम्	कालिदास	२-८
१६१	१८६२	विक्रमोर्वशीयम्		१०-३५
१६२	१८६६	अध्यात्मरामायणम्		३१
१६३	२०४३	अनंगरंगः		२-३५
१६४	२०४०	रसमञ्जरी	भानुदत्त मिश्र	३२
१६५	२०६६	रसतरंगिणी	भानुदत्त	३५
१६६	५६५	विल्हणपंचाशिका	विल्हण	१३
१६७	२०३८	वाल्मीकिरामायणम्		६२
१६८	४६७०	मालविकाग्निमित्रम्		१७
१६९	३५८५	हरिविजयः		२१२
१७०	३७१८	काव्यादर्शः	आचार्य दण्डी	४२
१७१	२५७४	अध्यात्मरामायणम्		१६४
१७२	५८८ क	शिशुपालवधम्	टी. नवनीतराम	१६८
१७३	५८८ ख	माघार्थदीपिका, शिशुपालवधम्	टी. मल्लीनाथ	१६
१७४	५८६३	वाल्मीकिरामायणं तिलकटीका		१२६४
१७५	५८६५	माघकाव्यं सटीकम्		२१६
१७६	३३८२	कारिका	अप्पय दीक्षित	१३
१७७	३६०३	रसतरंगिणी	भानुदत्तमिश्र	६

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१३×४.५	११	५०	,,	,,	–	पूर्णम्		१५१
६.५×५	११	२७	दे.ना.	कागज	–	अपूर्णम्		१५२
१२×४.५	१३	४४	,,	,,	–	अपूर्णम्		१५३
१२×५.५	७	४	,,	,,	–	पूर्णम्		१५४
१२×४.५	६	५२	,,	,,	–	अपूर्णम्	४ से ११ सर्ग तक	१५५
१२×४.५	११	४६	,,	,,	–	पूर्णम्		१५६
१२×४.५	१०	४७	,,	,,	–	पूर्णम्		१५७
१०×३.५	८	३०	,,	,,	–	पूर्णम्		१५८
७.५×४	६	२१	,,	,,	१६७१	पूर्णम्		१५९
९×४	९	३०	,,	,,	–	अपूर्णम्	चतुर्थ सर्ग मात्र	१६०
१०.५×४.५	८	४	,,	,,	१६३१	अपूर्णम्		१६१
११××४.५	११	४०	,,	,,	१८४६	अपूर्णम्	अयोध्या काण्ड नवम अध्याय	१६२
९×३.५	१०	३०	,,	,,	–	अपूर्णम्		१६३
१०.५×४.५	१०	४२	,,	,,	१८८१	पूर्णम्		१६४
६.५×४.५	१०	३४	,,	,,	१६१२	पूर्णम्		१६५
७×३.३	११	३०	,,	,,	१७५७	पूर्णम्		१६६
१३×५.५	११	४३	,,	,,	१७६१	अपूर्णम्	अयोध्या काण्ड सत्ताइस सर्ग पर्यन्त	१६७
१०×४	६	४५	,,	,,	–	अपूर्णम्	खण्डित	१६८
१०.५×५.५	६	३३	,,	,,	–	पूर्णम्	जीर्ण	१६९
९×३.५	८	३४	,,	,,	–	पूर्णम्		१७०
१२×५.५	११	३८	,,	,,	–	पूर्णम्		१७१
१३.५×६.५	१०	६४	,,	,,	–	पूर्णम्	प्रथम से पंचम सर्ग तक	१७२
,, ,,	१०	६०	,,	,,	–	पूर्णम्	चतुर्थ सर्ग मात्र	१७३
१८×८	१३	६६	,,	,,	१८७७	पूर्णम्		१७४
१२.५×५	१३	३८	,,	,,	–	अपूर्णम्		१७५
१०×४.५	६	३०	,,	,,	–	पूर्णम्		१७६
१०.५×४.५	१३	४०	,,	,,	–	अपूर्णम्		१७७

तमिल-लिपिः

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१	४३६१	तमिलग्रन्थः	–	११०
२	४३६२	तमिलग्रन्थः	–	४६
३	४३६३	तमिलग्रन्थः	–	६५
४	४३६४	तमिलग्रन्थः	–	४८
५	४३६५	तमिलग्रन्थः	–	६६
६	४३६६	तमिलग्रन्थः	–	४६
७	४३६७	तमिलग्रन्थः	–	८०
८	२६३८	वाल्मीकिरामायणम्	–	३७६
९	२७२४	तर्कामृतग्रन्थः	–	८०
१०	२६८५	कार्तवीर्यपंचागम्	–	१६
११	२६४२	भाष्यरत्नप्रभा	–	१७
१२	२६६८	ऋषिपंचमीव्रतकथा	–	४
१३	२६६७	ऋषिपंचमीव्रतकथा	–	५
१४	२६५६	माघव्याख्या	–	३९
१५	२६५७	उपनयनपद्धतिः	–	३०
१६	२६५८	अमरकोशः	–	२६
१७	२६५९	अर्थसंग्रहः	–	१०
१८	२६६०	शिवानन्दलहरी	–	५
१९	२६६१	चण्डीविधानम्	–	११
२०	२६६२	नानार्थकोशः	–	७
२१	२६६३	दक्षिणामूर्तिपूजनम्	–	२
२२	२६६४	परमहंसशिवतत्वोपनिषद्	–	२
२३	२६६५	भेदधिक्कारः	–	२
२४	२६६६	अशौचत्रिंशतिः	–	३

तमिल-लिपिः

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः		क्रमांकः
१२×५	१२	६०	तमिल	कागंज	-	पूर्णम्	-		१
६.८×४.४	११	५०	,,	,,	-	पूर्णम्	-		२
६.८×४.३	६	५०	,,	,,	-	पूर्णम्	-		३
१०×४.४	६	४८	,,	,,	-	पूर्णम्	-		४
१०×४.५	११	५०	,,	,,	-	पूर्णम्	-		५
१०×५	११	५०	,,	,,	-	पूर्णम्	खण्डित		६
१०.३×४.५	१७	६०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-		७
१०.२×५.२	१५	६०	,,	,,	-	पूर्णम्	-		८
१०×४.३	१६	४५	,,	,,	-	अपूर्णम्	-		९
८×३.३	११	४०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-		१०
१२×५.८	१८	६०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-		११
१०.५×४.४	१३	४८	,,	,,	-	अपूर्णम्	-		१२
१०×४.४	११	३५	,,	,,	-	पूर्णम्	-		१३
१०×४.४	१३	४०	,,	,,	-	पूर्णम्	-		१४
१०.५×४.५	१६	४८	,,	,,	-	पूर्णम्	-		१५
१०.८×४.८	१२	४०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-		१६
६.८×४.७	१५	४५	,,	,,	-	पूर्णम्	-		१७
६.७×४.३	१४	४२	,,	,,	-	अपूर्णम्	-		१८
६.३×४.२	१३	३८	,,	,,	-	पूर्णम्	-		१९
६.७×४.४	१७	३५	,,	,,	-	अपूर्णम्	-		२०
६.५×४.३	१७	३४	,,	,,	-	पूर्णम्	-		२१
६.८×४.२	१३	३५	,,	,,	-	पूर्णम्	-		२२
६.३×४.३	११	३८	,,	,,	-	पूर्णम्	-		२३
६.९×४.३	२०	६०	,,	,,	-	अपूर्णम्	खण्डित		२४

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२५	२६६६	ऋषिपंचमीव्रतकल्पम्	–	३
२६	२६७०	सत्यनारायणव्रतकथा	–	८
२७	२६७१	गणेशचतुर्थीव्रतकथा	–	५
२८	२६७२	बुद्धाष्टमीव्रतपूजनम्	–	५
२९	२६७३	वशिष्ठसंहिता	–	६
३०	२६७४	लक्षपूजाविधानम्	–	३
३१	२६७५	सूर्यचन्द्रव्रतोद्यापनम्	–	५
३२	२६७६	अनन्तपूजा	–	११
३३	२६७७	वागीश्वरीव्रतम्	–	६
३४	२६७८	अनन्तव्रतकथा	–	१०
३५	२६७९	तर्कसंग्रहचन्द्रिकाटीका	–	३२
३६	२६८०	सूर्यचम्पूकाव्यम्	–	१२
३७	२६८१	आग्रायणेष्टिः	–	३
३८	२६८२	अजपागायत्री	–	३
३९	२६८३	भारतचम्पूकाव्यम्	–	६
४०	२६८४	बटुकभैरवकल्पम्	–	२८
४१	२६८६	अष्टाक्षरी विधानम्	–	३४
४२	२६८७	मंगल शतकमतमिल	–	८
४३	२६४७	तैत्तिरीयोपनिषत्संग्रहः	–	५४
४४	२६४०	तैत्तरीयसंहिता प्रथमाष्टकः (२६ ग्रन्थ)	–	४१३
४५	२६३९	तैत्तरीयब्राह्मणः (७ ग्रन्थः)	–	१५७
४६	२६४१	तैत्तरीयसंहिता (५ ग्रन्थ): तृतीयाष्टकतः सप्तमाष्टकं भावत्)	–	३३७
४७	२६४९	न्यायक्रोडपत्रम्	–	५
४८	२६५०	तर्कभाषा	–	२९

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१०×४.४	१६	५५	तमिल	कागज	-	पूर्णम्	-	२५
६.७×४.३	१३	३५	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	२६
१०×४.४	१५	४०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२७
६.८×४.३	१४	३८	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	२८
६.४×३.४	१५	६०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	२६
६.६×४	१२	४८	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	३०
६.१×४.१	१४	३५	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	३१
१०×४.३	१०	३०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३२
६.५×४	१७	४०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३३
१०×४.३	११	३४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३४
६.८×४.३	१३	३५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३५
६.६×४.४	११	३८	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	३६
६.६×४.२	१५	४०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	३७
६.६×४.३	१४	३८	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	३८
६.८×४.३	१८	५०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	३६
७.६×३.५	११	४०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	४०
५.५×३.५	६	२०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	४१
७.८×३.३	१२	३८	,,	,,	-	पूर्णम्	-	४२
८.७×३.७	६	३५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	४३
११×४.५	१३	४०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	४४
१०.५×४.४	११	४०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	४५
१०.४×४.६	१२	४८	,,	,,	-	पूर्णम्	-	४६
१०.५×३.३	११	५०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	४७
६.७×३.२	६	४८	,,	,,	-	पूर्णम्	-	४८

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
४६	२६५१	न्यायक्रोडपत्रम्	–	६
५०	२६५२	न्यायक्रोडपत्रम्	–	७
५१	२६५३	तर्कशिरोमणिः	–	२६
५२	२६५४	तर्कचंद्रिका	–	१८
५३	२६५५	किरातार्जुनीयव्याख्या	–	१५
५४	२६४३	नारायणहृदयम्	–	६
५५	२६४४	तैत्तिरीयब्राह्मणः	–	२४
५६	२६४५	भस्मोपनिषद्	–	४
५७	२६४६	रुद्रभाष्यम्	–	१६
५८	२६४८	त्रिशतीनामार्थप्रकाशः	–	५६
५६	४३६८	तमिलग्रन्थः	–	६०

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१०×४.२	११	३०	तमिल	कागज	-	अपूर्णम्	-	४६
६.५×४	१३	३२	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	५०
६.८×४.३	१४	४०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	५१
६.६×४.५	१५	४०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	५२
१०×४.५	१५	४०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	५३
७×५.४	१८	३५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	५४
८.३×४.८	१०	३०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	५५
७.२×४.४	१२	२८	,,	,,	-	पूर्णम्	-	५६
१०.६×४.६	१२	४५	,,	,,	-	अपूर्णम्	खण्डित	५७
६.८×८	१७	३८	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	५८
८.२×४	१६	४०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	५६

बंगला लिपिः

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१	२३०४	चन्द्रालोकः	-	२१
२	२३०२	रुद्राध्यायमाहात्म्यम्	-	१२
३	२३०६	कुमारसम्भवम् सटीकम्	आशु पण्डित	२२
४	२३०८	तन्त्रशास्त्रग्रन्थः	-	१२
५	२३०१	हनुमतकवचम्	-	६
६	२३००	नव्यन्यायटीका	-	१०
७	२२९९	नव्य-न्याय चिन्तामणि विवेचनम्	-	१०
८	२२९८	चिन्तामणिः नव्यन्यायः	-	१७
९	२३०३	तर्कसंग्रहः	-	६
१०	३८५५	महिम्नस्तवटीका	-	३०
११	४०२४	बंगलापाण्डुलिपिः	-	१०
१२	४१११	बंगला पाण्डुलिपि	-	३०
१३	३८८२	विश्वामित्रतन्त्रे वशीकरणम्	-	४
१४	३८८३	वश्यादिविधिः	-	७
१५	३८८४	हठयोगप्रदीपिका	-	२५
१६	४०२६	तन्त्रसारः	-	२७
१७	४०३१	तर्कशास्त्रम्	-	१०
१८	४०२७	तन्त्रवार्तिकम्	-	२८
१९	४०२८	तन्त्रसारः	-	८
२०	४१०८	ब्रम्हवैवर्तपुराणम्	-	९५
२१	४०१८	तंत्रसारः	-	१६
२२	४०२१	शब्दप्रमाणम्	-	१२
२३	५७९७	कामाख्याकल्पम्	-	२०

बंगला-लिपिः

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
८.६×३.६	१०	४०	बंगला	कागज	-	अपूर्णम्	-	१
८×३.६	१०	३०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	२
६.८×३.८	११	३८	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	३
६×४	१३	३५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	४
८×५	७	२५	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	५
६.५×३.६	१०	३०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	६
१२×२.५	६	५०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	७
१२×३	६	५०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	८
१३×३.६	८	५५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	९
११×४.२	९	३५	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१०
१२×३.३	५	३५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	११
१३.२×४.६	१३	५०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१२
१२.५×३.४	९	४०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१३
१२×३.३	८	४५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१४
११.५×४.४	७	३५	,,	,,	-	पूर्णम्	खण्डित	१५
१३.५×२.६	५	३०	,,	ताड़पत्र	सम्वत् १५२२	अपूर्णम्	-	१६
१३.६×४.६	१३	४०	,,	कागज	-	अपूर्णम्	-	१७
१७.७×३.३	७	७०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१८
१७.५×४.२	१०	६०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१९
१४×३.७	९	४०	,,	,,	-	अपूर्णम्	खण्डित	२०
१७.८×३.८	९	५०	,,	,,	-	पूर्णम्	खंण्डित	२१
१६×२.८	५	५०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२२
६.८×४.६	९	२८	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	२३

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२४	५८४२	स्तोत्रकदम्बचरित्रत्रयम्	-	१००
२५	५८४०	विष्णुस्तोत्रम्	-	३६
२६	५८४१	पार्वणश्राद्धः	-	२६
२७	५८३७	सीतारामहृदयम्	-	११
२८	५८३८	नवग्रहजपविधानम्	-	१२
२९	५८३६	मंगलागौरीव्रतम्	-	१५
३०	२२२६	नवरात्रव्रतम्	-	२४
३१	५८२७	श्रौतविधानम्	-	११
३२	५८२६	दित्ववाद शिरोमणिः	-	२४
३३	५८२९	वादार्थः	-	३
३४	५८२३	स्वरूपाख्यस्तोत्रम्	ब्रह्मानन्द सरस्वती	१०
३५	५८२४	न्यायसूत्रम्	-	२८
३६	४०२६	बंगलापाण्डुलिपिः	-	३५
३७	४०२५	बंगलापाण्डुलिपिः	-	८
३८	४०१९	सिद्धान्तलक्षणम्	-	४५
३९	४१०९	न्यायशास्त्रम्	-	५२
४०	४११०	वेदान्तदर्शनम्	-	५५
४१	४०३२	वेदान्तदर्शनम्	-	४१
४२	३६६४	शाक्तानन्दतरंगिणी	-	१०६
४३	४०३०	न्यायशास्त्रम्	-	१०
४४	२३१४	नव्यमतरहस्यविवेचनम्	-	२०१
४५	२३१५	नव्यन्यायविवेचनम्	-	२८
४६	२३१३	हेत्वाभासगादाधरीटीका	-	२६
४७	२३१२	अवयवगादाधरीटीका	-	१४
४८	२३११	सिद्धान्तलक्षणविवेचनम्	-	३०
४९	२३१०	सिद्धान्तलक्षणविवेचना	-	६७
५०	५८२१	नव्यमतविवेचना	-	५५

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
७.२×४.३	१३	३०	बंगला	कागज	-	अपूर्णम्	-	२४
६.७×४.४	१४	२०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२५
६.२×४	८	१८	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२६
५.८×४	९	१६	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	२७
६.८×२.२	५	२०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२८
५.६×४	११	२०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	२९
१०.१×३.९	१२	३२	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३०
८×४.५	९	३०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३१
१३×३.३	६	४०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३२
११.५×४.५	११	३८	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३३
१३.५×४	७	५५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३४
१२.३×२.७	८	५०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	३५
१८.८×३.५	१०	७०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३६
१९.५×३.८	६	५५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३७
१९×३.५	१०	६०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३८
१८×५	११	५५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३९
१७.५×४.७	८	५०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	४०
१८.५×३.५	९	६५	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	४१
१३.५×४	७	५०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	४२
१३.४×४.८	११	४०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	४३
२२×५	१२	१०७	,,	,,	-	अपूर्णम्	खण्डित	४४
२०.५×४.३	८	७९	,,	,,	-	अपूर्णम्	खण्डित	४५
१८×४	५	८६	,,	,,	-	अपूर्णम्	,,	४६
१८×४	६	८५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	४७
१४.५×४.५	१८	६६	,,	,,	-	पूर्णम्	-	४८
१९.५×४.५	१०	८७	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	४९
१३×३.८	१४	७०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	५०

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
५१	५८२२	नव्यन्यायजागदीशी विवेचनम्	–	३०
५२	५८२५	शिरोमणिविचारः	–	२८
५३	४०६३	काश्मीरीग्रन्थः	–	३५

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१४.५×४	८	४८	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	५१
११×३.५	८	५०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	५२
४.४×२.८	७	१८	शारदा	,,	-	अपूर्णम्	-	५३

गुरूमुखी लिपिः

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१	४१२३	भगवद्गीता सटीका	-	२६४
२	४१६३	ज्योतिषसंग्रहः	-	३६
३	४१३१	शैवनिर्वाणपद्धतिः	-	५०
४	४१३६	भृंगेशसंहिता	-	४६
५	४१६३	विष्णुश्राद्धः	सूर्यबाला	७६
६	४१८५	रुद्रमंत्रभैरवस्तोत्रम्	अभिनव गुप्त	६०
७	४१६०	शैवकर्मकाण्डम्	-	७५
८	४१२०	शिवतन्त्रम्	-	२८
९	४१७१	श्रीभगवत्गीता	-	८०
१०	४२०३	न्यायशास्त्रम्	-	१०
११	४२०२	आनन्देश्वरभैरवतन्त्रम्	-	२०
१२	४१७६	त्रिपुरसुन्दरीतन्त्रम्	-	५८
१३	४१७६	कैवल्योपनिषद हरिनाममाला	-	१८
१४	४१२४	साम्बपंचाशिका	शाम्ब	१४
१५	४१६५	कैवल्योपनिषद्	-	१०
१६	४१५३	सारिकासहस्त्रनाम	-	१६
१७	४१७७	गोविन्दाष्टकम्	शंकराचार्य	२६
१८	४२१७	संग्रहस्तोत्रम्	उत्पल देवाचार्य	३
१९	४२०४	शिवपत्रिका	-	१०
२०	४१८८	कूष्माण्डमंत्रः	-	१८
२१	४१७८	योगतत्वोपनिषद, सर्वोपनिषद कैवल्योपनिषद्	-	२४
२२	४१७५	पाण्डवगीता, वैदिक-सन्ध्योपासना	-	३६

गुरूमुखी-लिपिः

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
५.२×७	१४	१७	गु.मुखी	कागज	-	पूर्णम्		१
६.२×४.१	८	२२	,,	,,	-	अपूर्णम्		२
४.८×६.८	१४	१५	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	३
७.५×६.२	१४	२५	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	४
७.१×५	१२	२४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	५
५×४	१०	१४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	६
५.५×८.२	१६	१६	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	७
६.२×८.३	१६	१८	,,	,,	-	पूर्णम्	-	८
७×४.८	८	२३	,,	,,	-	पूर्णम्	-	९
५.१×७.२	१८	१८	,,	,,	-	पूर्णम्	खण्डित	१०
६.२×४.८	११	२७	,,	,,	-	अपूर्णम्		११
६.१×४	८	१९	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१२
३.८×५.६	९	११	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१३
४.५×७.५	११	१३	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१४
५.२×७.२	८	१६	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१५
६.५×४	६	१७	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१६
५.७×३.८	११	१०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१७
५×३.५	९	२३	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१८
६.६×४.५	१२	१६	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१९
४.९×७.४	२१	२५	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	२०
६.३×३.८	७	२४	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	२१
७.१×४.८	८	२१	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	२२

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२३	४१८३	आनन्दलहरीसौन्दर्य लहरी	-	२१
२४	४१८१	राज्ञीस्तवभृंगेशसंहिता	-	२१
२५	४१७४	लक्ष्मीस्तोत्रम्	-	२६
२६	४१४६	राज्ञीसहस्त्रनाम	-	१६
२७	४१८४	भवानीसहस्त्रनाम	-	१६
२८	४१५८	स्तवचिन्तामणिः	श्री नारायण भट्ट	१३
२६	४१६५	विष्णुसहस्त्रनाम टीका	-	६
३०	४१६७	श्रीनेत्रनाथस्तुतिः	-	३६
३१	४२१२	बहुरुपस्तोत्रम्	-	६
३२	४२०७	वृहदजातकम्	-	६
३३	४१६६	वर्षफलविचारः	-	१६
३४	४२१४	गणितशास्त्रम्	-	१८
३५	४२०६	प्रश्नमञ्जरी	-	४
३६	४२१३	वर्षफलविचारः	-	१०
३७	४१५५	अन्नपूर्णातन्त्रम्	-	२१
३८	४१६६	नेत्रभट्टारकपद्धतिः शिवतन्त्रम्	१३	
३६	४१६८	महाकाली स्वाहाकार तन्त्रम्	-	१२
४०	४२११	तांत्रिकाजपविधानम्	-	१२
४१	४१५४	लघुवृत्तिव्याकरणम्	-	४६
४२	४१२२	रामगीता	-	२१
४३	४१८०	ब्राह्मणग्रन्थः	-	१८
४४	४१६६	विष्णुकर्णपितृसूक्तम्	-	३०
४५	४१३७	कारिकावली	-	१०
४६	४२१०	शिवपद्धतिः	-	२०
४७	४१५६	वास्तुप्रतिष्ठा	-	१६

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
७.५×५.२	१५	१६	गु.मुखी	कागज	–	पूर्णम्	–	२३
४.८×६.५	१२	१४	,,	,,	–	अपूर्णम्	खण्डित	२४
७×४.७	८	१८	,,	,,	–	अपूर्णम्	अपराजिता ब्राह्मी विद्या प्रहलाद स्तुति गजेन्द्रमोक्ष खण्डित	२५
४.५×७.३	१३	१३	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२६
५.५×७.५	१७	१६	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२७
७.१×४.८	८	१८	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२८
६×८	२४	२५	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	२९
४.६×६.७	१२	१४	,,	,,	–	पूर्णम्	–	३०
६.८×४.८	८	२०	,,	,,	–	पूर्णम्	–	३१
६.८×४.२	१७	३७	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	३२
६.४×४.६	६	२२	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	३३
५.१×७.३	१६	१६	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	३४
५.१×७	१७	१८	,,	,,	–	अपूर्णम्		३५
५.७×७	१५	१८	,,	,,	–	पूर्णम्	–	३६
५.४×७.३	१४	१५	,,	,,	–	पूर्णम्	–	३७
५×७.१	१८	१७	,,	,,	–	अपूर्णम्	खण्डित	३८
६.८×७.७	१६	१८	,,	,,	–	पूर्णम्	–	३९
५.५×३.७	१४	२५	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	४०
७×५.२	११	२१	,,	,,	–	अपूर्णम्	खण्डित	४१
४.८×७.४	१२	११	,,	,,	–	अपूर्णम्		४२
५.५×७.४	१६	१५	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	४३
६.८×५	१०	२७	,,	,,	–	पूर्णम्	–	४४
५×७	१०	२५	,,	,,	–	अपूर्णम्	खण्डित	४५
७.२×५.१	१२	२८	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	४६
६.३×३.६	६	२३	,,	,,	–	पूर्णम्	–	४७

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
४८	४१७२	ऋचाकर्म	–	१८
४६	४१७०	अन्नपूर्णापद्धतिः कुम्भ-ताराविधिः, बुधस्तोत्रम्	–	२४
५०	४१३६	रघुवंशमहाकाव्यम्	–	४७
५१	४१२६	मानसपूजापद्धतिः, काली हृदयम्, शिवरात्रिपूजा	–	१६५
५२	४१५१	गुरुमुखीग्रन्थः	–	२६
५३	४१५०	भैरवस्तोत्रम्	–	४३
५४	४१६७	बटुकभैरवतन्त्रम्	–	२२
५५	४१४६	पाकयज्ञलौंगाक्षः	–	७१
५६	४१३८	ज्योतिषसंग्रहः	–	४८
५७	२६४६	वेदान्तप्रक्रिया जनबोधिनी	–	५३
५८	२६४३	नीतिशतकम्	–	४८
५६	२७२२	गुरुमुखीग्रन्थः	–	१६
६०	२७२०	गुरुमुखीग्रन्थः	–	३
६१	२७२१	गुरुमुखीग्रन्थः	–	८
६२	२७१५	छन्दरत्नावली	–	१३
६३	२७१६	वेदान्तसिद्धान्तसारः	–	५१
६४	२६४१	श्रीमद् भागवत् एकादशस्कन्धः	–	१६३
६५	४१८५	कल्पलघुवृत्तिः	–	२६
६६	४११७	भक्तिरत्नावली	–	७४
६७	४१७३	अमरकोशः	–	८३
६८	४१२१	उपनयनविधिः	–	५७
६६	४२२०	रामगीता	–	२२
७०	४१६१	सिद्धान्तकौमुदी	–	६८
७१	४१३२	कुलार्णवशैविज्म	–	१२
७२	४१६८	शिवस्तोत्रसंग्रह	–	५५

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६.३×७.५	१६	१८	गु.मुखी	कागज	–	अपूर्णम्	खण्डित बद्ध	४८
५.१×७.१	१६	२८	”	”	–	अपूर्णम्	–	४६
५.२×७.५	१८	२०	”	”	–	अपूर्णम्	खण्डित	५०
५×३.३	७	१४	”	”	–	पूर्णम्	–	५१
५×३.५	६	१२	”	”	–	पूर्णम्	–	५२
६.२×५	७	२०	”	”	–	पूर्णम्	खण्डित	५३
६.६×५.८	१०	२२	”	”	–	पूर्णम्	खण्डित	५४
७×५.१	१०	२४	”	”	–	पूर्णम्	–	५५
५.२×४	१०	२२	”	”	–	अपूर्णम्	खण्डित	५६
८.२×४.८	८	२६	”	”	–	अपूर्णम्		५७
६.४×५.२	११	३३	”	”	–	पूर्णम्	–	५८
६×५.८	१०	१६	”	”	–	पूर्णम्	–	५६
६×४.६	१२	१७	”	”	–	अपूर्णम्	–	६०
६×४.५	११	१५	”	”	–	अपूर्णम्	–	६१
१०×५.२	१०	३३	”	”	–	अपूर्णम्		६२
१०.६×५.८	१२	५२	”	”	–	पूर्णम्	खण्डित	६३
१०.३×५	६	३८	”	”	–	अपूर्णम्	–	६४
७.६×६.४	२०	२४	”	”	–	अपूर्णम्	–	६५
७.१×१०.१	१६	३०	”	”	–	अपूर्णम्	–	६६
६.५×१०.४	१५	१५	”	”	–	अपूर्णम्	खण्डित अवस्था	६७
७×७.४	१७	२५	”	”	–	पूर्णम्	जीर्ण	६८
६.७×६.५	८	१४	”	”	–	पूर्णम्	–	६६
७.३×१०.१	१६	२०	”	”	–	अपूर्णम्	–	७०
८.४×११.३	२६	३४	”	”	–	अपूर्णम्	–	७१
६.८×१०	२३	२७	”	”	–	पूर्णम्	–	७२

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
७३	४१२५	हरिमुक्तागंगाविवरणम्	-	१९
७४	४१४४	पंचस्तवी	-	३४
७५	४१४२	स्तवचिन्तामणिः	-	११
७६	४१४३	अष्टात्रिंशत कलाविचारः	-	२३
७७	४१३०	भैरवानुकरणम्	श्री क्षेमराज	२
७८	४१५२	वैदिकसंध्यानिर्णयः	-	६
७९	४१४१	सारिकास्वाहाकारः	-	१३
८०	४१४०	श्राद्धकाण्डम्	-	४
८१	४१६०	गृहप्रतिष्ठा	श्री लक्ष्मी लौगांक्ष	६
८२	४२०५	जीवत् श्राद्धः	-	७
८३	४१६४	नेक्षमाप्रतिष्ठा	-	१४
८४	४२१५	भीमबालक एकादशीकथाः	-	४
८५	४१३४	वेदान्तसारः	-	१२
८६	४१४५	वैराग्यशतकसानुवादम्	-	८
८७	४१४७	कातन्त्रकौमुदी	श्रीभट्ट गोवर्धन	३०
८८	४१६२	ज्वालापंचागरुद्रयामल तन्त्रम्	-	३
८९	४१८७	ईश्वरप्रत्यभिज्ञा	-	१०
९०	४१८६	ज्योतिषिशास्त्रम्	-	२१
९१	४१९९	केदारवर्णनम्, भृंगेश संहिता	-	१४
९२	४२१८	मार्तण्डब्राह्मणः	-	८
९३	४२०८	कर्णसूक्तम्, पितृ सूक्तम्, सांध्यब्राह्मणः	-	१०
९४	४१४८	मार्तण्डमाहात्म्यम्	-	८
९५	४२२२	विष्णुसहस्त्रनाम, रुद्र मंत्रः, भगवतगीता	-	३२१
९६	४१२८	वैदिकसूक्तम्	-	१३४
९७	४२०६	स्तोत्र संग्रहः	-	१७५

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
८.३×६	१५	३१	गु.मुखी	कागज	–	अपूर्णम्	–	७३
५.५×७.४	१०	१६	,,	,,	–	पूर्णम्	–	७४
६×६.४	१४	१४	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	७५
१०×७	२६	४०	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	७६
७.६×६.५	२३	२६	,,	,,	–	अपूर्णम्	जीर्ण	७७
६.५×६.२	३३	२७	,,	,,	–	पूर्णम्	–	७८
५.८×७.३	१४	२१	,,	,,	–	पूर्णम्	–	७६
६.६×७.६	१७	१८	,,	,,	–	पूर्णम्	–	८०
६.५×६.५	२३	२०	,,	,,	–	पूर्णम्	–	८१
६.६×७.३	१७	२६	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	८२
७.५×६.४	१४	२४	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	८३
६.३×६.५	१२	३०	,,	,,	–	पूर्णम्	–	८४
६.२×६.६	२२	२२	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	८५
१०.२×७	१३	३८	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	८६
६.६×६.१	१५	२०	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	८७
१२.४×६	२३	७३	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	८८
५.५×८	१६	२१	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	८६
७.२×६	१४	३२	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	६०
७.५×५.५	१३	२६	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	६१
७.३×५	११	३१	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	६२
१०×७.५	१२	३०	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	६३
१०.२×६.५	१८	३७	,,	,,	–	पूर्णम्	–	६४
४.४×३.२	५	१३	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	६५
६.३×३.६	१०	२७	,,	,,	–	पूर्णम्	–	६६
५×७	१०	१४	,,	,,	–	पूर्णम्	–	६७

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
९८	४१६४	वैदिकसूक्तम्	–	१६६
९९	४१५७	शिवानुष्टकः	–	९९
१००	४११६	देवीमाहात्म्यम्, पंचस्तवी, गुरुस्तुतिः	–	२८५
१०१	४१६१	स्तोत्रसंग्रहः	–	२४३
१०२	४११९	गीतार्थसंग्रहः	अभिनवगुप्त	१२७
१०३	४१५९	शिवक्रियाः	–	२६
१०४	४१८२	कर्मकाण्डीयग्रन्थः	–	२५८
१०५	२७१६	गुरुमुखीपाण्डुलिपिः	–	१६२
१०६	४१६२	प्रायश्चित् चैतन्यपद्धतिः प्रायश्चितविधिः	–	७३
१०७	४२००	ज्योतिष लघुसारिणी	–	४०
१०८	४१३५	वैदिकसूक्तव्याख्या	–	२३५
१०९	२७१८	गुरुमुखीग्रन्थः	–	१७
११०	४१३३	महाराज्ञी स्तवः	श्रीकृष्ण पण्डित	४७
१११	४२१९	मृततनुसाधना, भृंगेशसंहिता	–	११
११२	२७१७	गुरुमुखी ग्रन्थ	–	२२४
११३	२७२३	गुरुमुखीग्रन्थः	–	४५१
११४	४११८	योगवशिष्ठः	वाल्मीकि	३४३
११५	२७२५	सतगुरुमहिमाप्रकाशः	–	५५६
११६	९०	श्रीगुरुग्रन्थसाहिबः	–	७७३

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
५.५×३.८	८	२४	गु.मुखी	कागज	–	अपूर्णम्	–	९८
४.७×५.८	१५	१६	,,	,,	–	पूर्णम्	–	९९
६.५×३.८	५	२०	,,	,,	–	पूर्णम्	सुन्दर लिपि एवं चित्र	१००
४.४×५.५	६	१३	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१०१
५.७×४.५	१०	१६	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	१०२
५×७.५	१६	१५	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	१०३
४.२×६.४	१७	१५	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१०४
८.२×४.८	७	२४	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	१०५
१०.२×७.३	१८	३१	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	१०६
६.५×१०	३३	२२	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१०७
७.५×१०.५	२१	२१	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	१०८
११.५×६	११	३६	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१०९
५×३	६	२३	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	११०
१४.५×६.७	१२	४६	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	१११
९.९×७.९	११	२४	,,	,,	–	पूर्णम्	–	११२
११×६.८	१५	३३	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	११३
७.४×११.५	२२	२२	शारदा	,,	–	पूर्णम्	–	११४
१२.२×६.४	१३	२७	गुरुमु.	,,	–	पूर्णम्	–	११५
१३.५×१४.५	२१	३४	,,	,,	–	पूर्णम्	–	११६

मराठी-भाषा

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१	३३४०	लघुवाक्यवृतिः सटीका	–	१७
२	२७७३	दासबोधदशकम्	–	४२
३	२७७४	दासबोधदशकम्	–	५५
४	२७७५	दासबोधदशकम्	–	६७
५	२७७६	दासबोधदशकम्	–	३६
६	२७७७	दासबोधदशकमंत्रः	श्री शिवराम	६२
७	२७७८	रामदेवशोधनदशकम्	–	४६
८	२७७९	शिवरामदशकम्	–	६५
९	२७८०	शिवरामज्ञानदशकम्	–	७५
१०	२७८१	दासबोधदशकम्	–	५०
११	२७८२	दासबोधदशकम्	–	४२
१२	२७८९	दासबोधदशकम्	–	३५
१३	२७९१	दासबोधदशकम्	–	३४
१४	२७९२	दासबोधदशकम्	–	३७
१५	२८४३	हरीविजयः	–	२३
१६	१८४७	अष्टपदीश्रीगंगे	–	१११
१७	४९३४	वैंकटेश्वरस्तोत्रम्	श्री देवदास	२०
१८	१९९१	परमामृतम्	श्री मुकुंदराज	९
१९	४५३९	ज्ञानेश्वरीवचनानि	–	४
२०	३१९३	श्रीव्यंकटेशस्तोत्रम्	–	३८
२१	२१८	गुरुचरित्रम्	–	४९२
२२	३८७५	परमामृतम्	–	८०

मराठी-भाषा

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६.५×४.५	६	२७	देवना.	कागज	शाके १७५१	पूर्णम्	-	१
८×४.२	७	२३	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२
८×४.२	७	२४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३
८×४.२	७	२४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	४
८×४.२	७	२४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	५
८×४.२	७	२४	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	६
८×४.२	७	२४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	७
८×४.२	७	२४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	८
८×४.२	७	२४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	९
८×४.२	७	२४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१०
८×४.२	७	२४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	११
८×४.२	७	२४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१२
८×४.२	७	२४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	१३
८×४.२	७	२४	,,	,,	-	पूर्णम्	खण्डित	१४
१२.८×७.५	१४	३४	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	१५
८.२×६.२	११	२४	,,	,,	-	अपूर्णम्	खण्डित	१६
६.६×४.६	९	१३	,,	,,	संवत् १८६२	पूर्णम्	-	१७
७.७×४	१३	३४	,,	,,	-	पूर्णम्	खण्डित	१८
३.८×६.७	१४	१४	,,	,,	-	अपूर्णम्	खण्डित	१९
४.७×३	५	१२	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	२०
११.२×५.७	६	३५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२१
६.८×४.१	६	१५	,,	,,	संवत् १७५५	अपूर्णम्	-	२२

क्रमांकः	परिग्रहण संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२३	५४३६	आत्मबोध एकनाथः	-	३०
२४	१६८०	वेद स्तुत्यर्थ प्राकृत भाषा	-	१३
२५	२७८३	दासबोधदशकम्	-	३५
२६	२७८४	दासबोधदशकम्	-	३६
२७	२७८५	दासबोधदशकम्	-	३७
२८	२७८६	दासबोधदशकम्	-	४६
२९	२७८७	दासबोधदशकम्	-	३९
३०	२७८८	दासबोधदशकम्	-	३६
३१	२७९०	दासबोधदशकम्	-	३४

आकारः	पंक्ति संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
७.२×४.५	११	३१	देवना.	कागज	-	पूर्णम्	-	२३
१३×६.३	१२	५०	,,	,,	-	पूर्णम्	अत्यन्त खण्डित	२४
८.१×४.२	७	२२	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२५
८×४.२	७	२२	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२६
८×४.२	७	२४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२७
८×४.२	७	२४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२८
८×४.२	७	२४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२९
८×४.२	७	२४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३०
८×४.२	७	२४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३१

तन्त्रं ज्योतिषं च

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१	२५६१	पुरुषकन्यालक्षणम् टीका		३५
२	५०५३	भूकपोत्पत्तिः	–	१
३	२६२५	सूर्यसिद्धान्तः		२६
४	२६७६	तिथिनिर्णयः	–	१२
५	२६५३	मकरन्दसारिणी	–	४१
६	२६६५	पंचस्वरचक्रम्	–	४
७	२६८४	पंचपक्षी	–	८-६
८	२६५६	राजयोगः	शंकराचार्य	३
६	२४४१	योगार्णवः	–	१३
१०	१६८७	प्रश्नावली	–	६
११	४०८७	ज्योतिषग्रन्थः	–	२०
१२	४०६६	मुहूर्तचिन्तामणिः टीका सहिता	–	३०
१३	२०६४	छायादर्शनम्	–	३०
१४	२७२६	गर्गसंहिता	–	१०४
१५	४०६४	लग्नचन्द्रिका	–	३८
१६	२१६	ज्योतिर्निबन्धसंग्रहः	–	८७-१
१७	३६२१	तिथिनिर्णयः	भट्टोजि दीक्षित	२४
१८	७२१	वर्णमात्रास्वरचक्रम्	–	२
१६	४००१	मुहूर्तचिन्तामणिः	–	६
२०	४११२	श्राद्धतिथिप्रदीपः	–	११
२१	१३०	नवग्रहमंत्रः	–	५-६

तन्त्रं ज्योतिषं च

आकारः	पंक्ति-संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१०.३ ×४.१२	१३	४८	दे.ना.	कागज	सं. १८६७	पूर्णम्	-	१
७×७.४	१८	३४	"	"	-	पूर्णम्	-	२
१०×४	१८	९	४०	"	सम्वत् १८५०	पूर्णम्		३
८.५×३.१२	१३	३०	"	"	-	पूर्णम्	-	४
६.६×४	११	अंक	"	"	-	अपूर्णम्	गणनया ४१ पत्र	५
९.२×३.८	७	३१	"	"	-	पूर्णम्	-	६
६×३	९	२२	"	"	-	पूर्णम्	-	७
८×४	९	३१	"	"	-	पूर्णम्	-	८
१०×४	११(११)	२८	"	"	-	अपूर्णम्	अन्त नहीं	९
१०×४	११(११)	३८	"	"	-	पूर्णम्	-	१०
९×४	८(८)		३०	"	"	-	अपूर्णम् गणनया २० पत्र	११
११×६	१५		५१	"	"	-	अपूर्णम् गणनया ३० पत्र	१२
९×४	९	२६		"	"	-	पूर्णम्	१३
८×१२.४	२४	३१	"	"	-	अपूर्णम्	२१ से १२४ तक	१४
११.४×४.८	९	३६	"	"	-	अपूर्णम्	कीटानुबिद्ध	१५
१४×६	१२	४०	"	"	-	पूर्णम्	-	१६
१३×५	११	५४	"	"	संवत् १८६६	पूर्णम्	-	१७
१०×५	९	३६	"	"	-	पूर्णम्	-	१८
१२×४.८	११	४०	"	"	-	अपूर्णम्	-	१९
९×३.४	०८	३८	"	"	-	अपूर्णम्	-	२०
१२.५×१०	९	५१	"	"	-	पूर्णम्	-	२१

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२२	१३१३	केरलप्रश्नः (पाशक कोली)	महर्ग महामुनि	६
२३	३६५१	माघवीयकालनिर्णयः	–	११
२४	५६१३	एकादशीनिर्णयः	वेंकट नाथ	८६
२५	५३८८	पराशरजातकम्	–	११
२६	५३७८	उडुदायप्रदीपोद्योतः	भैरव दत्त दैवज्ञ	८
२७	५३७८२८	शून्य टक वर्गबिन्दु	–	६
२८	३६३७	तिथितत्त्वम्	रघुनन्दन	११
२९	३६३३	कीलरत्नप्रदीपः	–	१४
३०	३६७६	बालबोधिनी	–	२२
३१	३६४७	जातकालंकारः	गणेश देवज्ञ	१६
३२	३६६४	मुहुर्तचिन्तामणिटीका	–	१८
३३	३६७१	कर्णप्रकाशः	ब्रह्मर्डवगाम्भ	७
३४	३७१४	राजाभिषेकमुहूर्तविचारः	–	१२
३५	३६८४	प्रश्नमनोरमा	–	४
३६	४०७६	वास्तुविद्या	–	७
३७	४०८६	ग्रहदशाफलम्	–	६
३८	१७७८	जातकभरणम्	दैवज्ञ ढुढ़िराज	६१
३९	१६६	स्वरोदयशास्त्रंम्	–	१४
४०	५७	शीघ्रबोधः	–	१२
४१	५२४	मेघमाला	–	८
४२	५२३	लघुसंग्रहः (नक्षत्र प्रकरणम्)	–	६
४३	४२१	पंचदशी अंकयंत्रविधिः	–	६
४४	६१७	कल्पचक्रदूता इति सिद्धान्त शिरोमणि		–१०
४५	४४२	मुहूर्तचिन्तामणिः	–	३५
४६	४७६२	जातकाभरणम्	ढुढीराज	४०
४७	४७६१	ज्योतिषविषयकः	–	५

आकारः	पंक्ति-संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१२×४.११	१०	४६	दे.ना.	कागज	–	पूर्णम्	–	२२
१२×४.१०	१२	४४	”	”	–	पूर्णम्	–	२३
१३×६.२	१३	४६	”	”	सम्वत् १६१६	पूर्णम्	–	२४
१२.४×५	१०	४०	”	”	–	पूर्णम्	–	२५
१२×५	११	३६	”	”	–	पूर्णम्	–	२६
१२.४×५	११	४०	”	”	–	पूर्णम्	–	२७
१०×४ ४.८	१४	४३	”	”	–	पूर्णम्	गणनया १० पत्र नहीं है	२८
१०×४	२२	४५	”	”	–	अपूर्णम्	गणनया-१४ पत्र	२६
१०×५	८	२४	”	”	–	अपूर्णम्	कीटानुबिद्ध	३०
१०.५×४.११	६	३६	”	”	–	अपूर्णम्	–	३१
१३×४.२	६	४८	”	”	–	अपूर्णम्	गणनया १८ पत्र	३२
८×४	७	१६	”	”	–	पूर्णम्	–	३३
१०.४×४	८	३४	”	”	–	पूर्णम्	–	३४
१०.५×४.७	६	३६	”	”	–	पूर्णम्	–	३५
११×४	६	४४	”	”	–	अपूर्णम्	–	३६
११×५.१०	१३	४६	”	”	–	अपूर्णम्	–	३७
१२×५	१२	३७	”	”	–	पूर्णम्	–	३८
१२.४×४.१२	६	४६	”	”	–	पूर्णम्	–	३६
१२×५	७	३३	”	”	–	पूर्णम्	–	४०
१३×५	१२	५१	”	”	–	अपूर्णम्	–	४१
१२×४.८	६	५१	”	”	–	अपूर्णम्	–	४२
६×३.८	८	३५	”	”	–	पूर्णम्	–	४३
८.५×४.४	८	३३	”	”	–	अपूर्णम्	–	४४
११.५×४.८	१२	३५	”	”	–	अपूर्णम्	–	४५
६.५×४	८	३५	”	”	–	अपूर्णम्	–	४६
६.२×४	६	३२	”	”	–	अपूर्णम्	–	४७

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
४८	४७५६	भावफलविचारः	–	१
४६	४७५७	नवग्रहयंत्रमंत्रः	–	३
५०	४७४१	स्वपनाध्यायः	–	४
५१	४७७८	षठकर्म फलादिकर्म	–	१
५२	३८१	तिथिनिर्णयः	–	२२
५३	३३६	स्त्रीणां ऋतुफलम्	–	६
५४	४१०	बादरायणप्रश्नटीका	भट्टोफल	४३
५५	४६५४	प्रश्नसमाधानम्	–	१४
५६	४६६६	भास्वतीज्योतिषम्	–	१
५७	१६०२	कालमाधवीयव्याख्यानम्	कीटानुविद्ध	३३
५८	२०५०	यजमासपति सम्वत् सरनिर्णय	–	१५
५६	२४४८	ग्रहभावप्रकाशः	–	८
६०	१५६८	बसन्त राज शाकुन अत्युक टशाकुन		-७५
६१	२४४६	मुहूर्तचिन्तामणिः	–	१८
६२	२४६३	ग्रहदानम्	–	४
६३	२३७५	शीघ्रबोधः	–	१२
६४	२४६४	मुहूर्तमार्तण्डः	–	६
६५	२३६५	चौरज्ञानम्	–	२
६६	२४२३	विवाहप्रश्नमाला	–	१३
६७	२३२४	मुहूर्तमञ्जरी	–	८
६८	२३३६	लग्नचन्द्रिका	–	२८
६६	१५६६	सुखबोधः	–	४३

आकारः	पंक्ति-संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
११.४×५	११	४१	दे.ना.	कागज	सम्वत् १६०६	अपूर्णम्	-	४८
६×४	६	४०	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	४६
६×४	११	२५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	५०
१०.४×१६	६	१५	,,	,,	-	पूर्णम्	विशेश पत्र	५१
६.४×४	८	३४	,,	,,	-	अपूर्णम्	गणनया २२ पत्र	५२
६×४	६	२६	,,	,,	-	पूर्णम्	-	५३
६×४	१२	२३	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	५४
५×४	१०	१०	,,	,,	-	अपूर्णम्	गणनया १४ पत्र	५५
विशेशआकार	७५	२६	,,	,,	-	अपूर्णम्	विशेश प्रकार का पत्र	५६
१०.४×४.८	१६	४८	,,	,,	संम्वत् १८५२	पूर्णम्	-	५७
८.५×४	८	३४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	५८
६×५	१०	२७	,,	,,	-	पूर्णम्	-	५६
६.४×५	१०	२८	,,	,,	संवत् १८८३	पूर्णम्	(८-१४) नहीं है गणनया १८ पत्र	६०
११×४.८	७	३६	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	६१
६×४	१२	४३	,,	,,	-	पूर्णम्	-	६२
६.४×३	८	२४	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	६३
६×४	११	३१	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	६४
७.४×४	१२	२८	,,	,,	-	पूर्णम्	-	६५
६×३	१३	२७	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	६६
१०×४	७	२६	,,	,,	संवत् १८८८	अपूर्णम्	-	६७
६.४×४	८	२४	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	६८
६.३×४	६	२६	,,	,,	शक १७४५	अपूर्णम्	-	६६

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
७०	१६०३	मुहूर्तपञ्चाङ्गम्	शिवा	१३
७१	१५८४	राममल्लेखा	-	२७
७२	२१०३	मुहूर्तचिन्तामणिः यात्राप्रकाशः	-	५८
७३	२११२	नक्षत्रमालिका	-	२०
७४	२१२०	ताजिकमध्यकोषः	-	३
७५	२१०७	माससरिणी	-	४६
७६	३५६३	समरसारः	भरत	१७
७७	४७०२	रत्नमंजूषामाला	-	२
७८	४८८४	सामुद्रिकरेखालक्षणम्	-	१
७६	५१२६	तरुमहिमा	-	२४
८०	३६०३	प्राकृतविहारः	-	४
८१	५१३०	सामुद्रकी	-	२३
८२	१३१२	स्त्रीजन्मकुंडलीफलम्	-	१
८३	६०५	ज्योतिसागरः	-	७
८४	१०५०	चतुर्विंशतिहोरा	-	६
८५	१३७३	नवसम्वतसरटीका	-	१२
८६	४६००	पिण्डोत्पत्तिः	-	१
८७	३८६१	कालनिर्णयदीपिका	-	२८
८८	१२४१	दीपमालिकानिर्णयः	-	४
८६	८६७	गौरीजातकम्	पद्याचार्य	७
६०	३८६३	हेमाद्रिः	-	३८
६१	१०६	शरदवल्लीविचारः	-	३
६२	१०१	द्वादशफलभावः	-	२

आकारः	पंक्ति-संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६×४	११	३२	दे.ना.	कागज	शक १७८०	पूर्णम्	–	७०
६×२	८	३२	,,	,,	–	पूर्णम्	–	७१
१२×६	१६	४१	,,	,,	सं. १८७६	पूर्णम्	–	७२
१०×४	९	३५	,,	,,	–	अपूर्णम्	२० गणनया	७३
१०.४×४.६	१७	४८	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	७४
१२×६	५८	,,	,,	–		अपूर्णम्	विशेश अंक	७५
९.४×४	११	४४	,,	,,	संवत् १७२१	पूर्णम्	–	७६
६×३.८	५	१७	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	७७
१०×६	१९	३५	,,	,,	–	पूर्णम्	–	७८
४×८	१९	१२	,,	,,	–	पूर्णम्	–	७९
५.८×३	१२	२१	,,	,,	–	पूर्णम्	–	८०
७×७.५	५	२४	,,	,,	शक १७५५	पूर्णम्	–	८१
८.४×४	१२	२८	,,	,,	–	पूर्णम्	–	८२
८.४×४.८	१०	२१	,,	,,	–	पूर्णम्	–	८३
६.२×३	६	२०	,,	,,	–	पूर्णम्	–	८४
८×४	११	२६	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	८५
१०.५×४.८	१०	३७	,,	,,	–	पूर्णम्	–	८६
६.५×४	११	२१	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	८७
७×३.८	९	२१	,,	,,	–	पूर्णम्	–	८८
१०×४	९	२६	,,	,,	–	पूर्णम्	–	८९
९×४	७	३८	,,	,,	–	अपूर्णम्	कीट भक्षितः	९०
६×४	९	२४	,,	,,	संम्वत् १८४१	पूर्णम्	–	९१
६×४	१०	३८	,,	,,	–	पूर्णम्	–	९२

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
९३	१०७	चमत्कारचिन्तामणिः	–	१३
९४	५३०	मेघमाला	दुर्गादत्त	४४
९५	१८२४	निर्णयामृततत्त्वंम्	गोपीनाथ	१४
९६	१८२८	ग्रहलाघवम्	गणेश दैवज्ञ	२०
९७	१६२५	फलितज्योतिषम्	–	३६
९८	१२१७	वनाक्षरी प्रश्नावली	–	५
९९	५६२१	होमः	–	२०
१००	५१३५	स्वप्नाध्यायः	–	३
१०१	४५९९	नवग्रहमंत्रजपविधिः	–	१
१०२	५३७७	जातकसंग्रहज्योतिषम्	–	११
१०३	३६६०	लघुसंग्रहः	लक्ष्मी नारायण	१३
१०४	३६८८	रमलप्रश्नविचारः	गौरी शंकर	३८
१०५	१९३	मुहूर्तमार्तण्डः	–	७
१०६	१७०	त्रिविक्रमशतकम्	–	१४
१०७	०७६	अरिप्रशमनयोगः	–	१
१०८	०२२	सामुद्रिकशास्त्रम्	–	१०
१०९	०६५	सकुनशास्त्रम्	–	१
११०	०५०	पंचपक्षीफलम्	–	६
१११	५१	मूल (सिद्धान्त) शान्तिः	–	७
११२	५३	पाराशरीजातकम्	–	५
११३	५४	कपर्दिकाप्रश्नः	–	५
११४	५५	लघुजातकः	–	८
११५	४६४२	स्वप्नाध्यायः	–	२
११६	४९९५	कुण्डलीनिर्वाणविधिः	–	१

आकारः	पंक्ति-संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
८×४.४	७	३२	दे.ना.	कागज	–	पूर्णम्	–	९३
९×४.५	१०	२७	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	९४
८×३	७	२७	,,	,,	–	पूर्णम्	–	९५
९.२×४	१०	३०	,,	,,	एम १८८२	पूर्णम्	–	९६
६×६	१२	२१	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	९७
६×३	९	२६	,,	,,	–	पूर्णम्	–	९८
८.५×३	६	३१	,,	,,	–	पूर्णम्	–	९९
९×५.६	११	२८	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१००
११.८×५	६	३०	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१०१
९×४	७	२४	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१०२
७×४	१०	२२	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	१०३
७×३	६	२९	,,	,,	१८२०	पूर्णम्	–	१०४
५.८×३.८	०९	१४	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१०५
४×७	१३	१५	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१०६
६.२×४	९	२२	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१०७
६.४×१.५	१०	२०	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१०८
१३×५	१०	४२	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	१०९
८×४.६	१०	३३	,,	,,	–	पूर्णम्	–	११०
४×६.५	१९	१२	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	१११
५×४	१२	२१	,,	,,	–	पूर्णम्	–	११२
७.४×३.८	११	३७	,,	,,	सं. १७९९	पूर्णम्	–	११३
१०.४×७	१३	३३	,,	,,	सं. १८२६	पूर्णम्	–	११४
४×३	१२	२४	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	११५
विशेष पत्र	–					पूर्णम्	कुण्डली आकार विशेश	११६

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
११७	४६२१	गणितज्योतिषविधिः	–	७ (१३-१९)
११८	३८८८	सर्वसंग्रहः	–	१८
११९	४५६८	जातकज्योतिषः	–	३
१२०	४५४४	केशवपद्धतिः	–	६
१२१	४५४१	युद्धविरामः	–	१
१२२	४५४३	चक्रप्रकरणम्	–	२
१२३	४५७५	जन्मांकचक्रम्	–	१
१२४	३७३३	मुण्डमालतन्त्रम्	–	६
१२५	४६०२	लीलावतीगणितम्	–	१०
१२६	४६०१	मुहूर्तचिन्तामणिः	–	५६
१२७	४६०३	ज्योतिषग्रन्थः	–	२३
१२८	४६०५	लीलावती लालित्यम्	–	५
१२९	३२५२	होराशास्त्रम्	–	८
१३०	३२६१	प्रश्नज्ञानम्	–	४
१३१	३२३९	वारडिकशूलम्	–	७
१३२	३२५५	भास्करीयलीलावत्याः परिभाषा		-५
१३३	३३०१	उत्तरमाला	–	५
१३४	३६६३	सारसंग्रहः	–	१२
१३५	५२०६	रतनमाला	गौरी दत्त पाठक	३७
१३६	८२३	चन्द्रसूर्यनक्षत्रज्ञानम्	–	५
१३७	१५०७	कल्पलता		सोम दैवज्ञ १६
१३८	१२८०	शकावली	–	३
१३९	९८३	स्ताष्टिक्रमः	–	५
१४०	६७९	नक्षत्रप्रकरणम्	–	१०

आकारः	पंक्ति-संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१०×४.२	९	४१	दे.ना.	कागज	–	अपूर्णम्	–	११७
१०×४	११	३७	,,	,,	–	पूर्णम्	–	११८
९.११×४.२	१२	३७	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	११९
९×४	१५	५६	,,	,,	–	अपूर्णम्	क्रमबद्ध नहीं हैं कीटभक्षित	१२०
९×४	१३	४४	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१२१
९×४	१०	४१	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	१२२
७.३×६	१५	२६	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	१२३
९×४	१०	३०	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१२४
९×४	८	३१	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१२५
९×३.९	६	३०	,,	,,	–	अपूर्णम्	गणनया ५६ पूर्वा	१२६
१०×४	१०	३०	,,	,,	–	अपूर्णम्	गणनया	१२७
९×४	९	३५	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	१२८
९×४	१०	३२	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	१२९
८.१०×२	८	३१	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१३०
९.४×४	१०	३३	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	१३१
८.४×४	८	२६	,,	,,	–	अपूर्णम्	गणनया ५ पत्र	१३२
४×३.८	१२	१९	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१३३
११×६	१४	३५	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१३४
१०.८×५.८	११	३४	,,	,,	शा. १७६१	पूर्णम्	–	१३५
१०.१०×४.८	१०	३५	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१३६
१०×४	१३	३५	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१३७
९×४.६	९	३०	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१३८
१०×४	११	३८	,,	,,	संवत् १८२१	पूर्णम्	–	१३९
१०×४	८	१९	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१४०

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१४१	११७६	रविविनोदः	-	१२
१४२	६८४	आयुप्रश्नः	-	४
१४३	५२०५	मुहूर्तसंचयः	-	३०
१४४	४०८४	पराशरीग्रहदशा	-	१५ गणनया
१४५	३६६७	तिथिनिर्णयः	-	२६ (७-३२)
१४६	५२२०	स्वप्नाध्यायः	सुख मिश्र	१०
१४७	५२१६	मुहूर्तमञ्जरी	-	११
१४८	५२०७	ज्योतिषम्	-	४
१४६	१४५१	संकेतकौमुदी	मयूरेश्वर	१५
१५०	१४५२	मुहूर्तचिन्तामणिः	दैवज्ञ राय	२६ से ४८(१६)
१५१	१४३१	लोकमनोरमा टीका	-	६
१५२	६७५	यात्राप्रकरणम्	-	४
१५३	४३४३	बालबुद्धिप्रकाशनी	-	५
१५४	५५३६	आधानम्	-	२६
१५५	५५३४	प्रश्नोत्तररत्नमालिका	-	३
१५६	४४०३	आश्लेषा शान्तिसंग्रहः	-	१२
१५७	४२५६	सूर्यग्रहणाधिकारः	-	६+२ = ८
१५८	४६६	अवकहडाचक्रम्	-	५
१५६	५०१	पंचपक्षीकः	-	०७
१६०	५१४६	समयमयूखः	-	६२
१६१	१७६६	मुहूर्तमार्तण्डः	नारायण	३१
१६२	१७५७	समयमयूखः	-	२२

आकारः	पंक्ति-संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
९×४	६	२४	दे.ना.	कागज	–	पूर्णम्	–	१४१
१०×४.८	६	३२	”	”	संम्वत् १६०६	पूर्णम्	–	१४२
१०×४.१०	१०	३२	”	”	संवत् १६०७	पूर्णम्	–	१४३
११×५	११	४३	”	”	–	पूर्णम्	अपूर्णम् गणतय	१४४
१२×४.८	१०	३८	”	”	–	अपूर्णम्	–	१४५
१०×४	६	२७	”	”	सम्वत् १८६३	पूर्णम्		१४६
९×४	८	३८	”	”	–	पूर्णम्	–	१४७
९×४	६	३०	”	”	–	पूर्णम्	–	१४८
६.८×४	१०	३६	”	”	१६०४	पूर्णम्	–	१४६
१०×४	१२	३५	”	”	–	अपूर्णम्	(गणनया)–	१५०
६.११×४	६	२६	”	”	–	पूर्णम्	–	१५१
६.४×४	१५	४०	”	”	–	पूर्णम्	–	१५२
१०×४.६	७	२६	”	”	–	पूर्णम्	–	१५३
६.८×४	८	३१	”	”	–	अपूर्णम्	–	१५४
६.४×४	६	२८	”	”	१८६४	पूर्णम्	–	१५५
८×४	६	२५	”	”	–	पूर्णम्	–	१५६
८×४	६	२८	”	”	–	पूर्णम्	–	१५७
१०×४.५	१०	३२	”	”	१८८३	पूर्णम्	–	१५८
१०×४	६	४३	”	”	–	पूर्णम्	–	१५६
१०×५	१३	३०	”	”	–	पूर्णम्	–	१६०
६.४×४	६	४०	”	”	सं. १६१७ शक १७८२	पूर्णम्	–	१६१
८.४×४	८	२५	”	”	–	पूर्णम्	–	१६२

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१६३	२१७	युद्धजयार्णवः	–	२० गणनया
१६४	१५६७	मुहूर्ततत्वम्	–	२८
१६५	१८१	सम्बत्सरफलम्	–	६
१६६	१७४	चन्द्रवस्ये फलम्	–	३
१६७	१७५	लघुजातकविचारः	–	३
१६८	२१२	मुहूर्तपतिः	–	१५२
१६९	१८५	शिक्षाज्योतिषम्	–	२६
१७०	१७८	नक्षत्रव्याधिशान्तिः	लक्ष्मीकान्त	५ ११
१७१	१५५	पञ्चस्वरा	–	२
१७२	७७७	द्वादशमासीपर्व	–	५
१७३	३२६	प्रष्टुज्जीवितविज्ञानकाल-चक्रम्	–२	
१७४	३३४	कालार्थसिद्धिः	–	५
१७५	७६	मुहूर्तचिन्तामणिः	–	१६
१७६	७७	कालतिथिफलविचारः	–	१
१७७	७८	ज्योतिषरत्नमाला	श्रीपति	६
१७८	६६	जन्मलग्ननिरुपणम्	–	२
१७९	६०	लग्नवेला रात्रिविचारः	–	४
१८०	२६	पञ्चस्वरा	–	१६
१८१	२७	पाराशरी होरा	–	५
१८२	२८	नीति-उपदेशः	विष्णु प्रसाद	२
१८३	३०	जातकटीका	–	५ गणनया

आकारः	पंक्ति-संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६.६×४	१२	३३	दे.ना.	कागज	-	अपूर्णम्	-	१६३
६.६×४	६	३१	”	”	सं. १६०६ शक १७७१	पूर्णम्	-	१६४
६.१०×४	१४	४६	”	”	-	पूर्णम्	-	१६५
६×४	६	३४	”	”	-	पूर्णम्	-	१६६
६×५	१२	३०	”	”	-	पूर्णम्	-	१६७
१०×४	६	३५	”	”	सम्वत् १८३६	पूर्णम्	-	१६८
८×४	६	३०	”	”	-	पूर्णम्	-	१६६
८.६×३.८	११	३८	”	”	-	पूर्णम्	-	१७०
१०×४	७	२७	”	”	-	पूर्णम्	-	१७१
७.८×४	३,५,७	१८	”	”	-	पूर्णम्	-	१७२
६.६×४	८	३४	”	”	-	पूर्णम्	-	१७३
८×३	५	२२	”	”	-	अपूर्णम्	-	१७४
६×४	६	३६	”	”	-	अपूर्णम्	कीट भक्षितः खण्डित	१७५
६×४	१०	३५	”	”	-	पूर्णम्	-	१७६
६.२×५	६	२३	”	”	१८७८	पूर्णम्	प्रारम्भ के पत्र नहीं हैं ५६ से ६४	१७७
१०×४	११	४२	”	”	-	पूर्णम्	-	१७८
१०×४.६	७	३३	”	”	-	अपूर्णम्	आदि अंत नहीं हैं	१७६
६.८×४	६	३४	”	”	-	अपूर्णम्	-	१८०
८×६	६	२८	”	”	सं. १६०६	पूर्णम्	-	१८१
६.४×४.५	११	३०	”	”	-	पूर्णम्	-	१८२
६.५×४	६	२५	”	”	-	अपूर्णम्	गणनया ५ पत्र	१८३

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
१८४	२१	पवनयोगः	–	३
१८५	२५	मुहूर्तस्फुटीकरणम्	–	५
१८६	२४	पंचस्वरा	–	२
१८७	६२	केरलप्रश्नसंग्रहः	–	३
१८८	६३	ताजिकशास्त्रम्	–	४
१८९	६४	बालबोधः	–	८
१९०	४८३	प्रश्नविचारः	–	८
१९१	५०२	शुभाशुभकालनिर्णयः	–	१४
१९२	५१५	गोत्रप्रवरनिर्णयः	भट्टोजि भट्ट	४
१९३	५०४	संघटकालचक्रम्	–	५ गणनया
१९४	५०८	कन्याजातकसन्तानदीपिका	–	१४ गणनया
१९५	१५२७	कालमाधवः	–	१६२
१९६	६९८	जातकपद्मकोषः	जगन्नाथ मिश्र	२३
१९७	१४४२	शक्सम्वत्सरः	–	११
१९८	१००	तिथिनिर्णयः	–	२
१९९	९२	त्रैलोक्यदीपः	मिट्ठरलाल वर्मा	३
२००	१०४	वर्षफल गणितपद्धतिः	दिवाकर	४
२०१	१०२	ज्योतिलघुसंग्रहः	–	८
२०२	१०५	गौरीजातकम्	–	४
२०३	४०४४	मुहूर्तचिन्तामणिः	–	१४ गणनया
२०४	४०७३	जातकदीपिका	दिवाकर	११
२०५	१६८७	माधवीयकालनिर्णयः	–	६

आकारः	पंक्ति-संख्या	अक्षरः	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६.४×३.८	७	१२	दे.ना.	कागज	–	अपूर्णम्	–	१८४
६.८×४	११	३५	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१८५
८.८×४	१६	३२	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१८६
१०×४	६	३६	,,	,,	१६००	पूर्णम्	–	१८७
१०×४.४	१२	४२	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१८८
१०×४	६	२१	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	१८९
६.८×६	११	१५	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१९०
६.२×४	१५	५०	,,	,,	–	अपूर्णम्	गणनया १४ आदि नहीं हैं	१९१
१०×४	११	४३	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१९२
१०×५	१२	३२	,,	,,	–	अपूर्णम्	गणनया ५ पत्र	१९३
१०×५	१२	३२	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	१९४
१०×४	१०	४२	,,	,,	सन् १८७६	पूर्णम्	कीटभक्षित	१९५
१०×४	६	३२	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१९६
१०×४	१२	३०	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१९७
६.८×४	११	३६	,,	,,	सम्वत् १६१६	पूर्णम्	–	१९८
१०×४	१०	४०	,,	,,	–	पूर्णम्	–	१९९
६.२×४	१२	४२	,,	,,	शक १७२०	पूर्णम्	–	२००
१०.८×४.६	८	३१	,,	,,	सम्वत् १६०७	पूर्णम्	–	२०१
१०.८×४.८	८	४०	,,	,,	सं. १६०६	पूर्णम्	–	२०२
१०×४	८	४१	,,	,,	–	अपूर्णम्	आदि अंत नहीं हैं	२०३
१०×४	७	४०	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२०४
६.८×३१०	१०	३६	,,	,,	सम्वत् १६३५	पूर्णम्	–	२०५

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२०६	२०३	मुहूर्तशास्त्रम्	–	१४ गणनया
२०७	५७०१	एकादशीनिर्णयः	–	७
२०८	५७३३	तिथिनिर्णयः	–	२६
२०९	५४२७	ज्ञानप्रदीपः	–	१९
२१०	५६९९	ज्योतिषविषयकः	बैजनाथ	८
२११	५४४०	तिथिनिर्णयसारः	राघव भट्ट	१०
२१२	१७५६	वर्षपद्धतिः (ताजक केतकी)	केसर दैवज्ञ	१२
२१३	१७६५	प्रश्नभेदः	गंगाधर	२९
२१४	१७६८	मुहूर्ततत्त्वम्	–	१७
२१५	१७६७	जातकपरिजातम्	–	६
२१६	१७५५	मकरन्दपंथागोपपत्तिः	–	७
२१७	१७९	मुहूर्तचिन्तामणिः	–	७
२१८	१८०	गर्गमनोरमा	–	७
२१९	७७३	वर्षारम्भः	–	५
२२०	२१४९	कालनिर्णयसिद्धान्तः	–	२६
२२१	६७	वेदांगज्योतिषभाषा	–	५ गणनया
२२२	६८	पारासरीजातकम्	–	५
२२३	५६	प्रश्नलग्नः	–	६
२२४	४९	परमायुजातकम्	–	३
२२५	२३	पञ्चपंक्षीप्रश्नफलम्	–	५
२२६	५१३१	शिवालिखितः	–	१५
२२७	२१५१	निर्णयसिन्धुः	–	४९
२२८	–	–	–	१००
२२९	–	–	–	२३३

आकारः	पंक्ति-संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१०×४	६	४७	दे.ना.	कागज	–	अपूर्णम्	आदि अन्त नहीं हैं	२०६
८×४	१५	३८	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२०७
६×४.६	७	२३	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२०८
१०×४.४	११	४५	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२०९
८×३	७	२२	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२१०
६×४.१०	१३	३४	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२११
१०×४	१४	४३	,,	,,	शक १७७३	पूर्णम्	–	२१२
१०×४.४	१०	३५	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२१३
६.७×४	११	३८	,,	,,	शक १७६५	पूर्णम्	–	२१४
१०×४	१७	४३	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२१५
१०×४.४	१०	२५	,,	,,	सम्वत १८८६	पूर्णम्	–	२१६
१०×४.८	६	२३	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२१७
१०×४.६	८	३७	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२१८
६.१०×४	१०	४०	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२१९
१०×४	७	२८	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२२०
१०×६ ४.८	१०	४३	,,	,,	–	अपूर्णम्	–	२२१
११×४	११	३२	,,	,,	–	पूर्णम्	कीट भक्षित	२२२
६.८×४	६	४१	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२२३
१०.५×४.६	८	३४	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२२४
१०×४.५	१०	४०	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२२५
११×४.८	६	२५	,,	,,	–	पूर्णम्	–	२२६
११×५	११	३८	,,	,,	–	पूर्णम्	प्रथम परिछेदः	२२७
११×५	१०	३८	,,	,,	–	पूर्णम्	द्वितीय परिछेदः	२२८
११×५	११	३७	,,	,,	–	पूर्णम्	तृतीय -१	२२९

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२३०	२७४२	प्रयोगरत्नाष्टकाविकृतिः	नारायण भट्ट श्राद्ध प्रयोग	२६
२३१	४२८२	पूर्णचन्द्रोदयः	श्री नारायणेन्द्र सरस्वती	३८
२३२	२५१६	स्वरोदयः	–	३३
२३३	४२५५	षोडकोष्ठविधिः	–	२
२३४	३१६०	शनिनिरुपणम्	–	४
२३५	१२५२	सुकनावलिः	–	६
२३६	३३५६	नेत्रादिकालनिर्णयः	भट्टोजिदीक्षित	११
२३७	३३६०	कालमाधवीयनिर्णयकारिका	–	७
२३८	३३५५	तिथिनिर्णयः	–	१२
२३९	३३६८	कालमाधवकारिका	–	८
२४०	३३३६	लघुमाधवाख्यकालनिर्णयः	–	३०
२४१	३३६१	कलिमाधवीयकारिका	–	४०
२४२	३३८४	लीलावती	–	५
२४३	३४२८	कालमाधवः	–	१४३
२४४	३२२८	ग्रहदृष्टिविचारमाला	–	२४
२४५	३२७८	सौरप्रारंभः	–	११
२४६	३२८४	एकाक्षरनाममिधानम्	–	३
२४७	३२०४	लघुजातकम्	–	१३
२४८	३२६६	प्रश्नावली	–	६
२४९	३१८६	मुथहानिरुपणम्	–	२
२५०	३७०७	ताजिकसारः	हरिभट्ट	३५
२५१	३१८७	राहुकेतुभावफलम्	–	१४
२५२	४३५०	विशोत्तरीदशाविभागफलम्	–	३

आकारः	पंक्ति-संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१०×४.८	६	२८	दे.ना.	कागज	शक १६६६	पूर्णम्	-	२३०
५×४	१२	१६	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२३१
५×४	१०	१५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२३२
६×३	७	२२	,,	,,	सम्वत् १६१५	पूर्णम्	-	२३३
१०×४.६	८	२५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२३४
८.२×४	६	२७	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२३५
	१० ४	११	४७	,,	,,	पूर्णम्		२३६
६×४	१२	३५	,,	,,	सं. १८२६	पूर्णम्	-	२३७
६×४	११	४१	,,	,,	१८७१	पूर्णम्	कीटानुभक्षितः	२३८
६×३.८	६	३८	,,	,,	१८८०	पूर्णम्	-	२३६
६.८×४.४	१३	४६	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२४०
१०×४.६	६	३६	,,	,,	-	अपूर्णम्	कीट भक्षितः	२४१
१०×४.६	६	३०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२४२
१०×४	६	४१	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२४३
१०×४	११	३१	,,	,,	-	अपूर्णम्	३३पत्र से ५६ पत्र तक	२४४
४.१०×६	६	१५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२४५
८.१०×३.५	६	३७	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२४६
७.८×४	११	२२	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२४७
६×४	१६	३६	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२४८
६.८×४	१०	२७	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२४६
६×४	११	३१	,,	,,	हरिभट्ट	पूर्णम्	हरिभट्ट	२५०
१०×४	११	२६	,,	,,	सम्वत १४०८	पूर्णम्	-	२५१
१०×५	१३	३५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२५२

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या	
२५३	४३००	यात्रामुहूर्तः	-	४	
२५४	२८५६	निर्णयसिन्धुः प्र. परिणा १	कमलाकर भट्ट	३२	
२५५	-	-	द्वितीपरि.२	-	७१
२५६	-	-	तृतीय परि० ३	-	१४६
२५७	४३४६	षष्टोत्तरीदशा	-	३	
२५८	४२७६	ज्योतिषकेदारः	-	१७	
२५९	४४०४	तिथिनिर्णयदीपिका	-	४२	
२६०	२७३४	कुम्भमीनमरणशान्तिः	-	३	
२६१	२७४०	दीक्षाकल्पम्	-	२०	
२६२	३०६७	पाशककेतली	-	८	
२६३	३०६४	मातृकाशकुनम्	-	२	
२६४	५३१६	पवनविजयः उमाशिव संवादः	-	६	
२६५	५१७६	गुरुपरम्परा	-	१८	
२६६	५८१७	ज्योतिषरत्नाकरः सटीकः	-	८४	
२६७	४१२६	लग्नचन्द्रिका	-	२५	
२६८	३६३८	प्रश्नविद्या	-	२१	
२६९	३७२२	सौभाग्यरत्नाकरः	-	७७	
२७०	५७५३	लीलावती टीका	सूर्य मणि त्रिपाठी	६२	
२७१	५७५४	ग्रहलाघवस्य टीका उदा.	-	८६	
२७२	१६३७	नक्षत्रदोहनम्	-	११	
२७३	२३३८	विंशदशाफलम्	-	२१	
२७४	२५४१	सिद्धान्तलेशः	-	१०	
२७५	२८६८	बालबोधविवेकनी	-	३६	
२७६	२६११	ज्योतिषमतिकल्पम्	-	२	

आकारः	पंक्ति-संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
६×४.६	८	२६	दे.ना.	कागज	-	पूर्णम्	-	२५३
१२×४	१२	५१	,,	,,	-	पूर्णम्	कमलाकर भट्ट	२५४
१२×४	१३	५६	,,	,,	-	पूर्णम्	,,	२५५
१२×४	११	५२	,,	,,	-	पूर्णम्	,,	२५६
६×५	१६	३२	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२५७
१०×६	६	२३	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२५८
८×४.८	१४	३१	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२५९
१०×४	११	३६	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२६०
१०×३	६	४८	,,	,,	शक १६७४	पूर्णम्	-	२६१
७×३	१०	३५	,,	,,	-	अपूर्णम्	जीर्णशीर्ण	२६२
५×२.८	६	२७	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२६३
६×४	६	२१	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२६४
६×४	६	१८	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२६५
१२×७	१६	३२	,,	,,	-	पूर्णम्	कीट भक्षितः	२६६
४×७	१६	१३	बंगला	,,	-	पूर्णम्	-	२६७
४.८×७	१३	७	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२६८
१०×४	१३	३६	,,	,,	-	अपूर्णम्	कीट भक्षितः	२६९
१०×४.१०	६	३२	,,	,,	१७८९	पूर्णम्	-	२७०
६×४	६	३५	,,	,,	शक १७००	पूर्णम्	-	२७१
६×४	६	१७	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	२७२
१०×४	७	३१	,,	,,	सम्वत् १८६२	पूर्णम्	-	२७३
१०×४.६	६	५४	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२७४
१०.१०×४.८	१०	४०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२७५
६×३.८	१२	३५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	२७६

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२७७	२८६३	सम्वत्सरावलीकथा	–	११
२७८	२८७७	आह्निकपद्धतिः	–	१६
२७९	२५३८	पञ्चकविवेकः	छठकोपदस	१७
२८०	५८६५	पंचशायकः	कविशेखर	२१
२८१	२८८५	शीघ्रबोधः पटल	–	६०
२८२	–	बृहस्पतिकाण्डम्	–	८
२८३	–	ज्योतिषसंग्रहः	–	२७ गणनया
२८४	२८६४	तिथिनिर्णयप्रदीपः	–	६
२८५	२८६८	त्रैलोक्यदीपकः	–	५
२८६	२८७०	ग्रहसारणी	–	३१
२८७	२८७१	दिनचर्या	–	७
२८८	२८६६	सम्बसरफलम्	–	२०
२८९	२८६६	मूजरचित्रकः	वाराहमिहिर	१०
२९०	२८८०	कृतयुगप्रमाणम्	सूर्य सिद्धान्त अरुमणि	१८
२९१	५८८३	वर्षग्रहाणां निसर्गदशा	–	७
२९२	५८६०	गर्गमनोरमा	गंगचार्य	४
२९३	५८५९	दैवज्ञदीपमालिका	–	३
२९४	५८४६	मागधपरिभाषा	–	३
२९५	५८७०	वर्षतंत्रम्	नीलकण्ठ	१७
२९६	५८६९	संकेतकौमुदी	–	९
२९७	५८६६	सूर्यबोधसुधाकरः	–	६३
२९८	५८७१	वर्षतंत्रः	नीलकण्ठ	१९

आकारः	पंक्ति-संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१०.८×४	६	३८	दे.ना.	कागज	सम्वत् १८६१	पूर्णम्	-	२७७
६.१०×४.८	११	३०	”	”	”	पूर्णम्	-	२७८
१०.६×४.८	६	२७	”	”	-	पूर्णम्	-	२७६
११×६	१३	४५	”	”	-	पूर्णम्	-	२८०
६.४×४	१०	१५	”	”	सं. १७७३	पूर्णम्	-	२८१
६.४×४	१०	२२	”	”	१७८०	पूर्णम्	-	२८२
६.४×४	१०	१८	”	”	-	पूर्णम्	गणनया २७ पत्र	२८३
१२×४.७	८	३६	”	”	-	पूर्णम्	-	२८४
६.४×४.१२	१३	२८	”	”	-	पूर्णम्	-	२८५
७×५	८	२८	”	”	-	पूर्णम्	-	२८६
८×४.८	६	२०	”	”	-	पूर्णम्	-	२८७
६×५	६	२६	”	”	-	अपूर्णम्	-	२८८
१०×४.८	११	३१	”	”	-	पूर्णम्	-	२८६
१०×४.४	३७	१६	”	”	-	पूर्णम्	-	२६०
७.११×४.१०	६	२४	”	”	-	पूर्णम्	२	२६१
६.६×५	६	३३	”	”	सम्वत् १८६२	पूर्णम्	-	२६२
१०×४	११	३२	”	”	-	पूर्णम्		२६३
७.१०×६	११	२३	”	”	-	पूर्णम्	-	२६४
६×४	२०	४४	”	”	-	पूर्णम्	-	२६५
१०×४.८	१३	३७	”	”	-	पूर्णम्	-	२६६
११×४	११	३६	”	”	सम्वत् १८२४	पूर्णम्	-	२६७
१०.३×४.८	१४	३३	”	”	-	पूर्णम्	-	२६८

क्रमांकः	परिग्रहण-संख्या	ग्रन्थनाम (स्तोत्रम्)	ग्रन्थकारः	पत्रसंख्या
२६६	,,	ताजिकनीलकठे संज्ञातंत्रम्	,,	,,१५
३००	६८५२	सिद्धान्तशिरोमणिः	भास्काराचार्य	२६६
३०१	५८५१	,,	गणित तत्त्व चिन्तामणि	४६४
३०२	५८४६	लग्नचंद्रिका	–	४६४
३०३	५८४६	लग्नचंद्रिका	–	१०४
३०४	५८५५	समयप्रकाशः	पृथ्वी चन्द्र	२३०
३०५	५८८६	चमत्कारचिन्तामणिः	–	२०
३०६	–	षट् पंचाशिका	वाराहमिहिर	१७
३०७	५८५६	होरारत्नम्	–	३८४
३०८	६७	जन्मकालविधानम्	–	४-११ (८)
३०६	७५	लग्नफलविचारः	–	,,
३१०	२०३२	शीघ्रबोधः	–	२५
३११	१५८२	मुहूर्तकल्पवृक्षः	–	६२
३१२	४३०२	प्रश्नविधिः	–	४०
३१३	१६३६	योगिनी अन्तरदशा	पद्याकर खाण्डेकर	६
३१४	१०३	ताजिकसारः	–	३
३१५	५२२	स्वरोदयः	–	१०

आकारः	पंक्ति-संख्या	अक्षर	लिपिः	आधारः	लिपि-कालः	पूर्णा-पूर्णम्	विशेषः	क्रमांकः
१०×४	१०	२८	दे.ना.	कागज	-	पूर्णम्	-	२९९
१०×४.८	१०	३६	,,	,,	सम्वत् १८३५	पूर्णम्	-	३००
१०×५	१०	२८	,,	,,	सं. १८३५	पूर्णम्	-	३०१
९×४	७	२५	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३०२
१३×६.८	११	३०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३०३
११×४.८	११	४४	,,	,,	सम्वत् १९५५	पूर्णम्	-	३०४
११×५	१०	४७	,,	,,	१९१४	पूर्णम्	-	३०५
१२×६	१२	३७	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३०६
४×४	८	१४	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	३०७
९११×६	१५	४०	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३०८
१०×४.६	११	३८	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३०९
११×५	१२	३६	,,	,,	-	पूर्णम्	जीर्ण	३१०
६.१०×४	१०	१२	,,	,,	-	पूर्णम्	-	३११
९×४	१०	३९	,,	,,	शक १७६८	पूर्णम्	-	३१२
९११×४	११	४९	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	३१३
१०×५.४	८	३२	,,	,,	-	अपूर्णम्	-	३१४
८×५	१२	२६	,,	,,	संवत् १८८४	पूर्णम्	-	३१५


संस्कृत भवन
उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान
केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वला, न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्द्धजाः।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते, क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम्।।